वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

Chris Oyakhilome

LoveWorld Publishing

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from the *King James Version* of the Bible.

A KEY FOR OTHER BIBLE VERSIONS USED:

NKJV	-New King James Version
AMP	-The Amplified Bible
AMPC	-The Amplified Classic Bible
TANT	-The Amplified New Translation
TLB	-The Living Bible
CEV	-Contemporary English Version
NASB	-New American Standard Bible
ISV	-International Standard Version
NIV	-New International Version
MSG	-The Message Translation
WEB	-The World English Bible
TNLT	-The New Living Translation
ASV	-American Standard Version
TEV	-Today's English Version
RSV	-Revised Standard Version
GNB	-Good News Bible
WNT	-Weymouth New Testament
NRSV	-New Revised Standard Version
MOFFAT	-Moffatt New Translation
WESNT	-Wesley New Testament
EBR	-Rotherham's Emphasized Bible
DRB	-Douay-Rheims Bible

वास्तविकता संग्रह...वास्तविकता संग्रह

ISSN 1596-6984

दिसंबर 2019 edition

Copyright © 2019 by LoveWorld Publishing

FOR MORE INFORMATION AND TO PLACE ORDERS:

UNITED KINGDOM:
Unit C2, Thames View Business Centre, Barlow Way Rainham-Essex, RM13 8BT.
Tel.: +44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

USA:
Christ Embassy Houston,
8623 Hemlock Hill Drive
Houston, Texas. 77083
Tel.: +1-281-759-5111

NIGERIA:
Plot 97, Durumi District, Abuja, Nigeria.

Plot 22/23 Billingsway Road, Oregun, Ikeja, Lagos.
P.O. Box 13563 Ikeja, Lagos
Tel.: 01-8888186

SOUTH AFRICA:
303 Pretoria Avenue
Cnr. Harley and Braam Fischer,
Randburg, Gauteng 2194
South Africa.
Tel.:+27 11 326 0971

CANADA:
LoveWorld Publishing Canada
4101 Steeles Ave W, Suite 204
Toronto, Ontario
Canada M3N 1V7
Tel.:+1 416-667-9191

www.rhapsodyofrealities.org
email: rorcustomercare@loveworld360.com

All rights reserved under International Copyright Law. Contents and/or cover may not be reproduced in whole or in part in any form without the express written permission of LoveWorld Publishing.

भूमिका

हुर्रे ! आपकी प्रिय दैनिक अध्ययनिका, वास्तविकता संग्रह अब १८००, भाषाओं में उपलब्ध है और लगातार बढ़ रही है। हमें विश्वास है कि अध्ययनिका का २०१९ का अंक ने आपकी आत्मिक वृध्दि और विकास को बढ़ाया है और आपको आपके सभी प्रयासो मे असाधारण सफलता के लिए सही स्थान में रख दिया है।

इस अंक के जीवन बदलने वाले विचार आपके विश्वास को ताजा करेंगे, बदल देंगे और स्फूर्ति देंगे, जैसे ही आप परमेश्वर के वचन के साथ एक प्रतिफल देनेवाले अनुभव में जुडते है।

- वास्तविकता संग्रह अध्ययनिका को कैसे इस्तेमाल करे -

- हर लेख को पढो और सावधानीपूर्वक इसपर मनन करो। प्रतिदिन जोर से प्रार्थनाओ और घोषणाओ को कहना, सुनिश्चित करेगा कि जो परमेश्वर का वचन आप बोल रहे है, वह आपके जीवन में पूरा होता है।
- एक-वर्षीय अध्ययन योजना के साथ, या दो वर्षीय अध्ययन योजना के साथ संपूर्ण बायबल को पढो।
- आप दैनिक बायबल अध्ययन खंडो को दो भागो में भी बाँट सकते है - सुबह और शाम अध्ययन
- हर महिने के लिए प्रार्थनापूर्वक अपने लक्ष्यो को लिखने के लिए अध्ययनिका का इस्तेमाल करो, और अपनी सफलता को मापो, जैसे ही आप एक के बाद एक लक्ष्य को प्राप्त करते है।

हम आपको परमेश्वर की महिमामयी उपस्थिति और विजय का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते है, जैसे ही आप उसके वचन की एक दैनिक खुराक को लेते है! हम आपसे प्रेम करते है! परमेश्वर आपको आशिष दे!

~पास्टर क्रिस औयाखिलोमे

व्यक्तिगत जानकारी

नाम:

पता:

टेलीफोन:

Mobile:

E-mail address:

Business address:

Goals for the Month:

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

www.rhapsodyofrealities.org

रविवार **1**

दैविय परिवर्तन

जब वह प्रार्थना कर ही रहा था, तो उसके चेहरे का रूप बदल गया, और उसका वस्त्र श्वेत होकर चमकने लगा (लूका ९:२९)।

बहुत सी बार लोग प्रार्थना करते है, "हे प्रभु! आपकी महिमा को मेरे ऊपर आने दो"। किंतु नए नियम में यह गलत प्रार्थना है। बहुत से इस तरिके से प्रार्थना करते है क्योंकि उनको वह पसंद है जो पुराने नियम में मूसा के साथ हुआ था; परमेश्वर की वह महिमा जो उसके ऊपर आई और उसके चेहरे पर दिखाई देती थी। किंतु आज हमारे पास उससे कुछ बेहतर है, क्योंकि पवित्र आत्मा, जो महिमा का आत्मा है, हम में रहता है।

जो हमारे अंदर है वह श्रेष्ठ महिमा है, एक बेमिसाल महिमा: "क्योंकि जब दोषी ठहरानेवाली वाचा महिमामयी थी, तो सत्यनिष्ठ ठहरानेवाली वाचा और भी महिमामयी क्यों न होगी। और जो महिमामयी था, वह भी उस महिमा के कारण जो उससे बढ़कर महिमामयी था, कुछ महिमामयी न ठहरा। क्योंकि जब वह जो घटता जाता था तेजोमय था, तो वह जो स्थिर रहेगा और भी तेजोमय क्यों न होगा?" (२कुरिंथियो ३:९-११)। हमारे आरंभिक वचन को फिर से पढिए; यह कहता है, "जब वह प्रार्थना कर ही रहा था, तो उसके चेहरे का रूप बदल गया, और उसका वस्त्र श्वेत होकर चमकने लगा"(लूका ९:२९)। यह दिखाता है कि यीशु के साथ क्या हुआ जैसे ही उसने परिवर्तन के पर्वत पर प्रार्थना की: वह बदल गया था; उससे बहुत अधिक महिमा प्रकाशित हो रही थी इतनी कि उसका रुप बदल गया। किंतु वह महिमा और सामर्थ अंदर से थी।

यही होता है जब हम प्रार्थना करते है। ऐसे दो काम है जो हमे बदलते है और महिमा वास्तव में हमारे चेहरे पर प्रकाशित होती है। जितना अधिक आप उन कामों को करेंगें, उतना ही अधिक उस परिवर्तन का आप अनुभव करेंगे। पहला काम है अन्यभाषाओ में प्रार्थना करना। बाइबल कहती है, "जो अन्य भाषा में बातें करता है, वह अपनी ही उन्नति करता है..." (१कुरिंथियो १४:४); आप आवेशित, बढाए और उठाये जाते है, जिस तरिके से आप एक बैटरी की पॉवर को बढाते है, इसका अर्थ है कि आपका प्रकाश चमकता है। हालेलूयाह!

यहूदा १:२० कहता है, "पर हे प्रियो, तुम अपने अति पवित्र विश्वास में उन्नति करते हुए और पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते हुए"। इसे अवश्य ही उस प्रकार की प्रार्थना होनी चाहिए जो यीशु ने की, कि आत्मा में वे बदलाव को देख सके। दूसरा, हर बार जब

आप वचन की प्रार्थना करते है, तौभी यह आपके साथ होता है। हाँ, आप महिमा से महिमा में बदल जाते है।

प्रार्थना में वचन जितना सटीक रुप से आपकी आत्मा से आता है, उतना ही अधिक आप आत्मा में चमकते जाते है। यह आपकी समझने में सहायता करेगा कि क्यूँ आपको हमेशा प्रार्थना करनी चाहिए। जब आप प्रार्थना करते है, तो आप बदल जाते है, और जितना अधिक आप उस महिमा में रहते है, उतना ही आप अपने साथ इसके प्रभावो को ले जाते है। हमारे अगले अध्ययन में, हम इस प्रक्रिया को और गहराई से समझेंगे।

प्रार्थना

प्यारे स्वर्गीय पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ उस वचन के लिए जो आज मेरी आत्मा में आया है; ठीक जैसे ही अभी मैं अन्यभाषा में बोलता हूँ, मैं अपने जीवन के हर क्षेत्र में बदल जाता हूँ, महिमा से महिमा में, और आपके वचन का प्रकाश मुझ में और अधिक चमकता है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 17:1-2; प्रेरितो के काम 6:15 MSG; निर्गमन 34:29 NIV

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 यूहन्ना 2:15-3:1-10 & यहेजकेल 45-46

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 16:23-33 & 2 इतिहास 3-4

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 2

अपने दिमाग के चरित्र को नया बनाते हुए

इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे दिमाग के नये हो जाने से तुम भी बदलते जाओ, जिससे तुम परमेश्वर की अच्छी, और ग्रहणयोग्य, और सिद्ध इच्छा को जॉचते रहो (रोमियो १२:२)।

आपका दिमाग बहुत जरुरी है। यह आपकी आत्मा के लिए दरवाजा है, और यह आपकी आत्मा से बाहर आने का रास्ता भी है, प्राकृतिक विश्व में कुछ लाने के लिए।

हमारे आरंभिक वचन का रेखाकिंत भाग हमे बताता है, "... परन्तु तुम्हारे दिमाग के नये हो जाने से तुम भी बदलते जाओ (परिवर्तित हो जाओ) ", इसका अर्थ है कि आप अपने विचारो को परमेश्वर के विचारो से बदलते है, आप अपनी सांसारिक सोच को भगा देते है, अपने शरीर के विचारो को, और उसके महिमामय विचारो और सुझावो को ग्रहण करते है। इसका आखिरी भाग कहता है, "ताकि तुम परमेश्वर की भली, ग्रहणयोग्य और सिद्ध इच्छा को जॉचते रहो"।

शब्द " जॉचना " ग्रीक शब्द –डोकिमाजो –से आया है और इसका अर्थ है निरीक्षण करना, जाँचना। सरल शब्दों में, यह एक कस्टम ऑफिसर की तरह है जिसको उत्तरदायित्व दिया गया है कि वह अनैतिक आयात और निर्यात को रोके –वर्जित वस्तुओं को अंदर ना आने दे। जब वह इस तरह की वस्तु को देखता है, तो वह इसको देश में आने से नाकार देता है। यही है जो वचन हमे समझा रहा है, दिमाग को बदलने का परिणाम। आप "जॉचने " के योग्य है, इसका अर्थ है आप विचारो को जाँचेंगे जो आपके दिमाग में आने चाहिए और यह निश्चित करेंगे कि वे परमेश्वर के वचन और आपके जीवन के लिए उसकी सिद्ध इच्छा के साथ मेल खाते है।

अब जब कि आप नये जन्मे है, आपको श्रेष्ठता सोचना है, और केवल श्रेष्ठता के चित्रो को देखना है। अपने दिमाग को उन वस्तुओ पर लगाईये जो शुद्ध, सत्य, आदरणीय, उचित, सदगुण और प्रशंसा की है। आप जीवन के पुराने तरिके से नही जी सकते, अब आप अलग है।

इफिसियो ४:२२-२३ कहता है, "कि तुम पिछले चालचलन के पुराने मनुष्यत्व को जो भरमानेवाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता है, उतार डालो। और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ" (इफिसियो ४:२२-२३)। यह इसी बात को

बता रहा है: अब अलग तरिके से सोचो और जीओ जब कि आप परमेश्वर की एक संतान है। जैसे ही आप इसे करेंगे, आप अपनी पुन:सृष्टित मानविय आत्मा में महिमा को रास्ता दे रहे होंगे; आपमें आत्मा की सुंदरता बाहर एक बढती हुई मात्रा में दिखाई देगी। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं नये आत्मिक व्यक्ति के कपडे पहनाया गया हूँ, जोकि नया और बदलता जाता है परमेश्वर के स्वरुप और प्रतिरुप के और अधिक सिद्ध ज्ञान में। मैं श्रेष्ठ विचारो को सोचता हूँ और केवल श्रेष्ठता और सफलता, विजय, और प्रचुरता के चित्रो को देखता हूँ! मेरा दिमाग उन वस्तुओ पर केंद्रित है जो शुद्ध, सत्य, आदरणीय, उचित, सदगुण और प्रशंसा की है । परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 4:22-24; कुलुस्सियो 3:10 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 यूहन्ना 3:11-24 & यहेजकेल 47-48

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 17:1-10 & 2 इतिहास 5-6

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सिद्धता संभव है

इसलिये तुम सिद्ध बनो, जैसा कि तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है (मत्ती ५:४८)।

कुछ लोग बहुत सालो तक गलत विचारो और गलत शिक्षाओ में विश्वास करते और उन्हें पकडे रहते है क्योंकि उन्हें परमेश्वर का वचन सटीकता से नही सिखाया गया है। क्योंकि कोई वस्तु अच्छी या धार्मिक लगती है इसका यह अर्थ नही है कि वह परमेश्वर के वचनो से मेल खाती है। उदाहरण के लिए, ऐसे लोग है जो कहते है, "हम कभी सिद्ध नही होनेवाले। जब तक आप इस भौतिक शरीर में है, हम पाप करेंगे; हम गलतीयाँ करते रहेंगे।" किंतु बाइबल हमे यह नही सिखाती है।

बहुत से ऐसे लोग जिनके पास इस तरह की धारणा है, यह उन्होंने उनके अनुभवो से पाई है। उन्हें लगता है कि हर व्यक्ति किसी ना किसी तरिके से गलतीयाँ कर रहा है, क्योंकि वे भी अपने जीवनो में गलतीयाँ कर रहे है। इसलिये वे सिद्धता में विश्वास नही करते है। किंतु परेशानी यह है कि वे नही जानते है कि मसीह में सिद्धता क्या है। जब आप वचन का अध्ययन करेंगे, तो ऐसी कोई भी जगह नही है जो सिद्धता की असंभावना को बताती है।

हमने हमारे आरंभिक वचन में पढा, "इसलिये तुम सिद्ध बनो, जैसाकि तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है"। यहाँ पर शब्द "सिद्ध" ग्रीक "टैलियोस" है, इसका अर्थ है पूरी तरह से वयस्क; पूर्ण और बिना कमी के। इस वचन में, परमेश्वर चाहता है कि आप अपने हृदय को परमेश्वर के हृदय से नापे। और इसको करने का तरिका वचन के द्वारा है।

जब आप उस तरिके से सोचते, प्रेम करते और दूसरो को क्षमा करते है जैसा परमेश्वर चाहता है आप करे; जब आपके पास पिता का हृदय होता है; यह उसकी तरह सिद्ध होने जैसा है। अगर हम सिद्ध नही हो सकते थे, तो परमेश्वर ने हम से कभी यह नही माँगा होता। अपने जीवन की श्रेष्ठता के द्वारा अपने आसपास के लोगो को उत्साहीत कीजिए, और उस सिद्धता के द्वारा जिसके द्वारा आप कामो को करते है, पवित्र आत्मा के साथ। बाइबल कहती है कि उसने हमे बुलाया है, "महिमा और सदगुण में" (२पतरस १:३)। इसका अर्थ है कि उसने आपको श्रेष्ठता में बुलाया है; इसलिये, श्रेष्ठता का जीवन जीना आपकी आत्मा के लिए पैदाइशी है।

सिद्धता में भरोसा कीजिए, क्योंकि मसीह यीशु में यही आपका जीवन और स्वभाव है। बाइबल कहती है कि वह मरा आपको पाप मुक्त और परमेश्वर के सामने सिद्ध प्रस्तुत

करने के लिए: "तुम जो पहले निकाले हुए थे और बुरे कामों के कारण मन से बैरी थे। उसने अब उसकी शारीरिक देह में मृत्यु के द्वारा तुम्हारा भी मेल कर लिया ताकि तुम्हें अपने सम्मुख पवित्र और निष्कलंक, और निर्दोष बनाकर उपस्थित करे" (कुलुस्सियो १:२१-२२)।

घोषणा

मेरे पास मसीह का दिमाग है; इसलिये, आत्मा की सिद्धता मुझ में काम करती है, क्योंकि उसने मुझे महिमा और श्रेष्ठता में बुलाया है! मैं सिद्ध और गलतीरहीत हूँ, मुझे किसी वस्तु की कमी नही है, क्योंकि जैसा वह है वैसा ही इस विश्व में मैं हूँ। मैं निर्दोष, निष्कलंक और मसीह में पूर्ण हूँ। मेरा जीवन उसकी सिद्धता और महिमा का प्रत्यक्षिकरण है, उसके नाम की स्तुति और महिमा के लिए। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

२ कुरुंथियो 13:11; 1 यूहन्ना 4:17; मत्ती 5:48 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 यूहन्ना 4 & दानिय्येल 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 17:11-21 & 2 इतिहास 7-8

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार 4

समझ में आगे बढो

और तुम्हारी समझ की आँखें ज्योतिर्मय हों कि तुम जान लो कि उसकी बुलाहट की आशा क्या है, और पवित्र लोगों में उसके उत्तराधिकार की महिमा का धन कैसा है (इफिसियो १:८)।

जब हम कहते है कि दर्शन प्रगतिशील है, तो इसका यह अर्थ नही है कि हम किसी नई वस्तु को जोड रहे है या परमेश्वर समय समय पर और अधिक दर्शनो को ला रहा है। इसका केवल यह अर्थ है कि हमारी समझ की आँखे और अधिक खुल जाती है उसको देखने के लिए जो पहले से ही वचनो में दिखाया गया है। कारण कि यह प्रगतिशील है क्योंकि हम बढ रहे है, हम और अधिक सीख रहे है, और हमारी समझ में आगे बढ रहे है।

जैसे ही आप वचनो को पढेंगे, तो दर्शन और अवलोकन आएगें। किंतु, लोग जिसके विषय में ज्यादा बात करते है, वे दर्शन नही है, किंतु अवलोकन है, क्योंकि परमेश्वर का वचन संपूर्ण है। सोचीए जो पौलुस, पतरस और दूसरे प्रेरितो ने वचनो में कहा, पवित्र आत्मा के द्वारा; यह इससे बेहतर नही हो सकता। आप एक "नया दर्शन" नही बना सकते, क्योंकि इसको उस पर आधारित होना है जो यीशु करने के लिए आया। १ कुरिंथियो ३:११ कहता है, "क्योंकि उस नींव को छोड़ जो पड़ी है, और वह यीशु मसीह है, कोई दूसरी नींव नहीं डाल सकता"।

आज आप ऐसा कुछ भी नही खोंजेगे जो पहले से ही वचनो में नही है। किंतु समझिए यद्यपि आप वचन का अध्ययन करते है, फिर भी आप कुछ वस्तुओ को कभी नही जान पाएंगें, जब तक आत्मा उस ज्ञान को आपमें ना डाले। और यह बहुत जरूरी है। एकमात्र वस्तु जो आपका जीवन बदलेगी यह वह ऊँची समझ होगी जो आत्मा देता है; यह आपके जीवन को हर तरिके से प्रभावित करेगी। आपकी प्रार्थना बदल जाएगी; आपकी सोच बदल जाएगी। आप अपने काम में और सुसमाचार की सेवकाई में और अधिक प्रभावी बन जाएँगे।

अचानक ही, आप महसूस करेंगे कि जब आप "आशा " कर रहे थे कि एक दिन परमेश्वर आप पर दया करेगा और आपकी सहायता करेगा, तब आपको एक ऊँची समझ चाहिए थी कि हर वह वस्तु जो जीवन में आपको कभी भी चाहिए थी वह पहले से ही आपमें है; पहले से ही दी जा चुकी है। परमेश्वर की महिमा हो!

घोषणा

मैं घोषणा करता हूँ कि परमेश्वर का वचन मेरा लाभ, उन्नति, आशिष और प्रमोशन है। मेरा हृदय और मेरा दिमाग वचनो को ग्रहण करने और समझने के लिए खुले हुए है; इसलिए, मैं यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा उद्धार के लिए बुद्धिमान हूँ। वचन मेरे जीवन में प्रभावी है, मुझ में वह पैदा करता हुआ जिसकी यह बात करता है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

२ तीमुथियुस 2:15; २ तीमुथियुस 3:15; इफिसियो 1:15-18

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 यूहन्ना 5 & दानिय्येल 3-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 17:22-26 & 2 इतिहास 9-10

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 5

बीच में खडे हो जाओ

शमौन, हे शमौन! देख, शैतान ने तुझको माँग लिया है कि गेहूँ के समान फटके: परन्तु मैं ने तेरे लिये विनती की कि तेरा विश्वास जाता न रहे; और जब तू फिरे, तो अपने भाइयों को स्थिर करना (लूका २२:३१-३२)।

वचन के मेरे अध्ययन में मैंने ऊपर के वचन को बहुत बार पढा है। एक बार मैं ने कहा, "प्रभु यीशु आपको शिमौन के लिए प्रार्थना क्यूँ करनी पडी? क्या आप परमेश्वर नही है? आपने उसको केवल बदल क्यूँ नही दिया?" क्यूँ यीशु ने शिमौन के लिए केवल भविष्यद्वाणी करके नही कहा, "तुम्हारा विश्वास असफल नही होगा?" वरन उसने कहा, "मैं ने तुम्हारे लिए प्रार्थना की है"। जब आप किसी के लिए प्रार्थना करते है, तो आप केवल आशा में प्रार्थना कर सकते है। इसलिए, यीशु ने पतरस के लिए आशा में प्रार्थना की। यह बहुत ही निर्देशात्मक है।

समय समय पर, प्रभु हमारी आँखो को खोलता है, प्रभु में हमारे कुछ भाईयों और बहनो को देखने के लिए जिनके लिए हमे मध्यस्था करने की आवश्यकता है, ताकि वे उस जगह तक पहुँच जाएँ जहाँ पर हम विश्वास करते है कि उन्हें होना चाहिए। यह केवल पास्टर का ही उत्तरदायित्व नही है। यह एक काम है जिसकी परमेश्वर आपसे आशा करता है; दूसरो के लिए एक सोच और मध्यस्था की गहरी प्रार्थना का कार्य, केवल खोए हुओ के लिए नही, किंतु उनके लिए भी जो पहले से ही प्रभु में है किंतु शायद गलत रास्ते पर जा रहे है।

अगर स्वामी को पतरस के लिए प्रार्थना करनी पड़ी, तो हमे अपने भाईयों और बहनो के लिए प्रार्थना करने की कितनी जरुरत है कि उनका विश्वास असफल ना हो। उन्हें नीचे जाता हुआ मत देखिए या उनकी गलतीयो के लिए उनकी बुराई मत किजिए। उनके लिए बीच में खडे हो जाईये।

और क्या यह मजेदार नही है यीशु ने नही कहा, "शिमौन, मैंने प्रार्थना की है कि शैतान तुझे ना छुए?" उसने यह प्रार्थना नही कि शैतान उस पर प्रहार ना करे। वरन, उसने प्रार्थना की कि पतरस का विश्वास प्रबल हो। यह हमे क्या बताता है? शैतान एक कारक नही है; कारक हमारा विश्वास है। इससे अंतर नही पडता है कि स्थिती कितनी खराब है;

इससे अंतर नही पडता है कि बीमारी कितनी भयानक है; इससे अंतर नही पडता है कि दर्द कितना भयानक है; यह इस विषय में है कि आपका विश्वास प्रबल होने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली है । इसी से अंतर पडता है।

इसलिए, जब आप मसीहो को देखते है कि वे किसी भी तरिके से शैतान के द्वारा प्रताड़ित है, चाहे पाप, बीमारी या कमी के द्वारा, तो यह हमारी याजक की सेवकाई का भाग है कि हम उनके लिए प्रार्थना करे कि उनका विश्वास असफल ना हो, उस परिस्थिती के बावजूद जिसमें वे है।

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ उन मसीहो के लिए बीच में खडे होने की सुविधा देने के लिए जिनका विश्वास आज प्रहार के अंतर्गत है; मैं प्रार्थना करता हूँ कि जिन चुनौतियो का वे सामना कर रहे है उनसे वे हारेंगे नही और वे उन प्रलोभनो के ऊपर जय पाएँगे, उनका विश्वास प्रबल होगा, जैसे ही वे उनके आंतरिक मनुष्य में आपके आत्मा के द्वारा सामर्थ पाकर बलवंत हो जाएँगे, मजबूत और अविचलित बने रहने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 3:14-19; गलतियो 4:19 NKJV; इफिसियो 6:18

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

2 यूहन्ना & दानिय्येल 5-6

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 18:1-9 & 2 इतिहास 11-12

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सुक्रवार 6

हम मात्र मनुष्य नही है

मैं ने तुम्हें, जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसलिये लिखा है कि तुम जानो कि अनन्त जीवन तुम्हारा है ...
(१यूहन्ना ५:१३)।

ऊपर के वचन में यूहन्ना प्रेरित ने कहा, "मैं चाहता हूँ कि तुम जान लो कि तुम्हारे पास अनंत जीवन है"। यह साधारण रुप से हमे बताता है कि मसीहो के रुप में, हम केवल मात्र मनुष्य नही है।

यह बहुत जरुरी है कि आप इस पर विश्वास करे, इसको माने और समझे, क्योंकि जब तक आप इसको जानते नही है कि आप केवल मनुष्य मात्र नही है, तब तक आप उन बातो के आधीन रहेंगे जिनके आधीन मनुष्य होते है: इस विश्व के भ्रष्ट प्रभावो के आधीन। बाइबल कहती है कि हम विश्व की भ्रष्टता से छूट गए है कि जो लोभ से होती है, परमेश्वर सरिखे के सहभागि होने के कारण (२पतरस १:४)।

वास्तव में कुछ हुआ था जब आप नए जन्में थे; आप वास्तव में पुन: जन्मे थे। २कुरिंथियो ५:१७ कहता है, "इसलिये यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है : पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, सब बातें नई हो गई है"। यह एक कहावत नही है; मसीह में होने का मतलब है कि आप मसीह में जन्मे है, मसीह में बपतिस्मा पाए है (गलातियो ३:२७)। इसका अर्थ है कि आप उसमें डूब गए है और उसके साथ एक बन गए है।

अब जब कि आप मसीह में है, आपके पास परमेश्वर का जीवन और स्वभाव है। आप एक अलग प्रकार की प्रजाति है। और बाइबल के अनुसार, आपके पास दो स्वभाव नही है; आपका पुराना स्वभाव मसीह के साथ क्रूस पर लटकाया दिया गया था (रोमियो ६:६)। अब आपके पास एक दूसरा जीवन है, पुनरुत्थानी जीवन, आपके अंदर।

याकूब १:१८ कहता है, "उसने अपनी ही इच्छा से हमें सत्य के वचन के द्वारा उत्पन्न किया, ताकि हम उसकी सृष्टि की हुई वस्तुओं में से एक प्रकार के प्रथम फल हो"। रेखाकिंत भाग बताता है कि आप एक दूसरे प्रकार के मनुष्य है "परमेश्वर -सरिखे"मनुष्य । नए जन्मे होकर, आप ना केवल मसीह के ज्ञान में लाए गए थे, किंतु मसीह के साथ एकता में भी जिसने आपको दैवियता का एक सहभागि बना दिया है। कोई आश्चर्य नही कि यीशु ने यूहन्ना १०:३४ में कहा, "...क्या नियम में यह नही लिखा है कि मैं ने कहा

है कि तुम ईश्वर है...”। परमेश्वर की महिमा हो!

घोषणा

मैं परमेश्वर-सरिखा मनुष्य हूँ, क्योंकि मेरी आत्मा में परमेश्वर का जीवन और स्वभाव है। मैंने मनुष्य होना बंद कर दिया है, क्योंकि मैं ना केवल मसीह के ज्ञान में लाया गया हूँ किंतु उसके साथ एकता में भी जिसने मुझे दैवियता का एक सहभागि बना दिया। मैं जानता हूँ कि मैं कौन हूँ! इसलिए, मैं इस जीवन में राज्य और शासन करता हूँ, पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा महिमामय रुप से प्रबलता पाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

भजन संहिता 82:5-6; यूहन्ना 1:12-13 CEV; 2 पतरस 1:4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

3 यूहन्ना & दानिय्येल 7-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 18:10-18 & 2 इतिहास 13-14

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सनिवार 7

मसीहत को समझना

और जो प्रभु की संगति में रहता है, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है (१कुरिंथियो ६:१७)।

ऐसे लोग है जो वास्तव में नही जानते है कि मसीहत है क्या। इसलिए, वे पहचान की कमी का कष्ट उठाते है, क्योंकि वे नही जानते है कि वे कौन है। यही कारण है कि कुछ लोग बीमार और परेशान होते है, और उन्हें हमेशा दवाई की जरुरत पडती है। अब, शायद कोई आश्चर्य करे, "क्या आप कह रहे है कि मसीही को बीमार नही होना चाहिए?"

हाँ, मसीहो को बीमार नही होना चाहिए! मसीही के अंदर अनंत जीवन है, और यह जीवन बीमारी, गिरावट और मृत्यु से बेहतर है। यही वह जीवन है जो यीशु के पास था जब वह पृथ्वी पर रहा। यीशु कभी बीमार नही था। वही दैविय जीवन, जोकि पूर्णरुप से बीमारी और रोग से सुरक्षित है वही है जो उसने हमे दिया है। हालेलूयाह! अब आप समझ सकते है उसने क्यूँ मरकुस १६:१७-१८ में कहा, "और विश्वास करनेवालों में ये चिह्न होंगे कि वे मेरे नाम में दुष्टात्माओं को निकालेंगे, नई नई भाषा बोलेंगे, साँपों को उठा लेंगे, और यदि वे मृत वस्तु भी पी जाएँ तौभी उनकी कुछ हानि न होगी; वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जाएँगे"। यीशु ने ऐसा कहा, और उसने कभी भी किसी से झूठ नही बोला।

मसीही परमेश्वर की श्रेणी का है, वह केवल एक धार्मिक व्यक्ति नही है। मसीहत धर्म बिल्कुल भी नही है; यह एक मनुष्य के अंदर परमेश्वर का सक्रिय जीवन है। मसीहत आपमें मसीह जीवित है; यह वास्तविक और जीवित मसीह के साथ एक वास्तविक संबंध है। मसीहत में, यीशु मसीह का दैविय जीवन आपके अंदर डाला गया है; यह एक वास्तविक अनुभव है। जिस क्षण आपका नया जन्म हुआ था, मसीह ने आपमें अपना घर बना लिया था।

जब आप वास्तव में इसको जान जाते है, तो आपके जीवन के हर दिन आप बहुत आनंद से भरे होंगे! पतरस प्रेरित ने इस आनंद के विषय में बात की जो हमारे पास है और जो हम मसीहो के रुप में दिखाते है : यह अकथनिय और महिमा से भरा हुआ है। यह ऐसा क्यूँ नही होगा, जब कि आप मसीह की महिमा और सत्यनिष्ठा को दिखाने और प्रदर्शित करने के लिए जन्मे थे? यह ऐसा क्यूँ नही होगा, जब की आप प्रभु के साथ एक हो गए है, उसके साथ अटूट बंधन में है?

फिर कैसे बीमारी, कमी, निरुत्साह, डिप्रेशन, आपके साथ सामान्य बात हो सकती है? यह वह वस्तु है जिनसे विश्व के लोग संघर्ष करते है, किंतु आप अलग है! फिलिप्पियो २:१२ कहता है, "...डरते और काँपते हुए अपने अपने उध्दार का कार्य पूरा करते जाओ"।

अपनी मसीहत को "जी कर" इसे वास्तविक बनाए। वचन तब तक काम नही करेगा जब तक आप इसे काम पर नही लगाएँगे। आप ही है जिनको वस्तुओ को करवाना है, आपमें काम करती हुई उसकी सामर्थ के द्वारा। वचन को पकड लीजिए, और इसके द्वारा जीएँ, और आपका जीवन श्रेष्ठता और महिमा से भरा होगा।

घोषणा

मसीह मुझ में जीवित है! मैं साधारण नही हूँ, क्योंकि मैं परमेश्वर सरिखे के साथ सहभागिता में बुलाया गया हूँ। इसलिये हर दिन, मैं मुझ में मसीह के धडकते हुए जीवन को प्रत्यक्ष करता हूँ, बीमारी, दुर्बलता, असफलता, कमी, और शैतान की हर वस्तु के ऊपर प्रबलता का अभ्यास करते हुए! हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ कुरुंथियो 6:17 AMPC; 1 यूहन्ना 5:11-13; १ कुरुंथियो 1:9

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यहूदा & दानिय्येल 9-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 18:19-27 & 2 इतिहास 15-16

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

महान आनंद की आनंदी खबरे

“.....वह पैदा हुआ ताकि कोई मनुष्य दुबारा ना मरे; वह पैदा हुआ पृथ्वी पर परमेश्वर के पुत्रो को पैदा करने के लिए, वह पैदा हुआ उन्हें दूसरा जीवन देने के लिए”, यह शब्द एक विश्व विख्यात क्रिसमस वॅरोल से है, “हार्क द हेराड एंजल्स सिंग”, जो सटीक रुप से क्रिसमस के सबसे महत्वपूर्ण संदेश को बताते है: यीशु मसीह आप में और आपके द्वारा जीने के लिए आया।

क्रिसमस एक मौसम है विचार करने का उस विशेष जीवन पर जो वह हमे देने के लिए आया। मसीह यीशु, वचन, देहधारी हुआ, वह आपमें पवित्र आत्मा के द्वारा हमेशा जीने के लिए पैदा हुआ था। अब, आप अपने सिर को ऊँचा करके चल सकते है, सुनिश्चित होते हुए कि आपमें मसीह का अविनाशी जीवन आपको सर्वदा का चैम्पीयन बनाता है!

मसीह वास्तव में आपमें रहता है; जब आपने उसको ग्रहण किया, तो उसने आपके हृदय की कोठरीयो में अपना स्थान बनाया। इसका अर्थ है की महिमा आ गई है: मसीह आपमें महिमा की आशा है। वह आपके हृदय में रहने के लिए आया है और आपको पिता के साथ एक बनाने के लिए आया है।

क्रिसमस इसी विषय में है; यह आपमें मसीह के विषय में है: आपमें मसीह की रहनेवाली उपस्थिती के आनंद को आपके हृदय को भरने दो इस अद्भुत मौसम में, जैसे ही आप सारे मनुष्य जाति के लिए उसके प्रेम की आनंदी खबर दूसरे तक बाँटते है।

क्रिसमस की शुभकामनाएँ!

टिप्पणी

टिप्पणी

रविवार 8

अपनी मसीहत के साथ खेल मत खेलिए

पर हाँ, जो तुम्हारे पास है उस को मेरे आने तक थामे रहो (प्रकाशितवाक्य २:२५)।

एक काम जिसको करने का मन आपको अवश्य ही बनाना चाहिए वह कि आप अपनी मसीहत के साथ गंभीर हो जाएँ। आत्मिक वस्तुओ का अनादर मत कीजिए या आत्मा के साथ खेल मत खेलिए। कुछ लोग इतने सांसारकि और आत्मिक वस्तुओ के साथ लापरवाह हो जाते है कि वे नही पहचानते है जब वे परमेश्वर से और उनके जीवनो के लिए उसकी योजना से दूर चले गए होते है।

यह उसकी तरह है जैसे शाऊल के साथ हुआ, इस्राएल के राजा के साथ। वह गलत दिशा में बहुत दूर चला गया था यहाँ तक कि जब भविष्यद्वक्ता शमूएल उसके लिए मध्यस्था कर रहा था परमेश्वर ने कहा, "कोई जरुरत नही; मैं ने किसी दूसरे को उसको हटाने के लिए चुन लिया है" (पढिए १शमूएल १६:१)।

परमेश्वर की योजना शाऊल के द्वारा इस्राएल में एक अनंत राज्य स्थापित करने की थी, किंतु उसने उसको खो दिया और दाऊद ने उसको पा लिया।

एसाव की कहानी और दर्दनाक है। बाइबल कहती है, "ऐसा न हो कि कोई जन व्यभिचारी, या एसाव के समान अपवित्र हो जिसने एक बार के भोजन के बदले अपने पहिलौठे होने का पद बेच डाला"(इब्रानियो १२:१६)। कितना दु:खद! इसके बाद जब उसने उन्हीं आशिषो को पाने की कोशिश की जिसका उसने अपमान किया था, तो बाइबल कहती है, "... वह अयोग्य गिना गया, और आँसू बहा बहाकर खोजने पर भी मन फिराव का अवसर उसे न मिला "। उसके आँसूओ से कोई अंतर पैदा नही हुआ; यह बहुत देर हो गई थी। बहुतो के साथ यही होता है।

सोचीए कि एक भाई को एक सेललीडर या बाइबल स्टडी क्लास टीचर बनाया गया था। किंतु केवल चर्च में किसी ने "उसकी बुराई की", तो वह बहुत बुरा मान गया और सेल मेंबर्स के प्रति उसके उत्तरदायित्व से दूर चला गया। उसने यहाँ तक कि यह भी निर्णय लिया कि वह चर्च का एक सदस्य नही रहेगा। यह बहुत गलत है।

इब्रानियो १२:१५ कहता है, "ध्यान से देखते रहो, ऐसा न हो कि कोई परमेश्वर

के अनुग्रह से वंचित रह जाए, या कोई कड़वी जड़ फूटकर कष्ट दे, और उसके द्वारा बहुत से लोग अशुध्द हो जाएँ"। कभी भी कडवाहट या क्रोध को मसीह में अपने विधान को पूरा करने से मत रोकने दीजिए। अपना मन बनाईये वचन में और परमेश्वर के आत्मा के द्वारा जीने का। आत्मिक निर्देशो का पालन कीजिए और परमेश्वर के घर में अपनी सेवा के लिए उत्साहीत हो जाईये।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ उस अनुग्रह के लिए जो आपकी इच्छा करने के लिए और मेरे विधान को पूरा करने के लिए मेरे अंदर काम कर रहा है; मैं अपनी दौड को पूरा करने के लिए दौड रहा हूँ, अपनी सारी ऊर्जाओ को उस काम को करने में लगा रहा हूँ जिसके लिए प्रभु यीशु ने मुझे बचाया और विधानित किया है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

2 यूहन्ना 1:8 NLT; १ कुरुंथियो 15:58; 2 पतरस 1:10

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 1 & दानिय्येल 11-12

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 18:28-40 & 2 इतिहास 17-18

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 9

मसीह में चलना

अत: जैसे तू ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में चलते रहो (कुलुस्सियो २:६ एन.के.जे.व्ही.)।

गलातियो ३:२७ कुछ शक्तिशाली कहता है जोकि उससे मिलता जुलता है जो हमने हमारे आरंभिक वचन में पढा, "और तुम में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है उन्होंने मसीह को पहिन लिया है"। इसका अर्थ है कि आपने उसको पहन लिया है एक कपडे की तरह। आप शायद आश्चर्य करे, "मैंने सोचा था कि मैं ने मसीह को ग्रहण किया है?" हाँ, किंतु अब यह केवल अंदर से नही है, किंतु बाहर से भी है।

आपने यीशु मसीह, प्रभु, को ग्रहण किया है और अब वह आपमें पवित्र आत्मा के द्वारा रहता है। अब जब कि आप नए जन्मे है, आप एक नये वातावरण जिसको मसीह कहा जाता है उसमें लाए जा चुके है, और आपको उस वातावरण में चलना है। हमने हमारे आरंभिक वचन में यही पढा।

उदाहरण के लिए, अगर आप कार में है, तो आप एक अलग वातावरण में है। अगर यह एक वातानुकूलित कार है, तो शायद बाहर गर्मी हो, किंतु आप अपनी गाडी में घूम रहे है, गाडी में एक अलग वातावरण का आनंद उठाते हुए, बाहर सडक पर चलने वालो की तरह नही।

यह उस अनुभव के बराबर है जो इस्राएल के बच्चो के साथ हुआ था, जब उन्होंने वाचा की भूमि के लिए मिस्त्र को छोडा था। वे अपने खुद के वातावरण के साथ गए। बाइबल कहती है, "और यहोवा उन्हें दिन को मार्ग दिखाने के लिये मेघ के खम्भे में, और रात को उजियाला देने के लिये आग के खम्भे में होकर उनके आगे आगे चला करता था, जिससे वे रात और दिन दोनों में चल सकें। उसने न तो बादल के खम्भे को दिन में और न आग के खम्भे को रात में लोगों के आगे से हटाया" (निर्गमन १३:२१-२२ एन.आय.व्ही.)।

रेगिस्तान में सब जगह गर्मी थी और सूखा था, किंतु परमेश्वर के लोग उसकी दैविय उपस्थिती में रह रहे थे। बादल के खम्भे ने उन्हें दिन में चिलचिलाती धूप से बचाया। रात में, जब ठंडी थी, तो उनके पास आग का खम्भा था जिसने उन्हें गर्मी दी। उसी तरिके से, मसीह में, आपके पास स्वंय का वातावरण है। जब आप काम पर जाते है, तो आप उस मसीह वातावरण में है! जब आप घर, विद्यालय, व्यवसाय में या जीवन के रास्तो में

है, आप उस वातावरण में है।

इसका अर्थ है कि कोई भी आपको नुकसान नही पहुँचा सकता। ठीक इस्त्राएल की संतान की तरह, आप उस वातावरण में सुरक्षित है– मसीह –दिन में और रात में। परमेश्वर की महिमा हो! कितना अद्भुत स्थान! यह एक महिमा का वातावरण है। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं मसीह में रहता हूँ, मेरा नया वातावरण! हर जगह जहाँ मैं जाता हूँ, मैं दैविय उपस्थिती में हूँ और मैं उस उपस्थिती को अपने साथ लेकर जाता हूँ, मेरे परिवार, स्वास्थ, धन, और मुझ से जुडी हुई हर वस्तु में मसीह के पूरे हुए कार्यो को दिखाते हुए। मैं इस विश्व का नही हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

गलतियो 3:27 AMPC; कुलुस्सियो 3:10; २ कुरुंथियो 5:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 2:1-17 & होशे 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 19:1-12 & 2 इतिहास 19-20

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मंगलवार 10

अब कोई वाचाएँ नही

क्योंकि उसकी ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, जिसने हमें अपनी ही महिमा और सद्गुण के अनुसार बुलाया है (२पतरस १:३)।

कुछ मसीहो के पास अभी भी पुराने नियम की मानसिकता है, परमेश्वर से कुछ पाने की कोशिश करना; उनके जीवनो में उसकी "वाचाओं " को पूरा करवाने की कोशिश। किंतु इस तरह की मानसिकता होने का अर्थ है कि आप अज्ञानी है और पूरी तरह से अज्ञात है जो मसीह वास्तव में करने के लिए आया। वह परमेश्वर की सारी वाचाओ के परिपूर्णन के रुप में आया, इस तरिके से कि बाइबल में ऐसी कोई भी वाचा नही है जिसको अभी तक एक मसीही के लिए पूरा किया जाना बाकी है।

एक बार, मैं ने एक मसीहो के समुदाय से पूछा, कि क्या उन्हें लगता है कि कोई ऐसी वाचा है जो बाइबल में नई सृष्टि के लिए अभी तक पूरी नही हुई है और किसी ने भजनसंहिता ३७:४ को बोला: "यहोवा में अपना आनंद मना, और वह तेरे मनोरथों को पूरा करेगा"। यही परेशानी है: मैंने कहा कि बहुत से लोग पुराने नियम का जीवन जी रहे है, और उन्हें लगता है कि वे मसीही जीवन जी रहे है।

आपकी हृदय की इच्छाओ, और मसीह जो उसने पहले ही आपको दे दिया है, कौन महान है? आप उससे क्या इच्छा करेंगे जिसने स्वंय को आपको दे दिया है? क्या आपने १कुरिंथियो ३:२१ में नही पढा कि सारी वस्तुएँ तुम्हारी है?

समझिए कि पुराने नियम में सारी वाचाएँ पूरी हो चुकी है और निरस्त की जा चुकी है। वे "पुरानी सच्चाईयाँ है"। सोचीए कि जब एक देश संविधान में संशोधन करता है, और कोई अभी भी पुराने प्रावधान के द्वारा जी रहा है; तो यह काम नही करेगा।

परमेश्वर ने स्वंय को आपको दे दिया है, उसका राज्य, और हर वस्तु को! जब आप मसीह में आते है, तो सारी वस्तुएं आपकी है; उसके पास आपको देने के लिए अब कुछ नही है, क्योंकि आप उसके साथ एक सह-उत्तराधिकारी है। इसलिये, संघर्ष को समाप्त कर दीजिए। मसीह में अपने जीवन का आनंद उठाईये।

हमने हमारे आरंभिक वचन में पढा कि उसकी दैविय सामर्थ के द्वारा, उसने हमे पहले ही (यह भूतकाल में है) सारी वस्तुएँ दे दी है जो जीवन और भक्ति से संबंध रखती

है; कुछ भी छूटा नही है। अपने बिलों के साथ संघर्ष करना बंद कर दो। अपने स्वास्थ के साथ संघर्ष करना बंद कर दो। विश्राम का जीवन चुनिए।

प्रार्थना में, "युद्ध" करना कि वह उसकी वाचाओ को पूरा करे, एक बेकार का प्रयास होगा। वचन और आत्मा में जीएँ; तो आप खोजेंगे कि हर वह वस्तु जो आप कभी भी चाह सकते थे वह उस रास्ते में है जो उसने आपको चलने के लिए दिया है। उसका नाम सदा आशिषीत रहे!

घोषणा

मैं परमेश्वर के वचन के प्रकाश में कार्य करता हूँ, जैसे ही मैं उस महान प्रचुरता की चेतना में चलता हूँ जो पिता ने मेरे लिए उपलब्ध कराई है और मैं उनका पूरी तरह से आनंद मना रहा हूँ। मैं संघर्ष करना मना करता हूँ, चाहे मेरा व्यवसाय हो, स्वास्थ, धन या परिवार! मैं मेरे विषय में हर दिन परमेश्वर के वचन की वास्तविकताओ में चलता हूँ! हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

२ कुरुंथियो 1:20; १ कुरुंथियो 3:21-22 GNB;
कुलुस्सियो 1:26-27

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 2:18-3:1-6 & होशे 3-6

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 19:13-22 & 2 इतिहास 21-22

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

वचन को समझना

आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था (यूहन्ना १:१)।

एक मसीही के रुप में, यह बहुत जरुरी है कि आपके पास वचन की एक समझ हो। वह समझ आपकी सहायता करेगी कि आपके पास वचनो की साधारणता के परे संकल्पना हो और वचन के लिए आपका रवैया अलग होगा। यह जरुरी है, क्योंकि जब तक आप वचन को समझ नही लेते है, तब तक आपको नही पता होगा कि इसको अपने जीवन और परिस्थितीयो में कैसे लगाना है।

वचन स्वंय परमेश्वर है। हमने हमारे आरंभिक वचन में यही पढा। जब वह आपसे बात करता है, तो वह आपके लिए और आपमें वह बन जाता है जो वह कहता है। हर बार जब आप इसका अध्ययन करते है, आप अपनी आत्मा को भोजन देते है और आप वचन के जीवन को जीने के योग्य हो जाते है। तब आप खोजते है कि आपका मसीही जीवन हर दिन आनंद और उत्साह से भरा हुआ है।

जैसे ही आप आने वाले साल के लिए अपने लक्ष्यो कों तैयार कर रहे है, तो वचन का अध्ययन करना, और वचन को खोजकर मनन करने के लिए गुणवत्ता का समय बिताने को पहली प्राथमिकता बना लीजिए। यह आपकी प्रकाशित होने में, जानकारी पाने में, ताजगी पाने में, मजबूती पाने में, और आपके काम और सेवकाई में महान प्रभावशीलता के लिए अनुग्रह पाने में सहायता करेगा, और उस सबको करने में जो परमेश्वर चाहता है कि आप आनेवाले साल में और उसके परे करे। आप अपने आपको उस रास्ते में चलता हुआ पाएँगे जो उसने आपके चलने के लिए चुना है, विश्व के आरंभ से पहले।

याद रखिए कि आपके जीवन का एक उद्देश्य है, और परमेश्वर का आपके लिए उद्देश्य दिखता है और आपके लिए स्पष्ट हो जाता है जब आप वचन और आत्मा के साथ सहभागिता करते है। वह वचनो के द्वारा आपको अंर्तज्ञान देगा। वह आपके पास उन विचारो को लाएगा जो वह चाहता है कि आप अभी जाने, ताकि आप उसे अपने जीवन में इस्तेमाल कर सके। तब उसकी बुद्धि संदेश से बाहर आएगी और आपके ह्रदय को भर देगी; और आप खोजेंगे कि आप बुद्धि, ज्ञान, और समझ के रास्ते में चल रहे है। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे स्वर्गीय पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ वचन की महत्ता की समझ देने के लिए, जैसे ही मैं अपने आपको वचन के अध्ययन के लिए देता हूँ, मैं प्रकाशित हूँ, ताजा हूँ, जानकारी पाया और मजबूत हूँ। मेरा दिमाग शिक्षाओ, सुधारो, निर्देशन और दिशा को ग्रहण करने के लिए खुला हुआ है, जैसे ही मैं पूर्वनियोजित रास्तो में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 20:32; २ तीमुथियुस 3:16-17; इब्रानियो 4:12

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 3:7-22 & होशे 7-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 19:23-37 & 2 इतिहास 23-24

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 12

हमारे राज्य के मूल्यों को पकडे रहो

क्या तुम नहीं जानते कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे? धोखा न खाओ; न वेश्यागामी, न मूर्तिपूजक, न परस्त्रीगामी, न लुच्चे, न पुरुषगामी (१कुरिंथियो ६:९ एन.ए.एस.बी.)।

जब आप सामान्य सुसमाचारों का अध्ययन करेंगे, मत्ती, मरकुस और लूका का, तो आप ध्यान देंगे कि यीशु ने अत्यधिक रुप से स्वर्गीय राज्य के सिद्धांतो के बारे में सिखाया। उदाहरण के लिए, मत्ती १९:५, मरकुस १०:७-८ में यीशु ने एक पुरुष और एक महिला की एकता को शादी के रिश्ते में मानविय लैंगिकता की मानक अभिव्यक्ति माना।

प्रेरितो ने भी उसी नीव पर बनाया। रोमियो १:२७ में पौलुस प्रेरित ने स्वामी के शब्दो को दोहराया, उनको गलत ठहराते हुए जोकि एक से लिंग के साथ संभोग क्रिया करते है। यह कहता है, "वैसे ही पुरुष भी स्त्रियों के साथ स्वाभाविक व्यवहार छोड़कर आपस में कामातुर होकर जलने लगे, और पुरुषों ने पुरुषों के साथ निर्लज काम करके अपनी गलती का ठीक फल पाया"।

यीशु ने यूहन्ना १५:१९ में कहा, "... तुम संसार के नहीं, वरन् मैं ने तुम्हें संसार में से चुन लिया है..."। इस विश्व की व्यवस्था के द्वारा प्रभावित होना मना कर दो, क्योंकि यह शैतान के द्वारा चलाया जाता है। अपने कार्यो, प्रतिक्रियाओ, विचारो, शब्दो, और उत्तरो को इस विश्व के लोगो की तरह मत होने दो। हमारे राज्य के मूल्यों को थामे रहो।

हमारे राज्य में, परमेश्वर का वचन आखिरी न्यायाधीश है; हम वचन के द्वारा संस्कृत और शासित है। इसलिये, हमारे स्वर्गीय राज्य के मूल्यो, सिद्धांतो और आर्दशों से समझौता करना मना कर दो। परमेश्वर के वचनो और उसकी सत्यनिष्ठा के प्रकाश में चलो।

घोषणा

मैं शेष विश्व की तरह जीना मना करता हूँ और ना ही उनके काम करने के तरिको से जीता हूँ। मैं परमेश्वर के राज्य की एक संतान हूँ, उसके वचनो के प्रकाश और सत्यनिष्ठा में चलता हुआ, मसीह के गुणो और सिद्धताओ को निर्भिकतापूर्वक दिखाता हुआ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 17:14-16; यूहन्ना 15:19; 1 यूहन्ना 2:15-17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 4 & होशे 11-14

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 19:38-42 & 2 इतिहास 25

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सुक्रवार 13

आगे बढो और जीतो

हे बालको, तुम परमेश्वर के हो, और तुम ने उन पर जय पाई है; क्योंकि जो तुम में है वह उस से जो संसार में है, बड़ा है (१ यूहन्ना ४:४)।

यह प्राकृतिक विश्व श्राप के अंतर्गत है, और इसमें दुष्ट की सारी नकारात्मकता घुसी हुई है। इसलिए, नये जन्मे होने के बाद विश्व आपके पीछे आएगा; मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक और यहाँ तक कि आत्मिक रुप से भी। किंतु यीशु ने क्या कहा, "मैं ने ये बातें तुम से इसलिये कहीं हैं कि तुम्हें मुझ में शान्ति मिले। संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैं ने संसार को जीत लिया है" (यूहन्ना १६:३३)।

स्वामी ने आपके बदले में विश्व पर जय पाई, जिसका अर्थ है कि आपने विश्व पर जय पाई है। और पौलुस प्रेरित कहता है, " क्योंकि हमारा यह मल्लयुध्द लहू और मांस से नहीं परन्तु प्रधानों से, और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं... और इन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो जिससे तुम उस दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको" (इफिसियो ६:१२-१६)।

इसलिए इस विश्व की बुराई, अंधकार और नकारात्मकता के बावजूद, आपको अलग तरिके से सोचना चाहिए। अविचलित बने रहिए, क्योंकि आप मसीह में है, और उसमें आप हमेशा जीतते है। कुछ भी आपके विरोध में नही रखा जा सकता। आपकी विश्वास की यात्रा में, और आपके जीवन के लिए परमेश्वर की योजना को पूरा करने के लिए, डर, कमी, या अविश्वास के विचारो को मत आने दीजिए। क्रोध, कडवाहट, और अक्षमाशीलता को दूर रखिए। ये वे वस्तुएँ जो आपकी आत्मिक वृद्धि और आपके जीवन पर परमेश्वर की बुलाहट को रोक सकती है।

अपना हृदय परमेश्वर के वचनो में रखिए। १तीमुथियुस ४:१५-१६ कहता है कि मनन करो और अपने आपको पूरी तरह से वचन को दे दो और आपकी विजय और सफलता हर क्षेत्र में निश्चित होंगी।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि आप है जो मुझ में काम कर रहे है, मुझ में आपकी अच्छी इच्छा डालते हुए और उसको करवाते हुए। मैं इस विश्व और इसके पंगु करनेवाले बलो के द्वारा रुकना मना करता हूँ, जानते हुए कि मैंने किस में विश्वास किया है और कौन मुझ में काम कर रहा है। मैंने विश्व और इसकी व्यवस्थाओ पर जय पाई है, मैं आत्मा के पंखो पर उड रहा हूँ और मसीह में मेरे विधान को पूरा कर रहा हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इब्रानियो 12:1-2; याकूब 1:21-25; रोमियो 8:33-39

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 5 & योएल 1-3

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 20:1-10 & 2 इतिहास 26-27

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सनिवार 14

केंद्रित बने रहो

> क्योंकि प्रभु यहोवा मेरी सहायता करता है, इस कारण मैंने संकोच नही किया; वरन अपना माथा चकमक के समान कडा किया क्योंकि मुझे निश्चय था कि मुझे लज्जित होना न पडेगा (यशायाह ५०:७)।

परमेश्वर चाहता है कि हम अपने हृदय को उसके वचन पर लगाए रखे और परिस्थितीयो, अनुभवो या चुनौतियो के द्वारा ध्यानभंगित ना हो। यह भजनसंहिता ११९:६९ (एम.एस.जी.) में भजनकर्ता के वचनो को मेरे दिमाग में लाता है, "अभिमानियों ने तो मेरे विरुध्द झूठ बात गढ़ी है, परन्तु मैं तेरे उपदेशों को पूरे मन से पकड़े रहूँगा"। इसके अतिरिक्त रोमियो ४:१९ (एम.एस.जी.) कहता है, "वह जो एक सौ वर्ष का था, अपने मरे हुए से शरीर और सारा के गर्भ की मरी हुई की सी दशा जानकर भी विश्वास में निर्बल न हुआ"।

नये नियम में बाइबल लूका ९:५१ में यीशु के विषय में बात करती है, "जब उसके ऊपर उठाए जाने के दिन पूरे होने पर थे, तो उसने यरूशलेम जाने का विचार दृढ़ किया"। क्यूँ उसका ध्यान उसके गंतव्य की ओर एक टक लगा हुआ था? क्योंकि वह जानता था यह यरुशलेम में उसकी आखिरी यात्रा थी और इस समय, वह मरने वाला था; वह विश्व के पापो के लिए क्रूस पर मरने जाने वाला था, और वह किसी भी वस्तु से ध्यानभंगित नही होना चाहता था।

आज हमारे विश्व में, बहुत सारी ध्यानभंग करनेवाले वस्तुएँ है, किंतु आपको निश्चित ही अपने सपने, अपने दर्शन पर केंद्रित होना पडेगा, जो प्रभु ने आपके हृदय में रखा है। परमेश्वर की कार्यसूची के लिए एक टक दर्शन बनाए रखिए। यह जीतने का तरिका है। बहुत सालो पहले प्रभु ने मुझ से कहा था, "पुत्र, इधर उधर मत देखो"; केंद्रित बने रहो; ध्यानभंगित मत हो।

बहुत से मसीहो ने अपने आपको बहुत सारी वस्तुओ के द्वारा ध्यानभंगित पाया है। वे अर्थव्यवस्था के द्वारा, और उनके आसपास हो रही बहुत सी वस्तुओं के द्वारा ध्यानभंगित हो जाते है। वे इस तरिके से ज्यादा नही पा पाएँगे। जब आप एक उद्देश्य और दर्शन के पुरुष या महिला है, तो आप विश्व की आर्थिक व्यवस्थाओ और पैसे के द्वारा विचलित नही होते है, क्योंकि आप जानते है कि आप इस विश्व के नही है।

इस विश्व में और इस विश्व का कुछ भी आपको सीमित नही कर सकता या घाटे

में नही ला सकता, क्योंकि आप आने से पहले ही जीत चुके है। आपके शुरुवात करने से पहले ही आप एक सफलता है। इसलिए, अपनी यात्रा को शुरु कीजिए और अपने विश्व पर शासन कीजिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ उस बुलाहट के लिए जिसके द्वारा आपने मुझे मसीह यीशु में बुलाया है। मेरी आँखे आप पर है, मेरा विश्वास के लेखक और सिद्धकर्ता। मैं परछाईयो को नही देखता हूँ; मैं मेरे जीवन के लिए आपकी सिद्ध इच्छा और विधान में चल रहा हूँ, हमेशा विजय में, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इब्रानियो 12:1-2 AMPC; १ कुरुंथियो 15:58

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 6 & आमोस 1-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 20:11-18 & 2 इतिहास 28

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

रविवार 15

एक धन्यवादिता की जीवनशैली

धन्यवाद के बलिदान का चढ़ानेवाला मेरी महिमा करता है; और जो अपना चरित्र उत्तम रखता है उसको मैं परमेश्वर का किया हुआ उध्दार दिखाऊँगा (भजनसंहिता ५०:२३)।

जब बहुत से लोग "धन्यवादिता" को सुनते है, तो उनके दिमाग में आता है धन्यवादिता की भेट, जो कि अच्छी बात है। परमेश्वर चाहता है कि हम उसका धन्यवाद भेट के साथ दे, किंतु धन्यवादिता का हमारी भेट से कही ज्यादा लेनादेना है; यह एक जीवन जीने का तरिका होना चाहिए।

यीशु के विषय में सोचीए; पृथ्वी पर उसकी सेवकाई के दौरान, उसने बहुत बार प्रार्थना की, किंतु अधिकतर पिता के लिए धन्यवादिता के साथ। जब उसे लाजर को मृत्यु में से जिंदा करना था (वह जो मर गया था और चार दिन पहले गाडा जा चुका था), तो वह रोया नही या भीख नही मांगी; उसने धन्यवाद दिया। उसने कहा,"... हे पिता, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि तू ने मेरी सुन ली है" (यूहन्ना ११:४१)।

यूहन्ना के सुसमाचार में, उसने एक भीड के साथ अपनी सभा खत्म की, जो उसके पीछे जंगल में आई थी, किंतु वह उन्हें भूखा घर नही भेजना चाहता था। और वहाँ पर केवल एक छोटे बच्चे का दोपहर का भोजन ही उपलब्ध था, रोटी के पाँच छोटे टुकडे और दो मछलियाँ।

यह निश्चित ही पाँच हजार पुरुषो (महिला और बच्चे नही गिने गए थे) की भीड को खिलाने के लिए काफी नही होने वाला था। किंतु बाइबल कहती है, "तब यीशु ने रोटियाँ लीं, और धन्यवाद करके बैठनेवालों को बाँट दीं; और वैसे ही मछलियों में से जितनी वे चाहते थे बाँट दिया" (यूहन्ना ६:११)। ध्यान दीजिए की उसने क्या किया जिससे चमत्कार हुआ: उसने धन्यवाद दिया।

कब आखिरी बार आपने परमेश्वर का धन्यवाद दिया था उसके लिए जो आपको लगता था आपको चाहिए, परमेश्वर से बिना मांगे ? एक मसीही की तरह आपको इसी तरह का जीवन जीना चाहिए। एक धन्यवादिता की जीवनशैली को विकसित कीजिए। सारी वस्तुएँ पहले से ही आपकी है। इसलिए, जब आपको लगता है कि आपको किसी वस्तु की जरुरत है, तो परमेश्वर के लिए इसका धन्यवाद दीजिए, क्योंकि आप जानते है कि यह पहले से ही आपकी है।

पिता आपसे बहुत अधिक प्रेम करता है, ऐसा कुछ भी नही है जो आपको उससे "खींचना" पडेगा। आपका हर दिन का उत्तर –विश्वास का रवैया –स्तुति और उसके लिए धन्यवादिता का जीवन होना चाहिए, उसके अनुग्रह, प्रेम, और दयालुता के लिए। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे स्वर्गीय पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मुझे स्वर्गीय स्थानो में मसीह यीशु में सारी आशिषो के साथ आशिषीत करने के लिए। मेरे पास सबकुछ है, प्रभावी रुप से आपकी सेवा करने के लिए और हर दिन आनंदी जीने के लिए। धन्यवाद मेरे जीवन को आपकी महिमा के साथ सुंदर बनाने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यिर्मयाह 30:19; फिलिप्पियो 4:6-7; कुलुस्सियो 2:6-7

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 7 & आमोस 5-9

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 20:19-31 & 2 इतिहास 29

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 16

योजना बनाओ और वचन का अभ्यास करो

इन बातों पर मनन कर और पूरी तरह से अपने आपको इन्हें दे, ताकि तेरी उन्नति सब पर प्रगट हो (१तीमुथियुस ४:१५)।

"मनन" के लिए ग्रीक शब्द बहुत ही रोचक और उत्साही है; यह "मेलेटॉव" है। इसका अर्थ है किसी वस्तु पर सावधानीपूर्वक ध्यान देना और फिर योजना बनाना। इसका अर्थ अपने दिमाग में अभ्यास करना भी है। हमारा आरंभिक वचन कहता है कि परमेश्वर के वचन पर मनन करो, अपना दिमाग इस पर लगाओ, विचारविमर्श करो, योजना बनाओ, और इसका अपने दिमाग में अभ्यास करो।

सोचीए कि आप अपने दिमाग में उस आऊटरिच मिटींग का अभ्यास कर रहें जो आप करनेवाले है, या अपने दिमाग में योजना बनाईये उन लोगो की जिनको आप मसीह में अगले साल में लाने वाले है! यह जरुरी है कि आप विचारविमर्श करे, योजना बनाए, और परमेश्वर के वचन का अभ्यास करें, और समय समय पर अपने दिमाग में उसके दर्शनो पर। अपने आपको वचन और उन दर्शनो की वास्तविकताओ में चलता हुआ देखिए जो यह आपकी आत्मा में बनाता है।

यहोशू १:८ कहता है, "व्यवस्था की यह पुस्तक तेरे मुँह से कभी न उतरने पाए, इसी में दिन रात ध्यान दिए रहना, इसलिये कि जो कुछ उस में लिखा है उसके अनुसार करने की तू चौकसी करे..."। रेखांकित भाग पर ध्यान दीजिए: मनन, और वचन पर योजना बनाने के द्वारा आप वह करेंगे जो यह कहता है, यह आपको कार्य करने के लिए उत्साहीत करेगा। और आशिष "करने "के द्वारा प्रत्यक्ष होती है (याकूब १:२२-२५)।

२०२० आपके लिए किस तरह का होने वाला है? इसकी योजना और अपने दिमाग में इसका अभ्यास करना शुरु कर दीजिए। महिमा के दर्शनो को देखिए, अपने आपको विश्वास के बडे और ऊँचे स्तरो में चलता हुए देखिए। अपने आपको सुसमाचार के लिए नए कामों और नए आविष्कारों को करता हुआ देखिए। हालेलूयाह! हो सकता है कि साल ठीक उस तरह से नही रहा हो जैसा आपने आशा की थी; निराश मत होईये। अभी योजना बनाईये कि आप कैसा भविष्य चाहते है।

याद रखिए, आप अपने जीवन के निर्माता है, आपके स्वर्गीय ग्राहक से प्राप्त डिजाईन की रुपरेखा के साथ। एक आर्किटेक्ट अपने दिमाग में एक गगन चुंबी इमारत की लंबाई और चौडाई को बना पाता है, उसके अभ्यास के कारण, इससे पहले कि इमारत की नीव

रखी जाएँ। उसके लिए, वह इमारत पहले से ही एक वास्तविकता है, यद्यपि यह शायद अभी पन्ने पर ही हो। उसी तरिके से, अपने महिमामय जीवन और भविष्य को आपकी आत्मा में स्पष्ट और वास्तविक होने दीजिए, जैसे ही आप मनन और प्रार्थना में समय बिताते है (निर्गमन २६:३०; इब्रानियो ८:५)।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मेरा मन आपके अटूट वचन पर लगा हुआ है; इसलिए, वचन के द्वारा मेरी समृद्धि अटल है। मैं महिमा से महिमा में आपके वचन की सामर्थ के द्वारा बदलता जाता हूँ और मैं अपने आपको महान उन्नति करता हुआ देखता हूँ, सुसमाचार के लिए नई जगहो को लेता हुआ और नये स्त्रोतो तक पहुँचता हुआ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

भजन संहिता 1:1-3; Isaiah 26:3; याकूब 1:22-25

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 8 & ओबद्याह

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 21:1-12 & 2 इतिहास 30

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

क्रोध आपको महंगा पडेगा

अपने मन में उतावली से क्रोधित न हो, क्योंकि क्रोध मूर्खों का मित्र होता है (सभोपदेशक ७:९ एन.एल.टी.)।

जब मूसा सिनाई पर्वत से नीचे आया और उसने लोगो को एक सोने के बछडे की आराधना करते हुए देखा जो उन्होंने खुद बनाया था, वह क्रोध से भर गया था। ठीक वहीं, उसने नियम की पट्टियो को जो परमेश्वर की ऊगंली के द्वारा लिखी गई थी तोड दिया (निर्गमन ३२:१९)। मूसा को दूसरा खुद के द्वारा लिखना पडा, एक दंड के रुप में।

एक दूसरी बार, जब इस्राएल की संतान जंगल में जा रही थी, तब अचानक से उन्होंने मूसा और हारुन के विरोध में षडयंत्र किया क्योंकि उनके पीने के लिए पानी नही था। तब प्रभु ने मूसा को भीड को इकट्ठा करने का निर्देश दिया, और कहा कि उनकी आँखो के सामने चट्टान से कहो कि वह उनके पीने के लिए पानी लाएँ।

मूसा जो कि वास्तव में लोगो के विरोध के कारण क्रोधित था, आवेशित हुआ, उनको डाँटा और उन्हें उपद्रवी कहकर संबोधित किया! और गुस्से में ही, वह मुड़ा और उसने चट्टान पर मारा, उससे बोलने के बजाय जैसा प्रभु ने निर्देश दिया था; वास्तव में, उसने इस पर दो बार मारा (गिनती २०:११)। पानी बाहर आया और लोगो ने पानी पिया, किंतु मूसा का कार्य प्रभु को पसंद नही आया।

भले ही मूसा को कहा गया, "...पृथ्वी भर के रहने वाले सब मुनष्यों से बहुत अधिक नम्र स्वभाव का था" (गिनती १२:३), उसने गुस्से को उसकी सेवकाई को और परमेश्वर के साथ उसकी यात्रा को प्रभावित करने दिया, इस तरिके से कि वह इस्राएल की संतान को वाचा की भूमी में नही ले जा पाया जैसा परमेश्वर चाहता था। वह वास्तव में परमेश्वर के घर में सारे कामकाज में वफादार था (इब्रानियो ३:५), किंतु उसके क्रोध ने उसको हरा दिया।

क्रोध शीघ्र विनाशी है। इसको "नियंत्रित" करने की कोशिश मत कीजिए; इसे चबाईये; अगर आपको एक ऐसे व्यक्ति की तरह परिभाषित किया गया है जोकि बहुत जल्दी क्रोधित हो जाता है, तो परमेश्वर के सामने प्रार्थना में जाईये, और अपने आपको वचन के मनन के लिए दीजिए।

ऐसे लोग है जो अपनी बुलाहट को पूरा नही करेंगे, जैसा की इतिहास में हुआ है, केवल क्रोध के कारण। और इस तरह के केसो में, परमेश्वर को दूसरी योजना बनानी पडती है।

इसे अपने साथ मत होने दीजिए। क्यूँ कोई परमेश्वर के साथ चूक जाएँ, और उनके दैविय विधान में असफल हो जाएँ, एक ऐसे नकारात्मक रवैये के कारण जो परमेश्वर के वचन के द्वारा आसानी से नियंत्रित और बदला जा सकता है? भजनसंहिता ३७:८ (एन.आय. व्ही.) कहता है, " क्रोध और रोष से दूर रहो..."। परमेश्वर के वचन पर कार्य कीजिए। क्रोध को अपने आपको नियंत्रित मत करने दीजिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपके वचन में और आपकी इच्छा को करने में मेरा आनंद मनाता हूँ । आपका वचन मेरे ह्रदय में है, मुझे सत्यनिष्ठा में, और आप में मेरे विधान को पूरा करवाते हुए! मैं स्वंय को क्रोध, या रोष को नही देता हूँ, क्योंकि मेरी इच्छा आपको सारी वस्तुओ में प्रसन्न करने की है, जैसे ही मैं आपके वचन में जीता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 22:24; कुलुस्सियो 3:8; इफिसियो 4:26

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 9 & योना 1-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 21:13-25 & 2 इतिहास 31

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार 18

क्रोध आपको महंगा पडेगा

अपने मन में उतावली से क्रोधित न हो, क्योंकि क्रोध मूर्खों का मित्र होता है (सभोपदेशक ७:९ एन.एल.टी.)।

जब मूसा सिनाई पर्वत से नीचे आया और उसने लोगो को एक सोने के बछडे की आराधना करते हुए देखा जो उन्होंने खुद बनाया था, वह क्रोध से भर गया था। ठीक वहीं, उसने नियम की पट्टियो को जो परमेश्वर की ऊगंली के द्वारा लिखी गई थी तोड दिया (निर्गमन ३२:१९)। मूसा को दूसरा खुद के द्वारा लिखना पडा, एक दंड के रुप में।

एक दूसरी बार, जब इस्राएल की संतान जंगल में जा रही थी, तब अचानक से उन्होंने मूसा और हारुन के विरोध में षडयंत्र किया क्योंकि उनके पीने के लिए पानी नही था। तब प्रभु ने मूसा को भीड को इकट्ठा करने का निर्देश दिया, और कहा कि उनकी आँखो के सामने चट्टान से कहो कि वह उनके पीने के लिए पानी लाएँ।

मूसा जो कि वास्तव में लोगो के विरोध के कारण क्रोधित था, आवेशित हुआ, उनको डाँटा और उन्हें उपद्रवी कहकर संबोधित किया! और गुस्से में ही, वह मुड़ा और उसने चट्टान पर मारा, उससे बोलने के बजाय जैसा प्रभु ने निर्देश दिया था; वास्तव में, उसने इस पर दो बार मारा (गिनती २०:११)। पानी बाहर आया और लोगो ने पानी पिया, किंतु मूसा का कार्य प्रभु को पसंद नही आया।

भले ही मूसा को कहा गया, "...पृथ्वी भर के रहने वाले सब मुनष्यों से बहुत अधिक नम्र स्वभाव का था" (गिनती १२:३), उसने गुस्से को उसकी सेवकाई को और परमेश्वर के साथ उसकी यात्रा को प्रभावित करने दिया, इस तरिके से कि वह इस्राएल की संतान को वाचा की भूमी में नही ले जा पाया जैसा परमेश्वर चाहता था। वह वास्तव में परमेश्वर के घर में सारे कामकाज में वफादार था (इब्रानियो ३:५), किंतु उसके क्रोध ने उसको हरा दिया।

क्रोध शीघ्र विनाशी है। इसको "नियंत्रित" करने की कोशिश मत कीजिए; इसे चबाईये; अगर आपको एक ऐसे व्यक्ति की तरह परिभाषित किया गया है जोकि बहुत जल्दी क्रोधित हो जाता है, तो परमेश्वर के सामने प्रार्थना में जाईये, और अपने आपको वचन के मनन के लिए दीजिए।

ऐसे लोग है जो अपनी बुलाहट को पूरा नही करेंगे, जैसा की इतिहास में हुआ है, केवल

क्रोध के कारण। और इस तरह के केसो में, परमेश्वर को दूसरी योजना बनानी पडती है। इसे अपने साथ मत होने दीजिए। क्यूँ कोई परमेश्वर के साथ चूक जाएँ, और उनके दैविय विधान में असफल हो जाएँ, एक ऐसे नकारात्मक रवैये के कारण जो परमेश्वर के वचन के द्वारा आसानी से नियंत्रित और बदला जा सकता है? भजनसंहिता ३७:८ (एन.आय. व्ही.) कहता है, " क्रोध और रोष से दूर रहो..."। परमेश्वर के वचन पर कार्य कीजिए। क्रोध को अपने आपको नियंत्रित मत करने दीजिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपके वचन में और आपकी इच्छा को करने में मेरा आनंद मनाता हूँ । आपका वचन मेरे हृदय में है, मुझे सत्यनिष्ठा में, और आप में मेरे विधान को पूरा करवाते हुए! मैं स्वंय को क्रोध, या रोष को नही देता हूँ, क्योंकि मेरी इच्छा आपको सारी वस्तुओ में प्रसन्न करने की है, जैसे ही मैं आपके वचन में जीता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

याकूब 4:6; याकूब 4:10; फिलिप्पियो 2:3 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 10 & मीका 1-3

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 1:1-11 & 2 इतिहास 32

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 19

उसकी आत्मिकता पर ध्यान दो

अत: अब से हम किसी को शरीर के अनुसार न समझेंगे। यद्यपि हम ने मसीह को भी शरीर के अनुसार जाना था, तौभी अब से उसको ऐसा नहीं जानेंगे (२कुरिंथियो ५:१६ ए.एम.पी.सी.)।

जब कुछ लोग कहते है, "मैं यीशु की तरह होना चाहता हूँ", तो उनका वास्तव में अर्थ है कि वे "यहूदी व्यक्ति" की तरह होना चाहते है जो गलीली और कफरनहूम की सडको पर चला। कुछ लोग उसके भौतिक शरीर के प्रचार के विषय में उत्साहीत हो जाते है: उसका शरीर, ऊँचाई, हावभाव, इत्यादी, जो देखना ज्यादा जरुरी है वह है –उसकी आत्मिकता। उसकी भौतिकता के परे, आपको "यीशु –वचन" पर ध्यान देना चाहिए।

"भौतिक" यीशु की सीमा यहूदी थी। उदाहरण के लिए एक यहूदी की तरह, उसने फसह के पर्व का उत्सव मनाया, किंतु फसह का गैर यहूदीयो के लिए कोई मतलब नही था। इसलिए, हमारा फोकस यीशु परमेश्वर के पुत्र पर होना चाहिए; शरीर में परमेश्वर। उसको वचन में और वचन के द्वारा देखिए, क्योंकि वह जीवित वचन है। पौलुस प्रेरित ने एक समय पर मसीह को इस गलत तरिके से देखा था, जैसे कि वह केवल एक मानविय मनुष्य था, यहूदी वंश का साधारण आदमी। किंतु, फिर उसने महसूस किया कि यद्यपि यीशु एक भौतिक शरीर में पृथ्वी पर चला, और एक यहूदी की तरह जीया, वह साधारण नही था।

इसलिए पौलुस का फोकस यीशु– वचन –पर था और वह अपनी सेवकाई में बहुत सफल हो गया! यूहन्ना १:१४ हमे बताता है कि परमेश्वर का वचन देहधारी हुआ, और उसके फलस्वरुप मनुष्य, यीशु मसीह आया: "और वचन देहधारी हुआ; और ... हमारे बीच में डेरा किया..."। इसलिए उसे एक देहधारी वचन के रुप में देखिए; उसे मानविय शरीर में परमेश्वर के विचारो, उद्देश्यो, कल्पनाओ, इच्छाओ, और भावनाओ को पूरी तरह से कैद देखिए। उस पर परमेश्वर की सिद्ध इच्छा की छाप की तरह ध्यान दीजिए, और अदृश्य परमेश्वर के आयकॉन की तरह, जैसा कि इब्रानियो १:३ बताता है।

अब कुछ बहुत असाधारण भी है: जिस तरह वह देहधारी वचन था तो आप भी वचन की एक संतान है। १पतरस १:२३ कहता है, "क्योंकि तुम ने नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज से, परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है"। १यूहन्ना ४:१७ कहता है जैसा वह है वैसे ही इस विश्व में हम भी है। ना कि जैसा वह था, गलीली में, पर जैसा कि अब वह है, महिमा, सामर्थ, शक्ति, श्रेष्ठता में उठाया

गया, वैसे ही आप अभी है। आपके पास उसकी सत्यनिष्ठा, जीवन, और स्वभाव अभी है। आप उसकी महिमा का प्रकाशन और उसके व्यक्तित्व की सटीक छाप है। इसलिए, आपके भौतिक या पृथ्वी के गुणो या राष्ट्रीयता के द्वारा पहचाना जाना मना कर दीजिए। अपने आपको वचन में और उसके द्वारा देखिए। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं मेरे भौतिक रुप या पृथ्वी के वंश और राष्ट्रीयता के द्वारा पहचाना जाना मना करता हूँ, किंतु मैं अपने आपको वचन में और उसके द्वारा देखता हूँ। जैसा यीशु है, उसकी महिमा, सामर्थ, ताकत, और श्रेष्ठता में अभी वैसा ही मैं हूँ इस विश्व में। धन्य हो परमेश्वर!

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 14:8-10; कुलुस्सियो 1:12-19; 1 यूहन्ना 4:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 11 & मीका 4-5

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 1:12-26 & 2 इतिहास 33

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सुसमाचार सबके लिए है

और उसने उनसे कहा, तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो (मरकुस १६:१५)।

यीशु मसीह का सुसमाचार परमेश्वर की उद्धार की सामर्थ है हर उस व्यक्ति के लिए जो विश्वास करता है (रोमियो १:१६)। दूसरे शब्दो में, सुसमाचार मनुष्य को देखकर काम नही करता है; इसकी सामर्थ सब मनुष्यो के लिए काम करती है। इसलिए, अगर आप आश्चर्य कर रहे थे, "मैं दूसरे जातियो तक सुसमाचार के साथ कैसे पहुँचू?" तो उसे परेशानी नही होना चाहिए। सबसे पहले "दूसरी जाति" जैसा कुछ भी नही है; परमेश्वर ने मनुष्यों को बनाया, और सुसमाचार सबके लिए है।

कभी भी मत होने दीजिए कि महिमामय सुसमाचार जो आपके भरोसे पर दिया गया है वह कंलकित हो किसी भी तरह के भेद भाव या पक्षपात के द्वारा। इसको अस्वीकार कर दीजिए! परमेश्वर का वचन सारी संस्कृतियो, जातिवाद, और राष्ट्रीय बाधाओ के परे है। अगर आप परमेश्वर के वचन को सच्चाई में सुनाएगे, तो यह बाधाओ को तोड देगा और उन लोगो को पहचान लेगा जो बंधन में है और जो वास्तव में सच्चाई सुनना चाहते है। सच्चाई का कोई रंग या सीमा नही है। सच्चाई दैविय है! और परमेश्वर का वचन सच्चाई है (यूहन्ना १७:१७)।

कभी भी चुनाव मत कीजिए कि आप किन को सुसमाचार सुनाना चाहते है। यूहन्ना ३:१६ कहता है, "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि, उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए"। यीशु संपूर्ण विश्व को बचाने के लिए आया, नाकि कुछ चुने हुए लोगो को। सब देशो में और हर राष्ट्रयिता के लोग दर्द से भरे हुए है, हमे हर व्यक्ति तक पहुँचना है, हमारे प्रभाव क्षेत्र के लोगो से शुरुवात करते हुए, आप उन परिणामो को देखकर आश्चर्य चकित हो जाएँगे जो वचन उनके जीवनो में पैदा करेगा!

क्या ऐसे लोग हो सकते है जिनको आप प्रचार करे और वे आपके खिलाफ विद्रोह करे या किसी प्रकार का पक्षपात या भेदभाव दिखाये? शायद! किंतु कभी भी इस तरह के लोगो से डरिए मत! पौलुस प्रेरित ने इस सच्चाई को समझा। कुलुस्सियो ३:११ (एन.एल.टी.) में उसने कहा, "इस नए जीवन में ना तो यूनानी रहा न यहूदी, न खतना न खतनारहित, न जंगली, न स्कूती, न दास और न स्वतंत्र : केवल मसीह सब कुछ और सब में है"। लोगो

के भौतिक या पृथ्वी के वंश के अनुसार विश्व की तरह उनको श्रेणी में बाँटना मना कर दीजिए। सुसमाचार सबके लिए है। इस मौसम में पूरी तरह से बाहर जाईये और मसीह के उद्धार के संदेश के साथ सब तक पहुँचिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ सुसमाचार में महिमामय अवसरो के लिए, चमकने और आपकी महिमा हर व्यक्ति को दिखाने के लिए, उनकी राष्ट्रीयता, जाति, संस्कृती और विचारधारणाओ के बावजूद। मेरे द्वारा बिना बचे हुए लोग महामई सुसमाचार को सुनते और ग्रहण करते है और अंधकार में से परमेश्वर के महिमामय प्रकाश में आ जाते है, और शैतान की सामर्थ से निकलकर परमेश्वर की सामर्थ में, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ कुरुंथियो 12:13; गलतियो 3:27-28

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 12 & मीका 6-7

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 2:1-13 & 2 इतिहास 34

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सनिवार 21

बदले गए, नाकि संशोधित किए गए

इसलिये यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है : पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, सब बातें नई हो गई है (२कुरिंथियो ५:१७)।

एक व्यक्ति जो नया जन्मा है उसके पास दो जीवन या स्वभाव नही है; उसके पास केवल एक है, और वह दैविय जीवन है। जब आप नये जन्मे थे, तो एक नया जीवन आपकी आत्मा में डाला गया था, और वह मानविय जीवन जिसके द्वारा आप अपने पृथ्वी के माता पिता से जन्मे थे वह बंद हो गया; यह परमेश्वर के जीवन और स्वभाव के द्वारा बदल दिया गया है! यह एक ऐसी वस्तु है जिसको आप प्रयोगशाला में नही देख सकते; यह आत्मिक है।

इसके अतिरिक्त, यह वो बदलाव नही है जो स्वर्ग में होगा, जैसा कि कुछ लोग सोचते है; यह पहले ही हो चुका है। मसीह का यही संदेश है। वह हमे दैविय जीवन देने के लिए आया; हमे परमेश्वर के पुत्र बनाने के लिए आया: " हे प्रियो, अब हम परमेश्वर की सन्तान हैं, और अभी तक यह प्रगट नहीं हुआ कि हम क्या कुछ होंगे! इतना जानते हैं कि जब वह प्रगट होगा तो हम उसके समान होंगे, क्योंकि उसको वैसा ही देखेंगे जैसा वह है" (१यूहन्ना ३:२)। हमारा आरंभिक वचन इस पर और बल देता है; यह कहता है, "इसलिये यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है : पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, सब बातें नई हो गई है"।

इस वाक्य पर ध्यान दीजिए, "नई सृष्टि"; यह कुछ ऐसा बताता है जो अज्ञात है; एक नया, यहाँ तक कि "अजीब"। यह ऐसा है कि आपको लगता है कि आपने तेजी से कुछ देखा, किंतु आप नही बता पा रहे है कि यह क्या था, और उसको बताने का सर्वश्रेष्ठ तरिका है कि, "मैं ने एक प्राणी देखा, वह ना तो बिल्ली ना कुत्ता था, और मुझे नही पता है यह क्या था; यह कुछ अजीब था"। यह ऐसा कुछ नही था जो मैंने पहले कभी देखा हो।

२कुरिंथियो ५:१७ में पौलुस का यही मतलब है। हम एक नए प्राणी है, एक प्रकार के प्राणी जो पहले कभी भी नही था; एक नये प्रकार के मनुष्य! जब आप इस को जान और समझ लेते है कि आपके पास दैवियता और मानविय स्वभाव का मिश्रण नही है, तो आप सही जीने के संघर्ष से रुक जाएँगे, और आप स्वयं को अपने जीवन के लिए परमेश्वर की इच्छा को पूरा करता हुआ देखेंगे, महिमामय रुप से विश्राम के स्तर से। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद क्योंकि मेरा पुराना जीवन दैविय जीवन के द्वारा पूरी तरह बदला जा चुका है, जो कि बीमारी, रोग, हार, और उन सारी गिरावटो से ऊँचा है जो सांसारिक मनुष्य को प्रभावित करती है। मेरे दैविय स्वभाव ने मुझे परिस्थितीयो के ऊपर एक स्वामी बना दिया है, विश्व की गिरती हुई व्यवस्थाओ के ऊपर प्रबलता में ला दिया है। सत्यनिष्ठा का स्वभाव मुझे आज आपकी सिद्ध इच्छा में चलाता है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

गलतियो 2:20; 1 यूहन्ना 5:13; 1 यूहन्ना 4:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 13:1-10 & नहूम 1-3

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 2:14-24 & 2 इतिहास 35

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

रविवार 22

मसीह में नये जन्मे

इसलिये यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है : पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, सब बातें नई हो गई है (२कुरिंथियो ५:१७)।

जब आप नये जन्मे थे, तो आप मसीह में जन्मे और बपतिस्मा हुए थे। १कुरिंथियो १२:१३ कहता है, "क्योंकि हम सब ने क्या यहूदी हो क्या यूनानी, क्या दास हो क्या स्वंतत्र, एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिये बपतिस्मा लिया, और हम सब को एक ही आत्मा पिलाया गया"; आप मसीह के शरीर में बपतिस्मा दिए गए थे, एक नया मनुष्य, नये जीवन के साथ एक नया प्राणी। किंग जेम्स अनुवाद शब्द "प्राणी" इस्तेमाल करता है जोकि शब्द "सृष्टि" से ज्यादा बेहतर है जैसे कि दूसरे अनुवादो में इस्तेमाल किया गया है। "एक नये प्राणी" का अर्थ है कि आप एक प्रकार की विशेष जाति है। किंतु यही सबकुछ नही है; हमारे आरंभिक वचन का आखिरी का भाग कहता है, "...पुरानी वस्तु बीत गई है, देखो: सारी वस्तुएँ नई हो गई है"।

रेखांकित शब्द "देखो" किसी वस्तु पर ध्यान लाता है जो परमेश्वर चाहता है कि हम देखे, एक महत्वपूर्ण सच्चाई। वह चाहता है कि आप देखे, कि आप वास्तव में मसीह यीशु में एक नये मनुष्य है; आपके जीवन में हर वस्तु नई और दैविय है। वह पुराना जीवन और स्वभाव जो आपने अपने पृथ्वी के माँ बाप से पाया था अब वह परमेश्वर के दैविय स्वभाव के द्वारा बदला जा चुका है, यही कारण है कि पतरस हमे परमेश्वर सरिखे के "सहभागि" या सैनिक कहता है (२पतरस १:४)।

जब आप नये जन्मे थे तो आपमें केवल कुछ बदलाव नही हुए थे; वहॉ पर आपके मानविय जीवन का वास्तव में बदलना हुआ था, परमेश्वर के अविनाशी जीवन के साथ। अब जब कि आप नये जन्मे है, आपके पास वही जीवन है जिसके साथ यीशु मसीह मृत्यु में से जिलाया गया: पुर्नरुत्थानी जीवन।

यही है जो इसको बहुत उत्कृष्ट बनाता है! यही कारण है कि मसीहो को बीमार नही होना चाहिए, क्योंकि जो जीवन आपमें है वह दैविय है। यहॉ तक कि अगर आप एक अनुवांशिक बीमारी के साथ पैदा भी हुए थे तो बाइबल कहती है, "पुरानी वस्तुएँ बीत गई है!" वह बीमारी या रोग ना तो है और ना ही यह कभी मसीह में आपके नये स्वभाव का एक भाग हो सकता है। पुराना स्वभाव जो पाप, हार, बीमारी, असफलता, और मृत्यु के

आधीन था, मर गया और चला गया है! सारी वस्तुएँ नई हो गई है, और यह सारी नई वस्तुएँ परमेश्वर की ओर से है (२कुरिंथियो ५:१८)।

अब, आपके जीवन की हर वस्तु में दैवियता है, क्योंकि आप एक दैविय वातावरण में जन्मे थे; मसीह –वातावरण। धन्य हो परमेश्वर!

घोषणा

नये जन्मे होकर, मैं मसीह-वातावरण में जन्मा हूँ, दैविय वातावरण; जहाँ पर मैं मसीह के साथ महिमा, प्रबलता, और सामर्थ के स्त्रोतो में बैठता हूँ। मैं मेरी सत्यनिष्ठा और मसीह में नये प्रकाश के स्वभाव में चलता हूँ, दैवियता की सुंदरता, महिमा, अनुग्रह को दिखाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 2:10; इफिसियो 4:22-24; रोमियो 6:4-6

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 13:11-14:1-20 & हबक्कूक 1-3

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 2:25-36 & 2 इतिहास 36

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 23

आत्मा के द्वारा जीवित

यदि उसी का आत्मा जिसने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया, तुम में बसा हुआ है; तो जिसने मसीह को मरे हुओं में से जिलाया, वह तुम्हारी नश्वर देहों को भी अपने आत्मा के द्वारा जो तुम में बसा हुआ है, जिलाएगा (रोमियो ८:११)।

जो अभी हमने ऊपर के वचन में पढा वह एक वाचा नही है; यह पहले ही हो चुका है! आपका भौतिक शरीर, आपके पहले का मृत्यु-निर्धारित और मृत्य–शासित शरीर, स्फूर्ति पा चुका है, और आपमें रहने वाले पवित्र आत्मा के द्वारा जीवंत हो चुका है। इसलिए, आपका जीवन आत्मा से है, और वचन के द्वारा स्थिर। १पतरस १:२३ कहता है, "क्योंकि तुम ने नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज से, परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है"। परमेश्वर ने हमे वचन के द्वारा पैदा किया, आत्मा के द्वारा।

जो लहू आपकी नसो में बहता है वह आपको जीवित नही रखता है। किंतु लहू महत्वपूर्ण क्यूँ है? सर्वप्रथम, यह मनुष्य की मानवता की गवाही देता है। लैव्यव्यवस्था १७:११ कहता है, "क्योंकि शरीर का प्राण लहू में रहता है..."। इसलिए, मनुष्य के उद्धार को लहू बहाने के द्वारा होना था, यीशु का लहू –जीवन के बदले जीवन! अब जब कि उसने उसका जीवन दे दिया है, ताकि हमारे पास जीवन हो, तो आपके शरीर का जीवन अब लहू से नही है, किंतु आत्मा के द्वारा है।

याद रखिए, यीशु जीवित किया गया था बिना लहू के, फिर भी वह एक भूत नही था। उसने अपने पुर्नरुत्थान के बाद अपने चेलो से कहा, "मेरे हाथ और मेरे पाँव को देखो कि मैं वही हूँ। मुझे छूकर देखो, क्योंकि आत्मा के हड्डी माँस नहीं होता जैसा मुझ में देखते हो" (लूका २४:३९ एन.आय.व्ही)। ध्यान दीजिए उसने नही कहा, "शरीर और लहू" ; पुर्नरुत्थानी जीवन को काम करने के लिए लहू की आवश्यकता नही थी, और अब आपके अंदर वही जीवन है।

यही कारण है कि कोई बीमारी या रोग आपके शरीर को बरबाद नही कर सकता, क्योंकि बीमारी और रोग शरीर को बरबाद करने के लिए लहू पर प्रहार करते है । किंतु परमेश्वर का धन्यवाद हो! यूहन्ना १:१२-१३ कहता है, "परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके

नाम पर विश्वास रखते हैं: वे न तो लहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से उत्पन्न हुए है"। इस चेतना को बनाए रखिए और इस विश्व के ऊपर जीएँ; बीमारी, रोग, और अंधकार के इस वर्तमान विश्व के भ्रष्ट करनेवाले बलो के ऊपर।

घोषणा

मैं आत्मा की सामर्थ के द्वारा जीता हूँ जिसने मसीह को मृत्यु में से जिलाया! वह सामर्थ स्फूर्ति देती है और मेरे भौतिक शरीर को जीवंत बनाती और मुझमें जीवन पैदा करती है। मैं एक जीवन-दाता हूँ, मसीह की तरह जन्मा, जोकि जीवन –दायक आत्मा है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

1 यूहन्ना 4:4 AMPC; 1 यूहन्ना 5:11-12; रोमियो 8:10 ESV

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 15 & सपन्याह 1-3

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 2:37-47 & एज्रा 1

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

आपमें मसीह को खोजिए

जिन पर परमेश्वर ने प्रगट करना चाहा कि उन्हें ज्ञात हो कि अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का मूल्य क्या है, और वह यह है कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है (कुलुस्सियो १:२७)।

परमेश्वर की अभी भी ऐसी बहुत सी संताने है जो परमेश्वर की ओर एक या दूसरी आशिष के लिए देख रही है। वे परमेश्वर की ओर देख रहे है उन्हें चंगा करने के लिए, उन्हें छूने के लिए, उनकी जरुरतो को पूरा करने के लिए, उनकी प्रार्थनाओ का उत्तर देने के लिए। किंतु सच यह है कि आपके लिए स्वर्ग से कोई दूसरी आशिष नही आनेवाली है जब तक कि प्रभु स्वंय दूसरे आगमन में आ ना जाएँ।

ऐसी कोई प्रार्थना नही है जिसका उत्तर आपके लिए स्वर्ग से आएगा। हर वस्तु जिसकी जीवन में आपको जरुरत है वह मसीह में है, और मसीह आपमें है, और आपमें मसीह होना सब कुछ है। कुलुस्सियो १:२७ कहता है, "...मसीह तुम में महिमा की आशा है"। क्या आप अपने पैसे में, स्वास्थ में, व्यवसाय में, या परिवार में परमेश्वर की महिमा को देखने की इच्छा या आशा कर रहे थे? महिमा पहले ही प्रदर्शित हो चुकी है। क्रिसमस का यही अर्थ और कारण है; यही कारण है कि हम आनंद से भरे है कि मसीह इस विश्व में पैदा हुआ था, हमारे ह्रदय में रहने के लिए।

आपमें मसीह आपके दैविय स्वास्थ, समृद्धि, सफलता, विजय, प्रबलता का आश्वासन है, हालेलूयाह! आपको आपके अंदर मसीह को खोजने की आवश्यकता है। अगर मसीह एक मनुष्य के अंदर नही है, तो उसके कष्ट सही है; उसके दर्द के "बहाने " सही है। किंतु आपके साथ ऐसा नही है। आप "महिमा के जीवन" में लाए जा चुके है।

यह मसीह-चेतना आपके जीवन में असाधारण निर्भिकता को उत्साहीत करेगी। यह आपको हर दिन उत्साहीत करेगी, अकथनिय आनंद के साथ जीने के लिए; जो महिमा से भरा हुआ है। जब आप आपमें मसीह को खोज लेगें, तो आपके शरीर में किसी रोग के लिए कोई स्थान नही होगा; वह अंधकार और कमी का अंत होगा। परमेश्वर की महिमा हो!

मसीहत का दर्शन मसीह आपमें है; ना कि स्वर्ग में। उपवास करना और उससे यह माँगना शुरु मत कर दीजिए कि वह स्वर्ग से कुछ ऊँडेले; उससे मत माँगिये कि वह स्वर्ग से आपको एक आशिष दे। उसने आपको स्वंय के द्वारा आशिषीत कर दिया है, मसीह में

उन सारी आशिषो के साथ (इफिसियो १ : ३)। आज सचेतन रूप से कुछ समय निकालिये मसीह पर मनन करने के लिए; वह कौन है, आप उसमें कौन है, और वह जो उसने आपके लिए पा लिया है। यह आपके जीवन को बदल देगा। हालेलूयाह!

घोषणा

यीशु के शरीर, मांस, और हड्डियो का एक सदस्य होने की कितनी महान सुविधा मेरे पास है! मसीह मुझ में महिमा की आशा है! मुझे मसीह में अनुग्रह और योग्यता दी गई है, सारी स्थितीयो के ऊपर राज्य और शासन करने की! मैं उस मसीह के द्वारा सबकुछ कर सकता हूँ जो मुझे सामर्थ देता है। मसीह मुझ में मेरी निरंतर विजय, और अनंत सफलता के जीवन का आश्वासन है। धन्य है परमेश्वर!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ कुरुंथियो 6:19; 1 यूहन्ना 4:4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 16 & हाग्गै 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 3:1-11 & एज्रा 2

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार 25

यीशु: परमेश्वर के प्रेम का प्रगटीकरण

और वचन देहधारी हुआ; और ... हमारे बीच में डेरा किया ... (यूहन्ना १:१४)।

ठीक जिस तरह आदम और हव्वा ने अदन की वाटिका में परमेश्वर की आवाज को दिन के ठंडे मौसम में वाटिका में चलते और बात करते हुए सुना (उत्पत्ति ३:८), उसी तरह पुराने नियम के भविष्यद्वक्ता भी छूटे नही थे। कुछ ने उनकी आत्मा में एक आवाज को सुना, जब कि कुछ ने ऊपर से एक आवाज को सुना; किंतु उन्होंने उस आवाज में कोई रुप या मूर्ति नही देखी।

किंतु जब शिशु यीशु बैतलहेम में पैदा हुआ था, तो यह वही आवाज थी जो आदम और भविष्यद्वक्ताओ ने सुनी थी जोकि शरीर में पैदा हुआ था! यीशु हमेशा परमेश्वर के वचन में, पिता की गोद में था। किंतु अब, "...वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में रहा"। "हुआ" का वास्तव ग्रीक शब्द "जिनोमाई" है; इसका अर्थ है कि किसी वस्तु को अस्तित्व में लाना, या बन जाना। यीशु बाकी दूसरो की तरह पैदा नही हुआ था; वह पवित्र आत्मा के द्वारा पैदा हुआ था और शरीर बना! एक चमत्कारो का चमत्कार!

इंद्रियो के स्तर में इस प्रकार की घुसपैठ का सबसे अद्भुत भाग केवल यह नही था कि वह शरीर बना, और मनुष्यो के बीच में रहा, किंतु यह कि वह पिता का अटल, अटूट, और बिना शर्त का प्रत्यक्ष हुआ प्रेम था। उसके वचन, कार्य, और चमत्कार सब प्रेम –उत्साहीत थे। यीशु शरीर में परमेश्वर का प्रेम है। प्रेम उसके व्यक्तित्व की परिपूर्णता है। यीशु आपसे प्रेम करना या नही करना नही चुन सकता था। वह केवल आपसे प्रेम ही कर सकता था! उसने यूहन्ना १५:९ (ए.एम.पी.सी.) में कहा है, "जैसा पिता ने मुझ से प्रेम रखा, वैसा ही मैं ने तुम से प्रेम रखा..."।

इस क्रिसमस, यीशु पर मनन कीजिए, परमेश्वर के प्रेम के प्रगटीकरण के रुप में! सोचीए कि वह आपसे कितना प्रेम करता है, कि उसने आपके प्रेम के लिए अपने आपको छुडौति के रुप में दे दिया है। उसने यूहन्ना १५:१३ में कहा, "इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं कि कोई अपने मित्रों के लिये अपना प्राण दे"। उसने आपके और मेरे लिए ठीक यही किया।

उसके प्रेम को अपना हृदयस्पर्शी अवलोकन बना लीजिए; आपके लिए उसके बिना

शर्त के अटूट और अटल प्रेम में बने रहिए और विश्राम कीजिए। अगर आप कभी भी इस सच्चाई को समझ पाएँगे, तो यह अचानक से आपमें आपका मूल्य –आपका महत्व –उत्साहीत कर देगा और आप चुनौति के बावजूद कभी भी निरुत्साहीत, उदास, भयभीत, डरे हुए, या लज्जित नही होंगे । आपके लिए उसके प्रेम की चेतना आपको हमेशा के लिए एक सफलता और विजयी बनाएगी। क्रिसमस की शुभकामनाएं!

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद इतने विशेष तरिके से मेरे लिए अपने प्रेम को दिखाने के लिए। मैं हमेशा आपके प्रेम के लिए धन्यवादित और सचेत रहूँगा, और उसी को अपने विश्व को दिखाऊँगा, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 15:12-13; 1 यूहन्ना 3:1 AMPC; यूहन्ना 3:16 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 17 & जकर्याह 1-3

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 3:12-26 & एज्रा 3-4

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 26

प्रभु के पास आपके जीवन के लिए एक सर्वश्रेष्ठ योजना है

क्योंकि यहोवा की वाणी है, कि जो कल्पनाएँ मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानि की नही, वरन कुशल ही की है, और अंत में तुम्हारी आशा पूरी करूँगा (यिमर्याह २९:११)।

परमेश्वर के पास आपके जीवन के लिए एक योजना है, बहुत सर्वश्रेष्ठ ! याद रखिए वह कृपालू, और दयालूता से भरा हुआ है। कुछ लोग पालतू जानवरों को रखते है जैसे कि कुत्ते, बिल्ली, इत्यादी। उन्होंने उन पालतू जानवरो को ना तो बनाया और ना ही पैदा किया, किंतु वे उनको अच्छा जीवन देने के लिए सब कुछ करते है ।

अब, अगर मनुष्य इतना विचारशील हो सकता है कि वह उनके पालतू जानवरो के लिए एक अच्छा जीवन और एक अच्छा भविष्य सोच सकता है, और उनके बच्चो की तो क्या ही बात, तो क्यूँ किसी को आश्चर्य करना चाहिए कि महामयी परमेश्वर, जिसने हमे बनाया, उसके पास हमारे जीवनो के लिए महान योजना होनी चाहिए? इफिसियो २:१० (ए.एम.पी.सी.) कहता है, " क्योंकि हम उसके बनाए हुए (कार्यकुशलता) हैं, और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिये सृजे गए जिन्हें परमेश्वर ने पहले से हमारे करने के लिये तैयार (अच्छा जीवन, पूर्वनियोजित) किया "।

परमेश्वर की योजना सर्वश्रेष्ठ है; और आपका काम उस योजना को खोजना और उसके प्रकाश में चलना है। जैसे ही आप वचन का अध्ययन और मनन करते है, आप आपके जीवन के लिए उसकी योजनाओ के साथ और ज्यादा परिचित हो जाते है।

इसके अतिरिक्त, आपको अपने आपको पवित्र आत्मा की सेवकाई करने के लिए समर्पित करना चाहिए। वही है जो आपकी वचनो को समझने में मदद करेगा। वह आपको परमेश्वर के राज्य के रहस्यो और वास्तविकताओं में अंर्तज्ञान देगा। वह आपमें है, आपके जीवन के लिए परमेश्वर की योजना को पूरा करने में सहायता करने के लिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद उन विचारो के लिए जो आपके पास मेरे बारे में है, शांति के विचार, ना कि बुराई के विचार ताकि मेरे पास एक अच्छी आशा हो। मैं आपके निर्देशन और नेतृव के लिए अपने आपको समर्पित करता हूँ, मेरे जीवन के लिए आपकी इच्छा को पूरा करते हुए, क्योंकि मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूँ कि मेरे जीवन के लिए आपकी योजना सर्वश्रेष्ठ है। आप मेरे कदमो को आपकी योजना की दिशा में निर्धारित कर रहे हैं और मेरा कोई भी कदम फिसलेगा नही, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 1:11; 1 पतरस 2:9; यिर्मयाह 1:5 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 18 & जकर्याह 4-6

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 4:1-12 & एज्रा 5

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सुक्रवार 27

संघर्ष की कोई आवश्यकता नही

पर मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे (गलातियो ५:१६)।

इफिसियो ४:२५ कहता है, "इस कारण झूठ बोलना छोड़कर हर एक अपने पड़ोसी से सच बोले, क्योंकि हम आपस में एक दूसरे के अंग है"। यह वचन आपको नही बता रहा है कि आप झूठ बोलने के संघर्ष को दूर कर दो; वरन यह आपको बता रहा है कि अब जब आप मसीह में है, तो सच्चाई आपके लिए स्वाभाविक बन गई है। अब आपके लिए मसीह-जीवन जीना स्वाभाविक है; सत्यनिष्ठा का जीवन।

१यूहन्ना ३:९ कहता है, "जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह पाप नहीं करता; क्योंकि उसका बीज उसमें बना रहता है, और वह पाप कर ही नहीं सकता क्योंकि वह परमेश्वर से जन्मा है"। कुछ इतिहासकारो ने इस वचन के साथ लडाई लडी है, क्योंकि यह उनके अनुभवो से अलग है। किंतु जो यह कहता है वह बहुत स्पष्ट है: हर वह व्यक्ति जो परमेश्वर से जन्मा है वह पाप नही करता! किंतु बहुत से लोग आश्चर्य करते है, "यह कैसे सच हो सकता है जब मैं अपने आपको बार बार पाप करता हुआ देखता हूँ, मेरे पाप ना करने के सारे प्रयासो के बावजूद? इसलिए, वे सोचते है कि पौलुस प्रेरित रोमियो ७:१५ में लिखता है - "जो मैं करता हूँ उस को नहीं जानता; क्योंकि जो मैं चाहता हूँ वह नहीं किया करता, परन्तु जिस से मुझे घृणा आती है वही करता हूँ" –और यह उनके जीवनो के साथ मेल खाता हुआ लगता है। किंतु वे भूल जाते है कि वह नियम के अंतर्गत मनुष्य के विषय में बात कर रहा था, अपरिवर्तीत मनुष्य।

पौलुस ने आगे बढकर कहा, "मैं कैसा अभागा मनुष्य हूँ! मुझे इस मृत्यु की देह से कौन छुड़ाएगा?" (रोमियो ७:२४); और उसने उत्तर दिया। उसने कहा, "अत: अब जो मसीह यीशु में हैं, उन पर दण्ड की आज्ञा नहीं। क्योंकि वे शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते है" (रोमियो ८:१)। आपको आत्मा में चलने की आवश्यकता है। हमारा आरंभिक वचन कहता है कि, "... आत्मा के अनुसार चलो तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे"।

मसीह में जो आप है उसके लिए सचेत हो जाईये –परमेश्वर की सत्यनिष्ठा –और उसके अनुसार चलिए। जैसे ही आप करेंगे, आप खोजंगे कि एक सच्चा मसीह जीवन

जीना आपकी आत्मा के लिए स्वाभाविक है, क्योंकि आत्मा जोकि वास्तविक आप है, वह परमेश्वर के द्वारा सत्यनिष्ठा और सच्ची पवित्रता में बनाई गई थी। इसलिए, आपको सही करने या सही जीने के लिए संघर्ष करने की आवश्यकता नही है। यही कारण है कि उसने हमे उसकी सत्यनिष्ठा दी है। आपमें उसकी सत्यनिष्ठा आपको पाप और पाप-चेतना के बिना जीने की योग्यता देती है।

घोषणा

मैं मसीह के अद्भुत कामो को करता, और उसके सदगुण और सिद्धताओ को दिखाता हूँ। मैं दैविय श्रेष्ठता और सत्यनिष्ठा के फलो और कामो के प्रत्यक्षिकरण में चलता हूँ। मैं आत्मा में चलता और जीता हूँ, महिमामय रुप से मेरे जीवन के लिए परमेश्वर की योजना को पूरे करते हुए । हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 6:14; 1 यूहन्ना 5:18-19; २ कुरुंथियो 5:21

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 19:1-10 & जकर्याह 7-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 4:13-22 & एज्रा 6

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सनिवार 28

फोकस और स्पष्ट दिशा के साथ प्रार्थना करो

किसी भी बात की चिन्ता मत करो; परन्तु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन (स्पष्टता के साथ), प्रार्थना और विनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित किए जाएँ (फिलिप्पियो ४:६)।

बहुतो के पास उनके प्रार्थना जीवन में फोकस की कमी की चुनौति है। जब आप प्रार्थना करते है, तब आपके पास फोकस अवश्य ही होना चाहिए। दाऊद ने अपनी एक प्रार्थना में प्रभु से कहा, "हे यहोवा, अपना मार्ग मुझे दिखा, तब मैं तेरे सत्य मार्ग पर चलूँगा, मुझ को एक चित्त कर कि मैं तेरे नाम का भय मानूँ"(भजनसंहिता ८६:११)।

रेखांकित भाग पर ध्यान दीजिए! नया इंटरनॅशनल अनुवाद इसे इस तरिके से कहता है, "...मुझे अविभाजित ह्रदय दो, ताकि मैं आपके नाम से डरुँ"। इसलिए प्रार्थना में प्रभु पर अपना ध्यान लगाईये, और उसके विषय में सचेत हो जाईये जो आप प्रार्थना कर रहे है। बहुत से लोग बहुत सी बातो के विषय में प्रार्थना करते है, और एक क्षण बाद उन्हें याद नही रहता कि उन्होंने किस विषय में प्रार्थना की थी। अगर आपको याद नही है कि आपने किस विषय में प्रार्थना की थी, तो आपको कैसे पता लगेगा कि परमेश्वर ने उत्तर दिया है या नही?

आपको प्रार्थना में परमेश्वर से कही बातो का लेखाजोखा रखना भी सीखना पडेगा; स्पष्ट बनिए। अगर ऐसी वस्तुएं है जिनके विषय में आप चिंतित है और आप प्रार्थना करना चाहते है, तो उन्हें लिख लीजिए या उनको दिमाग में रख लीजिए जब आप प्रार्थना करते है। फिर जब आप प्रार्थना करते है तो उन्हें ग्रहण कीजिए।

परमेश्वर चाहता है कि आप अपने विश्वास को विशेष तरिके से दिखाए। विश्वास आपको एक ग्रहणी बनाता है! जब आपने परमेश्वर से स्पष्ट निवेदन कर लिये है, आनंद मनाईये, और उसे महिमा दीजिए, जानते हुए कि यह हो गया है। "इसलिये मैं तुम से कहता हूँ कि जो कुछ तुम्हारी इच्छा हो, जब तुम प्रार्थना करो, तो विश्वास कर लो कि तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे लिये हो जाएगा" (मरकुस ११:२४)।

घोषणा

प्यारे पिता, आपका धन्यवाद प्रार्थना करने की सुविधा और आशिष के लिए; मेरा विश्वास मजबूत है, यह जानते हुए कि आप हमेशा मेरी सुनते है जब मैं प्रार्थना करता हूँ। धन्यवाद आपके प्रेम, अनुग्रह और आपके साथ मेरी एकता के लिए। मैं प्रार्थनाओ के द्वारा जीवनो और आशाहीन परिस्थितीयो को बदलने के अवसर के लिए उत्साहीत हूँ । हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

1 यूहन्ना 5:14-15; फिलिप्पियो 4:6 AMPC; यूहन्ना 16:26-27 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 19:11-21 & जकर्याह 9-11

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 4:23-37 & एज्रा 7

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

रविवार 29

भीख मत माँगो....उसके नाम को इस्तेमाल करो

इस कारण परमेश्वर ने उसको अति महान् भी किया, और उसको वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है: कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हैं, वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें (फिलिप्पियो २:९-१०)।

अगर एक मसीही के रुप में आप खोजते है कि आप हमेशा चिल्ला रहे है और अपनी जरुरतो के लिए परमेश्वर से प्रार्थना में भीख माँग रहे है, तो आप यीशु के नाम में नही जी रहे है। हम उसके नाम में भीख नही माँगते है। उससे अपने स्वास्थ या किसी दूसरी वस्तु के लिए भीख मत माँगिए। यह उसके मुँह पर एक तमाचा है। यह ऐसा है कि एक बच्चा एक उत्तरदायि पिता से उसके नाश्ते या रात के खाने की भीख माँग रहा है। वह आपको उससे कही ज्यादा प्रेम करता है।

क्या आपको लगता है कि परमेश्वर नही जानता है कि आपके शरीर में दर्द है? क्या आपको लगता है कि वह नही जानता है कि आप मायग्रेन का अनुभव कर रहे है? या कि आप अपने बिलो के भुगतान में पीछे है? वह जानता है। किंतु वह चाहता है कि आप वस्तुओ को बदले! आपके पास एक हथियार है, एक उपकरण, यीशु का नाम! अपने शरीर में, अपने धन में, और अपने जीवन के किसी भी क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए उसको इस्तेमाल कीजिए। आप अपने आपसे कह सकते है, "मैं २०२० में इस स्थिती या परेशानी में नही जानेवाला हूँ; मैं दावा करता हूँ और एक बदलाव का आदेश देता हूँ यीशु के नाम में।"

"उठो और वह सब बनो जो मैं ने तुम्हें बनाया; मेरे नाम की सामर्थ को पहचानो और अपने जीवन को और अधिक महिमामय बनाने के लिए इसका इस्तेमाल करो!" परमेश्वर ठीक अभी आपसे यही कह रहा है! उस दर्द से छुटकारा पा लो और उस परेशान करने वाली स्थिती से बाहर आ जाओ। उसके नाम में आपके पास हर उस वस्तु को अस्वीकार करने का अधिकार है जोकि आपके जीवन में परमेश्वर की ओर से नही है। हर बीमारी, हर रोग, और परिस्थिती उसके नाम में झुकती है।

इससे अंतर नही पडता है कि आपको क्या परेशान करता है; आपको सहायता के लिए चिल्लाने की आवश्यकता नही है; उसके नाम में वचनो को बोलिए और आप अचंभित

हो जाएँगे कि कितनी जल्दी वस्तुएँ आपकी कृपा के लिए बदल जाएगी। उसके नाम को इस्तेमाल करने का अभ्यास कीजिए और अपने विश्वास को वचन के द्वारा बनाईये। यह एक जीवनशैली है आपको इसमें बढना पडेगा। यह जीने के लिए एक वातावरण है। इसे आपके जीवन के हर क्षेत्र में इस्तेमाल कीजिए। बाइबल हमे यही बताती है: "वचन में या काम में जो कुछ भी करो सब प्रभु यीशु के नाम में करो, और उसके द्वारा परमेश्वर पिता का धन्यवाद करो" (कुलुस्सियो ३:१७)। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं यीशु के नाम में जीता हूँ; इसलिए, सारी वस्तुएँ मेरी भलाई के लिए काम कर रही है। मेरे धन में, नौकरी में, व्यवसाय में, परिवार में, और मुझ से जुडी हुई हर चीज में उठाव है। मैं दैविय स्वास्थ में फलफूल रहा हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 14:13-14; मत्ती 16:17-18; प्रेरितो के काम 3:6-8; मीका 4:5

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 20 & जकर्याह 12-14

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 5:1-11 & एज्रा 8

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 30

सुसमाचार की वास्तविकताओ पर मनन करो

इन बातों पर मनन कर और पूरी तरह से अपने आपको इन्हें दे, ताकि तेरी उन्नति सब पर प्रगट हो (१तीमुथियुस ४:१५)।

कुछ मसीहो ने इस बारे में शिकायत की है कि सुसमाचार के संदेश और उनके व्यक्तिगत अनुभवो के बीच में अंतर है, जिस पर वे "विश्वास "करते है और यहाँ तक कि प्रचार भी करते है। आप कैसे चंगाई और चमत्कारो को परमेश्वर का कार्य कहते है, और फिर बीमार हो जाते है; या आर्थिक समृद्धि का प्रचार करते है, और आप एक गहरी आर्थिक परेशानी में है? यह दिखाता है कि कही पर टूटा हुआ एक टुकड़ा है।

कुछ शायद सोचे कि इसका समाधान गहरी प्रार्थनाएं और उपवास है ताकि वे उनके जीवनो को "साफ " कर सके और जो कुछ उनकी "आशिषो"को रोक रहा है, उसको हटा सके। "शायद, अगर मैं एक बेहतर क्रिश्चयन बन जाऊँगा, तो मेरे लिए वस्तुएँ भलाई के लिए बदल जाएँगी", वे शायद कहेंगे। किंतु यह ऐसा नही है; परमेश्वर ने हम से कभी भी अच्छा या बेहतर होने की कोशिश करने को नही कहा; उसने पहले ही आपको उसकी सत्यनिष्ठा बना दिया है।

यह इस विषय में नही है कि आपने क्या किया या नही किया; यह मसीह के विषय में और आपकी आपके बदले में उसके किए गए कामो की समझ और उनको मानने के विषय में है। आप अपना पूरा जीवन सुसमाचार का प्रचार करने में निकाल सकते है, इसे वास्तव में बिना जाने। उदाहरण के लिए, जितना भी विख्यात यूहन्ना ३:१६ है, एक वचन जो लोग अपने हृदय से बता सकते है, फिर भी उन्हें इसकी सामर्थ और इन शब्दो की वास्तविकता समझ में नही आई है। यह कहता है,"क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि, उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए" (यूहन्ना ३:१६)।

बहुत से लोग इस वचन को वाचा के रुप में देखते है, किंतु यह एक नियम है, यह महामयी परमेश्वर की सार्वभौमिक घोषणा है, कि हर वह व्यक्ति जो यीशु मसीह में विश्वास करता है वह दूर किया गया है, काट दिया गया है, अलग कर दिया गया है, कष्ट उठाने से। और यह यही पर खत्म नही होता है: ऐसे व्यक्ति के पास अंनत जीवन भी है। अनंत का मतलब अविनाशी, अजय, और अभ्रष्ट। यही वह जीवन है जो आपने ग्रहण किया है।

कैसे कोई व्यक्ति इसको समझ कर और इस प्रकार की सच्चाई को जानकर एक

साधारण जीवन जी सकता है? आप इसे जानकर जीवन में एक शिकार नही हो सकते; यह असंभव है! सुसमाचार की वास्तविकताओ पर मनन कीजिए। यह आपको अलग तरिके के विचार, शब्द देगा और आपकी चाल को बदल देगा; आपका जीवन सुसमाचार के संदेश की आशिषो के साथ मेल खाएगा और उसका प्रत्यक्षिकरण होगा।

घोषणा

मैं उस सबकी वास्तविकता में चलता हूँ जो यीशु मसीह की मृत्यु, गाडे जाने और पुर्नरुत्थान ने मेरे लिए प्राप्त किया है। मेरे पास अनंत जीवन है; जोकि अविनाशी, अजय और अभ्रष्ट है और यह ठीक अभी मुझ में काम कर रहा है, मेरे अस्तित्व के हर कण में, मुझे दैविय स्वास्थ में रखते हुए, और हर उस वस्तु को दूर करते हुए जो कि सुसमाचार के प्रावधानो से मेल नही खाती है। धन्य है परमेश्वर!

अतिरिक्त अध्ययन:

1 यूहन्ना 5:11-12; 1 पतरस 2:9 AMPC; रोमियो 6:4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 21 & मलाकी 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 5:12-23 & एज्रा 9-10

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

पूर्वनिर्धारित रास्ते के लिए तैयार

... सत्यनिष्ठा के मार्गों में वह अपने नाम के निमित्त मेरी अगुवाई करता है। चाहे मैं घोर अन्धकार से भरी हुई तराई में होकर चलूँ, तौभी हानि से न डरूँगा; क्योंकि तू मेरे साथ रहता है; तेरे सोंटे और तेरी लाठी से मुझे शान्ति मिलती है (भजनसंहिता २३:३-४)।

जिस दिन आपका नया जन्म हुआ था, उस दिन परमेश्वर में आपका विधान शुरु हुआ। जैसा कि आपने हमारे आरंभिक वचन में पढा आप एक सत्यनिष्ठा के पूर्वनिर्धारित रास्ते के लिए तैयार कर दिए गए थे। कुछ लोग गलत तरिके से जी रहे है, परमेश्वर के विधान के बाहर जी रहे है, क्योंकि वे लोग वचन में और उसके द्वारा नही जी रहे है। वे उन स्थानो में है जहाँ उन्हें नही होना चाहिए, उन घरो में जी रहे है जिस में उन्हें नही जीना चाहिए; उनका पूरा जीवन संयोग पर आधारित है, और यह दु:खद है।

किंतु आपके साथ, यह अलग है; पूर्वनियोजन आपके साथ काम कर रहा है। आप संयोग से कही जाते या किसी से मिलते नही है। आपके जीवन का परमेश्वर के साथ एक उद्देश्य है; वह आपको आपमें रहने वाले उसके आत्मा के द्वारा चलाता है। और वह रास्ता जो उसने आपके चलने के लिए तैयार किया है उसमें वह सब कुछ है जो आपको उस सबको पूरा करने के लिए चाहिए जो उसने आपको करने के लिए बुलाया है, और वे लोग भी है जिनकी उसने आपसे मिलवाने की योजना की है। शायद कुछ लोग आपको पसंद ना करे, या आपको देखना ना चाहे, परंतु क्योंकि वे वहाँ परमेश्वर के द्वारा रखे गए है, जो कुछ वे करेंगे वह आशिषो और आपके प्रमोशन में बदल जाएगा।

पढिए इफिसियो २:१० (ए.एम.पी.सी.) आपके विषय में क्या कहता है, "क्योंकि हम उसके बनाए हुए (कार्यकुशलता) हैं, और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिये सृजे गए है जिन्हें परमेश्वर ने पहले से हमारे करने के लिये तैयार (अच्छा जीवन, पूर्वनियोजित) किया "। धन्य है परमेश्वर!

शायद आप यह पढ रहे है और महसूस कर रहे है कि आपने भी परमेश्वर के साथ आपका रास्ता खो दिया है; आप शायद अपने जीवन के लिए परमेश्वर के उद्देश्य से भटक गए थे। अभी भी बहुत बहुत देर नही हुई है। यही कारण है कि अभी वचन आप तक आ रहा है। बाइबल कहती है, "जब कभी तुम दाहिनी या बाई ओर मुड़ने लगो, तब तुम्हारे पीछे

से यह वचन तुम्हारे कानों में पड़ेगा, मार्ग यही है, इसी पर चलो" (यशायाह ३०:२१)। परमेश्वर में उसके वचनो के द्वारा अपने कदमो को वापिस लाने में कभी भी ज्यादा देर नही होती है। अपना मन बनाईये उसके वचनो के प्रकाश में जीने का और आप अपने जीवन में उस महिमा का अनुभव करेंगे जो आपने कभी नही सोचा था कि यह संभव थी।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ, मसीह में मेरे सुंदर जीवन के लिए। मैं एक उद्देश्य उत्साहीत जीवन जी रहा हूँ, उन रास्तो में चलते हुए जो आपने मेरे चलने के लिए पहले से तैयार किए है और उस अच्छे जीवन को जीते हुए जो आपने विश्व के आरंभ से मेरे लिए बनाया है। मैं मेरे विश्व में आपकी सत्यनिष्ठा और महिमा को प्रत्यक्ष करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 2:10 AMPC; इफिसियो 1:11; रोमियो 8:30

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रकाशित वाक्य 22 & मलाकी 3-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 5:24-32 & नहेम्याह 1-2

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उध्दार की प्रार्थना

हम विश्वास करते है कि आप इस अध्ययनिका के द्वारा आशिषित हुए है। इस प्रार्थना को करने के द्वारा हम आपको यीशु मसीह को अपने जीवन का प्रभु बनाने के लिए आमंत्रित करते है:

“ओ प्रभु परमेश्वर, मै अपने पूरे:दय से यीशु मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता हूँ। मै विश्वास करता हूँ कि वह मेरे लिए मरा और परमेश्वर ने उसे मरे हुओ मे से जीवित किया। मै विश्वास करता हूँ कि आज वह जीवित है। मै अपने मुँह से घोषणा करता हूँ कि आज से यीशु मसीह मेरे जीवन का प्रभु है। उसके द्वारा, और उसके नाम में, मेरे पास अनंत जीवन है; मै नया जन्मा हूँ। धन्यवाद परमेश्वर, मेरी आत्मा को बचाने के लिए! अब मै परमेश्वर की एक संतान हूँ। हालेलुयाह!

बधाई! अब आप परमेश्वर की एक संतान है। एक मसीह के रूप में, आप कैसे बढ सकते है, के विषय में अधिक जानकारी ग्रहण करने के लिए, कृपया नीचे लिखे किसी भी नंबर के द्वारा हमसे संपर्क किजिए:

UNITED KINGDOM:
(0)1708 556 604

NIGERIA:
01-8888186

CANADA:
+1-647-341-9091

SOUTH AFRICA:
+27 11 326 0971

USA:
+1-281-759-5111

लेखक के विषय में

पास्टर क्रिस औयाखिलोमे, बिलिवर्स लववर्ल्ड इनकॉर्पोटेड के प्रेसिडेंट है, जो एक प्रभावी, बहुमुखी, विश्व स्तरिय सेवकाई है, वे वास्तविकता संग्रह के लेखक है, विश्व की नंबर एक दैनिक अध्ययनिका, और तीस से अधिक दूसरी पुस्तको के भी। वो परमेश्वर के वचनो के एक वफादार सेवक है, जिनके संदेशो ने बहुतो के ह्रदय में दैविय जीवन की वास्तविकताओ को लाया है।

करोडो लोग उनके टेलिविजन ब्राडॅकास्ट "चमत्कारो के लिए वार्तावरण," के द्वारा प्रभावित हुए है, जो परमेश्वर की दैविय उपस्थिती को ठीक लोगो के घरो तक लेकर जाता है। इस टेलिविजन सेवकाई का विस्तार पूरे विश्व में लववर्ल्ड सेटेलाइट टेलिविजन नेटर्वकों के द्वारा होता है, जो कि एक विश्व स्तरिय सभा तक गुणवत्ता के मसीही प्रोग्राम लाते है।

विश्वविख्यात, चंगाई विद्यालय में वह यीशु मसीह के कार्य को प्रत्यक्ष करते है और उन्होंने पवित्र आत्मा के काम करते हुए वरदान के द्वारा बहुतो की चंगाई ग्रहण करने में सहायता की है।

पास्टर क्रिस में परमेश्वर की उपस्थिती के साथ पूरे विश्व के लोगो तक पहुँचने का उत्साह है –एक दैविय आज्ञा, जिसको उन्होंने तीस साल से अधिक वर्षो से किया है, विभिन्न आऊटरिचों के द्वारा, क्रूसेडो के द्वारा, और बहुत से अलग तरिको के द्वारा, जिसके द्वारा करोडो लोगो ने परमेश्वर के वचन के द्वारा एक विजयी और उद्देश के जीवन का अनुभव किया है।

LoveWorld Publishing

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

हिन्दी

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

Chris Oyakhilome

LoveWorld Publishing

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from the *King James Version* of the Bible.

A KEY FOR OTHER BIBLE VERSIONS USED:

NKJV	-New King James Version
AMP	-The Amplified Bible
AMPC	-The Amplified Classic Bible
TANT	-The Amplified New Translation
TLB	-The Living Bible
CEV	-Contemporary English Version
NASB	-New American Standard Bible
ISV	-International Standard Version
NIV	-New International Version
MSG	-The Message Translation
WEB	-The World English Bible
TNLT	-The New Living Translation
ASV	-American Standard Version
TEV	-Today's English Version
RSV	-Revised Standard Version
GNB	-Good News Bible
WNT	-Weymouth New Testament
NRSV	-New Revised Standard Version
MOFFAT	-Moffatt New Translation
WESNT	-Wesley New Testament
EBR	-Rotherham's Emphasized Bible
DRB	-Douay-Rheims Bible

वास्तविकता संग्रह...वास्तविकता संग्रह

ISSN 1596-6984

फरवरी 2020 edition

Copyright © 2020 by LoveWorld Publishing

FOR MORE INFORMATION AND TO PLACE ORDERS:

UNITED KINGDOM:
Unit C2, Thames View Business Centre, Barlow Way Rainham-Essex, RM13 8BT.
Tel.: +44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

USA:
Christ Embassy Houston,
8623 Hemlock Hill Drive
Houston, Texas. 77083
Tel.: +1-281-759-5111

NIGERIA:
Plot 97, Durumi District, Abuja, Nigeria.

Plot 22/23 Billingsway Road, Oregun, Ikeja, Lagos.
P.O. Box 13563 Ikeja, Lagos
Tel.: 01-8888186

SOUTH AFRICA:
303 Pretoria Avenue
Cnr. Harley and Braam Fischer,
Randburg, Gauteng 2194
South Africa.
Tel.:+27 11 326 0971

CANADA:
LoveWorld Publishing Canada
4101 Steeles Ave W, Suite 204
Toronto, Ontario
Canada M3N 1V7
Tel.:+1 416-667-9191

www.rhapsodyofrealities.org
email: rorcustomercare@loveworld360.com

All rights reserved under International Copyright Law. Contents and/or cover may not be reproduced in whole or in part in any form without the express written permission of LoveWorld Publishing.

भूमिका

हुर्रे ! आपकी प्रिय दैनिक अध्ययनिका, वास्तविकता संग्रह अब २०००, भाषाओं में उपलब्ध है और लगातार बढ़ रही है। हमें विश्वास है कि अध्ययनिका का २०२० का अंक ने आपकी आत्मिक वृध्दि और विकास को बढ़ाया है और आपको आपके सभी प्रयासो मे असाधारण सफलता के लिए सही स्थान में रख दिया है।

इस अंक के जीवन बदलने वाले विचार आपके विश्वास को ताजा करेंगे, बदल देंगे और स्फूर्ति देंगे, जैसे ही आप परमेश्वर के वचन के साथ एक प्रतिफल देनेवाले अनुभव में जुडते है।

- वास्तविकता संग्रह अध्ययनिका को कैसे इस्तेमाल करे -

- हर लेख को पढो और सावधानीपूर्वक इसपर मनन करो। प्रतिदिन जोर से प्रार्थनाओ और घोषणाओ को कहना, सुनिश्चित करेगा कि जो परमेश्वर का वचन आप बोल रहे है, वह आपके जीवन में पूरा होता है।
- एक-वर्षीय अध्ययन योजना के साथ, या दो वर्षीय अध्ययन योजना के साथ संपूर्ण बायबल को पढो।
- आप दैनिक बायबल अध्ययन खंडो को दो भागो में भी बाँट सकते है - सुबह और शाम अध्ययन
- हर महिने के लिए प्रार्थनापूर्वक अपने लक्ष्यो को लिखने के लिए अध्ययनिका का इस्तेमाल करो, और अपनी सफलता को मापो, जैसे ही आप एक के बाद एक लक्ष्य को प्राप्त करते है।

हम आपको परमेश्वर की महिमामयी उपस्थिति और विजय का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते है, जैसे ही आप उसके वचन की एक दैनिक खुराक को लेते है! हम आपसे प्रेम करते है! परमेश्वर आपको आशिष दे!

~पास्टर क्रिस औयाखिलोमे

व्यक्तिगत जानकारी

नाम:

पता:

टेलीफोन:

Mobile:

E-mail address:

Business address:

Goals for the Month:

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **1**

दैवियता के साथ हमारी सहभागिता

जो कुछ हम ने देखा और सुना है उसका समाचार तुम्हें भी देते हैं, इसलिये कि तुम भी हमारे साथ सहभागी हो; और हमारी यह सहभागिता पिता के साथ और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है (१ यूहन्ना १:३)।

यह कितना शक्तिशाली है: हमारी सहभागिता पिता, और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है! मसीहत के विषय में यह सबसे महान वस्तु है - दैवियता के साथ हमारी सहभागिता। मसीह का उद्देश्य परमेश्वर सरिखे के सहभागियो को उत्पन्न करना था; परमेश्वर के जीवन और स्वभाव के एक विशेष श्रेणी के लोग, और इसके द्वारा परमेश्वर के साथ हमारी सहभागिता को संभव बनाना।

१कुरिंथियो १:९ कहता है, "परमेश्वर सच्चा है, जिसने तुम को अपने पुत्र हमारे प्रभु यीशु मसीह की सहभागिता में बुलाया है"। इस दैविय सहभागिता के फलस्वरुप हर वह वस्तु जो पिता की है अब हमारी है। ओह, प्रभु के साथ हमारी एकता कितनी धन्य है! यह संगति से बढकर है, यह एक वाचा में होने से बढकर है! वह स्वंय को हम में देखता है। वह तब तक संतुष्ट नही होता, जब तक हम संतुष्ट ना हो जाए। हमारा आनंद उसका आनंद है, और उसका आनंद हमारा आनंद। कोई आश्चर्य नही पौलुस प्रेरित ने तीमुथियुस को लिखते हुए कहा, "...मसीह यीशु में जो अनुग्रह है उस में मजबूत हो जा" (२तीमुथियुस २:१)। हमारे साथ उसकी सहभागिता में हमे उसके अनुग्रह का लाभ लेना है।

आपको यह जानने की आवश्यकता है कि परमेश्वर आपसे वास्तव में प्रेम करता है, इतना की उसने आपके साथ अपने आपको एक बना लिया है। हर वस्तु जो आपको परेशान करती है उसको परेशान करती है। आप उससे अलग या उससे दूर काम नही करते है। इसके लिए सचेत हो जाईये। यही कारण है कि आपको कभी भी जीवन में किसी भी वस्तु के विषय में विचलित नही होना चाहिए। इसके विषय में सोचिए: आप कैसे कमी में हो सकते है, जब आप ब्रम्हांड के सम्राट की श्रेणी में है? हम परमेश्वर के पुत्र है; परमेश्वर के उत्तराधिकारी और मसीह के साथ एक सह-उत्तराधिकारी! उसके नाम को सर्वदा महिमा मिले!

अपने जीवन में उसके प्रेम का पूरा लाभ उठाईये और उस सहभागिता की धन्यता

का आनंद मनाईये जिसमें वह हमे लेकर आया है। उसके साथ चलिए, उसके साथ बात कीजिए, और उसमें पूरी तरह से जीएं। हालेलूयाह!

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं मेरी आत्मा में आपके जीवन और स्वभाव के लिए सर्वदा आनंद मनाता हूँ, जिसके द्वारा आपके, महामही परमेश्वर के साथ मेरी सहभागिता संभव हुई है! यह सबसे बडा सम्मान और महान सुविधा है जो कभी भी दिया गया। मैं बहुत आभारी हूँ कि आपने मुझे अपने साथ अटूट बनाया है, कि मैं वास्तव में आपके लिए जीऊँ और मेरे जीवन के लिए आपकी इच्छा और उद्देश्य को पूरा करूँ, आपकी महिमा और स्तुति के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 कुरुंथियो 1:9; 1 कुरुंथियो 6:17; इब्रानियो 2:11

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मत्ती 22:15-46 & निर्गमन 22-23

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 14:8-18 & अय्यूब 34-35

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 2

नये जन्मे होकर

> क्योंकि तुम ने नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज से, परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरने वाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है (१पतरस १:२३)।

जब आप समझ जाते है कि नये जन्मे होने का क्या अर्थ है तो यह आपके कदमो में उछाल भर देगा। नये जन्मे होने का अर्थ है कि आपकी आत्मा में परमेश्वर का स्वयं का स्वभाव है; यह आपके अस्तित्व के हर कण में, आपकी आत्मा, प्राण और शरीर में परमेश्वर के सक्रिय जीवन का होना है ।

२ कुरिंथियो ५:१७ कहता है, "इसलिये यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, सब बातें नई हो गई है"। यूहन्ना ३:३ में प्रभु यीशु के वचनो को याद कीजिए,"...मैं तुझ से सच सच कहता हूँ, यदि कोई नया जन्म न ले तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता"। फिर छठे और सातवे वचन में वह कहता है, "क्योंकि जो शरीर से जन्मा है, वह शरीर है; और जो आत्मा से जन्मा है, वह आत्मा है। अचम्भा न कर कि मैंने तुझ से कहा, तुझे नये सिरे से जन्म लेना अवश्य है"।

जब तक एक मनुष्य नया जन्म नही हो जाता, तब तक उसके पास भ्रष्ट गिरा हुआ मानविय जीवन होगा, जो कि पाप, हार, रोग, मृत्यु, और बीमारी के आधीन है। किंतु नये जन्म पर, मानविय जीवन परमेश्वर के दैविय स्वभाव से बदल दिया जाता है। कितना महान सम्मान है कि हम उसके जीवन के सहभागी हो जाते है, उसकी महिमा के वाहक, उसके अनुग्रह के वितरक और उसकी सत्यनिष्ठा के प्रदर्शक! हम परमेश्वर के पुत्र बन चुके है (१यूहन्ना ३:२), अब जब कि हम नये जन्मे है।

हम ठीक यीशु की तरह पहिलौठे पुत्र बन गए है। याकूब १:१८ कहता है, "उसने अपनी ही इच्छा से हमें सत्य के वचन के द्वारा उत्पन्न किया, ताकि हम उसकी सृष्टि की हुई वस्तुओं में से एक प्रकार के प्रथम फल हों। "। यीशु इस नई प्रजाति का मुखिया है, उसके शरीर कलिसिया का सिर है। वह नया जन्मा होने वाला पहला व्यक्ति है, सुपरप्रजातियो के विशेष वंश में। १पतरस २:९ कहता है, "पर तुम चुना हुआ वंश, और राज – पदधारी याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है, उसकी इच्छा को कर के

दिखाओ"। अब जब कि आप नये जन्मे है, ठीक अभी आप यही है। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं परमेश्वर के रहने का स्थान हूँ; वह मुझ में और मेरे द्वारा जीता है; वह मेरे द्वारा बात करता और आशीष देता है। मैं अनंत वास्तविकताओ का वाहक हूँ और उसके दैविय स्वभाव का सहभागी हूँ। मेरे अंदर मेरे विश्व को बदलने की योग्यता है क्योंकि मैं नया जन्मा हूँ और महान मेरे अंदर रहता है। परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ यूहन्ना 4:4; १ यूहन्ना 5:11-13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मत्ती 23 & निर्गमन 24-25

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 14:19-28 & अय्यूब 36-37

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 3

फरवरी ::: सत्यनिष्ठा – अनुग्रह का एक उपहार

जो पाप से अज्ञात था, उसी को उसने हमारे लिये पाप ठहराया कि हम उसमें होकर परमेश्वर की सत्यनिष्ठा बन जाएँ (२कुरिंथियो ५:२१)।

जब आपने अपने हृदय में मसीह को ग्रहण किया था, तो अनंत जीवन आपकी आत्मा में डाला गया था, और इसके साथ सत्यनिष्ठा आई। सत्यनिष्ठा परमेश्वर का स्वभाव है जो आपके अंदर परमेश्वर की न्यायसंगता पैदा करता है, और आपको परमेश्वर के साथ खडा करता है। यह आपके लिए मसीह में परमेश्वर का उपहार है; आपको मसीह यीशु के द्वारा दिया गया अनुग्रह का एक उपहार। यूहन्ना १:१७ कहता है, "इसलिये कि व्यवस्था तो मूसा के द्वारा दी गई, परन्तु अनुग्रह और सच्चाई यीशु मसीह के द्वारा पहुँची"।

रोमियो ५:१७ कहता है, "...तो जो लोग अनुग्रह और सत्यनिष्ठा का वरदान बहुतायत से ग्रहण करते हैं वे एक मनुष्य के, अर्थात् यीशु मसीह के द्वारा अवश्य ही अनन्त जीवन में राज्य करेंगे"। दूसरे शब्दो में, जो लोग उस सत्यनिष्ठा को धर लेते है वे शासन करेंगे; इसका अर्थ है कि वे जीवन में प्रबलता का इस्तेमाल करेंगे। इसलिए, यह आपका उत्तरदायित्व है कि आप मसीह में अपनी सत्यनिष्ठा के लिए सचेत होकर इसको धर ले! यह सचेत होना कि आप मसीह यीशु में परमेश्वर की सत्यनिष्ठा है, आपको प्रार्थना करने और उत्तर पाने की निर्भिकता और भरोसा देता है। यह आपको शैतान, उसके दोषो और जीवन की परिस्थितीयो के ऊपर प्रभुत्व देता है।

यह बहुत सुंदर है, क्योंकि इसका आपके कामो या परमेश्वर के सामने "प्रर्दशन" से कोई लेना देना नही है। आपकी सत्यनिष्ठा सरल रुप से मसीह के हमारे बदले में कष्ट और पुनरुत्थानी विजय का परिणाम है। इसलिए, इससे अंतर नही पडता है कि आप अपने आपको कितना दुष्ट या बेकार व्यक्ति समझते थे, इससे अंतर नही पडता है कि आपके हिसाब से आप परमेश्वर से कितने दूर चले गए है; केवल आपको उसकी सत्यनिष्ठा को गले लगाने की आवश्यकता है।

उस उपहार को ग्रहण करें जो उसने आपके लिए उपलब्ध बनाया है, और कहिए, "धन्य यीशु, आप मेरी सत्यनिष्ठा है। मैं विश्वास करता हूँ कि आप मेरे लिए मरे और आपको परमेश्वर ने मृत्यु में से मेरी निर्दोषता के लिए जिलाया"। हालेलूयाह! याद रखिए, उसने आपके माँगने के कारण आपको अपनी सत्यनिष्ठा नही दी। उसकी सत्यनिष्ठा को बेहतर नही किया जा सकता है, क्योंकि यह मनुष्य, प्रभु यीशु मसीह की सत्यनिष्ठा है, एकमात्र पापरहित व्यक्ति जो कभी भी पृथ्वी पर आया। इसलिए, हम स्वर्ग में जाकर उससे अधिक सत्यनिष्ठ नही होंगे जितना कि हम पहले से ही है।

इसलिए परमेश्वर की उपस्थिती में हम स्वंतत्र है; कोई डर, कोई तिरस्कार, कोई हीन भावना नही है! हम अपने आपको दिखाने के लिए और खुद होने के लिए स्वतंत्र है, जब हम उसकी आराधना और उसके साथ सहभागिता करते है, क्योंकि हम उसके साथ खड़े है। यह सब और इससे कही अधिक उसके बहुतायत के अनुग्रह का परिणाम है, उसकी सिद्ध सत्यनिष्ठा का उपहार है। हालेलूयाह!

प्रार्थना

धन्य पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मुझे सत्यनिष्ठा उपहार के रुप में देने के लिए और मेरे अंदर प्रबलता की चेतना उत्साहीत करने के लिए - कि मैं जीवन में एक राजा की तरह राज्य और शासन करुँ। मैं आपके अनुग्रह के द्वारा पकड़ा हुआ हूँ, मसीह यीशु में मेरे सिद्ध सत्यनिष्ठा के उपहार के द्वारा मेरी राजसी स्वंतत्रता का आनंद मनाते हुए । आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 5:20-21; इफिसियो 2:8-9; फिलिप्पियो 3:7-9

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मत्ती 24:1-35 & निर्गमन 26-27

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 15:1-11 & अय्यूब 38-39

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

इसे सरल बनाईये

किंतु जब तू प्रार्थना करे, तब अन्यजातियों के समान व्यर्थ में बार-बार मत दोहराना, क्योंकि वे सोचते हैं कि उनके बहुत बोलने से उनकी सुनी जाएगी (मत्ती ६:७)।

कुछ लोग विश्वास करते है कि जब वे एक मुश्किल परिस्थिती में होते है तो उन्हें एक शक्तिशाली प्रार्थना की आवश्यकता होती है, किंतु एक शक्तिशाली प्रार्थना वास्तव में है क्या? कुछ के लिए, यह बहुत बोलना होता है या प्रार्थना करते समय कितनी जोर से चिल्लाना। किंतु वास्तव में जिस वस्तु से परिणाम आता है वह आपकी चिल्लाहट की तीव्रता या बहुत बोलना नही है; वरन, यह प्रभु और उसके वचनो में आपका विश्वास है –जिससे आप प्रार्थना करते है उसमें आपका आत्मविश्वास ।

यह प्रार्थना को ना केवल उत्साहजनक बनाता है, किंतु एक ऐसी वस्तु भी जिसको हमे सरल बनाना है। हमारे आरंभिक वचन में स्वामी की चेतावनी का यही सार है। उसने कहा, "अविश्वासियो की तरह प्रार्थना मत करो, जो गलत तरिके से सोचते है कि वे उनके बार बार दोहराए जाने के कारण सुने जाएँगे"। परमेश्वर बेहरा नही है। बाइबल कहती है कि वह आपके माँगने के पहले ही जानता है कि आपको क्या चाहिये (मत्ती ६:८)। इसलिए, यीशु की तरह प्रार्थना करना सीखीए। उसने प्रार्थना की और सरल रुप से कार्य किया। याद कीजिए कि उसने कैसे लाजरस की कब्र पर सरल प्रार्थना की। बाइबल कहती है, "...यीशु ने आँखें उठाकर कहा, हे पिता, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि तू ने मेरी सुन ली है। मैं जानता था कि तू सदा मेरी सुनता है, परन्तु जो भीड़ आस-पास खड़ी है, उनके कारण मैंने यह कहा, जिससे कि वे विश्वास करें कि तू ने मुझे भेजा है। यह कहकर उसने बड़े शब्द से पुकारा, हे लाजर, निकल आ"(यूहन्ना ११:४१-४३)।

यीशु ने मरकुस ११:२३-२४ में कहा, "मैं तुम से सच कहता हूँ कि जो कोई इस पहाड़ से कहे, तू उखड़ जा, और समुद्र में जा पड़, और अपने मन में सन्देह न करे, वरन् विश्वास करे कि जो कहता हूँ वह हो जाएगा, तो उसके लिये वही होगा जो उसने कहा है। इसलिये मैं तुम कहता हूँ कि जो कुछ तुम्हारी इच्छा हो, जब तुम प्रार्थना करो, तो विश्वास कर लो कि तुम्हें मिल गया, और तुम्हारे लिये हो जाएगा।" यह ऐसा ही है! इसलिए, अपनी प्रार्थनाओ को सरल बनाईये। विश्वास के साथ प्रार्थना कीजिए, आपके लिए परमेश्वर के

प्रेम के लिए आश्वस्त होते हुए और उसकी उपस्थिती में सुने जाने की गारंटी के साथ।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं मेरे हृदय में आपके वचन के लिए धन्यवाद देता हूँ जो प्रार्थना में मेरे होठो से बाहर आता है, परिस्थितीयो में और मेरे आसपास की स्थितीयो में बदलाव लाते हुए। पवित्र आत्मा की सामर्थ मुझ में काम कर रही है, मेरे जीवन में महिमा से महिमा में एक बदलाव लाते हुए, प्रभु यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

फिलिप्पियो 4:6; लूका 18:1; याकूब 5:15-18

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मत्ती 24:36-51 & निर्गमन 28

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 15:12-21 & अय्यूब 40-41

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

चैम्पियनों का अनोखा वंश

अब और क्या कहूँ? क्योंकि समय नहीं रहा कि गिदोन का, और बाराक और शिमशोन का, और यिफतह का, और दाऊद और शमूएल का, और भविष्यद्वक्ताओं का वर्णन करूँ: इन्होंने विश्वास ही के द्वारा राज्य जीते; सत्यनिष्ठा के काम किए; प्रतिज्ञा की हुई वस्तुएँ प्राप्त कीं; सिंहों के मुँह बन्द किए। आग की ज्वाला को ठंडा किया; तलवार की धार से बच निकले; निर्बलता में बलवन्त हुए; लड़ाई में वीर निकले; विदेशियों की फौजों को मार भगाया...(इब्रानियो ११:३२-३५)।

एक मसीह पहले आदम के स्वरुप में नही जन्मा है, किंतु दूसरे और आखिरी आदम, यीशु मसीह के स्वरुप में। पहला आदम एक असफलता था, किंतु दूसरा आदम जिसके स्वरुप और समानता में हम जन्मे है, वह एक अनंत विजयी है। वह एक चैम्पियनो के नये वंश का लीडर है। जब आप इस सच्चाई को पकड लेते हो, तब अपने किसी भी कार्य में कभी भी असफलता को नही मानेंगे। क्योंकि जो जीवन उसने हमे दिया है, जो जीवन अभी आपके अंदर है, असफल नही हो सकता। शब्द "नही हो सकता" एक पर्याप्त शक्तिशाली शब्द नही है: यह असफल नही होता है! असफलता इसके साथ बिल्कुल भी मेल नही खाती है।

इसको इस तरिके से सोचिये; बिल्लीयाँ भौंकती नही है, क्योंकि यह उनके स्वभाव से मेल नही खाता। इसलिए, हमे अगर एक ऐसी बिल्ली मिल भी जाए जो भौंक सकती है तो यह गलत होगा। उसी तरिके से, अगर आपको एक मसीही मिला जो असफल हो गया था, तो यह अस्वाभाविक है। हम हार नही मानते है! इससे अंतर नही पडता है कि हम घाटी में कितने नीचे चले जाते है; हम पहाड की चोटी पर वापिस आ जाते है। आप हमे हरा नही सकते, क्योंकि हम एक चुना हुआ वंश है; एक विशेष लोग। हालेलूयाह !

आप "जयवंत से भी बढकर" वंश के है; इसलिए, अभी जोर से घोषणा कीजिए, "मैं जानता हूँ मैं कौन हूँ मैंने मसीह में अपना स्थान पा लिया है और उसमें अपनी विरासत को भी। मैं हमेशा के लिए एक सफलता हूँ। बीमारी, गरीबी, निरुत्साह, और डर मेरे स्वभाव से मेल नही खाते है। मेरे पास सारी परिस्थितीयों और सारी परेशानियो के विरोध में अधिकार और प्रबलता है।" धन्य है परमेश्वर!

यीशु बेकार में नही मरा। वह असफलताओ, कमजोरो और शिकारो को पैदा करने

के लिए नही मरा। वह मरा एक चुने हुए वंश, राजसी याजको, पवित्र देश और विजयी लोगो के एक विशेष वंश को पैदा करने के लिए । हालेलूयाह!

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मुझे महानता के जीवन में चुनने के लिए! मैं एक महिमामय और उत्कृष्ट जीवन जीता हूँ क्योंकि मैंने मसीह में अपना स्थान पा लिया है। मैं जानता हूँ मैं कौन हूँ, एक चुना हुआ वंश, एक राजसी याजक, परमेश्वर का स्वंय खरिदा हुआ विशेष व्यक्ति, श्रेष्ठता के जीवन के लिए अभिषिक्त, सत्यनिष्ठा के फलो को दिखाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 पतरस 2:9 AMPC; थीतुस 2:14; व्यवस्थाविवरण 14:2

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मत्ती 25:1-30 & निर्गमन 29-30

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 15:22-31 & अय्यूब 42

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 6

अपने से परे देखिए

मैं सब कुछ कर सकता हूँ उस मसीह के द्वारा जो मुझे सामर्थ्य देता है (फिलिप्पियो ४:१३)।

मत्ती १७:२० में यीशु ने कहा, "...तुम्हारे लिए कुछ भी असंभव नही होगा"। दूसरो शब्दो में, तुम कुछ भी कर सकते हो। हमारे आरंभिक वचन में पौलुस प्रेरित इसको बल देता है। इसके अतिरिक्त २कुरिंथियो ३:५ में वह एक कदम आगे जाकर कहता है, "यह नहीं कि हम अपने आप से इस योग्य हैं कि अपनी ओर से किसी बात का विचार कर सकें, पर हमारी योग्यता परमेश्वर की ओर से है।" यह आपकी मानवीय सक्षमता और योग्यता के विषय में बात नही कर रहा है, किंतु आपके अंदर परमेश्वर की योग्यता के विषय में, आपको अपने से परे देखना है।

जब आप नये जन्मे हुए थे, तो आपने परमेश्वर का स्वंय का जीवन और स्वभाव ग्रहण किया था। इसका अर्थ है कि आपमें दैविय योग्यताएँ है और आपको उनके साथ काम करना है। यही है जिसने पौलुस को यह कहने की निर्भिकता दी, "मैं मसीह के द्वारा सब कुछ कर सकता हूँ!" हम में से हर एक के साथ ऐसा ही है। किंतु बहुतो ने अभी तक अपने से परे और उनकी दिखने वाली अयोग्यताओ के परे नही देखा है । इसलिए, वे हार और असफलताओ को मान लेते है। किंतु आपके साथ ऐसा नही होना चाहिए; आप परमेश्वर से जन्मे है इसलिए आप हर कार्य के लायक है।

एम्पलीफाईड क्लासिक अनुवाद में २कुरिंथियो ३:५ को पढिए, यह इसको और बेहतर प्रकाश में रखता है: "यह नहीं कि हम अपने आप से इस योग्य (लायक और योग्यता में सक्षम) हैं कि अपनी ओर से किसी बात का विचार कर सकें, पर हमारी योग्यता परमेश्वर की ओर से है"। अब जब मसीह आपमें है, आपको आपकी भौतिक योग्यता के परे देखना है। आपकी सक्षमता परमेश्वर की सक्षमता है। हालेलूयाह!

यह दाऊद की मानसिकता थी जब उसने गोलियत का सामना किया। उसने दानव की आँखो में आँखे डाली और कहा, "आज मैं और तेरा सिर तेरे धड़ से अलग करूँगा; और तेरा शव आकाश के पक्षियों को दे दूँगा"(१शमूएल १७:४६)। कैसे दाऊद, एक नवयुवक इस तरह का घमंड कर सकता था? उसने अपने से परे परमेश्वर की ओर देखना सीख लिया था । उसने गोलियत से कहा, "मैं सेनाओं के यहोवा के नाम में तेरे पास आता हूँ, जो इस्त्राएली सेना का परमेश्वर है, और उसी को तू ने ललकारा है" (१शमूएल १७:४५)। दाऊद कह रहा था, "मैं शायद तुम्हारे सामने खडा हूँ, किंतु वास्तव में परमेश्वर है जो तेरे विरोध में खडा है, क्योंकि मैं उसके नाम में खडा हूँ, नाकि अपने नाम में। मैं उसकी सामर्थ

में काम कर रहा हूँ नाकि मेरी!" हालेलूयाह!

इसी चेतना को बनाये रखिए, क्योंकि आज दाऊद से बेहतर महान आपके अंदर रहता है। वह आपके द्वारा बात करता है, आपके द्वारा बीमारो को चंगा और आपके द्वारा आशीष देता है। आपके पास आपकी आत्मा में उसकी सारी सामर्थ और असीमित स्त्रोत रहते है। उसके नाम को सर्वदा महिमा मिले!

प्रार्थना

अनुग्रही पिता, मैं मुझ में पवित्र आत्मा के द्वारा काम कर रही आपकी सामर्थ और योग्यता के लिए धन्यवाद देता हूँ, जिसके द्वारा मैं दैवियता में कार्य करता और चलता हूँ। मेरा घमंड और मेरा भरोसा आपके अनंत वचन और सामर्थ में है। मैं आपकी सामर्थ में काम करता हूँ इस चेतना के साथ कि जो महान मेरे अंदर रहता है वह सारी वस्तुओ को मेरे लिए संभव बनाता है। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 कुरुंथियो 15:10; 2 कुरुंथियो 4:7; फिलिप्पियो 2:13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मत्ती 25:31-46 & निर्गमन 31

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 15:32-41& भजन संहिता 1-2

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 7

अच्छी वस्तुओ को पैदा करो

भला मनुष्य अपने मन के अच्छे भण्डार से भली बातें निकालता है, और बुरा मनुष्य अपने मन के बुरे भण्डार से बुरी बातें निकालता है; क्योंकि जो मन में भरा है वही उसके मुँह पर आता है (लूका ६:४५)।

कुछ मसीही कहते है, "मेरे साथ सबसे महान वस्तु हुई जब मैं नया जन्मा हुआ।" किंतु सही तरिके से देखा जाए, जब आप नये जन्मे थे तो आपके साथ "कुछ नही हुआ था"; आप थे जो "हुए थे!" आप आत्मा में जीवित हो गए थे। जब एक बच्चा जन्म लेता है, तो आप नही कहते है कि इस बच्चे के साथ कुछ हो गया। यह बच्चा है जो "होता है" या इस विश्व में आता है।

यह जरुरी है कि आप इसको समझे, क्योंकि यह आपको बताएगा कि परमेश्वर क्या चाहता है कि आप कैसे सोचे और एक राज्य के व्यक्ति की तरह कैसे जीएं। आप मसीह में लाए जा चुके है – एक स्थान जहाँ पर कुछ भी आपके साथ "नही होना चाहिए"; वरन, आप वस्तुओ को करवाते है; आप अच्छी वस्तुओ को बाहर निकालते है। हालेलूयाह!

परमेश्वर की हमारे जीवनो में ट्रेनिंग उसके वचन और पवित्र आत्मा के द्वारा यह है कि हम अपने जीवनो का पूर्ण नियंत्रण ले ले और परिस्थितीयो से स्वतंत्र रहे। वह चाहता है कि आप उन अच्छी वस्तुओ को नियंत्रित करे जो आप तक आती है, और एक चुनाव करे कि आप बुरी वस्तुओ को अंदर नही लेंगे, क्योंकि आपकी आत्मा केवल सत्यनिष्ठा पैदा करती है। हमारे आरंभिक वचन को फिर से पढिए: यीशु ने कहा, "भला मनुष्य अपने मन के अच्छे भण्डार से भली बातें निकालता है, और बुरा मनुष्य अपने मन के बुरे भण्डार से बुरी बातें निकालता है; क्योंकि जो मन में भरा है वही उसके मुँह पर आता है।"

ध्यान दीजिए कि उसने नही कहा, "अच्छे व्यक्ति के साथ अच्छी वस्तुएँ होती है"; किंतु यह कि अच्छा मनुष्य उसके हृदय के अच्छे भंडार से अच्छी वस्तुओ को बाहर लाता है। आपको अपनी समृद्धि, प्रमोशन, आनंद और हर उस आशीष को अंदर से बाहर लाना है जो आप जीवन में आनंद मनाना चाहते है; वे सब आपमें है। कोई आश्चर्य नही है कि बाइबल कहती है, कि उसने हमारे हृदय में अनंतता को स्थापित कर दिया है। फिर यूहन्ना ७:३८ में उसने कहा, "जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्रशास्त्र में आया है, उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी"। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं आज अपने अंदर से अच्छी वस्तुओ को लाता हूँ। जो कुछ मैं करता हूँ, उसमें मैं श्रेष्ठता, सिद्धता और सत्यनिष्ठा को दिखाता हूँ। मेरे पास रहस्य और भेदो में अंर्तज्ञान है। मैं रचनात्मक विचारो को बनाता हूँ, क्योंकि मसीह मेरे अंदर बुद्धि बन चुका है। मैं सफलता, विजय, दैविय स्वास्थ, और समृद्धि को मेरे अंदर से शुरु करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 12:35; भजन संहिता 37:30-31; Philemon 1:6

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मत्ती 26:1-30 & निर्गमन 32-33

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 16:1-10 & भजन संहिता 3-4

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

उसने मृत्यु का विनाश कर दिया

...परमेश्वर...जिसने हमारा उध्दार किया और पवित्र बुलाहट से बुलाया,...पर उसके उद्देश्य और उस अनुग्रह के अनुसार...जो हमारे उध्दारकर्ता मसीह यीशु के प्रगट होने के द्वारा प्रकाशित हुआ, जिसने मृत्यु का नाश किया और जीवन और अमरता को उस सुसमाचार के द्वारा प्रकाशमान कर दिया (२तीमुथियुस १:८-१०)।

धन्य हो परमेश्वर! आपने पूरे विश्व में ऐसी बात कहॉ पढी होगी जो अभी अभी हमने हमारे आरंभिक वचन के आखिरी भाग में पढी? किसने कभी सोचा होगा कि पृथ्वी पर कभी इस तरह की बात भी की जाएगी? मैं चाहता हूँ कि आप काल पर ध्यान दे; यह नही कहता है, "कि कौन मृत्यु का नाश करेगा"; वरन यह कहता है, "जिसने मृत्यु का नाश कर दिया"। जब किसी वस्तु का नाश किया जाता है, तो इसका मतलब है हटाना, मिटाना, समाप्त करना, रोकना, या पूरा निकाल देना!

यीशु ने मृत्यु का अंत कर दिया! और मेरा अर्थ आत्मिक मृत्यु से नही है; हमारे कथन का आखिरी भाग दिखाता है कि वह भौतिक मृत्यु की बात कर रहा था, क्योंकि यह कहता है, "और उस सुसमाचार के द्वारा जीवन और अमरता को प्रकाश में ले आया है!" यह उत्कृष्ट है! उसने केवल मृत्यु का नाश नही किया; वरन वह उसके स्थान में जीवन और अमरता को ले आया। नश्वर होने का क्या अर्थ है? इसका मतलब है मानविय होना; मृत्यु के आधीन होना। नये जन्मे होकर, अमरता ने नश्वरता को खा लिया है। आपकी मानवता परमेश्वर के जीवन के द्वारा बदली जा चुकी है, अब आप परमेश्वर के मनुष्य है; एक दैविय व्यक्ति जो मृत्यु से गुजरकर जीवन में आ चुका है।

आप शायद पूछना चाहे, "अगर यह सच है, अगर यीशु ने वास्तव में मृत्यु का नाश कर दिया है, तो फिर भी अभी लोग क्यूँ मर रहे है, मसीही भी मर रहे है?" परमेश्वर ने कहा, "मेरे ज्ञान के न होने से मेरी प्रजा नाश हो गई "(होशे ४:६)। हम अपने जीवनो को छोडना चुन सकते है। पौलुस के विषय में सोचीए: जिसने आत्मा के द्वारा उस वचन को लिखा जो हमने पढा; वह इस विश्व से यह जानकर गया कि वह जाने के लिए तैयार था। उसने ठीक यीशु की तरह स्वंय अपने जीवन को दिया। पौलुस ने कहा, "मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ, मैं ने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैं ने विश्वास की रखवाली की है" (२तीमुथियुस ४:७)। उसने अपनी सेवकाई को पूरा किया और महान सताव के समय अपने जीवन को दे दिया।

लोगों के मरने का प्राथमिक कारण मृत्यु की उनकी चेतना, और मृत्यु का डर है। मृत्यु को मत सोचिये। मृत्यु से मत डरिए। मृत्यु की बात मत कीजिए। मृत्यु एक शत्रु है – एक हारा हुआ शत्रु जोकि नष्ट किया जा चुका है! इसकी आपके ऊपर कोई सामर्थ नही है। परमेश्वर की स्तुति हो।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका उस विजयी जीवन के लिए धन्यवाद देता हूँ जो आपने मुझे दिया है, और सुसमाचार के द्वारा जीवन और अमरता को प्रकाश में लाने के लिए। मैं आपके दैविय स्वभाव का एक सहभागि हूँ; इसलिए अनंत जीवन मुझ में काम कर रहा है। मैं इस विश्व के नष्ट करने वाले सिस्टमों से बचा हुआ हूँ और मेरे अंदर कोई डर नही है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 कुरुंथियो 15:51-57; यूहन्ना 11:25-26; १ यूहन्ना 5:13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मत्ती 26:31-56 & निर्गमन 34-35

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 16:11-18 & भजन संहिता 5-6

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 9

संपूर्ण विश्व के लिए एक उपहार

क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का उपहार हमारे प्रभु मसीह यीशु के द्वारा अनन्त जीवन है (रोमियो ६:२३)।

कुछ लोग नही समझते है जब हम कहते है कि यीशु मसीहो के लिए नही मरा। जो उद्धार वह लाया वह मसीहो के लिए नही था; यह विश्व में हर व्यक्ति के लिए था। जो विश्वास करते है और जिन्होंने यीशु के प्रभुत्व की घोषणा के द्वारा उनके जीवनो में उद्धार को वास्तविक बना लिया है वही मसीही बनते है। कानून के दिमाग में, पूरा विश्व यीशु मसीह के द्वारा कानूनी रुप से बचाया जा चुका है, क्योंकि उसने हर मनुष्य के पापो के लिए दाम चुकाया, और इसके द्वारा हर व्यक्ति के लिए अनंत जीवन को पाना संभव बनाया। इसके अतिरिक्त, जीवंत उद्धार को मसीह में व्यक्तिगत विश्वास के द्वारा शुरु किया जाना आवश्यक है।

क्योंकि बहुत से लोग इसको नही जानते है, वे अंधकार में चलते है, और मसीह में दैविय जीवन के बजाय भ्रष्ट मानविय जीवन को जीते है। रोमियो १०:९-१० हमे दिखाता है कि कैसे कोई भी व्यक्ति इस अनंत जीवन की महिमामय आशीषो को शुरु कर सकता है। यह कहता है, "कि यदि तू अपने मुँह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे, और अपने मन में विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। क्योंकि सत्यनिष्ठा के लिये हृदय से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिये मुँह से अंगीकार किया जाता है"।

यही कारण है कि हमे उसने पूरे विश्व में सुसमाचार का प्रचार करने और सीखाने भेजा है; ताकि विश्व जान ले और उस जीवन को शुरु कर ले जो मसीह में उपलब्ध है। मानविय जीवन भ्रष्ट, टूटा हुआ है और परमेश्वर इसको जानता है; यही कारण है कि उसने हमे दूसरा जीवन उपलब्ध कराया है – परमेश्वर सरिखे का जीवन – ताकि मनुष्य साधारण मानविय जीवन, नश्वर जीवन से ऊपर उठ सके, और अमरता में आ सके; परमेश्वर के जीवन और स्वभाव में।

यूहन्ना ३:१६ कहता है, "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि, उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए"; यह परमेश्वर का जीवन है! यह हर उस व्यक्ति के लिए है जो विश्वास करता है। अगर आप इसे पढ रहे है, और आप कभी भी नये जन्मे नही हुए थे, तो ७२ वे

पेज पर उद्धार की प्रार्थना पर जाईये और इसे अपने पूरे हृदय से मानकर मुँह से बोलिए। तुरंत ही, अनंत जीवन आपकी आत्मा में डाला जाएगा, उस मानविय जीवन को बदलते हुए जिसके द्वारा आप अपने माता पिता से जन्मे थे। धन्य है परमेश्वर!

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं आपका उद्धार के उपहार और उसकी आशीषो के लिए धन्यवाद देता हूँ जिसका मैं आनंद मनाता हूँ। धन्यवाद मुझे यह सुविधा देने के लिए कि मैं दूसरो के जीवनो में भी इस आशीष को शुरु करने में सहायता करुँ, उन्हें भी आपके साथ एकता और सहभागिता में लाते हुए। अब यह जीवन मेरे अस्तित्व के हर कण में काम करता है, मृत्यु, रोग, दुर्बलता, बीमारी और हर उस वस्तु को दूर करता हुआ जो कि दैविय जीवन के प्रावधानो के साथ मेल नही खाती है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 5:15-18; रोमियो 6:23

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मत्ती 26:57-75 & निर्गमन 36-37

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 16:19-28 & भजन संहिता 7-8

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार **10**

यीशु "एडोनाई" है

आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। यही आदि में परमेश्वर के साथ था। सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ, और जो कुछ उत्पन्न हुआ है उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न नहीं हुई। उसमें जीवन था; और वह जीवन मनुष्यों की ज्योति था (यूहन्ना १:१-४)।

जब आप बाइबल का अध्ययन करेंगे तो आप यह जानकर उत्साहीत हो जाएँगे कि यीशु वास्तव में कौन है। जब वह पृथ्वी पर चला, तो वह दूसरों की तरह आम दिखाई देता था, फिर भी वह स्वंय परमेश्वर था। यीशु वह प्रभु था जिसने मूसा से जलती हुई झाडी में बात की। यही वह था जिसने अब्राहम को हारान में बुलाया और कहा, "मै सर्वशक्तिमान् ईश्वर हूँ; मेरी उपस्थिति में चल और सिध्द होता जा"(उत्पत्ति १७:१)। वही था जो मूसा के सामने खडा हुआ और कहा, "अपने पाँवों से जूतियों को उतार दे, क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है"(निर्गमन ३:५)।

यीशु मानविय शरीर में परमेश्वर था, किंतु लोग इसको नही जानते थे। तब शायद आप पूछना चाहे, "फिर उसे क्यूँ परमेश्वर का पुत्र कहा जाता है, यदि वह स्वंय परमेश्वर है?" बहुत से लोग ऐसे सवाल पूछते है क्योंकि वह उस वाक्य "परमेश्वर का पुत्र " का वास्तविक अर्थ नही जानते है। "परमेश्वर का पुत्र" का अर्थ यह नही जो परमेश्वर से जन्मा है; वरन इसका अर्थ है मानविय शरीर में परमेश्वर। यीशु एडोनाई है; प्रभु है, परमेश्वर है।

वही था जिसने मूसा से कहा, "मैं एल शदाई के नाम से अब्राहम, इसहाक, और याकूब को दर्शन देता था, परन्तु यहोवा के नाम से मैं उन पर प्रगट न हुआ"(निर्गमन ६:३)। यहोवा ही याहावे है। यही कारण है कि यहूदी लोगो को सरलता से यीशु मसीह को मानने में मुश्किल हुई क्योंकि यीशु के विषय में हर वह वस्तु जो वचन में लिखी थी और जो उसने अपने विषय में कहीं वह दिखाती है कि वह एडोनाई है। अब आप समझ सकते है कि क्यूँ उसके नाम में सारी सामर्थ है।

इसके विषय में सोचिये: वह गलीली का आम दिखने वाला मनुष्य वास्तव में महामई परमेश्वर था, इस्राएल की सडको पर चलता हुआ, किंतु वे इसे नही जानते थे, इस हद तक कि उन्होंने उसे मार डाला। यूहन्ना कहता है, "वह जगत में था, और जगत उसके द्वारा उत्पन्न हुआ, और जगत ने उसे नहीं पहचाना। वह अपने घर आया और उसके अपनों ने

उसे ग्रहण नहीं किया"(यूहन्ना १:१०-११)। वह यहाँ पर किसके विषय में बात कर रहा है? यीशु, देहधारी वचन के विषय में! पौलुस प्रेरित हमे बताता है कि उसी में परमेश्वर की सारी परिपूर्णता सदेह निवास करती है (कुलुस्सियो २:९)। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे प्रभु यीशु, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ आपके व्यक्तित्व के दर्शन के लिए। आप दैवियता का संपूर्ण सार है! इसलिए आज और हमेशा, मैं आपकी दैवियता का उत्सव मनाता हूँ, मेरे जीवन के ऊपर आपके प्रभुत्व और स्वामित्व का। आप महामई परमेश्वर, राजाओ के राजा और प्रभुओ के प्रभु है, और आप ही सारी स्तुति, महिमा और आराधना के योग्य है। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

कुलुस्सियो 2:9; 1 तीमुथियुस 3:16; मत्ती 1:23; यूहन्ना 1:14

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मत्ती 27:1-26 & निर्गमन 38-39

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 16:29-40 & भजन संहिता 9-10

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मसीह में घर जैसे

और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हम ने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा (यूहन्ना १:१४)।

कुछ बार, मैं यह कल्पना करने की कोशिश करता हूँ कि यीशु के साथ होना कैसे हुआ होता जब वह पृथ्वी पर रहा था। यीशु किस तरह का था? यूहन्ना कहता है कि वह सच्चाई और अनुग्रह से परिपूर्ण था। जब आप यीशु के पास आते थे, तो आपकी खोज समाप्त हो जाती थी। जब आप यीशु के पास आते थे तो आप पहुँच जाते थे; आप घर पहुँच जाते थे; आप वहाँ से कहीं और जाना नही चाहते थे। यह मुझे यूहन्ना बपतिस्मा के उन दो चेलो की बात याद दिलाता है जो यीशु के पास आए और पूछा, "स्वामी, आप कहाँ रहते है?"(यूहन्ना १:३८), और वे उसके पीछे पीछे उसके घर गए, उसको शाम तक सुनते हुए जब तक उनके लिए बहुत देर नही हो गई। वे उसके साथ पूरी रात रुक गए और बाइबल विशेष रुप से बताती है कि वे कभी भी यूहन्ना बपतिस्मा के पास वापिस नही गए।

जब आप यीशु के पास आते है, तो आप घर आ जाते है; आप परिपूर्ण हो जाते है! परमेश्वर की महिमा हो! यह उसके विषय में कुछ असाधारण है। वह संपूर्ण शांति है। वह बेदाग प्रेम है। उसका आनंद अकथनिय है। वह जीवन का सार है! उसमें आपको विश्राम मिलता है। उसने मत्ती ११:२८ में कहा, "हे सब परिश्रम करनेवालो और बोझ से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूँगा"। संघर्ष को समाप्त कर दो। डर को रोक दो। अपना केंद्र यीशु पर लगाओ। आपमें, आपके साथ और आपके आसपास उसकी दैविय उपस्थिती, जीवन की चुनौतियो और परेशानियो के ऊपर आपका लाभ है ।

इसलिए आपमें मसीह का उत्सव मनाईये। अपने अंदर उसके जीवन का और उसके साथ अपनी एकता का उत्सव मनाईये। उससे महान रुप से प्रेम कीजिए और वचन के लिए आपकी कटिबद्धता के द्वारा इसे सिद्ध कीजिए। उसने कहा, "अगर तुम मुझ से प्रेम करते हो तो तुम मेरी आज्ञाओ को मानोगे" (यूहन्ना १४:१५)। उसके लिए आपके प्रेम का प्रमाण उसके वचन पर कार्य करना है; उस तरिके से, वह आपको जीवन की परेशानियो के ऊपर विजयी रुप से उठाएगा।

प्रार्थना

प्यारे प्रभु, मैं आपका आपके प्रेम और दैविय उपस्थिती के लिए धन्यवाद देता हूँ जो मुझे जीवन की चुनौतियो और परेशानियो के ऊपर लाभ देती है। मैं जीवन में विजयी रुप से जीता हूँ और मैं संघर्ष करना, डरना या परेशान होना मना करता हूँ क्योंकि आपका तरल प्रेम मेरे ऊपर बहुतायत से ऊँडेला गया है। इसलिए मैं आपके वचन को करने के लिए कटिबद्ध और दृढसंकल्पित हूँ, क्योंकि आपका वचन मेरा जीवन है। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 11:28-30; कुलुस्सियो 1:27

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मत्ती 27:27-44 & निर्गमन 40

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 17:1-9 & भजन संहिता 11-13

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार 12

उसकी भलाई की गवाही दीजिए

जब स्त्री ने देखा कि मैं छिप नहीं सकती, तब काँपती हुई आयी और उसके पाँवों पर गिरकर सब लोगों के सामने बताया कि उसने किस कारण से उसे छुआ, और कैसे तुरन्त चंगी हो गई (लूका ८:४७)।

परमेश्वर हमेशा चाहता है कि हम उसकी भलाई की गवाही दे। जब आप उसकी गवाही देते है जो परमेश्वर ने आपके जीवन में किया है, तो आप अपने आपको अपने भविष्य के लिए परमेश्वर के महान कार्यो से जोड रहे होते है। इसके विषय में सोचिये जो हमने लूका ८ में रक्त बहने की बीमारी से परेशान महिला की बारे में पढा, जिसने स्वामी के कपडो को छुआ था! बाइबल हमे बताती है, "...और उसने अपनी देह में जान लिया कि वह उस बीमारी से चंगी हो गई थी" (मरकुस ५:२९)।

उसकी चंगाई ग्रहण करने के बाद, वह भाग जाना चाहती थी, किंतु यीशु ने कहा,"किसी ने मुझे छुआ है, क्योंकि मैं ने जान लिया है कि मुझ में से सामर्थ्य निकली है" (लूका ८:४६)। तब वह बाहर निकलकर आई और, "सब लोगों के सामने बताया कि उसने किस कारण से उसे छुआ, और कैसे तुरन्त चंगी हो गई"। क्यूँ यीशु चुप नही बैठा और उसे बिना गवाही दिए जाने क्यूँ नही दिया? क्योंकि अपनी गवाही के द्वारा आप उसको सुरक्षित रखते है जो परमेश्वर ने आपको दिया है।

उसने अपने घर के रास्ते में या थोडे ही समय के बाद उस चमत्कार को खो दिया होता; किंतु यीशु चाहता था कि वह उस चमत्कार को बनाए रखे, क्योंकि गवाही से कब्जा मिलता है। जब परमेश्वर आपके लिए कुछ करता है, तो उसे बनाए रखने का तरिका उसकी गवाही देना है। यह परमेश्वर के वचन का एक सिद्धांत है। हम एक और उदाहरण देखते है जब यीशु ने गिरासेनियों में एक शैतान ग्रस्त मनुष्य को चंगा किया। बाइबल कहती है, "जिस मनुष्य में से दुष्टात्माएँ निकली थीं वह उससे विनती करने लगा कि मुझे अपने साथ रहने दे..." (लूका८:३८ एन.आय.व्ही.)। किंतु यीशु ने उससे आग्रह किया, "अपने घर को लौट जा और लोगों से बता कि परमेश्वर ने तेरे लिये कैसे बड़े बड़े काम किए है। वह जाकर सारे नगर में प्रचार करने लगा कि यीशु ने मेरे लिये कैसे बड़े–बड़े काम किए" (लूका ८:३९ एन.आय.व्ही.)।

हमेशा उसकी गवाही दीजिए जो परमेश्वर ने आपके जीवन, आपके चर्च, सेवकाई, आपके परिवार और आपके आसपास के लोगो के जीवनो में किया है और कर रहा है। खुद को गवाही दीजिए। स्वर्गदूतो के सामने गवाही दीजिए। जहाँ कही आप जाते है गवाही दीजिए! भजनसंहिता के लेखक ने कहा, "तेरे कामों की प्रशंसा और तेरे पराक्रम के

कामों की प्रशंसा और तेरे पराक्रम के कामों का वर्णन, पीढ़ी पीढ़ी होता चला जाएगा। मैं तेरे ऐश्वर्य की महिमा के प्रताप पर और तेरे भाँति भाँति के आश्चर्यकर्मों पर ध्यान करूँगा"(भजनसंहिता १४५:४-५)। परमेश्वर की भलाई की घोषणा कीजिए – अपनी नौकरी, व्यवसाय, पैसो में उसके महिमामय कामो की। हालेलूयाह!

घोषणा

परमेश्वर मेरे लिए दयालु और कृपालु रहा है; मैं हमेशा उसकी भलाई और मेरे जीवन में उसके चमत्कारिक चिन्हों और आश्चर्यकर्मो के बारे में बोलूँगा! मैं गवाही देता हूँ कि उसका महान हाथ मेरी नौकरी, व्यवसाय, धन, और मेरे जीवन के हर क्षेत्र के ऊपर है। मैं इसे पहाड की चोटी से चिल्लाऊँगा, और हर जगह उसकी स्तुति गाऊँगा, क्योंकि प्रभु भला है और मैं इसके विषय में कभी शांत नही रहूंगा। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

दानिय्येल 4:2-3 NIV; भजन संहिता 22:22 AMPC; भजन संहिता 71:16-17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मत्ती 27:45-66 & लैव्यव्यवस्था 1-3

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 17:10-21 & भजन संहिता 14-16

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 13

भेट देने के अनुग्रह में अग्रणी बनो

इसलिये जैसे तुम हर बात में अर्थात् विश्वास, वचन, ज्ञान और सब प्रकार के यत्न में, और उस प्रेम में जो हम से रखते हो, बढ़ते जाते हो, वैसे ही इस भेंट के काम में भी बढ़ते जाओ (२कुरिंथियो ८:७ एन.आय.व्ही.)।

हर मसीही को परमेश्वर के कार्यो के विषय में उत्साहीत होना चाहिए, और पूरे विश्व में सुसमाचार के विस्तार और फैलाव के लिए उनके स्त्रोतो को लगाना चाहिए। किंतु आम रुप से ऐसे लोग होते है जो दूसरो से ज्यादा उत्साही होते है। यही वे लोग है जिनको पौलुस ने हमारे आरंभिक वचन में दिखाया: वे भेट देने के अनुग्रह में अग्रणी होते है।

भेट देना एक अनुग्रह है; यह बाइबल का एक आत्मिक उपहार है। जो बात इसको आत्मिक बनाती है वह कि परमेश्वर हमे भेट देने की योग्यता देता है। रोमियो १२:६-८ कहता है, "जबकि उस अनुग्रह के अनुसार जो हमें दिया गया है, हमें भिन्न – भिन्न वरदान मिले हैं, तो जिसको भविष्यद्वाणी का दान मिला हो, वह विश्वास के परिमाण के अनुसार भविष्यद्वाणी करे;...भेंट देनेवाला उदारता से दे;..."। याद रखिए, उसने पहले ही कहा था कि पवित्र आत्मा ग्रहण करने के बाद हम सब भविष्यद्वाणी करेंगे: "परमेश्वर कहता है, कि अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा, और तुम्हारे बेटे और तुम्हारी बेटियाँ भविष्यद्वाणी करेंगी,..."(प्रेरितो के काम २:१७)। किंतु वचन यह भी कहता है, "क्योंकि एक को आत्मा के द्वारा बुध्दि की बातें दी जाती हैं,..." (१कुरिंथियो १२:८), यद्यपि पवित्र आत्मा हर व्यक्ति को योग्य बनाता है भविष्यद्वाणी करने और दर्शनो को देखने के लिए।

उसी तरिके से, हर व्यक्ति को भेट देने की योग्यता दी गई है, किंतु भेट देने का अनुग्रह भी एक वरदान है। और बाइबल कहती है, "...तुम श्रेष्ठ वरदानों की धुन में रहो..." (१कुरिंथियो १२:३१)। तो यह सही है कि हम भेट देने के अनुग्रह की इच्छा करे और इसको माँगे। परमेश्वर के हर वरदान में, आप अभ्यास के द्वारा बेहतर होते जाते है। इसलिए, अपना सर्वश्रेष्ठ देने का अभ्यास कीजिए, यह आशीषो की पोटली और आत्मा के प्रमोशन के साथ आता है। परमेश्वर की स्तुति हो।

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ वचनो की उस समझ के लिए जो मुझे अभी मिली है; मैं आपका धन्यवाद देता हूँ सारे अनुग्रह को – हर कृपा और पृथ्वी की आशीष – मुझ तक बहुतायत से लाने के लिए, ताकि मैं हमेशा हर परिस्थिती में कोई भी आवश्यकता क्यूँ ना हो स्वंय सक्षम रहूँ और मेरे पास जरुरत से ज्यादा हो कि मुझे किसी की सहायता या सहारे की जरुरत ना हो और मैं हर भले काम के लिए पूर्ण रुप से तैयार रहूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 12:6-8; लूका 8:1-3; 2 कुरुंथियो 8:9-10 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मत्ती 28 & लैव्यव्यवस्था 4-5

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 17:22-34 & भजन संहिता 17-18

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार **14**

परमेश्वर की सामर्थ में दिशा है

और तू अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा, और वह दो भाग हो जाएगा; तब इस्त्राएली समुद्र के बीच होकर स्थल ही स्थल पर चले जाएँगे (निर्गमन १४:१६)।

एक बार, जब मैं माध्यमिक विद्यालय का जवान विद्यार्थी ही था, मैं दूसरे विद्यालय में ५०० जवान लोगो को सीखा रहा था। उनके सामने खडे होकर मैं ने उनसे कहा, "तुम में से कितने लोग पवित्र आत्मा को ग्रहण करना चाहते है?" हर व्यक्ति का हाथ ऊँचा उठा। इसलिए मैं ने कहा, "ठीक है, यीशु के नाम में पवित्र आत्मा को ग्रहण कर लो!" मैं ने इंतजार किया लेकिन कुछ नही हुआ। मैं ने फिर से प्रार्थना की और इंतजार किया; फिर भी कुछ नही हुआ। उस समय, मुझे प्रभु से यह जानने की आवश्यकता थी, कि मुझे ठीक ठीक क्या करना था। इसलिए मैं ने हर व्यक्ति से कहा कि वे प्रार्थना में प्रभु से बात करे, और जब वे कर ही रहे थे, मैं भी परमेश्वर से सलाह कर रहा था।

मैं ने कहा, "प्रभु, मैंने अभी प्रार्थना की थी कि वे पवित्र आत्मा को ग्रहण करे लेकिन कुछ नही हुआ। मुझे क्या करना चाहिए?" तब बहुत जल्दी, उसने मुझ से कहा, "फिर से प्रार्थना करो और अपने नजदीक के व्यक्ति को छुओ"; और मैं ने कहा, "धन्यवाद प्रभु!" तब मैं ने सभा को शांत किया और कहा, "पवित्र आत्मा को ग्रहण करो!" और फिर आगे बढकर मेरे नजदीक खडे हुए व्यक्ति को छुआ। उसी समय, जवान लोगो से भरा हुआ हॉल सामर्थ के साथ नीचे गिर गया और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए और हर जगह अन्यभाषाओ में बोलने लगे!

उस अनुभव से मैं ने सीखा: परमेश्वर की सामर्थ मे दिशा है। जैसा कि हमने हमारे आरंभिक वचन में पढा परमेश्वर ने मूसा से कहा, "अपने हाथ को समुद्र के ऊपर फैलाओ" क्यूँ? क्योंकि परमेश्वर की सामर्थ को दिशा दी जा सकती है। इसके अतिरिक्त, जब पतरस और यूहन्ना ने सुंदर नामक द्वार के मंदिर पर उस व्यक्ति के लिए प्रार्थना की, तो बाइबल कहती है, पतरस ने अपनी निगाहें मनुष्य पर लगाई (प्रेरितो के काम ३:४); उसने उसके ऊपर परमेश्वर की सामर्थ को दिशा दी, और एक चमत्कार हुआ।

जब कभी आपको जरूरत होती है कि आप अपने हाथो को एक निश्चित दिशा में फैलाये या परमेश्वर के लोग उनके हाथो को आपकी ओर प्रार्थना में फैलाते है, तो कभी भी इसे हल्के में मत लीजिए। हमारे हाथो के विषय में कुछ अद्भुत है। जब हम अपने हाथो को देशो, शहरो, लोगो या परिस्थिती या स्थितीयो के ऊपर फैलाते है, तो हमारे अंदर से दैवियता का बहुत बडा प्रभाव बाहर निकलता है, मिसाईल की तरह। अगर यह एक व्यक्ति

की ओर है, तो उसके ऊपर विशेष अनुग्रह आता है, चंगाई, या हर वह आशीष आती है जो हम उस समय दे रहे होते है। परमेश्वर की स्तुति हो!

प्रार्थना

प्यारे स्वर्गीय पिता, मैं आपका उस सामर्थ के लिए धन्यवाद देता हूँ जो मुझ में और मेरे द्वारा महान रुप से काम कर रही है। मैं पूरे विश्व में आपके बच्चो के लिए प्रार्थना करता हूँ जो परेशानी और दर्द में है, कि वे आपके आत्मा की सामर्थ के द्वारा दर्द से छूट जाए। आपकी सामर्थ ठीक अभी उनकी ओर जाती है, चमत्कारो के लिए उनके विश्वास को मजबूत बनाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

निर्गमन 7:19; प्रेरितो के काम 3:3-6 CEV; निर्गमन 17:10-13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 1:1-20 & लैव्यव्यवस्था 6-7

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 18:1-11 & भजन संहिता 19-20

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

शनिवार **15**

वह हमारे साथ काम कर रहा है

और उन्होंने निकलकर हर जगह प्रचार किया, और प्रभु उनके साथ काम करता रहा, और उन चिह्नों के द्वारा जो साथ साथ होते थे, वचन को दृढ़ करता रहा। आमीन (मरकुस १६:२०)।

ऐसे लोग है जो एक समय सुसमाचार में सक्रिय रुप से जुडे हुए थे, अपनी हर वस्तु को उसमें लगाते हुए किंतु एक बिंदु पर उन्होंने निरुत्साहित महसूस करना शुरु कर दिया, किसी कारण की वजह से। कुछ ने पूरी तरह से हार मान ली थी। यह मुझे यीशु के चेलो की एक ऐसी ही घटना याद दिलाता है। उन्होंने यीशु के पीछे आने के लिए सबकुछ छोडा था, उनके व्यवसाय को और उनके कॅरियर को। वे अपने जीवनो का आनंद उठा रहे थे, स्वामी के साथ हर जगह जा रहे थे, सुसमाचार का प्रचार करते हुए। फिर यीशु को क्रूस पर लटकाया गया और गाढ़ा गया! यद्यपि वह पुन:जीवित हुआ, उन्होंने उसको हर दिन नही देखा जैसा वे देखा करते थे।

समय के साथ उनका उत्साह कम होने लगा। उन्होंने सोचा सब खत्म हो गया। कुछ अपने व्यवसाय में वापिस चले गए यहॉ तक कि महान प्रेरित पतरस भी। बाइबल कहती है, "शमौन पतरस ने उनसे कहा, मैं मछली पकड़ने जा रहा हूँ। उन्होंने उससे कहा, हम भी तेरे साथ चलते हैं..." (यूहन्ना २१:३)। किंतु सोचीए क्या हुआ? यीशु एक दिन किनारे पर दिखाई दिया, और जब उसने एक और चमत्कारिक चिन्ह दिखा दिया तो उसने कहा, "...हे शमौन, यूहन्ना के पुत्र, क्या तू मुझ से प्रेम रखता है? उसने उससे कहा, हाँ, प्रभु; तू जानता है कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूँ। उसने उससे कहा, मेरी भेड़ों को चरा" (यूहन्ना २१:१६)। दूसरे शब्दो में, वह पतरस से कह रहा था, "इन सारी कामों को छोड दो, और जाओ वह करो जो मैं ने तुम्हें करने के लिए भेजा है।" किंतु सबसे पहले उन्हें पवित्र आत्मा को ग्रहण करना था, जो उन्हें योग्य बनाने वाला था।

उसके बाद वे सुसमाचार का प्रचार करने में और अधिक जुझारु बन गए क्योंकि उन्हें यह स्पष्ट हो गया कि स्वामी पवित्र आत्मा के द्वारा उनके साथ पहले से कही ज्यादा है: वह उनमें था। हमारा आरंभिक वचन कहता है, "और उन्होंने निकलकर हर जगह प्रचार किया, और प्रभु उनके साथ काम करता रहा, और उन चिह्नों के द्वारा जो साथ साथ होते थे, वचन को दृढ़ करता रहा। आमीन"।

आज हमारे साथ भी ऐसा ही है; हम अकेले काम नही कर रहे है। इसलिए, कभी भी निरुत्साहीत मत होईये; सुसमाचार के प्रचार में उत्साही बने रहिए, जानते हुए कि परमेश्वर स्वंय आपके साथ, आप में और आपके द्वारा काम कर रहा है। उसके नाम को सर्वदा महिमा मिले।

घोषणा

मैं मेरे प्रभु यीशु मसीह का धन्यवाद देता हूँ जिसने मुझे योग्य बनाया है, और मुझे मेल-मिलाप की सेवकाई में वफादार गिना है। मैं बडे हुए अनुग्रह के साथ घिरा हुआ हूँ, हर जगह सुसमाचार की घोषणा करने के लिए, चमत्कारो, चिन्हों, और आश्चर्यकर्मो के द्वारा, उस पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा जो मुझ में रहता है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 28:18-20; 1 कुरुंथियो 15:57-58; यहोशू 1:9

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 1:21-45 & लैव्यव्यवस्था 8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 18:12-23 & भजन संहिता 21-22

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 16

संपत्ति के लिए बुध्दि

परन्तु तू अपने परमेश्वर यहोवा को स्मरण रखना, क्योंकि वही है जो तुझे सम्पत्ति प्राप्त करने की सामर्थ्य...देता है... (व्यवस्थविवरण ८:१८)।

सभोपदेशक २:२६ (जी.एन.बी.) कहता है, "जो मनुष्य परमेश्वर की दृष्टि में अच्छा है, उसको वह बुध्दि, ज्ञान और आनन्द देता है; परन्तु पापी को वह दु:ख भरा काम ही देता है कि वह उसको देने के लिये संचय करके ढेर लगाए जो परमेश्वर की दृष्टि में अच्छा हो। यह भी व्यर्थ और हवा को पकड़ना है"। यह अविश्वासीयो की दिखती हुई समृद्धि का विवरण है, उसकी नाक पूरी तरह से पिसी हुई है, वह अधिक पैसा कमाने के लिए संघर्ष और परिश्रम कर रहा है; किंतु परमेश्वर कहता है, "यह सब व्यर्थ है। यह हवा के पीछे भागने जैसा है।"

किंतु सत्यनिष्ठ को वह बुद्धि, आनंद और ज्ञान देता है; संपत्ति के लिए बुद्धि। बुद्धि आपको संपत्ति पाने की सामर्थ देती है; बिना संघर्ष की संपत्ति। हमारे आरंभिक वचन में शब्द "प्राप्त" इब्रानी में "आशाह" है, और इसका अर्थ पैदा करना, निर्माण करना और संपत्ति बनाने की सामर्थ है। इसका अर्थ है कि संपत्ति को प्राप्त करने की एक सामर्थ है। पापीयो के द्वारा बनाई गई संपत्ति और वह संपत्ति जो परमेश्वर के आत्मा के सामर्थ के द्वारा बनाई जाती है, उसमें एक अंतर है। यही कारण है कि आपको कभी भी अविश्वासियो से जलना नही चाहिए जिनके पास बहुत सारा पैसा दिखाई दे सकता है, क्योंकि परमेश्वर की बुद्धि - संपत्ति के लिए सामर्थ - आपके लिए उपलब्ध है। और वह आपको सच्ची समृद्धि में चलाता है।

बुद्धि सचेत बनिए। १कुरिंथियो १:३० कहता है, कि मसीह तुम्हारे लिए बुद्धि बन चुका है। बुद्धि से प्रेम और इसे गले लगाईये, और वह आपको व्यवसाय और उन वस्तुओ के दर्शन दिखाएगा जो आपको अपने स्त्रोतो को बढाने के लिए चाहिए, अचानक ही, आप खोंजेंगे कि जो विचार आपके पास आते है वे इस विश्व की अर्थव्यवस्था के परे है, क्योंकि वे आपकी आत्मा में रहित परमेश्वर की सक्रिय बुद्धि से निकलते है।

बाइबल यही कहती है, "क्योंकि बुध्दि, मूँगे से भी अच्छी है, और सारी मनभावनी वस्तुओं में कोई भी उसके तुल्य नहीं है। मैं जो बुध्दि हूँ, चतुराई में वास करती हूँ, और नई

खोजों का ज्ञान प्राप्त करती हूँ। धन और प्रतिष्ठा मेरे पास हैं, वरन् ठहरने वाला धन और सत्यनिष्ठा भी हैं। मेरा फल चोखे सोने से, वरन् कुन्दन से भी उत्तम है, और मेरी उपज उत्तम चाँदी से अच्छी है। मैं सत्यनिष्ठा के मार्ग में, और न्याय की डगरों के बीच में चलती हूँ, जिससे मैं अपने प्रेमियों को परमार्थ का भागी करूँ, और उनके भण्डारों को भर दूँ ” (नीतिवचन ८:११-१२; १८-२१)। धन्य है परमेश्वर!

प्रार्थना

प्यारे प्रभु धन्यवाद मुझे संपत्ति पाने की बुद्धि, सामर्थ और योग्यता देने के लिए। आपने मुझे दैविय रुप से योग्य बनाया है समृद्धि, महानता, स्वास्थ, सफलता, और सर्वदा विजय में चलने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

सभोपदेशक 2:26; नीतिवचन 10:22 NIV; भजन संहिता 1:1-3

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 2:1-22 & लैव्यव्यवस्था 9-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 18:24-19:1-7 & भजन संहिता 23-24

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 17

उसका वचन कभी असफल नही होता

आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे, परन्तु मेरा वचन कभी नही टलेगा (मत्ती २४:३५)।

कुछ बार, ऐसे लोग होते है जो परमेश्वर के लिए काम करते है, उनका समय देते है, उनकी ऊर्जा खर्च करते है, अपने स्त्रोतो को देते है, और फिर वे सोचते है कि यह उनके जीवनो में कोई परिणाम पैदा नही कर रहा है। वे अपने जीवनो को देखते और सोचते है कि वे सही से वृद्धि नही कर रहे है। कभी भी इस तरह के विचारो को अपने हृदय में मत उठने दीजिए। सुसमाचार में आपके प्रेम के परिश्रम का परिणाम शायद आपको तुरंत ही दिखाई ना दे किंतु निश्चित ही दूसरे इससे प्रभावित होंगे।

इसके विषय में सोचीए: उदाहरण के लिए पुराने समय के बहुत से भविष्यद्वक्ताओ ने उनकी खुद की भविष्यद्वाणियो का परिणाम नही देखा था। किंतु आज हम उनमें से कुछ भविष्यद्वाणियो का लाभ उठा रहे है, जो उन्होंने दी थी। उनके दिनो में, ऐसे लोग होंगे जिन्होंने सोचा होगा कि भविष्यद्वाणी झूठी थी, क्योंकि कुछ भविष्यद्वक्ता जीएं और मर गए, और उनकी भविष्यद्वाणी उनके दिनो में पूरी नही हुई थी। किंतु सच्चाई यह है कि ऐसी बहुत सी स्थितीयो में वे भविष्यद्वक्ता उनके दिनो के बारे में बात ही नही कर रहे थे।

उदाहरण के लिए योएल ने कहा, "परमेश्वर कहता है, कि अन्त के दिनों में ऐसा होगा कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा, और तुम्हारे बेटे और तुम्हारी बेटियाँ भविष्यद्वाणी करेंगी..."(प्रेरितो के काम २:१७)। उसके दिनो में जीवित लोगों को नही पता था कि अंत के दिन क्या होंगे। उन्होंने शायद योएल की भविष्यद्वाणी को झूठ समझा होगा। किंतु निर्धारित समय पर वह भविष्यद्वाणी पूरी हो गई। बाइबल प्रेरितो के काम २:१-४ में कहती है कि प्रेरित एक जगह पर बैठे हुए थे एक सहमती में और अचानक ही वहाँ पर स्वर्ग से एक बडी आवाज का सा शब्द हुआ और उसने घर को भर दिया और जो लोग बैठे हुए थे उनके ऊपर आग की सी जीभें उतरती हुए दिखाई दी और उन सब पर आकर बैठ गई और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए। परमेश्वर की महिमा हो!

भविष्यद्वाणी को पूरा होने में बहुत साल लग गए और आत्मा ने पतरस को सचेत किया, जिसने उसको यह कहकर प्रमाणित भी किया, "परन्तु यह वह बात है, जो योएल भविष्यद्वक्ता के द्वारा कही गई थी"(प्रेरितो के काम २:१६)। हालेलूयाह! कभी मत सोचिएगा कि प्रभु और सुसमाचार में आपकी सेवा बेकार है, केवल इसलिए कि आपको लगता है कि उसका वचन आपके जीवन में पूरा नही हुआ। ध्यान भंगित मत होईए; परिणाम

वहाँ है। यहाँ तक कि जिन वस्तुओ को आपको देखना बाकी है, वे भी होंगी। इससे अंतर नही पडता है कि कोई क्या कहता है या परिस्थितीयाँ क्या दिखाई देती है; केंद्रित और जुझारु बने रहिए, प्रभु की सेवा करते रहिए। अपना केंद्र उस पर बनाकर रखिए। उसका वचन सत्य है और कभी असफल नही होता।

प्रार्थना

हे प्रभु आपका वचन सर्वदा के लिए स्वर्ग में स्थापित है और आप युगानुयुग प्रभु है! स्वर्ग और पृथ्वी टल जाएँगे लेकिन आपका वचन कभी असफल नही होगा। इसलिए, मैं उस महिमामय सच्चाई को गले लगाता हूँ जो आपने मेरे विषय में बोली है, और मैं मसीह में आशीषो को मानता और उनकी वास्तविकताओ में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यशायाह 55:10-11; मत्ती 24:35

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 2:23-3:1-12 & लैव्यव्यवस्था 11-12

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 19:8-20 & भजन संहिता 25-26

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

ग्रहण करो

...तो जो लोग अनुग्रह और सत्यनिष्ठा का वरदान बहुतायत से ग्रहण करते हैं वे एक मनुष्य के, अर्थात् यीशु मसीह के द्वारा अवश्य ही अनन्त जीवन में राज्य करेंगे (रोमियो ५:१७)।

एक बार मैं किसी बीमार व्यक्ति के लिए प्रार्थना करने ही वाला था जो व्हीलचेअर में सालो से था। मैंने उससे पूछा, "क्या तुम आज चंगे हो जाओगे?" उसने कहा, "हाँ निश्चित ही।" तब मैं ने कहा, "क्या होगा अगर मैं अभी तुम्हारे लिए प्रार्थना करुँगा?" उसने कहा, "मैं चलूँगा और मैं दौडूँगा।" तो मैंने अपना हाथ उसके ऊपर रखा और कहा, "तुम चंगे हो।" तुरंत ही, वह अपनी व्हीलचेअर से बाहर कूदा, थोडी देर के लिए लडखडाया और फिर सिद्ध हो गया। हालेलूयाह!

अब, जब मैंने उससे कहा, "तुम चंगे हो" तो उसने किसी और वस्तु का इंतजार नही किया; उसने तुरंत ही ग्रहण किया। यह उसका किरदार था: ग्रहण करना। देना एक बात है किंतु ग्रहण करना दूसरी बात है। बहुतो को नही पता है कि कैसे ग्रहण करना है। ग्रहण करना विश्वास के द्वारा है; यह आपकी आत्मा के द्वारा है, और इसे आप निष्क्रिय रुप से नही करते है। ग्रीक शब्द "लम्बानो है।" और इसका अर्थ है कि सक्रिय अधिकार लेना; पहुँचना, किसी वस्तु को धर लेना और इसे अपना बनाना।

प्रेरितो के काम ३:६ में, पतरस ने एक मनुष्य को संबोधित किया जो बचपन से पंगु था और उसने कहा,"...चाँदी और सोना तो मेरे पास नहीं, परन्तु जो मेरे पास है वह तुझे देता हूँ: यीशु मसीह नासरी के नाम में चल फिर"। फिर ७ वे वचन में, हमने पढा कि पतरस ने उस पंगु इंसान को हाथ से पकडकर उठाया। बाइबल कहती है, "... और तुरन्त उसके पाँवों और टखनों में बल आ गया। वह उछलकर खड़ा हो गया और चलने – फिरने लगा;..."(प्रेरितो के काम ३:७-८)। वह मनुष्य पतरस से कह सकता था, "मुझे उठाओ मत, मेरी टाँगे मेरा बोझ उठाने के लिए बहुत कमजोर है"; नही! उसने ग्रहण किया। हालेलूयाह!

हमे वे सारी वस्तुएँ दी जा चुकी है जो जीवन और भक्ति से संबंधित रखती है; सारी आत्मिक आशीषे जो मसीह यीशु में है। उन्हें ग्रहण करो। अगर आपकी ओर से ग्रहण नही किया जाएगा तो इसका कोई मतलब नही होगा। परमेश्वर और उसके वचन के लिए

आपका उत्तर यह प्रमाण है कि आपने ग्रहण किया। विश्वास यही है: परमेश्वर के वचन के लिए मानविय आत्मा का उत्तर। जिस बदलाव की आप अपने जीवन में आशा करते है वह पहले ही हो चुका है, पैसो में, स्वास्थ में, और परिवार में; इसको ग्रहण करो और इसके अनुसार कार्य करो।

प्रार्थना

प्यारे स्वर्गीय पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ उन आशीषो के लिए जो मैं आपके वचन में मेरे विश्वास को लगाने से ग्रहण करता हूँ। जैसे ही मैं आपके वचन के अनुसार बोलता और इसके प्रकाश में चलता हूँ, मैं शांति में चलाया जाता हूँ, मसीह में मेरी विजय और प्रबलता को बनाकर रखते हुए। मैं आज वचन के द्वारा उन्नति कर रहा हूँ, मैं इसकी योग्यता में विश्वास करता हूँ जो मुझे ऊपर रख सकती है और मेरे सारे कार्यो में मुझे श्रेष्ठ बना सकती है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मरकुस 7:7-8; मरकुस 11:24; याकूब 1:22-25

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 3:13-35 & लैव्यव्यवस्था 13-14

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 19:21-29 & भजन संहिता 27-28

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

एक ऊँचे स्थान से देखो

और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं परन्तु अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं; क्योंकि देखी हुई वस्तुएँ थोड़े ही दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएँ सदा बनी रहती है (२कुरिंथियो ४:१८)।

मनुष्य प्राथमिक रुप से एक आत्मिक प्राणी है; और आत्मा की आंतरिक इंद्रिया होती है। किंतु बहुत से लोगो की आंतरिक इंद्रिया अशिक्षित है। इसलिए आप खोजते है कि बहुत से लोग केवल उसी से परिचित है जो वे देख सकते है और इस पृथ्वी के स्तर में ग्रहण कर सकते है, क्योंकि वे वस्तुओ को केवल उनकी प्राकृतिक इंद्रियों के साथ ही समझाने के लिए शिक्षित है। यह कितना सीमित है!

अपने जीवन को अपनी प्राकृतिक इंद्रियों की सीमा तक मत जीओ। परमेश्वर हमे उसके वचन में बताता है कि मानविय इंद्रिया जितना समझ सकती है, उससे कही ज्यादा है। उसने कहा, "...मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उँडेलूँगा, और तुम्हारे बेटे और तुम्हारी बेटियाँ भविष्यद्वाणी करेंगी, और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे,..."(प्रेरितो के काम २:१७)। जब उसने कहा कि जवान लोग दर्शन देखेंगे, तो वह साधारण स्तर के परे देखने की योग्यता के विषय में बात कर रहा था; आत्मा से और आत्मा के द्वारा देखने की योग्यता; आपकी आंतरिक इंद्रिया। यही कारण है कि उन्हें दर्शन कहा जाता है क्योंकि जो आप उस स्तर में देखते है, वह प्राकृतिक मनुष्य के लिए अदृश्य है।

उदाहरण के लिए, गोलियत के साथ जवान दाऊद की लडाई को देखिए। वह बहुत ही सुनिश्चित था कि वह गोलियत को मार सकता है, यद्यपि दूसरे गोलियत से डरे हुए थे। क्यूँ? उसने अलग तरिके से देखा। उसने वचन के द्वारा देखा कि मनुष्य, गोलियत जो उसके सामने खडा है किसी भी तरिके से इस्राएल की सेनाओ को नही हरा सकता। इसलिए उसने कहा, "...यह खतनारहित पलिश्ती कौन है" (१शमूएल १७:२६)। उसने वह देखा जो दूसरे नही देख सके, और हमने हमारे आरंभिक वचन में यही पढा: हम उन वस्तुओ को नही देखते है जो प्राकृतिक इंद्रियो के लिए स्वाभाविक है, क्योंकि ऐसी वस्तुओ की कोई नीव नही है।

देखना मना कर दीजिए कि आपके बैंक में कितना पैसा है। जिस स्थिती में आप है या

लोग जो आपके विषय में कह रहे है, उसको देखना मना कर दीजिए। अदृश्य को देखिए! इस विश्व के परे देखने के लिए अपने आपको शिक्षित कीजिए, दीवारो और बाधाओ के परे। वचन के द्वारा देखिए। आत्मा के द्वारा देखिए, एक ऊँचे स्तर से। हालेलूयाह!

घोषणा

मेरी समझ की आँखे ज्योति से भरी हुई है, मुझे अदृश्य दिखाते हुए और मुझे असंभव के लिए स्फूर्ति देते हुए। मेरा दिमाग अभिषिक्त है उन वस्तुओ को देखने के लिए जो साधारण आँखे नही देख सकती। मैं महिमा, विजय, समृद्धि को देखता हूँ। मैं दीवारो और बाधाओ के परे देखता हूँ। परमेश्वर की स्तुति हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

2 कुरुंथियो 4:17-18; यहोशू 6:1-2; रोमियो 12:2

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 4:1-20 & लैव्यव्यवस्था 15

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 19:30-41 & भजन संहिता 29-30

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

अगर आप इसको नही कहेंगे, तो यह नही होगा

हे यहोवा, तेरा वचन स्र्वग में सदा तक स्थिर रहता है (भजनसंहिता ११९:८९)।

यहोशू १:८ बोले गए शब्दो की सामर्थ को दर्शता है। यह कहता है, "व्यवस्था की यह पुस्तक तेरे मुँह से कभी न उतरने पाए....।" यह परमेश्वर की सफलता की सामग्री है: सफलता आपके जीवन के हर श्रेत्र में – नौकरी, धन, स्वास्थ, परिवार, पढाई, इत्यादी में –आपके मुँह में है। यीशु ने मरकुस १२:२३ में कहा, "मैं तुम से सच कहता हूँ कि जो कोई इस पहाड़ से कहे,...वरन् विश्वास करे कि जो कहता हूँ वह हो जाएगा, तो उसके लिये वही होगा"। उसने शब्दो पर महत्व दिया।

मुँह के द्वारा, आप अपने आपको उस वस्तु में बदलते है जिस पर आपने विश्वास किया है। बाइबल कहती है परमेश्वर का वचन जीवित और सक्रिय है (इब्रानियो ४:१२ एन.आय.व्ही), किंतु बाइबल के पन्नो में नही। परमेश्वर का वचन जीवित और सक्रिय है एक विश्वास करने वाले मसीही के होठो पर! गोलियत के ऊपर दाऊद की विजय को सोचिए: यह दाऊद के द्वारा बोले गए शब्दो से आई। वह इस्राएल को दिए गए वचनो के द्वारा जानता था कि उनके लिए हारना असंभव है, क्योंकि हर वह व्यक्ति जो इस्राएल के साथ लड़ाई लड़ रहा था, उसकी लड़ाई उनके प्रमुख सहयोगी– महामई परमेश्वर – के साथ होगी ।

किंतु, दाऊद ने यह भी समझा था कि ज्ञान होना काफी नही था; इसलिए, उसने इसको घोषणाओ का बल दिया। उसने गोलियत से कहा, "आज के दिन यहोवा तुझ को मेरे हाथ में कर देगा, और मैं तुझ को मारूँगा, और तेरा सिर तेरे धड़ से अलग करूँगा; और मैं आज के दिन पलिश्ती सेना का शव आकाश के पक्षियों और पृथ्वी के जीव जन्तुओं को दे दूँगा; तब समस्त पृथ्वी के लोग जान लेंगे कि इस्राएल में एक परमेश्वर है"(१शमूएल १७:४६)। दाऊद बोल रहा था! उसने बार बार कहा कि गोलियत के साथ क्या होगा, और जैसा उसने कहा था वैसा ही हुआ!

यह बोले गए शब्दो की सामर्थ है। अगर आप इसे नही कहेंगे, तो यह नही होगा। परमेश्वर को काम करने के लिए आपके शब्द चाहिए, क्योंकि आप पृथ्वी पर उसके

प्रतिनिधि है। उसका वचन स्वर्ग में सर्वदा के लिए स्थापित है। किंतु यह आपका उत्तरदायित्व है कि आप इसे अपने जीवन और पृथ्वी में अपनी विश्वास भरी घोषणाओ के द्वारा स्थापित करे। परमेश्वर की स्तुति हो!

घोषणा

परमेश्वर का वचन मेरे हृदय और मेरे होठो पर है, परिणामो को पैदा करते हुए। मैं शांति, समृद्धि, दैविय स्वास्थ, सुरक्षा, वृद्धि, दैविय सफलता और आशीषो में आज और हमेशा के लिए चलता हूँ। मैं परमेश्वर का एक उत्तराधिकारी और मसीह के साथ सहउत्तराधिकारी हूँ। विश्व मेरा है! धन्य है परमेश्वर!

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 6:2; मरकुस 11:23; रोमियो 10:8-10

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 4:21-41 & लैव्यव्यवस्था 16-18

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 20:1-12 & भजन संहिता 31-32

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

वह महान बनाता है

धन और महिमा तेरी ओर से मिलती हैं, और तू सभों के ऊपर प्रभुता करता है। सामर्थ्य और पराक्रम तेरे ही हाथ में है, और सब लोगों को बढ़ाना और बल देना तेरे हाथ में है (१इतिहास २९:१२)।

मैं ने अपनी किशोरावस्था में ऊपर के वचन को बहुत बार पढा और मनन किया। मैं ने सोचा, "कि अगर परमेश्वर के साथ ये सारी अद्भुत वस्तुएं है, तब वे मेरे जीवन में पूरी होगी!" मुझे इसके विषय में कोई संदेह नही था और यह ऐसा ही हुआ है। धन और सम्मान परमेश्वर से आता है, और यह परमेश्वर ही है जो महान बनाता और सामर्थ देता है। हालेलूयाह!

अब्राहम के बिना माँगे, परमेश्वर ने उससे कहा, "मैं तुम्हें महान बनाऊँगा" (उत्पत्ति १२:२)। और उसने किया। वही है जो लोगो को महान बनाता है। यही कारण कि मैं मसीहो और सुसमाचार के सेवको को बताता हूँ कि वे बुराई और सताव से ना डरे, क्योंकि यह प्रमोशन के लिए उनका स्प्रिंगबोर्ड है। इससे अंतर नही पडता है कि आपके विषय में या आपके विरोध में क्या कहा या छापा जाता है; अविचलित बने रहिए। बाइबल कहती है, "जितने हथियार तेरी हानि के लिये बनाए जाएँ, उन में से कोई सफल न होगा" (यशायाह ५४:१७)। कुछ भी, और कोई भी आपका अपमान नही कर सकता।

वे शायद आपका अपमान करना चाहे, आपके विषय में बुरी बाते कहकर या लिखकर, किंतु वे आपसे वह सम्मान कैसे ले सकते है जो उन्होंने आपको दिया ही नही ? यह संभव नही है। परमेश्वर ने आपको स्वयं के द्वारा महिमामय किया है! उसने आपको महान बनाया है और कोई इसको बदल नही सकता। विश्व में कोई भी संस्था या सरकार इतनी शक्तिशाली नही है कि वे आपका अपमान कर सके, क्योंकि मसीह में आपका सम्मान है।

अधिकतर, घोषणा कीजिए कि आपका जीवन श्रेष्ठ और महिमा से भरा हुआ है, सम्मान और महानता से सुशोभित है, और परमेश्वर का आनंद आपके द्वारा समृद्ध हो रहा है। व्यवधानों और विरोधियों को कोई स्थान मत दीजिए। आपके लिए केवल परमेश्वर को प्रसन्न करना ही महत्वपूर्ण होने दीजिए। सारी भव्यता, प्रबलता, महानता, सामर्थ, सम्मान और महिमा केवल उसी का है, और आप उसके प्रेम का केंद्र है। उसके साथ एक सह-उत्तराधिकारी है। परमेश्वर की स्तुति हो!

घोषणा

महानता, सामर्थ, विजय, भव्यता, और राज्य मेरा है, क्योंकि परमेश्वर ने मुझको यह दिया है! मेरा जीवन श्रेष्ठ और महिमा से भरा हुआ है, सम्मान से सुशोभित है और परमेश्वर का आनंद मेरे द्वारा समृद्ध हो रहा है। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

Genesis 12:1-3; कुलुस्सियो 1:21-23 AMPC; १ यूहन्ना 4:4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 5:1-20 & लैव्यव्यवस्था 19-21

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 20:13-24 & भजन संहिता 33-34

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

उसके द्वारा सीखाए गए

परन्तु तुम्हारा तो उस पवित्र के द्वारा अभिषेक हुआ है, और तुम सब कुछ जानते हो (१ यूहन्ना २:२०)।

एक मसीही के रुप में, आपने पवित्र आत्मा को ग्रहण किया है, और उसका अनुग्रह आपके जीवन पर है; आपके ऊपर एक "अभिषेक है।" १ यूहन्ना २:२७ कहता है, "परन्तु तुम्हारा वह अभिषेक जो उसकी ओर से किया गया, तुम में बना रहता है; और तुम्हें इसका प्रयोजन नहीं कि कोई तुम्हें सिखाए, वरन् जैसे वह अभिषेक जो उसकी ओर से किया गया तुम्हें सब बातें सिखाता है, और यह सच्चा है और झूठा नहीं; और जैसा उसने तुम्हें सिखाया है वैसे ही तुम उसमें बने रहते हो"।

इसका अर्थ है कि परमेश्वर की एक संतान के रुप में जिस किसी परेशानि का आप सामना करते है, चाहे यह पैसे की हो या आपकी नौकरी, स्वास्थ, परिवार में हो, चाहे यह कुछ भी क्यूँ ना हो, पवित्र आत्मा आपको सीखा सकता है कि क्या करना है। अगर आप उसे अपने हृदय में सुनेंगे, तो आप उसकी आवाज सुनेंगे! आप उसे बताता हुआ सुनेंगे कि क्या करना है, क्योंकि यह उसकी इच्छा है कि वह आपको महिमा से महिमा में निर्देशित करे और चलाए, विजय के रास्ते में!

किसी भी मसीही को जीवन में अंधकार या भ्रम में नही चलना चाहिए। आपको कभी भी चौराहे पर नही होना चाहिए या जीवन में गलत चुनावो और गलत निवेशो को नही करना चाहिए, क्योंकि आपके अंदर एक "शिक्षक है", जिसने आपके दिमाग को अभिषिक्त किया है कि आप श्रेष्ठ तरिके से सोचे ताकि आप गुणवत्ता के बुद्धिमानी के निर्णयों को ले पाएँ।

यूहन्ना १४:२६ में यीशु के वचनो को पढिए, "परन्तु सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम में भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और जो कुछ मैंने तुम से कहा है, वह सब तुम्हें स्मरण कराएगा"। पवित्र आत्मा के द्वारा, आप हर वह वस्तु जान सकते है जो आप जानना चाहते है अपने परिवार, नौकरी, व्यवसाय, धन, पढाई लिखाई, और जीवन के विषय में। हमेशा सचेत रहिए कि आप एक आम व्यक्ति नही है। आप आशीषित है और परमेश्वर से अभिषिक्त है, आपके पास जीवन के रहस्यो और भेदो में अंर्तदृष्टि है।

प्रार्थना

प्यारे प्रभु, मैं मेरे जीवन में आपके वचन के प्रभाव के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं फलदायी और परिणामी हूँ, सचेत होते हुए कि आपकी बुद्धि मुझ में काम कर रही है, मुझे राज्य के रहस्य और भेदो में अंर्तदृष्टि देते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 16:13; कुलुस्सियो 2:9-10; यशायाह 30:21; यशायाह 54:13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 5:21-43 & लैव्यव्यवस्था 22-23

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 20:25-38 & भजन संहिता 35-36

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 23

खडे हो जाओ और मजबूत खडे हो जाओ

तब उसने मुझ से पूछा, हे मनुष्य के संतान, क्या ये हड्डियाँ जी सकती है? मैं ने कहा, हे परमेश्वर यहोवा, तू ही जानता है (यहेजकेल ३७:३)।

आपकी विश्वास की यात्रा में कुछ परेशानि के समय हो सकते है, जहाँ पर आप गंभीर चुनौतियो का सामना करते है। किंतु ऐसे समय पर, अपने पर बोझ मत लादो या इन कठिन समयो से गुजरते समय रोओ मत; निरुत्साहित होना मना कर दो। इधर उधर भागने की गलती मत करो, मनुष्यो से सहायता माँगते हुए, नही; बोलकर अपने आपको बाहर निकालो।

यही था जो प्रभु ने यहेजकेल को सूखी हड्डियो की घाटी में करने को कहा (यहेजकेल ३७:४)। यहेजकेल ने अपने आपको एक सूखी हड्डियो से भरी घाटी में पाया था और प्रभु ने उससे पूछा, "क्या यह हड्डियाँ जी सकती है?" यह एक असंभव स्थिती थी, किंतु परमेश्वर ने यहेजकेल से हड्डियो के ऊपर "भविष्यद्वाणी" करने को कहा। जैसे ही उसने भविष्यद्वाणी की एक महान चमत्कार हुआ: "...एक आहट आई, और भुईडोल हुआ, और वे हड्डियाँ इकट्ठी होकर हड्डी से हड्डी जुड गई"(यहेजकेल ३७:७)।

अगर आपने अपने आपको एक ऐसी स्थिती में पाया है जहाँ पर आपके आसपास की हर वस्तु "सूखी" दिखाई देती है, तो वहाँ पर एक बदलाव आ सकता है; आपको अपने शब्दो के द्वारा उन बदलावो को लाना है। याद रखिए, वचन "वस्तुएँ" है, उनके अंदर ऊर्जा है और उनके पास आत्मिक स्पर्शता है। जो आप कहते है, वह बन जाता है।

इसलिए, जिन चुनौतियो का आप सामना करते है वे प्रभु में आपके विश्वास को दिखाने और उसके वचन को सिद्ध करने के अवसर है। परेशानि के समय में परेशान होने की जगह अपने स्वास्थ, सफलता, समृद्धि, और मसीह यीशु में विजय की घोषणा कीजिए। आपके मुँह में वचन क्रियांवित बल है; यह चमत्कारो को लायेगा। परमेश्वर के वचन ने सब कुछ बनाया और यह कुछ भी बना सकता है। अपने विश्व को बनाने के लिए विश्वास से भरे शब्दो का इस्तेमाल कीजिए, और अपनी आत्मा को सफलता और विजय के लिए प्रोग्राम कीजिए।

घोषणा

मैं खजूर के पेड की तरह फलता फूलता हूँ, मैं फलदायी और परिणामी हूँ। मैं लेबनान के देवदार की तरह बढता हूँ; भव्य, स्थिर, टिकाऊ, और अविनाशी। मैं सत्यनिष्ठा के फलो को ला रहा हूँ, और मैं सर्वदा के लिए सफलता और महिमा के रास्ते में स्थापित हूँ। यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

अय्यूब 11:15-18; मरकुस 11:23; 2 कुरुंथियो 4:17-18

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 6:1-29 & लैव्यव्यवस्था 24

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 21:1-9 & भजन संहिता 37

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 24

पुनरुत्थान ने हमे जीवन का नयापन दिया

अत: उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चले (रोमियो ६:४)।

अगर मसीहत केवल पाप से उद्धार के विषय में होती तो यीशु मसीह को मृत्यु में से जी उठने की कोई आवश्यकता नही होती। क्रूस पर उसकी मृत्यु काफी होती; उसने हमारे सारे पापो के लिए दाम चुकाया और संपूर्ण बदलाव की गारंटी दी। किंतु, वह छुटकारा है नाकि मसीहत!

छुटकारे का अर्थ है एक व्यक्ति को दाम चुकाकर बचाना। जब यीशु मरा, तो उसने अपने स्वंय के जीवन के द्वारा मनुष्य के छुटकारे के लिए दाम चुकाया; उसने यह सारी मानवता के लिए किया; नाकि मसीहो के लिए। मसीही वह व्यक्ति नही है जिसके लिए मसीह मरा। इसको इस तरिके से देखिए: जब यीशु क्रूस पर लटका, तो परमेश्वर के दिमाग में, हम सब भी उसमें लटके थे, क्योंकि वह हमारा प्रतिनिधि था। जब वह चिल्लाया, "यह पूरा हो गया", और आत्मा को छोड दिया तो हम भी उसमें मर गए।

अब, यह बडी बात है, जिसको शैतान ने आते हुए नही देखा और स्वर्गदूत जिस पर अभी भी आश्चर्य करते है और इसको देखना चाहते है: मसीहत यीशु के पुनरुत्थान पर आधारित है नाकि उसकी मृत्यु पर। यीशु के पुनरुत्थान ने हमे छुटकारे से बहुत बढकर दिया है; यह हमे जीवन के नयेपन में ले आया है। हम मसीह के साथ उठाए गए है (इफिसियो २:६)।

रोमियो १०:९ कहता है, "कि यदि तू अपने मुँह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे, और अपने मन में विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा"। यह आपको बताता है कि उद्धार प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान में विश्वास और उसके प्रभुत्व की घोषणा करने के द्वारा आता है। एक मसीही वह है जो पुनरुत्थानी मसीह के साथ पहचाना जाता है। मसीही का कोई भूतकाल नही है क्योंकि बाइबल २कुरिंथियो ५:१७ में कहती है, "इसलिये यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है "; इसका अर्थ है कि वह एक नई प्रजाति है, जो पहले कभी नही थी।

कोई आश्चर्य नही है कि याकूब घोषणा करता है कि, "उसने अपनी ही इच्छा से हमें सत्य के वचन के द्वारा उत्पन्न किया, ताकि हम उसकी सृष्टि की हुई वस्तुओं में से एक

प्रकार के प्रथम फल हो" (याकूब १:१८)। नये जन्मे होकर, आप "छुडाये गये" नही है; आप मसीह के छुटकारे के कामो का फल है। छुटकारा उसकी मृत्यु के द्वारा पूरा हुआ, किंतु मसीहत उसके पुनरुत्थान से आई। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मुझे मसीह के साथ एक बनाने के लिए। मैं एक नई सृष्टि हूँ और जीवन के नयेपन में चलता हूँ, इस बात के लिए सचेत होकर कि मैं मसीह के साथ जिंदा किया गया हूँ और उसके साथ विजय, अधिकार, और सर्वदा के प्रबलता के स्थान में बैठाया गया हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

2 कुरंथियो 5:17; गलतियो 2:20; रोमियो 6:4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 6:30-56 & लैव्यव्यवस्था 25

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 21:10-17 & भजन संहिता 38-39

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मसीह में हमारी कोई जरुरते नही है

मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है, तुम्हारी हर एक जरुरत को पूरी करेगा (फिलिप्पियो ४:१९)।

ठीक प्रभु यीशु की तरह पौलुस प्रेरित के पास भी कमी की कोई चेतना नही थी। उसने सुसमाचार के संदेश को समझा था कि मसीह में नई सृष्टियो के रुप में, हम परमेश्वर के उत्तराधिकारी और मसीह के साथ सह-उत्तराधिकारी है। हम कमी या घटी में नही है। फिर पौलुस ने क्यूँ यह प्रार्थना की, "मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है, तुम्हारी हर एक जरुरत को पूरी करेगा"। वह आत्मिक अवयस्को को संबोधित कर रहा था।

पौलुस ने अपने आपको प्रार्थना में नही जोडा। उसने नही कहा, "मेरा प्रभु हमारी सारी जरुरतो को पूरा करेगा।" जब आप वयस्क हो जाते है तब आप जान जाते है कि मसीह में, हमारे पास बिना पूरी हुई कोई जरुरत नही है। मत्ती ६:३३ कहता है, "...तुम पहले परमेश्वर के राज्य और उसकी सत्यनिष्ठा की खोज करो तो ये सब वस्तुएँ भी तुममें जोड़ी जाएँगी"। जब आप पहले परमेश्वर का राज्य खोजते है, तो हर वह अच्छी वस्तु जिसकी आप कभी भी इच्छा कर सकते है वह आपमें इसके साथ "जोडी" जाती है- इसको बिना माँगे। आपको उन वस्तुओ के पीछे नही भागना पडेगा जिनके पीछे अविश्वासी भागते है: प्रसिद्धी, पैसा, पहचान, स्वीकारिता इत्यादि; वे उस राज्य में लिपटी हुई है जो आपने विरासत में पाया है।

य़ीशु के वचनो को याद कीजिए; उसने लूका १२:३२ में कहा, "हे छोटे झुण्ड, मत डर; क्योंकि तुम्हारे पिता को यह भाया है, कि तुम्हें राज्य दे"। और उसने यह कर दिया है। उसने लूका १७:२१ में कहा, "परमेश्वर का राज्य तुम्हारे अंदर है।" अगर आपके पास राज्य है, तो आपके पास सबकुछ है। कोई आश्चर्य नही है कि पतरस ने २पतरस १:३ में घोषणा की, "क्योंकि उसकी ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, जिसने हमें अपनी ही महिमा और सद्गुण के अनुसार बुलाया है"। धन्य है परमेश्वर! इस विषय पर पौलुस का चरम सीमा का विश्लेषण बहुत ही रोमांचक है; उसने १कुरिंथियो ३:२१ में कहा,

"...सारी वस्तुएँ तुम्हारी है!"

अपने जीवन में, कभी भी ऐसी वस्तु को मत देखिए जिसको आप जरुरत कहते है; वरन, देखिए जो परमेश्वर ने पहले से ही मसीह में आपको बहुतायत से उपलब्ध कराया है। आप सारी वस्तुओ के स्वामी है, मसीह के साथ एक सह-उत्तराधिकारी है। मसीह पूरे विश्व का स्वामी है, और आप उसके साथ एक है; उसके साथ पार्टनरशिप में बुलाए गए (१कुरिंथियो १:९)। क्योंकि यह सत्य है, तो आपको विश्व में क्या जरुरत हो सकती है? कुछ भी नही! अपने जीवन में परमेश्वर के वचनो की घोषणा कीजिए। उसने कहा, सारी वस्तुएँ तुम्हारी है; उसी की घोषणा कीजिए और उसके अनुसार जीएँ। परमेश्वर की स्तुति हो!

घोषणा

मैं परमेश्वर का एक उत्तराधिकारी और मसीह के साथ एक सह-उत्तराधिकारी हूँ; सारी वस्तुएँ मेरी है। मैं मसीह में मेरे दैविय उत्तराधिकार के स्थान में हूँ, और यह एक चौडा स्थान है – समृद्धि का स्थान - यहाँ पर मुझे कोई कमी नही है। परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

भजन संहिता 34:10; 1 कुरुंथियो 3:21-22

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 7:1-23 & लैव्यव्यवस्था 26-27

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 21:18-26 & भजन संहिता 40-41

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार 26

अपने सपनो और लक्ष्यो के ऊपर झल्लाओ मत

हम भले काम करने में साहस न छोड़ें, क्योंकि यदि हम ढीले न हों तो ठीक समय पर कटनी काटेंगे (गलातियो ६:९)।

बहुत से लोग परेशान हो जाते है और यहाँ तक कि निराशा के स्तर तक आ जाते है जब उन्हें लगता है कि वे एक दिए गए समय में सफलता के उनके लक्ष्यो को पाने में योग्य नही हुए। ऐसे मत बनिए! जब आप दबाव में आते है क्योंकि आप एक समय में कुछ पाना चाहते थे, तो आप समय के दास बन जाते है। अपने समय का बुद्धिपूर्वक इस्तेमाल और निवेश कीजिए, किंतु समय के एक दास मत बनिए।

मूसा के दिमाग में यह था जब उसने प्रभु से प्रार्थना की, "हम को अपने दिन गिनने की समझ दे कि हम बुध्दिमान हो जाएँ"(भजनसंहिता ९०:१२)। हर दिन जो आप जीते है वह बहुत कुछ पाने का एक अवसर है, इसलिए अपने दिन को सुचारु रुप से निर्धारित कीजिए। हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ कीजिए। वह अवश्य कीजिए जो आपको परमेश्वर प्रदत्त उद्देश्य के लिए करना चाहिए, और परमेश्वर के आत्मा की सामर्थ पर भरोसा कीजिए कि वह आपको ऊपर रख देगी। किंतु जब आप इस पर काम कर रहे है, तो सचेत हो जाईए कि आप अनंतता में जीते है – परमेश्वर के जीवन के स्तर में जहाँ पर समय एक अवरोध है।

इसके अतिरिक्त, सफलता तुलनात्मक है; दूसरे शब्दो में, इसे अलग अलग स्तरो पर मापा जा सकता है। इसलिए, परेशान मत हो जाईए क्योंकि आपने उन सारे परिणामो को नही देखा है जो आप देखना चाहते थे। अवलोकन कीजिए कि आप इस क्षण पर कहाँ है और अवश्य बदलावो को कीजिए; अवश्य शिक्षाओ को लीजिए और आगे बढिए।

सफलता अनुग्रह के द्वारा भी है; इसलिए, अनुग्रह – लाभ के लिए और सचेत हो जाईए; परमेश्वर की दैविय योग्यता के लिए जो आपको अपने सपनो से ऊँचा उठा सकती है। भजनसंहिता ३७:४-५ कहता है, "यहोवा में अपना आनंद मना, और वह तेरे मनोरथों को पूरा करेगा। अपने मार्ग की चिन्ता यहोवा पर छोड़; और उस पर भरोसा रख, वही पूरा करेगा"।

परमेश्वर के लिए और उसके साथ कुछ भी असंभव नही है (यिमर्याह ३२:२७)। इसलिए, उस पर भरोसा कीजिए, वह समय और बरबाद हुए वर्षो को वापिस लाने वाला व्यक्ति है (योएल २:२५)। उसकी योग्यता पर भरोसा कीजिए कि वह आपको वह सब

बना सकता है जो उसने बनाने की इच्छा की है। वह आपकी सफलता के लिए आपसे कही ज्यादा उत्साही है। वह आपके लिए एक सेकंड में वो सब कर सकता या पा सकता है, जो आपको पाने के लिए स्वाभाविक रुप से पाँच या दस साल लगेंगे। इसलिए, उसके वचन पर मजबूती से खडे रहिए, और अपने लक्ष्यो और सपनो के लिए रोना या परेशान होना मना कर दीजिए।

घोषणा

परमेश्वर उसकी सारी वस्तुओ को उसके समय में सुंदर बनाता है और उसने मुझ से संबंधित हर वस्तु को सिद्ध कर दिया है। मैं समृद्धि और प्रचुरता के मेरे दिनो का आनंद मनाता हूँ जैसे ही मैं मसीह में अपने विधान को पूरा करता हूँ। मेरा रास्ता उस चमकते हुए प्रकाश की तरह है जो दोपहर तक अधिकाधिक बढता जाता है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

योएल 2:25; मत्ती 6:31-32; फिलिप्पियो 4:6-7

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 7:24-8:1-13 & गिनती 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 21:27-39 & भजन संहिता 42-43

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

अपना मानसिक संतुलन और घोषणा बनाये रखिए

और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं परन्तु अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं; क्योंकि देखी हुई वस्तुएँ थोड़े ही दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएँ सदा बनी रहती है (२कुरिंथियो ४:१८)।

परमेश्वर आपसे प्रेम करता और आपका ख्याल रखता है। वह चाहता है कि आप हमेशा जीते और हर दिन आनंदी जीएँ। यीशु ने कहा, "...संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैं ने संसार को जीत लिया है"(यूहन्ना १६:३३)। कभी भी परिस्थितीयो को आपको कुंठीत मत करने दीजिए; अपने विश्वास को प्रशिक्षित कीजिए। जिसका आप सामना करते है उसके बावजूद अपने आपको बताईये, "सारी वस्तुएँ मिलकर मेरे लिए भलाई पैदा कर रही है" (रोमियो ८:२८)।

२तीमुथियुस ३:१२ कहता है, "नि:संदेह वे सब जो मसीह यीशु में भक्ति का जीवन जीना चाहते है वे अवश्य ही सताये जाएँगे"; यह वाचा का एक भाग है। किंतु सुंदर भाग यह है कि आप हमेशा जीतेंगे, क्योंकि आप एक विजयी जीवन में बुलाये गए है। शायद वस्तुएँ आपकी आशा के अनुसार ना जा रही हो, किंतु अपना मानसिक संतुलन और अपने वचन की घोषणा बनाये रखिए। हार को मत स्वीकारो। बीमारी या दर्द देनी वाली किसी भी वस्तु के सामने हार मत मानो। मत कहिए, "मैं संक्रामित हो चुका हूँ",क्योंकि आपने कुछ लक्षणो को अपने शरीर में देखा था। आप "नई सृष्टि" की प्रजाति के है।

लक्षणो या डॉक्टर की रिपोर्ट को आपकी घोषणा को नही बदलना चाहिए। वचन को अपने मुँह में रखिए। आपकी भावनांए या आपके बैंक स्टेटमेंट की संख्याए नही बदलती है कि आप कौन है। जो वस्तुएँ आप अपनी भौतिक आँखो से देखते है वे क्षण भर की है; इसका मतलब है कि वे बदलाव के आधीन है इसलिए, अपने विश्वास को काम पर रखिए। आपका विश्वास वह विजय है जो विश्व पर जय पाता है (१ यूहन्ना ५:४)।

हर शत्रु जिसका आप सामना करते है वह आपका अवसर है परमेश्वर की महिमा अनुभव करने और दिखाने का: "क्योंकि हमारा पल भर का हल्का सा क्लेश हमारे लिये बहुत ही महत्वपूर्ण और अनन्त महिमा उत्पन्न करता जाता है" (२कुरिंथियो ४:१७)। इससे अंतर नही पडता है कि जीवन में आप किस परिस्थिती से गुजरते है, यह आपकी भलाई के लिए बदल जाएगी, जब तक आप अपनी आँखे परिस्थिती और स्थितीयो से दूर

और वचन पर रखेंगे। इब्रानियो १२:२ कहता है, "और विश्वास के कर्ता और सिध्द करनेवाले यीशु की ओर ताकते रहें,..."।

घोषणा

धन्य है परमेश्वर, जो मुझे हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा विजय देता है, और जिसने मुझे जयवंत से बढकर बनाया है। मैं आज और हमेशा के लिए विजयी रुप से जीता हूँ, परमेश्वर के सपनो को पूरा करते हुए और उसके नाम को महिमा लाते हुए। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

याकूब 2:17-22; 2 कुरुंथियो 4:17-18 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 8:14-26 & गिनती 3-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 21:40-22:1-10 & भजन संहिता 44-45

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 28

दूसरो को उद्धार में लाईये

क्योंकि मैं सुसमाचार से नहीं लजाता: इसलिये कि वह हर एक विश्वास करनेवाले के लिये, पहले तो यहूदी फिर यूनानी के लिये, उद्धार के लिए परमेश्वर की सामर्थ्य है (रोमियो १:१६)।

हमने विश्व के अंत तक सुसमाचार को ले जाने की महान आज्ञा ग्रहण की है; यह बुलाहट उन सबके लिए है जो मसीह में है, और यह एक ऐसा काम है जिसको आपको साहस, दृढसंकल्पता और विश्वास के साथ करना है। केवल सुसमाचार ही है जो पापीयो को उद्धार और सत्यनिष्ठा में बढा सकता है। केवल सुसमाचार के प्रचार के द्वारा ही परमेश्वर की सत्यनिष्ठा दर्शाई और गले लगाई जा सकती है।

यीशु मसीह का सुसमाचार एक मात्र संदेश है जो ग्रहण किए जाने के बाद, पापीयो को एक ही क्षण में परमेश्वर का पुत्र बना देता है। इसलिए, दूसरो को उद्धार तक लाने में हमेशा उत्साही बनिए। बाइबल कहती है जो बहुतो को सत्यनिष्ठ बनाते है वह सर्वदा के तारो के समान चमकेंगे (दानिय्येल १२:३)। अपने विश्व को सुसमाचार के द्वारा प्रकाशित कीजिए। इसे आपके जीने का कारण होने दीजिए।

२कुरिंथियो ५:१५ कहता है, "और वह इस कारण सब के लिये मरा कि जो जीवित हैं, वे आगे को अपने लिये न जीएँ परन्तु उसके लिये जो उनके लिये मरा और फिर जी उठा"। अगर आप वास्तव में विश्वास करते है कि यीशु आपको बचाने के लिए मरा, तो आपको निरंतर अवश्य ही उसकी महिमा और दूसरो को उद्धार में लाने के लिए जीना चाहिए। हम अंत के दिनो में है, और समय कम है। यह सुविधा की बात नही है। कुछ विशेष समय, अवसर और जगहें हो सकती है जहाँ पर आपको सुसमाचार का प्रचार करने के लिए योजना बद्ध होना पडेगा, किंतु आपका फोकस हमेशा लोगो को यीशु के उद्धार में लाने में होना चाहिए।

हम उसके सह-श्रमिक और पार्टनर है, खोए हुओ तक पहुँचने और मसीह के उद्धार को हर व्यक्ति तक लाने में उसके साथ काम करते हुए । अपने संपर्क के क्षेत्र में, एक जलता और चमकता हुआ प्रकाश बनिए। अपने जीवन को सुसमाचार के साथ दूसरो तक पहुँचने के लिए समर्पित कीजिए। अपने विश्व को प्रभावित और सकारात्मक रुप से

बदलते रहिए, परमेश्वर की उस सामर्थ के द्वारा जो आपके अंदर काम कर रही है। वह आप पर आपके विश्व में बहुतो के उद्धार के लिए भरोसा कर रहा है। इसलिए, वफादार बनिए दूसरो को मसीह मे और चर्च में लाने के लिए।

घोषणा

मेरा जीवन परमेश्वर की महिमा के लिए है। जो कुछ मैं हूँ और जो कुछ मैं करता हूँ, और हर वस्तु जो मेरी है वह मैंने परमेश्वर के राज्य के विस्तार और उसकी सत्यनिष्ठा के लिए दे दी है। इसलिए, परमेश्वर की आशीषे मेरे जीवन में प्रत्यक्ष होती है, उसकी महिमा बढते हुए रुप में दिखाई देती है जैसे ही मैं पुरुषो और महिलाओ को सत्यनिष्ठा में लाता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 कुरुंथियो 9:16; 2 कुरुंथियो 3:6; 2 कुरुंथियो 5:18-20

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 8:27-38 & गिनती 5

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 22:11-21 & भजन संहिता 46-47

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

शनिवार 29

वचन का मजा लीजिए

पर हमारे प्रभु और उध्दारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और पहचान में बढ़ते जाओ। उसी की महिमा अब भी हो, और युगानुयुग होती रहे। आमीन (२पतरस ३:१८)।

आपके सबसे उत्साही समय वह होने चाहिए जब आप वचन के साथ सहभागिता में है। परमेश्वर का वचन सबकुछ है; इसी की आपको आवश्यकता है वह सब बनने के लिए जो परमेश्वर ने आपको जीवन में बनने के लिए विधानित किया है। मसीह में आने के बाद, आपके पास अपनी आत्मा को बढाने की एक मजबूत इच्छा होनी चाहिए, और आत्मिक वृद्धि वचन के द्वारा होती है। जिस तरह से एक नया जन्मा हुआ बच्चा उसकी वृद्धि और भलाई के लिए प्राकृतिक भोजन से पोषित किया जाता है, उसी तरह परमेश्वर आपसे आशा करता है कि आप वचन का भोजन करे।

बाइबल कहती है, "क्योंकि तुम ने नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज से, परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है"(१पतरस १:२३)। हम वचन से जन्मे है। १पतरस २:२ कहता है, "नये जन्मे हुए बच्चों के समान वचन के निर्मल आत्मिक दूध की लालसा करो, ताकि उसके द्वारा उध्दार पाने के लिये बढ़ते जाओ"। सिवाय वचन के कोई दूसरी वस्तु आपको आत्मिक रुप से आगे नही बढा पाएगी। परमेश्वर का वचन आपको आपके जीवन के हर क्षेत्र में बढाएगा, आपको बुद्धिमान और संतुलित बनाते हुए।

परमेश्वर के वचन का मजा लीजिए। इसमें अपना आनंद मनाईये। भजनसंहिता के लेखक ने कहा, "जैसे कोई बड़ी लूट पाकर हर्षित होता है, वैसे ही मैं तेरे वचन के कारण हर्षित हूँ"(भजनसंहिता ११९:१६२)। वचन का आनंद मनाईये। इसे अपने लिए जानिए; यह अपने जीवन में अनुग्रह और शांति को बढाने का तरिका है: "परमेश्वर की और हमारे प्रभु यीशु की पहचान के द्वारा अनुग्रह और शान्ति तुम में बहुतायत से बढ़ती जाए" (२पतरस १:२)। जैसे ही आप सचेतन रुप से वचनो पर मनन करेंगे, आप प्रोग्राम हो जाएँगे परमेश्वर के विचारो को सोचने के लिए और उसके चरित्र, विचारो, और अभिलाषाओ के द्वारा प्रभावित हो जाएँगे।

आपकी चेतना में परमेश्वर का वचन आपको उसके अनुसार चलाएगा। अपने जीवन

को वचन के साथ अपग्रेड कीजिए। नियंत्रण लीजिए और अपने विश्व और अपने वातावरण पर प्रबलता ले लीजिए, हर दिन, वचन और आत्मा के द्वारा विजयी रुप से जीते हुए।

घोषणा

आशीषित प्रभु, मैं आपके वचन में आनंद मनाता हूँ, क्योंकि आपका वचन मेरा जीवन और वह प्रकाश है जिसके द्वारा मैं देखता हूँ। मैं इसकी बदलाव की सामर्थ के लिए समर्पित हूँ जो मुझे मेरे जीवन के हर क्षेत्र में बना सकता है, मुझे मसीह में मेरी विरासत में लाते हुए। मेरे पास विश्व का सबसे महान खजाना है: शांति, सत्यनिष्ठा, सर्वदा का आनंद, प्रचुरता और सर्वदा की आशीषे मेरे मसीह में वर्तमान समय के अधिकार है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 20:32; भजन संहिता 19:7; अय्यूब 23:12

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 9:1-13 & गिनती 6

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 22:22-30 & भजन संहिता 48-49

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उध्दार की प्रार्थना

हम विश्वास करते है कि आप इस अध्ययनिका के द्वारा आशिषित हुए है। इस प्रार्थना को करने के द्वारा हम आपको यीशु मसीह को अपने जीवन का प्रभु बनाने के लिए आमंत्रित करते है:

“ओ प्रभु परमेश्वर, मै अपने पूरे:दय से यीशु मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता हूँ। मै विश्वास करता हूँ कि वह मेरे लिए मरा और परमेश्वर ने उसे मरे हुओ मे से जीवित किया। मै विश्वास करता हूँ कि आज वह जीवित है। मै अपने मुँह से घोषणा करता हूँ कि आज से यीशु मसीह मेरे जीवन का प्रभु है। उसके द्वारा, और उसके नाम में, मेरे पास अनंत जीवन है; मै नया जन्मा हूँ। धन्यवाद परमेश्वर, मेरी आत्मा को बचाने के लिए! अब मै परमेश्वर की एक संतान हूँ। हालेलुयाह!

बधाई! अब आप परमेश्वर की एक संतान है। एक मसीह के रूप में, आप कैसे बढ सकते है, के विषय में अधिक जानकारी ग्रहण करने के लिए, कृपया नीचे लिखे किसी भी नंबर के द्वारा हमसे संपर्क किजिए:

UNITED KINGDOM:
(0)1708 556 604

NIGERIA:
01-8888186

CANADA:
+1-647-341-9091

SOUTH AFRICA:
+27 11 326 0971

USA:
+1-281-759-5111

लेखक के विषय में

पास्टर क्रिस औयाखिलोमे, बिलिवर्स लववर्ल्ड इनकॉर्पोटेड के प्रेसिडेंट है, जो एक प्रभावी, बहुमुखी, विश्व स्तरिय सेवकाई है, वे वास्तविकता संग्रह के लेखक है, विश्व की नंबर एक दैनिक अध्ययनिका, और तीस से अधिक दूसरी पुस्तको के भी। वो परमेश्वर के वचनो के एक वफादार सेवक है, जिनके संदेशो ने बहुतो के ह्रदय में दैविय जीवन की वास्तविकताओ को लाया है।

करोडो लोग उनके टेलिविजन ब्राडॅकास्ट "चमत्कारो के लिए वार्तावरण," के द्वारा प्रभावित हुए है, जो परमेश्वर की दैविय उपस्थिती को ठीक लोगो के घरो तक लेकर जाता है। इस टेलिविजन सेवकाई का विस्तार पूरे विश्व में लववर्ल्ड सेटेलाइट टेलिविजन नेटर्वकों के द्वारा होता है, जो कि एक विश्व स्तरिय सभा तक गुणवत्ता के मसीही प्रोग्राम लाते है।

विश्वविख्यात, चंगाई विद्यालय में वह यीशु मसीह के कार्य को प्रत्यक्ष करते है और उन्होंने पवित्र आत्मा के काम करते हुए वरदान के द्वारा बहुतो की चंगाई ग्रहण करने में सहायता की है।

पास्टर क्रिस में परमेश्वर की उपस्थिती के साथ पूरे विश्व के लोगो तक पहुँचने का उत्साह है –एक दैविय आज्ञा, जिसको उन्होंने तीस साल से अधिक वर्षो से किया है, विभिन्न आऊटरिचों के द्वारा, क्रूसेडो के द्वारा, और बहुत से अलग तरिको के द्वारा, जिसके द्वारा करोडो लोगो ने परमेश्वर के वचन के द्वारा एक विजयी और उद्देश के जीवन का अनुभव किया है।

LoveWorld Publishing

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

हिन्दी

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

Chris Oyakhilome

LoveWorld Publishing

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from the *King James Version* of the Bible.

A KEY FOR OTHER BIBLE VERSIONS USED:

NKJV	-New King James Version
AMP	-The Amplified Bible
AMPC	-The Amplified Classic Bible
TANT	-The Amplified New Translation
TLB	-The Living Bible
CEV	-Contemporary English Version
NASB	-New American Standard Bible
ISV	-International Standard Version
NIV	-New International Version
MSG	-The Message Translation
WEB	-The World English Bible
TNLT	-The New Living Translation
ASV	-American Standard Version
TEV	-Today's English Version
RSV	-Revised Standard Version
GNB	-Good News Bible
WNT	-Weymouth New Testament
NRSV	-New Revised Standard Version
MOFFAT	-Moffatt New Translation
WESNT	-Wesley New Testament
EBR	-Rotherham's Emphasized Bible
DRB	-Douay-Rheims Bible

वास्तविकता संग्रह...वास्तविकता संग्रह

ISSN 1596-6984

मार्च 2020 edition

Copyright © 2020 by LoveWorld Publishing

FOR MORE INFORMATION AND TO PLACE ORDERS:

UNITED KINGDOM:
Unit C2, Thames View Business Centre, Barlow Way Rainham-Essex, RM13 8BT.
Tel.: +44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

USA:
Christ Embassy Houston,
8623 Hemlock Hill Drive
Houston, Texas. 77083
Tel.: +1-281-759-5111

NIGERIA:
Plot 97, Durumi District, Abuja, Nigeria.

Plot 22/23 Billingsway Road, Oregun, Ikeja, Lagos.
P.O. Box 13563 Ikeja, Lagos
Tel.: 01-8888186

SOUTH AFRICA:
303 Pretoria Avenue
Cnr. Harley and Braam Fischer,
Randburg, Gauteng 2194
South Africa.
Tel.:+27 11 326 0971

CANADA:
LoveWorld Publishing Canada
4101 Steeles Ave W, Suite 204
Toronto, Ontario
Canada M3N 1V7
Tel.:+1 416-667-9191

www.rhapsodyofrealities.org
email: rorcustomercare@loveworld360.com

All rights reserved under International Copyright Law. Contents and/or cover may not be reproduced in whole or in part in any form without the express written permission of LoveWorld Publishing.

भूमिका

हुर्रे ! आपकी प्रिय दैनिक अध्ययनिका, वास्तविकता संग्रह अब २०१०, भाषाओं में उपलब्ध है और लगातार बढ़ रही है। हमें विश्वास है कि अध्ययनिका का २०२० का अंक ने आपकी आत्मिक वृध्दि और विकास को बढ़ाया है और आपको आपके सभी प्रयासो मे असाधारण सफलता के लिए सही स्थान में रख दिया है।

इस अंक के जीवन बदलने वाले विचार आपके विश्वास को ताजा करेंगे, बदल देंगे और स्फूर्ति देंगे, जैसे ही आप परमेश्वर के वचन के साथ एक प्रतिफल देनेवाले अनुभव में जुडते है।

- वास्तविकता संग्रह अध्ययनिका को कैसे इस्तेमाल करे -

- हर लेख को पढो और सावधानीपूर्वक इसपर मनन करो। प्रतिदिन जोर से प्रार्थनाओ और घोषणाओ को कहना, सुनिश्चित करेगा कि जो परमेश्वर का वचन आप बोल रहे है, वह आपके जीवन में पूरा होता है।
- एक-वर्षीय अध्ययन योजना के साथ, या दो वर्षीय अध्ययन योजना के साथ संपूर्ण बायबल को पढो।
- आप दैनिक बायबल अध्ययन खंडो को दो भागो में भी बाँट सकते है - सुबह और शाम अध्ययन
- हर महिने के लिए प्रार्थनापूर्वक अपने लक्ष्यो को लिखने के लिए अध्ययनिका का इस्तेमाल करो, और अपनी सफलता को मापो, जैसे ही आप एक के बाद एक लक्ष्य को प्राप्त करते है।

हम आपको परमेश्वर की महिमामयी उपस्थिति और विजय का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते है, जैसे ही आप उसके वचन की एक दैनिक खुराक को लेते है! हम आपसे प्रेम करते है! परमेश्वर आपको आशिष दे!

-पास्टर क्रिस औयाखिलोमे

व्यक्तिगत जानकारी

नाम:

पता:

टेलीफोन:

Mobile:

E-mail address:

Business address:

Goals for the Month:

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

www.rhapsodyofrealities.org

यह आप पर निर्भर है

जीभ के वश में मृत्यु और जीवन दोनों होते हैं, और जो उसे काम में लाना जानता है वह उसका फल भोगेगा (नीतिवचन १८:२१)।

आपके विधान में, आपकी सोच से कही ज्यादा आपका बहुत योगदान है। चाहे आप जीएं या मरे, सफल हो या असफल, गरीब हो या अमीर, कमजोर या मजबूत, महान या छोटे; यह परमेश्वर से कही ज्यादा आप पर निर्भर है। अगर आप इंतजार कर रहे थे कि परमेश्वर आपके जीवन के विषय में कुछ करेगा, तो आप बेकार में ही इंतजार कर रहे है, क्योंकि उसने वह सब पहले ही कर दिया है जिसकी आपको एक श्रेष्ठ जीवन के लिए जरुरत थी।

बाइबल कहती है कि उसके काम विश्व के आरंभ से ही समाप्त हो गए थे (इब्रानियो ४:३)। आपको अब केवल उन सब वस्तुओ का आनंद मनाने की जरुरत है जो यीशु मसीह की मृत्यु, गाडे जाने और पुनरुत्थान ने आपके लिए उपलब्ध कराया है। २ पतरस १:३ कहता है, "क्योंकि उसकी ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखता है, हमें ... दिया है... "। आपको सब कुछ दिया जा चुका है जिसकी आपको एक विजयी, आनंदी, और परिपूर्ण जीवन जीने के लिए जरुरत है। किंतु आपका उत्तर महत्वपूर्ण है।

हर बार जब आप बोलते है, तो आप अपने जीवन और भविष्य को या तो आपके लिए परमेश्वर के दैविय प्रावधानो और विधान के साथ मेल में ला रहे है या उस से दूर ले जा रहे है। जहाँ आज आप है – आपकी वर्तमान स्थिती और परिस्थिती – यह उसका परिणाम है जो आपने कल कहा था। इसलिए, आपके अगले पाँच और दस साल आपके द्वारा आज बोले गए शब्दो की फसल पैदा करेगें। शब्द शक्तिशाली और महत्वपूर्ण है; वे बनाते या बरबाद करते है। आप निर्धारित करते है कि आप अपना जीवन कैसा चाहते है-परमेश्वर के वचनो के साथ मेल में या उससे अलग।

जब आप चुनौतियो का सामना करते है, तो प्रभु में अपना भरोसा बनाये रखिए और वचनो की अपनी घोषणाओ के साथ जुझारु बनिए। जैसे ही आप बोलेंगे, तो आत्मा आपके वचनो की रेखा में वस्तुओ को करवाएगा; उसे आपके शब्दो की आवश्यकता है। अधिकतर घोषणा कीजिए, "मैं स्वस्थ और मजबूत हूँ, क्योंकि मेरे अंदर परमेश्वर

का जीवन है!" अपने शरीर में लक्षणो का आने का इंतजार मत कीजिए, इस तरह की घोषणाओ को करने के लिए। उस तरिके से अभी बात कीजिए और यह आपसे बीमारी को दूर रखेगा। यह आप पर है कि आप अपने विजयी जीवन और आशीषीत भविष्य को अपने होठो पर परमेश्वर के वचनो के द्वारा बनाए।

प्रार्थना

परमेश्वर का वचन मेरा जीवन और भोजन है, और उसने मुझे हर भले कार्य में फलदायी बनाया है। मैं दैविय स्वास्थ, दैविय प्रचुरता, और निरंतर विजय और समृद्धि में जीता हूँ। परमेश्वर के वचनो का प्रकाश मेरे रास्ते को प्रकाशित करता है और सारी वस्तुएँ मेरी भलाई के लिए काम कर रही है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मरकुस 11:23; 1 पतरस 3:10; 2 पतरस 1:3-4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 9:14-32 & गिनती 7-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 23:1-10 & भजन संहिता 50-51

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 2

जीवन आत्मिक है

कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हैं, वे सब यीशु के नाम में घुटना टेके (फिलिप्पियो २:१०)।

एक महिला ने अपने बेटी को फोन किया जो कि यूनायटेड किंगडम में रहती थी और कहा, "मैं तुमसे अपने दो खतरनाक मित्रो के साथ मिलने आ रही हूँ, क्योंकि मैं जिस काले जादू में हूँ उसमें अब मेरी बेटी की बली चढ़ाने की बारी है। इसलिए हम तीन तुमसे मिलने आ रहे है"। पर वे अलग अलग महाद्वीप में रहते थे, किंतु उसने कहा, "हम घर में अगले दरवाजे से कीड़ो की तरह आएँगे – छोटे टिड्डो की तरह"।

फिर उसने अपनी बेटी को चेतावनी दी, "मैं आगे रहूँगी और बाकी दोनो पीछे, किंतु तुम्हें उन दोनो को तुरंत ही मारना है, क्योंकि उनका उद्देश्य तुमको मार डालना है"। उपयुक्त दिन पर, उसकी बेटी यूनायटेड किंगडम में इंतजार कर रही थी और निश्चित ही यह कीडे दरवाजे से आए, एक के बाद एक। यद्यपि वह पूरी तरह से डरी हुई थी, उसने वही किया जो उसकी माँ ने उससे कहा था। जब उसने आखिरी दो कीडो को मारा तो पहला वाला (उसकी माँ) गायब हो गया। थोडे ही देर बाद, उनके मातृ देश में यह खबर थी कि दो औरते अचानक से मर गई।

यह केवल एक कहानी नही है। अगर आप वचनो का अध्ययन करेंगे, तो आप ध्यान देंगे कि शैतानी आत्माएँ वास्तविक है और वे लोगो के घरो में जानवरो, चिडियो, कीडे इत्यादी के द्वारा आकर रहती हैं। याद कीजिए उत्पत्ति की पुस्तक में शैतान एक साँप के रुप में आया। यह आपको क्या बताता है? हर कीडा या जानवर सही नही होता है। कुछ लोगो को एक कीडे ने काटा और उन्होंने उसको अनदेखा किया, नही जानते हुए कि वह कीडा वास्तव में इसके पीछे की आत्मा का केवल एक कपडा था। शैतानों के एक समूह ने यीशु से आज्ञा माँगी थी कि वे सूअरो के एक झुंड में घुस जाएं (मरकुस ५:११-१३)।

जीवन आत्मिक है। ऐसी वस्तुएँ है जिनको आप अनदेखा या हल्के में नही ले सकते, यहाँ तक कि दिखने वालो, "छोटे दर्दो को भी"; परमेश्वर के वचन और यीशु के नाम के साथ उनका सामना कीजिए। जिन बहुत सी बडी परेशानियों को लोगो ने सहा है वे उन तक छोटी सी लगने वाली वस्तुओ से आई। उन्होंने कभी भी उसको इस्तेमाल नही किया जो यीशु ने हमे दिया है; उसका नाम, उसका अधिकार; फलस्वरुप उनकी स्थिती कमजोर और भयानक बन गई।

शैतानो को खदेडने में भेदक और निर्भिक बनिए, चाहे वे किसी भी रुप में क्यूँ ना आएँ। इससे पहले कि आप दर्द या शरीर में किसी लक्षण के कारण "दवाई" के बारे में

सोचे, पहले शैतान को भगाईये, जोकि सबसे बडा कारण हो सकता है। याद रखिए, यीशु ने कहा कि हम उसके नाम में शैतानो को खदेडेंगे (मरकुस १६:१७)।

घोषणा

मुझे यीशु के नाम को इस्तेमाल करने की पॉवर ऑफ अर्टोनी दी चुकी है! इसलिए, मैं मेरे जीवन, वातावरण, और मेरे प्रिय जनो के जीवनो में शैतानी गतिविधियो को मना करता हूँ। ठीक अभी मुझ में और मेरे आसपास शैतान का अधिकार टूट गया है यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

फिलिप्पियो 2:9-10; मरकुस 16:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 9:33-50 & गिनती 9-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 23:11-21 & भजन संहिता 52-54

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मसीह पर ध्यान लगाओ

चाहे मैं संकट के बीच में रहूँ तौभी तू मुझे जिलाएगा, तू मेरे क्रोधित शत्रुओं के विरुध्द हाथ बढ़ाएगा, और अपने दाहिने हाथ से मेरा उध्दार करेगा (भजनंसहिता १३८:७)।

प्रभु यीशु सत्यनिष्ठा का सूरज है, जब आप उस पर ध्यान लगाते है, तो आप अपने आसपास के कमजोर और पंगु प्रभावो को नही देखेंगे। बहुत से लोग चुनौतियो और परेशानियो पर ध्यान देते है; वे विश्व की परेशानि और कठिनाईयो के विषय में सोचते रहते है जब कि उन्हें मसीह पर ध्यान देना चाहिए। मसीह आपका सबकुछ है; मसीह आपका जीवन है; मसीह हर परेशानि का समाधान है। हालेलूयाह!

इसका यह अर्थ है कि अगर आप मसीह में है यानि कि अगर आप नये जन्मे है, तो आपके पास डरने के लिए कुछ भी नही है; आपको परेशानियों, चुनौतियो, शत्रुओ और परिक्षाओं के विषय में चिंता करने की जरुरत नही है। क्योंकि मसीह में आप एक विजयी है। बाइबल कहती है, जब तुम नाना प्रकार की परिक्षाओ से गुजरो तो इसे सब प्रकार के आनंद की बात समझो (याकूब १:२)। कुलुस्सियो १:२७ कहता है, "...मसीह तुम में महिमा की आशा है"। इसका क्या अर्थ है? इसका यह अर्थ नही है कि आपको महिमा की आशा करनी चाहिए क्योंकि मसीह आपमें है; वरन इसका अर्थ है कि आपके पास एक गारंटी है, एक यकीन कि आपके जीवन में हर वस्तु आपके लिए महिमा पैदा करेगी, क्योंकि मसीह आप में है।

आपके अंदर मसीह दैविय स्वास्थ का आश्वासन या यकीन है। मसीह आपमें आपका आत्मविश्वास है कि आप कभी भी जीवन में हारे हुए, कंगाल या उदास नही होंगे। आपमें मसीह आपका आश्वासन है कि आपका जीवन हमेशा उत्तम और महिमा से भरा हुआ होगा। यही कारण है कि आपको हमेशा मसीह-सचेत होना है। मसीह पर ध्यान लगाईये। रोमियो ८:१० कहता है, "यदि मसीह तुम में है, तो यद्यपि देह पाप के कारण मरी हुई है; परन्तु आत्मा सत्यनिष्ठा के कारण इसको जीवन देता है"।

इससे अंतर नही पडता है कि आपके शरीर में क्या होता है या क्या हो चुका है, मसीह उत्तर है! आपमें मसीह आपको श्रेष्ठ और बुद्धिमान बनाता है। मसीह पर मनन कीजिए। सोचीए कि वह आपके लिए क्या है, और आप उसमें कौन है और आप में

आज उसकी सेवकाई के विषय में। १ यूहन्ना ४:४ कहता है, "हे बालको, तुम परमेश्वर के हो, और तुम ने उन पर जय पाई है; क्योंकि जो तुम में है वह उस से जो संसार में है, बड़ा है"। आपमें उसकी उपस्थिती आपको एक जयंवत से बढकर और विजयी बनाती है। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, आप मेरा सब कुछ है; आपको और जानना और आपकी सेवा करना ही मेरे लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। इसलिए, इससे कोई अंतर नही पडता है कि कौन सी परेशानि, परिक्षा, चुनौतियां और शत्रु मेरे रास्ते में आते है, मैं अविचलित हूँ, यह जानते हुए कि मैं मसीह में कभी भी हारा हुआ, कंगाल या निराश नही होऊँगा, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यशायाह 50:7; कुलुस्सियो 3:1-4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 10:1-31 & गिनती 11-13

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 23:22-35 & भजन संहिता 55

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार 4

एक पवित्र भरोसा

यही परमधन्य परमेश्वर की महिमा के उस सुसमाचार के अनुसार है जो मुझे सौंपा गया है (१तीमुथियुस १:११)।

पौलुस प्रेरित ने सुसमाचार के लिए व्यक्तिगत उत्तरदायित्व लिया। हमारे आरंभिक वचन में उसके वचन दिखाते है कि उसके लिए सुसमाचार एक पवित्र भरोसा था। १कुरिंथियो ९:१६ में उसने कहा, " ... यह तो मेरे लिये अवश्य है। यदि मैं सुसमाचार न सुनाऊँ, तो मुझ पर हाय"! फिर १तीमुथियुस १:१२ में उसने घोषणा की, "मैं अपने प्रभु मसीह यीशु का जिसने मुझे सामर्थ्य दी है, धन्यवाद करता हूँ कि उसने मुझे विश्वासयोग्य समझकर अपनी सेवा के लिये ठहराया"।

सुसमाचार के विषय में आपकी कटिबद्धता मजबूत होनी चाहिए। इसके विषय में सोचीए: खोई हुई आत्माओ का उद्धार परमेश्वर का नंबर एक उत्साह है; पूरा स्वर्ग इसी के विषय में है। फिर भी, परमेश्वर ने इस महान आज्ञा और उत्तरदायित्व को मुझे और आपको दिया। यह सम्मान के योग्य है; बहुत पवित्र और हल्के में लेने वाला काम नही है।

मरकुस १६:१५ में यीशु ने कहा,"...तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो"; यह महान आज्ञा है। सवाल है, "क्या परमेश्वर आप पर इसे पूरा करने का भरोसा कर सकता है?" क्या आप उसके व्यवसाय के विषय में है, या आप अभी भी अपने सपने को पूरा करने की कोशिश कर रहे है? सुसमाचार और विश्व में इसके विस्तार को आपके लिए इस विश्व में किसी भी दूसरी वस्तु से अधिक महत्वपूर्ण होने दीजिए। इसके लिए कटिबद्ध हो जाईये, उन विरोधो के बावजूद जिनका आप सामना करते है।

पौलुस से कुछ सीखिए, यद्यपि पवित्र आत्मा ने निश्चित रुप से गवाही दी कि अगर वह यरुशलेम में प्रचार करने गया तो वह महान सतावो को झेलेगा और जेल में बंद हो जाएगा (प्रेरितो के काम २०:२२-२३), वह अविचलित था। उसका उत्तर था, "... इनमें से कोई भी बात मुझे विचलित नही करती और मैं अपने प्राण को कुछ नहीं समझता कि उसे प्रिय जानूँ, वरन् यह कि मैं अपनी दौड़ को और उस सेवा को पूरी करूँ, जो मैं ने परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार पर गवाही देने के लिये प्रभु यीशु से पायी है" (प्रेरितो के काम २०:२४)। पीछे के रास्तो को मिटाना क्या है? यही है!

सुसमाचार के एक कार्यकर्ता बनिए। आपका कोई भी शत्रु आपको हरा नही सकता

अगर आप अपने स्थान में बने रहे और भागना मना कर दे। ध्यान रखिए कि परमेश्वर ने आपको वफादार गिना और सुसमाचार आपके भरोसे पर सौंप दिया। वह आप में विश्वास करता है। इसलिए, प्रभु यीशु मसीह के प्रभावी गवाह बन जाईये, और इसे उत्साही आनंद के साथ कीजिए। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, आपका वचन और पवित्र आत्मा मुझे सुसमाचार का प्रचार करने के लिए निर्भिकता और साहस से भरता है, और मैं उसको यीशु मसीह के प्रभावी सेवक के रुप में आनंदी रुप से करता हूँ। धन्यवाद उस अकथनिय संतोष के लिए जिसका मैं आत्माएँ जीतते समय और बहुतो को सत्यनिष्ठ बनाते हुए अनुभव करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मरकुस 16:15; प्रेरितो के काम 20:20-27

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 10:32-52 & गिनती 14-15

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 24:1-9 & भजन संहिता 56

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

आत्मा में हमेशा प्रार्थना करते हुए

हमेशा प्रार्थना करते हुए, आत्मा में सब प्रकार की प्रार्थना और निवेदनो के साथ, और इसी लिये जागते रहो कि सब पवित्र लोगों के लिये लगातार विनती किया करो (इफिसियो ६: १८)।

कुछ बार, ऐसे लोग है जो आश्चर्य करते है कि आत्मा का क्या अर्थ था जब उसने पौलुस प्रेरित के द्वारा कहा, " हमेशा प्रार्थना करते हुए, आत्मा में सब प्रकार की प्रार्थना और निवेदनो के साथ "। किंतु यह बहुत स्पष्ट है। दूसरा अनुवाद कहता है, "...हर प्रकार की प्रार्थना के साथ"। वह आपसे कह रहा है, "मैं चाहता हूँ कि तुम आत्मा में होकर हर प्रकार की प्रार्थना को करो"। दूसरे शब्दो में, प्रार्थना के अलग अलग प्रकार होते है। अब चाहे यह विश्वास की प्रार्थना हो या धन्यवादिता की प्रार्थना, एक मध्यस्था की प्रार्थना, एक सहमती की प्रार्थना, एक समर्पण या अभिषिक्त करने की या भविष्यद्वाणी की प्रार्थना, आपको इसमें आत्मा में प्रार्थना करना जोड़ना है।

आत्मा में प्रार्थना करना एक प्रकार की प्रार्थना है, किंतु वह हमे बता रहा है कि सब प्रकार की प्रार्थनाओ के साथ हमे आत्मा में प्रार्थना करना चाहिए। मत कहिए, "मैं आज आत्मा में प्रार्थना नही कर रहा हूँ, क्योंकि मैं एक मध्यस्था की प्रार्थना कर रहा हूँ"। नही, जब प्रार्थनाओ की बात आती है तो हम आत्मा को नही छोड सकते; हमे अवश्य ही अन्यभाषाओ में प्रार्थना करना चाहिए। आत्मा में प्रार्थना करने का यही अर्थ है; इसका अर्थ है कि वह प्रार्थना आत्मा के उत्साह से आ रही है, जो अन्य भाषाओ में बोली गई है।

उदाहरण के लिए, जब आप विश्वास की प्रार्थना करना चाहते है, तो आप अन्यभाषाओ में बोलकर शुरु कर सकते है, इससे पहले कि आप उन विश्वास की घोषणाओ को मुक्त करे। यह आपसे यह कहना है कि, " खाने के हर निवाले के साथ पानी पियो"; इसका अर्थ है कि चाहे आप प्रोटीन का भोजन या शाकाहारी खाना खा रहे है, खाने का कोई भी प्रकार क्यूँ ना हो इसके साथ पानी पीजिए। पौलुस प्रेरित ने कुरंथ के चर्च को यह सच्चाई बताते समय कहा, "इसलिये यदि मैं अन्य भाषा में प्रार्थना करूँ, तो मेरी आत्मा प्रार्थना करती है परन्तु मेरी समझ काम नहीं देती। अत: क्या करना चाहिए? मैं आत्मा से प्रार्थना करूँगा, और समझ से भी प्रार्थना करूँगा; मै आत्मा से गाऊँगा और समझ से भी गाऊँगा" (१कुरिंथियो १४:१४-१५)।

इसे गंभीरता से लीजिए। हमेशा आत्मा में प्रार्थना कीजिए, और आपका जीवन बहुत अपग्रेड हो जाएगा, हमेशा बढती हुई महिमा का आनंद लेने के लिए। आप हर समय स्तुति

के साथ जीवित और भरें होंगे; अपनी मसीह यात्रा में अधिक प्रभावी और परिस्थितीयाँ आपके पैरो के नीचे होगी।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ प्रार्थना के अवसर और विशेष सुविधा के लिए; धन्यवाद मुझे आत्मा में प्रभावी रुप से प्रार्थना करने का ज्ञान देने के लिए। मैं उत्साहीत और स्फुर्ति से भरा हुआ हूँ, प्रार्थनाओ के द्वारा महान सामर्थ को उपलब्ध कराने के लिए, मुझे मेरे अति पवित्र विश्वास में उठाते हुए, और परिणामस्वरुप मसीह में एक संपूर्ण प्रबलता के जीवन को जीते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 6:18 AMPC; Jude 1:20

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 11:1-26 & गिनती 16-17

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 24:10-21 & भजन संहिता 57-58

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 6

सफलता के लिए एक प्रमुख वस्तु

चाँदी नहीं, मेरी शिक्षा ही को लो, और उत्तम कुन्दन से बढ़कर ज्ञान को ग्रहण करो (नीतिवचन ८:१०)।

आत्मिक निर्देश आप तक बहुत ही अजीब या अलग तरिके से आ सकते है, किंतु उन्हें पूरा करने में शीघ्र बनिए। नीतिवचन ४:१३ कहता है, "शिक्षा को पकड़े रह, उसे छोड़ न दे; उसकी रक्षा कर, क्योंकि वही तेरा जीवन है"। कुछ बार आपको अपने अगले स्तर के लिए एक "बड़ा आयडिया" नही चाहिए होता है, वरन एक सामान्य से निर्देश को पूरा करना होता है।

उदाहरण के लिए यहोशू को दिए गए प्रभु के निर्देश को देखिए। उसको यरीहो पर नियंत्रण और प्रबलता लेने का निर्देश दिया गया था (यहोशू ६:२-५)। मानविय दृष्टिकोण से, यह एक असंभव कार्य था, क्योंकि यरीहो अपने समय के सबसे मजबूत शहरो में से एक था। किंतु यहोशू ने प्रभु के निर्देशो का पालन किया और परिणाम इस्राएल के बच्चो की विजय थी।

कुछ लोग सफलता पाने के उनके प्रयास में द्वितीयक कारको जैसे कि पैसा, इंसानी जान-पहचान और संदिग्ध विचारधाराओ के लिए कुछ भी देंते हैं। किंतु वे जीवन में गारंटेड वृद्धि के सबसे सुनिश्चित रास्ते को नकार देते है: परमेश्वर के वचनो को करना – कामो को परमेश्वर के तरिके से करना। उसके निर्देश उसकी बुद्धि को बताते है, जिनका अगर पालन किया जाएँ तो सफलता, विजय, श्रेष्ठता और महिमा आएगी।

जीवन में यह पहचानिए कि आपकी विजय पूरी तरह से निर्भर है और होगीं उन दैविय योजनाओ पर जो आपको पवित्र आत्मा और वचन के द्वारा दी जाएंगी। इसलिए, सचेतन रुप से पवित्र आत्मा और वचन के साथ सहभागिता का अभ्यास कीजिए। वही पर आप उसके निर्देशो और दिशाओं को पाते है जो आपको परिस्थितीयो और जीवन की विषमताओ के ऊपर रख देता है।

आत्मा का हर निर्देश परमेश्वर के वचनो के अटल सिद्धांतो में डूबा हुआ है। इस तरह के निर्देश शायद असाधारण ना लगे, किंतु वे हमेशा आलौकिकता को पैदा करते है। इसलिए, दैविय बुद्धि में हमेशा आत्मा के निर्देशो का पालन कीजिए। जब आप करेंगे, तो इससे अंतर नही पडेगा कि आप अपने जीवन में किस "दीवार" का सामना कर रहे

है; यह शायद बीमारी या आर्थिक परेशानि की दीवार हो, वह आपके सामने ढह जाएगी। परमेश्वर की महिमा हो!

प्रार्थना

परमेश्वर का वचन मेरा जीवन है, और उसके निर्देश मेरे ह्रदय का मनन और वह बल है जो मेरे कार्यो को उत्साहीत करते है। मैं दैविय उन्नति कर रहा हूँ जैसे ही मैं परमेश्वर के वचनो पर ध्यान देता हूँ और जो वह कहता है वह करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 13:18; 2 तीमुथियुसले 3:16; यहोशू 1:8 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 11:27-12:1-17 & गिनती 18-19

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 24:22-27 & भजन संहिता 59-60

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार 7

शत्रु को खदेडो

आकाश की ओर से भी लड़ाई हुई; वरन् तारों ने अपने अपने मण्डल से सीसरा से लड़ाई की (न्यायियो ५:२०)।

एक पासवान एक नये काम के लिए किसी एक चर्च में भेजा गया; वह चर्च बहुत सालो से बडा नही था। तो जब उसने शुरुवात की, तो उसने उपवास और प्रार्थना करने का निर्णय लिया। एक दिन, जब वह चर्च के भवन में प्रार्थना कर रहा था, तो उसने एक बहुत बडा जानवर, एक दानव देखा और जैसे ही वह उसकी ओर मुडा उस जानवर ने कहा, "मैं तुम्हें मेरे लोगो को मुझ से नही लेने लूँगा। मैं बहुत सालो से इस चर्च के नियंत्रण में रहा हूँ"। उत्तर में पास्टर ने कहा, "वे परमेश्वर के लोग है; वे तुम्हारे लोग नही है और तुम आज ही इस चर्च को छोडकर जाओगे और कभी नही लौटोगे"।

उस जानवर को गुस्सा आ गया और वह उनकी और दौडा; किंतु बिना डरे हुए पास्टर ने घोषणा की, "प्रभु यीशु मसीह के नाम में अभी बाहर निकल जा!" वह जानवर गिर गया और चर्च से दुमदबाकर भाग गया और कभी नही लौटा। अगली सभा में जब लोग चर्च में आएं तो उन्होंने परमेश्वर की स्तुति और आराधना वैसे की जैसे पहले कभी नही की थी। यह स्पष्ट था कि वहाँ आत्मा का नया काम हो रहा था, और उस चर्च में महान वृद्धि होने लगी। शैतान को बाहर खदेडा जा चुका था।

चर्च के सदस्यो को नही पता था कि चर्च के अंदर एक बुरा बल था जो लोगो को प्रभावित कर रहा था। किंतु परमेश्वर का धन्यवाद हो कि पास्टर को पता था कि सही सही क्या करना है। हमे "शत्रु"- शैतान के नामो में से एक नाम- से समझौता नही करना है (१पतरस ५:८)। यह आपको बहुत कुछ बताता है; वही है जो आपका हर वस्तु में विरोध करेगा। उसको अपने आसपास मत सहो या स्थान मत दो; वरन आक्रमण कीजिए।

इफिसियो ६:१२ कहता है, "क्योंकि हमारा यह मल्लयुध्द लहू और मांस से नहीं परन्तु प्रधानों से, और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से और उस दृष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं"। ध्यान दीजिए यह कहता है कि, "हमारा युद्ध ...से नही", ना कि "हम युद्ध बिल्कुल भी नही करते"। बहुत से लोग जीवन में संघर्ष करते है, उनके सपनो को बिना पूरा किए, नही जानते हुए कि वे एक युद्ध में है। जब आपके विरोध में बल काम कर रहे है, तो इसके पीछे कुछ है। इसलिए, उसको

इस्तेमाल कीजिए जो आपके पास है; यीशु के नाम को इस्तेमाल कीजिए। अपनी बाहो को मोड़कर खड़े होकर वस्तुओ को गलत होता हुआ मत देखिए, आत्मा में कार्य कीजिए; शत्रु को खदेडिए और उसको बनाये रखिए जो प्रभु ने आपको दिया है।

घोषणा

मैं घोषणा करता हूँ कि शैतान का मेरे जीवन और मेरे कामो में कोई अधिकार या स्थान नही है। प्रभु यीशु के नाम में सारी सामर्थ और अधिकार है। इसलिए उसके नाम में मैं सारे शत्रुओ और चुनौतियो के ऊपर विजय पाता हूँ।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 पतरस 5:8-9; 2 कुरुंथियो 10:3-5; इफिसियो 6:10-13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 12:18-44 & गिनती 20-21

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 25:1-12 & भजन संहिता 61-64

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

रविवार **8**

वचन सबसे महान संपत्ति है

अपने साथ वचनों को ले जा और यहोवा की ओर लौटकर, उससे कह, सब अधर्म दूर कर; अनुग्रह से हम को ग्रहण कर; तब हम धन्यवाद रुपी बलि चढाएँगे (होशे १४:२)।

वचन विश्व में सबसे बडी संपत्ति है, सोने और हीरे से कही ज्यादा मूल्यवान। वचनो– सही वचन- से अधिक कुछ भी आपके जीवन और परिस्थिती को बदल नही सकता और आपको जीवन में स्थायी विजय नही दे सकता। हर वह व्यक्ति जो इस सच्चाई को समझता और उसमें काम करता है वह जीवन के लिए तैयार है। बाइबल को पढिए: वे सारे महान व्यक्तित्व जिनके विषय में हम ने पढा और सराहना की, वे वचनों के द्वारा बने थे।

किसने दाऊद को बनाया या उठाया ? वचन! किसने दाऊद की गोलियत को हराने में सहायता की ? आप शायद कहे, "पाँच चिकने पत्थरो ने", नही; ये वचन थे। जब उसने उन पत्थरो को उठाया, तो उसने वचनों पर भरोसा किया, १शमूएल १७ को पढिए। वह गोलियत को हराने के लिए सुनिश्चित था क्योंकि उसने अपना विश्वास वचनों में रखा था।

वचन वस्तुएँ है; वे आत्मिक ऊर्जा की गुप्त ऊष्मा से भरे है। संपूर्ण विश्व वचनों के द्वारा बनाया गया था। और यीशु भी स्वंय में कौन है ? वचन! (यूहन्ना १:१)। यीशु उन वचनो का परिणाम है जो परमेश्वर के द्वारा बोले गए थे। पवित्रशास्त्रों में, मूसा को वचनो में महान व्यक्ति के रुप में परिभाषित किया गया था; उसी तरिके से यीशु को भी परिभाषित किया गया था।

वचनो में अपने जीवन का निवेश कीजिए। जितना कि आप सोने को ढूढ़ते और उसकी गुणवत्ता को जाँचते यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह सही है, उससे कही अधिक वचनो के लिए जाईये। अपने हृदय, अपने दिमाग और अपने जीवन को सही गुणवत्ता के वचनों से भरिए। अपने अंदर हर प्रकार के वचनो का समावेश मत कीजिए, क्योंकि वचन मारते है या जीवन देते है। कुलुस्सियो ३:१६ बताता है कि आपको किस तरह के वचनो को अपने अंदर भरना चाहिए। यह कहता है, "मसीह के वचन को अपने अंदर अधिकाई से बसने दो..."; उन्हें (परमेश्वर के वचनो को) अपने हृदय के बीच में रखिए (नीतिवचन ४:२१)।

कभी भी बाइबल को पढने और सीखने में और अपने अंदर परमेश्वर के वचनो को भरने के लिए व्यस्त मत हो जाईये। बुराई के दिन आपको इसी की आवश्यकता होगी, और

सफलता के एक असाधारण जीवन के लिए भी। हमारा आरंभिक वचन कहता है, "अपने साथ वचनो को लेकर जाओ"; आप अपने साथ वह नही ले जा सकते जो आपके अंदर नही है। इसलिए, अपने अंदर सबसे महान संपत्ति का निवेश करते रहिए: वचनो का! जब आप चुनौतियो का सामना कर रहे है, तो चिल्लाईये मत। परेशान मत होईये। वचनो को बोलिए। यीशु ने कहा तुम्हारे पास वह होगा जो तुम कहोगे (मरकुस ११:२३); इसलिए, बोलिए और एक बदलाव को लाईये। हालेलूयाह!

घोषणा

मेरा ह्रदय परमेश्वर के वचनो को ग्रहण करने के लिए एक उपजाऊ भूमि है, जो मुझ में परिणाम पैदा करता है, निर्विवाद विजयो और बदलावो को लाते हुए। मेरा जीवन परमेश्वर के विचारो, सिद्धांतो, दिशा और उस विधान की रेखा में है जो उसने मेरे लिए तैयार किया है। मेरा जीवन श्रेष्ठता और महिमा से भरा हुआ है, यीशु के नाम में। परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 18:21; सभोपदेशक 8:4; मत्ती 12:37

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 13:1-37 & गिनती 22-23

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 25:13-27 & भजन संहिता 65-66

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 9

आशीषो को लेकर जाने वाले पवित्र वाहक

और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊँगा, और तुझे आशिष दूँगा, और तेरा नाम महान् करूँगा, और तू आशीष का मूल होगा (उत्पत्ति १२:२)।

एक मसीही के रुप में आपके पास अवश्य रुप से एक आशीषीत व्यक्ति की चेतना होनी चाहिए। हमेशा घोषणा कीजिए कि आप आशीषित है और हर जगह महान रुप से कृपापात्र है, हर समय और परिस्थिती में। जब आपके पास इस तरह की चेतना होती है, तो अगर आपने किसी वस्तु के लिए आवेदन किया था या आप कहीं गए और अस्वीकार कर दिए गए थे, तो भी आप अविचलित रहेंगे। क्योंकि आप जानते है कि आप कौन है, और जिन्होंने आपको अस्वीकार किया है वे नही जानते है। अगर वे आपको जानते, तो उन्होंने आपको अस्वीकार नही किया होता।

सामरिया के कुएँ पर यीशु के विषय में सोचीए: जब उसने महिला से पानी माँगा तो उसने मना कर दिया। उसने कहा, "तू यहूदी होकर मुझ सामरी स्त्री से पानी क्यों माँगता है?" (यूहन्ना ४:९)। उसने यीशु को अस्वीकार कर दिया! क्यूँ? उसे नही पता था कि वह मसीहा से बातचित कर रही थी; किंतु स्वामी को बुरा नही लगा। उसने केवल उससे कहा, "...यदि तू परमेश्वर के वरदान को जानती, और यह भी जानती कि वह कौन है जो तुझसे कहता है, मुझे पानी पिला, तो तू उससे माँगती, और वह तुझे जीवन का जल देता" (यूहन्ना ४:१०)।

यीशु जानता था कि वह कौन था; इसलिए, वह अस्वीकारता से विचलित नही था। परमेश्वर की एक संतान को अस्वीकारा जा सकता है, अगर मसीह में उसका सच्चा स्वभाव अज्ञात है। वह भी शायद स्वंय को ना जानता हो। किंतु जब आप खोज लेंगे कि आप परमेश्वर के एक वारिस है, दैविय सच्चाईयो के ले जाने वाले पवित्र वाहक है, वस्तुएँ बदल जाएँगी। आप हर जगह निर्भिकता के साथ जाएँगे और अगर वे हर जगह आपको नकार भी दे तो आपको इससे कोई अंतर नही पडेगा। आप केवल कहेंगे, "अगर केवल वे मुझे जानते!"

परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, "मैं तुझे आशीषित करूँगा और तुझे एक आशीष बनाऊँगा।" आप अब्राहम का वंश है; इसका अर्थ है किसी स्थान में आपकी उपस्थिती से इस तरह का स्थान आशीषित हो जाता है। दैविय प्रभाव उन जगहो और लोगो पर आता है जहाँ आप जाते है और जिनके साथ आप बातचित करते है। आपके पीछे पीछे कुछ चलता

है; और इसे कहा जाता है, "आशीष"; अनुग्रह! जब आप एक बिल्डिंग में जाते है, तो उस घर में उद्धार आता है! आशीषे दिखना शुरु हो जाती है। धन्य है परमेश्वर!

क्योंकि नौकरी या बिजनेस का कॉन्ट्रैक्ट आपको नही मिला तो यह आपको हारा हुए व्यक्ति नही बनाता है; ऐसा नही हो सकता! आपका काम या व्यवसाय अपने विश्व को आशीष देने का आपका एक अवसर है; विश्व के लिए आपका एक रास्ता, ताकि आप अपने आपको और उन सिद्धताओ को दिखा सके जो परमेश्वर ने आपके सिस्टम के अंदर रखी है। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं आशीषों का एक दैविय पॅकेज हूँ; मैं मेरे विश्व में दैविय सच्चाईयो को फैलाता हूँ! मैं परिणामी और हर भले काम में फलदायी हूँ, सत्यनिष्ठा के फलो को लाता हुआ, उद्धार को लाते हुए और आत्मा की सिद्धताओ के साथ मेरे विश्व को सकारात्मक रुप से प्रभावित करते हुए। मैं जानता हूँ मैं कौन हूँ! हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

1 पतरस 2:9; इफिसियो 1:3; उत्पत्ति 12:2-3 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 14:1-26 & गिनती 24-26

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 26:1-11 & भजन संहिता 67-68

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मंगलवार **10**

माध्यमों के परे देखो

क्योंकि वन के सारे जीव – जन्तु और हजारों पहाड़ों के जानवर मेरे ही हैं। पहाड़ों के सब पक्षियों को मैं जानता हूँ, और मैदान पर चलने फिरनेवाले जानवर मेरे ही हैं (भजनसंहिता ५०:१०-११)।

ठीक जैसा कि हमारे आरंभिक वचन में वैसे ही हाग्गै २:८ में भी प्रभु ने पृथ्वी के सारे स्त्रोतो के ऊपर उसके प्रभुत्व को दिखाया यह कहते हुए, "चाँदी तो मेरी है, और सोना भी मेरा ही है, सेनाओ के यहोवा की यही वाणी है"। दाऊद ने भी इसके विषय में शब्दो में कंजूसी नही की, जैसे ही उसने सचेत रुप से माना कि प्रभु ही सारी वस्तुओ का निर्माता और स्वामी है: "पृथ्वी और जो कुछ उस में है यहोवा ही का है, जगत और उस में निवास करने वाले भी" (भजनसंहिता २४:१)।

अब इसका हमारे लिए क्या अर्थ है? इसका अर्थ है कि हम पृथ्वी की धनसंपदा के वैसे ही मालिक है जैसा महामई प्रभु है, क्योंकि हम उसके वारिस है। रोमियो ८:१७ कहता है, "और यदि सन्तान हैं तो वारिस भी, वरन् परमेश्वर के वारिस और मसीह के संगी वारिस हैं, ..."। दु:खद रुप से, इस सच्चाई के बावजूद, बहुत से मसीही अपने आपको अभी भी आर्थिक रुप से संघर्ष करता हुआ पाते है, उनके सपने को पूरा करने में अयोग्य। उनकी परेशानि ज्यादातर अज्ञानता है। वे अज्ञान है कि परमेश्वर, जो उनका स्त्रोत है, उनमें रहता है, उसके परिणामस्वरुप सारी समृद्धि, पैसा, या धन इत्यादि जिसकी उन्हें आवश्यकता है, वह उनके अंदर से ही बाहर आएगी।

२पतरस १:३ कहता है, "क्योंकि उसकी ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखता है, हमें ... दिया है... "। आपका धन आपके अंदर है; इसे बाहर लाईये। यीशु ने मत्ती १२:३५ में कहा, "भला मनुष्य मन के भले भण्डार से भली बातें निकालता है, ..."। दु:ख मत मनाईये कि आप अपने प्रोजेक्ट को पूरा नही कर पा रहे है और उसका कारण यह है कि आपको तनख्वाह या हिस्सा नही दिया गया है। वे केवल माध्यम है, किंतु परमेश्वर आपका स्त्रोत है। और जो कुछ आपको चाहिए वह उसने मसीह यीशु में उपलब्ध करा दिया है।

अपने धन को ऐसी किसी भी वस्तु के द्वारा सीमित करना मना कर दीजिए जो आप देखते है, या दिखाई देने वाले पृथ्वी के स्त्रोत। सच्चाई यह है कि पृथ्वी का कोई भी स्त्रोत नही है; वे सब माध्यम है, और आपको अवश्य ही उन माध्यमों के परे देखना है! आपका

एक और एकमात्र सच्चा स्त्रोत आपका स्वर्गीय पिता है, और आप उसकी अनंत आपूर्ति से जुडे हुए है, जहाँ पर आप कभी सूखते नही है। वह महान अन्नदाता है और वह आप में रहता है। अगर आपको व्यवसाय के लिए कोई जगह चाहिए थी या अपने प्रोजेक्ट के लिए पैसा चाहिए था, तो सबसे पहले इसे अंदर से बाहर निकालिये! जब बात पैसे की बात आती है तो सरकार, मनुष्यो, अपने मालिक और परिवार के सदस्यो के परे देखिए। वे शायद माध्यम हो सकते है, किंतु आपका स्त्रोत केवल प्रभु है। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ क्योंकि मेरे पेट से धन और संपदा की नदियाँ बहती है। मैं अपने आंतरिक मनुष्य से अटल धन, संपदा, सामर्थ, स्वास्थ, और विजय को पैदा करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 कुरुंथियो 8:6 AMPC; यिर्मयाह 17:5-8 NIV

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 14:27-52 & गिनती 27-28

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 26:12-23 & भजन संहिता 69-70

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार **11**

अपने "एओन" को बनाओ

विश्वास ही से हम जान जाते हैं कि सारी सृष्टि की रचना परमेश्वर के वचन के द्वारा हुई है... (इब्रानियो ११:३)।

"सृष्टि" के रुप में ऊपर अनुवादित ग्रीक शब्द "एओन" है और उसका अर्थ "जीवन की दिशा है"; एक व्यक्ति के जीवन की सरंचना और प्रबंधन; वस्तुएँ आपके साथ और हर दिन आपके आसपास कैसी होती है, और वे कैसे आपकी आशा और अभिलाषाओ को प्रभावित करती हैं। हमारा आरंभिक वचन दिखाता है कि विश्वास और परमेश्वर के वचनो के द्वारा आप अपने जीवन की दिशा को परमेश्वर की योजनाओ के साथ मेल में ला सकते है और वह सब बन सकते है जो वह चाहता है कि आप बने।

हमारे आरंभिक वचन को दोबारा से पढिए, यह कहता है विश्वास के द्वारा, विश्व की व्यवस्थाएं, जिसका अर्थ आर्थिक-सामाजिक सरंचनाओं और वातावरण प्रबंधन से है, वे सब परमेश्वर के मुँह से आए वचनों के द्वारा बनाए गए थे। यह भविष्यद्वाणी की सामर्थ है! आज का विश्व सालो पहले बोले गए भविष्यद्वाणी के शब्दो के द्वारा बनाया गया था।

अब, अगर मनुष्यो और समाजो की एक के बाद एक पीढियाँ परमेश्वर के भविष्यद्वाणी के वचनो के द्वारा बनाई गई थी, और हम उसके स्वरुप में जन्मे है, तो यह हमे दिखाता है कि हमारे पास यह निर्धारित करने का अधिकार है कि हमारे जीवनो में और हमारे विश्व में क्या होना चाहिए। आपको अपने जीवन को पुन:प्रोग्राम करना है और अपने भविष्य को उन शब्दो के द्वारा बनाना है जो आप बोलते है। अगर आप इसको नही कर रहे है, तो आज से अपने जीवन को बनाना शुरु कर दीजिए, अपने विश्व को, अपने समयो को! अगले दस, बीस, तीस साल में आप किस प्रकार का जीवन जीना चाहते है? यह सब आप पर निर्भर है।

बहुत से लोग जो कर्जे में है, हार गए है, उदास है, बीमार है, या आज कुंठा में है, उन्होंने बहुत साल पहले उनके वचनो के द्वारा उनके जीवनो को ऐसा ही बनाया था। अगर यह आपके साथ हो गया है, तो अच्छा समाचार यह है कि आप वचनो के द्वारा अपने जीवन को पुन:प्रोग्राम कर सकते है, और सबसे पहले इसकी शुरुवात होती है अपने सोचने के तरिके को बदल कर। पौलुस प्रेरित ने रोमियो १२:२ में कहा, "इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे दिमाग के नये हो जाने से तुम भी बदलते जाओ, जिससे तुम परमेश्वर

की अच्छी, और ग्रहणयोग्य, और सिद्ध इच्छा को बता सको"।

वचन की सेवकाई के द्वारा, आप एक मेटार्मोफोसिस का अनुभव करेंगे – अपने जीवन और परिस्थितीयों में महिमा से महिमा के एक बदलाव को। आप अवैध आदान प्रदान का निरिक्षण करने और उन्हें रोकने के योग्य हो जाएँगे जैसे कि बीमारी, गरीबी, मृत्यु, हार इत्यादि को; अपने "एओन" से – अपने जीवन के रास्ते से। धन्य है परमेश्वर!

घोषणा

मेरा दिमाग वचन के द्वारा परिवर्तित है सही विचारो को सोचने और सही शब्दो को बोलने के लिए, जो मेरे जीवन और परिस्थिती को बदलते है। मेरे जीवन की योजना और प्रबंधन मेरे लिए परमेश्वर की सिद्ध इच्छा के साथ मेल में है और मैं स्वास्थ, शांति और हर दिन प्रचुरता में रहता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यहोशू 1:8; इब्रानियो 11:1

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 14:53-72 & गिनती 29-31

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 26:24-32 & भजन संहिता 71-72

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 12

मसीह में आपकी नई पहचान

हे परमेश्वर के नगर, तेरे विषय महिमा की बातें कही गई हैं (भजनंसहिता ८७:३)।

वचनो में नई सृष्टि की बहुत ही सुंदर और महिमामय परिभाषाएँ है। यही कारण है कि आपको अवश्य ही अपनी बाइबल को पढना चाहिए उन महिमामय वस्तुओ को जानने के लिए जो वचन में आपके लिए बोली और लिखी गई है। परमेश्वर ने आपको किस नाम से पुकारा है? उस नाम का उत्तर दीजिए, क्योंकि अगर आप नही देंगे तो आप अपने आपको धोखा देंगे।

उत्पत्ति १७:५ में परमेश्वर ने अब्राम से कहा, "इसलिये अब से तेरा नाम अब्राम न रहेगा, परन्तु तेरा नाम अब्राहम होगा; क्योंकि मैं ने तुझे जातियों के समूह का मूलपिता ठहरा दिया है"। "अब्राम" का अर्थ था उठाया गया पिता, किंतु परमेश्वर के पास उसके लिए एक दूसरी योजना थी और उसने उसे "बहुत से देशो का पिता" पुकारा।

अब्राहम ने तुरंत ही अपनी नई पहचान और वास्तविकता के साथ समझौता किया, और अपने आपको इस नये नाम से पुकारना शुरु कर दिया। बहुतो ने शायद अब्राहम की मजाक उडाई हो जब उसने अपना नाम बदला। याद कीजिए कि कैसे उसकी पत्नी सारा बाँझ थी, एक बहुत ही आशाहीन स्थिती।

किंतु अब्राहम परमेश्वर के वचन के द्वारा पूरी तरह से मान चुका था और उसने अपने आपको उस नाम से पुकारा जो परमेश्वर ने उसे दिया था। उसी तरिके से, आपको भी परमेश्वर और उसके वचनो के साथ सहमत होना सीखना है। मसीह में अपनी नई पहिचान और वास्तविकता को ग्रहण कीजिए। उसने आपको पवित्र, सत्यनिष्ठ, समृद्ध, विजयी, और एक जयंवत से बढकर, इत्यादि कहा है । परमेश्वर के साथ सहमती में चलिए, आपके विषय में उसकी परिभाषा और सोच के साथ।

जब पौलुस इफिसुस के मसीहो को संबोधित करना चाहता था तो उसने उनको संत कहा, और मसीह यीशु में वफादार कहा (इफिसियो १:१)। यह आपकी भी परिभाषा है। अगर आप एक संत नही है, तो इसका मतलब है कि आप नये जन्मे नही है, क्योंकि संत वे है जो नये जन्मे है। कुलुस्सियो १:२२ में, उसने आपको पवित्र, निष्कलंक, और दोषरहित कहा है। उन सच्चाईयो के प्रकाश में चलिए और इनको मानिए और आप सत्यनिष्ठा की

अपनी विश्वास-यात्रा में हमेशा परिणामी होंगे।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं मसीह में मेरी नई वास्तविकता और पहचान को मानता हूँ। मैं एक संत हूँ, मैं पवित्र हूँ, निर्दोष और आपकी दृष्टि में निष्कलंक हूँ, क्योंकि मैं नया जन्मा हूँ, मेरी आत्मा में आपकी सत्यनिष्ठा के स्वभाव के साथ। मैं जीवन की परिस्थितीयों के ऊपर संपूर्ण स्वामित्व में जीता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 पतरस 2:9; इफिसियो 2:10 AMPC; कुलुस्सियो 1:22-23

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 15:1-20 & गिनती 32-33

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 27:1-8 & भजन संहिता 73

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार **13**

विजय और संभावनाओ को देखिए

पर कालेब ने मूसा के सामने प्रजा के लोगों को चुप कराने के विचार से कहा, हम अभी चढ़ के उस देश को अपना कर लें; क्योंकि नि:सन्देह हम में ऐसा करने की शक्ति है (गिनती १३:३०)।

गिनती १३ परमेश्वर की कहानी बताता है, जिसने मूसा को निर्देश दिया कि वह कनान देश में जासूसी करने के लिए हर जाति से एक मनुष्य को भेजे। इन बारह मनुष्यो को कनान में घुसना था और मूसा को आकर बताना था। किंतु, जब वे उनकी जासूसी की खबर लेकर कैंप में वापिस लौटे, तो उन सबने बताया कि कनान का देश बहुत ही सुंदर देश है – एक देश जो दूध और शहद से भरा हुआ है – और उन्होंनें प्रमाण के रुप में इसके कुछ फलो को भी दिखाया।

किंतु, दु:खद रुप से, बारह जासूसो में से दस ने उनकी कमजोरी के ऊपर आँसू बहाए और बताया कि कैसे कनान के रहने वाले बहुत तगडे है, बहुत बडे है, और उनके शहर भी घेराबंद है। इस से भी ज्यादा भयानक, वे रोए कि कैसे डरो ने उनके हृदयों को पकड लिया, जब उन्होंने उस देश के अनाकवंशियों को देखा। गिनती १३:३१, ३३ में उनकी दु:खद रिपोर्ट को पढिए।

इस समाचार ने कि कैसे वह देश उसके रहने वालो को खा जाता है, इस्राएलियो के हृदय में निरुत्साह को भर दिया। किंतु उनमें से दो जासूस – कालेब और यहोशू ने अलग तरिके से बात की। उन्होंने विजय और संभावनाओ को देखा; इसलिए, उन्होंने लोगो को बीच में यह कहते हुए टोका कि, "...हम अभी चढ़ के उस देश को अपना कर लें; क्योंकि नि:सन्देह हम में ऐसा करने की शक्ति है" (गिनती १३:३०)। उन्होंने सभा से यह भी कहा, "केवल इतना करो कि तुम यहोवा के विरुध्द बलवा न करो; और न उस देश के लोगों से डरो, क्योंकि वे हमारी रोटी ठहरेंगे; छाया उनके ऊपर से हट गई है, और यहोवा हमारे संग है; उन से न डरो" (गिनती १४:९ एम.एस.जी.)।

कभी भी अपने शत्रुओ या विरोधियो से भयभीत मत होईये। उदाहरण के लिए अगर आप एक व्यवसायी है, तो गहरे विचारो में मत जाईये कि कैसे आपके प्रतिद्वंदी बहुत प्रभावशाली है या कभी भी अपने आसपास के बड़े कंपनियों के समूह के द्वारा भयभीत मत हो जाईये। कभी भी मल्टिनेशनल ब्लू-चिप कम्पनियो के द्वारा अविचलित मत होईये जिनसे आपको संघर्ष करना पडेगा। आप अब्राहम का वंश है; इसलिए, आपके पास लाभ है।

अलग तरिके से देखिए और बातचित कीजिए। आत्मा की आँखो से देखिए। वचनो

के द्वारा देखिए। चाहे आप कितने भी बडी चुनौतियो का सामना क्यूँ ना करे अपनी विजय, सफलता, अपनी बढोत्तरी, अपनी उन्नति को देखिए। परमेश्वर की स्तुति हो!

प्रार्थना

मैं केवल विजय और संभावनाओं को देखता हूँ; मैं निर्भिक और साहसी हूँ। मैं उन चुनौतियो और परिस्थितीयो के बावजूद जीतता हूँ जिनका मैं सामना करता हूँ; वे मेरे लिए "रोटी" है। जैसे ही मैं अपना केंद्र परमेश्वर के अटल और अनंत वचन पर लगाता हूँ, मैं निरंतर विजय, स्वास्थ, समृद्धि, सफलता और सत्यनिष्ठा में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

गिनती 13:25-30; 2 कुरुंथियो 4:18 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 15:21-47 & गिनती 34-36

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 27:9-20 & भजन संहिता 74

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **14**

निरंतर रुपांतर

और नए मनुष्यत्व (आत्मिक मनुष्य) को पहिन लिया है, जो अपने सृजनहार के स्वरूप के अनुसार ज्ञान (पूर्ण और अधिक सिध्द ज्ञान के साथ) प्राप्त करने के लिये नया बनता जाता है (कुलुस्सियो ३:१०ए.एम.पी.सी)।

ऊपर के शब्द में जो ग्रीक शब्द "नया बनता" में अनुवादित किया गया है वह क्रिया "अनाकाइनू" है, और इसका मतलब है एक गुणात्मक अंतर, नयेपन और गुणवत्ता में। यह वह शब्द है जो २कुरिंथियो ३:१८ में एक महत्वपूर्ण शब्द को समझाता है: "परन्तु जब हम सब के उघाडे चेहरे से प्रभु का प्रताप इस प्रकार प्रगट होता है, जिस प्रकार दर्पण में, तो प्रभु के द्वारा जो आत्मा है, हम उसी तेजस्वी रूप में अंश अंश करके बदलते जाते है"।

जो ग्रीक शब्द "बदलते" में अनुवादित है वह "मेटामॉरफू है"; एक अवस्था, प्रकार, गुणवत्ता या महिमा में एक निरंतर परिवर्तन। किंतु यह कैसे होता है? यह ज्ञान के द्वारा होता है, संपूर्ण और सटिक ज्ञान (ग्रीक: "एपिग्नोसिस")। यह केवल जानपहचान मात्र या दूर का ज्ञान नही है, किंतु वह है जो ज्ञात से जोडता है। आप परमेश्वर के इस संपूर्ण ज्ञान में नये होते जा रहे है जो आप मनन और दर्शन के द्वारा प्राप्त करते है।

"एपिग्नोसिस"में आप जो जानते है आप वह बन जाते है; वह ज्ञान जो आपके जीवन को बदलने की गारंटी देता है। जैसे ही आप परमेश्वर के वचन को अपने अंदर ग्रहण करते है, आपकी आत्मा नई, ताजी, चमकदार होती है; आप और अधिक चमकते है! यही कारण है कि आपको परमेश्वर के वचन को अपने अंदर अधिकाई से बसने देना चाहिए, क्योंकि जितना अधिक आप उसको जानते है उतना ही अधिक आत्मा की महिमा, अनुग्रह, बुद्धि और प्रभावशीलता आपके जीवन में दिखाई देगी और बढ जाएगी।

प्रभु यीशु यूहन्ना ६:६३ में कहा, "आत्मा तो जीवनदायक है, शरीर से कुछ लाभ नहीं; जो वचन मैं ने तुम से कहे हैं वे आत्मा हैं, और जीवन भी है"। यह केवल परमेश्वर का वचन है जो मानविय आत्मा को प्रभावित, परिवर्तित, चमकदार और महिमामय कर सकता है।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ वचन के ज्ञान के लिए और उस परिवर्तन के लिए जो यह मेरी आत्मा में लाता है। जैसे ही मैं वचन पर मनन करता हूँ, मेरा हृदय और मेरा दिमाग खुला हुआ है वचन के साथ एक गहरी और संपूर्ण और अंतरंग सहभागिता करने के लिए। इसलिए, मैं अनुग्रह में बढता हूँ और निरंतर आपकी महिमा, सामर्थ, सुंदरता और सिद्धता मुझमें और मेरे द्वारा दिखाई देती है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 1:17; रोमियो 12:2 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

मरकुस 16:1-20 & व्यवस्थाविवरण 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 27:21-31 & भजन संहिता 75-77

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

रविवार 15

स्वर्गीय शब्द

क्योंकि मैं ने अपनी ओर से बातें नहीं कीं; परन्तु पिता जिसने मुझे भेजा है उसी ने मुझे आज्ञा दी है कि क्या क्या कहूँ और क्या क्या बोलूँ। और मैं जानता हूँ कि उसकी आज्ञा अनन्त जीवन है। इसलिये मैं जो कुछ बोलता हूँ, वह जैसा पिता ने मुझ से कहा है वैसा ही बोलता हूँ (यूहन्ना १२:४९-५०)।

यीशु हमे ऊपर के वचन में बताता है कि उसके वचन पिता की आज्ञा है; हर वह बात जो उसने कही वह पिता से आई थी। दूसरे शब्दो में, पिता ने उसको आज्ञा दी कि उसे क्या कहना है और क्या बोलना है। जो उसने अगले वचन में कहा वह बहुत ही उत्साहीत है। उसने कहा, "और मैं जानता हूँ कि उसकी आज्ञा अनन्त जीवन है। इसलिये मैं जो कुछ बोलता हूँ, वह जैसा पिता ने मुझ से कहा है वैसा ही बोलता हूँ" (यूहन्ना १२:५०)। अद्भुत!

यूहन्ना २०:२१ में यीशु ने कहा,"...तुम्हें शान्ति मिले; जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं भी तुम्हें भेजता हूँ"। ध्यान दीजिए वह केवल याकूब, यूहन्ना, पतरस या दूसरे प्रेरितो से ही बात नही कर रहा था किंतु आज हम से भी। इसलिए, जिस तरिके से, उसने पिता के वचनो को कहा वैसे ही हमे भी स्वर्गीय शब्दो को कहना है, दैविय शब्दो को। हमे एक आज्ञा दी जा चुकी है कि हम क्या कहे और हम क्या बोले।

मसीहत में, हम अपने लिए नही जीते है; हम उसके लिए जीते है। हम अपने लिए या अपने आपसे नही कहते है; हम उसके लिए बोलते है, और उससे बोलते है, ठीक यीशु की तरह। हमे बोलने के लिए वचन दिए गए है। इब्रानियो १३:५-६ कहता है, "...उसने कहा है....ताकि हम निर्भिकतापूर्वक कह सके"। ठीक यीशु की तरह स्वर्गीय शब्दो को बोलिए, और स्वर्ग का जीवन पृथ्वी पर जीएँ।

परमेश्वर ने दैवियता को आपके शब्दो के द्वारा मुक्त होने की योजना बनाई है! वचन असीमित और अनंत है; वे आत्मा के स्तर में जाते है। आप उन्हें अपने कमरे से बोल सकते है और इसका प्रभाव पूरे विश्व में कहीं भी हो सकता है। इसलिए, जब आपके पास एक स्थिती होती है, तो वचन पर मनन कीजिए; अपनी आत्मा को वचन में डुबोइये जब तक कि वचन आपके मुँह से बाहर ना आ जाएँ; स्वर्ग से दैविय वचन! हालेलूयाह!

प्रार्थना

मेरा जीवन परमेश्वर के अनुग्रह की गवाही है। उसकी दया और करुणा हर दिन मुझे घेरे रखती है! मैं आज उसकी महिमा और सिद्धता में चलता हूँ, उसकी सत्यनिष्ठा को दिखाते हुए और आत्मा के प्रभावो को लगाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मरकुस 11:23; नीतिवचन 6:2; रोमियो 10:9-10

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 1:1-25 & व्यवस्थाविवरण 3-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 27:32-44 & भजन संहिता 78

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार **16**

किसी का भी उद्धार हो सकता है

परन्तु यदि हमारे सुसमाचार पर परदा पड़ा है, तो यह नष्ट होनेवालों ही के लिये पड़ा है: और उन अविश्वासियों के लिये, जिन की बुध्दि इस संसार के ईश्रवर ने अंधी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके (२कुरिंथियो ४:३-४)।

हमारा आरंभिक वचन बहुत निर्देशात्मक है; यह उस कारण को बताता है जिसकी वजह से कुछ लोग यीशु मसीह को अपना ह्रदय देने में कठिनाई पाते है; इसके पीछे शैतान है। एक बार, मैंने एक ऐसे व्यक्ति के लिए प्रार्थना की जो यीशु को अपना जीवन देना चाहता था, किंतु वह यीशु के प्रभुत्व की घोषणा करने में हिचकिचा रहा था। मुझे पता था परेशानि क्या थी। तो मैंने कहा, "यीशु के नाम में, तुम झूठ बोलनेवाले शैतान, इससे बाहर निकल जाओ!" तुरंत ही, उसने अपना मुँह खोला और यीशु मसीह के प्रभुत्व की घोषणा की, और वह नया जन्मा हो गया। परमेश्वर की महिमा हो!

ऐसे लोग है जो यीशु को अपना जीवन नही देंगे क्योंकि शैतानी आत्मा उनको ऐसा नही करनी देगी। यही कारण है कि खोए हुओ के लिए मध्यस्था करना महत्वपूर्ण है, और शैतान और उनके ह्रदय से अंधकार को डाँटकर भगाना है, ताकि वे मसीह के महिमामय सुसमाचार के प्रकाश को ग्रहण कर सके। इस तथ्य के बारे में सोचीए कि एक व्यक्ति ने अपना घर छोडा, चर्च जाने के लिए, किंतु जैसे ही वह चर्च के दरवाजे पर पहुँचा, वह अंदर नही गया। भाईयो ने उसे हर तरिके से समझाने की कोशिश की कि वह चर्च में आ जाएँ, किंतु वह माना ही नही। एक बुरी आत्मा जो पूरे जीवन उसके पीछे चली थी वह उसको कहीं भी जाने दे सकती थी, पर चर्च में नही।

किंतु, जब वह दरवाजे पर था, तो परमेश्वर का वचन चर्च के अंदर सीखाया जा रहा था। और तुरंत ही, वह शांत हो गया और सभा में अंदर गया। जिन लोगो ने उसे मनाने की कोशिश की थी वह उसके दिमाग में आए इस अचानक बदलाव को देखकर अचंभित हो गए, उसने उनसे कहा, "एक आत्मा मुझ में से बाहर निकली"।

सोचीए कितने लोग चर्च में आना चाहते है या मसीह को अपना जीवन देना चाहते है, किंतु वे शैतान के द्वारा रोके जा रहे है। किंतु यही पर हमारा काम है। यीशु ने हमे शैतानों को खदेडने का अधिकार दिया है (मरकुस १६:१७); यह हमारी दैवियता का एक चिन्ह

है। इसलिए, सुसमाचार का प्रचार करने में अगर आप ऐसे लोगो से मिलते है जो कि संदेश का विरोध करते है, उनके लिए मध्यस्था कीजिए, और शैतान उनके ऊपर अपना बंधन छोड देगा। किसी पर भी हार मत मानिए, क्योंकि कोई भी मसीह के सुसमाचार को ग्रहण कर सकता है और बच सकता है।

प्रार्थना

आशीषित पिता मैं आपका धन्यवाद देता हूँ, उस मसीह के महिमामय सुसमाचार के प्रकाश के लिए जो पृथ्वी को भरता है, जिसके द्वारा आत्माओ का एक महान उद्धार होता है! शैतान की सामर्थ और प्रभाव तोडा गया है और बहुतो के हृदय और दिमाग राज्य के सुसमाचार को ग्रहण करने के लिए तैयार है। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

2 कुरुंथियो 4:3-4 AMPC; 1 तीमुथियुसले 2:1-5 CEV

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 1:26-56 & व्यवस्थाविवरण 5-7

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 28:1-10 & भजन संहिता 79-80

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

हर वस्तु उसके नाम के आधीन है

जो कुछ तुम मेरे नाम मे माँगोगे, वही मैं करूँगा कि पुत्र के द्वारा पिता की महिमा हो। यदि तुम मेरे नाम में कुछ माँगोगे, तो मैं उसे करूँगा (यूहन्ना १४:१३-१४)।

उसके स्वर्गारोहण के पहले प्रभु यीशु ने कहा, "... स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाओ, और सारे देशो को सीखाओ, और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दो"(मत्ती २८:१८-१९)। स्वर्ग और पृथ्वी में सारा अधिकार यीशु को दिया जा चुका है। हर वस्तु जो इस विश्व में और इसके परे है वह यीशु के नाम के आधीन है। इसका क्या अर्थ है? इसका अर्थ है कि हर वस्तु आपके आधीन है, क्योंकि आप उसके नाम में जीते है। उसका नाम आपका है।

जब आप उसके नाम में बोलते है, तो आपके शब्दो में वही सामर्थ और अधिकार है जैसे कि ठीक यीशु ही था जो बोल रहा था। उसके नाम के पास हर जगह सामर्थ है। इसके पास सरकारो, शैतानो, प्रधानताओ और ताकतो के ऊपर सामर्थ है। हालेलूयाह! उस नाम को इस्तेमाल कीजिए।

हमारे आरंभिक वचन को दोबारा पढिए। यह यीशु के नाम में मॉग रखने की बात कर रहा है और सारी वस्तुओ को आपके आधीन लाने की। पतरस ने इस पर कार्य किया जब उसने जन्म से पंगु मनुष्य से कहा, "यीशु मसीह नासरी के नाम में उठ और चल"। फिर उसने पंगु इंसान को दाएँ हाथ से पकडकर ऊपर उठाया, और उसके टखनो में बल आ गया और वह परमेश्वर की सामर्थ के द्वारा चंगा हो गया (प्रेरितो के काम ३:६-८)।

आपके पास अब तक की सबसे महान आशीष और उपहार है; यीशु का नाम; इसे हर दिन और हर जगह इस्तेमाल कीजिए। जब आप यीशु के नाम में एक मॉग रखते है या उसके नाम में आदेश देते है, तो वह सुनिश्चित करता है कि यह हो जाएँ। उसका नाम हर परेशानि का समाधान है। इससे नही अंतर पडता है कि आप किस परेशानि में है; घोषणा कीजिए, "प्रभु यीशु मसीह के नाम में, मैं जयवंत से बढकर हूँ। हर वस्तु मेरे आधीन है। धन्य है परमेश्वर!" उसके नाम के साथ, आप कभी भी हार नही सकते; आपके पास शैतान और अंधकार की ताकतो के ऊपर अधिकार है। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं सफलता, विजय और जय के रास्ते में चलता हूँ क्योंकि मैं काम और सारी वस्तुओ को यीशु के नाम में करता हूँ। मेरा जीवन महिमा और श्रेष्ठता के लिए है; मैं विजयी रुप से जीता हूँ और जीवन की परिस्थिती और स्थितीयो के ऊपर प्रबलता पाता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 28:18-20; लूका 10:17-19; फिलिप्पियो 2:8-11

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 1:57-80 & व्यवस्थाविवरण 8-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 28:11-20 & भजन संहिता 81-82

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार 18

मसीह में डूबे हुए

और तुम में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है उन्होंने मसीह को पहिन लिया है (गलातियो ३:२७)।

यह वचन दो अलग अलग घटनाओ को बताता है। पहला है मसीह में बपतिस्मा और दूसरा है मसीह को पहनना। मसीह में बपतिस्मा का अर्थ है पानी में पानी; अटूट एकता। मसीह को पहनने का मतलब है उसके नये वातावरण और चरित्र में जीना। आप पूरी तरह से उसमें डूब गए है कि आपके विषय में केवल मसीह ही है और वही आपमें दिखाई देता है।

अब यह आपकी वास्तविकता है; आपने अपने नये जन्म के कारण मसीह को पहन लिया है; आप उसमें है और वह आपमें है: "...हम उसमें रहते है और वह हम में..." (१यूहन्ना ४:१३)। कुलुस्सियो ३:३-४ कहता है कि आपका जीवन परमेश्वर में मसीह में छिपा हुआ है, और मसीह आपका जीवन है। हालेलूयाह! इसको अपनी चेतना और घोषणा बना लीजिए। अधिकतर कहिए, "मसीह मेरा जीवन है। मसीह मेरे रहने का स्थान है। मैं एक मसीह नामक वातावरण में रहता हूँ।"

२कुरिंथियो ५:१७ कहता है, "...अगर कोई व्यक्ति मसीह में है..." । यह एक स्थान है, यह महिमा का स्थान है, बीमारी, रोग, दुर्बलता, डर, अविश्वास और अंधेरे की कोई भी वस्तु मसीह में नही पाई जा सकती। जब आप मसीह में आ जाते है, तो कमी, हार, और टूटी हुई मानवता परमेश्वर के स्वभाव के साथ बदल दी जाती है; आप सत्यनिष्ठा, सम्मान, शांति और महिमा में आते है। आप मरे हुए थे, किंतु आप उसमें जीवित हो जाते है।

इसके विषय में सोचीए: क्योंकि आप मसीह में डूबे हुए है, और आपके जीवन में हर वस्तु मसीह में है, तो कैसे कहा जा सकता है कि आपके अंदर एक असाध्य बीमारी है? कैसे आपके अंदर एक लहू या हृदय की बीमारी हो सकती है? यह सभवं नही है! परेशानियॉ, अंधकार, गरीबी, दर्द और चुनौतियाँ जो आपके स्वाभाविक मानविय जीवन के साथ संबंधित थे, वे सब मसीह में बीत चुके है।

२कुरिंथियो ५:१७ का बाद का भाग कहता है कि, "...देखो, सारी वस्तुएँ नई हो गई है"। परमेश्वर चाहता है कि आप देखे, पहचाने, और इस चेतना को रखे कि अब आप एक नये वातावरण में है, एक नये मसीह नामक घर में, जहाँ पर आपके जीवन के विषय में हर वस्तु उत्कृष्ट है; श्रेष्ठ और महिमा से भरी हुई है! इसलिए, निर्भिकता और

बिना डर के चलिए, विश्वास और आश्वासन से भरे हुए, क्योंकि आप मसीह में है; सारी बुराई से दैविय रुप से सुरक्षित और विजयी बनाए गए। हालेलूयाह!

घोषणा

मेरा जीवन परमेश्वर में मसीह में छिपा हुआ है; मैं पूरी तरह से उसमें डूबा हुआ हूँ। मेरे जीवन के विषय में हर वस्तु उत्कृष्ट है; श्रेष्ठ और महिमा से भरी हुई है! मैं निर्भिकता और बिना डर के चलता हूँ, विश्वास और आश्वासन से भरा हुआ, सारी बुराई से दैविय रुप से सुरक्षित और मसीह में विजयी बनाया गया!

अतिरिक्त अध्ययन:

कुलुस्सियो 3:3-4; 1 कुरुंथियो 6:17; गलतियो 2:20

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 2:1-20 & व्यवस्थाविवरण 11-12

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 28:21-31 & भजन संहिता 83-84

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 19

वचन हमेशा अटल है

आकाश और पृथ्वी टल जाएँगे, परन्तु मेरा वचन कभी नही टलेगा (मत्ती २४:३५)।

परमेश्वर का वचन हमेशा अटल है; आपके अनुभवो से कहीं ज्यादा अटल। भजनंसहिता १८:३० कहता है, "परमेश्वर का मार्ग सिध्द है; यहोवा का वचन ताया हुआ है; वह अपने सब शरणागतों की ढाल है"। एक वस्तु जिसका आपको सचेत रुप से अभ्यास करना है वह है कि परमेश्वर को उसके वचन पर लेना; उसके वचन पर कार्य करना, चाहे आप अपने आपको किसी भी स्थिती या परिस्थिती में क्यूँ ना पाए। उसके वचन में अखंडता है।

उसने यशायाह ५५:११ में कहा, "उसी प्रकार से मेरा वचन भी होगा जो मेरे मुख से निकलता है; वह व्यर्थ ठहरकर मेरे पास न लौटेगा, परंतु जो मेरी इच्छा है उसे वह पूरा करेगा और जिस काम के लिये मैं ने उसको भेजा है उसे वह सफल करेगा"। हो सकता है यह स्वास्थ की परेशानि है जिसके साथ आप जूझ रहे है; वचन आपकी दैविय स्वास्थ की गारंटी देता है। अपनी चंगाई के लिए परमेश्वर के सामने रोने और भीख माँगने की आवश्यकता नही है; उसने आपको पहले ही चंगाई से बेहतर कुछ दे दिया है – आपमें उसका जीवन। यह बीमारी, रोग और दुर्बलता के ऊपर प्रबलता के एक जीवन का आपका अधिकार और आश्वासन है।

परमेश्वर के वचन में विश्वास रखिए। मानिए कि जो वह कहता है वह सच है, और फिर उसके अनुसार काम कीजिए। संपूर्ण पवित्र शास्त्र हर उस वस्तु का इतिहास बताता है जो कि मसीह के उद्धार के कामो से जुडी हुई है, और उस परिणाम को जो उसने आपके बदले में किया और वह वाचा जो उसने उसकी मृत्यु में पूरी की। ना केवल यह घटनाएँ सच्ची और भरोसेयोग्य है, वह हमे जीने के लिए दी गई है।

इसलिए, इससे अंतर नही पडता है कि आप कैसा महसूस करते, सुनते, देखते, या आपके अनुभव कैसे रहे है; बाइबल कहती है, "हमारे पास जो भविष्यद्वाणी का एक दृढ़ वचन है, तुम यह अच्छा करते हो जो यह समझकर उस पर ध्यान करते हो कि वह एक दीया है, जो अन्धियारे स्थान में उस समय तक प्रकाश देता रहता है तब तक कि पौ न फटे और भोर का तारा तुम्हारे हृदयों में न चमक उठे" (२पतरस १:१९)। आपके अनुभवो से बढकर कुछ ज्यादा भरोसेमंद है; उस दर्द से अधिक जिसका आप अनुभव कर रहे है; यह उसके अनुग्रह का वचन है। परमेश्वर के वचन को थामे रहिए। शायद बाहर से वस्तुएँ बदलती हुई दिखाई ना दे, किंतु उस स्थिती के विषय में वचन की घोषणा करते रहिए, जब

तक विश्वास आपके अंदर ऊँची लहर की तरह उठता नही है। विश्वास वचन को जीवन की स्वाभाविक परिस्थितीयो के ऊपर मानता और उठाता है। यही कारण है कि यह बहुत जरूरी है कि आप निरंतर वचन पर मनन करे और अपने विश्वास को मजबूत बनाये। जब आपका विश्वास मजबूत होता है, तो इससे अंतर नही पडता है कि आप क्या देखते, सुनते या महसूस करते है – इससे अंतर नही पडता है कि स्वाभाविक स्तर में वस्तुएं कितनी नकारात्मक या असंभव दिखाई दे – आप हमेशा जीतेंगें।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका आपके वचन के लिए धन्यवाद देता हूँ जो हमेशा के लिए अटल है। ठीक अभी, आपका वचन मुझ में प्रबल होता है, मेरे अंदर उस संदेश के फलो को पैदा करते हुए। मैं आपके वचन की सामर्थ के द्वारा आज और हर दिन जीतता हूँ। मैं हमेशा आपकी महिमा में जीता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 20:32; मत्ती 24:35 NIV; भजन संहिता 119:89

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 2:21-52 & व्यवस्थाविवरण 13-15

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 1:1-12 & भजन संहिता 85-86

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 20

वो कीजिए जो यीशु ने करने को कहा है – शैतानो को खदेडिए

क्योंकि हमारा यह मल्लयुध्द लहू और मांस से नहीं परन्तु प्रधानों से, और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में है (इफिसियो ६:१२)।

बहुत सी चुनौतियां जिनका लोग जीवन में सामना करते है वे शैतानो के द्वारा पैदा होती है, विशेषता जिनको बाइबल इस विश्व के अंधकार की ताकतो का स्वामी कहती है। वे गुस्से, कुंठा, और उस अवसाद के लिए उत्तरदायि है जो लोग अपने जीवन में अनुभव करते है। बहुत से इसको नही जानते है, किंतु क्रोध, विशेषता अनियंत्रित क्रोध, अधिकतर पछतावे की चरम सीमा में बदल जाता है। बहुत सी ऐसी स्थितीयों में, एक शैतान उस अनियंत्रित क्रोध के पीछे है।

यह हमारे आरंभिक वचन से स्पष्ट है: मांस और लहू जिसका अर्थ है कि साथी मनुष्य आपकी परेशानि नही है। आपके विरोध में कोई भी बहुत ही भयानक कार्य या अनुभव अधिकतर उस दुष्ट आत्मा का परिणाम है जो उसके पीछे है या उस बल के जो उस व्यक्ति या स्थिती को प्रभावित कर रहा है। इसलिए, सच्चा गुनेहगार शैतान है। आपको उस शैतान को बाहर खदेडने की आवश्यकता है, और आप इसको उस व्यक्ति से लडे बिना कर सकते है। शैतान आपको सुनेंगे और दूर से भी आपकी आज्ञा मानेंगे क्योंकि दूरी आत्मिक अधिकार को लगाने में एक कारक नही है।

एक मसीही के रुप में, शैतान की गतिविधीयो के साथ असावधानीपूर्वक या अज्ञानी मत रहिए। परमेश्वर के वचन में बने रहिए और मसीह में अपने अधिकार को लगाने में शीघ्र बनिए। उदाहरण के लिए, अगर आप एक माता पिता है, इससे अंतर पडता है कि आपका बच्चा किस विद्यालय या किन अस्पतालो में जाता है। ऐसी जगहो के ऊपर अधिकार लीजिए और आत्मिक रुप से सूक्ष्मदर्शी बनिए।

कुछ बार, आप पासवानो और सुसमाचारो के सेवको को भी खोजते है जो अपनी सेवकाई में शैतानी बलो के साथ चुनौति पा रहे है। वे लोगो को इकट्ठा करते है और अचानक शैतान परेशानि को पैदा करता है और कलिसीया अव्यवस्थित हो जाती है; और उन्हें फिर से शुरु करना पडता है। इस तरह की वस्तुएं लोगो के साथ होती है, उनमें निरुत्साह पैदा करते हुए, क्योंकि उन्होंने नही समझा है इसलिये वे वह नही कर रहे है जो यीशु ने हमसे

करने को कहा था, जो कि है शैतानो को बाहर खदेडना।

ध्यान रहिए यह पहला काम है जो यीशु ने कहा हम उसे उसके नाम में करेंगे, हमे इसकी महत्ता बताते हुए। इसलिए, जब आप आपसे संबंधित किसी भी वस्तु में शैतान की गतिविधीयो पर ध्यान दे, जानते हुए कि वही है जो अधिकतर जो इस तरह के कामो को करता है, तो उसे खदेड दीजिए। लोगो के विरोध में प्रार्थना मत कीजिए; इसके पीछे की आत्मा पर ध्यान दीजिए और आप अद्भुत बदलावो को देखेंगे।

घोषणा

मुझे यीशु मसीह के नाम में शैतानो को खदेडने का अधिकार और योग्यता दी गई है और मैं उस प्रबलता को ठीक अभी इस्तेमाल करता हूँ और मेरे वातावरण में शैतान के प्रभाव और चालो को बेकार करता हूँ। शैतान का मेरे शरीर, घर, काम, धन और मेरे प्रियजनो के जीवनो में कोई स्थान नही है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

लूका 10:18-19; मरकुस 1:21-27 GNB; मरकुस 16:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 3:1-38 & व्यवस्थाविवरण 16-17

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 1:13-23 & भजन संहिता 87-88

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **21**

वह आपके जीवन को सिद्ध करता है

यहोवा मुझसे जुड़ी हर वस्तु को सिध्द करेगा...
(भजनसंहिता १३८:८)।

ऊपर के वचन को आपको जीवन में संपूर्ण भरोसा देना चाहिए, क्योंकि यह दिखाता है कि आपका भविष्य सुरक्षित है। इस सच्चाई के विषय में सोचीए कि परमेश्वर स्वंय ही आपसे संबंधित वस्तुओ को सिद्ध करता है! इसका मतलब है कि आपको किसी भी वस्तु की चिंता करने की जरुरत नही है। मैं ने बहुत साल पहले एक जवान लडके के रुप में इस खोज के ऊपर बहुत उत्सव मनाया था। इसने मुझे बताया कि मेरा भविष्य सुरक्षित था। वह जो आनेवाले कल का स्वामी है मेरे जीवन और मुझ से जुडी हर वस्तु को सिद्ध करता है। हालेलूयाह! इसे अपनी प्रतिदिन की घोषणा बनाईये।

प्रेरितो के काम १४:१७ ए.एम.पी.सी घोषणा करता है कि परमेश्वर आपको स्वर्ग से बारिश और फलदायी मौसम देता है; वह आपके हृदय को पोषकतत्वों और आनंद से संतुष्ट करता है। उसके नाम को सदा धन्यवाद मिले! अपने जीवन के साथ प्रभु पर भरोसा कीजिए। मत कहिए, "ठीक है, मुझे नही पता भविष्य में क्या होने वाला है; जीवन उतारो और चढावो से भरा हुआ है"। इस तरिके से बात मत कीजिए! आपका भविष्य सुरक्षित है।

यिमर्याह २९:११ में उसने कहा, "क्योंकि यहोवा की वाणी है, कि जो कल्पनाएँ मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानि की नही, वरन कुशल ही की है, और अंत में तुम्हारी आशा पूरी करुँगा"। एक अनुरुप अंत है; रुप रेखा लिखी जा चुकी है: आप हमेशा एक विजयी होंगे! आप पहले ही जीत चुके है, क्योंकि जीवन में हर वस्तु आपके लाभ के लिए प्रोग्राम की जा चुकी है (रोमियो ८:२८)।

यशायाह ५४:१७ को पढिए और देखिए कैसे प्रभु आपकी अजेयता के बारे में ढींग मारता है और यह कि आपसे पास डरने के लिए कुछ भी नही है। उसने कहा, "जितने हथियार तेरी हानि के लिये बनाए जाएँ, उन में से कोई सफल न होगा, और जितने लोग मुद्दई होकर तुझ पर नालिश करे उन सभो से तू जीत जाएगा..."।

आपका जीवन परमेश्वर की महिमा के लिए है। इस जीवन में कुछ भी आपको हरा या नीचे नही ला सकता। किसी भी वस्तु के साथ संघर्ष करने की या उस पर जय पाने की जरुरत नही है, क्योंकि आप मसीह में पहले ही जीत चुके है; इसके विपरित सोचना मना

कर दीजिए। परिस्थितीयो को आपका आनंद, परिपूर्णन और शांति मत लूटने दीजिए।

शांति भरोसे का एक परिणाम है, और भरोसा ज्ञान का परिणाम है। यही कारण है कि आपको व्यक्तिगत रुप से प्रभु को जानना है, वचन के अध्ययन और मनन के द्वारा। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मेरी आत्मा आपकी उपस्थिती में ताजी है, और आपका आनंद मेरी आत्मा को भरता है, यह जानते हुए कि आप मुझ से संबंधित हर वस्तु को सिद्ध करते है। मेरा रास्ता सत्यनिष्ठा का है जो कि दोपहर तक और अधिक अधिक प्रकाशमान होता जाता है। आपने मेरे जीवन को आनंदी, और मेरे भविष्य को चमकदार बनाया है। धन्यवाद मुझे सफलता, विजय में चलाने के लिए और मुझे अपनी महिमा के साथ भरने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

उत्पत्ति 17:6; कुलुस्सियो 1:9-10; नीतिवचन 4:18

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 4:1-13 & व्यवस्थाविवरण 18-21

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 1:24-32 & भजन संहिता 89

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

वचन की कहानी

आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। यही आदि में परमेश्वर के साथ था। सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ, और जो कुछ उत्पन्न हुआ है उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न नहीं हुई (यूहन्ना १:१-३)।

जिस तरह से चर्च का दर्शन पौलुस की तरह किसी और दूसरे प्रेरित ने नही दिया, वैसे ही यीशु मसीह के व्यक्तित्व, देहधारी वचन का दर्शन चर्च को यूहन्ना की तरह किसी ने नही दिया। वह हमे वचन की कहानी बताता है: और यह आरंभ से शुरु होती है। यूहन्ना १:१०-१४ में वह कहता है, "वह जगत में था, और जगत उसके द्वारा उत्पन्न हुआ, और जगत ने उसे नहीं पहचाना। ...और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हम ने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा"। हालेलूयाह!

वह विश्व में था, किंतु विश्व उसको नही जानता था; कौन था वह? वचन! हम १४ वे वचन में पढते है, "और वचन देहधारी हुआ; और ... हमारे बीच में डेरा किया "; यूहन्ना आपको यीशु का उद्गम बता रहा है। जबकि अन्य सुसमाचार के लेखक (मत्ती और लूका) उनकी कहानी को यीशु मसीह की पृथ्वी की वंशावली से शुरु करते है, यूहन्ना का सुसमाचार उसकी दैवियता की घोषणा करता है, हमे वास्तव में मनुष्य यीशु के वास्तविक उद्गम को बताते हुए – वह वास्तव में कौन है।

यीशु मसीह वह वचन है जो सृष्टि के पहले था और जिसके द्वारा सारी वस्तुएँ बनाई गई (यूहन्ना १:३)। वह था, "...प्रभु की वह आवाज जिसे आदम और हव्वा ने वाटिका में चलते हुए सुना " (उत्पत्ति ३:८)। वह परमेश्वर की बुद्धि है जिसके विषय में दाऊद और सुलैमान ने उत्साही रुप से लिखा। उसका जन्म स्वर्ग के लोगो के लिए बहुत ही अद्भुत था; वह एक ऐसा चमत्कार था जों उन्होनें पहले कभी नही देखा था (लूका २:१३-१४)।

अचानक ही, वे ब्रम्हांड के रचियता को देख रहे थे, प्राचीन दिनो को, बच्चों के कपडे में लिपटा हुआ; स्वर्ग का वचन, शरीर में मनुष्यो के पास गया था! हर कदम जो यीशु ने लिया वह चलता हुआ परमेश्वर का वचन था। वह देहधारी हुआ वचन था। उसके नाम को सर्वदा महिमा मिले!

घोषणा

आशीषित प्रभु यीशु, आप प्रभु है, युगो की अनंत चट्टान; वह वचन जो सृष्टि के पहले था और जिसके द्वारा सारी वस्तुएँ बनाई गई। आप कितने महान हो, हे प्रभु! आप अनुग्रह और सच्चाई का प्रत्यक्षिकरण है, आप जीवन का वचन और जीवन की ज्योती हो; वह जीवित रोटी, रोटी जो स्वर्ग से आई और जो इस विश्व के हर व्यक्ति को जीवन देती है। आपका नाम सर्वदा आशीषित रहे!

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 1:1-14; 2 कुरुंथियो 3:2–3

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 4:14-44 & व्यवस्थाविवरण 22-24

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 2:1-11 & भजन संहिता 90

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 23

अपने अंदर के खजानो को शुरु करो

...हमारे पास वह धन मिट्टी के बरतनों में रखा है कि यह असीम सामर्थ्य हमारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर ही की ओर से ठहरे (२कुरिंथियो ४:७)।

यह बहुत गहरा है! आपके अंदर खजाने है; दैविय खजाने! हालेलूयाह! यह मुझे १२:३५ में यीशु के वचनो की याद दिलाता है: "भला मनुष्य मन के भले भण्डार से भली बातें निकालता है, ..."। हर अच्छी वस्तु जो जीवन में आपको चाहिए वह पहले से ही आपकी आत्मा में रहने वाले खजाने में है; यह आपमें है। बहुतो ने अभी तक नही सीखा है कि कैसे जो उन्हें चाहिए वह अंदर से बाहर निकाले। यीशु ने कहा तुम्हारे पेट से जीवित जल की धाराएँ बह निकलेगी (यूहन्ना ७:३८); उसने नही कहा कि वे धाराएँ स्वर्ग से बहेगी। तो आप कैसे अपने अंदर के खजाने को शुरु करते है?

फिलेमोन १:६ हमे एक महत्वपूर्ण अंर्तदृष्टि देता है; यह कहता है, "मैं प्रार्थना करता हूँ कि विश्वास में तेरा सहभागी होना, तुम्हारी सारी भलाई की पहिचान में, मसीह के लिये प्रभावशाली हो"। इस वचन में तीन महत्वपूर्ण शब्द है। पहला है "सहभागी", जोकि ग्रीक शब्द "कोईनोनिया" से आया है, और इसका मतलब है सहभागिता या भागीदारी। दूसरा शब्द है "प्रभावशाली", जोकि ग्रीक शब्द "एर्नजेस से आया है"; और इसका मतलब है क्रियाविंत या सक्रिय हो जाना। परमेश्वर चाहता है कि विश्वास में आपकी सहभागिता या भागिदारी सक्रिय हो, यह परिणामो को पैदा करे मसीह यीशु में हर भली वस्तु को पहचानने के द्वारा जो आपके अंदर है। फिर तीसरा महत्वपूर्ण शब्द है "पहचान", जोकि ग्रीक शब्द "एपिग्नोसिस " से आया है । "एपिग्नोसिस " का अर्थ है आत्मिक सच्चाईयो का पूरा भेद और समझ। इसका अर्थ है कि यीशु मसीह के सुसमाचार में आपकी भागिदारी या सहभागिता प्रभावी हो जाएगी जब आप अपनी आत्मा में रखी गई हर वस्तु को पूरी तरह से पहचान लेंगे जोकि मसीह के साथ आपकी एकता के कारण आई है। मसीह में आप कौन है उसे पहचानने के परे, उसमें आपकी विरासत और जायदाद को पहचानने के परे, आपको अवश्य ही घोषणा करनी चाहिए ताकि वे जीवन में आपका जीवंत अनुभव बन जाएँ।

वचन का अध्यनन कीजिए आप में दैविय खजाने को जानने के लिए। प्रभु ने

आपकी आत्मा में अद्भुत आशीषो को डाला है, किंतु ज्ञान और घोषणाओ के द्वारा आप इनको और दूसरी आशीषो को शुरु करते है, आपके व्यक्तिगत जीवन में परिणामो को पैदा करने के लिए। धन्य है प्रभु!

घोषणा

मेरे अंदर परमेश्वर का जीवन है; उसकी महिमा और सत्यनिष्ठा मेरी आत्मा में है। धन्यवाद सत्यनिष्ठ पिता, उन अद्भुत आशीषो के लिए जो आपने मसीह यीशु में मुझ में रखी है। मैं आपकी शांति और आनंद को पहचानता हूँ जो हमेशा मेरे हृदय को भरता है। मैं मात्रा के परे आशीषीत हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

भजन संहिता 87:3; 1 कुरुंथियो 2:12-13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 5:1-16 & व्यवस्थाविवरण 25-27

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 2:12-20 & भजन संहिता 91

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

वह हमे उसके वचन के द्वारा बनाता है

और मैं भी तुझ से कहता हूँ ... और मैं ... अपना चर्च बनाऊँगा; और नरक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे (मत्ती १६:१८)।

ऊपर के वचन स्वंय स्वामी के होठो से आये थे; वह व्यक्तिगत रुप से उसके चर्च को बढाने के लिए उत्तरदायि है। किंतु वह इसको कैसे कर रहा है? हम जानते है कि प्रभु यीशु स्वर्ग में है, किंतु पवित्र आत्मा हमारे साथ, और हम में है, पृथ्वी पर यीशु की सेवकाई को जारी रखते हुए। इसलिए, वह उसके चर्च को परमेश्वर के वचन की सेवकाई या उपकरण के द्वारा बनाता है।

परमेश्वर का वचन सब कुछ है; उसी ने आपको जन्म दिया, और इसलिए यही है जो आपको बनाकर रखेगा। १पतरस १:२३ कहता है, "क्योंकि तुम ने नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज से, परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है"। याकूब भी हमें यही बताता है, "उसने अपनी ही इच्छा से हमें सत्य के वचन के द्वारा उत्पन्न किया, ताकि हम उसकी सृष्टि की हुई वस्तुओं में से एक प्रकार के प्रथम फल हों" (याकूब १:१८)। वचन आपका जीवन है, इसलिये आपको अवश्य ही अपने आपको वचन को समर्पित करना चाहिए, आपको बनाने और पोषित करने के लिए। पेटू रुप से वचन का अध्ययन कीजिए। वचनो पर मनन कीजिए। उस तरिके से, आप अपने आपको वचन की प्रभुता के लिए समर्पित कर रहे होगें।

परमेश्वर का वचन एकमात्र साम्रगी है जो हमारे जीवनो को तीनो स्तरो: आत्मा, प्राण और शरीर में बना और बदल सकता है। जब वचन आपकी आत्मा में जाता है, तो यह आपके अंदर वह पैदा करता है जिसके विषय में यह बात करता है। उदाहरण के लिए, उद्धार का वचन, जोकि सबसे पहला कदम है। रोमियो १:१६ कहता है, "क्योंकि मैं सुसमाचार से नहीं लजाता: इसलिये कि वह हर एक विश्वास करनेवाले के लिये, ... उद्धार के लिए परमेश्वर की सामर्थ्य है"। इसका अर्थ है कि हर व्यक्ति को बचाने की परमेश्वर की सामर्थ मसीह के सुसमाचार में – उसके उद्धार के वचन में है।

प्रेरितो के काम २०:३२ में पौलुस लिखता है, "और अब मैं तुम्हें परमेश्वर को, और उसके अनुग्रह के वचन को सौंप देता हूँ; जो तुम्हारी उन्नति कर सकता है और सब पवित्र किए गए लोगों में सहभागी करके विरासत दे सकता है"। महत्वपूर्ण निर्णय लीजिए

कि आप अपने जीवन को वचन का एक विद्यार्थी होने के द्वारा बढाते रहेंगे। इसके द्वारा आपके पास सफलता और निरंतर विजयो का एक प्रभावी जीवन होगा। हालेलूयाह!

घोषणा

आशीषित पिता, मैं मेरे जीवन में आपके वचन की सामर्थ के लिए धन्यवाद देता हूँ; मैं आपके वचन के द्वारा बनाया और पोषित किया जाता हूँ, एक महानता और पवित्र आत्मा में आनंद के जीवन के लिए। मेरा दिमाग और मेरा जीवन ठीक अभी नया होता और बदलता है, आपके वचन की सामर्थ और महिमा के द्वारा। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 4:4; यहोशू 1:8

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 5:17-39 & व्यवस्थाविवरण 28

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 2:21-29 & भजन संहिता 92-93

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार 25

प्रार्थना के लिए अपने आपको अनुशासित कीजिए

तब उसने मुझे उत्तर देकर कहा, जरुब्बाबेल के लिये यहोवा का यह वचन है: न तो बल से, और न शक्ति से, परंतु मेरे आत्मा के द्वारा होगा, मुझ सेनाओ के यहोवा का यही वचन है (जकर्याह ४:६)।

सच्ची सफलता आत्मिक, और आत्मिक सिद्धांतो पर आधारित है। अगर आप किसी भी वस्तु में सफल होंगे, तो आपको अवश्य ही आत्मा के स्तर से नियंत्रण लेना सीखना पडेगा, और इसको करने का प्राथमिक तरिका प्रार्थना के द्वारा है। जब आप अपने घुटनों को झुकाना और प्रार्थना में अपने आपको अनुशासित करना सीख लेते है, तो ऐसा कुछ भी नही होगा जो आप बदल नही सकते या पा नही सकते।

कुछ मसीहो को लगता है कि जीवन एक मजाक है; वे तीन मिनट प्रार्थना करके चले जाते है। यहॉ तक कि जब वे प्रार्थना कर रहे होते है, तो हर वस्तु के द्वारा ध्यानभंगित होते है; और फिर दिन के आखिर में, वे आश्चर्य करते है क्यूँ ऐसी वस्तुएँ हुई जिन्होंने जीवन में उनको शिकार बना दिया। प्रार्थना में अपने आपको अनुशासित कीजिए; इसे अपनी दिनचर्या का एक सचेत भाग बनाईये। आपकी परेशानियाँ खत्म हो जाएगी एक बार जब आप प्रार्थना की प्रभावकारिता को जान लेंगे। जब आप नियंत्रण लेते है और आत्मा के स्तर में वस्तुओ को बदलते है, तो वे पृथ्वी के स्तर में भी दिखाई देंगे। जब दबोरा और बाराक ने सीसरा की सेनाओ के साथ लडाई लडी तो बाइबल कहती है, "आकाश की ओर से भी लड़ाई हुई; वरन् तारों ने अपने अपने मण्डल से सीसरा से लड़ाई की" (न्यायियो ५:२०)।

आत्मा का स्तर वह स्थान है जहाँ पर आप अपने जीवन की परिस्थितीयो को निर्धारित करते है, उन सारी वस्तुओ को नियंत्रित करने के लिए जो स्वाभाविक विश्व में होती है, और हँसते हुए जीते है। आप दाऊद की तरह बन जाते है – अपने विश्व के लिए एक रहस्य और आश्चर्य! परमेश्वर की महिमा हो!

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ प्रार्थना के द्वारा आपके आत्मा से सेवकाई को ग्रहण करने के लिए। जैसे ही मैं आपसे बातचित करने पर ध्यान देता हूँ, मेरी आँखे आत्मिक वास्तविकताओ के लिए खुली है, और आपके विचार मेरी आत्मा में दर्शित होते है, मुझे अधिकार, विजय, और हमेशा बढती हुई महिमा में चलाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 8:26-27; इफिसियो 6:12; 2 कुरुंथियो 10:4-5 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 6:1-16 & व्यवस्थाविवरण 29-30

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 3:1-12 & भजन संहिता 94

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

स्वर्ग एक वाचा नही है

पर हम स्वर्ग के नागरिक है; और हम एक उध्दारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के वहाँ से आने की बाट जोह रहे है (फिलिप्पियो ३:२० जी.एन.बी)।

जब हम कहते है कि परमेश्वर के वचन की हर वाचा पहले ही नई सृष्टि में पूरी की जा चुकी है, तो ऐसे लोग है जो पूछते है, "स्वर्ग के विषय में क्या?" क्या यह हमे दी गई वाचा नही है?" स्वर्ग एक वाचा नही है, क्योंकि हम वहाँ जन्मे थे: "पर तुम सिय्योन के पहाड़ के पास, और जीवते परमेश्वर के नगर, स्वर्गीय यरूशलेम, के पास और लाखों स्वर्गदूतों, और उन पहिलौठों की साधारण सभा और कलीसिया, जिनके नाम स्वर्ग में लिखे हुए हैं, आ गए हो..." (इब्रानियो १२:२२-२३)।

इसके अतिरिक्त हमारे आरंभिक वचन को फिर से पढिए: यह कहता है, "हम स्वर्ग के नागरिक है", नाकि हम "स्वर्ग के नागरिक हो जाएँगे"। आप ठीक अभी स्वर्ग के नागरिक है। यूहन्ना ८:२३ में यीशु के वचनो को याद कीजिए; उसने यहूदियो से कहा, "मैं ऊपर से हूँ,"; उसके स्वर्गीय उद्गम की बात करते हुए। फिर उसने हमारे विषय में कहा, "तुम इस विश्व के नही हो", यद्यपि हम इस विश्व में जीते है। क्योंकि एक मसीही एक साथ दो विश्वों में रहता है।

इसको इस तरिके से देखे; शायद, आप अमेरिका के एक नागरिक है, जोकि यूनायटेड किंगडम में रहता है। यह तथ्य कि आप अमेरिका में नही रहते है वह आपकी अमेरिका की नागरिकता को खत्म नही करता है, ना ही यह अमेरिका की नागरिकता को आपके लिए वाचा बनाता है। इसलिए, क्योंकि आप पृथ्वी पर है वह आपको स्वर्गीय नागरिकता की सारी आशीषो, अधिकारो, और विशेष अधिकारो का आनंद मनाने से अलग नही करता है।

बाइबल के अनुसार, स्वर्ग हमारा घर है, वह ठीक अभी हमारा है। हम वहाँ जन्मे थे, और अभी वहाँ जीते है! भजनंसहिता ८७:४-५ इसके विषय में बात करता है। यह कहता है, "मैं अपने जान-पहचानवालों से रहब और बाबेल की भी चर्चा करूँगा; पलिश्त, सोर और कूश को देखो: यह वहाँ उत्पन्न हुआ था। और सिय्योन के विषय में यह कहा जाएगा अमुक अमुक मनुष्य उस में उत्पन्न हुआ था। और परमप्रधान आप ही उसको स्थिर रखे"। जब आप संदर्भ का अध्ययन करेंगे, तो आप देखेंगे कि वह नई सृष्टि के विषय में बात कर रहा है जो सिय्योन में जन्मी है, जो कि इब्रानियो १२:२२ में स्वर्गीय यरुशलेम है ।

नये जन्म पर, हम परमेश्वर के प्रिय पुत्र के राज्य में लाए गए थे (कुलुस्सियो

१:१३)। यह एक वाचा नही है; यह पहले ही हो चुका है। यह एक स्वर्गीय राज्य है, और स्वर्ग से कार्य करता है। हालेलूयाह!

घोषणा

प्रभु यीशु की तरह मैं इस विश्व का नही हूँ; मैं स्वर्ग से जन्मा हूँ और मैं पृथ्वी पर ठीक अभी स्वर्ग का जीवन जीता हूँ! मैं मेरी स्वर्गीय आशीषो, अधिकारो और विशेष सुविधाओं के लिए सचेत हूँ और मैं उनका पूरा आनंद उठाता हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 17:15-16; 1 कुरुंथियो 15:48-49 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 6:17-49 & व्यवस्थाविवरण 31-32

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 3:13-19 & भजन संहिता 95-96

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 27

वचन में अपना भरोसा बनाए रखो

और इन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो जिससे तुम उस दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको (इफिसियो ६:१६)।

शत्रु के जहरीले तीरो में से एक डर है। इसलिए, परमेश्वर की संतान के रुप में किसी भी परिस्थिती में आपको डरना नही है। जब डर की आत्मा आपके ऊपर कोई तीर फेंकती है, तो उसका उत्तर दीजिए और कहिए, "नही! मैं परमेश्वर की एक संतान हूँ! मैं डरना मना करता हूँ!" नीतिवचन ३:२५ कहता है, "अचानक आनेवाले भय से न डरना, और जब दुष्टों पर विपत्ति आ पड़े, तब न घबराना"। शैतानो, मनुष्यो, परिस्थितीयो, कमी या घटी से डरना मना कर दीजिए।

जब वस्तुएँ होती है या आपके विरोध में परिस्थितीयाँ उठती है जो डर पैदा करना चाहती है तो वचन की घोषणा कीजिए। अगर यह कमी का डर है जो आपको पकडना चाहता है, तो निर्भिकतापूर्वक घोषणा कीजिए, "यहोवा मेरा चरवाह है; मुझे कमी नही हो सकती! मैं उसकी अनंत और कभी ना खत्म होनेवाली आपूर्ति से जुडा हुआ हूँ।" आपको मसीह में निर्भिकता से घोषणा करनी है। उदाहरण के लिए अगर आप अंधकार में या एकांत स्थान में है और आप कुछ अजीब आवाजो को सुनते है तो अविचलित बने रहिए; वरन घोषणा कीजिए, "यद्यपि मैं मौत की तराई से होकर गुजरूँ तो भी मैं किसी वस्तु से नही डरूँगा: क्योंकि जो मुझ में है वह बडा है उससे जो इस विश्व में है!"

जब आप उन घोषणाओ को करेंगे, तो शैतान भाग जाएगा, क्योंकि सच्चाई यह है कि वह आपसे डरा हुआ है। इसलिए, वह अपने तीरो को आपकी दिशा में फेकता है, उन्हें अपने विश्वास से भरी घोषणाओ के द्वारा काट दीजिए। परमेश्वर के वचन के विषय में निर्भिक बनिए। वह घोषणा करने में निर्भिक बनिए जो परमेश्वर ने आपके विषय में कहा है। अधिकतर निर्भिकतापूर्वक घोषणा कीजिए, "मैं हमेशा एक सफलता रहूँगा। मैं हमेशा दैविय स्वास्थ मैं चलूँगा। मैं डरना मना करता हूँ।" इस तरह की घोषणाएँ महान कथन है, दिखाते हुए कि आप इस विश्व के नही है।

२तीमुथियुस १:७ कहता है, "क्योंकि परमेश्वर ने हमें भय की नहीं पर सामर्थ्य और प्रेम और संयम की आत्मा दी है"। इससे अंतर नही पडता है कि शत्रु आपको डराने के लिए किन वस्तुओं का इस्तेमाल करता है; झुकना मना कर दीजिए! वचन में अपना

भरोसा बनाये रखिए!

घोषणा

मैं इस जीवन में डरना मना करता हूँ, क्योंकि मैं उस अनुग्रह में मजबूत हूँ जो मसीह यीशु में है। डर ने मेरे ऊपर अपनी सामर्थ को खो दिया है, क्योंकि जो मुझ में है वह बडा है उससे जो इस विश्व में है। परमेश्वर के वचन ने पूरा नियंत्रण ले लिया है और वह मुझ में मेरी आत्मा, मेरे प्राण और मेरे शरीर के द्वारा दिखता है। धन्य है प्रभु!

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 8:15; 2 तीमुथियुसले 1:7; व्यवस्थाविवरण 31:6

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 7:1-35 & व्यवस्थाविवरण 33-34

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 3:20-25 & भजन संहिता 97

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार 28

आत्मा के लिए सचेत बनिए

यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं, तो आत्मा के अनुसार चलें भी (गलातियो ५:२५)।

एक आत्मिक विश्व है जो कि भौतिक विश्व से बहुत बडा है। भौतिक विश्व आत्मिक विश्व का एक क्षेत्र या भाग है। बाइबल कहती है परमेश्वर एक आत्मा है, और उसने सारी वस्तुओ की सृष्टि की; हमे बताते हुए कि जो कुछ परमेश्वर ने बनाया है उसका एक आत्मिक रिश्ता है। कुछ भी प्रभु से अलग नही है। आत्मा के स्तर में, उसने भौतिक मनुष्य के लिए एक क्षेत्र सृष्टित किया, यद्यपि स्वंय मनुष्य भी एक आत्मिक प्राणी है।

परमेश्वर ने मनुष्य को जीने के लिए एक भौतिक शरीर दिया, उसके आत्मिक विश्व के भौतिक क्षेत्र में। पृथ्वी परमेश्वर के स्तर से एक अलग वस्तु नही है। याद रखिए, उत्पत्ति १:२ में बाइबल कहती है कि परमेश्वर का आत्मा जल के ऊपर मंडरा रहा था। पवित्र आत्मा उस उथले पुथले विश्व के ऊपर मंडरा रहा था, जिसका अर्थ है कि पृथ्वी आत्मा की पहुँच और अधिकार के अंतर्गत है और यह आत्मा के द्वारा शासित है। बहुत से लोग इसको नही जानते है और उन्होने इसकी महत्ता को नही समझा है, और वे उनके जीवनो को इस विश्व के पृथ्वी के स्तर तक सीमित करते है। वे नही जानते है कि आत्मा के स्तर में एक बडा खेल है।

हम में से हर व्यक्ति जो नया जन्मा है, बाइबल हमे बताती है कि वह आत्मा में चले। आप आत्मा में कैसे चलते है? यह परमेश्वर के वचनो के प्रकाश में चलने के द्वारा है; राज्य के सिद्धांतो से चलने के द्वारा है। सचेत हो जाईये कि आप एक दूसरे स्तर में जीते है और वहीं से है, एक स्वर्गीय स्तर जो कि इस विश्व से बहुत बडा है। यह चेतना आपको इस भौतिक विश्व के कारको, असफलताओ, निराशा, अंधकार और भ्रष्टताओ के बहुत ऊपर रख देगी।

जीवन आत्मिक है, और हम दो विश्वों में जीते है। किंतु बहुत से लोग हर दिन केवल इस भौतिक विश्व के लिए ही सचेत है। यही कारण है कि बहुत से लोग दर्द और परेशानियो से गुजरते है; असाध्य बीमारीयो के शिकार है, क्योंकि वे आत्मा के स्तर से जीवन को नियंत्रित करने में अयोग्य है। बाइबल कहती है कि आप विश्व में है किंतु विश्व के नही है। आप मसीह के स्वरुप में जन्मे है, स्वर्ग का मनुष्य; आप स्वर्गीय स्वरुप में है। आप

परमेश्वर के प्रिय पुत्र के राज्य के है। हालेलूयाह! और उस राज्य में, हम दैविय सिद्धांतो से चलते है; हमारी लडाई की योजनाएँ और हथियार इस विश्व के नही है (२कुरिंथियो १०:४)। हम सत्यनिष्ठा में अनुग्रह के द्वारा शासन करते है, हम वचन में और वचन के द्वारा प्रबलता पाते है। हालेलूयाह!

घोषणा

मेरी समझ की आँखे खुली हुई है मसीह में मेरी दैविय योग्यताओ को पहचानने और स्वर्गीय राज्य की आत्मिक वास्तविकताओ को समझने और मानने के लिए, जिसका मैं हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 8:9-10 NIV; रोमियो 8:13-14

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 7:36-50 & यहोशू 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 3:26-31 & भजन संहिता 98-100

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

रविवार 29

हर दिन के समाधानो के लिए धन

हमारी आज की रोटी आज हमें दे
(मत्ती ६:११)।

परमेश्वर की एक संतान के रुप में आपके देश की सरकार को आपकी समृद्धि को निर्धारित नही करना चाहिए। एक ऊँची सरकार है – स्वर्ग की सरकार – और आप उस सरकार के है। स्वर्ग की सरकार के अंतर्गत, आपकी आर्थिक समृद्धि सर्वदा की है; आपके लिए हर दिन एक सप्लाई है!

इस विश्व की सरकार की तरह, परमेश्वर के साथ कोई भी "वेल्फेयर" व्यवस्था या पेंशन प्रोग्राम नही है। वह बडा है, और उससे ज्यादा करता है। उसके पास आपके जीवन के लिए एक महिमामय योजना है और उसने आपके भविष्य लिए प्रावधान कर दिए है। आपको अपने जीवन को सरकार या किसी व्यक्ति से पेंशन, दान या किसी लाभ के द्वारा नही जीना है। बाइबल कहती है कि उसने आपको सब कुछ दे दिया जो जीवन और भक्ति से संबंध रखता है (२पतरस १:३); जो कुछ आपको चाहिए, ताकि आपको किसी सहायता या सहारे की जरुरत ना पडे। हालेलूयाह!

परमेश्वर का उद्देश्य यह है कि आप किसी दूसरे की सहायता करने के लिए बहुत बडे बने। उसने कभी योजना नही बनाई कि आप वह व्यक्ति हो जिसको सहायता की जरुरत हो। बाइबल कहती है सिय्योन पर्वत से उद्धारकर्ता आएँगे (ओबद्याह १:२१); और वे आप और मैं हूँ। हम परमेश्वर के उत्तराधिकारी है, और हमारे द्वारा वह बहुतो को आशीष देता और अमीर बनाता है। हमारे आसपास ऐसे बहुत से लोग है जो जरुरतो में है, और हमे अवश्य ही सहायता के लिए उनकी चिल्लाहटो को सुनना चाहिए।

हम ने हमारे आरंभिक वचन में पढा कि कैसे यीशु ने उसके चेलो को प्रार्थना करना सीखाया। उस प्रार्थना के प्रारुप का एक भाग था, "हमे हमारी आज की रोटी दे"। वह हमे बता रहा था कि हर दिन की एक सप्लाई है, और आपका नाम उस पर है! जिन प्रावधानो को आपने कभी नही लिया वे इकट्टे हो गए है, आपका इंतजार कर रहे है।

यह समय है कि आप उनका कब्जा कर ले। यह समय है कि आप कहे, "पिता मैं तैयार हूँ; मेरे लिए आपकी हर दिन की सप्लाई के लिए जो मैंने कभी नही ली, मैं उन्हें अभी ग्रहण करता हूँ!" उनको बुलाने में निर्भिक बनिए। स्वर्ग में जाकर मत खोजिएगा

कि बहुत कुछ था जिसका आपने कभी लाभ ही नही लिया। जो आपका है उसका कब्जा लीजिए। आपकी तनख्वाह या पेंशन या व्यवसाय का मुनाफा आपके स्त्रोत नही है। परमेश्वर आपका स्त्रोत है, और उसने आपके हर दिन के लिए सप्लाई दी है। परमेश्वर की स्तुति हो।

घोषणा

धन्यवाद हो परमेश्वर का जो मुझे हर दिन लाभो से लादता है! उसने सारा अनुग्रह – हर कृपा और पृथ्वी की आशीष मुझ तक बहुतायत से लाई है, इस तरिके से कि चाहे कोई भी आवश्यकता क्यूँ ना हो मैं हमेशा और सारी परिस्थितीयों में स्वयं सक्षम हूँ – मेरे पास पर्याप्त से ज्यादा है कि मुझे कोई सहायता या सहारा नही चाहिए, और मैं हर भले काम और दान और भलाई के कामो के लिए पूरी तरह से तैयार हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

1 तीमुथियुसले 6:17; 2 कुरुंथियो 9:8 AMPC; रोमियो 8:32 NIV

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 8:1-21 & यहोशू 3-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 4:1-10 & भजन संहिता 101

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 30

आपकी आत्मा में वचन

और उद्धार का टोप, और आत्मा की तलवार, जो परमेश्वर का वचन है, ले लो (इफिसियो ६:१७)।

२कुरिंथियो १०:३ कहता है, "क्योंकि यद्यपि हम शरीर में चलते फिरते हैं, तौभी शरीर के अनुसार नहीं लड़ते"। हम एक भौतिक लडाई में नही है; यह आत्मिक है, और हमारा हथियार परमेश्वर का वचन है; आत्मा की तलवार। जैसे ही आप परमेश्वर के वचन को मुक्त करते है – परमेश्वर के रेहमा को – आप आत्मा के स्तर में लडाई के लिए आगे बढ रहे है; सामर्थ मुक्त होती है जो शत्रु को हिला देती है। मनन का यही कारण है।

आपके मुँह में परमेश्वर का वचन शक्तिशाली है, मनन के बाद – अत्यधिक मनन के बाद। इस तरह के मनन के द्वौरान, आपका पूरा ध्यान वचन पर होता है। आप किसी भी प्रकार के व्यवधान को नही आने देते है। यही अंतर है उस व्यक्ति में जो अपने सिर से वचनो को बोल रहा है और जो वचन को बोल रहा है क्योंकि वे उसके अंदर रहते है। यही वह वस्तु थी जिसने दाऊद को बाकी सारे इस्राएलियो से अलग किया। वे सब खतना किए हुए थे और वाचा के बारे में जानते थे किंतु वे गोलियत के सामने थरथरा गए। कोई भी उस दानव का सामना नही कर पाया।

किंतु जब दाऊद दिखाई दिया, तो उसने आश्चर्य किया कि क्यूँ हर व्यक्ति गोलियत से डरा हुआ है और उसने कहा, " ... वह खतनारहित पलिश्ती क्या है कि जीवित परमेश्वर की सेना को ललकारे" (१शमूएल १७:२६)। वह कह रहा था, "हम खतना किए हुए है और खतना के द्वारा, हम परमेश्वर की श्रेणी में है। किंतु यह व्यक्ति खतनारहित है; परमेश्वर उसकी ओर नही है!" खतने का दाऊद के लिए वह अर्थ था जिसके विषय में दूसरे नही जानते थे।

यही होता है जब वचन आपकी आत्मा में होता है। यीशु ने कहा, आपके पेट से जीवित जल की धाराएं बहेंगी – फूट पडेगी, बाढ की तरह – जीवित जल की (यूहन्ना ७:३८)। कुलुस्सियो ३:१६ कहता है, "मसीह के वचन को अपने हृदय में अधिकाई से बसने दो, ..."। वचन के अपने अध्ययन और मनन में पेटू बन जाईये। वचन को अपने हृदय और अपने मुँह में रखिए, यह आपको एक आश्चर्य बनाएगा और आपको एक विजयी की मानसिकता देगा। परमेश्वर की स्तुति हो!

घोषणा

मेरे आंतरिक स्थान से जीवित जल के झरने फूटते है। जैसे ही मैं वचन पर मनन करता हूँ इसको मैं आनंदी रुप से अपनी आत्मा में लेता हूँ। यह सत्यनिष्ठा, बुद्धि और दर्शन को लाता है, समृद्धि, विजय और प्रचुरता को लाता है। परमेश्वर की स्तुति हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

यहोशू 1:8; 1 तीमुथियुसले 4:15

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 8:22-39 & यहोशू 5-6

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 4:11-25 & भजन संहिता 102

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

जानिए आप कौन है

वे न तो कुछ समझते और न कुछ जानते हैं, परन्तु अन्धेरे में चलते फिरते रहते हें; पृथ्वी की पूरी नींव हिली हुई है (भजनसंहिता ८२:५)।

बहुत से लोग जो जीवन में शिकार है वे वास्तव में शैतान के नही किंतु अज्ञानता के शिकार है। होशे ४:६ में परमेश्वर ने कहा, "मेरी प्रजा मेरे ज्ञान के ना होने से नष्ट हो गई..."। उसने नही कहा कि उसके लोग शैतान के द्वारा नष्ट होते है।

इसके विषय में सोचिए: आप क्या करेंगे या आप जीवन को कैसे जीएँगे अगर आप खोज ले कि कोई भी बीमारी अपने आपको आपके शरीर पर नही बाँध सकती? अगर आपने खोज लिया कि आपके पास एक ऐसा जीवन है जो असफल होने के अयोग्य है, एक ऐसा जीवन जिसको हराया या नष्ट नही किया जा सकता; यह आपकी मानसिकता को किस तरह प्रभावित करेगा? यह निश्चित रुप से आपके अपने विषय में विचारों को बदल देगा। बहुत साल पहले परमेश्वर के वचन में यह मेरी खोजे थी। किंतु बहुत से लोग इन सच्चाईयो के साथ परिचित नही है, उसके परिणामस्वरुप वे उनके जीवनो को शरीर के स्तर से नापते है, जो वे उनकी प्राकृतिक इंद्रियो से देख सकते है।

आपका जीवन उस जानकारी पर आधारित है जो आप ग्रहण करते है। आपके जीवन का स्तर आपके ज्ञान तक सीमित है। कोई भी व्यक्ति उसके ज्ञान के स्तर के परे नही जी पाया। अगर आपके पास परमेश्वर के वचनो का ज्ञान है, तो वह आपके जीवन में अंतर पैदा करेगा। हमारा आरंभिक वचन कहता है कि, "वे न तो कुछ समझते और न कुछ जानते हैं, परन्तु अन्धेरे में चलते फिरते रहते हें; पृथ्वी की पूरी नींव हिली हुई है"। यही कारण है कि बहुत सी परमेश्वर की संताने जीवन में संघर्ष कर रही है। वे नही जानते है कि वास्तव में नई सृष्टि है कौन।

जब परमेश्वर के वचन की वास्तविकता और आप मसीह में कौन है, आपमें घर कर लेती है, तो अचानक ही आप एक संपूर्ण आत्मविश्वास और स्वंतत्रता के स्थान में आ जाएँगे, जहाँ पर आप जान जायेंगे कि विश्व निर्धारित नही करता कि आपके साथ क्या होता है। आप यीशु की तरह हो जायेंगे, जिसके पास कमी की कोई मानसिकता नही थी। हमे यही जीवन देने के लिए वह आया, और जैसे ही आप वचन का अध्ययन और मनन करेंगे, ना केवल आप मसीह में अपने उत्तराधिकार को खोजेंगें, आप उसके साथ संबंध

रखने के विश्वास को भी ग्रहण कर लेंगे और उसका आनंद उठा पाएगें जो परमेश्वर ने स्वयं में आपके लिए उपलब्ध करा दिया है। सदा के लिए उसके नाम की महिमा हो!

घोषणा

मेरा ह्रदय ज्ञान और आत्मिक समझ से भरा हुआ है! मैं जानता हूँ मैं कौन हूँ; परमेश्वर का एक उत्तराधिकारी और मसीह के साथ उत्तराधिकारी। मैं जानता हूँ कि मसीह में मेरा क्या है। मैं कमी, बीमारी, रोग, हार, और इस विश्व के सारे कारको के ऊपर जीता हूँ। मेरा जीवन केवल आगे और ऊपर के लिए है, महिमा से महिमा में, विश्वास से विश्वास में, और अनुग्रह से अनुग्रह में! आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

2 पतरस 1:2-3; 2 कुरुंथियो 5:17-18

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 8:40-56 & यहोशू 7-9

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 5:1-11 & भजन संहिता 103

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उध्दार की प्रार्थना

हम विश्वास करते है कि आप इस अध्ययनिका के द्वारा आशिषित हुए है। इस प्रार्थना को करने के द्वारा हम आपको यीशु मसीह को अपने जीवन का प्रभु बनाने के लिए आमंत्रित करते है:

“ओ प्रभु परमेश्वर, मै अपने पूरे:दय से यीशु मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता हूँ। मै विश्वास करता हूँ कि वह मेरे लिए मरा और परमेश्वर ने उसे मरे हुओ मे से जीवित किया। मै विश्वास करता हूँ कि आज वह जीवित है। मै अपने मुँह से घोषणा करता हूँ कि आज से यीशु मसीह मेरे जीवन का प्रभु है। उसके द्वारा, और उसके नाम में, मेरे पास अनंत जीवन है; मै नया जन्मा हूँ। धन्यवाद परमेश्वर, मेरी आत्मा को बचाने के लिए! अब मै परमेश्वर की एक संतान हूँ। हालेलुयाह!

बधाई! अब आप परमेश्वर की एक संतान है। एक मसीह के रूप में, आप कैसे बढ सकते है, के विषय में अधिक जानकारी ग्रहण करने के लिए, कृपया नीचे लिखे किसी भी नंबर के द्वारा हमसे संपर्क किजिए:

UNITED KINGDOM:
(0)1708 556 604

NIGERIA:
01-8888186

CANADA:
+1-647-341-9091

SOUTH AFRICA:
+27 11 326 0971

USA:
+1-281-759-5111

लेखक के विषय में

पास्टर क्रिस औयाखिलोमे, बिलिवर्स लववर्ल्ड इनकॉर्पोटेड के प्रेसिडेंट है, जो एक प्रभावी, बहुमुखी, विश्व स्तरिय सेवकाई है, वे वास्तविकता संग्रह के लेखक है, विश्व की नंबर एक दैनिक अध्ययनिका, और तीस से अधिक दूसरी पुस्तको के भी। वो परमेश्वर के वचनो के एक वफादार सेवक है, जिनके संदेशो ने बहुतो के ह्रदय में दैविय जीवन की वास्तविकताओ को लाया है।

करोडो लोग उनके टेलिविजन ब्राडॅकास्ट "चमत्कारो के लिए वार्तावरण," के द्वारा प्रभावित हुए है, जो परमेश्वर की दैविय उपस्थिती को ठीक लोगो के घरो तक लेकर जाता है। इस टेलिविजन सेवकाई का विस्तार पूरे विश्व में लववर्ल्ड सेटेलाइट टेलिविजन नेटर्वकों के द्वारा होता है, जो कि एक विश्व स्तरिय सभा तक गुणवत्ता के मसीही प्रोग्राम लाते है।

विश्वविख्यात, चंगाई विद्यालय में वह यीशु मसीह के कार्य को प्रत्यक्ष करते है और उन्होंने पवित्र आत्मा के काम करते हुए वरदान के द्वारा बहुतो की चंगाई ग्रहण करने में सहायता की है।

पास्टर क्रिस में परमेश्वर की उपस्थिती के साथ पूरे विश्व के लोगो तक पहुँचने का उत्साह है —एक दैविय आज्ञा, जिसको उन्होंने तीस साल से अधिक वर्षो से किया है, विभिन्न आऊटरिचों के द्वारा, क्रूसेडो के द्वारा, और बहुत से अलग तरिको के द्वारा, जिसके द्वारा करोडो लोगो ने परमेश्वर के वचन के द्वारा एक विजयी और उद्देश के जीवन का अनुभव किया है।

LoveWorld Publishing

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

हिन्दी

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

Chris Oyakhilome

LoveWorld Publishing

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from the *King James Version* of the Bible.

A KEY FOR OTHER BIBLE VERSIONS USED:

NKJV	-New King James Version
AMP	-The Amplified Bible
AMPC	-The Amplified Classic Bible
TANT	-The Amplified New Translation
TLB	-The Living Bible
CEV	-Contemporary English Version
NASB	-New American Standard Bible
ISV	-International Standard Version
NIV	-New International Version
MSG	-The Message Translation
WEB	-The World English Bible
TNLT	-The New Living Translation
ASV	-American Standard Version
TEV	-Today's English Version
RSV	-Revised Standard Version
GNB	-Good News Bible
WNT	-Weymouth New Testament
NRSV	-New Revised Standard Version
MOFFAT	-Moffatt New Translation
WESNT	-Wesley New Testament
EBR	-Rotherham's Emphasized Bible
DRB	-Douay-Rheims Bible

वास्तविकता संग्रह...वास्तविकता संग्रह

ISSN 1596-6984

अप्रैल 2020 edition

Copyright © 2020 by LoveWorld Publishing

FOR MORE INFORMATION AND TO PLACE ORDERS:

UNITED KINGDOM:
Unit C2, Thames View Business Centre, Barlow Way Rainham-Essex, RM13 8BT.
Tel.: +44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

USA:
Christ Embassy Houston,
8623 Hemlock Hill Drive
Houston, Texas. 77083
Tel.: +1-281-759-5111

NIGERIA:
Plot 97, Durumi District, Abuja, Nigeria.

Plot 22/23 Billingsway Road, Oregun, Ikeja, Lagos.
P.O. Box 13563 Ikeja, Lagos
Tel.: 01-8888186

SOUTH AFRICA:
303 Pretoria Avenue
Cnr. Harley and Braam Fischer,
Randburg, Gauteng 2194
South Africa.
Tel.:+27 11 326 0971

CANADA:
LoveWorld Publishing Canada
4101 Steeles Ave W, Suite 204
Toronto, Ontario
Canada M3N 1V7
Tel.:+1 416-667-9191

www.rhapsodyofrealities.org
email: rorcustomercare@loveworld360.com

All rights reserved under International Copyright Law. Contents and/or cover may not be reproduced in whole or in part in any form without the express written permission of LoveWorld Publishing.

भूमिका

हुर्रे ! आपकी प्रिय दैनिक अध्ययनिका, वास्तविकता संग्रह अब २०१०, भाषाओं में उपलब्ध है और लगातार बढ़ रही है। हमें विश्वास है कि अध्ययनिका का २०२० का अंक ने आपकी आत्मिक वृध्दि और विकास को बढ़ाया है और आपको आपके सभी प्रयासो मे असाधारण सफलता के लिए सही स्थान में रख दिया है।

इस अंक के जीवन बदलने वाले विचार आपके विश्वास को ताजा करेंगे, बदल देंगे और स्फूर्ति देंगे, जैसे ही आप परमेश्वर के वचन के साथ एक प्रतिफल देनेवाले अनुभव में जुडते है।

- वास्तविकता संग्रह अध्ययनिका को कैसे इस्तेमाल करे -

- हर लेख को पढो और सावधानीपूर्वक इसपर मनन करो। प्रतिदिन जोर से प्रार्थनाओ और घोषणाओ को कहना, सुनिश्चित करेगा कि जो परमेश्वर का वचन आप बोल रहे है, वह आपके जीवन में पूरा होता है।
- एक-वर्षीय अध्ययन योजना के साथ, या दो वर्षीय अध्ययन योजना के साथ संपूर्ण बायबल को पढो।
- आप दैनिक बायबल अध्ययन खंडो को दो भागो में भी बाँट सकते है - सुबह और शाम अध्ययन
- हर महिने के लिए प्रार्थनापूर्वक अपने लक्ष्यो को लिखने के लिए अध्ययनिका का इस्तेमाल करो, और अपनी सफलता को मापो, जैसे ही आप एक के बाद एक लक्ष्य को प्राप्त करते है।

हम आपको परमेश्वर की महिमामयी उपस्थिति और विजय का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते है, जैसे ही आप उसके वचन की एक दैनिक खुराक को लेते है! हम आपसे प्रेम करते है! परमेश्वर आपको आशिष दे!

-पास्टर क्रिस औयाखिलोमे

व्यक्तिगत जानकारी

नाम:

पता:

टेलीफोन:

Mobile:

E-mail address:

Business address:

Goals for the Month:

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

www.rhapsodyofrealities.org

बुधवार 1

खोई हुई आत्माओ के लिए प्रार्थना करते हुए

परन्तु यदि हमारे सुसमाचार पर परदा पड़ा है, तो यह नष्ट होने वालों ही के लिये पड़ा है: और उन अविश्वासियों के लिये, जिन की बुध्दि इस संसार के ईश्वर ने अंधी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके (२कुरिंथियो ४:३-४)।

ऊपर के वचन से यह स्पष्ट है कि यह शैतान है जिसने उन लोगो की आँखो को अंधा कर दिया है जिन्होंने सुसमाचार पर विश्वास नही किया है। किंतु शैतान और उसके दानव यीशु के नाम में आपके अधीन है, जिसमें कोई भी अपवाद नही है। हमारे पास उनके ऊपर पूरा अधिकार है।

किंतु कुछ लोगो ने पूछा, यीशु के उन वचनो के विषय में क्या जब उन्होंने उस से पूछा कि वे क्यूँ एक शैतान को बाहर नही निकाल पाएं और यीशु का उत्तर था, "पर यह जाति बिना प्रार्थना और उपवास के नहीं निकलती"(मत्ती १७:२१)। सबसे पहले ध्यान दीजिए यीशु ने यह नही कहा कि उनके लिए शैतान को बाहर निकालना संभव नही है। किंतु, यह यीशु की उद्धार की मृत्यु और पुनरुत्थान के पहले था। इसमें (मृत्यु और पुनरुत्थान में) सारी प्रधानता और सामर्थ को हराने के बाद, अब आपको किसी भी शैतान को बाहर निकालने के लिए प्रार्थना और उपवास करने की आवश्यकता नही है। आपको अधिकार दिया जा चुका है (कुलुस्सियो २:१५; मत्ती २८:१८-१९)।

अगर आपका कोई दोस्त या प्रियजन है जिसमें आपने देख लिया है कि वह सुसमाचार को ग्रहण ना करने के लिए शैतान के द्वारा बंधन में है, तो शैतान को बाहर निकाल दो। आप कहते हैं, "मैं उसके दिमाग के ऊपर से, उसके जीवन के ऊपर से शैतान की सामर्थ को तोडता हूँ और मै उसके उद्धार की घोषणा करता हूँ और इसे पूरा हो गया घोषित करता हूँ, यीशु के नाम में! मैं घोषणा करता हूँ कि वह यीशु तक आएगा! मैं संदेश देनेवाली आत्माओ को भेजता हूँ कि वे उसे उसके उद्धार के रास्ते में चलाएं और यह ऐसा ही होगा, प्रभु यीशु मसीह के नाम में!"

किंतु इन घोषणाओ को करने के बाद मध्यस्था करते रहिए क्योंकि परमेश्वर की सेवा करने में उस मनुष्य की स्वयं की इच्छा का भी एक भाग है। यद्यपि उसके ऊपर

शैतान का प्रभाव तोडा जा चुका है, यह उस व्यक्ति के ऊपर है कि वह परमेश्वर की सेवा करने का अपना मन बनाये। वह भाग जिसमें मनुष्य की इच्छा का समावेश है उसमें निरंतर मध्यस्था की आवश्यकता है। अगर आप एक मनुष्य की इच्छा को प्रभावित कर पाएंगें, तो आप इसको केवल विश्वास की प्रार्थना के द्वारा नही कर सकते; इसे अवश्य ही मध्यस्था की प्रार्थना के द्वारा होना है।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं पूरे विश्व में खोई हुई आत्माओ के लिए प्रार्थना करता हूँ, कि उद्धार का संदेश उनके हृदय में चमकेगा, और वे सुसमाचार में मसीह की सत्यनिष्ठा को ग्रहण करेंगे और गले लगाएँगे, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 तीमुथियुस 2:1-4; यहेजकेल 22:30

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 9:1-17 & यहोशू 10-12

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 5:12-21 & भजन संहिता 104

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

दुष्टात्माओं के ऊपर अधिकार

और विश्वास करने वालों में ये चिह्न होंगे कि वे मेरे नाम में दुष्टात्माओं को खदेंड़ेंगे, नई नई भाषा बोलेंगे (मरकुस १६:१७)।

जब तक यीशु नही आया था तब तक लोगो को शैतान और दुष्टात्माओं के विषय में सटीक जानकारी नही थी। बहुत सी वस्तुएँ जो आम लग रही थी वे यीशु के द्वारा दिखाई गई कि वे आत्मिक थी।

उदाहरण के लिए, उसने हमे अवगत कराया कि बहुत सी बीमारीयों और रोगो के पीछे दुष्टात्माएं होती है। जब वे उसके पास एक ऐसे व्यक्ति को लाएं जो गूँगा और बहरा था, तो बाइबल कहती है उसने आत्मा को बाहर खदेड़ दिया। और ठीक वहीं पर बहरे कान खुल गए और मनुष्य ने सुनना शुरु कर दिया और गूँगी जीभ बोलने लगी। लूका ११:१४ कहता है, "फिर उसने एक गूँगी दुष्टात्मा को निकाला। जब दुष्टात्मा निकल गई तो गूँगा बोलने लगा; और लोगों को अचम्भा हुआ"।

मरकुस १:३२-३४ इसी सच्चाई को दिखाता है, "शाम के समय जब सूर्य डूब गया तो लोग सब बीमारों को और उन्हें, जिनमें दुष्टात्माएँ थीं, उसके पास लाए। और सारा शहर द्वार पर इकट्ठा हुआ। उसने बहुतों को जो विभिन्न प्रकार के रोगो से पीड़ीत थे, चंगा किया, बहुत सी दुष्टात्माओं को निकाला, और दुष्टात्माओं को बोलने न दिया, क्योंकि वे उसे पहचानती थी"। आज भी ऐसे बहुत से लोग है जो शैतानी गतिविधियो के लिए अज्ञान है। किंतु सच्चाई यह है कि दुष्टात्माएं हैं और वे लोगो के जीवनो को चला रही है। कुछ बार, आप एक ऐसे व्यक्ति को देखते है जिसका गुस्सा बहुत ही तीव्र और शीघ्र है। उन्होंने कहा कि उसके पिता ऐसे ही थे, और उसे लगता है कि यह आम बात है, किंतु यह नही है। ये दुष्टात्माएं है जो ऐसी वस्तुओ को करवाती है।

बाइबल अशुद्ध आत्माओ के विषय में बात करती है, जो लोगो को अशुद्ध भी बनाती है, और मनुष्यो के जीवनो में बुरे कामो को करती है। उसमें से कुछ उन कुंठाओं के लिए उत्तरदायी है जो लोग अपने जीवनो में अनुभव करते है। आप देखते है कि विभिन्न क्षेत्रो में बहुत सफल लोग अचानक ही खालीपन महसूस करने लगते है। वे सब वस्तुओ को खो देते है, नही जानते हुए कि वे शैतानी बलो के द्वारा आक्रामित है।

किंतु परमेश्वर का धन्यवाद हो! मसीह में, आपके पास उन दुष्टात्माओं को अपने कामो से बाहर खदेड़ने का अधिकार है। आपको एक सेवक की जरुरत नही है कि वह आपकी शैतानो को बाहर खदेड़ने में सहायता करे। यीशु ने कहा, हम में से हर व्यक्ति जो उसमें विश्वास करता है वह उसके नाम में शैतानो को खदेड़ेगा (मरकुस १६:१७);

यह हमारी दैवियता का एक चिन्ह है। इसलिए, अगर आपके आसपास ऐसी घटनाएँ और काम हुए हैं जिनके साथ आप असहज है, और आप महसूस करते है कि शैतान इनके पीछे है, तो उसे खदेड़ दीजिए!

घोषणा

धन्यवाद प्रभु, मसीह में दुष्टात्माओं और अंधकार की ताकतो के ऊपर मेरे अधिकार के लिए। ठीक अभी, मैं इस अधिकार के प्रकाश में चलता हूँ और शैतान और उसकी दुष्टात्माओं को मुझसे जुडी किसी भी वस्तु में काम करने या इसे प्रभावित करने से रोकता हूँ। मैं आज मेरे परिवार और मेरे काम के स्थान में शैतानी गतिविधियो को रोकता हूँ। यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 10:8; मरकुस 1:33-34; प्रेरितो के काम 8:6-7

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 9:18-36 & यहोशू 13-15

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 6:1-11 & भजन संहिता 105

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 3

आप अपने आपको स्वतंत्र कर सकते है

तुम तो उस वचन के कारण जो मैं ने तुम से कहा है, शुद्ध हो (यूहन्ना १५:३)।

बुरी आदतो और शैतानी प्रभावो के बीच में एक मजबूत संबंध है और सही कहूँ तो वे एक दूसरे के साथ चलते है। मानविय व्यक्ति एक आत्मा है, और इसलिए अगर उसके पास कोई आदत है, तो वह एक आत्मिक आदत है। आदते कार्यो को दोहराने के द्वारा बनती है। अच्छी आदते और बुरी आदते होती है। अगर आप अच्छे कार्यो का अभ्यास करते है, तो वे अच्छी आदतो में बदल जाते हैं, और अगर आप बुरे कार्यो का अभ्यास करते है वे बुरी आदतो में बदल जातें है।

शैतान अधिकतर लोगो को घुमाने के लिए बुरी आदतो का सहारा लेता है। किंतु, वह सामान्यता अपनी इच्छा को किसी के ऊपर थोप नही सकता; वरन, यह मनुष्य ही है जो अपने आपको शैतान के लिए देता है या देने से मना करता है। अगर वह अपने आपको शैतान को समर्पित करता है, तो शैतान उसका फायदा लेता है। बहुत से लोग अपने आपको शैतान को दे देते है बिना जानते हुए कि वे ऐसा कर रहे है। इसलिए, आत्मा में चलना और वचन का ज्ञान एक विजयी मसीह जीवन के लिए महत्वपूर्ण है।

हमारे आरंभिक वचन में यीशु ने कहा, "तुम तो उस वचन के कारण जो मैं ने तुम से कहा है, शुद्ध हो"। इसका अर्थ है कि परमेश्वर का वचन शुद्ध करता है; यह आपको पवित्र करता है। अगर आप परमेश्वर का वचन लें और इस पर मनन करें, तो यह आपको हर ऐसी वस्तु से छुडा देगा जो कि अशुद्ध या बेकार है। यह आपके जीवन से अंधकार को मिटा देगा।

एक बार मैं एक महिला के लिए प्रार्थना कर रहा था और उसके अंदर से शैतान को निकाल रहा था, और एक जवान आदमी मेरे पीछे खडा था, उन बहुत से लोगो में से एक जो देख रहे थे। जब मेरा काम हो गया तो वह मेरे पास आया और कहा, "पास्टर, मुझे भी ठीक यही परेशानि थी जो आपने अभी इस महिला के लिए सुलझाई है। मेरे अंदर भी वही बुरी आत्माएँ थी।" मैं ने कहा, "तो क्या हुआ?" उसने कहा, "परमेश्वर के वचन के मनन के द्वारा वे सब मुझ से दूर चली गई।" यह परमेश्वर के वचनो की सामर्थ है!

आपको मसीहो से शैतानो को बाहर निकालने के लिए छुटकारे की सभाएँ करने की आवश्यकता नही है; उन्हें वचन सीखाईये। मसीही शैतान से बढकर है; वह मसीह के साथ बैठा है, प्रधानताओं और ताकतो के बहुत ऊपर। इसलिए, अगर आप किसी शैतानी

आक्रमण या प्रभाव के अंतर्गत थे, और अगर आप निरंतर परमेश्वर के वचन पर मनन करेंगे, तो आप अपने आपको स्वतंत्र कर लेंगे। आप कह सकते है, "प्रभु यीशु के नाम में, मैं मेरे जीवन और मेरे कार्यो के ऊपर से शैतान और दुष्टात्माओ के प्रभाव को तोडता हूँ और उनके द्वारा बहकाया जाना अस्वीकार करता हूँ।"

घोषणा

मैं सिद्धता और श्रेष्ठता में चलता हूँ, सत्यनिष्ठा के कामो और फलो को पैदा करते हुए, क्योंकि मैं वचन में जीता हूँ। परमेश्वर का वचन मेरे जीवन में बढ रहा है और मुझे पूरी तरह से शुद्ध करता है – आत्मा, प्राण, और शरीर में। मैं मेरे जीवन में पवित्र आत्मा के निर्देशन के लिए संवेदनशील हूँ, जो मुझे परमेश्वर की सिद्ध इच्छा और महिमा में चलाता है। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 8:32; गलतियो 5:1 RSV; भजन संहिता 119:9 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 9:37-62 & यहोशू 16-19

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 6:12-23 & भजन संहिता 106

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार 4

उत्तरो के लिए अपनी आत्मा को उत्साहीत कीजिए

क्योंकि जो अन्य भाषा में बातें करता है वह मनुष्यों से नहीं परन्तु परमेश्वर से बातें करता है; इसलिये कि उसकी बातें कोई नहीं समझता, क्योंकि वह भेद की बातें आत्मा में होकर बोलता है (१कुरिंथियो १४:२)।

कुछ बार, लोग अपने जीवनो में कुछ वस्तुओ का अनुभव करते है जो उन्हें नही करनी चाहिए और उनके पास कोई उत्तर नही होता है। उदाहरण के लिए, आप खोज सकते है कि एक मसीही की तरह आप किसी प्रकार के दर्द या असहजता का अनुभव कर रहे है जो जा नही रहा है। आपने शायद प्रार्थना की हो, दर्द को डाँटा हो, और यहाँ तक कि शैतान को भी खदेडा हो, किंतु कोई अंतर नही पडा। अब, आप आश्चर्य कर रहे है कि परेशानि क्या हो सकती है। उत्तरो के लिए अपनी आत्मा में देखिए।

परमेश्वर की संतान के रुप में, हम कभी भी किसी भी वस्तु के विषय में अंधकार में नही है। हम किसी भी वस्तु को जान सकते है, अगर आप वह करेंगे जो वचन कहता है। अन्य भाषाओ में बोलिए और अपनी आत्मा से उत्तरो को ग्रहण कीजिए; अपने आंतरिक मनुष्य से। थोडे ही समय में, उस स्थिती के विषय में रहस्य आपकी समझ में आ जाएगा। यीशु ने कहा, "जगत की ज्योति मैं हूँ; जो मेरे पीछे हो लेगा वह अन्धकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा" (यूहन्ना ८:१२)। आपको अपने धन, अपने स्वास्थ, वॅरिअर, व्यवसाय, सेवकाई और अपने जीवन के किसी भी क्षेत्र में अंधकार में चलने की आवश्यकता नही है।

परमेश्वर का प्रकाश आपकी आत्मा में है। बाइबल कहती है, कि मनुष्य की आत्मा यहोवा का दीपक है जो मनुष्य की सारी बातो की खोज करता है (नीतिवचन २०:२७)। इसलिए, अगर आपके पास अपने स्वास्थ या किसी दूसरी वस्तु के विषय में चिंता है, तो अन्य भाषाओ में बोलिए। यूँ ही डॉक्टरो या उन स्थानो पर मत जाईये जहाँ पर आपको लगता है कि सहायता मिलेगी। सबसे पहले पवित्र आत्मा से सलाह लीजिए; और आप आश्चर्यचकित हो जाएँगे कि कितनी जल्दी उसका प्रकाश और बुद्धि आपके अंदर उठेगी, आपको सटीक रुप से दिखाते हुए कि क्या करना है। वह आपमें है, आपके और आपके जीवन के विषय में कुछ वस्तुओ को समझाने के लिए। वह आपको भविष्य दिखाएगा

और आपको निर्देशित करेगा कि आप आपके जीवन के लिए उसकी योजनाओ के साथ मेल में किन कदमो को उठाये। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद आपके आत्मा के निर्देशन के लिए। जैसे ही मैं आज अन्यभाषाओ में बोलता हूँ, मेरी समझ की आँखे प्रकाश के साथ भर जाती है। मैं अंधकार में नही चलता हूँ, क्योंकि मेरे पास जीवन का प्रकाश है जो मेरी आत्मा में है। हर चुनौति के साथ जिसका मैं सामना करता हूँ, आपका प्रकाश और आपकी बुद्धि मुझ में उठती है, मुझे सटीक रुप से दिखाते हुए कि क्या करना है और उन्हें कैसे और कब करना है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 8:26-27; यहूदा 1:20; 1 कुरुंथियो 2:11-12

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 10:1-24 & यहोशू 20-22

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 7:1-11 & भजन संहिता 107

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 5

सही घोषणाओ को कीजिए

> बाते सीखकर और यहोवा की ओर लौटकर, उससे कह, सब अधर्म दूर कर; अनुग्रह से हम को ग्रहण कर; तब हम धन्यवाद रुपी बलि चढाएँगे (होशे १४:२)।

वचन बहुत महत्वपूर्ण है। सच्चाई यह है कि वचन सब कुछ है। हर बार जब आप बोलते है, तो आप अपने जीवन और भविष्य को बनाते है; आप अपने रास्ते को बनाते है। आप अपने वचनो का परिणाम है। इसलिए, यह आपके ऊपर है कि आप अपने शब्दो के साथ महान और चमकदार भविष्य को बनाये। बोलकर परेशानि और चुनौति को प्रमोट मत किजिए, जिनका आप सामना कर रहे है; अपनी विजय की घोषणाओ को कीजिए। अपने मुँह में सही शब्दो को रखिए।

आपने २ राजा ४:८-३६ में शूनेमी स्त्री की उत्साहीत करने वाली कहानी पढी होगी। यद्यपि उसका बेटा मर गया था, तो भी वह केवल एक ही घोषणा के साथ भविष्यद्वक्ता एलीशा के पास दौडती हुई गई, "सब कुशल है।" वह सहायता नही मॉग रही थी और ना ही शिकायत कर रही थी; वरन, वह परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता के पास सही घोषणा के साथ गई, और उसने एक चमत्कार पाया। उसने अपनी स्थिती के अनुसार नही बोला वरन परमेश्वर के साथ सहमती में। बाइबल यशायाह ३:१० में कहती है, "सत्यनिष्ठों से कहो कि उनका भला होगा, ..."।

यीशु ने मरकुस ११:२३ में कहा कि जो तुम कहोगे तुम्हारे पास होगा, महिला ने कहा सब कुशल है, और उसकी घोषणा ने परिणामो को पैदा किया। हमेशा सही घोषणाओ को करना चुनिए। वचन पर मनन कीजिए आपकी सही मानसिकता बनाने में सहायता करने के लिए, क्योंकि आपको सही बोलने से पहले अवश्य ही सही सोचना पडेगा। परमेश्वर का वचन आपके दिमाग को बदलता है और आपके हृदय में विश्वास को पैदा करता है।

यही कारण है कि आपको निरंतर वचन के साथ सहभागिता करनी चाहिए। कुलुस्स्यो ३:१६ कहता है, मसीह के वचन को अपने हृदय में अधिकाई से बसने दे; इसे आपके ऊपर प्रभुत्व पाने दो, और उस प्रचुरता से आप बोलेंगे (मत्ती १२:३४)। और आपके होठो पर वचन प्रबल होगा और आपको सफलता, विजय, समृद्धि के ऊँचे स्तरो में ले जाएगा।

परमेश्वर ने पहले ही आपके विजयी और श्रेष्ठ जीवन को अभिषिक्त किया है; आपका किरदार है कि आप सहमती में उन्हीं वस्तुओ की घोषणा करके उत्तर दे (इब्रानियो

१३:५-६)। ठीक अभी, घोषणा कीजिए कि आपके पास एक महान जीवन है। मानिए और घोषणाएं कीजिए कि आप श्रेष्ठ और महिमा से भरे हुए है, सत्यनिष्ठा, प्रबलता और मसीह यीशु में महिमा के जीवन को जीते हुए।

घोषणा

मैं बुद्धि बोलता हूँ, फिर भी इस विश्व की बुद्धि नही और ना ही इस विश्व के प्रधानो की बुद्धि जो बेकार हो जाती है। किंतु, दैविय बुद्धि को; यह मेरे शब्दो में सुनी जा सकती है और मेरे कार्यो में दिखाई देती है। जैसे ही मैं वचन की घोषणा करता हूँ यह प्रबल होता है और मुझे एक ऊँचे और चमकदार भविष्य में ले जाता है, सफलता, विजय, और समृद्धि के ऊँचे स्तरो में! परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

1 कुरुंथियो 2:6-7; नीतिवचन 18:21; मरकुस 11:23

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 10:25-42 & यहोशू 23-24

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 7:12-25 & भजन संहिता 108

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 6

सुधार और फटकार को ग्रहण करो

सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और सत्यनिष्ठा की शिक्षा के लिये लाभदायक है (२तीमुथियुस ३:१६)।

कुछ लोग ऐसे घरो में पले बडे है जहाँ पर कोई भी उनकों गलत बातो के लिए डाँट नही सकता था यहाँ तक कि माँ- बाप भी नही। यह समझाता है कि क्यूँ मसीह को अपना हृदय देने के बाद भी वे अभी तक परमेश्वर के घर में सुधार को ग्रहण करने में मुश्किल पाते है। किंतु एक मसीही के लिए यह सही नही है। हमारे आरंभिक वचन को दोबारा पढिए; यह कहता है परमेश्वर का वचन उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और सत्यनिष्ठा की शिक्षा के लिये है।

आपको परमेश्वर के घर में सुधार को ग्रहण करना सीखना पडेगा, क्योंकि यही एक तरिका है जिसके द्वारा पवित्र आत्मा, वचन के द्वारा आपकी भक्ति के चरित्र को विकसित करने में सहायता करता है। इसलिए, दीन बनिए और अपने लीडरो पर ध्यान दीजिए जैसे ही वे आपको वचन में निर्देश देते है। ऐसी वस्तुएँ है जो लोगो ने मसीह में आने से पहले उनके प्राकृतिक जीवनो में सीखी थी; वे वस्तुएँ जो मसीह के स्वभाव के साथ मेल नही खाती है। वे वस्तुएँ जो उद्धार के द्वारा अचानक से नही हटा दी जाएंगी। परमेश्वर के वचनो पर मनन के द्वारा दिमाग बदलने का यही कारण है। उदाहरण के लिए, इफिसियो ४:३१ कहता है, "सब प्रकार की कड़वाहट, और प्रकोप और क्रोध, और कलह, और निन्दा, सब बैरभाव समेत तुम से दूर की जाए"। यह उन लोगो को लिखा गया है जो पहले से मसीही थे।

यह जरुरी है कि आप अपने आपको वचन के लिए समर्पित करे, आपके चरित्र को बनाने और आपको एक नई मानसिकता देने के लिए। आपकी इंद्रियो को आपको नियंत्रित या चलाने से मना कर दीजिए। घमंड से मत भर जाईये, जब कोई आपसे बात कर रहा है, आपको परमेश्वर के वचन के साथ सुधारने की कोशिश करते हुए। सुधार और फटकार को ग्रहण करना दीनता है; यह आपकी महानता दिखाता है, क्योंकि वास्तव में महान लोग बहुत दीन होते है।

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं आपका आपके वचन के लिए धन्यवाद देता हूँ जो मेरे लिए उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और सत्यनिष्ठा की शिक्षा के लिये है और जो मेरे जीवन में सिद्धता को लाता है। मैं हमेशा आपके वचन के प्रभुत्व के लिए खुला हुआ हूँ, जो मुझे श्रेष्ठता और दीनता में बदलता है, यीशु के नाम में। आमीन।।

अतिरिक्त अध्ययन:

2 तीमुथियुस 3:16 AMPC; इब्रानियो 12:6-11

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 11:1-13 & न्यायियो 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 8:1-11 & भजन संहिता 109

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मंगलवार 7

आपका जीवन वास्तविक संदेश है

ये सब बातें परमेश्वर की ओर से हैं, जिसने मसीह के द्वारा अपने साथ हमारा मेल – मिलाप कर लिया, और मेल – मिलाप की सेवा हमें सौंप दी है (२कुरिंथियो ५:१८)।

नये जन्मे के रुप में, आपको सुसमाचार सुनाने के लिए भेजा गया है; कि आप मसीह के उद्धार के संदेश को अपने विश्व और उसके परे ले जाएं। किंतु क्या आप जानते है कि जो वस्तुएँ आप मसीह के गवाह के रुप में कहते है, उससे कही बढकर आपका जीवन वास्तविक संदेश है? जब लोग आपको देखते है, तो आपकी मसीह के संबंध में उनके लिए क्या गवाही होगी? आपका जीवन सच्चा संदेश है। दूसरे शब्दो में, जो आप प्रचार करते और सीखाते हो उसे सबसे पहले आपके जीवन में दिखना आवश्यक है।

अधिकतर कहा जाता है, "अभ्यास करो जो तुम प्रचार करते हो"; किंतु उसका उलटा, उसका प्रचार करो जो अभ्यास करते हो, भी सही है। सुसमाचार के उस संदेश के साथ किसी दूसरे व्यक्ति को प्रभावित करना, जिसने आपके जीवन को प्रभावित नही किया है, एक मुश्किल काम है। इसलिए, उस व्यक्ति के रुप में जो दैविय जीवन का संदेश ले जाने के लिए अभिषिक्त है, उस संदेश के प्रभाव को आपके व्यक्तित्व की गुणवत्ता में अवश्य ही दिखना चाहिए।

लोगो को आपको देखकर आपके प्रचार के परिणामो को देखना चाहिए। यह शुरु होता है जब आप स्वंय के लिए वचन को पचाते है, इसको समझते है और हर स्थिती में वचन को करते है। परमेश्वर के वचन के लिए पूरी तरह से समर्पित हो जाईये कि वह आपके जीवन और आपके चरित्र को परिवर्तित करे और आपकी एक सत्यनिष्ठा का जीवन जीने में सहायता करे। उस तरिके से, आप निश्चित ही सत्यनिष्ठा के फलो को लाएँगे।

२कुरिंथियो ३:६ ए.एम.पी.सी. कहता है कि परमेश्वर "...जिसने हमें नई वाचा (मसीह के द्वारा उध्दार) के सेवक होने के योग्य (हमें उपयुक्त और सक्षम और लायक बनाते हुए) भी किया, शब्द (कानूनी लिखित कोड) के सेवक नहीं वरन् आत्मा के; ..."। फिर भी जो सच्चा संदेश आपके पास है यह उसका दर्शन है जो आपके अंदर है।

एक "व्यवसायिक प्रचारक" मत बन जाईये। चाहे आप कुछ भी सीखाए या प्रचार

करे, दिन के आखिर में सबसे महत्वपूर्ण वस्तु वह सच्चा जीवन है जो आपके अंदर है; वही आपका सच्चा संदेश है। इसलिए, व्यक्तिगत विकास के लिए परमेश्वर के वचनो में निवेश कीजिए। अपने जीवन को वचन के द्वारा बनाईये, अपने वचन पढने और अध्ययन के समय को गंभीरता से लेकर।

घोषणा

मेरा जीवन एक संदेश है, एक दैविय जीवन का संदेश, परमेश्वर के प्रेम, भलाई, सत्यनिष्ठा और सच्ची पवित्रता का संदेश। वे आनारक्षित रुप से मेरे विश्व में दिखाई देते है। मैं वचन के लिए पूरी तरह से समर्पित हूँ अपने जीवन और चरित्र को संस्कृत करने के लिए और मुझे सही मानसिकता देते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

2 कुरुंथियो 3:6 AMPC; मत्ती 5:16

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 11:14-36 & न्यायियो 3-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 8:12-19 & भजन संहिता 110-111

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

बुधवार 8

निरंतर प्रगति

परन्तु सत्यनिष्ठों की चाल उस चमकती हुई ज्योति के समान हैं, जिसका प्रकाश दोपहर तक अधिक अधिक बढ़ता रहता है (नीतिवचन ४:१८)।

एक वस्तु जो आप अपने जीवन में देखना चाहते है वह है निरंतर सफलता। जब मैं कहता हूँ, "कि मैं हमेशा आगे और ऊपर उठ रहा हूँ", तो यह अतिश्योक्ति या एक ऐसी वस्तु की घोषणा नही है जो मैं चाहता हूँ कि हो जाएँ; नही! यह मेरे जीवन की वास्तविकता है, जो कि परमेश्वर के वचन के द्वारा संभव बनाई गई है। मैं हमेशा प्रगति कर रहा हूँ, मसीह में हमारा यही जीवन है।

आप बहुत सिलसिरेवार हो सकते है, अपने काम, सेवकाई और अपने जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति करते हुए। क्योंकि मसीही के लिए, परिस्थितिवश समृद्ध होना समृद्धि नही है। कुछ लोग समृद्ध हो सकते है उस समय की परिस्थिती के कारण। जब आर्थिक स्थितीयाँ उनके अनुकूल होती है, तो वे अच्छा करते है, लेकिन जब एक बदलाव आता है, तो उनकी समृद्धि नीचे चली जाती है। यह काफी नही है।

अब्राहम, इसहाक और याकूब का अध्ययन कीजिए, वे समृद्ध हुए, परमेश्वर के साथ चले, उनके समय की आर्थिक परिस्थितीयो के बावजूद। उत्पत्ति २६:१२-१४ बात करता है कि कैसे इसहाक अकाल के समय में बहुत समृद्ध हुआ, कि पूरा देश उससे जलने लगा: "फिर इसहाक ने उस देश में जोता बोया, और उसी वर्ष में सौ गुणा फल पाया; और यहोवा ने उसको आशीष दी, और वह बढ़ा और उसकी उन्नति होती चली गई, यहाँ तक कि वह अति महान् पुरुष हो गया। जब उसके भेड़-बकरी, गाय-बैल, और बहुत से दास-दासियाँ हुईं; तब पलिश्ती उससे डाह करने लगे"।

हम में से हर व्यक्ति के लिए ऐसा ही होना चाहिए, क्योंकि हम अब्राहम का वंश है। परमेश्वर और जीवन के विषय में हर वस्तु जो उसने हमें दी है उसमें निरंतरता ही दिखती है। इसलिए, अनियमित सफलता के साथ समझौता करना मना कर दीजिए। घोषणा कीजिए, "मेरा जीवन केवल आगे और ऊपर ही जा रहा है, " और फिर वचन के साथ चिपके रहिए। वचन का अभ्यास कीजिए, यह एक अनंत सफलता के जीवन का रहस्य है।

१तीमुथियुस ४:१५ हमे बताता है कि परमेश्वर के वचन पर मनन

करना सतत वृद्धि की गारंटी है। पौलुस ने तीमोथि को लिखा, “इन बातों का अभ्यास कर और अपने आपको इन्हें समर्पित कर, ताकि तेरी उन्नति सब पर प्रगट हो”। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मेरे जीवन में आपके वचन की वास्तविकता के लिए धन्यवाद जिसके कारण मैं निरंतर वृद्धि करता हूँ। मेरा जीवन केवल आगे और ऊँचाई के लिए है, मेरे विश्व की अनियमित और सिकुड़ती हुई आर्थिक व्यवस्थाओ के बावजूद। मैं घोषणा करता हूँ कि मैं प्रभु यीशु मसीह के नाम में संपूर्ण और निरंतर विजय में जीता हूँ। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यहोशू 1:8 AMPC; उत्पत्ति 26:12-14 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 11:37-54 & न्यायियो 5-6

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 8:20-28 & भजन संहिता 112-113

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

हम मसीह की पत्रियाँ है

हमारी पत्री तुम ही हो, जो हमारे हृदयों पर लिखी हुई है और उसे सब मनुष्य पहिचानते और पढ़ते है (२कुरिंथियो ३:२ एन.आय.व्ही.)।

जब आप ऊपर के वचन को एम्लीफाईड क्लासिक अनुवाद में पढेंगे, तो आप थोडा सा अंतर देखेंगे। यह कहता है, " हमारी सिफारिश (परिचय पत्र) की पत्री तुम ही हो, जो तुम्हारे हृदयों पर लिखी हुई है और उसे सब मनुष्य पहिचानते (समझते, मानते) और पढ़ते है "। एन.आय.व्ही और के.जे.व्ही में रेखांकित भाग पर ध्यान दीजिए। यह कहता है कि "हमारे हृदयों में" जबकि एम्लीफाईड अनुवाद कहता है " तुम्हारे हृदयों "में । इतना अंतर क्यूँ है?

जब अनुवादक काम करते है, तो वे हमेशा सारे आवश्यक बिंदूओ पर ध्यान नही देते है। कुछ बार वे सिद्धांतो, संदर्भ, संदेश या केवल भाषा पर ध्यान देते है। यह निर्भर करता है कि उनका दर्शन क्या था और वाक्य की परेशानि को सुलझाने की उनकी तैयारी क्या थी। जब आप कुछ कठिन क्षेत्रो को देखते है, तो आपको निर्देशन के लिए पवित्र आत्मा की सेवकाई की आवश्कता है । ऊपर का वचन एक कठिन क्षेत्र है, ना की खुद वचन, किंतु सच्चाई वहाँ पर है; यह एक बहुत ही शक्तिशाली वास्तविकता है, किंतु थोडी सी जटिल है। यह कहता है, "...हमारी सिफारिश (परिचय पत्र) की पत्री तुम ही हो, जो तुम्हारे हृदयों पर लिखी हुई है... " (ए.एम.पी.सी)।

अब, उदाहरण के लिए जब आपने कुरंथ को लिखे गए पौलुस के पत्र को पढ़ा हो, तो आप शायद सच्चाईयो के द्वारा उत्साहीत हो गए हो। किंतु वह लिखा गया पत्र था, और यहाँ पर बाइबल कहती है कि आप एक जीवित पत्री है, जो कि हर मनुष्य के द्वारा जानी और पढी जाती है; मसीह की एक पत्री! यह अद्भुत है, यीशु कौन है? वह जीवित वचन है; वचन जो शरीर बना। इसलिए मसीह की पत्रियाँ होने का अर्थ है कि आप भी मसीह के देहधारी हुए वचन है, और मसीह का वचन परमेश्वर का वचन है।

इसलिए आप शरीर में परमेश्वर का वचन है। कुछ लोग उनके धार्मिक दिमागो के कारण इसको मान नही पाते है किंतु यह समझने के लिए आसान है जब आप जान जाते है कि जीवन में हर वस्तु अपने प्रकार को ही जन्म देती है: कुत्ते कुत्ते को जन्म देते है; मनुष्य मनुष्यो को जन्म देते है; वचन वचन को जन्म देता है। १पतरस १:२३ कहता

है, “क्योंकि तुम ने नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज से, परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है”। वचन की संतान होने के कारण, हम मसीह की पत्रियाँ (वचन) है। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं परमेश्वर से जन्मा हूँ इसलिए मैं एक जीवित पत्री हूँ, मसीह से एक पत्र, जो सबके द्वारा जाना और पढा जाता है। मैं वचन का जीवन जीता हूँ, महिमा, सदगुण और सम्मान से भरा हुआ। मैं दैविय स्वभाव को दिखाता हूँ, राज्य का विजय, समृद्धि, शांति और आनंद का जीवन जीते हुए, आज और हमेशा, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 1:12-14; 1 पतरस 1:23 AMPC; 2 कुरुंथियो 3:3

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 12:1-21 & न्यायियो 7-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 8:29-39 & भजन संहिता 114-115

Leave comments on today’s devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार **10**

आपको "लिखना... "पडेगा

(नही) हमारी सिफारिश (परिचय पत्र) की पत्री तुम ही हो, जो तुम्हारे हृदयों पर लिखी हुई है और उसे सब मनुष्य पहिचानते (समझते, मानते) और पढ़ते है। तुम इसको दिखाते और अवगत कराते हो कि तुम हमारे द्वारा दी गई मसीह की एक पत्री हो, और जो स्याही से नहीं परन्तु जीवते परमेश्वर के आत्मा से, पत्थर की पटियों पर नहीं, परन्तु हृदय की मांस रूपी पटियों पर लिखी गई हैं (२कुरिंथियो ३:२-३ ए.एम.पी.सी)।

कुछ बाइबल अनुवादको ने सोचा कि पौलुस दूसरो के हृदय में नही लिख सकता था, इसलिए उन्होनें माना कि उसका अर्थ था, "हम अपने हृदय में तुम्हारे विषय में सोचते है।" किंतु अगला वचन इसका विरोध करता है। यह कहता है, "तुम मसीह की पत्रियाँ हो जो हमारे द्वारा दी गई है।" इसका क्या अर्थ है, और यह कैसे कार्य करता है? अब, यह काफी नही है कि यह आपके हृदय में लिखा जाएं। उदाहरण के लिए जब आप अध्ययनिका का अध्ययन करेंगे, तो वचन आप तक आ रहा है, किंतु जो सब कुछ सुसमाचार में है वह अभी आप तक नही आ रहा है।

इसके अतिरिक्त, इस तथ्य के बारे में सोचीए कि पतरस ने भी सुसमाचार दिया और चर्चो को पत्र लिखे, लेकिन वह सुसमाचार की सारी सच्चाईयो के साथ नही आया। पौलुस को यह दूरंदेशता दी गई थी कि वह चर्च तक इसको लाएँ, किंतु सुसमाचार एक सा है। पतरस सुसमाचार की व्यापकता को लेकर आया था, किंतु पौलुस विलक्षण, अंतरंग और सुसमाचार के विश्लेषणात्मक विवरणो को लेकर आया, कि चर्च को कैसे चलना चाहिए। उसने चर्च की सरंचना के बारे में और मसीह में नई सृष्टि के बारे में लिखा; उसने इन दर्शनो को "पत्रियों में" लिखा- चर्चो को लिखी गई पत्रियो में ।

अब, आपको परमेश्वर का वचन दिया जाता है (शब्द), जो आपने ग्रहण किया "मसीह की पत्रियाँ बनने के लिए", किंतु वह शायद उस जीवन के लिए पर्याप्त ना हो जो परमेश्वर चाहता है कि आप जीएं। तो आप क्या करेंगे? तो आपको वचन के द्वारा उत्साहीत अपनी सच्चाईयो को स्वयं "लिखना" होगा। हमारे आरंभिक वचन के आखिरी भाग को फिर से पढिए: यह हमे दिखाता है कि आप तक आए वचन की सेवकाई का क्या परिणाम होता है । विश्वास का वचन आपको दिया जा चुका है; अब, आप उसी वचन के संदेशवाहक या दूत बन गए है; आप इस पर विश्वास करते है, आप इसे बोल रहे है, किंतु यह काफी नही है, क्योंकि आपके पास वही है जो आपको दिया गया था। ऐसे भी कुछ दूसरी बातें है जो आपको अपने लिए "लिखनी " पडेगीं या बनानी पडेंगीं।

जो आपने सीखाया या प्रचार करते हुए सुना वह आपको लिखा गया था, या आपमें

लिखा गया था – आपके हृदय की पटियो पर। किंतु जब आप यह कर लेते है, जैसे कि आप आज की अध्यननिका पढ़ने के बाद, क्या लिखने वाले है? वही वास्तव में आपके जीवन को बदलता है और आपको महिमा के रास्तो में बनाए रखता है। हम हमारे अगले अध्ययन में सीखेंगे और विचारविमर्श करेंगे कि यह कैसे कार्य करता है।

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद आपके वचन के लिए जो आज मेरे हृदय में आया है, जिससे सकारात्मक बदलाव और प्रमोशन आते है, जिसके द्वारा मैं महिमा में चलता हूँ और आपके आत्मा के पंखो पर उड़ता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

कुलुस्सियो 3:16; इब्रानियो 8:10

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 12:22-48 & न्यायियो 9

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 9:1-13 & भजन संहिता 116-117

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **11**

हमारे हृदय में वचन को लिखना

> ...मेरा हृदय एक सुन्दर विषय की उमंग से उमण्ड रहा है, जो बात मैनें राजा के विषय रची है उसको सुनाता हूँ; मेरी जीभ निपुण लेखक की लेखनी है (भजनसंहिता ४५:१)।

स्कूल में विद्यार्थी की तरह जब आपको सीखाया जा रहा था, तो शिक्षको ने आपको नोट्स दिये या जब वे सीखा रहे थे तो आपने अपने नोट्स लिखे। जब आप कक्षा से बाहर गए, तो आपने उस विषय पर अधिक अध्ययन किया, और अधिक नोट्स बनाये और परिणामस्वरुप आपके पास क्लास में सीखाई गई बातो के विषय में बेहतर ज्ञान था। उस तरिके से आप परिक्षा में उस व्यक्ति से बेहतर कर पाएं जो खोजने के लिए एक कदम आगे नही गया, अधिक अध्ययन करने और उसके स्वंय के नोट्स बनाने में।

ऊपर का उदाहरण हमारे आज के अध्ययन को और अधिक समझाने के लिए है, हमारे पिछले अध्ययन से आगे बढ़ते हुए। हम ने सीखा कि परमेश्वर का वचन आपके हृदय में लिखा गया है, किंतु जो आप लिखते है वह ज्यादा महत्वपूर्ण है। तो आप कैसे लिखेंगे? हमारा आरंभिक वचन हमे उत्तर देता है। यह कहता है, "मेरा हृदय कुछ बना रहा है; यह कुछ लिख रहा है, और मेरी जीभ निपुण लेखक की लेखनी है।" तो आप कैसे अपने हृदय में लिखते है? यह आपकी जीभ के द्वारा है, आप अपने हृदय में अपनी जीभ से लिखते है।

वचन पर मनन करने का यही कारण है। मनन के तीन स्तर होते है: आप वचन को सोचते है, बुदबुदाते है या अपनी सॉस के अंदर बोलते हैं और फिर आप दहाड़ते है। जब यह आपके मुँह से निर्भिकता से बाहर आने लगता है, तो आप इसे अपने हृदय में लिख रहे है – अपने हृदय की पटियो पर। अगर आप इसे अपने हृदय में नही लिखेंगे, तो जब आपको इसकी जरुरत होगी आपको यह नही मिलेगा। इसलिए, अपने हृदय पर अपनी जीभ से वचनो को लिखीए, अपनी घोषणाओ के द्वारा।

आपकी जीभ एक निपुण लेखक की लेखनी है; और जैसे ही आप वचन का अध्ययन करते या सुनते है, तो आप देखेंगे कि आपका हृदय धुनो से उमड रहा है। फिर जैसे ही आप वचनो को बोलेंगे, यह आपके हृदय में स्थापित हो जाता है।

अपने नोट्स में स्याही से लिखना होता है, किंतु वह चाहता है कि आप इसे अपने हृदय की मांस रुपी पटियो पर लिखे। इसको पढिए; यह कहता है, " ...जो स्याही से नहीं

परन्तु जीवते परमेश्वर के आत्मा से, पत्थर की पटियों पर नहीं, परन्तु हृदय की मांस रूपी पटियों पर लिखी है" (२ कुरिंथियो ३:३)। हालेलूयाह! जब यह आपके अंदर होता है, तो इसकी प्रचुरता से, आप अच्छी वस्तुएँ निकालेंगे। धन्य है परमेश्वर!

घोषणा

परमेश्वर का वचन मेरे हृदय में और मेरे मुँह में है, सत्यनिष्ठा के फलो को पैदा करता हुआ। जैसे ही मैं वचन पर मनन करता हूँ, यह मेरी आत्मा के साथ मिलता है, जिसके द्वारा सफलता, विजय, समृद्धि, शांति, और सर्वदा का आनंद आता है। आमीन!

अतिरिक्त अध्ययन:

यहोशू 1:8; इब्रानियो 13:5-6; मरकुस 11:23

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 12:49-59 & न्यायियो 10-11

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 9:14-25 & भजन संहिता 118

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार **12**

मृत्यु और पुनरुत्थान में हमारा प्रतिस्थापन

परंतु वह हमारे ही अपराधो के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामो के कारण कुचला गया; हमारी ही शांति के लिये उस पर ताडना पडी ... (यशायाह ५३:५)।

प्रभु यीशु ने कष्ट उठाया और क्रूस के दर्द और लज्जा को भी सहा, अपने खुद के पापो या अपने लिए नही किंतु हमारे लिए। उसने हमारा स्थान लिया और हमारे बदले में पापो का दंड उठाया। जब वह क्रूस पर था तो हमारे पापो के बोझ के तले वह दर्द में चिल्लाया, "...हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तू ने मुझे क्यों छोड़ दिया?" (मरकुस १५:३४)।

परमेश्वर ने यीशु से अपना मुँह मोड लिया क्योंकि हमारे पाप उस पर लादे गए थे। हबक्कूक १:१३ हमे बताता है कि परमेश्वर पवित्र है और वह अधर्म को नही देख सकता। हमारे पापो के कारण पिता से दूर होना ही वह बात थी जो यीशु कभी नही चाहता था, जिसके लिए उसने गतसमनी के बगीचे में प्रार्थना की, "...पिता, यदि हो सके तो यह कटोरा मुझ से टल जाए, तौभी जैसा मैं चाहता हूँ वैसा नहीं, परन्तु जैसा तू चाहता है वैसा ही हो" (मत्ती २६:३९)।

परमेश्वर की इच्छा प्रबल हुई; यीशु क्रूस पर मरा, और नरक में गया। वह दर्द से गुजरा। जब उसने सब आवश्यक दंड सह लिया, तो बाइबल कहती है कि वह आत्मा में सत्यनिष्ठ ठहरा (१तीमुथियुस ३:१६), और वह जीवन में वापिस लाया गया। वह हमारी निर्दोषता के लिए जीवन में वापिस उठाया गया: "वह हमारे अपराधों के लिये पकड़वाया गया, और हमारे सत्यनिष्ठ ठहरने के लिये जिलाया भी गया"(रोमियो ४:२५)।

निर्दोष होने का मतलब है बाईज्जत बरी होना; सत्यनिष्ठ घोषित किया जाना। वह मृत्यु में और उसी तरह पुनरुत्थान में भी हमारा प्रतिस्थापन था। जब वह मरा, आप उसके साथ मरे; जब वह गाढ़ा गया तो आप उसके साथ गाढ़े गए और जब परमेश्वर ने उसे मरे हुओ में से जिंदा किया तो आप भी उसके साथ जीवन के नयेपन में जिंदा किए गए! अब आप पाप – मुक्त है; पूरी तरह से परमेश्वर की सेवा करने और महिमा और सत्यनिष्ठा में उसके लिए जीने के लिए मुक्त है। ना केवल आप उसकी सत्यनिष्ठा बन गए है, किंतु मसीह यीशु में परमेश्वर की सत्यनिष्ठा भी। कितनी आशीषित वास्तविकताएँ!

प्रार्थना

परमेश्वर का वचन मेरे जीवन का प्रकाश है, और वचन के द्वारा, मैं अपनी सत्यनिष्ठा को देखता हूँ और मसीह में अपनी विरासत को पकडता हूँ, पवित्रता में चलते हुए और हर जगह महिमा को दिखाते हुए। मैं हमेशा परमेश्वर की उपस्थिती में निर्दोष खडा रहता हूँ, पाप और परिस्थिती के ऊपर प्रबलता में, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 5:8; 2 कुरुंथियो 5:21; रोमियो 6:3-5

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 13:1-21 & न्यायियो 12-13

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 9:26-33 & भजन संहिता 119:1-40

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार **13**

अपने हृदय को सही वचनो से भरो

> यदि कोई अपने आप को भक्त समझे और अपनी जीभ पर लगाम न दे, पर अपने हृदय को धोखा दे, तो उसकी भक्ति व्यर्थ है (याकूब १:२६)।

अपने हृदय को धोखा देने का अर्थ है कि आप अपनी आत्मा को एक झूठ में विश्वास दिलाते है। यही वह है जो पौलुस ने २तीमुथियुस २:२५ में बताया, उनके विषय में बात करते हुए जो अपना ही विरोध करते है। उदाहरण के लिए, एक मसीही जो लगातार कमी, बीमारी, कमजोरी, हार की बात करता है वह अपना विरोध कर रहा है; वह अपने हृदय को धोखा दे रहा है, क्योंकि वह मसीह की इच्छा और उसके सुसमाचार के प्रावधानो के विरोध में बात कर रहा है। ऐसे वचन उसकी आत्मा में बीजो की तरह जाएँगे और अगर वे निकाले नही गए, तो वे बढेंगे और परिणामो को पैदा करेंगे।

मरकुस ४:२६-२७ में यीशु के वचनो को याद कीजिए:" ...परमेश्वर का राज्य ऐसा है, जैसे कोई मनुष्य भूमि पर बीज छींटे, और रात को सोए और दिन को जागे, और वह बीज ऐसे उगे और बढ़े कि वह न जाने"। बीज बोनेवाले को केवल बीज बोने की आवश्यकता थी, और वह बीज वचन है, और मनुष्य का हृदय वह भूमि है जो उसको ग्रहण करता है (मरकुस १४:१४-१५)। इसलिए, अपने हृदय में सांसारिक वचनो को बोलकर गलत बीजो को मत बोईये। उन वस्तुओ को बोलिए जो आपको परमेश्वर के द्वारा मुक्त रुप से दी गई है, "जिनको हम मुनष्यों के ज्ञान की सिखाई हुई बातों में नहीं, परन्तु आत्मा की सिखाई हुई बातों में, आत्मिक बातें आत्मिक बातों से मिला मिलाकर सुनाते है" (१कुरिंथियो २:१३)।

परमेश्वर ने आपके लिए महान वस्तुओ को तैयार किया है। उसने आपको वह सब दे दिया है जिसकी आपको सत्यनिष्ठा के एक महिमामय और श्रेष्ठ जीवन के लिए जरुरत है। ये वस्तुएँ वचन में दर्शायी गई है और पवित्र आत्मा के द्वारा आपकी आत्मा में दिखाई जाती है, जो परमेश्वर की गहरी वस्तुओ को खोजता और जाँचता है। आपकी आत्मा पवित्र आत्मा की तरह कार्य करती है, आपके अंतरंग मनुष्य को जाँचते हुए, जो वचन आपने वहाँ बोए है, ताकि आपके लिए फसल पैदा कर सके।

इसलिए, अपने हृदय में सही वचनो को बोते रहिए। बाइबल कहती है हृदय की

अधिकाई से मुँह बोलता है।

प्रार्थना

प्यारे स्वर्गीय पिता, मैं आपके बहुमूल्य, अनंत और अटल वचनो के लिए आपका धन्यवाद देता हूँ, जो कि मेरे हृदय में भरा हुआ है। मेरा हृदय आपके वचनो के प्रकाशन से भरा हुआ है, संदेह या अविश्वास को कोई स्थान ना देते हुए। विरोधी परिस्थितियो के बावजूद मैं जीतता हूँ क्योंकि आपका वचन मेरा जीवन है। यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

कुलुस्सियो 3:16; मरकुस 4:14-20

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 13:22-35 & न्यायियो 14-16

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 10:1-10 & भजन संहिता 119:41-64

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मंगलवार **14**

अब तक की सबसे बड़ी कहानी

अर्थात् परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेल – मिलाप कर लिया, और उनके अपराधों का दोष उन पर नहीं लगाया और उस ने मेल – मिलाप का वचन हमें सौंप दिया है (२कुरिंथियो ५:१९)।

कलीसिया में बहुत से लोग वास्तव में यीशु मसीह के सुसमाचार को नही समझते है। आप सुसमाचार को समझकर इसकी सच्चाई के द्वारा उत्साहीत और विवश हुए बिना नही रह सकते। यह एक धारणा नही है; यह एक परीयो की कहानी नही है; सुसमाचार वास्तविक और अद्भुत है।

इसके विषय में सोचीए: मसीह यीशु पापीयो को बचाने के लिए आया; परमेश्वर शरीर में इस विश्व में आया, पापी मनुष्य का स्थान लेने के लिए। वह क्रूस पर लटकाया गया, गाढ़ा गया और मृत्यु से जी उठा और वह आज भी जीवित है। जो कुछ उसने क्रूस पर किया वह पूरे विश्व के लिए था।

जब वह क्रूस पर मरा, हम उसमें मरे। जब वह गाढ़ा गया हम उस में गाढ़े गए। जब परमेश्वर ने उसको जीवित किया हम उसके साथ जीवित किए गए। आज, क्योंकि वह जीवित है तो हम भी जीवित है। कितनी अद्भुत कहानी! जो पाप से अज्ञात था वही हमारे लिए पाप बना ताकि हम उसमें होकर परमेश्वर की सत्यनिष्ठा बन जाएँ!

हमारा आरंभिक वचन कहता है, "अर्थात् परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेल – मिलाप कर लिया, और उनके अपराधों का दोष उन पर नहीं लगाया और उस ने मेल – मिलाप का वचन हमें सौंप दिया है"। मैं सुसमाचार की सच्चाई के द्वारा विवश हूँ कि कभी हम सब मरे हुए थे, परमेश्वर के जीवन से कटे हुए थे, अब हम मसीह में जीवित है। कितनी अद्भुत आशा! कितना अद्भुत संदेश! पूरे विश्व में ऐसा कुछ भी नही है; यह अब तक की सबसे बढ़ी कहानी है। यह आने वाले कल जितनी ताजी है!

यह सोचना कि यह वही सुसमाचार है जिसको हमारे पूर्वज अब्राहम, इसहाक, याकूब देख रहे थे! यही वह सुसमाचार है जो मूसा, दाऊद, और सारे भविष्यद्वक्ताओ ने मसीह के विषय में बोला और भविष्यद्वाणी की। यही वह सुसमाचार है जिसको हम ने गले लगाया है। यह हमारी आत्मा में बहुत अधिक वास्तविक बन गया है! कितना आश्चर्यजनक! यह एक अनंत गाना है, आशीषो की हमेशा बहने वाली नदी। कैसे मैं उसकी आँखो और प्रेम

के बिना कुछ देख और सोच सकता हूँ !

जब मैं सोचता हूँ कि यीशु और सुसमाचार का क्या अर्थ है, और वह सब जो उसने हमारे लिए किया है, मैं विवश हो जाता हूँ पूरे विश्व को उसको बताने के लिए। आपके विषय में क्या है? क्या आप जुडेंगे, इस बचाने वाले संदेश को विश्व के अंत तक ले जाने के लिए?

प्रार्थना

प्यारे पिता, सुसमाचार में हमारे पास कितना अद्भुत संदेश है! इस महिमामय और अनुग्रही सुसमाचार– मसीह के उद्धार का अच्छा समाचार और अनंत मृत्यु से छुडाव – के द्वारा विश्वास बहुतो के हृदय में उत्साहीत होता है और उद्धार बढ़ता जाता है! आज, बहुत से लोग विनाश के पंजो से छुडाये जाते है और आपके प्रिय पुत्र के राज्य में लाए जाते है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

कुलुस्सियो 2:10-13; रोमियो 1:16-17 AMPC; 1 तीमुथियुस 1:15

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 14:1-24 & न्यायियो 17-18

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 10:11-21 & भजन संहिता 119:65-80

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

पिता का प्रेम

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए (यूहन्ना ३:१६)।

आपने एक बच्चे की तरह अवश्य ही ऊपर के वचन को याद किया होगा, जैसा मैंने किया था। बच्चों के रुप में हम से यह बुलवाया जाता था, किंतु जैसे ही मैं बडा हो गया और भाषा की महत्ता को समझने लगा, शब्दो की महत्ता को, तो मैं उन विचारो पर मनन किए बिना नही रह पाया जो इस वचन में बताए गए है और यह कि वास्तव में इसका अर्थ क्या है। वह कहता है, "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से इतना प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, ..."।

यह महामई परमेश्वर की सार्वभौमिक घोषणा है; यह विश्व के लिए कानूनी संदेश है, एक कानूनी निर्देश। सच्चाई में यह एक नियम है। परमेश्वर ने हर एक से इतना प्रेम किया, उसने हम से इतना प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया। अब उसी वचन में मैंने पिता के प्रेम का प्रचुर प्रवाह और प्रदर्शन देखा। उस में बहुत सारे संदेश है। यह सोचिये: उसने आपके स्थान में यीशु को दे दिया, इसका अर्थ है कि वह आपसे उतना ही प्रेम करता है जितना वह यीशु से करता है। इसका अर्थ है कि आप परमेश्वर के लिए मूल्यवान है।

अगर परमेश्वर ने आपसे इतना प्रेम किया, तो आप अवश्य ही उसके लिए कुछ है; अन्यथा, उसने आपके बदले में इतना बड़ा दाम नही चुकाया होता। इसके अतिरिक्त, वह आपसे प्रेम करता है का अर्थ है कि वह आपके ऊपर हर दिन निगाह रखे हुए है; वह आपके साथ हर क्षण और रास्ते के हर कदम में है। आपसे जुडी हर वस्तु का उसे ख्याल है। इस बात को आपको जीवन में असाधारण आत्म विश्वास देना चाहिए; एक सोचने का नया तरिका। वह सीमा जहाँ तक वह उसके प्रेम को दिखाने के लिए गया, यह इस बात का प्रमाण है कि आपके लिए कुछ भी बहुत अच्छा नही है।

पौलुस ने इसको समझा और कहा, "अत: हम इन बातों के विषय में क्या कहें? यदि परमेश्वर हमारी ओर है, तो हमारा विरोधी कौन हो सकता है? जिसने अपने निज पुत्र को भी न रख छोड़ा, परन्तु उसे हम सब के लिये दे दिया, वह उसके साथ हमें और सब कुछ क्यों न देगा?"(रोमियो ८:३१-३२)। अपने लिए परमेश्वर के प्रेम के प्रति आश्वस्त हो जाईये, और उस प्रेम के द्वारा विवश हो जाईये दूसरो तक पहुँचने और उन्हें उसके लिए जीतने के लिए।

२कुरिंथियो ५:१४-१५ घोषणा करता है, “क्योंकि मसीह का प्रेम हमें विवश कर देता है; इसलिये कि हम यह समझते हैं कि जब एक सब के लिये मरा तो सब मर गए: और वह इस निमित्त सब के लिये मरा कि जो जीवित हैं, वे आगे को अपने लिये न जीएँ परन्तु उसके लिये जो उनके लिये मरा और फिर जी उठा।” इसका अर्थ है कि हम शांत नही रह सकते, हमे अवश्य ही उसके प्रेम, और उसके अनुगह, दया और करुणा के बारे में बताना चाहिए। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद आपके अटल प्रेम के लिए जो आपने हमारे ऊपर बहुतायत से ऊँडेला है! धन्यवाद हमे आपके अनुग्रह, महिमा और सत्यनिष्ठा का केंद्र बनाने के लिए। मैं आज और हमेशा आपके प्रेम की चेतना में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 8:31-37; 2 कुरुंथियो 5:14 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 14:25-15:1-10 & न्यायियो 19-21

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 11:1-12 & भजन संहिता 119:81-104

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 16

ध्वनी एक जीवित वस्तु है

फिर परमेश्वर ने कहा, जल बहुत से जीवित प्राणियों को पैदा करें, और पक्षी पृथ्वी के ऊपर आकाश के अन्तर में उडें (उत्पत्ति १:२०)।

जो हम ने हमारे आरंभिक वचन और पूरे उत्पत्ति १ में पढा वह पूर्णरुप से गजब का है, जहॉ परमेश्वर ने बोलकर सारी सृष्टि को बनाया। यह दर्शाता है कि ध्वनी में ना केवल ऊर्जा है, इस में जीवन भी है; यह एक जीवित वस्तु है। जब परमेश्वर ने उत्पत्ति में पानी, पृथ्वी, और अंधकार से बोला, तो उसने उन में जीवन डाला।

इसलिए सारी सृष्टि, यहॉ तक कि निर्जीव परिभाषित वस्तुओं में भी जीवन है। एक मात्र कारण जिसकी वजह से मनुष्य कुछ वस्तुओ को निर्जीव कहते है क्योंकि वे जीवन को जैविक परिभाषा के परे नही समझते हैं, और इसलिए वे उन वस्तुओ में ठोस, "मापने योग्य" जीवन ढूंढने में अयोग्य है। किंतु उन सब में जीवन है, परमेश्वर के वचन के कारण।

उदाहरण के लिए गिनती २०:८ में, परमेश्वर ने मूसा से कहा कि चट्टान से बात करो : " ...उनके देखते उस चट्टान से बातें कर, तब वह अपना जल देगी; इस प्रकार से तू चट्टान में से उनके लिये जल निकाल कर मण्डली के लोगों और उनके पशुओं को पिला"। क्यूँ परमेश्वर मूसा से चट्टान से बात करने को कहेगा? इसलिए कि चट्टान में जीवन है, बुद्धि और याददाश्त के साथ। जीवन में बाकी वस्तुओ की तरह, यह भी वचनो का उत्तर देने के लिए प्रोग्राम की गई है, क्योंकि वे सब वचनो के द्वारा बनाए गए थे।

यीशु ने एक अंजीर के पेड से बात की, और यह उसकी जडो से सूख गया (मरकुस ११:१४, २०-२१)। अगर संपूर्ण सृष्टि परमेश्वर के बोले गए वचनो के द्वारा बनी, तो इसका अर्थ है कि हर कण में, पदार्थ में या वस्तु में ध्वनी कोड है, वे सब ध्वनी कोडो का उत्तर दे सकते है जो हम अपने वचनो के द्वारा मुक्त करते है। यह, यह भी बताता है कि पदार्थ का आधारभूत कण ध्वनी है।

हम यहेजकेल को सूखी हड्डियो की घाटी में देखते है और प्रभु ने उससे कहा, "हड्डियों पर भविष्यद्वाणी करो "। बाइबल स्पष्ट रुप से कहती है कि हड्डियाँ बहुत सूखी थी; "जीवनरहित"; किंतु यहेजकेल के वचनो पर, हड्डियाँ हिली और उन में आत्मा घुस गया (यहेजकेल ३७:१-१०)। ठीक उसी तरह, आप भी सही ध्वनी कोडो को इस्तेमाल कर सकते है – उस प्रकार के जीवन को बनाने के लिए जिसकी आप इच्छा करते है। इससे अंतर नही पडता है कि आपकी वर्तमान परिस्थितीयॉ क्या है; आप वचनो के द्वारा

अपने जीवन की दिशा को बदल सकते है और इसे परमेश्वर की योजना से मिला सकते है। परमेश्वर की महिमा हो!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ वचन बोलने और मेरे द्वारा इच्छित जीवन को बनाने की योग्यता देने के लिए। मैं घोषणा करता हूँ कि मैं दैविय समृद्धि और प्रगति में चलता हूँ; मैं दैविय स्वास्थ में चलता हूँ; मैं निरंतर शांति और सुरक्षा में रहता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यशायाह 59:21; योएल 2:28; मरकुस 11:23

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 15:11-32 & रुत 1-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 11:13-24 & भजन संहिता 119:105-128

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार **17**

जरूरतो के ऊपर जीओ

मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है, तुम्हारी हर एक जरूरत को पूरी करेगा (फिलिप्पियो ४:१९)।

बहुत से लोग परमेश्वर के साथ उनकी यात्रा में शीशु अवस्था में है; उनकी प्रार्थनाएँ भौतिक वस्तुओ के लिए निरंतर निवेदनो से भरी हुई है: वे एक नया घर, एक कार, डिजायनर घड़ियाँ, या कपडे, पैसे इत्यादि चाहते है। सच्चाई यह है कि परमेश्वर का सर्वश्रेष्ठ आपको यह वस्तुएँ देना नही है; जो वह देना चाहता है वह है आपकी आत्मा में उसका वचन। वह आपके जीवन में सबसे महत्वपूर्ण वस्तु है।

आप शायद पूछना चाहे,"किंतु क्या परमेश्वर ने नही कहा कि हम उससे वह माँगे जो हम चाहते है?" वचन का वह भाग कहता है, "माँगो तो तुम्हे दिया जाएगा....हर व्यक्ति जो माँगता है ग्रहण करता है...." (मत्ती ७:७-८)। वास्तव में, यह यीशु के वचन है, किंतु सबसे पहले जब आप वचनो का अध्ययन करेंगे तो आपको यह पहचानना है कि यह उद्धार के पहले यहूदी सभा को संबोधित किए गए थे। यह चर्च के लिए मसीह का संदेश नही था। आपको यह समझने की जरूरत है कि यह माँगने का संदेश शीशु मसीही को आशीषित करता है, ना कि आत्मिक वयस्क को।

पौलुस ने कहा, "जब मैं बालक था, तो मैं बालकों के समान बोलता था, बालकों का सा मन था, बालकों की सी समझ थी; परन्तु जब सियाना हो गया तो बालकों की बातें छोड़ दी"(१कुरिंथियो १३:११)। "माँगो और यह तुम्हें दिया जाएगा" यह बच्चो के लिए है। जब आप वयस्क हो जाते है, तो आप समझ जाते है कि सारी वस्तुएँ आपकी है (१कुरिंथियो १:२१)। जैसे ही आप परमेश्वर के अपने ज्ञान में बढते है, तो आप खोजेंगे कि हर वह वस्तु जो आपको जीवन और भक्ति के लिए चाहिए, पहले से आपकी है (२पतरस १:३)। आपको परमेश्वर से कुछ भी माँगने की जरूरत नही है, क्योंकि आपकी जरूरते पहले से ही उसकी आपूर्ति प्रणाली में है!

यीशु के विषय में पढिए; उसके पास कमी या जरूरत की कोई चेतना नही थी। उसे पिता से कभी भी कुछ नही माँगना पड़ा। यह रहने के लिए कितना अद्भुत स्थान है, जहाँ पर आपके पास जरूरत की कोई चेतना नही होती है! १ कुरिंथियो के पहले अध्याय के नौवें वचन में पौलुस ने कहने में कंजूसी नही की, "परमेश्वर सच्चा है, जिसने तुम को

अपने पुत्र हमारे प्रभु यीशु मसीह की संगति में बुलाया है"। इसका अर्थ है कि आप ब्रम्हांड के शासक के साथ एकता में लाए जा चुके है, पार्टनरशिप में, एक पारिवारिक संबंध में। अगर यह सच है, तो आपको कैसे कोई जरुरत हो सकती है! हर वस्तु जो उसकी है, आपकी है क्योंकि आप उसके उत्तराधिकारी है। परमेश्वर की स्तुति हो!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ सहभागिता के आनंद और लाभ के लिए, जो मेरी आँखों को उस सच्चाई के लिए खोलता है जो आपने मुझे मसीह यीशु में अपनी महिमा के धन के अनुसार मेरी सारी जरुरतो को पूरा करने के लिए मुक्त रुप से सप्लाई की है। मैं आपके वचनो पर केंद्रित हूँ, जो कि मेरा स्त्रोत है। हर वस्तु जो आपकी है मेरी है, क्योंकि मैं आपका उत्तराधिकारी हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 कुरुंथियो 3:21-22; 2 कुरुंथियो 9:8-11 AMPC;
2 पतरस 1:3

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 16 & 1 शमूएल 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 11:25-36 & भजन संहिता 119:129-144

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **18**

मसीह के साथ क्रूस पर लटकाये गए

पृथ्वी पर की नहीं परन्तु स्वर्गीय वस्तुओं पर ध्यान लगाओ। क्योंकि तुम तो मर गए और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है (कुलुस्सियो ३:२-३)।

एक जवान मसीही की तरह आगे बढते हुए, मैं ने बहुत से बाइबल विद्वानो की बहुत सारी सामग्रीयाँ पढ ली थी जिन्होंने इस बात पर जोर दिया कि "अपने लिए मरना" मसीह जीवन का सच्चा सार है। उन्होंने सोचा कि ऐसा कोई भी काम करना जो परमेश्वर को प्रसन्न करे, या परमेश्वर की वस्तुओ के लिए एक पसंद को विकसित करने के लिए, आपको सबसे पहले इस प्रक्रिया जिसका नाम है "अपने लिए मरना" से जाना पडेगा।

किंतु जैसे ही मैं ने वचनो का अध्यनन किया, मैं कुलुस्स्यो ३ में पौलुस की उत्साहीत शिक्षाओ के संपर्क में आया कि हम मर गए है और हमारा जीवन परमेश्वर के साथ मसीह में छिपा हुआ है। इसने मेरे लिए सब कुछ बदल दिया; "अपने लिए मरने" की अब कोई आवश्यकता नही थी; क्योंकी हम पहले ही मर चुके है। इसलिए, हमे फिर से "मरना " नही है कि हम परमेश्वर की सेवा करने और अपने दिमाग या प्रेम को आत्मिक वस्तुओ पर लगा सकने के योग्य हो सके। हम इसे स्वाभाविक रुप से कर सकते है, सत्यनिष्ठा की नई सृष्टियों के रुप में, हमारी इच्छाओ को दिशा देकर।

कुछ लोग आत्मिक गतिविधियो से जुड़ने में संघर्ष करते है, किंतु आप नही। आपको प्रार्थना करना पसंद है, आपको चर्च जाना और वचन का अध्ययन और मनन करना पसंद है क्योंकि आपका प्रेम पर उस पर लगा हुआ है। आप विश्व के लिए मर चुके है और विश्व आपके लिए मर चुका है (गलातियो ६:१४)। मसीह में यह आपका नया जीवन है। इसे अभी जीएँ।

ध्यान दीजिए कि कुलुस्सियो ३:३ नही कहता है कि आपको विश्व या अपने लिए मरने की कोशिश करनी चाहिए वरन यह कहता है, "तुम मर गए हो..." । इसका अर्थ है कि आप पूर्ण रुप से एक नये व्यक्ति है - अस्तित्व की नई प्रजाति जो पहले कभी भी नही थी (२कुरिंथियो ५:१७) - विश्व के रिवाजों के लिए मसीह के साथ मर गए (कुलुस्सियो २:२०)।

आप पाप और उसके प्रभावो के लिए मर गए है। इसलिए, यह गलत होगा कि

आप उपवास के लिए अलग समय निकाले कि "शरीर के लिए मर जाएँ" या प्रार्थना में घंटो समय बिताएं, यह सोचते हुए कि परमेश्वर को प्रसन्न करने के लिए आप अपने लिए कैसे मरे। आपको अपना प्रेम उस पर लगाना है, उसके स्वर्गीय राज्य पर। उससे अपने पूरे हृदय के साथ प्रेम कीजिए और आत्मा की वस्तुओ को इस विश्व में आपके लिए किसी दूसरी वस्तु से ज्यादा महत्वपूर्ण होने दीजिए।

घोषणा

प्रभु दयालु और कृपालु है, और वह मेरे सबसे गहरे प्रेम का व्यक्तित्व है। पूर्ण हृदय और जुझारु रुप से मैं प्रभु की सेवा अपनी आत्मा के साथ करता हूँ, उसके वचन में जीते हुए, पाप और उसके नष्ट करने वाले प्रभावो के ऊपर। मैं मसीह की महिमा और सत्यनिष्ठा में चलता हूँ, जीवन और अमरता में, आनंद, स्वास्थ, शांति, समृद्धि और प्रचुरता में, यीशु के नाम में, आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

कुलुस्सियो 2:20; कुलुस्सियो 3:1-4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 17:1-19 & 1 शमूएल 3-7

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 12:1-8 & भजन संहिता 119:145-160

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 19

"आपूर्ति को काट दो"

इसलिये अपने उन अंगो को मार डालो जो पृथ्वी पर हैं, अर्थात् व्याभिचार, अशुध्दता, दुष्कामना, बुरी लालसा और लोभ को जो मूर्तिपूजा के बराबर है (कुलुस्सियो ३:५)।

पवित्र आत्मा के द्वारा ऊपर के वचन में पौलुस प्रेरित के द्वारा दी गई सरंचना बहुत रोचक है। सर्वप्रथम यह आपको दिखाता है कि आप एक पार्थिव प्राणी नही है। एकमात्र "अंग" या आपके व्यक्तित्व का वह भाग जो पार्थिव है, वह आपका भौतिक शरीर है; यह पृथ्वी पर कार्य करने का आपका उपकरण है। आप वास्तव में एक आत्मिक प्राणी है। इसलिए आप अपने शरीर को नियंत्रित कर सकते है।

हमारे आरंभिक वचन में शब्द "मार डालो" पर ध्यान दीजिए; यह ग्रीक में "नेकरु" है, और इसका अर्थ है "गल जाना"। गल जाना एक स्थिती है जहाँ पर शरीर की कोशिकाएँ लहू की सप्लाई रुकने के कारण मर जाती है । उदाहरण के लिए अगर हाथ पैरो में लहू की सप्लाई सही नही है, तो वह कोशिका मर जाती है। तो आत्मा हमे यहाँ क्या बता रहा है?

इसका अर्थ है कि आपको आपूर्ति को "काट "देना है, वह वस्तु जो दुष्टता और अधर्म की इच्छाओ को आपके अंगो में पैदा करती है – वासना की जरुरते, अशुद्धता, लोभ, स्वार्थ इत्यादि! उन्हें मार डालो या आपूर्ति को काटने के द्वारा उन्हें गला डालो; उन्हें "निर्जीव" करो और आपके जीवन को नियंत्रित करने की उनकी सामर्थ से उन्हें वंचित कर दो। ऐसा करना आपका उत्तरदायित्व है।

अगर कुछ गलत आदते या कुछ ऐसे निर्देश है जिनको आप रोकना चाहतें है, जो वचन के अनुसार एक मसीही के लिए गलत है और आप उनको अपने जीवन से पूरी तरह से हटाना चाहते हैं, तो केवल वह कीजिए जो बाइबल कहती है: अपने सोचने की व्यवस्था से उनकी सप्लाई को काट दो; उन्हें अपने विचारो से खाना मत दो! यह एक वीडियो, एक पुस्तक, एक वेबसाईट या कोई टी.वी. प्रोग्राम हो सकते है; उन्हें और अधिक प्रभावित मत करने दो।

अगर आप अपने शरीर को भोजन नही देगें, तो बुरी इच्छाओ का आपके जीवन में कोई स्थान नही होगा; आप खोजेंगे कि आपका बर्ताव बदल जाएगा। मसीहत का अवश्य ही अभ्यास किया जाना है। बाइबल फिलिप्पियो ४:८ में हमे बताती है कि हमे अपने दिमागो को किस वस्तु का भोजन देना चाहिए। यह कहती है, "इसलिये हे भाइयो, जो जो बातें सत्य हैं, और जो जो बातें आदरणीय हैं, और जो जो बातें उचित हैं, और जो जो बातें पवित्र हैं,

और जो जो बातें सुहावनी हैं, और जो जो बातें मनभावनी हैं, अर्थात् जो भी सद्गुण और प्रशंसा की बातें हैं उन पर ध्यान लगाया करो"। इसलिए, सचेतन रुप से गलत विचारो को अपने दिमाग को हटाईये और अपना प्रेम मसीह, उसके वचन, उसके प्रेम, उसकी भलाई, दया और अनुग्रह पर लगाईये। हालेलूयाह!

घोषणा

पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा मैं बेकार, अनर्थ और अपरिणामी विचारो को मार डालता हूँ। मैं अपने दिमाग को सही से इस्तेमाल करता हूँ उस महिमामय और विजयी जीवन का चित्र बनाने के लिए जिसको मैं मसीह में जीने के लिए बुलाया गया हूँ। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

फिलिप्पियो 4:8 AMPC; रोमियो 12:2

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 17:20-18:1-14 & 1 शमूएल 8-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 12:9-21 & भजन संहिता 119:161-176

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 20

संकल्पना करो और कार्य करो

क्योंकि परमेश्वर ही है जिसने अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है (फिलिप्पियो २:१३)।

बहुत से लोगो के पास महान विचार है, चाहे वह उनकी नौकरी हो, धन, व्यवसाय, सेवकाई या कॅरियर, किंतु दु:खद बात है कि बहुत से लोग उन विचारो को परिपूर्णन तक नही ला पाते है। हाँ, उनके पास एक बहुत प्रेरणादायक विचार था कि वे क्या करेंगे या क्या कर सकते है, किंतु वे उसको ढकेलते रहते है; थोडे ही समय में निरुत्साहीत करने वाले विचार और कार्य ना करने के "वैध कारण" दिखाई देने लगते है, फिर उत्साह खत्म हो जाता है और सपना मर जाता है।

सफलता "करने " से आती है, इसका अर्थ है कार्य करने से, ना केवल देखने से। यही कारण है कि महान विचार वाले बहुत सारे लोग है– व्यवसाय में, राजनीति में, या सेवकाई में – जिनके विचार कभी भी एक पर्वत नही बनते है; वे कभी कदम नही उठाते है। वास्तव में, अगर आप उनको बोलता हुआ सुनेंगे, तो आप उनके महान विचारो के द्वारा विस्मित हो जाएँगे, किंतु उनमें कार्य करने का उत्साह और बल की कमी है।

अगर ऊपर की बात आपको परिभाषित करती है, तो समाधान साधारण है: आपको परमेश्वर के वचन पर मनन करने की जरुरत है। परमेश्वर का वचन एक प्रेरित करने वाला बल है। यही कारण है कि "सोफिया"और "सुनेसिस" के परे जो कि दो अलग प्रकार की बुद्धियॉ है (याद कीजिए, परमेश्वर का वचन परमेश्वर की बुद्धि है), आपको अवश्य ही "फ्रूनेसिस" में चलना चाहिए (नये नियम में ग्रीक में ये तीन प्रकार की बुद्धियाँ है)।

"सोफिया" एक सैध्दांतिक बुद्धि या वास्तविकता में अंर्तज्ञान है; यह सारी वस्तुओ की एक सम्मिलित समझ है। "सुनेसिस" तार्किक बुद्धि है, इसका अर्थ है कि मानसिक या तार्किक ज्ञान; संकल्पनाओ को समझने और उनके बीच के संबंध देखने की योग्यता। किंतु "फ्रूनेसिस" प्रायोगिक बुद्धि है; यह एक बल है जो आपसे सही काम करवाता और आपके सोचने से पहले सही बातो को बुलवाता है।

इसलिए, अगर आप "संकल्पना करने" और "कदम " ना उठाने की स्थिती में है, तो प्रतिदिन वचन पर मनन करने के सत्र कीजिए। फिलिप्पियो २:१३ से शुरु कीजिए; और हर दिन अपने आपसे जोर से कहिए, "यह परमेश्वर है जो मुझ में काम कर रहा है उसकी अच्छी इच्छा देते और करवाते हुए। वह मुझ में प्रभावि रुप से कार्य कर रहा है, मुझे मजबूती और ऊर्जा देते हुए। ना केवल सोचते या जानते हुए कि क्या करना है, किंतु

वास्तव में उन्हें करते हुए।" लंबे समय तक इसका अभ्यास कीजिए और आपके पास कभी भी अधूरे सपने या लक्ष्य नही होंगे जो पूरे ही नही हुए।

"करनेवाले" लोग सफल लोग होते है, क्योंकि बहुत से लोग देखते है पर कार्य नही करते! किंतु जब आप देखते और कार्य करते है तो यह आपको महानता के लिए अलग कर देता है। इसलिए आत्मा के द्वारा, अपने सपने को पूरा करने के लिए पूरी तरह से लग जाईये और इस साल के अपने लक्ष्यो को पूरा कीजिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ मुझे मेरे जीवन, नौकरी, और सेवकाई में दैविय विचारो और रचनात्मक समाधानो को देने के लिए। मैं आपके वचन के लिए समर्पित हूँ, और इसलिए मैं आपकी अंर्तनिहित सामर्थ और ऊर्जा का पूरा लाभ लेता हूँ, जो कि मुझ में शक्तिशाली रुप से काम करती है सारी वस्तुओ को करवाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 1:8 AMPC; कुलुस्सियो 1:29 NIV

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 18:15-43 & 1 शमूएल 11-13

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 13:1-14 & भजन संहिता 120-122

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मंगलवार **21**

जब विश्वास टूटा हुआ होता है

...तौभी मनुष्य का पुत्र जब आएगा, तो क्या वह पृथ्वी पर विश्वास पाएगा? (लूका १८:८)।

आज कल, मसीहो से उनके डॉक्टर के विषय में यह सुनना अटपटा नही है जैसे कि वह पवित्र आत्मा है। आप उन्हें ऐसा कहता हुआ सुनेंगे: "मेरे पेट में दर्द हो रहा था, और मैं अपने डॉक्टर के पास गया और उसने मुझे बताया क्या करना है"। वे डॉक्टर के सुझावो को इस तरिके से लेते है जैसे कि इस तरह के सुझाव पवित्र आत्मा से आए है।

एक मसीही के बारे में सोचीए जो दो हफ्ते से सर दर्द महसूस कर रहा है। आप सोचेंगे कि वह कहेगा कि कैसे उसने यीशु के नाम में अपना स्थान लिया और यह भाग गया। वरन, उसकी गवाही होती है कि उसने डॉक्टर को बुलाया जिसने उसको एक शक्तिशाली दवाई दी और यह चला गया।

ऐसे लोगो से यह सवाल होता है कि, "आपका विश्वास कहाँ है? आपके जीवन में परमेश्वर के वचन का क्या स्थान है?" वे उन कामो को कर रहे है क्योंकि डॉक्टर– ना कि वचन या पवित्र आत्मा - ने उनसे कहा है। कितना दु:खद! जिन मसीहो ने अपने आपको इस कठिन स्थिती में पाया है उनके साथ एक बडी परेशानि है: उनका विश्वास टूट गया है या दिवालिया हो गया है।

विश्वास का संदेश सीखाता है कि जब आप अपने शरीर में कुछ लक्षणो को महसूस करते है, तो आपको इसे यीशु के नाम में डाँटना है। आपको शैतान को बाहर भागने का आदेश देना है! बहुत से लोग उनकी भावनाओं के इतने कैदी बन गए है कि जरा से दर्द या असुविधा पर वे दवाई की दुकान की ओर दौडते है। आपके जीवन में दैविय जीवन के विषय में क्या? आप परमेश्वर से जन्मे है और आपमें उसका जीवन आपको बीमारी के लिए अभेद्य बनाता है; पूर्णरुप से अजेय। हालेलूयाह!

आप शायद कहे, "किंतु मैं ने घोषणा की, प्रार्थना की और सब कुछ किया, लेकिन कुछ भी काम नही कर रहा था, और मुझे नही पता था कि और क्या करूँ।" ठीक है, यह तब होता है जब विश्वास टूटा हुआ होता है। आपको कैसे पता था कि वस्तुएँ काम नही कर रही थीं? उन्होंने तभी काम करना बंद कर दिया जब आपने सोचा और कहा कि वे काम नही कर रही थी। विश्वास हमेशा काम करता है। इसे इस्तेमाल कीजिए अपने विश्व

को बनाने और उन महिमामय सच्चाईयो का निर्माण करने के लिए जो आप अपने जीवन में अनुभव करना चाहते है।

घोषणा

इससे अंतर नही पड़ता है कि स्थिती क्या है, मेरा विश्वास वचन के द्वारा उत्साहीत है और हमेशा कार्य करता है! मैं जीवन की विषमताओं पर जीतने के लिए परमेश्वर की असाधारण सामर्थ का लाभ लेता हूँ, अपने विश्वास को दिखाने के द्वारा जोकि वह विजय है जो विश्व, उसकी व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और धन पर जय पाता है। मैं बीमारी, शैतान, और विश्व के ऊपर मेरी अनंत विजय के लिए पूर्ण रुप से आश्वस्त हूँ। इसलिए मैं आनंद मनाता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 24:10; 1 यूहन्ना 5:4-5; मरकुस 11:22-24

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 19:1-27 & 1 शमूएल 14-15

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 14:1-11 & भजन संहिता 123-124

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

बुधवार 22

अपने विश्वास को निरर्थक मत बनाओ

क्योंकि यदि व्यवस्था वाले वारिस हैं, तो विश्वास व्यर्थ और प्रतिज्ञा निष्फल ठहरी (रोमियो ४:१४)।

क्या विश्वास को निरर्थक बनाया जा सकता है? अवश्य ही! बहुत से लोग है जिन्होंने उनके जीवनो में विश्वास को निरर्थक और परमेश्वर की वाचाओ को अप्रभावी बना लिया है। उदाहरण के लिए, मरकुस ७:१३ में यीशु ने यहूदीयो को डाँटा जिन्होंने अपने रीतिरिवाजो के कारण परमेश्वर के वचन को अप्रभावी बना दिया था। " रीतिरिवाज" का अर्थ आपके जीवन के तरिके से है, आपकी व्यक्तिगत संस्कृती, और जिन वस्तुओ में आप विश्वास करते है। अगर ये वस्तुएँ परमेश्वर के वचन के साथ मेल में नही है, तो आप अपने जीवन में वचन को अप्रभावी बना लेते है, और आपका विश्वास निरर्थक हो जाता है।

कुछ लोग अपने विश्वास को सही तरिके से लगा रहे है, किंतु यह कार्य नही कर रहा है, क्योंकि उन्होंने उनके " रीतिरिवाजो" के द्वारा इसको निरर्थक बना दिया है। उन्हें उनके " रीतिरिवाजों" को बदलने की आवश्यकता है; एक नई मानसिकता को मानने की, परमेश्वर की बुद्धि की मानसिकता को।

अपने खुद के कामो में भरोसा करना भी आपके विश्वास को निरर्थक बनाता है। अगर आपको लगता है कि आप स्वस्थ और सफल और आशीषित है क्योंकि आप कुछ वस्तुओ को सही से कर रहे थे, और आप उन वस्तुओ में बहुत भरोसा करते है कि आप उन्हें धार्मिक रुप से करते है क्योंकि आपको लगता है कि वे रीतिरिवाज आपकी आशीषो का आधार है, तो आपका विश्वास निरर्थक हो चुका है। पौलुस प्रेरित के वचनो को याद कीजिए: "तो उसने हमारा उध्दार किया; और यह सत्यनिष्ठा के कामों के कारण नहीं, जो हम ने आप किए,पर अपनी दया के अनुसार नए जन्म के स्नान और पवित्र आत्मा के हमें नया बनाने के द्वारा हुआ" (तीतुस ३:५)।

गलातियो २:१६ कहता है, "तौभी यह जानकर कि मनुष्य व्यवस्था के कामों से नहीं, पर केवल यीशु मसीह पर विश्वास करने के द्वारा सत्यनिष्ठ ठहरता है, हम ने आप भी मसीह यीशु पर विश्वास किया कि हम व्यवस्था के कामों से नहीं, पर मसीह पर विश्वास करने से सत्यनिष्ठा ठहरें; इसलिये कि व्यवस्था के कामों से कोई प्राणी सत्यनिष्ठ न ठहरेगा"। आपका भरोसा हमेशा मसीह के पूरे हो चुके कार्यो में होना चाहिए; उसके

विश्वास के द्वारा जीएँ (गलातियो २:२०)। हालेलूयाह!

प्रार्थना

मेरा विश्वास सक्रिय और हमेशा प्रबल है! परिस्थितीयाँ मेरे विश्वास से भरी घोषणाओ के साथ मेल खाती है और मैं विश्वास के द्वारा मेरे विश्व पर शासन, राज्य और प्रबलता लेता हूँ। मैं मसीह के सुसमाचार की सारी आशीषो में चलता हूँ, और राज्य की अनंत वास्तविकताओ का आनंद उठाता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 2:8-9; 2 कुरुंथियो 4:13; इब्रानियो 11:1 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 19:28-48 & 1 शमूएल 16-17

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 14:12-23 & भजन संहिता 125-126

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 23

अपने विश्वास को इस्तेमाल करो

विश्वास ही से हम जान जाते हैं कि सारी सृष्टि की रचना परमेश्वर के वचन के द्वारा हुई है... (इब्रानियो ११:३)।

कुछ लोगो को लगता है कि परमेश्वर से हमेशा सहायता के लिए चिल्लाना बहुत अच्छा और दीनता का काम है। उनको लगता है कि परमेश्वर को उनका "निर्भरता का लक्षण" पसंद है, किंतु उसे नही है। वरन, वह चाहता है कि आप अपने होठो पर विश्वास के वचनो के द्वारा अपने जीवन और परिस्थितीयो में बदलावो को लाए। मुझे यह एक घटना याद दिलाता है यीशु और उसके चेलो की, जब वे एक नाव में यात्रा कर रहे थे। स्वामी नाव के पिछले भाग में सो गया था और बाइबल कहती है, "...और झील पर आँधी आयी, और नाव पानी से भरने लगी और वे जोखिम में थे" (लूका ८:२३)।

चेले उसकी ओर बहुत घबराते हुए दौडे और कहा, "स्वामी, स्वामी हम नष्ट हुए जाते है।" स्वामी ने जब ऊफनती हुई लहरो को डाँट दिया तो वह उनकी ओर मुडा और कहा, "तुम्हारा विश्वास कहाँ है?" (पढिए लूका ८:२३ -२५)। उसने उन्हें यह महसूस कराया कि वे उसके पास आए बिना भी उस स्थिती के विषय में कुछ कर सकते थे । उसने मत्ती १७:२० में कहा, "... यदि तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर भी हो, ...कोई बात तुम्हारे लिये असम्भव न होगी"।

अपने विश्वास के साथ आप कुछ भी पा या बन सकते है; आप आपके लिए परमेश्वर की इच्छा और उद्देश्य के साथ मेल में अपने जीवन का रास्ता निर्धारित कर सकते है। इससे अंतर नही पडता है कि क्या हो गया है या आपके धन, नौकरी, और स्वास्थ के साथ क्या हो रहा है या जीवन के किसी भी क्षेत्र में; सहायता के लिए कुडकुडाईये या चिल्लाईये मत! परमेश्वर की सिद्ध इच्छा के साथ मेल में अपने विश्वास की घोषणाओ के द्वारा वस्तुओ को दुरुस्त कीजिए, व्यवस्थित कीजिए और पुन: बनाईये।

अपने विश्वास के साथ, आप अपने जीवन को महिमा और श्रेष्ठता के रास्ते में ले जा सकते है। बाइबल कहती है कि आपका विश्वास वह विजय है जो विश्व पर जय पाता है: " ... वह विजय जिस से संसार पर जय प्राप्त होती है हमारा विश्वास है" (१ यूहन्ना ५:४)। ऐसी कोई स्थिती नही है जो आपका विश्वास संभाल नही सकता। यही कारण है कि यीशु ने उसके चेलो से पूछा जब वे परेशानि में डर गए थे, "तुम्हारा विश्वास कहाँ है?"

आज जो कुछ आपके विरोध में आता है उसका आपके विश्वास के साथ कोई मेल नही है। कहानी को अपने विश्वास से भरी घोषणाओ के द्वारा बदल दीजिए। बोलिए और बोलते रहिए, और आप निश्चित ही उस बदलाव को देखेंगे जिसकी आप इच्छा करते है, क्योंकि यीशु ने कहा, "तुम्हारे पास वह होगा जो तुम कहोगे" (मरकुस ११:२३)।

घोषणा

मेरे मुँह में परमेश्वर के वचनो के साथ मैं उस जीवन और वातावरण को बनाता हूँ जिसकी मैं इच्छा करता हूँ; मैं अपने जीवन और अपने विश्व को व्यवस्थित और तैयार करता हूँ परमेश्वर की सिद्ध इच्छा के साथ मेल में लाने के लिए। सारी वस्तुएँ मिलकर मेरे लिए भलाई पैदा कर रही है। मैं कभी भी सहायताहीन नही हूँ, क्योंकि मेरा विश्वास मजबूत है और प्रबलता पा रहा है। परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 17:14-20; इब्रानियो 11:6; रोमियो 10:6-8

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 20:1-19 & 1 शमूएल 18-19

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 15:1-9 & भजन संहिता 127-128

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उसकी संपूर्ण अभिव्यक्ति

क्या तुम नहीं जानते कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो, और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता हैं? (१कुरिंथियो ३:१६)।

कुछ लोग गलत समझते है कि हमारा क्या अर्थ है जब हम कहते है कि परमेश्वर हम में रहता है। वे इसको इस तरिके से देखते है कि वह हमारे अंदर कही थोडा सा स्थान लेकर रहता है, एक शारीरिक रुप में; नही! किसी भौतिक रुप को मत सोचिए; परमेश्वर एक आत्मा है। जब आपने मसीह को अपने अंदर ग्रहण किया था, तो आप उसमें जन्मे थे; आपकी आत्मा उसके रुप में पुन:सृष्टित की गई थी। उसने अपने आपको आपकी आत्मा के साथ जोडा और आप उसके साथ अटूट रुप से एक बन गए। यीशु ने कहा: "मैं पिता में हूँ और पिता मुझ में है" (यूहन्ना १४:१०)।

परमेश्वर की परिपूर्णता यीशु में रहती है; वह पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा की संपूर्ण अभिव्यक्ति है! उसमें, ईश्वरता की संपूर्णता एकत्र है, और मसीह में हमारे साथ यही हुआ था। १कुरिंथियो ६:१७ कहता है कि जो प्रभु के साथ मिल जाता है वह प्रभु के साथ एक आत्मा हो जाता है। १यूहन्ना ४:१७ कहता है, "....जैसा वह है, वैसे ही इस विश्व में हम भी है।" जैसा यीशु मसीह प्रभु से भरा हुआ (संपूर्ण) है, वैसे ही आप भी है।

बाइबल यूहन्ना १:१६ में कहती है, "और हम ने उसकी ही परिपूर्णता से ग्रहण किया है अनुग्रह पर अनुग्रह"। हम ने मसीह यीशु में ईश्वरत्व को इसकी परिपूर्णता में ग्रहण किया है। अपने जीवन में उस महिमा के बारे में सोचीए, अगर आपने हर दिन इस चेतना के साथ जीया होता कि आप परमेश्वर से भरे हुए है; आप जीवित परमेश्वर का भौतिक शरीर है! हम ने हमारे आरंभिक वचन में यही पढा।

फिर २कुरिंथियो ६:१६ कहता है, "...क्योंकि तुम तो जीवते परमेश्वर के मन्दिर हों; जैसा परमेश्वर ने कहा है, मैं उनमें बसूँगा और उनमें चला फिरा करूँगा; ..."। जब आप चलते है तो परमेश्वर आप में चलता है। आपके हाथ उसके हाथ है, आपकी उंगलिया उसकी उंगलिया है; आप उसमें और वह आपमें डूब गया है। आपके द्वारा वह अपने आपको व्यक्त करता है – उसके जीवन, स्वभाव और चरित्र को। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं मसीह में एक नया प्राणी हूँ, दैवियता से भरा हुआ! मेरे अस्तित्व का हर कण, मेरे शरीर की हर हड्डि, और मेरे शरीर का हर सेल परमेश्वर से भरा हुआ है। मैं महामई परमेश्वर का चलता हुआ घर हूँ, उसके अनुग्रह, महिमा, और सत्यनिष्ठा को लिए फिरते हुए। अब मैं अपने विश्व को उसकी दैविय उपस्थिती की महिमा से भरता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 यूहन्ना 5:13; 2 कुरुंथियो 6:16 AMPC;
1 कुरुंथियो 6:15-17 & 19

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 20:20-21:1-4 & 1 शमूएल 20-22

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 15:10-19 & भजन संहिता 129-130

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार 25

आर्थिक अनुशासन

हे आलसी, चींटियों से सीख। उनके काम पर ध्यान दे, और बुध्दिमान हो जा! उनसे काम करवाने के लिए कोई राजा नही होता है, तौभी वे पूरे गर्मी के मौसम में परिश्रम करती हैं, और ठंड के मौसम के लिए भोजन बटोरती है (नीतिवचन ६:६-८ टी.एल.बी.)।

आर्थिक अनुशासन बहुत जरुरी है, यह एक ऐसा काम है जिसमें परमेश्वर का आत्मा आपको प्रशिक्षित कर सकता है। कुछ लोग नही जानते है कि उन्हें वह सब खर्च नही करना चाहिए जो वे पाते है। सामान्य बुद्धि कहती है कि आप जो ग्रहण करते या कमाते है उससे कम खर्च करना चाहिए; अन्यथा, आप कर्जे में पहुँच जाएँगे। इसके लिए कुछ लोगो का उत्तर हो सकता है कि, "जो मैं कमाता हूँ वह काफी ही नही है, मेरे दशमांश, मेरी भेट, और जो मुझे करना होता है उसके बाद कुछ भी बचता नही है।" नही, इस तरिके से मत सोचीए या बात मत कीजिए!

सबसे पहले, समझिए कि आप अब्राहम का वंश है, इसलिए, आपकी आर्थिक समृद्धि आपकी कमाई या आपके आसपास की आर्थिक स्थिती से स्वतंत्र है। आप परमेश्वर के एक उत्तराधिकारी और मसीह के साथ सह-उत्तराधिकारी है; आप एक अनंत आपूर्ति से जुडे हुए है। इसलिए, बचाने की आदत को विकसित करने के पीछे यह विचार नही है कि आप पैसे को बैंक में इकट्टा करे और ब्याज खाएँ, यह अनुशासन के विषय में है। नीतिवचन २१:२० टी.एल.बी. कहता है, "बुध्दिमान भविष्य के लिए इकठ्ठा करता है, परन्तु मूर्ख जो कमाता है उसे उड़ा डालता है"।

आप शायद कहे, "थोड़े पैसे को बचाकर क्या मतलब है इससे कुछ नही होने वाला है।" इसे अपने मुँह के द्वारा नष्ट मत कीजिए। कभी घोषणा मत कीजिए कि जो आपके पास है वह छोटा या पर्याप्त है। पैसा आत्मिक है; इसका आपकी जेब, पर्स या बैंक एकाउंट के रुपयो से कोई लेना देना नही है। पैसे के पास कान है और वह आपको सुन सकता है। इसलिए आपको अवश्य ही अपने पैसे को आशीषित करना सीखना चाहिए।

परेशानि आपकी तनख्वाह का माप नही, किंतु आपके दिमाग का माप है – आपकी सोच, और यह कि आपका विश्वास क्या पैदा कर सकता है। सोचीए कि आपने पिछले एक साल में कितना ग्रहण किया, किंतु आपने इससे कितना पुन:उत्पाद किया? अगर आपका उत्तर संतोषप्रद नही है, तो यह बदलाव का समय है। जब तक आप ऐसी वस्तुओं

में पैसा लगाते है जो आपको बढाकर पैसा नही दे सकती हैं, तो एक परेशानि है, और यह जरुरी है कि आप वस्तुओ को बदले।

परमेश्वर का वचन आपको आर्थिक बुद्धि और अनुशासन के लिए बुद्धि देता है। इसलिए, वचन पर अधिक अध्ययन और मनन कीजिए, और आप हमेशा अपने पैसे में बुद्धि से कार्य करेंगे।

घोषणा

परमेश्वर ने मुझे धन और संपदा दी है, और उनको बढाने की बुद्धि भी! मैं अब्राहम का बीज हूँ; इसलिए विश्व मेरा है! मैं सोने को धूल की तरह इकट्ठा करता हूँ; मेरी समृद्धि अनंत है। मैं प्रचुरता में चलता हूँ और मेरे पास अपने और दूसरो के लिए जरुरत से ज्यादा है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

लूका 15:14; नीतिवचन 15:6; नीतिवचन 6:6-8 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 21:5-38 & 1 शमूएल 23-25

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 15:20-33 & भजन संहिता 131-132

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 26

स्वभाव से सिद्ध और श्रेष्ठ

क्योंकि तुम ने नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज से, परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है (१पतरस १:२३)।

जब हम श्रेष्ठता के बारे में बात करते है तो उसका अर्थ है विशिष्ट होना, ऊपर और परे जाना; असाधारण होना। किंतु यह एक तुलनात्मक सिध्दांत है, मतलब कि यह आपके जीवन के अलग अलग स्तरो पर नापा जा सकती है। इसलिए श्रेष्ठता हमे वृद्धि का विचार देती है, इसकी तुलनात्मकता के कारण। तो परमेश्वर चाहता है कि आप उसके लिए जागृत हो जाएँ जो आप वास्तव में है: स्वभाव से एक सिद्ध और श्रेष्ठ मनुष्य।

यही कारण है कि जैसे ही आप वचनो का अध्ययन करते है, आप खोजते है कि वह हमेशा हमारे दिमागो को इस विचार और वास्तविकता में ले जाता है कि उसने हमे उसके स्वरुप में सिद्ध मनुष्य बनाया है। उसने हमे यही स्वभाव दिया है। एक बार जब आप सीख और इस सच्चाई के लिए जाग जाते है, तो आप इसके प्रकाश में चलेंगे। यही कारण है कि हम श्रेष्ठता के लिए प्रयास नही करते है, हम इसे दिखाते है; यह हमारा आधारभूत ताना-बाना है; हमारे स्वभाव का आधार। हालेलूयाह!

जब लोग कहते है कि वे श्रेष्ठता के लिए प्रयास कर रहे है, तो वे इसे कभी नही पा पाएँगे, क्योंकि वे वह बनने की कोशिश कर रहे है जो वे पहले से ही है। एक कुत्ता कभी कुत्ता बनने की कोशिश नही करता, और ना ही एक बिल्ली बिल्ली बनने की। आपके पास एक श्रेष्ठ आत्मा और दिमाग है, क्योंकि आप ऐसे ही जन्मे थे। आप एक सिद्ध परमेश्वर के एक सिद्ध और श्रेष्ठ प्राणी है। इसलिए अपने स्वभाव को, जो कि परमेश्वर का स्वभाव है, सत्यनिष्ठा के कामो को पैदा करने दीजिए, क्योंकि श्रेष्ठता सत्यनिष्ठा में चलना है।

घोषणा

मेरे पास एक श्रेष्ठ आत्मा है, और मैं अपने सारे कामो में श्रेष्ठता को पैदा करता हूँ। पवित्र आत्मा मुझ में उसकी पूर्णता के साथ रहता है, मुझे सिद्धता और सत्यनिष्ठा में चलाते हुए, और मेरे अंदर महिमा और दैविय गुणो को दिखाते हुए। मैं एक श्रेष्ठ दिमाग के साथ परमेश्वर की बुद्धि के द्वारा काम करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

दानिय्येल 6:3; 1 यूहन्ना 4:17; 2 पतरस 1:3 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 22:1-38 & 1 शमूएल 26-28

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 16:1-11 & भजन संहिता 133-134

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 27

आत्माएँ जीतने के लिए विश्वास

अर्थात् परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेल – मिलाप कर लिया, और उनके अपराधों का दोष उन पर नहीं लगाया, और उस ने मेल – मिलाप का वचन हमें सौंप दिया है (२कुरिंथियो ५:१९)।

यीशु मसीह के लिए अपने प्रेम को दिखाने का सबसे बेहतर तरिका आत्माएँ जीतना है; आत्माएं जिनके लिए वह मरा। उसने सारे मनुष्यों के लिए अपना जीवन दिया, और अगर केवल आप एकमात्र व्यक्ति होते जिसको उद्धार चाहिए था, तो भी वह मरने के लिए आया होता। उसने ऐसा इसलिए नही किया क्योंकि हम बहुत सारे थे; उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि हम परमेश्वर के लिए मूल्यवान थे। इसलिए, आत्माएँ जीतना सब वस्तुओ से बढ़कर है। इसका अभ्यास कीजिए। यह पृथ्वी पर सबसे महत्वपूर्ण काम है। यह एक ऐसा काम है जिसमें आपको अपना विश्वास अवश्य ही दिखाना चाहिए।

आप कह सकते है, "यीशु के नाम में मैं आज दस आत्माओ पर कब्जा करता हूँ, पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा!" अब विश्वास की उस घोषणा करने के बाद बाहर निकलकर आत्माएँ जीतिए। विश्वास केवल अपने लिए कुछ पाने के विषय में नही है। आपके विश्वास को मसीह के लिए लोगो तक पहुँचने में भी काम करने दीजिए; फिर जिस वृद्धि का आप अनुभव करेंगे, अपने व्यक्तिगत जीवन और आत्माओ की फसल में, वह आश्चर्यजनक होगी।

यूहन्ना ५:१९ में यीशु ने कहा, "जो मैं अपने पिता को करते हुए देखता हूँ वही मैं करता हूँ।" स्वामी की नकल कीजिए। वह सबसे महान आत्माएँ जीतने वाला व्यक्ति था; एक मास्टर आत्मा विजेता। जब आप आत्माओ को जीतते है, तो आप उसके उत्साह को दिखा रहे है, और उसके राज्य की महिमा आपके जीवन में एक असाधारण तरिके से प्रत्यक्ष होगी। परमेश्वर के राज्य में आप ऐसे ही चमकते है। याद कीजिए यीशु ने यूहन्ना बपतिस्मा करनेवाले के विषय में क्या कहा: "कि वह एक जलता और चमकता हुआ प्रकाश था..." (यूहन्ना ५:३५)। कितनी अद्भुत गवाही!

आपको भी एक जलता हुआ चमकता हुआ प्रकाश होना है, और आत्माएँ जीतने के अलावा दूसरा कोई तरिका नही है, सुसमाचार के साथ जीवनो को प्रभावित करना: "तब

बुध्दिमानों की चमक आकाशमंडल की सी होगी, और जो बहुतो को सत्यनिष्ठ बनाते है, वे सर्वदा तारो के समान प्रकाशमान रहेंगे" (दानिय्येल १२:३)। आपको यही करना है, क्योंकि यह आपका जीवन, आपकी बुलाहट और आपका उत्तरदायित्व है। २कुरिंथियो ५:१९ कहता है, "अर्थात् परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेल – मिलाप कर लिया, और उनके अपराधों का दोष उन पर नहीं लगाया, और उस ने मेल – मिलाप का वचन हमें सौंप दिया है"।

घोषणा

मसीह के महामई सुसमाचार का जो प्रकाश मैंने ग्रहण किया है, उसके साथ मैं अपरिवर्तित लोगो के हृदय से अंधकार को भगाता हूँ, उन्हें अनंत जीवन के संदेश के साथ प्रभावित करते हुए और उनमें सत्यनिष्ठा को स्थापित करते हुए। मेरे द्वारा, मसीह का ज्ञान हर जगह फैलता है, और मेरे विश्वास की विजय परमेश्वर की महिमा के लिए हर जगह पर सुगंध फैलाती है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 4:34; नीतिवचन 11:30; मरकुस 16:15

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 22:39-65 & 1 शमूएल 29-31

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 16:12-27 & भजन संहिता 135-136

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मंगलवार 28

आपके पास अपने विश्व के ऊपर शासन करने का विश्वास है

क्योंकी मैं उस अनुग्रह के कारण जो मुझ को मिला है, तुम में से हर एक से कहता हूँ कि जैसा समझना चाहिए उससे बढ़कर कोई भी अपने आप को न समझे; पर जैसा परमेश्वर ने हर एक को विश्वास परिमाण के अनुसार बाँट दिया है, वैसा ही सुबुद्धि के साथ अपने को समझे (रोमियो १२:३)।

मत्ती १७:२० में यीशु ने कहा, "... क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूँ, यदि तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर भी हो, तो इस पहाड़ से कह सकोगे, यहाँ से सरककर वहाँ चला जा, तो वह चला जाएगा; और कोई बात तुम्हारे लिये असम्भव न होगी"। कुछ लोग इसे पढकर कहते है, "मेरी यही परेशानी है; मेरे पास वास्तव में विश्वास है ही नही।" लेकिन यह सच नही है। परमेश्वर ने हम सबको विश्वास की एक मात्रा दी है। हम सब के पास विश्वास है। यह सुसमाचार के साथ आया और आपके नए जन्म पर आपकी आत्मा में डाला गया था।

किंतु आप में और मुझ में अंतर यह है, जो हम ने अपने विश्वास के साथ किया है, क्योंकि परमेश्वर ने हम सबको विश्वास की एक सी मात्रा दी थी। अगर दिखाई देता है कि मैं आपके आगे निकल गया हूँ या आपसे बडी सफलता प्राप्त कर चुका हूँ तो यह इसलिए है कि मैं ने अपने विश्वास को कितना बढ़ाया और इस्तेमाल किया है; मैं ने इसके साथ क्या किया है। जब आप अपने विश्वास के साथ ज्यादा करते है, तो आप अधिक को पा पाएँगे और पिता की महिमा करेंगे। यह वचन के आपके अभ्यास के विषय में है। विश्वास के साथ ऐसा ही है। विश्वास यही है: परमेश्वर के वचन के लिए मानविय आत्मा का उत्तर।

जब आप चुनौतियो का सामना करते है तो वचन के साथ उत्तर दीजिए; यह अपने विश्वास को इस्तेमाल करना है। और बाइबल कहती है विश्वास बना रहता है (१कुरिंथियो १३:१३); जब कभी आप इसको काम में लाते है तो यह प्रबल होता है। यह वह विजय है जो विश्व पर जय पाता है (१यूहन्ना ५:४)। जब आप एक बार इसे समझ लेते है, तो आप किसी भी विषय में डरेंगे या चिंता नही करेंगे, क्योंकि अपने विश्वास के साथ, आप रोग और दुर्बलता को नष्ट कर सकते है! आप शैतान के कामो को पंगु और बेकार कर सकते है। आप उस गॉठ, उस डायबिटिज और लहू की परेशानि को नष्ट कर सकते है।

आप परिस्थिती को बदल सकते है और आपके जीवन की दिशा को परमेश्वर की इच्छा और उद्देश्य की दिशा में जाने के लिए निर्धारित कर सकते है। आमीन।

घोषणा

मेरी आत्मा में मेरे पास विश्वास है। हर समय और सारे मौसमो में, चुनौतियो या विरोधी परिस्थितीयो के बावजूद मैं जीतता हूँ, क्योंकि हर वह व्यक्ति जो परमेश्वर से जन्म लेता है वह विश्व पर जय पाता है, और मेरा विश्वास वह विजय है जो विश्व पर जय पाता है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

1 यूहन्ना 5:4; 2 कुरुंथियो 5:7; रोमियो 10:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 22:66-23:1-25 & 2 शमूएल 1-3

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 1:1-9 & भजन संहिता 137-138

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

बुधवार 29

सुसमाचार के साथ जीवनो को प्रभावित करते हुए

इसे ऐसे समझो: तुम यहाँ पर प्रकाश होने के लिए हो, विश्व में परमेश्वर के रंगों को लाते हुए। परमेश्वर छुपाने के लिए एक रहस्य नही है। हम इसको छापने वाले है, जैसे कि पहाड़ पर बसा हुआ नगर (मत्ती ५:१४ एम.एस.जी)।

हमने प्रेरितो के काम की पुस्तक में पढा कि परमेश्वर ने पौलुस के द्वारा अद्भुत चमत्कारो को किया। उसके शरीर से अंगोछे और रुमालो को छुआया गया और जब वे वस्तुएँ बीमारो के संपर्क में आई, तो वे चंगे हो गए और जो शैतानो से परेशान थे वे मुक्त हो गए।

किंतु यह ध्यान देने योग्य है कि रुमाल और अंगोछो ने कुछ नही किया; उनके अंदर कोई बुद्धि या अपना कोई दिमाग नही था। किंतु, वे आत्मा के द्वारा प्रभावित और अभिषिक्त हो गए थे परमेश्वर की सामर्थ का एक माध्यम बनने के लिए। किंतु, यद्यपि परमेश्वर की सामर्थ उनमें थी, वे अपने आपसे कुछ नही कर सकते थे जब तक किसी ने उन्हें पौलुस से छुआया नही, और उसे वहाँ पर नही ले गया जहाँ पर जरुरत थी – बीमारो और सताए हुओ तक।

आपके साथ भी यही है जो नये जन्मे और आत्मा से भरे हुए है, जब तक आप सामर्थ को लेकर नही जाते है या वहाँ पर नही पहुँचाते है जहाँ पर एक जरुरत है, तो आपके अंदर की सामर्थ की कोई अभिव्यक्ति नही होगी। एक मसीही पौलुस के शरीर से आए रुमाल और अंगोछो की तरह "जीवनरहित" हो सकता है, जब तक वह मनुष्यो के जीवन की जरुरतो के संपर्क में ना आ जाएँ। यही कारण है कि आपको परमेश्वर के आत्माएँ जीतने के व्यवसाय में अवश्य ही होना चाहिए।

बाहर विश्व में ही जरुरत है; वही पर आप टूटी हुई मानवता का मंजर देखते है। आप अपने अंदर की सामर्थ के साथ कोई प्रभाव नही बना पायेंगे जब तक आप अपने सुविधा के क्षेत्र को नही छोडेंगे और जो लोग जरुरत में है उनके साथ संपर्क नही करेंगे। आप एक बदलाव के एजेंट के रुप में जन्मे थे; एक प्रभाव और विश्व में बहुतो की चिल्लाहटो के उत्तर के रुप में। इसलिए, अपने अंदर की महिमा को काम पर रखिए; मसीह की उन सिद्धताओ और गुणो को अभिव्यक्त कीजिए जो आपकी आत्मा में है।

पवित्र आत्मा होकर एक साधारण जीवन जीना बहुत बेकार होगा। अगर आप अपने

राज्य, शहर और अपने देश में एक मात्र पवित्र आत्मा से भरे व्यक्ति होते तो भी वहाँ पर सुसमाचार के साथ अद्भुत प्रभाव होना चाहिए। अपने विश्व पर राज्य करने का एक चुनाव कीजिए; सुसमाचार के साथ जीवनो को प्रभावित कीजिए, क्योंकि आपके जीवन के लिए आत्मा की यही इच्छा और उद्देश्य है।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं मेरे जीवन में आपके असाधारण अनुग्रह और महिमा के लिए आपका धन्यवाद देता हूँ; धन्यवाद मुझे मेरे विश्व के लिए आशीष होने की एक विशेष सुविधा देने के लिए, प्रकाशन और सुसमाचार के द्वारा बहुतो के जीवनो में अर्थ लाते हुए। मेरा प्रकाश हर जगह चमकता है, दुष्टता, बुराई को दूर करते हुए और मनुष्यो को परमेश्वर के पुत्रो की महिमामय स्वतंत्रता में लाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यशायाह 60:1-2; 1 कुरुंथियो 9:16-17; प्रेरितो के काम 1:8

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 23:26-49 & 2 शमूएल 4-6

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 1:10-21 & भजन संहिता 139-140

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 30

अपने विश्वास की निर्भिकतापूर्वक घोषणा कीजिए

दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है, पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ (इफिसियो ५:१८)।

क्यूँ यीशु मसीह के चेले पतरस ने यीशु को तीन बार नकार दिया? यह डर के कारण था। वह डर रहा था कि वह पकडा और मारा जा सकता था, अगर उसने खुलकर बोला कि वह यीशु को जानता था। और सोचिए किसने उसे टोका; एक घर काम वाली ने, यहाँ तक कि सैनिको ने भी नही, फिर भी पतरस ने डर के कारण स्वामी को नकार दिया।

आज भी ऐसा होता है। बहुत से लोग आज भी दूसरों की छाया के नीचे जीते है, जिनमें से बहुतो को वे जानते भी नही है, कि वे उनके विषय में क्या कहेंगे या करेंगे अगर वे खुलकर यीशु के बारे में कहेंगे। किंतु तब नही जब आप पवित्र आत्मा से भरे हुए है! मत चिंता कीजिए कि यीशु मसीह के कारण आप निकाल दिए जाएँगे, आपकी आलोचना होगी, आपका मजाक उडाया जाएगा? यह वास्तव में एक आशीष है – और एक महान आशीष – कि आप उसके लिए "दुतकारे जाएँ " या सताए जाएँ।

परमेश्वर ने आपको निर्भिक बनाने के लिए आपमें रहने के लिए उसका आत्मा दिया है, ताकि आप कभी भी भय में या डर में ना हो, मुक्तरुप से हर दिए गए अवसर पर यीशु मसीह में अपने विश्वास की घोषणा करने के लिए। जब उसी पतरस ने पवित्र आत्मा को ग्रहण किया जो पहले डर से भरा हुआ था, तो उसका जीवन पूरी तरह से बदल गया; वह निडर बन गया! बडी और डरानेवाली भीड जो पिन्तेकुस के दिन थी, उसके बावजूद उसने सुसमाचार का निर्भिकता और सामर्थ के साथ प्रचार किया और जिसके द्वारा परमेश्वर के राज्य में आत्माओ की एक महान फसल आई। हालेलूयाह!

यीशु को जानना और उसकी सेवा करना बहुत बडा सम्मान है। उसके साथ अपनी सहभागिता और एकता के विषय में निर्भिक हो जाईये। मत चिंता कीजिए कि उसके लिए आपके प्रेम के कारण दूसरे क्या कहेंगे या क्या करेंगें। उसकी सेवा अपने पूरे हृदय से कीजिए और उसके लिए सच्चाई में जीएँ।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं यीशु के साथ पहचान के कारण सम्मानित और आनंदित हूँ। मेरे पास सबसे अद्भुत पहचान है, और मैं इसे जानता हूँ! मैं हमेशा निर्भिक और विश्वासी हूँ, पूरे उत्साह के साथ आपकी बचानेवाली सामर्थ का सुसमाचार सुनाने के लिए हमेशा तैयार, और सुसमाचार में मेरी सेवकाई को पूरा करने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 18:9-11 AMPC; 2 तीमुथियुस 1:7; लूका 12:8-9

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 23:50-24:1-12 & 2 शमूएल 7-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 1:22-31 & भजन संहिता 141-142

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उध्दार की प्रार्थना

हम विश्वास करते है कि आप इस अध्ययनिका के द्वारा आशिषित हुए है। इस प्रार्थना को करने के द्वारा हम आपको यीशु मसीह को अपने जीवन का प्रभु बनाने के लिए आमंत्रित करते है:

“ओ प्रभु परमेश्वर, मै अपने पूरे:दय से यीशु मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता हूँ। मै विश्वास करता हूँ कि वह मेरे लिए मरा और परमेश्वर ने उसे मरे हुओ मे से जीवित किया। मै विश्वास करता हूँ कि आज वह जीवित है। मै अपने मुँह से घोषणा करता हूँ कि आज से यीशु मसीह मेरे जीवन का प्रभु है। उसके द्वारा, और उसके नाम में, मेरे पास अनंत जीवन है; मै नया जन्मा हूँ। धन्यवाद परमेश्वर, मेरी आत्मा को बचाने के लिए! अब मै परमेश्वर की एक संतान हूँ। हालेलुयाह!

बधाई! अब आप परमेश्वर की एक संतान है। एक मसीह के रूप में, आप कैसे बढ सकते है, के विषय में अधिक जानकारी ग्रहण करने के लिए, कृपया नीचे लिखे किसी भी नंबर के द्वारा हमसे संपर्क किजिए:

UNITED KINGDOM:
(0)1708 556 604

NIGERIA:
01-8888186

CANADA:
+1-647-341-9091

SOUTH AFRICA:
+27 11 326 0971

USA:
+1-281-759-5111

लेखक के विषय में

पास्टर क्रिस औयाखिलोमे, बिलिवर्स लववर्ल्ड इनकॉर्पोटेड के प्रेसिडेंट है, जो एक प्रभावी, बहुमुखी, विश्व स्तरिय सेवकाई है, वे वास्तविकता संग्रह के लेखक है, विश्व की नंबर एक दैनिक अध्ययनिका, और तीस से अधिक दूसरी पुस्तको के भी। वो परमेश्वर के वचनो के एक वफादार सेवक है, जिनके संदेशो ने बहुतो के ह्रदय में दैविय जीवन की वास्तविकताओ को लाया है।

करोडो लोग उनके टेलिविजन ब्राडॅकास्ट "चमत्कारो के लिए वार्तावरण," के द्वारा प्रभावित हुए है, जो परमेश्वर की दैविय उपस्थिती को ठीक लोगो के घरो तक लेकर जाता है। इस टेलिविजन सेवकाई का विस्तार पूरे विश्व में लववर्ल्ड सेटेलाइट टेलिविजन नेटर्वकों के द्वारा होता है, जो कि एक विश्व स्तरिय सभा तक गुणवत्ता के मसीही प्रोग्राम लाते है।

विश्वविख्यात, चंगाई विद्यालय में वह यीशु मसीह के कार्य को प्रत्यक्ष करते है और उन्होंने पवित्र आत्मा के काम करते हुए वरदान के द्वारा बहुतो की चंगाई ग्रहण करने में सहायता की है।

पास्टर क्रिस में परमेश्वर की उपस्थिती के साथ पूरे विश्व के लोगो तक पहुँचने का उत्साह है —एक दैविय आज्ञा, जिसको उन्होंने तीस साल से अधिक वर्षो से किया है, विभिन्न आऊटरिचों के द्वारा, क्रूसेडो के द्वारा, और बहुत से अलग तरिको के द्वारा, जिसके द्वारा करोडो लोगो ने परमेश्वर के वचन के द्वारा एक विजयी और उद्देश के जीवन का अनुभव किया है।

LoveWorld Publishing

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

हिन्दी

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

Chris Oyakhilome

LoveWorld Publishing

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from the *King James Version* of the Bible.

A KEY FOR OTHER BIBLE VERSIONS USED:

NKJV	-New King James Version
AMP	-The Amplified Bible
AMPC	-The Amplified Classic Bible
TANT	-The Amplified New Translation
TLB	-The Living Bible
CEV	-Contemporary English Version
NASB	-New American Standard Bible
ISV	-International Standard Version
NIV	-New International Version
MSG	-The Message Translation
WEB	-The World English Bible
TNLT	-The New Living Translation
ASV	-American Standard Version
TEV	-Today's English Version
RSV	-Revised Standard Version
GNB	-Good News Bible
WNT	-Weymouth New Testament
NRSV	-New Revised Standard Version
MOFFAT	-Moffatt New Translation
WESNT	-Wesley New Testament
EBR	-Rotherham's Emphasized Bible
DRB	-Douay-Rheims Bible

वास्तविकता संग्रह...वास्तविकता संग्रह

ISSN 1596-6984

मई 2020 edition

Copyright © 2020 by LoveWorld Publishing

FOR MORE INFORMATION AND TO PLACE ORDERS:

UNITED KINGDOM:
Unit C2, Thames View Business Centre, Barlow Way Rainham-Essex, RM13 8BT.
Tel.: +44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

USA:
Christ Embassy Houston,
8623 Hemlock Hill Drive
Houston, Texas. 77083
Tel.: +1-281-759-5111

NIGERIA:
Plot 97, Durumi District, Abuja, Nigeria.

Plot 22/23 Billingsway Road, Oregun, Ikeja, Lagos.
P.O. Box 13563 Ikeja, Lagos
Tel.: 01-8888186

SOUTH AFRICA:
303 Pretoria Avenue
Cnr. Harley and Braam Fischer,
Randburg, Gauteng 2194
South Africa.
Tel.:+27 11 326 0971

CANADA:
LoveWorld Publishing Canada
4101 Steeles Ave W, Suite 204
Toronto, Ontario
Canada M3N 1V7
Tel.:+1 416-667-9191

www.rhapsodyofrealities.org
email: rorcustomercare@loveworld360.com

All rights reserved under International Copyright Law. Contents and/or cover may not be reproduced in whole or in part in any form without the express written permission of LoveWorld Publishing.

भूमिका

हुर्रे ! आपकी प्रिय दैनिक अध्ययनिका, वास्तविकता संग्रह अब २०१०, भाषाओं में उपलब्ध है और लगातार बढ़ रही है। हमें विश्वास है कि अध्ययनिका का २०२० का अंक ने आपकी आत्मिक वृध्दि और विकास को बढ़ाया है और आपको आपके सभी प्रयासो मे असाधारण सफलता के लिए सही स्थान में रख दिया है।

इस अंक के जीवन बदलने वाले विचार आपके विश्वास को ताजा करेंगे, बदल देंगे और स्फूर्ति देंगे, जैसे ही आप परमेश्वर के वचन के साथ एक प्रतिफल देनेवाले अनुभव में जुडते है।

- वास्तविकता संग्रह अध्ययनिका को कैसे इस्तेमाल करे -

- हर लेख को पढो और सावधानीपूर्वक इसपर मनन करो। प्रतिदिन जोर से प्रार्थनाओ और घोषणाओ को कहना, सुनिश्चित करेगा कि जो परमेश्वर का वचन आप बोल रहे है, वह आपके जीवन में पूरा होता है।
- एक-वर्षीय अध्ययन योजना के साथ, या दो वर्षीय अध्ययन योजना के साथ संपूर्ण बायबल को पढो।
- आप दैनिक बायबल अध्ययन खंडो को दो भागो में भी बाँट सकते है - सुबह और शाम अध्ययन
- हर महिने के लिए प्रार्थनापूर्वक अपने लक्ष्यो को लिखने के लिए अध्ययनिका का इस्तेमाल करो, और अपनी सफलता को मापो, जैसे ही आप एक के बाद एक लक्ष्य को प्राप्त करते है।

हम आपको परमेश्वर की महिमामयी उपस्थिति और विजय का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते है, जैसे ही आप उसके वचन की एक दैनिक खुराक को लेते है! हम आपसे प्रेम करते है! परमेश्वर आपको आशिष दे!

-पास्टर क्रिस औयाखिलोमे

व्यक्तिगत जानकारी

नाम:

पता:

टेलीफोन:

Mobile:

E-mail address:

Business address:

Goals for the Month:

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 1

हृदय की सिद्धता

जब अमस्याह राज्य करने लगा तब वह पच्चीस वर्ष का था, और यरूशलेम में उनतीस वर्ष तक राज्य करता रहा। उसकी माता का नाम यहोअद्दान था, जो यरूशलेम की थी। उसने वह किया जो यहोवा की दृष्टि में ठीक है, परन्तु खरे मन से न किया (२ इतिहास २५:१-२)।

जो हमने अभी हमारे आरंभिक वचन में पढा वह बहुत रोचक है; यह कहता है अमस्याह ने वह किया जो प्रभु की दृष्टि में सही था, किंतु एक सिद्ध हृदय के साथ नही। परमेश्वर उसके कार्यो की न्यायसंगता को नही जाँच रहा था, किंतु उसके हृदय की सिद्धता को। उसका चालचलन सही था; कम से कम परमेश्वर ने ऐसा ही कहा, किंतु उसमें हार्दिकता की कमी थी - हृदय की सच्चाई का गुण।

हम १ राजा १५ में एक और उदाहरण देखते है, आसा राजा का। १ राजा १५:१४ उसके कार्यो में एक गलती दिखाता है, पर इसने परमेश्वर के हिसाब से उसके हृदय की सिद्धता पर प्रश्नचिन्ह नही लगाया। यह कहता है, "परन्तु ऊँचे स्थान तो ढाए न गए; तौभी आसा का मन जीवन भर यहोवा की ओर पूरी रीति से लगा रहा"।

ऊपर की बाते दो लोग दिखाती है, एक जिसका चालचलन परमेश्वर की दृष्टि में अच्छा था किंतु उसका हृदय परमेश्वर के साथ सिद्ध नही था, और फिर एक दूसरा जिसका चालचलन सही नही था और किंतु उसका हृदय प्रभु के साथ सिद्ध था। एक असिद्ध हृदय (अमस्याह) सिद्ध कामो को कर रहा था, और एक सिद्ध हृदय (आसा) असिद्ध कामो को कर रहा था। किंतु परमेश्वर ने अब्राहम को सिद्धता के ऊँचे गुण में बुलाया जब उसने कहा, "...मेरे सामने चल, और तू सिद्ध हो जा" (उत्पत्ति १७:१); वह उस सिद्धता की बात कर रहा था जो अंदर से काम करती है; हृदय की सिद्धता जो कार्यो में सिद्धता पैदा करती है।

मसीह में हमारे पास यही है; आप उसके स्वरुप में सिद्ध बनाए गए थे, एक सिद्ध हृदय के साथ जो कि सत्यनिष्ठा पैदा करता है। उसने आपको हृदय की वही सिद्धता दी है (आत्मा की सिद्धता)। इसमें भरोसा कीजिए, इसकी घोषणा कीजिए और उसके अनुसार काम कीजिए। अपने हृदय से जीएँ, अपने विश्व में उसकी सिद्धताओ और गुणों को दिखाते हुए: "पर तुम चुना हुआ वंश, और राज – पदधारी याजकों का समाज, और

पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसकी सिद्धताओ और गुणों को दिखाओ" (१पतरस २:९ ए.एम.पी.सी.)।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मेरे हृदय की सिद्धता के लिए। मैं सत्यनिष्ठा को पैदा करता हूँ, क्योंकि मसीह का स्वभाव मेरे अंदर है। मेरा जीवन अभी और हमेशा के लिए आपकी महिमा और श्रेष्ठता का प्रत्यक्षिकरण है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 राजा 15:14; मत्ती 5:48 AMPC; 1 यूहन्ना 4:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 24:13-35 & 2 Samuel 9-11

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 2:1-11 & भजन संहिता 143-144

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार 2

क्षमा अनिवार्य है

तब पतरस ने पास आकर उस से कहा, हे प्रभु, यदि मेरा भाई अपराध करता रहे, तो मैं कितनी बार उसे क्षमा करूँ? क्या सात बार तक? यीशु ने उससे कहा, मैं तुझ से यह नहीं कहता कि सात बार तक वरन् सात बार के सत्तर गुने तक (मत्ती १८:२१-२२)।

दूसरो को उनकी गलती के लिए क्षमा करना परमेश्वर की संतान के लिए एक विकल्प नही है। अगर आपका किसी के साथ कभी झगडा हुआ था, प्रभु में आपके भाईयो और बहनो या बाहर वालो के साथ, तो इसे उस दिन के परे मत जाने दो। बाइबल कहती है, "... सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे" (इफिसियो ४:२६)।

किंतु तब क्या जब आप उनको क्षमा कर दे और वे अगले दिन फिर से आपके साथ गलत करे? आपको फिर से क्षमा करना पडेगा। हमने हमारे आरंभिक वचन में यही पढा। यीशु ने कहा हमे दूसरो को "सात के सत्तर गुना बार" क्षमा करना है, पतरस के प्रश्न के उत्तर में। वह गिनती असीमितता को दिखाती है। यह सारी वस्तुएँ हमारी शिक्षा के लिए लिखी गई थी, हमें चेताने के लिए। वास्तव में यीशु कह रहा था, "क्षमा करो, इससे अंतर नही पडता है कि कौन कितनी बार आपके साथ गलत करता है", क्योंकि आपके पास क्षमा करने की पर्याप्त क्षमता है।

अगर मसीह यीशु ने आपको क्षमा किया, तो आपको क्षमा करने में परेशानि क्यूँ होनी चाहिए? बाइबल कहती है, "और यदि किसी को किसी पर दोष देने का कोई कारण हो, तो एक दूसरे की सह लो और एक दूसरे के अपराध क्षमा करो; जैसे प्रभु ने तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी करो" (कुलुस्सियो ३:१३ सी.ई.व्ही.)। कोई शायद कहे, "मैं इस व्यक्ति को कभी भी क्षमा नही करूँगा, क्योंकि जो उसने मेरे साथ किया वह भयानक था"; नही! तब नही जब आप नये जन्मे है। हमारे अंदर क्षमा करने का परमेश्वर का स्वभाव है। यही कारण है कि क्षमा अनिवार्य है; यह एक सुझाव नही है। आपको हमेशा क्षमा करनी चाहिए, और शीघ्रता से भी। आपके अंदर से परमेश्वर के प्रेम को बहुतायत से बहने दीजिए।

घोषणा

परमेश्वर का प्रेम मेरे अंदर पवित्र आत्मा के द्वारा उँडेला गया है, वह प्रेम मेरे ह्रदय और मेरे दिमाग को भरता है, जिसके द्वारा मैं दूसरो को परमेश्वर की तरह देखता हूँ। ऐसा कोई व्यक्ति और ऐसी कोई गलती नही जिसको मैं क्षमा नही कर सकता। मेरे पास क्षमता है दूसरो को उनकी गलतीयो के लिए माफ करने की, और मेरे अंदर के परमेश्वर के स्वभाव को दिखाने की, प्रेम के स्वभाव को, मेरे शब्दो और कार्यो के द्वारा, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मरकुस 11:25; 1 पतरस 4:8 CEV; इफिसियो 4:32

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

लूका 24:36-53 & 2 Samuel 12-14

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 2:12-16 & भजन संहिता 145-146

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 3

जीवन एक दौड है

> क्या तुम नहीं जानते कि दौड़ में तो दौड़ते सब ही हैं, परन्तु इनाम एक ही ले जाता है? तुम वैसे ही दौड़ो कि जीतो (१कुरिंथियो ९:२४)।

ऊपर के वचन का एम्पीफाईड क्लासिक अनुवाद कहता है, "क्या तुम नहीं जानते कि दौड़ में तो दौड़ते सब ही हैं, परन्तु इनाम एक ही ले जाता है? तुम वैसे ही दौड़ो कि जीतो"। जीवन एक दौड है, एक स्पर्धा। इसलिए जीवन की दौड में, आपको इस तरिके से दौडना है ताकि आप इनाम को पा सके। ऐसे मत "दौडिए" (जीएँ) जैसे कि इससे कोई अंतर ही नही पडता है।

१कुरिंथियो ९:२५ में पौलुस ने कहा, "हर एक पहलवान सब प्रकार का संयम करता है; वे तो एक मुरझानेवाले मुकुट को पाने के लिये यह सब करते हैं, परन्तु हम तो उस मुकुट के लिये करते हैं जो मुरझाने का नहीं"। सब वस्तुओ में संयम रखने का अर्थ है आत्मनियंत्रण करना; नियमो के द्वारा खेलना। जीवन की दौड में, आपको सावधानी बरतनी पडेगी कि आप क्या करते है और कैसे जीते है, क्योंकि आप उस दौड में जीतने के लिए है।

जो लोग खेलकूद में स्पर्धा करते है वे एक "विनाशी मुकुट" को पाने के लिए करते है और उद्देश्य और निश्चिता के साथ दौडते है, तो हमारे विषय में क्या जिनकी दौड आत्मिक है, और हमारा मुकुट अविनाशी है? हमेशा इस चेतना के साथ जीएँ कि आप यीशु मसीह से एक पुरस्कार पा सके।

विश्वास की हमारी यात्रा और विश्वास यूँ ही नही है। जीतने के लिए एक ईनाम है, लेकिन आपको इसके लिए अनुशासन से जाना पडेगा, अगर आपको जीतना है तो। एक महान जीवन के लिए एक अनुशासन की आवश्यकता है; वचन को करने और आत्मा के लिए समर्पित होने का अनुशासन। यही है जो आपकी विजय की गारंटी देता है।

घोषणा

मैं यह नही कहता है कि मैं सब समझ चुका हूँ, किंतु मैं एक काम करता हूँ, पुरानी बातो को भूलकर आगे की बातो की ओर बढता हुआ। मैं परमेश्वर में मसीह यीशु में मेरी ऊँची बुलाहट के ईनाम के लिए तेजी से दौडा चला जाता हूँ। मैं एक आत्मिक खिलाडी हूँ, वचन के द्वारा विजय के जीवन के लिए सुसज्जित। परमेश्वर की स्तुति हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

इब्रानियो 12:1 NIV; 1 कुरुंथियो 9:25-27

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 1:1-18 & 2 Samuel 15-17

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 3:1-9 & भजन संहिता 147-148

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 4

आत्माएँ जीतने के लिए सशक्त

जब वे प्रार्थना कर चुके, तो वह स्थान जहाँ वे इकट्ठे थे हिल गया, और वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन साहस से सुनाते रहे (प्रेरितो के काम ४:३१)।

एकमात्र गंभीर प्रमाण जो दिखाता है कि एक व्यक्ति ने वास्तव में पवित्र आत्मा को ग्रहण किया है, वह आत्माएँ जीतना है; ऊर्जस्वी रुप से आत्माएँ जीतना। हर व्यक्ति जो पवित्र आत्मा से भरा हुआ है वह परमेश्वर के वचन को निर्भिकता से बोलता है। वचन हम को उत्साहीत करता है कि हम केवल पवित्र आत्मा को ग्रहण ना करे किंतु उससे निरंतर भरे भी रहे (इफिसियो ५:१८ ए.एम.पी.सी.)।

यीशु ने कहा, "...यदि कोई प्यासा हो तो मेरे पास आए और पीएं" (यूहन्ना ७:३७)। उससे पीने के बाद क्या होना चाहिए? उसने अगले ही वचन में उत्तर दिया, "... उसके (आपके) हृदय में से जीवन के जल की नदियाँ (तेज झरना) बह निकलेंगी"(यूहन्ना ७:३८)। तेज झरना यह प्रमाण कि आपने आत्मा से पिया है– जीवन के शब्दो का झरना जो आपके द्वारा आपके विश्व में बहता है।

बाइबल पढिए! बाइबल के दिनो में एक वस्तु जो लोगो के साथ निरंतर हुई जब वे पवित्र आत्मा के साथ भर गए कि उन्होंने परमेश्वर के वचन का निर्भिकता से प्रचार किया। जब प्रेरितो ने प्रार्थना की और पवित्र आत्मा के साथ भर गए जैसा कि हमने हमारे आरंभिक वचन में पढा तो परिणाम यह था कि उन्होंने वचन का निर्भिकता से प्रचार किया! उनके जीवनो ने आत्माएँ जीतने के लिए उस महिमा को प्रदर्शित किया।

पवित्र आत्मा आपके जीवन में आपको गवाह बनाने के लिए आया। यीशु ने कहा, "परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य पाओगे: और ... मेरे गवाह होगे" (प्रेरितो के काम १:८)। अगर आप सुसमाचार सुनाने के विषय में भयभीत है, तो इसका मतलब है कि आपने अपने जीवन में पवित्र आत्मा को नही पहचाना है, क्योंकि आत्मा आपको मसीह यीशु के लिए खड़े होने की निर्भिकता देता है।

पवित्र आत्मा होकर ऐसा नही हो सकता कि आपको आत्माएँ जीतना ना आता हो। आपको केवल उस कदम को उठाने की जरुरत है; किसी से यीशु के विषय में बात करने का निर्णय ले, और जैसे ही आप अपना मुँह खोलेंगे, पवित्र आत्मा आपके मुँह में उन शब्दो को रखेगा जिसका वे विरोध या उपहास नही कर पाएँगे। आत्मा की निर्भिकता

आपके अंदर उत्साहीत होगी। परमेश्वर की एक ऐसी गहराई है जो आप तब तक नही जानेंगे जब तक आप आत्माएँ ना जीते; इसलिए, इसको करने में उत्साहीत बनिए। जैसे ही आप करेंगे, आप मसीहत की महिमा और धन्यता का आनंद उठायेंगे, जो आपके सोच के कहीं परे थी। परमेश्वर की स्तुति हो!

घोषणा

धन्य परमेश्वर का महामही सुसमाचार मेरे भरोसे पर सौंपा जा चुका है और मैं पूरे विश्व में इसको फैलाने में समर्पित हूँ। मैं उसकी बचानेवाली सामर्थ का रखवाला हूँ जो कि उसकी सत्यनिष्ठा, अनंत जीवन और सारी मानवता के लिए विधान को दिखाता हूँ। मैं अंधकार से भरे हुए विश्व में उसका प्रकाश हूँ, लोगो को सत्यनिष्ठा में लाने की योग्यता से भरा हुआ। धन्य है परमेश्वर!

अतिरिक्त अध्ययन:

भजन संहिता 67:2 TLB; 1 कुरुंथियो 9:16; प्रेरितो के काम 1:8 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 1:19-51 & 2 Samuel 18-19

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 3:10-23 & भजन संहिता 149-150

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मंगलवार 5

परमेश्वर के घर में सेवा करने का सम्मान

यदि किसी का काम जल जाएगा, तो वह हानि उठाएगा; पर वह आप बच जाएगा परन्तु जलते – जलते (१कुरिंथियो ३:१५)।

एक लीडर होना महान सम्मान है, चाहे वह राजनीती, सरकार, या शिक्षा हो, इससे अंतर नही पडता है। लोगो का लीडर कहलाया जाना हमेशा एक महान सम्मान है। किंतु परमेश्वर के घर में लीडर होना इससे भी बडा सम्मान है, क्योंकि यह एक ऐसी भूमिका है जो कि मसीही की है। यह उसके कार्य के विषय में है। इसका अर्थ है कि उसका कुछ काम आपको दिया जा चुका है।

मत्ती १६:१८ में यीशु ने कहा, "...मैं अपना चर्च बनाऊँगा; और नरक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे"। ध्यान दीजिए उसने नही कहा, "चलो मेरा चर्च बनाते है"; वरन् उसने कहा, "मैं अपना चर्च बनाऊँगा।" उसके चर्च का एक भाग है जो वह उन लोगो के द्वारा बनाता है जिनको उसने चुना है, उसके लोगो को चलाने और सीखाने के लिए; चर्च के लीडर। उसके दर्शन को पूरा करने के लिए हर काम जो हम करते है वह बहुत बडा उत्तरदायित्व है, क्योंकि इसका अर्थ है कि वह इसे हमारे द्वारा कर रहा है। अगर ऐसी ही बात है, तो हम से केवल उसके नाम में और उसकी इच्छा के अनुसार ही काम करने की आशा की जाती है; नाकि हमारी इच्छा, क्योंकि उसने केवल हमे ही उसके घर में सेवा करने का सम्मान दिया है। इसे आपको बताना चाहिए कि परमेश्वर के घर में इस तरह से पहचाने जाने की आपको कितनी सराहना करनी चाहिए। परमेश्वर के घर में करने के लिए हर वह काम जो आपको दिया गया है इसका सम्मान कीजिए। इसका आनंद मनाईये और इसे बाकी चीजो से ऊपर रखिए, और इसे मसीह के लिए कीजिए। बहुत सावधानीपूर्वक इसका ध्यान रखिए, क्योंकि अंत में, बाइबल कहती है कि हम सब परमेश्वर को उसका लेखाजोखा देंगे जो हम ने किया है।

ध्यान रखिए, सारी वस्तुओ के अंत में दो बडे न्याय है। उनमें से एक मसीह का न्याय का सिंहासन है, जिसमें हम हमारे पुरस्कारो को और उसकी प्रशंसा को ग्रहण करेंगे, किंतु कुछ को दूसरों से ज्यादा सम्मान मिलेगा। कुछ शायद अपना सम्मान खो दें, उनकी मंशाओं के कारण। वह नही चाहता है कि हम उसकी सेवा मानविय इच्छाओ या शारिरिक अभिलाषाओ से करे। वह चाहता है कि हम उसका काम प्रेम, दीनता, और उसकी

आज्ञाकारिता में करे और उसके उद्देश्य को पूरा करे। प्रभु की सेवा पूरे समर्पित हृदय के साथ कीजिए और उसे सारी वस्तुओ में प्रसन्न कीजिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ आपके घर में और राज्य में सेवा करने की धन्यता और सम्मान के लिए। मेरा दिमाग और हृदय अभिषिक्त है उन कामो को पैदा करने के लिए जो आपको ग्रहणयोग्य है जैसे ही मैं आपकी सेवा प्रेम, दीनता और आज्ञाकारिता में करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

2 यूहन्ना 1:8;प्रकाशित वाक्य 3:11; 2 तीमुथियुस 2:20-21

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 2:1-25 & 2 Samuel 20-21

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 4:1-10 & नीतिवचन 1

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार 6

दैविय बुद्धि बनाम अक्लमंदी

फिर भी हम सिद्ध लोगों में ज्ञान सुनाते हैं, परन्तु इस संसार का और इस संसार के नाश होने वाले हाकिमों का ज्ञान नहीं: परन्तु हम परमेश्वर का वह गुप्त ज्ञान, भेद की रीति पर बताते हैं, जिसे परमेश्वर ने सनातन से हमारी महिमा के लिये ठहराया (१कुरिंथियो २:६-७)।

अक्लमंदी और बुद्धि में अंतर है। ऐसे बहुत से लोग है जो अक्लमंदी से जीते है और उनकी "अक्लमंदी" के बावजूद जीवन उन्हें हरा देता है। अक्लमंदी हमारी पशु प्रवत्ति का भाग है। मनुष्यों को ही सबसे ऊँची अक्लमंदी दी गई है, किंतु जब आप नये जन्मे होते है, तब आप मानविय अक्लमंदी से दैविय बुद्धि में चले जाते है।

बुद्धि ही आपको दैविय अर्थ देती है, यह आपको वास्तविकता में अंर्तदृष्टि देती है। उदाहरण के लिए, लूका ८:५१-५६ में एक बच्ची बीमार थी, और उसके पिता ने यीशु को बुलाया। किंतु यीशु के आने से पहले बच्ची मर गई। तो उन्होंने यीशु को बताया कि बच्ची मर गयी है, किंतु फिर भी वह गया। बाइबल कहती है, "घर रोने और विलाप करने वाले लोगो से भर गया था..."। यीशु ने उनसे कहा, "...रोना बंद कर दो! यह मरी नही है केवल सो रही है" (लूका ८:५२ एन.एल.टी.)। यह बुद्धि बात कर रही थी। किंतु उन्हें लगा कि वह पगला गया था, क्योंकि उनकी "अक्लमंदी" (जीवविज्ञानिक समझ) के अनुसार वह छोटी लडकी मर चुकी थी; क्योंकि उसका ह्रदय रुक चुका था।

किंतु जीवन आत्मिक है, और यीशु यह जानता था। वह साक्षात बुद्धि था। बुद्धि जानती थी कि बच्ची सो रही है। उसने केवल यह कहा, "छोटी बच्ची जाग जाओ"; और बाइबल कहती है कि बच्ची जीवित हो गई! परमेश्वर आपको इन्हीं वस्तुओ में ला रहा है: आपमें उसकी बुद्धि की सिद्धता, जो आपको उसके विचारों और काम करने के तरीको के साथ मेल में लाती है। तब आप उस तरिके से देखते है जिस तरीके से परमेश्वर देखता है; आप उसके दृष्टिकोण से समझते है।

एक मात्र तरिका जिसके द्वारा आप परमेश्वर के तरिके से देख सकते है, वह है उसके वचनो के चश्मे के द्वारा। अचानक ही, आपके सोचने की प्रकिया ऊठ जाएगी, आपकी मानसिकता नई हो जाएगी। यहाँ तक कि आपके विषय में आपका दृष्टिकोण और

जीवन की परिस्थितीयो के प्रति आपकी सोच बदल जाएगी, आपके जीवन में दैविय बुद्धि की सेवकाई के कारण।

घोषणा

मसीह मेरे लिए बुद्धि बन चुका है! मैं विजयी रुप से जीता हूँ, परमेश्वर के वचन और मेरे लिए उपलब्ध उसके अनुग्रह का लाभ लेते हुए। मेरे पास प्रकाश, समझ, और श्रेष्ठ बुद्धि है। मैं मेरी नौकरी, व्यवसाय, परिवार, धन, और जीवन की सब वस्तुओ में विजय में जीता हूँ। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

कुलुस्सियो 1:9; नीतिवचन 2:6; 1 कुरुंथियो 1:30

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 3:1-21 & 2 Samuel 22

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 4:11-21 & नीतिवचन 2

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 7

आपके हृदय में उसका सिंहासन

क्या तुम नहीं जानते कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो, और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता हैं? (१कुरिंथियो ३:१६)।

ऊपर का वचन बहुत गहरा है। यह हमे दिखाता है कि परमेश्वर का सिंहासन आपके हृदय में है, क्योंकि वह आपमें उसकी परिपूर्णता के साथ रहता है। यही विचार २कुरिंथियो ६:१५-१७ में दिखाया गया है। यह कहता है, " ... क्योंकि हम तो जीवते परमेश्वर के मन्दिर हैं; जैसा परमेश्वर ने कहा है, मैं उनमें बसूँगा और उनमें चला फिरा करूँगा; और मैं उनका परमेश्वर हूँगा, और वे मेरे लोग होंगे।" यह कितनी अद्भुत आशीष है!

वह शब्द जो "मंदिर" की तरह अनुवादित किया गया है वह ग्रीक शब्द "नाओस" से है। इसका अर्थ हर दिन के साधारण मंदिर से नही है, किंतु अंदर के पवित्र स्थान से है, वह जगह जहाँ पर परमेश्वर की "मूर्ती" रखी जाती है; वह आंतरिक स्थान जहाँ पर परमेश्वर की मूर्ती रखी जाती है। यहूदीयो के लिए, यह पवित्रो का पवित्र स्थान था; वहीं पर परमेश्वर की उपस्थिती थी। उनके पास वहाँ पर एक मूर्ती नही थी, किंतु यहोवा की उपस्थिती थी।

जब पवित्र आत्मा ने आपके हृदय की कोठरियों में अपना घर बनाया, तो आप वह "आंतरिक स्थान" बन गए। उसकी उपस्थिती का स्थान। इसके विषय में सोचीए! इसका मतलब है कि आप अपने अंदर स्वर्ग को लिए फिरते है। जब यीशु विश्व में आया, तो वह इस विश्व को आशीष देने के लिए अपने साथ स्वर्ग को लेकर आया। वह इसे अपने हृदय में लाया, क्योंकि पवित्र आत्मा उसके अंदर रहता था। वह अपने हृदय में परमेश्वर के सिंहासन के साथ आया। कोई आश्चर्य नही कि वह विश्व के लिए इतनी बड़ी आशीष था!

आपके साथ भी ऐसा ही है। आप एक धार्मिक व्यक्ति से कही बढ़कर है; अपने नये जन्म के कारण, आप परमेश्वर के राज्य में लाए जा चुके है, और अब आपके हृदय में उसका सिंहासन है। आप इस विश्व में स्वर्ग के राजदूत है। वास्तव में जहाँ आप जाते है, परमेश्वर जाता है, क्योंकि आप उसका घर है। वह आपमें बात करता है और वह आपकी आँखो के द्वारा देखता है। इसलिए सुसमाचार का प्रचार कीजिए; शैतानो को काट दीजिए; बीमारो को चंगा कीजिए; कोढ़ियों को शुद्ध कीजिए; मरे हुओ को जिंदा कीजिए। विश्व को आपके अंदर की स्वर्ग की महिमा और अनुग्रह के द्वारा आशीष दीजिए। हालेलुयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मुझे आपके जीवन और महिमा का एक सहभागी बनाने के लिए। मैं आपकी दैविय उपस्थिती को अपने हृदय में लिए फिरता हूँ और मेरी दैवियता की आशीषो के साथ मेरे विश्व को प्रभावित करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

कुलुस्सियो 1:27; कुलुस्सियो 2:9-10

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 3:22-36 & 2 Samuel 23-24

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 5:1-13 & नीतिवचन 3

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

शुक्रवार 8

अपने विश्वास का बोलना

इसलिये कि हम में वही विश्वास की आत्मा है, जिसके विषय में लिखा है, मैं ने विश्वास किया, इसलिये मैं बोला। अत: हम भी विश्वास करते हैं, इसी लिये बोलते है (२कुरिंथियो ४:१३)।

हमारा आरंभिक वचन रोमियो १०:९-१० के सिद्धांत के समांतर है; "विश्वास करो और बोलो" सिद्धांत। यह कहता है, "कि यदि तू अपने मुँह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे, और अपने मन में विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। क्योंकि सत्यनिष्ठा के लिये हृदय से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिये मुँह से अंगीकार किया जाता है"। मसीहत में, हम अपने विश्वास को बोलते है। याद रखिए विश्वास का अर्थ है अपने भरोसे पर कार्य करना।

विश्वास को अवश्य ही बोलना चाहिए; यह अकेला नही रहता है; आप वचन की घोषणा करते है। अपने विश्वास को अपने मुँह से दिखाईये; यह वह उपकरण है जिसके द्वारा आप सिद्धता, समृद्धि, और सफलता में अपने रास्ते को बनाते है। आपको शब्दो की सामर्थ को इस्तेमाल करना है, अपने विजयी जीवन को बनाने और उसको बनाए रखने के लिए।

हमारा उद्धार पहले ही मसीह यीशु में पूरा और उपलब्ध कराया जा चुका है, किंतु अपने आपको उन लाभों और उद्धार की आशीषो में तेजी से ले जाने के लिए आपको अवश्य ही अपने हृदय में विश्वास करके बोलना पडेगा। यह ऐसा इसलिए है क्योंकि उद्धार के लिए मुँह से अंगीकार किया जाता है। यही कारण है कि कुछ लोग यद्यपि बहुत लंबे समय से मसीही रहे है, उन्होंने वास्तव में मसीहत की आशीषो का आनंद नही उठाया है। उन्होंने वचन पर कार्य नही किया है।

आपको वचन की घोषणा करना है; इसका अर्थ है कि आपको उन्हीं वस्तुओ को बोलना है जो परमेश्वर ने आपके विषय में कहीं है। यह वचन के लिए आपका विश्वास-उत्तर है। उसने आपको उसका वचन दिया है ताकि आप उत्तर दे सके। आपकी घोषणा या अंगीकार वह उत्तर है जो आपके जीवन में परमेश्वर के वचन की सामर्थ को शुरु करता है। जब तक आप उन घोषणाओ को नही करेंगे, तब तक आपका विश्वास परिणामो को पैदा नही करेगा। आपके विश्वास और आपके "बोलने" को अवश्य ही साथ साथ होना है। हमने हमारे आरंभिक वचन में यही पढ़ा। इसलिए केवल हमेशा वचन को ही बोलिए,

एक निरंतर विजय और श्रेष्ठता के जीवन के लिए। परमेश्वर की स्तुति हो!

घोषणा

परमेश्वर का वचन मेरे हृदय और मेरे मुँह में है इसलिए यह आज मुझ में और मेरे द्वारा प्रबल होता है। मैं विश्वास करता हूँ इसलिए बोलता हूँ, कि परमेश्वर का वचन मेरा जीवन है, और इसकी महिमा और आशीषे मेरे जीवन में प्रत्यक्ष है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मरकुस 11:23; मत्ती 12:37

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 4:1-26 & 1 राजा 1

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 6:1-11 & नीतिवचन 4

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार 9

अपने जीवन को विश्वास से भरे शब्दो के द्वारा सुंदर बनाईये

इसलिये कि हम सब बहुत बार चूक जाते हैं; जो कोई वचन में नहीं चूकता वही तो सिध्द मनुष्य है और सारी देह पर भी लगाम लगा सकता है (याकूब ३:२)।

जो शब्द आप बोलते है वे आपकी आत्मिकता का सच्चा मापदंड है। इससे अंतर नही पड़ता है कि दूसरे आपके विषय में क्या सोचते या कहते है; महत्वपूर्ण हैं वे शब्द जो हर दिन आपके मुँह से बाहर निकलते है, इसके बावजूद कि आप किससे बात कर रहे है: परमेश्वर, मनुष्य, अपने विषय में, परिस्थिती या प्रकृति से। सुनिश्चित हो जाईये कि आप हमेशा केवल विश्वास और आत्मा से भरे वचनो को ही बोलेंगे।

याकूब प्रेरित ने जीभ की तुलना एक महान जहाज की पतवार से की, जो जहाज का कप्तान जहाज को सही दिशा में ले जाने के लिए इस्तेमाल करता है, इसके विरोध में आनेवाली हवाओं के बावजूद (याकूब ३:४-५)। इसका अर्थ है कि अपने वचनो के साथ, आप अपने आपको स्वास्थ, विश्वास, सफलता और श्रेष्ठता में रख सकते है। डर, कमी, या अपनी अयोग्यता को मत बोलिए। सचेतपन रुप से विश्वास से भरे वचनो को बोलिए।

कोई आवश्यकता नही है कि आप परमेश्वर से प्रार्थना करे या माँगे कि वह आपके जीवन में उसकी वाचाओ को वास्तविक बनाए; वे पहले से ही वास्तविक है। केवल मानिए और घोषणा कीजिए जो आप मसीह में है और जो विरासत आपके पास है और उसके अनुसार चलिए। मत कहिए, "प्रभु आपने मुझे आशीष देने का वादा किया था; आपने मुझे फलदायी बनाने का वादा किया था; वरन कहिए, "प्रभु मैं आपका धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे सारी वस्तुओ के साथ आशीषित कर दिया है; आपने मुझे फलदायी और परिणामी बना दिया है" हालेलूयाह!

यह अद्भुत है कि आप विश्वास से भरे शब्दो के साथ बीमारी, निर्बलता और कमजोरी को अपने शरीर से भगा सकते है। हमेशा स्वास्थ, सामर्थ और प्रचुरता को बोलिए। परेशानि, कुंठा, गरिबी, और मानसिक परेशानियो से बाहर निकलने के लिए अपनी जीभ का इस्तेमाल कीजिए। आज जहाँ आप है, और जीवन में जो कुछ आप है, वह आपके बीते हुए कल में बोले गए वचनो का परिणाम है। यीशु ने कहा, जो तुम कहोगे वह तुम्हारे पास होगा (मरकुस ११:२३)। इसलिए अपने जीवन को विश्वास से भरे

शब्दो के साथ सुंदर बनाईये।

प्रार्थना

प्यारे प्रभु मैं आपका धन्यवाद देता हूँ आपके वचन की आशीष के लिए और उस बुद्धि के लिए जो वह मुझ में डालता है। मैं घोषणा करता हूँ कि मेरा विश्वास काम कर रहा है और मैं मसीह में संपूर्ण आनंद और परिपूर्णता का जीवन जीता हूँ। मैं तेज दिमाग का हूँ, सर्वश्रेष्ठ हूँ, जीवन से भरा हुआ और आत्मा में ज्वलंत हूँ। मैं परमेश्वर की महिमा में चलता हूँ। मसीह में उसकी सत्यनिष्ठा को दिखाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

भजन संहिता 34:12-13; नीतिवचन 18:21

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 4:27-54 & 1 राजा 2-3

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 6:12-20 & नीतिवचन 5

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार **10**

हर दिन विजयी रुप से जीओ

क्योंकि जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह संसार पर जय प्राप्त करता है; और वह विजय जिस से संसार पर जय प्राप्त होती है हमारा विश्वास है (१ यूहन्ना ५:४)।

मसीह में एक ऊँचा जीवन है जिसमें हम बुलाए गए है। हम साधारण नही है। यीशु ने केवल हमे उसका दैविय जीवन नही दिया, किंतु वह आया हमे यह दिखाने के लिए कि इस जीवन को कैसे जीना है। जब वह पृथ्वी पर जीया, उसका जीवन, उसकी सेवकाई परमेश्वर की सत्यनिष्ठा और आत्मा की प्रबलता का संपूर्ण प्रदर्शन था। उसके पास एक पूर्ण स्वामीत्व की मानसिकता थी। वह इस विश्व के अंधकार और भ्रष्टता के आधीन नही था। उसने प्रकृति के ऊपर शासन किया और उसके कारको के ऊपर जीया। हालेलूयाह!

पृथ्वी पर मसीह का विजय का जीवन हमारे जीने के लिए उदाहरण था। क्योंकि हमारे पास उसका वही जीवन और स्वभाव है, तो हमे भी हर दिन विजयी रुप से जीना है, सारी परिस्थितीयो के ऊपर प्रबलता में। बाइबल कहती है, जैसा वह है, वैसे ही इस विश्व में हम है (१ यूहन्ना ४:१७)। आप आपकी प्रणाली में संभावनाओ के साथ बनाए गए है। आप इस विश्व में एक शिकार नही किंतु एक जयवंत से बढ़कर है। परमेश्वर ने आपको सारी वस्तुओ में प्रबलता दी है (उत्पत्ति १:२८)। उसने आपको एक जीवन दिया है जो कि बेहतर है ना केवल परिस्थितीयो और प्रकृति के बलो के ऊपर, किंतु बुराई की आत्मिक वस्तुओ जैसे कि शैतान और उसके दानवो के ऊपर भी।

एक आम जीवन जीना मना कर दीजिए। स्वामी से सीखिए; वह पानी पर चला, अंधी आँखे खोली, बहरे कान खोले, लंगडो को चलाया, गूँगो को बुलवाया, मरे हुओ को जिंदा किया और वह वास्तव में प्रकृति के नियमो के ऊपर जीया। हम भी कर सकते है और हमे वैसा ही करना है, क्योंकि हम उसके साथ एक ही दाखलता के है। दैवियता आप में काम कर रही है। मसीह आप में जीवित और काम कर रहा है; इसलिए, कुछ भी आपको नीचे नही गिरा सकता। हर दिन विजयी रुप से जीओ। हालेलूयाह!

घोषणा

मेरा जीवन दैविय है और मैं हर दिन विजयी रुप से जीता हूँ। मुझ में मसीह एक अनंत संभावना और हमेशा बढ़ती हुई महिमा का आश्वासन है। मैं शैतान से बढ़कर हूँ, और इस विश्व की आर्थिक परिस्थितीयो, अंधकार और जीवन की परिस्थितीयो के ऊपर हूँ। मैं मसीह यीशु में आज और हमेशा के लिए एक विजयी हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 यूहन्ना 4:4; 1 यूहन्ना 5:4; लूका10:19

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 5:1-30 &1 राजा 4-6

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 7:1-9 & नीतिवचन 6

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार **11**

जो तुम्हारे पास है उसी पर संतोष करो

तुम्हारा स्वभाव लोभरहित हो, और जो तुम्हारे पास है उसी पर सन्तोष करो; क्योंकि उसने आप ही कहा है, मैं तुझे कभी न छोडूँगा, और न कभी तुझे त्यागूँगा
(इब्रानियो १३:५एन.आय.व्ही)।

परमेश्वर चाहता है कि हमारे जीवन लोभरहित हो; जहाँ पर हम दूसरे लोगो की वस्तुओ की लालसा ना करे। जो आपके पास है उसी पर संतोष करो। इसका यह अर्थ नही है कि आपको सफलता के ऊँचे स्तरो को पाने की इच्छा या सपना नही देखना है; वरन, यह इस बात पर बल देता है कि आप परिपूर्ण है और समझते है कि जो आपके पास है वह काफी है वह पाने के लिए जो आप पाना चाहते है। किंतु सच्चाई यह है कि ऐसी कोई भी वस्तु नही है जो आपके पास नही है।

बाइबल कहती है सारी वस्तुएँ तुम्हारी है (१कुरिंथियो ३:२१); और उससे भी बेहतर, मसीह आपमें है, और मसीह सब कुछ है। इसलिए, उसमें आपके पास सब वस्तुएँ है। जब उस पंगु भिखारी ने पतरस और यूहन्ना से मंदिर में सुंदर नामक द्वार पर भीख माँगी, तो पतरस ने नही कहा, "मेरे पास वह नही है जो तुम माँग रहे हो", और चला गया; उसके पता था कि उसके पास कुछ है, और जो उसके पास था वह काफी था उसको पैदा करने के लिए जिसकी जरुरत थी। जो उसके पास था उसने उसका इस्तेमाल किया: यीशु के नाम को पवित्र आत्मा की सामर्थ में, चंगाई और मनुष्य के मरे से दिखने वाले पंगु हाथ पॉवों में जीवन को वापस लाने के लिए।

जो आपके पास है उसके लिए हमेशा सचेत बनिए: आपकी आत्मा में मसीह की सामर्थ और महिमा। आपका हृदय परमेश्वर का निवासस्थान है; क्या आपको पता है इसका क्या अर्थ है? परमेश्वर की योग्यता आपमें कार्यरत है। कैसे कोई व्यक्ति इसको जानकर कभी भी कमी में या जरुरत में हो सकता है या दूसरो से ईर्ष्या कर सकता है? यही कारण है कि अभी यह ज्ञान आप तक आ रहा है, ताकि आप उसको जानकर संतुष्ट हो जाए और आत्मविश्वास से भर जाए जो आपमें है, जो आपके पास है, और वह सब जो मसीह आपके लिए और आपमें है, और जो वह आपकी आत्मा में लेकर आया है।

कभी मत सोचीए, "अगर केवल मेरे पास यह या वो होता"; आपके पास सबसे

जरूरी वस्तु है – मसीह; और आपको केवल उसी की आवश्यकता है। आपमें मसीह आशा है, वह गारंटी कि हर वस्तु जो आपको कभी भी चाहिए थी वह पहले से ही आपमें है। परमेश्वर की महिमा हो!

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, आप मेरे सबकुछ है; मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मुझे स्वयं से भरने के लिए, जोकि सारी वस्तुओ में महान और सबसे अच्छा है – मुझमें मसीह! यह मेरा आश्वासन है कि जो कुछ मुझे चाहिए वह पहले से ही मुझ में है जैसे ही मैं आपकी महिमा के लिए सत्यनिष्ठा के फलो को पैदा करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

2 पतरस 1:3; 1 कुरुंथियो 3:21

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 5:31-47 & 1 राजा 7-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 7:10-24 & नीतिवचन 7

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

दीनता और महानता

वह तो और भी अनुग्रह देता है; इस कारण यह लिखा है, परमेश्वर अभिमानियों का विरोध करता है, पर दीनों पर अनुग्रह करता है (याकूब ४:६)।

जब यीशु पृथ्वी पर जीया, तो उसने दीनता को दिखाया। जब उसके बपतिस्मा का समय आया, तो उसने अपने आपको यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले से बड़ा नही समझा, यद्यपि वह परमेश्वर का पुत्र था। वरन, उसने वचनो को पूरा होने दिया (पढ़िए मत्ती ३:१३-१५)। यह ऐसा इसलिए है क्योंकि सच्चे महान लोग वास्तव में दीन होते है और केवल एक ही वस्तु के द्वारा उत्साहीत होते है: परमेश्वर के वचन को पूरा करने के लिए; वस्तुओ को परमेश्वर के तरिके से करने के लिए। वे हमेशा सेवा करने के लिए उत्साहीत होते है।

यीशु ने उसके चेलो से कहा, " परन्तु जो कोई तुम में बड़ा होना चाहे, वह तुम्हारा सेवक बने" (मत्ती २०:२६)। ना केवल उसने उनसे यह कहा, उसने उसके चेलो के पैर धोकर इस पर कार्य भी किया। फिर उसने अपने कार्यो को समझाया यह कहकर, "तुम मुझे गुरु और प्रभु कहते हो, और ठीक ही कहते हो, क्योंकि मैं वही हूँ। यदि मैं ने प्रभु और गुरु होकर तुम्हारे पाँव धोए, तो तुम्हें भी एक दूसरे के पाँव धोना चाहिए। क्योंकि मैं ने तुम्हें नमूना दिखा दिया है कि जैसा मैं ने तुम्हारे साथ किया है, तुम भी वैसा ही किया करो। मैं तुम से सच सच कहता हूँ, दास अपने स्वामी से बड़ा नहीं, और न भेजा हुआ अपने भेजनेवाले से। तुम ये बातें जानते हो, और यदि उन पर चलो तो धन्य हो" (यूहन्ना १३:१३-१७)।

फिलिप्पियो २ में, हमने फिर से उसकी असमांतर दीनता को पढ़ा। यद्यपि वह स्वंय परमेश्वर था, उसने अपने आपको दीन किया और हमारे बदले में एक अपराधी की मृत्यु सही। किंतु उसके दीनता का परिणाम देखिए, "इस कारण परमेश्वर ने उसको अति महान् भी किया, और उसको वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है: कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हैं, वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें; और परमेश्वर पिता की महिमा के लिये हर एक जीभ अंगीकार कर ले कि यीशु मसीह ही प्रभु है" (फिलिप्पियो २:९-११)। हालेलूयाह!

फिलिप्पियो २:५ कहता है, "जैसा मसीह यीशु का स्वभाव था वैसा ही तुम्हारा भी स्वभाव हो"; इसका अर्थ है, उसकी दीनता का अनुकरण कीजिए। यह महानता

का रास्ता है; उसमें कोई शॉर्टकर्ट नही है। पतन के पहले घमंड आता है, किंतु दीनता प्रमोट करती है।

प्रार्थना

प्यारे स्वर्गीय पिता, मैं वचनो के ज्ञान के लिए आपका धन्यवाद देता हूँ। मैं आपके वचनो का एक उत्पाद हूँ, और मैं दीनता और प्रेम में चलता हूँ, मैं आपके अनुग्रह के लिए सचेत हूँ जो मुझे मेरी महानता की ऊँची और आगे बढ़ती हुई यात्रा में चलाता है, प्रभु यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 18:12; मत्ती 18:4; इफिसियो 5:1 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 6:1-24 & 1 राजा 9

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 7:25-40 & नीतिवचन 8

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार 13

चंगा करने की सामर्थ

तब पतरस ने कहा, चाँदी और सोना तो मेरे पास नहीं, परन्तु जो मेरे पास है वह तुझे देता हूँ: यीशु मसीह नासरी के नाम में चल फिर (प्रेरितो के काम ३:६)।

मसीही बीमार नही है, जो चंगा होने की इच्छा कर रहा है। दु:खद, किंतु बहुतो की यही समझ रही है। नये जन्मे होकर, आपके पास परमेश्वर का "अविनाशी" जीवन है। जैसा यीशु ने कहा, मसीही के पास चंगा करने की सामर्थ है; वह परमेश्वर के द्वारा चंगाई को विश्व तक ले जाने के लिए बुलाया गया है। वचनो का अध्ययन कीजिए और आप देखेंगे कि यीशु ने यही किया; बाइबल कहती है वह भलाई करता फिरा और उन सबको चंगा करता फिरा जो शैतान के सताए हुए थे (प्रेरितो के काम १०:३८)।

प्रेरितो ने भी यही किया; उन्होंने बीमारो को चंगाई दी। उदाहरण के लिए प्रेरितो के काम के तीसरे अध्याय में पतरस और यूहन्ना के विषय में हमने पढ़ा, कि मंदिर में जाते समय वे एक पंगु भिखारी की ओर आकर्षित हो गए जो कि मंदिर के द्वार पर बैठा था और मंदिर में आने जाने वाले हर व्यक्ति से भीख माँग रहा था। पतरस का प्रत्युतर बहुत ही उत्साहजनक था; उसने कहा,"...चाँदी और सोना तो मेरे पास नहीं, परन्तु जो मेरे पास है वह तुझे देता हूँ: यीशु मसीह नासरी के नाम में चल फिर।" और उसने उसका दाहिना हाथ पकड़कर उसे उठाया; और तुरन्त उसके पाँवों और टखनों में बल आ गया" (प्रेरितो के काम ३:६-७)।

ध्यान दीजिए कि पतरस को उसको जो देना था वह "प्रार्थना" या प्रार्थना करने की सामर्थ नही थी। यहीं पर कुछ मसीहो से चूक हो जाती है; उन्हें लगता है कि परमेश्वर ने हमे "बीमारो के लिए प्रार्थना करने का अधिकार दिया है"; नही! उसने हमे बीमारो को चंगा करने का अधिकार दिया है। मत्ती १०:१ को पढ़िए, यह कहता है, "फिर उसने (यीशु) अपने बारह चेलों को पास बुलाकर, उन्हें अशुध्द आत्माओं पर अधिकार दिया, कि उन्हें निकालें और सब प्रकार की बीमारियों और सब प्रकार की दुर्बलताओं को दूर करें"। परमेश्वर ने हमे सब प्रकार की बीमारियों और रोगो को चंगा करने का अधिकार दिया है; ना कि कुछ वरन सब। इसलिए इससे अंतर नही पडता है कि बीमारी क्या है; आपके पास इसको चंगा करने की सामर्थ है।

यीशु ने मरकुस १६:१७-१८ में कहा, "और विश्वास करनेवालों में ये चिह्न होंगे

कि वे मेरे नाम में दुष्टात्माओं को निकालेंगे, नई नई भाषा बोलेंगे, साँपों को उठा लेंगे, और यदि वे मृत वस्तु भी पी जाएँ तौभी उनकी कुछ हानि न होगी; वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जाएँगे"। जो आपके पास है उसको इस्तेमाल कीजिए। शैतान को अपने और अपने प्रियजनो के जीवनो में बीमारी का तांडव मत करने दीजिए। आप एक चंगा करनेवाले है, इस चेतना में चलिए।

प्रार्थना

प्यारे स्वर्गीय पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ उस महिमा और अनुग्रह के लिए जो मेरे अंदर चंगा करने के लिए काम कर रही है। मैं मुझमें आपके दैविय जीवन को स्वीकारता हूँ जो बीमारी, रोग और दुर्बलता को भगाती है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 10:7-8; मरकुस 3:14-15

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 6:25-59 & 1 राजा 10-11

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 8:1-13 & नीतिवचन 9

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

विश्वास का "जानना"

अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है (इब्रानियो ११:१)।

प्रभु के साथ हमारा संबंध विश्वास का है। इससे अंतर नही पडता है कि आप बाहर से कैसा "महसूस " करते है; भौतिक भावनाओ का इससे कोई लेनादेना नही है। अधिकतर, उसके साथ और उसका हमारा अनुभव मानविय शब्दो के द्वारा नही बताया जा सकता; किंतु फिर भी यह एक गहरा आंतरिक "ज्ञान है", आपकी आत्मा में एक जागरुकता।

यह मरकुस ५ में मुझे उस महिला की बात याद दिलाता है जिसको लहू की परेशानि थी। वह बारह साल से रक्त बहने की परेशानि से पीड़ित थी, और डॉक्टर भी उसकी सहायता नही कर पा रहे थे। बाइबल कहती है, "वह यीशु की चर्चा सुनकर भीड़ में उसके पीछे से आयी और उसके वस्त्र को छू लिया ... और तुरन्त उसका लहू बहना बन्द हो गया, और उसने अपनी देह में जान लिया कि मैं उस बीमारी से चंगी हो गई हूँ " (मरकुस ५:२७-२९)। उसे कैसे पता था कि वह " भावना" जो उसने अपने शरीर में महसूस की थी वह चंगाई की थी ? यह उसका काम करता हुआ विश्वास था!

बाइबल नही कहती है " उसने लहू को रुकते हुए देखा", किंतु यह कि, "उसने अपने शरीर में जान किया कि वह चंगी हो गई थी।" यह विश्वास की भावना है। उसी तरिके से प्रेरितो के काम के तीसरें अध्याय में मंदिर के सुंदर नामक द्वार पर लंगडे व्यक्ति के साथ भी यही हुआ। जब पतरस ने उसको चंगाई दी, बाइबल कहती है, कि उसके टखनो और हड्डियो में बल आ गया (प्रेरितो के काम ३:७)। हड्डियों में भावना नही होती, तो यह एक भौतिक " भावना" नही हो सकती। किंतु कुछ उसके पैरो और हड्डियो में गया, और परमेश्वर जानता था, और उसने कहा कि उसके हड्डियो और टखनो में बल आ गया। परिणाम यह हुआ कि वह मनुष्य कूदा और चलने लगा। उसका विश्वास कार्य कर रहा था; उसने उत्तर दिया, और उसके उत्तर देने के कारण पतरस के द्वारा बोले गए शब्दो की सामर्थ ने काम किया, और उसका चमत्कार हो गया।

यह हमे याद दिलाता है जो हमने दाऊद के विषय में पढ़ा; बाइबल कहती है, उसने "जान " लिया कि परमेश्वर ने उसे इस्राएल के ऊपर राजा बना दिया है। यह केवल मानसिक या भौतिक ज्ञान नही था; यह उसकी आत्मा में जानकारी थी। यह विश्वास का

ज्ञान है, विश्वास का सुनना, यह विश्वास की भावना या पहचान है; जैसे ही आप पवित्र आत्मा और वचन के निर्देशन और नेतृत्व के लिए संवेदनशील हो जाते है ।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं उस आत्मा के लिए आपका धन्यवाद देता हूँ जो आपने मुझे दिया है। मैं आपके निर्देशन और नेतृत्व के लिए संवेदनशील हूँ यह जानने के लिए कि हर समय क्या करना है; वचन के द्वारा मेरी समृद्धि प्रत्यक्ष है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 10:17; इब्रानियो 11:6; याकूब 2:18-26 NKJV

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 6:60-71 & 1 राजा 12-14

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 9:1-10 & नीतिवचन 10

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

परमेश्वर में महिमामय

फिर जिन्हें उसने पहले से ठहराया, उन्हें बुलाया भी; और जिन्हें बुलाया, उन्हें सत्यनिष्ठ भी ठहराया है; और जिन्हे सत्यनिष्ठ ठहराया, उन्हें महिमा भी दी है (रोमियो ८:३०)।

यीशु मसीह परमेश्वर की महिमा का प्रताप और उसके व्यक्तित्व की सटीक छाप है (इब्रानियो १:३)। उसने हमको ठीक वही बना दिया है; हम उसमें महिमामय हो चुके है। उसने यूहन्ना १७:२२ में कहा, "वह महिमा जो तू ने मुझे दी मैं ने उन्हें दी है, कि वे वैसे ही एक हों जैसे कि हम एक है"।

मसीही, यीशु मसीह के कष्टो का फल है। बाइबल उस महिमा के बारे में बताती है जो उसके कष्टो के बाद आने वाली थी (१पतरस १:११); और हम वह महिमा है। वह आनंद जिसको देखकर उसने क्रूस के दर्द और लज्जा को भी सह लिया (इब्रानियो २:१२)। इसलिए मसीही के लिए, अब कोई भी लज्जा नही है क्योंकि यीशु ने पहले ही हमारे लिए लज्जा को सह लिया। उसने आपके लिए दाम चुकाया कि आप एक महिमामय जीवन जीएं। आपकी सफलता के लिए हर वस्तु उसमें पूरी हो चुकी है। वह मरा ताकि आप सम्मान, श्रेष्ठता, और शालीनता का जीवन जीएं। हालेलूयाह!

उसकी प्रतिस्थापन की मृत्यु का सबसे सुंदर भाग यह है कि यह उसकी कब्र पर खत्म नही हुआ। वह तीसरे दिन विजयी रुप से जीवन में वापिस उठा। धन्य है परमेश्वर! जैसे मृत्यु उसे पकडकर नही रख पाई, वैसे ही कोई भी आज उसमें आपके महिमामय जीवन को नही रोक सकता। अगर आप नही चल सकते थे, तो उठ जाईये और चलिए! उस बीमारी से बाहर निकल जाईये, क्योंकि महिमा आ चुकी है; मसीह आपमें महिमा की आशा है (कुलुस्सियो १:२७)।

यह यीशु मसीह का सुसमाचार है! वह हम तक विजय, सफलता, स्वास्थ और समृद्धि लाया। वह हमे उसकी महिमा में लेकर आया है और उसने हमे उसी के लिए पृथ्वी पर अभिषिक्त किया है: "पर तुम चुना हुआ वंश, और राज – पदधारी याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसकी इच्छा को कर के दिखाओ" (१पतरस २:९)।

घोषणा

मेरा जीवन परमेश्वर के अनुग्रह और महिमा की गवाही और प्रत्यक्षिकरण है; उसकी बुद्धि और सत्यनिष्ठा मुझ में दिखाई और दर्शित होती है। मैं अंधकार के विश्व में उसका प्रकाश हूँ, और मैं मेरी आत्मा में परमेश्वर की सत्यनिष्ठा के द्वारा विश्व को प्रभावित करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 पतरस 2:9 AMPC; यूहन्ना 17:22 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 7:1-24 & 1 राजा 15-17

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 9:11-19 & नीतिवचन 11

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **16**

विश्वास के द्वारा जीते हुए

क्योंकि हम रूप को देखकर नहीं, पर विश्वास से चलते है (२कुरिंथियो ५:७)।

आत्मा के द्वारा उत्साहीत होकर पौलुस प्रेरित ने जो गहरी बातें कुरंथ के मसीहो के लिए लिखी, वे मसीही जीवन का एक संक्षिप्त और सटीक परिदृश्य दिखाती है: हम विश्वास के द्वारा जीते है, नाकि इंद्रिय ज्ञान के द्वारा। यही सच्चाई रोमियो १:१७ में भी दर्शायी गई है: "...(उसके)विश्वास से सत्यनिष्ठ जन जीवित रहेगा"।

यह समझना अनिवार्य है कि मसीहत विश्वास का एक जीवन है; इसका आपकी इंद्रियो से कोई लेना देना नही है। आप विश्वास के द्वारा नये जन्मे हुए थे, और आप मसीह जीवन को सफलतापूर्वक केवल विश्वास के द्वारा ही जी सकते है; कोई दूसरा रास्ता नही है!

विश्वास एक जीवनशैली है; यह ऐसी कोई वस्तु नही है जिसको आप इस्तेमाल करने के लिए उठाते है, जब आप परमेश्वर से कुछ करवाना चाहते है। आप अपने विश्वास को मजबूत बना सकते है, इसे उत्साहीत कर सकते है, इसे बढ़ा सकते है या पोषित कर सकते है। विश्वास के द्वारा जीने का अर्थ है कि आप परमेश्वर के वचनो के अनुसार अपनी आत्मा से जीते है। आप परमेश्वर के दर्पण में देखते है और परमेश्वर की उसी महिमा में मेटामोरफोसड (बदलते, रुपांतरित) हो जाते है, जो आप देखते है, महिमा से महिमा तक (२कुरिंथियो ३:१८)।

जैसे ही आप इसको करते है, राज्य के जीवन के नियम शुरु होते है और आपको दिखाई देते है और आपके विश्व में मुक्त होते है। वे आपके अंदर काम करते है और आप तक मनुष्य, स्त्रोत, परिस्थितीयाँ, और सामग्रीयाँ लाते है जो मसीह यीशु में आपके नये स्वभाव से मेल खाते है। जब आप घोषणा करते है कि आपके पास शैतान, विश्व और उसके परिस्थितीयो के ऊपर प्रबलता है, तो वास्तविकता स्थापित हो जाती है जैसे ही आप घोषणा करते है। हालेलूयाह!

इब्रानियो ११:६ कहता है, बिना विश्वास के परमेश्वर को प्रसन्न करना असंभव है; इसका अर्थ है कि आप उसके लिए नही जी सकते। उसको प्रसन्न करने का अर्थ है कि आप हर दिन विश्वास के द्वारा जीते है, जिसका अर्थ है कि आपके जीवन में हर वस्तु उसके वचन की दिशा के अनुसार होती है, आपका आत्मविश्वास राज्य की अनंत वास्तविकताओ पर

है ना कि पृथ्वी की अचल, क्षणिक जीवन की परिस्थितीयो पर है (२कुरिंथियो ४:१८)। परमेश्वर की महिमा हो!

घोषणा

स्थितीयो और परिस्थितीयो के लिए मेरे कार्य, प्रतिक्रियांए, विचार, शब्द, और प्रत्युतर वचन के द्वारा पिता की सही इच्छा से मेल खाते है, ना कि मेरे इंद्रिय ज्ञान के अनुसार। मेरा जीवन राज्य की अनंत वास्तविकताओ के द्वारा नियंत्रित है, और इसके कारण आशीषे मेरे विश्व में मुक्त होती है। मैं हर दिन विजयी रुप से जीता हूँ; यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

2 कुरुंथियो 4:16-18; इब्रानियो 11:1-13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 7:25-8:1-11 & 1 राजा 18-19

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 9:20-27 & नीतिवचन 12

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 17

उसके लिए अलग किए गए

हारून के पुत्र, जो अभिषिक्त याजक थे, और उनका संस्कार याजक का काम करने के लिये हुआ था उनके नाम ये ही है (गिनती ३:३)।

संस्कार एक शब्द है जो अधिकतर बाइबल के पुराने नियम में इस्तेमाल किया गया था, उन वस्तुओं के संदर्भ में जिनको बलिदान और आराधना के लिए पवित्र या अलग करना होता था। इसे याजको को "अलग करने " के रुप में भी परिभाषित किया जाता था, जिनको परमेश्वर के लिए समर्पित होना होता था। सामान्यता इसका अर्थ भक्तिमयता या पवित्र रुप से किसी व्यक्ति या किसी वस्तु को परमेश्वर की आराधना और सेवा के लिए अलग करने से है।

पुराने नियम में, लेवियो के घराने को याजकों के क्रम में परमेश्वर की सेवा करने के लिए इसी तरह से अलग किया गया था (गिनती ३:१२)। इब्रानियो ने अपने खेतो, अपने मवेशियों को और कभी कभी लडाई की लूट को भी प्रभु के सामने पवित्र या समर्पित किया (लैव्यव्यवस्था २७:२८-२९)। इसके अतिरिक्त नियम के अनुसार, मनुष्य या पशु के पहिलौठे बच्चे को भी प्रभु के लिए अलग होना था। नये नियम में, वचन हमें परिभाषित करते हैं वे लोग जो कि प्रभु के लिए समर्पित; पवित्र और अलग किए हुए है, हमारे कामो के द्वारा नही, किंतु परमेश्वर के चुनाव के द्वारा।

१पतरस २:९ कहता है, "पर तुम चुना हुआ वंश, और राज – पदधारी याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है, उसकी इच्छा को कर के दिखाओ"। किंतु परमेश्वर के बहुत से लोग इस समर्पित जीवन की जीवित वास्तविकताओ में नही जी रहे है। उसके परिणामस्वरुप, वे उन आशीषो से चूक जाते है जोकि इस तरह के जीवनयापन और ज्ञान में कार्य करने से आती है कि वे वास्तव में परमेश्वर के लिए अलग किए जा चुके है; पाप, बीमारी, गरिबी, और मृत्यु से अलग: सत्यनिष्ठा, पवित्रता, विजय, समृद्धि, और दैविय स्वास्थ के लिए। अपने आपको उस तरिके से देखिए और उसके अनुसार चलिए।

इफिसियो १:४ कहता है, "जैसा उसने हमें जगत की उत्पत्ति से पहले उसमें चुन लिया कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हो"। हम उसके "बुलाए गए" लोग

है; उसके चुने हुए और पवित्र लोग। कोई आश्चर्य नही कि हम पवित्र है और उसके सामने प्रेम में निष्कलंक है। हालेलूयाह!

घोषणा

कितनी अद्भुत आशीष है परमेश्वर के दैविय इस्तेमाल के लिए चुना जाना और उसके अनुसार अलग किया जाना! मैं पवित्र और अलग किया गया हूँ, क्योंकि मैं यीशु का हूँ; मेरा जीवन आराधना और सेवा में उसके लिए समर्पित है, और उसकी सत्यनिष्ठा मुझ में और मेरे द्वारा हमेशा दिखाई देती है। धन्यवादित आशीषित पिता, मुझे पवित्रता, सफलता, विजय, समृद्धि और दैविय स्वास्थ के लिए अलग करने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

निर्गमन 28:41; निर्गमन 19:6 AMPC;प्रकाशित वाक्य 1:6 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 8:12-30 & 1 राजा 20-21

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 10:1-13 & नीतिवचन 13

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार **18**

अगर वह सब का प्रभु नही है, तो वह प्रभु ही नही है

जो वचन उसने इस्त्राएलियों के पास भेजा, जब उसने यीशु मसीह के द्वारा (जो सब का प्रभु है) शान्ति का सुसमाचार सुनाया (प्रेरितो के काम १०:३६)।

किसी व्यक्ति ने अभी अभी यीशु मसीह को अपना जीवन दिया था किंतु वह अभी भी शैतान के द्वारा परेशान किया जा रहा था। उसने प्रभु को पुकारा शिकायत करते हुए, "मुझे लगता था कि जब आप मेरे जीवन में है तो मुझे कोई परेशानि होगी ही नही!" प्रभु ने उसके उत्तर में उस व्यक्ति को दिखाया कि कैसे उस व्यक्ति ने उसके पूरे घर में परमेश्वर को केवल एक ही कमरा दिया था। उस दर्शन में, परमेश्वर उस कमरे में था जब शैतान उस घर में आया, मनुष्य से लड़ा और उसको घायल किया।

मनुष्य ने उसके विषय में सोचा और कहा, "ठीक है प्रभु, मैं आपको तीन कमरे और देता हूँ।" उस रात शैतान फिर से आया और उसको परेशान किया। इस समय, वह प्रभु पर क्रोधित था। उसने गुस्से से पूछा, "मैं ने अब आपको चार कमरे दे दिए है और फिर भी आपने शैतान को आने दिया, मैं और क्या करूँ?" तब प्रभु ने प्रेमी रुप से उसको उत्तर दिया, "घर मेरा नही है; तुमने मुझे अपने घर में चार कमरे दिए और शैतान उनमें से किसी कमरे में नही आ सकता।"

अंत में, उस मनुष्य को बात समझ में आई और उसने कहा, "ठीक है प्रभु, मैं पूरे घर को आपको देता हूँ, यह पूरा आपका है।" अगली रात, शैतान फिर से आया, किंतु वहाँ पर एक नया स्वामी था। प्रभु दरवाजे पर था और शैतान नही आ पाया। यही होता है जब आपके जीवन में यीशु के पास सब कुछ होता है।

मसीहत यीशु मसीह को हमारे उद्धारकर्ता के रुप में यूँही मान लेना नही है; वह प्रभु (स्वामी या मालिक) होना चाहता है आपके जीवन का, केवल कानूनी रुप से नही किंतु जीवंत रुप से। अगर वह आपके जीवन और आपसे जुड़ी सब वस्तुओ का प्रभु नही है, तो वह प्रभु ही नही है! उसने लूका ९:२३ में कहा, "...यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप से इन्कार करे और प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए हुए मेरे पीछे हो ले"। आज, इस कथन को बहुत से लोगो ने समझा है जैसे कि आप सताव, बदनामी, परेशानि, और उस निंदा को झेलते है जो विश्व हम पर फेकता है, किंतु यीशु के समय में, "अपने क्रूस को उठाने" का अर्थ था क्रूसित होने के द्वारा एक मनुष्य का मरना। यीशु का यही मतलब था और

उसके अगले कथन से यह स्पष्ट है: “क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहेगा वह उसे खोएगा, परन्तु जो कोई मेरे लिये अपना प्राण खोएगा वही उसे बचाएगा” (लूका ९:२४)।

सच्चा समर्पित मसीह जीवन क्षुद्र नही है, अस्थिर संबंध नही है, किंतु मसीह और उसके उद्देश्य के लिए एक जुझारु कटिबद्धता है। आपको उसे सब कुछ देना है, और उसके लिए पूरी तरह से और सच्चाई में जीना है। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं निर्भिकतापूर्वक घोषणा करता हूँ, कि यीशु ही मेरे जीवन का प्रभु है; वह मेरे पैसे, परिवार, करिअर, और मुझ से संबंधित हर वस्तु का प्रभु है। वह मेरा सब कुछ है और मेरा जीवन अभी और हमेशा के लिए उसकी महिमा के लिए है। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

लूका 9:23-24; मत्ती 6:24 AMPC; 1 यूहन्ना 2:15-17 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 8:31-47 & 1 राजा 22

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 10:14-21 & नीतिवचन 14

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

आप प्रभु के है

क्योंकि तुम एक दाम देकर खरीद लिए गए हो: इसलिए अपने शरीर में और अपनी आत्मा में परमेश्वर की महिमा करो, जोकि परमेश्वर के है (१कुरिंथियो ६:२०)।

मुझे एक कहानी पसंद है जो मैंने सालो पहले एक चीनी भाई की सुनी थी। यह प्रभु के लिए हमारे पृथकीकरण और उसके साथ हमारी एकता का शक्तिशाली प्रदर्शन है। कहानी इस तरिके से है कि वह एक ट्रेन में तीन दूसरे लोगो के साथ यात्रा कर रहा था जोकि एक पत्ते का खेल खेलना चाहते थे, जिसमें चौथे व्यक्ति की आवश्यकता थी। इसलिए उन्होंने उससे कहा, "श्रीमान, क्या आप इस खेल में खेलने के लिए जुड़ना चाहेंगे।" उसने उत्तर दिया, "ओ, मुझे खेद है। मैं आपके साथ जुड़ गया होता किंतु मैं यहाँ अपने हाथो के साथ नही आया हूँ।"

उन्होंने अचंभित होकर एक साथ बोला, "आप यहाँ पर अपने हाथो के साथ नही आएँ?" उसने दृढ़ता से कहा, "नही, मैं नही आया हूँ।" उन्होंने उसे ध्यानपूर्वक देखा; वह सही दिखाई दे रहा था और उसके हाथ भी नकली हाथ दिखाई नही दे रहे थे। तो उन्होंने प्रश्न पूछा, "तो ये जो हाथ है वे क्या है?" उसने उत्तर दिया "ये मेरे नही है"। अब उन्हें लग रहा था कि वह पागल हो गया है। उनके विचारो को जानकर, वह तुरंत बोला और समझाया: "मैं एक दाम देकर खरीदा गया हूँ। अब मैं यीशु का हूँ। अभी ये हाथ उसके है और मै उन्हें केवल तभी इस्तेमाल करता हूँ जब वह चाहता है।" और तब उसने आगे बढ़कर उनको सुसमाचार सुनाया और उन्होंने यीशु को ग्रहण किया।

यह कितना सुंदर विचार है! उस भाई के पास कितनी अद्भुत मानसिकता थी! यही आपके साथ होता है जब आप उस उद्धार की महत्ता को जान लेते है जो आपने मसीह में ग्रहण किया है। आप पहचान लेते है कि आप खुद के नही है; अब आप नही है जो जी रहे है, किंतु मसीह है जो आपके द्वारा जीता है। आप प्रभु के है, और आप केवल उन्हीं वस्तुओ को कर सकते है जिन्हें वह कहता है; केवल वह वस्तुएँ जो उसको प्रसन्न करती है। आप उसे अपनी आत्मा में, प्राण में, शरीर में, महिमा देते है क्योंकि वे उसी के है। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं मसीह के साथ क्रूसित किया जा चुका हूँ; अब मैं जीवित नही हूँ, किंतु मसीह मुझ में और मेरे द्वारा जीवित है। इसलिए, मैं अपने शरीर को एक जीवित, पवित्र, और प्रभु को भावता हुआ जीवित बलिदान के रुप में चढ़ाता हूँ जोकि मेरी अच्छी सेवा है। मैं प्रभु की महिमा मेरी आत्मा, प्राण और शरीर में करता हूँ, और उन्हें उसकी सत्यनिष्ठा दिखाने के लिए रास्ता बनाता हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

गलतियो 2:20; 1 कुरुंथियो 6:19-20

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 8:48-59 & 2 राजा 1-3

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 10:22-33 & नीतिवचन 15

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

आप अपने जीवन के लिए जिम्मेदार है

अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है। क्योंकि इसी के विषय में प्राचीनों की अच्छी गवाही दी गई। विश्वास ही से हम जान जाते हैं कि सारी सृष्टि की रचना परमेश्वर के वचन के द्वारा हुई है। पर यह नहीं कि जो कुछ देखने में आता है, वह देखी हुई वस्तुओं से बना हो (इब्रानियो ११:१-३)।

हमारा आरंभिक वचन बहुत ही निर्देशात्मक है; यह एक महत्वपूर्ण विश्वास – सिद्धांत को दर्शाता है जिसके द्वारा आप अपने जीवन को महिमा से महिमा के लिए श्रेष्ठ बना सकते है। यह कहता है कि जो वस्तुएं हमारी प्राकृतिक आँखो को दिखाई देती है वे दिखने वाली वस्तुओ से नही बनी है; वे उन वस्तुओ से आई है जो इंद्रियो को दिखाई नही देती है। संदर्भ दिखाता है कि वे वस्तुएँ वचनो से आई है, क्योकि यह कहता है, "विश्वास से ही हम जान जाते है कि सृष्टि की रचना परमेश्वर के वचनो के द्वारा हुई थी।"

उत्पत्ति १मे, हमने पढ़ा कि परमेश्वर ने बोला और एक ऐसे विश्व में क्रम, सुंदरता और आकार लाया जोकि आकार रहित, उथला-पुथला और अंधकार में था। उसने विश्व को बनाया। उसी तरिके से, आपका जीवन और आपका भविष्य बनाया जा चुका है लेकिन इस बार केवल आप ही के द्वारा। आप अगले कुछ महीनो और सालो में कैसे होने वाले है वह पहले ही तैयार और बनाया जा चुका है, केवल आप ही के द्वारा! और अगर आप अपनी वर्तमान अवस्था से खुश नही है (इसका अर्थ है आपके जीवन की चाल से), तो केवल आप ही इसे बदल सकते है।

कुछ लोग शायद इसके साथ बहस करे, किंतु परमेश्वर का वचन हमे बताता है कि ऐसा ही है। जो जीवन आप अभी जी रहे है उसकी योजना आपने अपने वचनो के द्वारा की थी। आप आज ठीक वैसे ही है जैसे सालो पहले आपने अपने आपको दिखाया था। जो गुणवत्ता का जीवन आज आपके पास है आप उसके लिए जिम्मेदार है। निश्चित ही, प्रभावित करने वाले दूसरे भी कारक रहे होंगे: सामाजिक, वातावरण, परिवार इत्यादि, पर उन्होंने आपको एक नीव दी; उन्होंने आपको वह सामग्री दी जिसके द्वारा आप अपने जीवन को बना सकते थे। उस ढाँचे पर जो आप बनायेंगे वह आपसे ही आएगा।

अगर आप एक अद्भुत जीवन चाहते है और उसके विषय में वास्तव में खुश होना चाहते है तो आप इसको बनाईये। अगर आप हार में जी रहे है एक शिकार की तरह, तो यह आपकी जीभ का कार्य है। परमेश्वर उस जीवन के लिए जिम्मेदार नही है जो आप जी रहे है। वह आपको एक दर्शन देता है; वह आपको एक चित्र दिखाता है और आपको बताता है कि किस प्रकार का जीवन वह आपके लिए चाहता है। वह शायद स्पष्ट हो, वह

आपको विवरण भी दे और आपको ठीक ठीक बताए कि वह आपके जीवन से क्या चाहता है। किंतु, वह आपके लिए इसे बनाएगा नही। वह केवल आपको आवश्यक सामग्री और आपके हाथो में जरुरी औजार देगा।

ऐसे भी औजार होंगे जो आपको लेने पडेंगे, और वह आपको बताएगा कि वे ठीक कहाँ पर है और कैसे उनको पाना है। यह जिम्मेदारी आपकी है कि आप उन्हें ढूंढे और उनका अधिकार ले और अपने विजयी जीवन को बनाने के लिए इस्तेमाल करे।

घोषणा

मैं अपने जीवन का नियंत्रण लेता हूँ उसको वह बनाता हूँ जो मेरे लिए परमेश्वर की इच्छा के साथ मेल खाता है। मैं मेरे शब्दो की ऊर्जा के द्वारा मेरे विश्व को आकार, सुंदरता, और क्रम देता हूँ । मैं सत्यनिष्ठा, विजय, स्वास्थ, सफलता और समृद्धि में जीता हूँ,यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 20:32; मरकुस 11:23; 2 पतरस 1:3

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 9:1-41 & 2 राजा 4-5

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 11:1-11 & नीतिवचन 16

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

अपने आपको प्रभु को समर्पित कीजिए

और न अपने अंगो को बुराई के हथियार होने के लिये पाप को सौंपो, पर अपने आपको मरे हुओं में से जी उठा हुआ जानकर परमेश्वर को सौंपो, और अपने अंगों को सत्यनिष्ठा के हथियार होने के लिये परमेश्वर को सौंपो। तब तुम पर पाप की प्रभुता न होगी, क्योंकि तुम व्यवस्था के अधीन नहीं वरन् अनुग्रह के अधीन हो (रोमियो ६:१३-१४)।

जो ग्रीक शब्द ऊपर में "समर्पित" अनुवादित है वह "परिसथेमी है", और इसका अर्थ सौंपना भी है। दूसरे शब्दो में, आपको स्वंय को परमेश्वर को सौंपना है एक ऐसे व्यक्ति की तरह जो कि मृत्यु से जी उठा है। आप शायद पूछना चाहे, "क्यूँ मुझे अपने आपको फिर से परमेश्वर को सौंपना है? क्या मेरा उसके उद्धार का मानना ही काफी नही है?"

सबसे पहले, परमेश्वर का हमको निर्देश देना कि हम अपने आपको उसे सौंपे का अर्थ है कि उसने हमे इस उद्देश्य के लिए चुना है। आप परमेश्वर को वह नही दे सकते जो वह नही चाहता है या जो उसने नही चुना है। परमेश्वर ने उसकी प्रभुता में हमे निर्देश दिया है कि हम उसे अपने आपको सौंपें, और यह हमारे लिए अच्छा होगा कि हम ठीक वैसा करे। दूसरा, हमारे पास यीशु के रुप में अनुकरण करने के लिए एक उदाहरण है, "... जिसने अपने आप को सनातन आत्मा के द्वारा परमेश्वर के सामने निर्दोष चढ़ाया, ..." (इब्रानियो ९:१४)।

इसके अतिरिक्त रोमियो ६:९-१० में हम ने पढ़ा, "...मसीह मरे हुओं में से जी उठकर फिर मरने का नहीं; उस पर फिर मृत्यु की प्रभुता नहीं होने की। क्योंकि वह जो मर गया तो पाप के लिये एक ही बार मर गया; परन्तु जो जीवित है तो परमेश्वर के लिये जीवित है"। उसी तरिके से मसीह एक बार पाप के लिए मरा और अब प्रभु के लिए जीता है, हमे भी अपने आपको पाप के लिए मरा और परमेश्वर के लिए जीवित समझना चाहिए (क्योंकि वास्तव में हम है)। दूसरे शब्दो में आपको अवश्य ही उसके लिए जीना चाहिए, क्योंकि आप उसके है।

तो यीशु मसीह ने आपको बचाने के लिए कुछ स्वर्गदूतो को नही भेजा; उसने आपका तिरस्कार का स्थान लिया और आपके स्थान में मर गया। उसने आपके लिए सबसे ऊँचा दाम चुकाया। उसके उस उद्धार को मानकर जो उसने अपने जीवन के द्वारा खरीदा, आपको

इस जिम्मेदारी को भी लेना है जो उसके साथ आती है, और उस व्यक्ति की तरह जीना है जो कि उस बलिदान के महत्व और मूल्य को जानता है। और आप ऐसा करते हैं अपने जीवन को उसको समर्पित कर के; उसके लिए जी कर और उसकी सेवा पूरे हृदय के साथ करके, उसके वचनो को पूरा करते हुए, अपने जीवन में उसके उद्देश्य को पूरा करते हुए और सत्यनिष्ठा के कामो को पैदा करते हुए। हालेलूयाह!

प्रार्थना

धन्य यीशु, धन्यवाद उस ऊँचे दाम के लिए जो आपने मेरे उद्धार के लिए चुकाया, और परिणामस्वरुप सत्यनिष्ठा के उपहार के लिए जो मैंने ग्रहण किया है। मैं अपने आपको एक जीवित बलिदान के रुप में चढाता हूँ पवित्र और भावता हुआ सत्यनिष्ठा के एक उपकरण के रुप में, आपकी इच्छा को स्थापित करने के लिए और पृथ्वी पर आपकी भलाई, दया, और आपके अनुग्रह को दर्शित करते हुए। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 6:19; रोमियो 12:1

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 10:1-21 & 2 राजा 6-7

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 11:12-19 & नीतिवचन 17

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

शुक्रवार 22

अपने आपको विश्वास – जीवन में प्रशिक्षित करते हुए

और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना असंभव है; क्योंकि परमेश्वर के पास आने वाले को विश्वास करना चाहिए कि वह है, और अपने खोजने वालों को प्रतिफल देता है (इब्रानियो ११:६)।

बाइबल कहती है, "सत्यनिष्ठ केवल विश्वास से ही जीवित रहेगा"; इसका अर्थ है कि विश्वास हमारी जीवनशैली है। इसलिए, आपको अपने आपको विश्वास – जीवन में जीने के लिए प्रशिक्षित अवश्य ही करना चाहिए। जब आप मसीह में आएं, तो परमेश्वर ने आपको एक सिद्ध जीवन दिया और आपको दिखाया कि कैसे उस जीवन को परिपूर्णता तक जीना है। आपके लिए उसकी इच्छा है कि आप अपने जीवन के नियंत्रण में रहे, और हर वस्तु आपके लिए सही से काम करें। किंतु जिस हद्द तक आप उस जीवन को जीएँगे और वह आपके विश्वास का एक कार्य होगा। यही कारण है कि आपको यह समझना बहुत जरूरी है कि विश्वास कैसे काम करता है, और जो आपके पास है उसको इस्तेमाल करना सीखना है।

उदाहरण के लिए, जब आप अपने शरीर में कोई परेशानि महसूस करते है, तो आपके लिए पहला काम डॉक्टर को बुलाना या दवाई की दुकान की ओर भागना नही होना चाहिए। अपने शरीर से बात कीजिए। आप कहिए, "मैं मेरे पूरे शरीर की व्यवस्था में सिद्धता, स्वास्थ, और परिपूर्णता बोलता हूँ; वह मुझ में दैविय जीवन का उत्तर देते है और सही तरिके से काम करते है प्रभु यीशु के नाम में!" वचन से चिपके रहिए, और आपके पास निश्चित ही एक गवाही होगी!

कुछ बार, जब लोग चुनौतियो का सामना करते है, तो वे कहते है, "मैं अपने विश्वास को इस्तेमाल कर रहा हूँ लेकिन कुछ हो नही रहा है।" यह ऐसा इसलिए है क्योंकि वे अपने विश्वास को काम कराने में संघर्ष कर रहे है। इससे पहले कि परेशानि दिखाई दे विश्वास से भरे शब्दो को बोलिए, ताकि जब वे आएं तो आपका विश्वास अटल रहेगा।

यीशु से सीखिए: उसने पेड़ो, हवाओ, लहरो, पानी, मच्छली और खाने इत्यादि से बात की। हमे बताते हुए कि जीवन की हर वस्तु में बुद्धि है और आवाज में ऊर्जा है। इसलिए, अपने शरीर से स्वास्थ में रहने के लिए बात करने के अलावा अपने घर, अपने काम के औजारो, अपने पैसे से बात करना सीखिए - हर वस्तु जो आपके नियंत्रण में और

आपकी रखवाली में है – उन सब में बुद्धि है। उनका महत्व और उन्हें सिद्ध बनाए रखने के लिए अपने मुँह को इस्तेमाल कीजिए।

इससे अंतर नही पडता है कि आप जीवन में किन परिस्थितीयो का सामना करते है; वचन से चिपके रहिए। अपनी घोषणाओ को बनाये रखिए, और गारंटी से आपके विश्वास की विजय का ही परिणाम आएगा।

घोषणा

मैं सचेतन रुप से क्षणीक परिस्थिती को नकारता हूँ और अपने केंद्र और फोकस को हमारे स्वर्गीय राज्य की अनंत वास्तविकताओ पर लगाता हूँ। विरोधी हवाओ, और विरोधो के बाजूद, मेरा विश्वास वचन के द्वारा बढ़ता और प्रबल और विजय पाता है। मैं अपने स्वास्थ, धन, परिवार, और मुझ से जुडी हुई हर वस्तु में सिद्धता बोलता हूँ, और वे मेरी विश्वास से भरी हुई घोषणाओ का उत्तर देते है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इब्रानियो 10:38; 2 कुरुंथियो 4:18 AMPC; मरकुस 11:20-24

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 10:22-42 & 2 राजा 8-9

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 11:20-29 & नीतिवचन 18

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार 23

वही एकमात्र रास्ता है

किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें (प्रेरितो के काम ४:१२)।

तीन प्रकार के पाप होते है। पहला है अनुवांशिक पाप। बाइबल कहती है, "इसलिये जैसा एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया, और पाप के द्वारा मृत्यु आयी, और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई, क्योंकि सब ने पाप किया" (रोमियो ५:१२)। आदम का पाप सारे मनुष्यों तक फैल गया था। हर व्यक्ति जो आदम से पैदा हुआ था वह आदम के पाप का वारिस बन गया था। कितना भयानक? किंतु यह वास्तविकता है।

दूसरा है "लादा गया पाप।" लादा गया पाप नियम पर आधारित है, और शायद आप दोषी व्यक्ति ना हो। यहोशू ७ में, हम ने पढ़ा कि कैसे इस्राएल के बच्चो ने भयानक दाम चुकाया केवल एक व्यक्ति के पाप के कारण। हाल ही में एक बडे देश पर विजय के बाद, इस्राएल के बच्चे छोटे छोटे देशो को नष्ट करने की योजना बना रहे थे। यरीहो पर चढ़ाई करने से पहले, परमेश्वर ने उन्हें निर्देश दिया, "जब तुम उस जगह में जाना तो उनकी कोई वस्तु अपने पास मत रखना, हर वस्तु को नष्ट कर देना" (यहोशू ७:११ ए.एम.पी.सी)।

किंतु आकान ने एक ओढ़ना और दूसरी वस्तुओ को लिया, और उन्हें अपने पास छुपा लिया (यहोशू ७:२०-३०)। और परिणाम क्या हुआ? पूरा देश (इस्राएल) लढ़ाई हार गया। उस व्यक्ति का पाप पूरे देश पर लादा गया। विरासत के अतिरिक्त, आदम का पाप भी सारे मनुष्यो पर लादा गया था। आपको व्यक्तिगत रुप से दोषी होने की जरुरत नही थी; यह एक श्रेणी का पाप था; हर व्यक्ति इसका भाग बन जाता था। यह ऐसा है कि जब आपके देश का राष्ट्रपति एक गलत योजना पर हस्ताक्षर करता है या गलत योजना को शुरु करता है; तो यह पूरे देश को प्रभावित करता है।

पाप का तीसरा प्रकार है "व्यक्तिगत पाप"। यह वह पाप है जो आप अपने आप करते है। स्पष्ट रुप से, हर व्यक्ति जो इस विश्व में पैदा हुआ है, उसके पास पाप का स्वभाव है और उसे उद्धार की आवश्यकता है। अगर एक मनुष्य कहता है कि वह व्यक्तिगत पाप से मुक्त है, तो आनुवांशिक पाप के बारे में क्या, और फिर लादे गए पाप के बारे में क्या? किंतु परमेश्वर का धन्यवाद हो! उद्धार – मनुष्य का छुडाव उसके गिरे हुए स्वभाव से

और पाप की गिरावट और उसके प्रभावो से, उसकी आत्मा की पुन:सृष्टि और परमेश्वर के साथ उसकी सहभागिता का पुर्ननिवास – संभव है और यीशु मसीह के द्वारा उपलब्ध है! वही एकमात्र रास्ता है!

यही कारण है कि हम सुसमाचार का प्रचार करते है; ताकि सब लोग यीशु मसीह में विश्वास करे और पापो की क्षमा और परमेश्वर के जीवन और स्वभाव को ग्रहण करे। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे प्रभु, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे सुसमाचार को ग्रहण करने का विशेषाधिकार दिया है जो कि आपकी सामर्थ है बचाने की, चंगा करने की, और छुडाने की। मैं इस विश्व में अविश्वासियो के लिए प्रार्थना करता हूँ, कि उनकी आँखो के सामने से परदा हट जाएगा और वे अपने पापो को पहचानेंगे और पापो के हटाए जाने के मसीह के प्रावधान को ग्रहण करेंगे, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 13:38-39 ASV; रोमियो 10:9-10

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 11:1-16 & 2 राजा 10-12

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 11:30-34 & नीतिवचन 19

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

आपके अस्तित्व का कारण

मेरा विश्वास करो कि मैं पिता में हूँ और पिता मुझ में है; नहीं तो कामों ही के कारण मेरा विश्वास करो (यूहन्ना १४:११)।

मुझे विश्वास है कि एक वस्तु जिसे खोजने में परमेश्वर ने मेरे शुरुवाती जीवन में मेरी सहायता की, वह था मेरे अस्तित्व का उद्देश्य। मैं अधिकतर आश्चर्य करता था, "कि लोग आखिर जीते ही क्यूँ है अगर उन्हें मरना ही है?" यह एक सवाल बन गया जिसका मुझे जवाब चाहिए था। और जैसे ही मैंने यीशु के विषय में पढ़ा मैं जानना चाहता था कि, "यीशु क्यूँ आया?" जैसे जैसे साल बीतते गए और पवित्र आत्मा के द्वारा मुझे जीवन के उत्तर मिलने लगे; मुझे पता लग गया कि हम क्यूँ जी रहे थे और उसने मेरे जीवन को बदल दिया।

इसके विषय में सोचिए: पृथ्वी पर ऐसा क्या है जो आप सोच सकते है कि हमेशा रहेगा, जो अनंत लाभ देगा? क्या आप पूरे विश्व को अपना बनाना चाहते है? आपसे पहले भी ऐसे लोग थे जिन्होंने पूरे विश्व पर शासन किया। सोचीए फिरौन के विषय में, सिकंदर के विषय में; उन्होंने विश्व पर शासन किया; उनके पास सब कुछ था। वास्तव में उन्हें ईश्वर तक माना जाता था लेकिन सोचीए क्या हुआ? जब उनका समय आया, तो वे मर गये और सब समाप्त हो गया। इसलिए, आप अपने जीवन में क्या चाहते है? लोगो की तालियाँ? प्रसिद्धी? आत्म-संतुष्टी? ऐसे बहुत से लोग है जिनके पास ये वस्तुएं प्रचुरता में थी, किंतु उससे कुछ भी बदला नही।

जब तक आप जीवन में अपना उद्देश्य नही ढूंढ लेते है तब तक आप वास्तव में नही जीते है। परमेश्वर के साथ सहभागिता महत्वपूर्ण वस्तु है। परमेश्वर के साथ सहभागिता केवल उसके साथ दोस्त होना नही है; यह केवल उसके नजदीक होना नही है; यह उसके साथ एकता में होना है, उसके उद्देश्य और सपनो के साथ एकता में। यह सबसे महान वस्तु है जो आप कभी भी जान सकते थे – परमेश्वर के साथ सहभागिता में होना और उसके साथ ऐसे व्यक्ति की तरह संबंध रखना जिसको आप जानते है और वह आपको जानता है। जीने का यही कारण है: कि आप उस परमेश्वर को जाने जो आपसे प्रेम करता है और आप उससे प्रेम करे और उसके साथ चले; और इसको समझे कि इसका क्या अर्थ है कि परमेश्वर आपमें है और आप परमेश्वर में है। यह हमारे विषय में पिता से यीशु की प्रार्थना थी: "वह महिमा जो तू ने मुझे दी मैं ने उन्हें दी है, कि वे वैसे ही एक हों जैसे कि हम एक है" (यूहन्ना १७:२२)। सबसे महान वस्तु जो एक मानव कभी भी कर सकता है वह कि प्रभु को खोज ले, अपने आपको उसमें खोज ले, और उसे अपने आप में खोज ले। तब आप यीशु की तरह कह सकते है, "मैं मेरे पिता में हूँ और मेरे पिता मुझ में है" (यूहन्ना

१४:११); एक महामयी संबंध जो आपके दृष्टिकोण और आपके जीवन में हर वस्तु को बदल देगा। इस समझ के साथ, आप उसके शरीर – मसीह के शरीर - में अपने स्थान को खोजते है, और उस किरदार को पूरा करते है।

प्रार्थना

प्यारे पिता धन्यवाद मुझे आपके पुत्र यीशु मसीह के साथ सहभागिता में लाने के लिए। अब, मैं निर्भिकतापूर्वक घोषणा कर सकता हूँ, कि मैं आपमें हूँ और आप मुझ में है। कितना महान सम्मान! मेरा उत्साह और इच्छा मेरे जीवन के साथ आपको प्रसन्न करना है और वह सब करना है जो आपने मेरे लिए विधानित किया है, यह जानते हुए कि आपमें मेरा जीवन परिपूर्ण है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

2 कुरुंथियो 5:14-15; मरकुस 8:36-38

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 11:17-57 & 2 राजा 13-15

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 12:1-11 & नीतिवचन 20

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

जो उसने आपको दिया है उसको इस्तेमाल कीजिए

कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हैं, वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें (फिलिप्पियो २:१०)।

मैंने एक जवान मसीही के रुप में बहुत जल्दी सीख लिया था कि कैसे परमेश्वर के वचन को इस्तेमाल करना है। मैं उसी समय मुद्दों और परिस्थितीयों से निपटना चाहता था, वचन को इस्तेमाल कर के।

उस समय उदाहरण के लिए, अगर मैं गलती से अपना पैर कहीं पर ठोक देता था तो मैं तुरंत ही अपना हाथ वहाँ पर रखता और कहता था, "चंगे हो जाओ यीशु के नाम में!" मैं अधिकार को इस्तेमाल करना सीख रहा था। मैं शायद थोड़ा दर्द महसूस करता था, किंतु मैं देखता था कि वहाँ पर कोई सूजन नही थी, और मुझे पता था इसको सूज जाना चाहिए था। तो बुरा होने की जगह, यह जल्दी ही सही हो गया! अगर कुछ कट गया था और खून बह रहा था, तो मैं कहता था, "बंद हो जाओ यीशु के नाम में! कोई खून नही बहेगा!" और जो मैं कर रहा था उसे मैंने जारी रखा।

जैसे ही मैंने उस तरह से वचन का अभ्यास किया और परिणामो को देखा, मैं ने अपने आसपास के लोगो को गवाही दी, और वचन की प्रभावशीलता के विषय में मेरे अनुभव को बताया। मैंने अपने शरीर पर वचन का अभ्यास किया, सर्वशक्तिशाली यीशु के नाम को इस्तेमाल करते हुए और उस अधिकार को जो उसने हमे दिया है।

मुझे याद है एक रात, एक किशोर की तरह, कालेजादू और अघोरियों से एक मुलाकात के बाद, मैं सो रहा था, और मैंने किसी वस्तु को मुझे दबाते हुए देखा; यह एक आत्मिक आघात था; एक मात्र समय जब मैंने इसका अनुभव किया। मैंने खोजा कि मैं यीशु का नाम बुलाने में संघर्ष कर रहा था, मैं अपने मुँह को खोल भी नही सकता था। आखिर में मैंने उस वस्तु को मुझ से दूर किया, जैसे ही मैंने चिल्लाया "यीशु! " और तुरंत ही मैं अपने घुटनो पर गया और कहा, "तुम शैतान यीशु के नाम में इसको कभी दोबारा करना मत! और जो कोई तुम हो मैं तुम्हें बाँधता हूँ यीशु के नाम में! दोबारा कभी नही!" उस दिन से लेकर आज तक यह दोबारा कभी नही हुआ और कभी होगा भी नही।

जो आपके पास है उसका इस्तेमाल कीजिए। यीशु के नाम को इस्तेमाल कीजिए। अन्यथा शैतान आप पर घात लगा लेगा। उस नाम का इस्तेमाल कीजिए अपने घर में

परिस्थितीयो को बदलने के लिए; अपने व्यवसाय की दशा को बदलने के लिए। उसके नाम में परिस्थितीयो के ऊपर राज्य और शासन कीजिए। हालेलूयाह!

घोषणा

प्रभु ने मुझे साँपो और बिच्छुओ को रौंदने की ताकत दी है, और शत्रु की सारी सामर्थ के ऊपर भी: अब किसी भी वस्तु से मुझे कोई भी हानि नही होगी। यीशु के सर्वसामर्थी नाम में, मैं शैतानो और जीवन की परिस्थितीयो के ऊपर राज्य और शासन करता हूँ। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

फिलिप्पियो 2:9-11; लूका 10:18-19

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 12:1-19 & 2 राजा 16-17

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 12:12-21 & नीतिवचन 21

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

आप में सामर्थ के लिए सचेत हो जाईए

परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य पाओगे: और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे (प्रेरितो के काम १:८)।

२कुरिंथियो ४:७ कहता है, "परन्तु हमारे पास वह धन मिट्टी के बरतनों में रखा है कि यह असीम सामर्थ्य हमारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर ही की ओर से ठहरे"। आपमें सामर्थ है। इफिसियो ३:२० कहता है, "अब जो ऐसा सामर्थी है कि हमारी विनती और समझ से कहीं अधिक काम कर सकता है, उस सामर्थ्य के अनुसार जो हम में कार्य करता है"। दैवियता की सारी सामर्थ आपमें काम कर रही है; यह स्वर्ग में नही है, किंतु यह पुन:सृष्टित मानविय आत्मा में है। कोई नही कह सकता कि आप क्या कर सकते है और आप कितने दूर जा सकते है – आपकी सफलता और समृद्धि का असीमित विस्तार – अगर आप पहचान लेंगे और आपमें काम कर रही सामर्थ को इस्तेमाल करेंगे।

बहुतो को जिस वस्तु ने प्रभावित किया है वह उस चेतना की कमी है कि वे कौन है और उनके अंदर क्या है। आपके जीवन में परमेश्वर की सामर्थ की चेतना एक क्रियांवित बल है। अगर आप उसके लिए सचेत नही है जो आप है और जो आपमें है, तो यह काम नही करेगा। प्रभु यीशु मसीह पृथ्वी पर उसके दैविय उद्गम और व्यक्तित्व की चेतना के साथ जीया। उसने कहा, "स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है" (मत्ती २८:१८)। वह इसे जानता था और उसके अनुसार घोषणा की।

जब वह आराधनालय में गया तो उसने कहा, "प्रभु का आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उसने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा हैं कि टूटे हृदयवालो को चंगा करुँ, बन्दियों को छुटकारे का और अंधों को दृष्टि पाने का सुसमाचार प्रचार करूँ और कुचले हुओं को छुड़ाऊँ" (लूका ४:१८)। कितनी अद्भुत चेतना! जब उसने घोषणाएँ की तो शैतान खड़े नही रह पाएँ; जब उसने शब्द बोले तो उससे चंगाई हुई और बीमार और सताए हुओं का पुन:निर्वास हुआ। परमेश्वर की महिमा हो!

१यूहन्ना ४:१७ कहता है, जैसा वह है वैसे ही इस विश्व में हम भी है। आत्मा की सामर्थ आपमें रखी गई है, क्योंकि आप उसके साथ एक है; आप उसके शरीर, उसके मांस और उसकी हड्डियो के एक सदस्य है। आप उसके राज्य के प्रतिनिधी है। पवित्र आत्मा आपमें रहने के लिए आया ताकि मसीह का राज्य, सामर्थ, महिमा, सत्यनिष्ठा और प्रबलता आपमें और आपके द्वारा प्रदर्शित हो सके। इस वास्तविकता के लिए सचेत हो जाईये। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं दैवियता का सार हूँ, मसीह का राजदूत, परमेश्वर के अधिकतम भार से भरा हुआ! मैं असफलता, हार, और असंभवानाओ को देखना मना करता हूँ, क्योंकि मैं मुझ में रहनेवाली परमेश्वर की उपस्थिती के लिए सचेत हूँ। वचन पर मनन करने के द्वारा और अन्यभाषाएँ बोलने के द्वारा, मैं उस सामर्थ को हर वस्तु पर और मेरे जीवन के हर क्षेत्र के ऊपर लाता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 3:20-21; 2 कुरुंथियो 4:7

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 12:20-50 & 2 राजा 18-19

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 12:22-31 & नीतिवचन 22

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार 27

अपने विश्वास को बढ़ाईये

हे भाइयो, तुम्हारे विषय में हमें हर समय परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए, और यह उचित भी है, इसलिये कि तुम्हारा विश्वास बहुत बढ़ता जाता है, और तुम सब का प्रेम आपस में बहुत ही बढ़ता जाता है (२थिस्सलुनीकियो १:३)।

यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप उस विश्वास की मात्रा को बढाये जो परमेश्वर ने आपको दी थी, और उसको करने का तरिका परमेश्वर के वचनो को अधिक सीखने के द्वारा है, "अत: विश्वास सुनने से और सुनना मसीह के वचन से होता है" (रोमियो १०:१७)। जितना कम आप परमेश्वर के वचन को अपनी आत्मा में ग्रहण करेगें उतना ही दिखाने के लिए आपके पास कम विश्वास होगा, जब आप जीवन में चुनौतियो का सामना करेगें। इसलिए हर दिन परमेश्वर के वचन को पेटू रुप से खाने के द्वारा अपने विश्वास को बढ़ाईये।

किसी ने एक बार कहा, "मेरा विश्वास बहुत छोटा है; यही कारण है कि मैं कभी कभी आत्मिक रुप से कमजोर महसूस करता हूँ।" अगर ऐसा है तो अपने विश्वास को बढ़ाईये! यह आपका काम है। उस छोटे विश्वास के स्तर पर बने मत रहिए। छोटा विश्वास डर और संदेह को दिखाता है (मत्ती ८:२६)। मत्ती १४ में, शिमोन पतरस यीशु की ओर पानी पर चल रहा था जब तक कि उसने हवाओ और लहरो को नही देखा और वह डूबने लगा। बाइबल कहती है यीशु ने तुरंत ही, "... हाथ बढ़ाकर उसे थाम लिया और उससे कहा, हे अल्पविश्वासी, तू ने क्यों सन्देह किया?" (मत्ती १४:३१)।

छोटा विश्वास सांसारिक भी है या सांसारिक सोच रखता है। हम मत्ती १६:६ में इसका एक उदाहरण देखते है जब यीशु मसीह ने उसके चेलो से कहा, "... देखो, फरीसियों और सदूकियों के खमीर से सावधान रहना"। बाइबल कहती है उन्होंने आपस में विचारविमर्श किया, "हम रोटी नहीं लाए इसलिये वह ऐसा कहता है" (मत्ती १६:७)। उन्हें समझ में नही आया जो यीशु सीखा रहा था और उन्हें लगा कि उसका मतलब भौतिक रोटी से है। यीशु ने उनकी सांसारिक सोच को समझा और उससे कहा, "... हे अल्पविश्वासीयों, तुम आपस में क्यों विचार करते हो कि हमारे पास रोटी नहीं है?" (मत्ती १६:८)।

जब एक कम विश्वास वाला व्यक्ति अपने पेट में कुछ दर्द महसूस करता है तो वह जल्दी से कहता है, "यह ऐसा इसलिए है क्योकि मैने कुछ गलत खा या पी लिया था।" किंतु यीशु ने कहा, " ...अगर वे कोई जहरीली वस्तु पी भी ले तो उन्हें कोई हानि नही होगी... " (मरकुस १६:१८)। परमेश्वर चाहता है कि आपका विश्वास अटल रहे; ना कि कमजोर या छोटा। इसलिए, परमेश्वर के वचन का अध्ययन और अभ्यास कीजिए; आप अपने विश्वास को ऐसे ही बड़ा करते है। उसकी तरह बनिए जो कि थिस्सलुनीकिया में परिभाषित

किया गया था जिसका विश्वास बढ़ा और उनकी तरह जो विश्वास के महान सैनिको में है (इब्रानियो ११), जिन्होंने महान लूटो के लिए अपने विश्वास को इस्तेमाल किया।

घोषणा

परमेश्वर का वचन मुझ में जीवित और सक्रिय है, और मुझ में विश्वास को उत्साहीत करता है चुनौतियो को जीतने के लिए और मसीह में मेरे विजयी जीवन को बनाये रखने के लिए। मैं वचन से जन्मा हूँ; इसलिए मैं वचन के द्वारा जीता हूँ। जैसे ही मैं वचन का अध्ययन और मनन करता हूँ, मेरा विश्वास मजबूत और बेहतर होता है महिमा से महिमा में, और इस पर कार्य करने की आशीषे मेरे जीवन में प्रत्यक्ष होती है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 20:32; याकूब 1:22-25; मत्ती 14:26-31

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 13:1-30 & 2 राजा 20-22

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 13:1-13 & नीतिवचन 23

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 28

दीनता परमेश्वर की सेवा करने में है

इसी प्रकार हे नवयुवको, तुम भी प्राचीनों के अधीन रहो, वरन् तुम सब के सब एक दूसरे की सेवा के लिये दीनता से कमर बाँधे रहो, क्योंकि परमेश्वर अभिमानियों का विरोध करता है, परन्तु दीनों पर अनुग्रह करता है (१पतरस ५:५)।

सालो से मैंने महानरुप से वरदानित आत्मिक मसीहो को देखा है, जिनमें सेवक भी है, जिनके काम खाली निकले, क्योंकि वे दीनता में नही चल रहे थे। इससे अंतर नही पड़ता है कि आपको कितने ऊँचे वरदान दिये गए है, जब यह घमंड के साथ मिला होता है तो यह परमेश्वर को ग्रहणयोग्य नही होता है। आपकी इच्छा होनी चाहिए कि जो कुछ आप सेवकाई में प्रभु को चढाए और उसकी सेवा करे वह उसको ग्रहणयोग्य हो, पवित्र आत्मा के द्वारा पवित्र होकर।

परमेश्वर के घर में जो कुछ आप करते है वह उसके लिए भेट है; आपकी सेवा परमेश्वर के लिए एक बलिदान है। किंतु परमेश्वर आपके बलिदान को ग्रहण नही करेगा अगर यह स्वार्थ और लोभ से भरा हुआ है, घमंड और झूठ से भरा हुआ है। परमेश्वर के घर में महानता कुछ परिणामो के द्वारा नही मापी जाती है जो आपने प्राप्त किए है या पाएं है। हमारा आरंभिक वचन कहता है, "परमेश्वर घमंडी को रोकता है किंतु वह दीन को अनुग्रह देता है"। अपने आपको दीन बनाईये। यह ऐसी वस्तु है जिसका आपको सचेतन रुप से और ध्यान देकर अभ्यास करना है।

जब घमंड के विचार आपके हृदय में उठते है, तो उन्हें डाँट दीजिए। बाइबल कहती है, "जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा, वह छोटा किया जाएगा: और जो कोई अपने आपको दीन करेगा, वह बड़ा किया जाएगा" (मत्ती २३:१२)। इसलिए आप देख सकते है कि या तो वह दीनता है या अपमान है। वचन उन लोगो की कहानीयो से भरे हुए है जो घमंडी थे और कैसे वे बर्बादी में खत्म हुए। और परमेश्वर नही चाहता है कि हम उस दिशा में जाएँ।

वचनो के द्वारा अपने आपको सही और निर्देशित कीजिए, हर समय परमेश्वर की बुद्धि के साथ। नये जन्मे होकर आप महान जन्मे थे, और सच्चे महान लोग हमेशा दीन होते है। दीनता में चलते रहिए, क्योंकि यह एक महान आशीष है और परमेश्वर के साथ

प्रमोशन का रास्ता है।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं अधिकार के लिए समर्पित हूँ, मैं आपके वचन के अधिकार, प्रभाव के लिए समर्पित हूँ। घमंड, गर्व, ऊँचे दिमाग का मेरे अंदर कोई स्थान है क्योंकि मैं प्रेम और दीनता में चलता हूँ, और मेरे जीवन में हमेशा बढती हुए महानता और असीमित वृद्धि का अनुभव करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 कुरुंथियो 13:4-7 AMPC; 1 पतरस 5:5-6

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 13:31-14:1-14 & 2 राजा 23-25

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 14:1-9 & नीतिवचन 24

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

शुक्रवार 29

मसीह संस्कृति

इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे दिमाग के नये हो जाने से तुम्हारा चाल - चलन भी बदलता जाए, जिससे तुम परमेश्वर की अच्छी, और ग्रहणयोग्य, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो (रोमियो १२:२)।

मसीहत में, हमारी एक संस्कृति है; यह मसीह संस्कृति है। बहुत से लोग मसीह में उनकी संस्कृति के साथ आते है और बहुत से तरिको से चर्च को उनकी पृथ्वी की संस्कृति के द्वारा प्रभावित करने का प्रयास करते है। किंतु एक मात्र संस्कृति जिसका हमे अनुपालन करना और मानना है वह है आत्मा और वचनो की संस्कृति। हमारा आरंभिक वचन हमे बताता है कि हम अपने दिमागो के बदलते जाने से परिवर्तित हो जाएँ (रोमियो १२:२); इसका अर्थ है वचन के द्वारा संस्कृत हो जाएँ। यह एक निर्णय है जो आपको अवश्य ही लेना चाहिए।

अगर आप अपने दिमाग को वचनो के साथ नया बनाएँगे, तो आपके पास राज्य की संस्कृति होगी। उदाहरण के लिए, मसीह में, हमारे यहाँ हर व्यक्ति का सम्मान और आदर करने की संस्कृति है, ना केवल उनका जो हमे आदर के योग्य लगते है। रोमियो १२:१० कहता है, "भाईचारे के प्रेम से एक दूसरे से स्नेह रखो; परस्पर आदर करने में एक दूसरे से बढ़ चलो"। इसके अतिरिक्त मत्ती ५:४४ में यीशु ने कहा, "परंतु मैं तुमसे यह कहता हूँ कि अपने शत्रुओं से प्रेम रखो, जो तुम्हे श्राप देते है उन्हे आशिष दो, जो तुमसे नफरत करते है उनकी भलाई करो, और जो गलत तरीके से तुम्हारा इस्तेमाल करते है और तुम्हे सताते है, उनके लिए प्रार्थना करो"। यह राज्य - संस्कृति है; यह विश्व से अलग है।

मत्ती ५:४२ कहता है, "जो कोई तुझ से माँगे, उसे दे; और जो तुझ से उधार लेना चाहे, उससे मुँह न मोड़"। यह हमारी संस्कृति है प्रेम में देना; आप उस व्यक्ति को दूर नही भगाते है जो आपसे उधार लेने आता है। हम सहायता करते है और किसी को छोटा नही समझते है। यीशु मसीह ऐसे ही जीया, और हमे उसी का अनुकरण करना है। इसलिए, अपने आपको मसीह की संस्कृति में शिक्षित कीजिए; प्रेम, दया, क्षमा, और सत्यनिष्ठा की संस्कृति में।

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं अपने आपको वचन और आत्मा की सेवकाई के लिए समर्पित करता हूँ सीखने और विकसित होने के लिए और इस पृथ्वी पर मसीह के जीवन को जीने के लिए; एक प्रेम, श्रेष्ठता, विजय, प्रभुता और अनुग्रह के जीवन को। जैसे ही मैं वचन का अध्ययन करता हूँ, मेरा दिमाग परिवर्तित हो जाता है: जो मैं मसीह में हूँ उसकी वास्तविकता में सोचने और चलने के लिए, आपकी सत्यनिष्ठा को पूरी तरह से दिखाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

फिलिप्पियो 2:5; 2 पतरस 1:5-8

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 14:15-31 & 1 इतिहास 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 14:10-19 & नीतिवचन 25

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **30**

एक मसीही शैतान-ग्रसित नही हो सकता

और मसीह यीशु में हमें उसके साथ उठाया, और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया (इफिसियो २:६)।

बहुतो ने पूछा, "क्या एक मसीही शैतान-ग्रसित हो सकता है?" एक मसीही शायद शैतान के द्वारा प्रभावित हो सकता है, किंतु वह वास्तव में एक शैतान द्वारा ग्रसित नही हो सकता। एक मसीही के लिए शैतान- ग्रसित होने का अर्थ है कि उसने सचेत रुप से और जानबूझ के यीशु मसीह में अपने विश्वास को छोड़ दिया है, जो कि स्वविश्वास-त्याग है।

बाइबल के अनुसार, इस स्थिती से कोई वापसी नही है, क्योंकि उस व्यक्ति ने इच्छापूर्वक अपने आपको शैतान को समर्पित किया है। किंतु एक सच्चा मसीही उस स्थिती में नही हो सकता, क्योंकि वह शैतान से बढ़कर है। इससे अंतर नही पड़ता है कि कैसे उस मसीही ने अपने आपको शैतान से परेशान होने के लिए समर्पित किया था, जिस दिन वह खुद जान जाता है और कहता है, "नही" वह उसके जीवन में शैतान की चलाकीयो का अंत होगा। याकूब ४:७ कहता है, "इसलिये परमेश्वर के अधीन हो जाओ; और शैतान का सामना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा"।

एक मसीही के लिए परेशानि कभी भी शैतान-ग्रसित होना नही थी; वरन, यह उन बुरी आत्माओ के लिए अपने आपको समर्पित करने की थी जो उनसे भयानक वस्तुएँ करवाती है, और इस प्रक्रिया में, वे उनके खुद के जीवनो को नष्ट कर लेते है। अधिकतर, इस प्रकार के मसीही परमेश्वर के वचनो में पर्याप्त ज्ञानवान नही है, दूसरी तरह से जीने के लिए (होशे ४:६)।

एक मसीही मसीह के साथ बैठा हुआ है, सारी प्रधानता, ताकतो, सामर्थो, प्रबलताओ, और हर उस नाम के बहुत ऊपर जो इस विश्व में लिया जाता है (इफिसियो२:६; १:१९-२१)। हालेलूयाह! अगर ऊपर की बात सच है (और परमेश्वर का धन्यवाद हो कि यह है), तो उसे क्यूँ शैतान से "छुटकारे की" जरुरत है, और उससे ग्रसित होने का तो सवाल ही नही होता? अगर एक मसीही शैतान के द्वारा प्रभावित या प्रताड़ित है, तो समाधान परमेश्वर का वचन है। भजनसंहिता ११९:१३० कहता है, "आपके वचनो का आगमन प्रकाश देता है..."। अगर आप परमेश्वर के वचनो को ग्रहण करेंगें – अपने

अंदर उसके प्रकाश को लेंगे और इसे मानेंगें – तो यह आपके जीवन से हर प्रकार की शैतानी उपस्थिती को भगा देगा; अंधकार भाग जाएगा।

यही कारण है कि परमेश्वर की एक संतान के रुप में परमेश्वर के वचन का अध्ययन और मनन करना आपके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए । वचन को जानिए और उसमें बने रहिए, और मसीह में अपने अधिकार का इस्तेमाल कीजिए।

घोषणा

मसीह मुझ में ऊँचा उठाया गया है – आत्मा, प्राण और शरीर में। मेरे पास जीवन की ज्योति है, इसलिए मेरे अंदर कोई अंधकार नही है। मैं निरंतर आनंद, शांति, प्रेम, दयालुता और आत्मा से भरा हुआ हूँ, जैसे ही मैं मसीह के प्रकाश में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 1:19-23 AMPC; 1 यूहन्ना 4:4; मरकुस 16:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 15:1-17 & 1 इतिहास 3-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 14:20-30 & नीतिवचन 26

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार **31**

विश्वास की " गोली"

यीशु ने उससे कहा, यदि तू कर सकता है? यह क्या बात है! विश्वास करने वाले के लिए सब कुछ हो सकता है (मरकुस ९:२३ सी.ई.व्ही)।

सोचीए कि आपको एक गोली दी गई और आपसे कहा गया कि अगर आप इस गोली को ले लेंगे तो इससे अंतर नही पडता है कि कौन सी दुर्बलता, रोग या बीमारी आपके शरीर पर आघात करती है; परेशानि की स्थिती के बावजूद, वह गोली एक चंगाई लाएगी। आपका उत्तर क्या होगा? मुझे विश्वास है कि आप इस प्रकार की गोली को तुरंत ही लेने में हिचकिचाएँगे नही। आप इसका शायद बहुत बड़ा ऑर्डर करना चाहे।

पर क्या आप जानते है कि वास्तव में एक ऐसी गोली है? इसको कहा जाता है विश्वास की गोली! मरकुस ९:३ में यीशु ने कहा, " ...भरोसा करने वाले के लिए सब कुछ संभव है "। जो शब्द किंग जेम्स अनुवाद और दूसरे अनुवादो में " भरोसे " के रुप में इस्तेमाल किया गया है वह गलत तरिके से लगाया गया है। यह उसी शब्द " विश्वास " से है, यह केवल उसका क्रियारुप है। विश्वास संज्ञा है और "भरोसा" विश्वास की क्रिया है। इसका अर्थ है कि उस वचन को वास्तव में पढ़ना चाहिए था, "उसके लिए सब कुछ संभव है जो विश्वास करता है"।

सी.ई.व्ही जो हम ने हमारे आरंभिक वचन में लिखा है उसे और सटीक रुप से बताता है, यह कहता है, "उस व्यक्ति के लिए कुछ भी संभव है जिसके पास विश्वास है!" कितना महान आश्वासन! और इसे २१ वे वचन से पढ़ना इसको और अधिक बेहतर बनाता है। यीशु ने नही कहा, "बहुत सारी वस्तुएँ संभव है अगर आपके पास विश्वास है", किंतु कि "कुछ भी संभव है"। इसका अर्थ है कि इससे अंतर नही पडता है कि परिस्थिती क्या है; परमेश्वर ने आपको सामर्थ दी है अपने जीवन को सुंदर बनाने की। आप कुछ भी कर सकते है और किसी भी वस्तु को बदल सकते है आप में विश्वास के द्वारा जो आपके लिए परमेश्वर की इच्छा के विरोध में है।

जब चेले डरे हुए थे और यीशु से सहायता माँग रहे थे जब वे संकट के वातावरण में थे, बाइबल कहती है कि वह उनकी ओर मुड़ा और कहा, "तुम्हारा विश्वास कहाँ है?"

(लूका ८:२५)। दूसरे शब्दो में, गोली को इस्तेमाल करो! यह कुछ भी कर सकती है। आपके जीवन में कोई भी निराशाहीनता या उदासीनता नही होगी अगर आप अपने विश्वास को काम पर रखेंगे।

घोषणा

धन्य हो परमेश्वर! मैं ने विश्व, इसकी प्रणाली और व्यवस्थाओ पर जय पाई है। मेरा विश्वास मजबूत है और निरंतर सफलता, विजय, और उत्सवो के लिए प्रभावी है। मेरे अंदर कोई डर नही है, क्योंकि मेरे लिए कुछ भी असंभव नही है। मेरा जीवन लगातार परमेश्वर के वचन के द्वारा बनाया जा रहा है, जिसके द्वारा पिता के लिए हमेशा बढ़ती हुई महिमा आती है । हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

मरकुस 11:22-23; 2 कुरुंथियो 4:13; 1 यूहन्ना 5:4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 15:18-16:1-16 & 1 इतिहास 5-6

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 कुरुंथियो 14:31-40 & नीतिवचन 27

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उध्दार की प्रार्थना

हम विश्वास करते है कि आप इस अध्ययनिका के द्वारा आशिषित हुए है। इस प्रार्थना को करने के द्वारा हम आपको यीशु मसीह को अपने जीवन का प्रभु बनाने के लिए आमंत्रित करते है:

“ओ प्रभु परमेश्वर, मै अपने पूरे:दय से यीशु मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता हूँ। मै विश्वास करता हूँ कि वह मेरे लिए मरा और परमेश्वर ने उसे मरे हुओ मे से जीवित किया। मै विश्वास करता हूँ कि आज वह जीवित है। मै अपने मुँह से घोषणा करता हूँ कि आज से यीशु मसीह मेरे जीवन का प्रभु है। उसके द्वारा, और उसके नाम में, मेरे पास अनंत जीवन है; मै नया जन्मा हूँ। धन्यवाद परमेश्वर, मेरी आत्मा को बचाने के लिए! अब मै परमेश्वर की एक संतान हूँ। हालेलुयाह!

बधाई! अब आप परमेश्वर की एक संतान है। एक मसीह के रूप में, आप कैसे बढ सकते है, के विषय में अधिक जानकारी ग्रहण करने के लिए, कृपया नीचे लिखे किसी भी नंबर के द्वारा हमसे संपर्क किजिए:

UNITED KINGDOM:
(0)1708 556 604

NIGERIA:
01-8888186

CANADA:
+1-647-341-9091

SOUTH AFRICA:
+27 11 326 0971

USA:
+1-281-759-5111

लेखक के विषय में

पास्टर क्रिस औयाखिलोमे, बिलिवर्स लववर्ल्ड इनकॉर्पोटेड के प्रेसिडेंट है, जो एक प्रभावी, बहुमुखी, विश्व स्तरिय सेवकाई है, वे वास्तविकता संग्रह के लेखक है, विश्व की नंबर एक दैनिक अध्ययनिका, और तीस से अधिक दूसरी पुस्तको के भी। वो परमेश्वर के वचनो के एक वफादार सेवक है, जिनके संदेशो ने बहुतो के ह्रदय में दैविय जीवन की वास्तविकताओ को लाया है।

करोडो लोग उनके टेलिविजन ब्राडॅकास्ट "चमत्कारो के लिए वार्तावरण," के द्वारा प्रभावित हुए है, जो परमेश्वर की दैविय उपस्थिती को ठीक लोगो के घरो तक लेकर जाता है। इस टेलिविजन सेवकाई का विस्तार पूरे विश्व में लववर्ल्ड सेटेलाइट टेलिविजन नेटर्वकों के द्वारा होता है, जो कि एक विश्व स्तरिय सभा तक गुणवत्ता के मसीही प्रोग्राम लाते है।

विश्वविख्यात, चंगाई विद्यालय में वह यीशु मसीह के कार्य को प्रत्यक्ष करते है और उन्होंने पवित्र आत्मा के काम करते हुए वरदान के द्वारा बहुतो की चंगाई ग्रहण करने में सहायता की है।

पास्टर क्रिस में परमेश्वर की उपस्थिती के साथ पूरे विश्व के लोगो तक पहुँचने का उत्साह है –एक दैविय आज्ञा, जिसको उन्होंने तीस साल से अधिक वर्षो से किया है, विभिन्न आऊटरिचों के द्वारा, क्रूसेडो के द्वारा, और बहुत से अलग तरिको के द्वारा, जिसके द्वारा करोडो लोगो ने परमेश्वर के वचन के द्वारा एक विजयी और उद्देश के जीवन का अनुभव किया है।

LoveWorld Publishing

टिप्पणी

हिन्दी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

हिन्दी

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

Chris Oyakhilome

LoveWorld Publishing

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from the *King James Version* of the Bible.

A KEY FOR OTHER BIBLE VERSIONS USED:

NKJV	-New King James Version
AMP	-The Amplified Bible
AMPC	-The Amplified Classic Bible
TANT	-The Amplified New Translation
TLB	-The Living Bible
CEV	-Contemporary English Version
NASB	-New American Standard Bible
ISV	-International Standard Version
NIV	-New International Version
MSG	-The Message Translation
WEB	-The World English Bible
TNLT	-The New Living Translation
ASV	-American Standard Version
TEV	-Today's English Version
RSV	-Revised Standard Version
GNB	-Good News Bible
WNT	-Weymouth New Testament
NRSV	-New Revised Standard Version
MOFFAT	-Moffatt New Translation
WESNT	-Wesley New Testament
EBR	-Rotherham's Emphasized Bible
DRB	-Douay-Rheims Bible

वास्तविकता संग्रह...वास्तविकता संग्रह

ISSN 1596-6984

जून 2020 edition

Copyright © 2020 by LoveWorld Publishing

FOR MORE INFORMATION AND TO PLACE ORDERS:

UNITED KINGDOM:
Unit C2, Thames View Business Centre, Barlow Way Rainham-Essex, RM13 8BT.
Tel.: +44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

USA:
Christ Embassy Houston,
8623 Hemlock Hill Drive
Houston, Texas. 77083
Tel.: +1-281-759-5111

NIGERIA:
Plot 97, Durumi District, Abuja, Nigeria.

Plot 22/23 Billingsway Road, Oregun, Ikeja, Lagos.
P.O. Box 13563 Ikeja, Lagos
Tel.: 01-8888186

SOUTH AFRICA:
303 Pretoria Avenue
Cnr. Harley and Braam Fischer,
Randburg, Gauteng 2194
South Africa.
Tel.:+27 11 326 0971

CANADA:
LoveWorld Publishing Canada
4101 Steeles Ave W, Suite 204
Toronto, Ontario
Canada M3N 1V7
Tel.:+1 416-667-9191

www.rhapsodyofrealities.org
email: rorcustomercare@loveworld360.com

All rights reserved under International Copyright Law. Contents and/or cover may not be reproduced in whole or in part in any form without the express written permission of LoveWorld Publishing.

भूमिका

हुर्रे ! आपकी प्रिय दैनिक अध्ययनिका, वास्तविकता संग्रह अब २०१०-, भाषाओं में उपलब्ध है और लगातार बढ़ रही है। हमें विश्वास है कि अध्ययनिका का २०२० का अंक ने आपकी आत्मिक वृध्दि और विकास को बढ़ाया है और आपको आपके सभी प्रयासो मे असाधारण सफलता के लिए सही स्थान में रख दिया है।

इस अंक के जीवन बदलने वाले विचार आपके विश्वास को ताजा करेंगे, बदल देंगे और स्फूर्ति देंगे, जैसे ही आप परमेश्वर के वचन के साथ एक प्रतिफल देनेवाले अनुभव में जुडते है।

- वास्तविकता संग्रह अध्ययनिका को कैसे इस्तेमाल करे -

- हर लेख को पढो और सावधानीपूर्वक इसपर मनन करो। प्रतिदिन जोर से प्रार्थनाओ और घोषणाओ को कहना, सुनिश्चित करेगा कि जो परमेश्वर का वचन आप बोल रहे है, वह आपके जीवन में पूरा होता है।
- एक-वर्षीय अध्ययन योजना के साथ, या दो वर्षीय अध्ययन योजना के साथ संपूर्ण बायबल को पढो।
- आप दैनिक बायबल अध्ययन खंडो को दो भागो में भी बाँट सकते है - सुबह और शाम अध्ययन
- हर महिने के लिए प्रार्थनापूर्वक अपने लक्ष्यो को लिखने के लिए अध्ययनिका का इस्तेमाल करो, और अपनी सफलता को मापो, जैसे ही आप एक के बाद एक लक्ष्य को प्राप्त करते है।

हम आपको परमेश्वर की महिमामयी उपस्थिति और विजय का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते है, जैसे ही आप उसके वचन की एक दैनिक खुराक को लेते है! हम आपसे प्रेम करते है! परमेश्वर आपको आशिष दे!

-पास्टर क्रिस औयाखिलोमे

व्यक्तिगत जानकारी

नाम:

पता:

टेलीफोन:

Mobile:

E-mail address:

Business address:

Goals for the Month:

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

www.rhapsodyofrealities.org

यह वचनो के विषय में है

क्योंकि तू अपनी बातों के कारण निर्दोष, और अपनी बातों ही के कारण दोषी ठहराया जाएगा (मत्ती १२:३७)।

एक बहुत बड़ा कारण जिसकी वजह से कुछ मसीहो ने कभी भी आत्मिक भव्यता, और मसीहत की महिमा का अनुभव नही किया है वह यह कि उन्होंने कभी भी वास्तव में वचनो की महत्ता को नही समझा था। यद्यपि वे लंबे समय से नये जन्मे रहे है, उन्होंने ज्यादातर समय संघर्ष ही किया है। कुछ लोगो ने आखिर में बहुत सालो के संघर्ष के बाद मसीही जीवन को जीना बंद कर दिया क्योंकि उन्हें मसीही जीवन के नीवं के सिद्धांतो की समझ नही है। यह वचनो के विषय में है!

हम वचनो के द्वारा नई सृष्टि की वास्तविकताओ में कार्य करते है। यह एक आत्मिक सिद्धांत है जो सबसे पहले उद्धार को संभव बनाता है: "कि यदि तू अपने मुँह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे, और अपने मन में विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। क्योंकि सत्यनिष्ठा के लिये हृदय से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिये मुँह से अंगीकार किया जाता है" (रोमियो १०:९-१०)।

हमारा उद्धार तभी शुरु होता है जब हम यीशु मसीह के प्रभुत्व में हमारे विश्वास की मुँह से घोषणा करते है। उद्धार मसीह की सारी आशीषो की शुरुवात है; और अगर यह सिद्धांत उद्धार के लिए काम करता है, तो यह मसीह में हर किसी वस्तु के लिए भी काम करेगा।

प्रभु यीशु उसकी पृथ्वी की सेवकाई के दौरान एक संपूर्ण सफलता था क्योंकि उसने पिता के वचनो को बोला और उनमें जीया। यूहन्ना १२:४९ में उसने कहा, "क्योंकि मैं ने अपनी ओर से बातें नहीं कीं; परन्तु पिता जिसने मुझे भेजा है उसी ने मुझे आज्ञा दी है कि क्या क्या कहूँ और क्या क्या बोलूँ।" इब्रानियो १३:५-६ इसी सिद्धांत को बताता है। यह कहता है, "तुम्हारा स्वभाव लोभरहित हो, और जो तुम्हारे पास है उसी पर सन्तोष करो; क्योंकि उसने आप ही कहा है, मैं तुझे कभी न छोडूँगा, और न कभी तुझे त्यागूँगा।" इसलिये हम निडर होकर कहते हैं, प्रभु मेरा सहायक है, मैं न डरूँगा; मनुष्य मेरा क्या कर सकता है।"

अभी बताया गया वचन बताता है कि हमारी घोषणाओ को परमेश्वर के वचन के साथ एकता में होना चाहिए, क्योंकि हम वचन की संतान है। हम वचनो के द्वारा जीते है।

हमारे आरंभिक वचन में यीशु के वचनो को याद कीजिए, “क्योंकि तू अपनी बातों के कारण निर्दोष, और अपनी बातों ही के कारण दोषी ठहराया जाएगा”। यह आपके वचनो के विषय में है: कि आपके होठो से सही शब्द बाहर आ रहे है।

घोषणा

मेरे संपूर्ण, विश्वास भरे वचनो के द्वारा, मैं एक विजयी जीवन और आशीषित भविष्य का निर्माण करता हूँ; मैं अपने जीवन और भविष्य को बनाता हूँ, परमेश्वर के दैविय प्रावधानो और मेरे लिए और मुझसे संबंधित हर वस्तु में उसके विधान के साथ मेल खाने के लिए। मैं बिना हिले विश्वास की घोषणाओ को थामे रहता हूँ। मैं घोषणा करता हूँ कि मैं दैविय स्वास्थ, दैविय प्रचुरता, निरंतर विजय और समृद्धि में जीता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ कुरुंथियो 4:13; मरकुस 11:23

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 16:17-33 & १ इतिहास 7-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 15:1-10 & नीतिवचन 28

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मंगलवार 2

डरने के लिए कुछ भी नही

क्योंकि जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह संसार पर जय प्राप्त करता है; और वह विजय जिस से संसार पर जय प्राप्त होती है हमारा विश्वास है (१ यूहन्ना ५:४)।

आज के विश्व में बहुत सारी नकारात्मक जानकारीयाँ है और इसने बहुतो के हृदय में डर को भर दिया है जोकि वचन में मजबूती से जड़ नही पकडे हुए है। यह वास्तव में शायद संकट के समय है, किंतु प्रभु यीशु ने इसके विषय में लूका २१:२५-२६ में बात की कि यह सब अंत के समय के चिन्ह है। उसने कहा, "... और पृथ्वी पर देश-देश के लोगों को संकट होगा, क्योंकि वे समुद्र के गरजने और लहरों के कोलाहल से घबरा जाएँगे; भय के कारण और संसार पर आनेवाली घटनाओं की बाट देखते-देखते लोगों के जी में जी न रहेगा, क्योंकि आकाश की शक्तियाँ हिलाई जाएँगी।"

लूका १८:८ में उसने एक विचार-उत्साहीत करने वाला सवाल पूछा: " ... तौभी मनुष्य का पुत्र जब आएगा, तो क्या वह पृथ्वी पर विश्वास पाएगा?"। आपको विश्वास में मजबूती से खड़े रहना है, आपके आसपास की चुनौतियों के बावजूद, और आज के विश्व में हो रही घटनाओं के बावजूद।

वचन इफिसियो ६:१६ में कहता है, "और इन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो जिससे तुम उस दुष्ट के सब जलते हुए तीरों को बुझा सको"। अपने विश्वास की ढाल के साथ आपके पास शत्रु के सारे (ना कि कुछ) जलते हुए तीरों को बुझाने की योग्यता है। प्रभु यीशु ने पहले ही शैतान के कामो को नष्ट कर दिया है (१ यूहन्ना ३:८)। उसने शैतान को पंगु कर दिया, उसके कामो को नष्ट कर दिया, और नरक में उसका और उसके शैतानो का खुल्लमखुल्ला तमाशा बनाया (कुलुस्सियो २:१५)।

आज, शैतान और अंधकार की ताकते आपके पाँवो के नीचे है; इसलिए, आपको किसी से भी नही डरना है। आपके आसपास जो होता है उसके बावजूद विश्वास में वचनो को बोलिए।

घोषणा

मेरा विश्वास वह विजय है जो बीमारी, रोग और दुर्बलता पर जय पाता है। मुझ में दैविय जीवन मुझे बेहतर और किसी भी प्रकार के वायरस या संक्रमण के लिए असंदेहास्पद बनाता है। मैं बीमारी और इस विश्व के भ्रष्ट सिद्धांतो के ऊपर प्रबलता में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

1 यूहन्ना 5:4 NIV; कुलुस्सियो 2:15 AMPC; रोमियो 8:35-37

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 17:1-26 & १ इतिहास 9-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 15:11-19 & नीतिवचन 29

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बीमारी और रोग से बढ़कर

और विश्वास करने वालों में ये चिह्न होंगे कि वे मेरे नाम में दुष्टात्माओं को निकालेंगे, नई नई भाषा बोलेंगे, साँपों को उठा लेंगे, और यदि वे मृत वस्तु भी पी जाएँ तौभी उनकी कुछ हानि न होगी; वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जाएँगे
(मरकुस १६:१७-१८)।

ऊपर का वचन असाधारण है; यह आपके विषय में कुछ विशेष बताता है मसीही के नई सृष्टि के: आप बीमारी, रोग, और दुर्बलताओ से बढ़कर है। आपके पास एक जीवन है जो किसी भी बीमारी के कीटाणु के द्वारा भ्रष्ट नही हो सकता। आपको ना तो जहर दिया जा सकता है और ना आप नष्ट किए जा सकते है। इससे कोई अंतर नही पड़ता है कि आपको बताया गया कि कोई जहर या वायरस आपके सिस्टम में घुस गया है; इसकी आपके ऊपर कोई प्रभुता नही होगी। लूका १०:१९ में यीशु ने कहा, "देखो, मैं ने तुम्हें साँपों और बिच्छुओं को रौंदने का, और शत्रु की सारी सामर्थ्य पर अधिकार दिया है; और किसी वस्तु से तुम्हें कुछ हानि न होगी।" या तो यह सच है या गलत, किंतु परमेश्वर का धन्यवाद हो कि यह सच है!

इस चेतना के साथ जीएँ कि आप दैविय स्वभाव के सहभागी है। उन लोगो की भीड़ में मत जुड़ जाईये जो कि संक्रामक रोग के फैलाव के द्वारा भयभीत और घबराए हुए है; जो जीवन आपमें है वह दैविय है; यह लहू के द्वारा नही किंतु परमेश्वर के आपके अंदर रहने वाले आत्मा के द्वारा चलता है: "यदि उसी का आत्मा जिसने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया, तुम में बसा हुआ है; तो जिसने मसीह को मरे हुओं में से जिलाया, वह तुम्हारी नश्वर देहों को भी अपने आत्मा के द्वारा जो तुम में बसा हुआ है, जिलाएगा" (रोमियो ८:११)।

अब जब पवित्र आपमें रहता है तो ऊपर का वचन एक वादा नही है किंतु एक जीवित सच्चाई है : वह आपके भौतिक शरीर का जीवन है। हो सकता है कि जब आप इसको पढ़ रहे है तो आप एक असाध्य बीमारी से पीड़ित है; वचन की घोषणा कीजिए जब तक आपके अंदर दैविय जीवन उठ ना जाएँ। अपने हृदय में विश्वास के साथ घोषणा करते रहिए, "वही आत्मा जिसने यीशु मसीह को मरे हुओ में से जिलाया मुझ में रहता है और मेरे भौतिक शरीर को जीवन देता है। मेरे अंदर परमेश्वर का जीवन है; वह जीवन बीमारी और मृत्यु को नष्ट करता है। मैं दैविय स्वास्थ में चलता हूँ। मैं बीमार होना मना करता हूँ!"

मसीही वे लोग है जो मृत्यु से निकल कर आए है। वे एक अलग प्रजाति है। यही कारण है कि बाइबल कहती है, "तुम एक चुना हुआ वंश हो..." (१पतरस २:९)। जो

शब्द "वंश है" वही "प्रजाति "भी है । तो आप एक विशेष प्रजाति है, हर उस चीज से बेहतर है जो शैतान की है।

आत्मा के स्तर से अपने जीवन का नियंत्रण लीजिए और अपने विश्व और अपने वातावरण पर प्रबलता कीजिए। ठीक अभी, घोषणा कीजिए कि आप वचन और आत्मा के द्वारा विजयी रुप से जीते है, बीमारी, रोग, और मृत्यु के ऊपर और आगे। हालेलूयाह!

प्रार्थना

मैं शैतान, विश्व और उसकी व्यवस्था के ऊपर विजय और प्रबलता में जीता हूँ। धन्यवाद पिता मुझ में आपके दैविय जीवन, वचन और पवित्र आत्मा की सामर्थ के लिए कि मैं बीमारी, रोग और दुर्बलता के ऊपर विजयी रुप से जीता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ पतरस 1:4; रोमियो 8:10-11 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 18:1-27 &१ इतिहास 11-13

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 15:20-28 & नीतिवचन 30

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 4

उसकी सच्चाईयों की घोषणा करो

इसलिये कि हम में वही विश्वास की आत्मा है, जिसके विषय में लिखा है, मैं ने विश्वास किया, इसलिये मैं बोला। अत: हम भी विश्वास करते हैं, इसीलिये बोलते है
(२कुरिथियो ४:१३)।

२तीमुथियुस ३:१ चेताता है कि अन्त के दिनो में संकट के समय आएँगे। किंतु रोमियो ८:३५-३७ हमे बताता है कि इन सारे क्लेशो, संकटो, आकाल, उपद्रव, महामारीयों के बावजूद जोकि समय के अंत के चिन्हों को दिखाएँगे, आपके पास डरने के लिए कुछ भी नही है। यह ऐसा इसलिए है कि क्योंकि आप जयवंत से बढ़कर है: "कौन हम को मसीह के प्रेम से अलग करेगा? क्या क्लेश, या संकट, या उपद्रव, या अकाल, या नंगाई, या जोखिम, या तलवार? ... परन्तु इस सब बातों में हम उसके द्वारा जिसने हम से प्रेम किया है, जयवन्त से भी बढ़कर है" (रोमियो ८:३५-३७)।

आपको चाहिए कि आप परमेश्वर के वचन को धर ले: इसको जानिए और इसे अपनी चेतना में रखिए और इसे अपने बोलने के द्वारा स्थापित कीजिए। सामर्थ घोषणा करने में है। उदाहरण के लिए, वचन कहता है कि, "तुम्हारे विरुद्ध बना कोई भी हथियार समृद्ध नही होगा" (यशायाह ५४:१७)। यीशु ने लूका १०:१९ में कहा, " ... और किसी वस्तु से तुम्हें कुछ हानि न होगी"। फिर उसने यूहन्ना १६:३३ में भी कहा, "मैं ने ये बातें तुम से इसलिये कहीं हैं कि तुम्हें मुझ में शान्ति मिले। संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैं ने संसार को जीत लिया है"। विश्वास कीजिए और इन सच्चाईयों की घोषणा कीजिए।

यीशु ने विश्व पर अपने लिए नही किंतु आपके लिए जय पाई। उसने विश्व और सारी बुराई, अंधकार, और इसकी सारी नकारात्मकता पर जय पाई, और आपको विजय दे दी। आपको यह करने की जरूरत है कि आप अपने जीवन में अपनी विश्वास भरी घोषणाओं के द्वारा उस विजय को बनाए रखे और स्थापित करे।

उसने मरकुस ११:२३ में कहा, "...जो कोई इस पहाड़ से कहे, तू उखड़ जा, और समुद्र में जा पड़, और अपने मन में सन्देह न करे, वरन् विश्वास करे कि जो कहता हूँ वह

हो जाएगा, तो उसके लिये वही होगा"। आपके मुँह में परमेश्वर का वचन एक क्रियांवित बल है। परमेश्वर की स्तुति हो!

प्रार्थना

मैं घोषणा करता हूँ कि मेरा जीवन महिमा और सुंदरता के लिए है; और मेरे रास्ते में सफलता, जीवन, विजय और स्वास्थ है। मैं पूरे विश्व में परमेश्वर के लोगो के लिए प्रार्थना करता हूँ जो शायद बीमार या प्रताड़ित हो, कि परमेश्वर की चंगाई की सामर्थ उन में काम करेंगी और उनका स्वास्थ सिद्ध हो जाएगा, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

लूका 6:45; फिलोमोन 1:6; नीतिवचन 18:21

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 18:28-19:1-16 &१ इतिहास 14-16

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 15:29-39 & नीतिवचन 31

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 5

आप उसके एजेंडा के एक जरूरी भाग है

क्योंकि हम परमेश्वर के सहकर्मी हैं; तुम परमेश्वर की खेती और परमेश्वर की रचना हो (१कुरिंथियो ३:९)।

आपके जीवन में एक वस्तु शिरोमणि होनी चाहिए वह है कि आप परमेश्वर के एजेंडा के सक्रिय भाग बने रहे, सुसमाचार को बढ़ाते हुए और यह देखते हुए कि उद्धार का ज्ञान पृथ्वी को भरता है जैसे जल समुद्र को भरता है। यह आपको चलाने वाला बल होना चाहिए और आपके द्वारा किए गए हर काम का उद्देश्य।

वह कारण कि आप उस व्यवसाय या उस कंपनी या उस संस्था में काम कर रहे है ताकि परमेश्वर आपको उस "रथ में" इस्तेमाल कर सके कि आप जीवनो को बदले और अपने विश्व में एक आशीष बन जाएँ। पृथ्वी पर रहने का हमारा यह प्रमुख उद्देश्य है, अन्यथा, आपके नये जन्मे होने के तुरंत बाद, परमेश्वर आपको स्वर्ग ले गया होता। किंतु उसने आपको इस पृथ्वी पर छोड़ा उसके उद्देश्य को पूरा करने के लिए, उसके संदेश को दूसरो तक ले जाने के लिए, जबकि आप चरित्र और आत्मिक समझ को विकसित करे।

सुसमाचार के लिए एक योजना बनाईये, क्योंकि आप परमेश्वर के पार्टनर है पूरे विश्व में उसकी बचाने वाली सामर्थ के अच्छे सुसमाचार को फैलाने में, आप उसके सहश्रमिक है (१कुरिंथियो ३:९)। सुसमाचार का कार्य आपके भरोसे पर सौंपा जा चुका है। इसी ने पौलुस से यह कहलवाया, "... क्योंकि यह तो मेरे लिये अवश्य है। यदि मैं सुसमाचार न सुनाऊँ, तो मुझ पर हाय" (१कुरिंथियो ९:१६)।

आप मसीह के राजदूत है, उसकी मेलमिलाप की सेवकाई के सेवक (२कुरिंथियो ५:९)। इस चेतना के साथ जीएँ आत्माओं को जीते और पूरे विश्व में जीवनो को बदले। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मसीह के सुसमाचार के लिए जिसने मुझे आशीष दी है और आगे बढ़ाया है। मैं इस सुविधा के लिए आभारी हूँ कि मैं आपके साथ पार्टनरशिप में बुलाया गया हूँ ताकि मैं दूसरो को अंधकार में से निकालकर परमेश्वर के पुत्रो की महामयी स्वतंत्रता में ला सकूँ। मैं सुसमाचार की सेवकाई के लिए कटिबद्ध हूँ, आभारी हूँ कि आपने सारा अनुग्रह मेरी ओर भेज दिया है, कि मैं मेरे विश्व और उसके परे सुसमाचार के फैलाव में प्रभावि हो जाऊँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ता 6:33; १ कुरुंथियो 9:16-17; २ कुरुंथियो 5:18-20

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 19:17-42 &१ इतिहास 17-19

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 15:40-49 & सभोपदेशक 1-2

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **6**

उसने आपकी प्यास को बुझा दिया है

क्योंकि मेरा मांस वास्तव में खाने की वस्तु है, और मेरा लहू वास्तव में पीने की वस्तु है (यूहन्ना ६:५५)।

ऐसे लोग है जो हमेशा चिल्लाते रहते है कि परमेश्वर "उनकी प्यास को बुझाए" और उन्हें ताजा भरे। उन्होंने यूहन्ना ७:३७ में यीशु के वचनो को गलत समझा है जहाँ पर उसने कहा, "पर्व के अंतिम दिन, जो मुख्य दिन है, यीशु खड़ा हुआ और पुकार कर कहा, यदि कोई प्यासा हो तो मेरे पास आए और पीए"। इसका यह अर्थ नही है कि जब आप परमेश्वर के लिए "प्यासे है", तो आप यीशु के पास जाते है।

इसके अतिरिक्त उससे भ्रमित मत हो जाईये जो आत्मा ने १ कुरिंथियो १०:४ में पौलुस के द्वारा लिखा यह कहते हुए, "और सब ने एक ही आत्मिक जल पीया, क्योंकि वे उस आत्मिक चट्टान से पीते थे जो उनके साथ साथ चलती थी, और वह चट्टान मसीह था"। पुराने नियम में, उन्होंने चट्टान से पानी पिया, और वह चट्टान मसीह थी। आज, आपको उस पानी को पीने के लिए यीशु के "पास" जाने की कोई आवश्यकता नही है; अब आप उसमें है, और वह आपमें है! उसने कहा, "जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्रशास्त्र में आया है, उसके पेट में से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी" (यूहन्ना ७:३८)।

उसका क्या अर्थ था "जीवन के जल की नदियाँ?" ३९ वॉ वचन इसको समझाता है। यह कहता है, "उसने यह वचन पवित्र आत्मा के विषय में कहा, जिसे उस पर विश्वास करनेवाले पाने पर थे; क्योंकि आत्मा अब तक न उतरा था, क्योंकि यीशु अब तक अपनी महिमा को न पहुँचा था।" वह पानी पवित्र आत्मा है। १कुरिंथियो १२:१३ एन.आय.व्ही अनुवाद कहता है, "क्योंकि हम सब ने क्या यहूदी हो क्या यूनानी, क्या दास हो क्या स्वंतत्र, एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिये बपतिस्मा लिया, और हम सब को एक ही आत्मा पिलाया गया।" दूसरे शब्दो में, जब आपने पवित्र आत्मा को ग्रहण किया था, तो आपने पवित्र आत्मा से पिया था। उसने आपकी प्यास को बुझा दिया था।

हम परमेश्वर से चिल्लाकर नही कहते है कि वह हमे भरे जब हमें लगता है कि हम प्यासे है; हम स्वंय ही अपने आपको आत्मा से भरते है; और वचन हमे दिखाता है कि कैसे "दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है, पर आत्मा से परिपूर्ण होते

जाओ, और आपस में भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाया करो, और अपने - अपने मन में प्रभु के सामने गाते और कीर्तन करते रहो" (इफिसियो ५:१८-१९)। यह तरिका है स्थायी रुप से पवित्र आत्मा से भरे रहने और उसमें डूबे रहने का! यह आत्मा में अपने लिए सेवकाई है -अपने हृदय में प्रभु के लिए गाना और कीर्तन करना है। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका मुझ में पवित्र आत्मा के बहुमूल्य उपहार के लिए धन्यवाद देता हूँ जिसके द्वारा मैं निरंतर भरा रहता हूँ। मैं आत्मा के द्वारा हमेशा ताजा हूँ, क्योंकि मेरे पेट से जीवित जल की नदियाँ बहती है, मुझ से जुड़ी हर वस्तु में जीवन और सहारा देते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 4:14; १ कुरुंथियो 14:14-15; इफिसियो 5:18-19 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 20:1-18 & १ इतिहास 20-22

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 15:50-58 & सभोपदेशक 3-4

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

वचनो के द्वारा फलते फूलते हुए

जो वचन मैं ने तुम से कहें हैं वे आत्मा हैं, और जीवन भी है (यूहन्ना ६:६३)।

सालो में बहुत से वैज्ञानिको ने वचनो के साथ शोध किए है, प्राकृतिक वस्तुओं पर उनके प्रभाव को समझने के लिए। एक शोधकर्ता ने एक ही प्रकार के दो पौधो को बड़ा किया, एक सी स्थितीयों के अंतर्गत। फिर उसने निर्णय लिया कि वह एक से दया और प्रेम के शब्द बोलेगा, जब कि उसने दूसरे से घृणा और अपमान के शब्द बोले।

हर दिन, उसने पौधों पर उन शब्दो की निरंतर बमबारी की, और थोड़े हफ्तो बाद, उसने ध्यान दिया कि जिस पौधे से वह अच्छे से बोल रहा था वह अलंकृत वृद्धि कर रहा था, किंतु दूसरा कमजोर हो गया था। वह उसी तरिके से बोलता रहा और आखिर में जो पेड़ सकारात्मक शब्दो को ग्रहण कर रहा था वह फला फूला, किंतु दूसरा उन नकारात्मक वचनो के कारण मुरझा और ढल गया।

अगर आप उस महिमामय जीवन को जीने वाले है जो परमेश्वर ने आपके जीने के लिए योजना की है, तो आपको अवश्य ही सही शब्दो को बोलना सीखना पड़ेगा। भले ही आप फले फूले या गिरे, जीएँ या मरे, यह आपके वचनो पर निर्भर है। आप परमेश्वर के रुप और स्वरुप में बनाए गए थे; आप उसकी तरह दिखते है, और उसकी तरह कार्य करते है। इसका अर्थ है कि उसकी तरह, आपके वचन भी आत्मा है और वे जीवन है; वे कहे गए संदेश को पैदा करते है।

सृष्टि की हर वस्तु बोले गए शब्दो का उत्तर देती है। उदाहरण के लिए अगर एक पुस्तक पूरी रुप से जल गई है तौभी यह अस्तिव में होना बंद नही करती है। यह केवल एक ठोस प्रकार से बदलकर एक फैले हुए प्रकार में चली जाती है। और यद्यपि यह अब प्राकृतिक आँखो को दिखाई नही देती है, इसके कण अभी भी है, जिनके अंदर विशेष साऊंड कोड है। अगर आप अपने वचनो के द्वारा उन सही साऊंड कोडो को मुक्त कर पाए, तो आप उन खो चुके कणो को वापिस लाएँगे उसी तरह के ठोस, छू सकने वाले रुप में।

यह बताता है कि आप हर वस्तु से बात कर सकते है, चाहे वह कितनी भी मृत क्यूँ ना हो, और आप इसे फलने फूलने की अवस्था में ला सकते है। आप महिमा से महिमा

में उन्नति कर सकते है और आपके द्वारा बोले गए वचनों से आगे बढ़ सकते है क्योंकि आपका जीवन आपके शब्दो का परिणाम है।

प्रार्थना

मेरा ह्रदय एक गहरा तलाब है उन वस्तुओं का जो कि सम्मानिय, ग्रहणयोग्य, अनुग्रहित, श्रेष्ठ और प्रशंसा के योग्य है, और मैं उन्हें वचनो के द्वारा बाहर लाता हूँ। मैं घोषणा करता हूँ कि मैं खजूर के पेड़ की तरह फलता फूलता हूँ; मैं आलीशान, ईमानदार, फलदायी, भव्य, स्थिर, टिकाऊ, और अविनाशी हूँ। मेरे रास्ते में जीवन, सफलता, विजय और समृद्धि है, यीशु के नाम में। आमीन।मैं आलीशान, ईमानदार, फलदायी, भव्य, स्थिर, टिकाऊ, और अविनाशी हूँ। मेरे रास्ते में जीवन, सफलता, विजय और समृद्धि है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 18:21 AMPC; भजन संहिता 34:12-13 AMPC;
भजन संहिता 92:12-15

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 20:19-31 & १ इतिहास 23-25

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 16:1-12 & सभोपदेशक 5-6

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

सोमवार **8**

विश्व की आत्मा से सावधान

तुम न तो संसार से और न संसार में की वस्तुओं से प्रेम रखो। यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उसमें पिता का प्रेम नहीं है (१यूहन्ना २:१५)।

एक प्रकार की आत्मा जिससे बहुत से मसीही अज्ञान है और बाइबल इसके विषय में १कुरिंथियो २:१२ में बात करती है; यह " संसार की आत्मा" है: "परन्तु हम ने संसार की आत्मा नहीं, परन्तु वह आत्मा पाया है जो परमेश्वर की ओर से है कि हम उन बातों को जानें जो परमेश्वर ने हमें दी है"। वह आत्मा मसीहो के बीच में सांसारिकता के लिए जिम्मेदार है। यही वह आत्मा है जो प्रवत्तियों को बनाने की कोशिश करती है - विश्व की प्रवत्तियों को।

जब मसीही सावधान नही होते है, तो वे अपने आपको विश्व की प्रवत्तियों के साथ चलता हुआ देखते है; जो संसार कहता है, संसार में वस्तुएँ कैसे होती है, नही जानते हुए कि वे विश्व की आत्मा के द्वारा सांसारिकता में बहाए जा रहे है । हम विश्व में कुछ वस्तुओं को इस्तेमाल कर सकते है उसका अनुकरण किए बिना जिसको बाइबल कहती है, "इस विश्व का तरिका" जो कि नष्ट हो जाता है (१कुरिंथियो ७:३१)।

इस विश्व के तरिके का मतलब इस विश्व की प्रवत्तियाँ है, और वे संसार की आत्मा के आधीन है। ध्यान रखिए कि शैतान इस विश्व की व्यवस्थाओ का ईश्वर है। इसलिए,जब हमारा आरंभिक वचन कहता है, "तुम न तो संसार से और न संसार में की वस्तुओं से प्रेम रखो ...", तो यह इसी के विषय में बात कर रहा है। इस वर्तमान विश्व की व्यवस्थाओ के द्वारा नियंत्रित या प्रभावित होना मना कर दीजिए। यीशु ने कहा तुम विश्व में हो किंतु विश्व के नही हो। हालेलूयाह!

आज कुछ लोग दूर जा रहे है; वे नये जन्मे है, किंतु वे विश्व के द्वारा जीत लिए गए है। उनके पास सुसमाचार का उद्देश्य नही है। जीवन में आपके उद्देश्य को हमेशा अवश्य ही यीशु मसीह और उस उद्देश्य के लिए होना चाहिए जिसके लिए वह मरा। अपने केंद्र को इस गिरते हुए विश्व की अचल वस्तुओं पर मत होने दीजिए, क्योंकि इसकी कोई भी " प्रवत्ती " आपको सच्चा आनंद नही दे सकती।

पौलुस ने गलातियो ६:१४ में कहा, “पर ऐसा न हो कि मैं अन्य किसी बात का घमण्ड करूँ, केवल हमारे प्रभु यीशु मसीह के क्रूस का, जिसके द्वारा संसार मेरी दृष्टी में और मैं संसार की दृष्टि में क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ”। आपके पास यह रव्वैया अवश्य ही होना चाहिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ पवित्र आत्मा की रहने वाले उपस्थिती के लिए, जिसके द्वारा मैं जीवन में अपना रास्ता ढूंढता हूँ। मैं इस संसार की आत्मा के द्वारा चलाया जाना अस्वीकार करता हूँ, क्योंकि मैं इस विश्व की प्रवत्तियों और तरीकों के द्वारा लुभाया नही जाता हूँ। मैं स्वर्ग से हूँ, और मेरा दिमाग स्वर्गीय वस्तुओ पर लगा हुआ है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 1:10 GNB; यूहन्ना 15:19 CEV; रोमियो 8:5-6

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

यूहन्ना 21:1-25 & १ इतिहास 26-29

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 16:13-24 & सभोपदेशक 7-8

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

अपने अंदर मसीह को पहचानिए

मैं प्रार्थना करता हूँ कि विश्वास के द्वारा मसीह तुम्हारे हृदय में बसे कि तुम प्रेम में जड़ पकड़कर और नेव डाल कर महान बन जाओ इस विचार को पकड़ने के लिए (इफिसियो ३:१७ डब्लू.एन.टी)।

वचन की अज्ञानता के फलस्वरुप, कुछ मसीही ऐसे गानो को गाते है जो कि नये नियम के साथ मेल नही खाते है। उदाहरण के लिए, कुछ लोग गाते है, "पवित्र आत्मा मुझ पर आओ"। इसका कोई मतलब नही है, क्योंकि पवित्र आत्मा आपमें रहता है। वह स्वर्ग में नही है; इसलिए, तो वह कहाँ से "आने" वाला है?

वे इस तरह के गाने को गा सकते है और बहुत भावनात्मक होकर रो सकते है, सोचते हुए कि वे आशीष पा रहे है। किंतु सच यह है कि वे वास्तव में आशीष नही पा रहे है; वरन, इस तरह के गाने एक प्रकार का अविश्वास पैदा करते है जिसको हटाना बहुत कठीन है, जिसके द्वारा उनका विश्वास कमजोर और दिन कप्रतिदिन निष्फल होता जाता है।

कैसे एक मसीही पवित्र आत्मा को उसके ऊपर आने को कह सकता है जबकि पवित्र आत्मा हमारे अंदर और हमेशा हमारे साथ है? यीशु ने कहा, "मैं पिता से विनती करूँगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे"(यूहन्ना १४:१६)। जब पिन्तेकुस के दिन पवित्र आत्मा आया, तब से वह वापस नही गया और वह हमे कभी नही छोड़ेगा। मसीह के देह में यह देखना बहुत दु:खदाई है कि परमेश्वर की संतान उन वस्तुओं को खोज रही है जो उनके पास पहले से है।

हमारे आरंभिक वचन में पौलुस प्रेरित की प्रार्थना का कारण दूर नही है; "कि मसीह तुम्हारे हृदय में विश्वास के द्वारा रहेगा"। "क्या मसीह पहले से उनके हृदय में नही रह रहा था?" आप शायद आश्चर्य करे। हाँ, आप ध्यान देंगे उसने नही कहा, "हमारे हृदयों में"; वह मसीह में आत्मिक बच्चों के लिए प्रार्थना कर रहा था।

हम नए विश्वासीयों के लिए ऐसे ही प्रार्थना करते है, क्योंकि उन्होंने मसीह की रहने वाली उपस्थिती को नही पहचाना है। दु:खद रुप से, बहुत लोगो, वे भी जो बहुत लंबे समय से मसीही रहे है, को आज भी इस प्रार्थना की जरुरत है क्योंकि उन्होंने मसीह की रहने वाली उपस्थिती को नही पहचाना है। वे अभी भी उसकी खोज में है जो पहले से ठीक उनके अंदर

है। वे चाहते है कुछ स्वर्ग से आए; यद्यपि हर वह वस्तु जो वे कभी भी माँग सकते थे वह उनको पहले ही दी जा चुकी है (२पतरस १:३)। कुलुस्सियो १:२७ कहता है, "मसीह तुम में महिमा की आशा है"। आपमें उसको पहचानिए। हालेलूयाह!

घोषणा

मसीह मुझ में जीवित है, क्योंकि उसने मेरे हृदय में विश्वास के द्वारा अपना घर बना लिया है और स्थापित कर लिया है; उसके विषय में हर वस्तु मेरी आत्मा में निवास करती है। मैं दैविय जीवन को प्राकृतिक रुप से जीता हूँ क्योंकि मसीह मुझ में है। मैं किसी भी वस्तु के विषय में अंधकार में नही हूँ, क्योंकि मैं मेरे हृदय में उसके प्रकाश के लिए सचेत हूँ, मुझे सत्यनिष्ठा के रास्ते में चलाते हुए और उसमें मेरे विधान को पूरा करते हुए। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 3:17-19 AMPC; कुलुस्सियो 1:26-27;
२ कुरुंथियो 6:16

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 1:1-26 & २ इतिहास 1-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 1:1-11 & सभोपदेशक 9-10

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार 10

आपकी आत्मा में सफलता

सब से अधिक अपने मन की रक्षा कर; क्योंकि जीवन का मूल स्त्रोत वही है
(नीतिवचन ४:२३)।

वचन बहुत जरुरी है। वचन के साथ, आप अपने जीवन को बनाएँगे; आप अपनी आत्मा को बढ़ायेंगे; आप अपने अंदर सच्ची सफलता को बनाएँगे, क्योंकि सफलता पहले मानविय आत्मा से शुरु होती है। अगर यह आपके अंदर है, तो जीवन में कोई भी स्थिती आपको इससे दूर नही ले जा सकती। किंतु अगर यह आपके अंदर नही है, तो आपका जीवन परिस्थितियों पर निर्धारित करेगा, और परिस्थितीवश सफलता सच्ची सफलता नही है।

यह बहुत सारे लोगो के साथ हो चुका है। उनका जीवन इस बात पर निर्भर करता है कि उनके देश में वस्तुएँ कितनी अच्छी है, उनके धन में, उनकी नौकरी में, उनके काम की जगह पर इत्यादि। तो बहुत सारे लोग है जो दूर जाते रहते है, और हमेशा हरी घास ढूंढते रहते है। किंतु आपके साथ ऐसा नही होना चाहिए। सफलता आपकी आत्मा में बनाई जाती है। आप अब्राहम का वंश है; इसका अर्थ है कि जीवन में आपकी यात्रा केवल एक ही दिशा में होनी चाहिए ऊपर और आगे।

आपकी सफलता परिस्थितीयो से स्वतंत्र है। परमेश्वर ने इसकी योजना ऐसे ही की, क्योंकि वह स्वंय भी परिस्थितियो से स्वतंत्र है। आप उसके स्वरुप और रुप में बनाये गए है। जो स्वभाव उसने आपको दिया है वह हमेशा बढ़ती हुई महिमा और महानता का है; हमेशा उन्नति करते हुए। इसे आपकी मानसिकता होना है; अन्यथा, आप हर उस व्यक्ति की तरह होंगे जिसका जीवन परिस्थितीयो पर निर्भर है; जो प्रार्थना करता रहता है कि वस्तुएँ सही हो जाएँगी।

किंतु परमेश्वर की एक संतान जो वचन समझती है वह इसी तरिके से नही जीती है; वह सफलता को अंदर से बाहर लाती है। बाइबल कहती है कि आपका हृदय जीवन का मूल स्त्रोत है (नीतिवचन ४:२३)। प्रभु यीशु ने मत्ती १२:३५ में कहा "भला मनुष्य मन के भले भण्डार से भली बातें निकालता है, ..."। सफलता और जीवन की सारी अच्छी वस्तुएँ आप में है; उन्हें बाहर निकालिए।

घोषणा

महान मेरे अंदर रहता है! मेरी आत्मा जागरुक और उत्साहीत है परिस्थितीयो से स्वंतत्र होने के लिए, और हमेशा भली वस्तुओं को बाहर निकालने के लिए, मेरे आसपास की परिस्थितीयो के बावजूद। परमेश्वर का वचन मेरी आत्मा में है और यह हर जगह और हर समय धन, समृद्धि, और सफलता पैदा करता है! हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

लूका 6:45; यहोशू 1:8 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 2:1-21 & २ इतिहास 5-7

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 1:12-24 & सभोपदेशक 11-12

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

पवित्र आत्मा: आपमें काम करता हुआ प्रभु

> क्या तू विश्वास नहीं करता कि मैं पिता में हूँ और पिता मुझ में है? ये बातें जो मैं तुम से कहता हूँ, अपनी ओर से नहीं कहता, परन्तु पिता मुझ में रहकर अपने काम करता है (यूहन्ना १४:१०)।

पवित्र आत्मा परमेश्वर के व्यक्तित्व का सक्रिय एजेंट है; वह परमेश्वर की सामर्थ है; वह परमेश्वर के कार्यो को करता है। मनुष्य पवित्र आत्मा के द्वारा बनाया और सृष्टित किया गया था; हर वह काम जो परमेश्वर उसके सिंहासन के बाहर करता है वह पवित्र आत्मा के द्वारा किया जाता है। पवित्र आत्मा के बिना कुछ भी काम नही करता है; उसके बिना कोई जीवन है ही नही।

प्रभु यीशु ने उसकी पृथ्वी की सेवकाई के दौरान पवित्र आत्मा के बिना कुछ भी नही किया। हमारे आरंभिक वचन में, उसने पवित्र आत्मा को उसमें रहने वाले और काम करने वाले पिता के रुप में पहचाना। एक मसीही के रुप में यह एक वास्तविकता है जो आपको पहचाननी है।

आपके जीवन में पवित्र आत्मा आपकी असाधारण और संपूर्ण सफलता की चाबी है। कोई भी ऐसा व्यक्ति जो उसके साथ वचनो के अनुसार चला कभी भी नही हारा; कोई भी असफलता नही था। हर व्यक्ति जिसने उसको ग्रहण किया, उसने प्रभुत्व को पाया और एक चैम्पीयन बन गया। बहुतो को चर्च में आज सुनिश्चित रुप से जानने की जरुरत है कि पवित्र आत्मा कौन है और उनके जीवनो में उसकी सेवकाई को भी। वह स्वंय परमेश्वर है।

उदाहरण के लिए अगर आपको अपनी स्थानिय कलिसिया में प्रभु के लिए कोई काम करना था, जब तक वह काम पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा ना किया जाए उसका कोई प्रभाव नही होगा। आप कुलुस्सियो १:२९ में पौलुस के समर्पण को और ज्यादा समझ सकते है जब उसने प्रभावी सेवकाई के कामो के लिए पवित्र आत्मा की सामर्थ पर पूर्ण निर्भरता को दर्शाया। उसने कहा, "और इसी के लिये मैं उसकी उस शक्ति के अनुसार जो मुझ में सामर्थ्य के साथ प्रभाव डालती है, तन मन लगाकर परिश्रम भी करता हूँ"। हम में से हर एक व्यक्ति के लिए ऐसा अवश्य ही होना चाहिए।

बाइबल कहती है, "क्योंकि परमेश्वर ही है जिसने अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है"(फिलिप्पियो २:१३); यह पवित्र आत्मा के विषय में है। आप बिना पवित्र आत्मा के परमेश्वर का काम नही कर सकते यहाँ तक कि मसीह जीवन भी नही जी सकते। जकर्याह ४:६ कहता है, "....न तो

बल से, और न शक्ति से, परंतु मेरे आत्मा के द्वारा होगा, मुझ सेनाओ के यहोवा का यही वचन है"। यही कारण है कि वह चाहता है कि हम स्थायी रुप से पवित्र आत्मा से भरे रहे (इफिसियो ५:१८)। पवित्र आत्मा आप में काम करता हुआ परमेश्वर है, आपको बढ़ाता हुआ और आपके द्वारा दूसरो को बढ़ाता हुआ।

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद पवित्र आत्मा के उपहार के लिए जो मेरे हृदय की कोठरीयों में एक अटल स्थान लेने के लिए आया है। हर काम जो मैं करता हूँ उसमें मैं उसको पहचानता हूँ मेरे सहायक, सामर्थदाता, परामर्शदाता, मध्यस्थ, वकील, शांतिदाता, और स्टैंडबाय के रुप में। मैं पूरी तरह से उसकी सामर्थ पर निर्भर हूँ। मेरे उद्देश्यो को पूरा करने के लिए उसकी दैविय योग्यता, सामर्थ, और मुझ में काम कर रही बुद्धि का लाभ लेते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ कुरुंथियो 3:5 AMPC; यूहन्ना 14:16 AMPC;
फिलिप्पियो 2:13 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 2:22-47 & २ इतिहास 8-11

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 2:1-7 & श्रेष्ठगीत 1-2

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार **12**

एक सुखी जीवन के लिए आपकी साम्रगी

> क्योंकि जो कोई जीवन की इच्छा रखता है, और अच्छे दिन देखना चाहता है, वह अपनी जीभ को बुराई से, और अपने होंठों को छल की बातें करने से रोके रहे: वह बुराई का साथ छोड़े, और भलाई ही करे; वह मेल मिलाप को ढूँढ़े, और उसके यत्न में रहे (१पतरस ३:१०-११)।

परमेश्वर की योजना आपके लिए यह है कि आप एक महिमामय जीवन जीएं, हर दिन खुश और उत्साही जीवन, आपके आसपास हो रही गतिविधियो के बावजूद। यह वचन के द्वारा जीने से होता है। परमेश्वर का वचन सफलता के आधारभूत सिद्धांतो को दिखाता है जिन पर आप काम कर सकते है, एक परमेश्वर केंद्रित परिपूर्ण जीवन के लिए।

उदाहरण के लिए, हमारा आरंभिक वचन बहुत ही निर्देशात्मक है कि कैसे हमे एक आशीषित जीवन बनाना है। लिव्हिंग बाइबल अनुवाद में यह कहता है, "अगर आप एक खुश, अच्छा जीवन चाहते है, तो अपनी जीभ को नियंत्रित करो, और अपने होठो को झूठ बोलने से रोको। बुराई से मन फेर कर भलाई करो। शांति में जीने का प्रयास करो, अगर तुम्हें इसके पीछे भागना भी पड़े, इसको धरने के लिए" (१पतरस ३:१०-११)।

सलाह स्पष्ट है: क्या आप एक अद्भुत जीवन चाहते है? यह आपके ऊपर है! बुराई को छोड़कर भलाई करो; सब मनुष्यों के साथ शांति से रहो। इसका अभ्यास करो। परमेश्वर आपको सफल जीवन की साम्रगी दे रहा है, एक जीवन जो आनंदी और अच्छी वस्तुओ से भरा हुआ है।

आपका जीवन सुंदर, परिपूर्ण, उत्साही और सर्वश्रेष्ठ होगा अगर आप वचन के द्वारा जीएँगे। उसका वचन बहुत सरल है, फिर भी इसके अंदर वह पैदा करने की सामर्थ है जो यह कहता है। यह जीवन के लिए आपकी निर्देशपुस्तिका है, वह प्रकाश जो आपको सत्यनिष्ठा, महिमा और विजय में प्रकाशित करता है। १थिस्सलुनिकियो ५:१६ कहता है, "और अधिक आनंद मनाओ"। इसे अपने जीवन में काम पर रखो। हमेशा आनंद से भरे रहो, क्योंकि प्रभु का आनंद आपकी सामर्थ है।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मुझे इतना सुंदर, असाधारण, उत्साही, परिपूर्ण, अद्वितीय और सर्वश्रेष्ठ जीवन देने के लिए; एक महिमामय जीवन जो आनंद, श्रेष्ठता और शांति को प्रसारित करता है। विरोधी परिस्थितीयो के बावजूद, मैं अपने अंदर आनंद को पैदा करता हूँ; आपकी महिमा, अनुग्रह और सत्यनिष्ठा मुझमें दिखती और प्रत्यक्ष होती है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 14:17; नहेम्याह 8:10 AMPC; १पतरस 1:8

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 3:1-26 & २ इतिहास 12-15

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 2:8-17 & श्रेष्ठगीत 3-4

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **13**

जीवन का वचन लिए हुए

सब काम बिना कुड़कुड़ाए और बिना विवाद के किया करो: ताकि तुम निर्दोष और भोले होकर टेढ़े और हठीले लोगों के बीच परमेश्वर की निष्कलंक सन्तान बने रहो, जिनके बीच में तुम जीवन का वचन लिए हुए जगत में जलते दीपकों के समान दिखाई देते हो; कि मसीह के दिन मुझे घमण्ड करने का कारण हो कि न मेरा दौड़ना और न मेरा परिश्रम करना व्यर्थ हुआ

(फिलिप्पियो २:१४-१६)।

हमारे आरंभिक वचन के रेखांकित भाग पर ध्यान दीजिए: "जीवन का वचन लिए हुए"; परमेश्वर के वचन को पकड कर, आप विश्व को यीशु दिखा रहे है, क्योंकि वही जीवित और देहधारी वचन है और वही जीवन है। आपका जीवन निरंतर यीशु को दिखाता है जैसे ही आप उसके वचन पर मनन करते है और इसे प्रतिदिन जीते है।

२कुरिंथियो ३:१८ कहता है, "परन्तु जब हम सब के उघाडे चेहरे से प्रभु का प्रताप इस प्रकार प्रगट होता है, जिस प्रकार दर्पण में, तो प्रभु के द्वारा जो आत्मा है, हम उसी तेजस्वी रूप में अंश अंश करके बदलते जाते है"। आप जैसे ही परमेश्वर के दर्पण (उसके वचन) में देखते है, जहाँ पर मसीह की सुंदरता दिखती है, तो आप महिमा के उसी चित्र में बदलते जाते है जो आप वचन में देखते है। तब आप खोजते है कि आप कमजोर, संघर्षशील व्यक्ति नही है जो आपको लगता था कि आप थे; आप डरे हुए, बदले की भावना से भरे हुए या घमंडी व्यक्ति नही है जैसा दूसरो ने आपको परिभाषित किया था। आप परमेश्वर की महिमा है। मसीह आपकी सुंदरता, बुद्धि और सत्यनिष्ठा है। आप उसकी महिमा का प्रकाशन है जैसे कि वह (यीशु मसीह) पिता की महिमा का प्रकाशन है, क्योंकि जैसा वह है वैसे ही आप भी इस विश्व में है (१यूहन्ना ४:१७)।

यही कारण है कि यह जरुरी है कि आप वचन पर मनन करे। वचन आपका उद्गम, पहचान और मसीह में आपकी विरासत को दर्शाता है। परमेश्वर के वचनो का अध्ययन करना अपनी सचेत दिनचर्या बना लीजिए, वो नही जो आप कभी कभी करते है। यह आपके विश्वास को बढ़ाएगा और यीशु मसीह के अनुग्रह और ज्ञान में बढ़ने में आपकी मदद करेगा।

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद आपके वचन की महिमामय वास्तविकताओ को देखने की योग्यता देने के लिए। जैसे ही मैं वचन पर मनन करता हूँ, मैं महिमा के उसी रुप में बदलता जाता हूँ। मैं मेरे विश्व में आपकी सत्यनिष्ठा, भलाई, श्रेष्ठता, महिमा, अनुग्रह और सामर्थ का चित्र हूँ। मैं मसीह में मेरी विरासत, अधिकार और योग्यता की वास्तविकता में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ कुरुंथियो 3:18 AMPC; याकूब 1:25; १ तीमुथियुस 4:15

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 4:1-31 & २ इतिहास 16-19

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 3:1-10 & श्रेष्ठगीत 5-6

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

ढाढ़स बाँधो

मैं ने ये बातें तुम से इसलिये कहीं हैं कि तुम्हें मुझ में शान्ति मिले। संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैंने संसार को जीत लिया है (यूहन्ना १६:३३)।

सोचीए कि आप एक विमान में थे जो कुछ झटको का अनुभव कर रहा था और आपने चिंतित होना शुरु कर दिया था। फिर आपने कप्तान को कहते हुए सुना, "कृपया सुनिए कि हवा में कुछ उग्रता है, किंतु यह बड़ी समस्या बिल्कुल भी नही है। इसलिए आराम से बैठ जाईये; हम सब सुरक्षित है"। आप निश्चित ही कुछ शांति का अनुभव करेंगे; घबराहट गायब हो जाएगी। क्यूँ? कप्तान ने कहा कि इस गड़बड़ी से कोई अंतर नही पड़ता है!

हमारे आरंभिक वचन में हमे यीशु से इसी प्रकार का आश्वासन मिला। उसने कहा, " ...परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैं ने संसार को जीत लिया है"। कितने शक्तिशाली, शांतिप्रद और उठाने वाले वचन! चुनौतियो, प्रलोभनो, परेशानियों के बीच में; सताव और घृणा के बीच में, वह चाहता है कि आप ढाढ़स बाँधे, क्योंकि सब कुछ सही हो जाएगा। कभी भी उसके फलस्वरुप अपने जीवन में दु:ख और निराशा को मत आने दो जिससे आप गुजर रहे है। आप मसीह यीशु में एक विजयी है।

अगर वस्तुएँ सही दिखाई नही भी दे रही है, अविचलित बने रहिए। वचन कहता है, "जब तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो, तो इसको पूरे आनन्द की बात समझो" (याकूब १:२)। वह चुनौतिपूर्ण स्थिती आपके प्रमोशन और आपकी गवाही के लिए है। आप पर्वत की चोटी पर रहते है, क्योंकि आप मसीह के साथ महिमा और प्रभुता के स्थान में बैठे है। इसलिए, जब आप परेशान करनेवाली, चुनौतिपूर्ण स्थितीयो का सामना करते है तो उनके ऊपर जीओ।

मसीह ने हमे परिस्थितीयो के ऊपर स्वामी बना दिया है। अब वह चाहता है कि आप उस असाधारण साहस को प्रदर्शित करे, आपके लिए उसके सपने को पूरा करने के लिए। फिलिप्पियो ४:६ कहता है, "किसी भी बात की चिन्ता मत करो..." (एन.आय.व्ही)। इससे अंतर नही पड़ता है कि क्या हो रहा है; अपना आपा मत खोईए! आपके विषय में लिखा जा चुका है कि आप जीत चुके है: "क्योंकि जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है,

वह संसार पर जय प्राप्त करता है; और वह विजय जिस से संसार पर जय प्राप्त होती है हमारा विश्वास है" (१यूहन्ना ५:४)। ढाढ़स बाँधो, क्योंकि आपका भविष्य आपके भूतकाल से कही बढ़कर है। परमेश्वर की स्तुति हो!

घोषणा

मेरा हृदय एक गहरा तलाब है उन वस्तुओं का जो कि सम्मानिय, ग्रहणयोग्य, अनुग्रहित, श्रेष्ठ और प्रशंसा के योग्य है, और मैं उन्हें वचनो के द्वारा बाहर लाता हूँ। मैं घोषणा करता हूँ कि मैं खजूर के पेड़ की तरह फलता फूलता हूँ; मैं आलीशान, ईमानदार, फलदायी, भव्य, स्थिर, टिकाऊ, और अविनाशी हूँ। मेरे रास्ते में जीवन, सफलता, विजय और समृद्धि है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 16:33 AMPC; भजन संहिता 31:24 TLB; यशायाह 60:1-2

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 4:32-5:1-11 & २ इतिहास 20-22

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 3:11-18 & श्रेष्ठगीत 7-8

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

सोमवार **15**

अभी यह आपमें है

चोर किसी और काम के लिये नहीं परन्तु केवल चोरी करने और घात करने और नष्ट करने को आता है; मैं इसलिये आया कि वे जीवन पाएँ, और बहुतायत से पाएँ (यूहन्ना १०:१० एन.आय.व्ही)।

जिस तरह से दैविय स्वास्थ, समृद्धि, क्षमा, निर्दोषता, पृथकीकरण और सत्यनिष्ठा नई सृष्टि के लिए परमेश्वर की वाचाएँ नही है, उसी तरह से अनंत जीवन भी एक वाचा नही है! अनंत जीवन स्वर्ग का जीवन नही है या वह जीवन नही है जो आप स्वर्ग में जाकर ग्रहण करेंगे; यह अभी आप में है।

यीशु को कभी भी आने की आवश्यकता नही होती अगर अनंत जीवन का लेना देना केवल स्वर्ग जाने से होता। आखिरकार हनोक यीशु मसीह के आने से पहले स्वर्ग गया (उत्पत्ति ५:२४)। इसके अतिरिक्त यीशु ने कहा कि परमेश्वर मरे हुओ का परमेश्वर नही है, किंतु जीवित लोगो का; वह अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर कहलाता है (पढ़िए लूका २०:३७-३८); जिसका अर्थ है कि अब्राहम, इसहाक और याकूब जीवित है और वे स्वर्ग में है।

यहाँ तक कि एलिय्याह भी स्वर्ग में आग के रथ के द्वारा ले जाया गया था (२राजा २:११); उसे यीशु के आने की आवश्यकता नही थी। यह प्रमाणित करता है कि अनंत जीवन स्वर्ग में अनंत रुप से जीने के विषय में नही है। यीशु हमे वह देने नही आया जो पहले से ही उपलब्ध था; वह उस जीवन का प्रत्यक्षिकरण था जिसकी वाचा परमेश्वर ने विश्व के आरंभ से पहले की थी। परमेश्वर की योजना मनुष्य के लिए थी कि वह परमेश्वर की तरह जीएँ, उसके स्वरुप में, इस विश्व में उसके प्रतिबिंब की तरह जीएँ। किंतु मनुष्य आदम के पाप के कारण परमेश्वर की योजना से चूक गया ।

किंतु, यीशु मसीह के द्वारा अनंत जीवन परमेश्वर का जीवन और स्वभाव अब हर उस व्यक्ति के लिए उपलब्ध है जो उसमें विश्वास करता है। एक पशु जीवन है, एक वनस्पतिय जीवन है, एक मानविय जीवन है और फिर परमेश्वर का जीवन है, जो आप तब ग्रहण करते है जब आप नये जन्मे होते है। हमारे आरंभिक वचन में इसी जीवन के विषय में यीशु ने कहा। यह अविनाशी और निष्कलंक है।

अब वह अनंत जीवन आपके जीवन के विषय में हर वस्तु को नियंत्रित करता है; यह आपके भौतिक शरीर को स्फुर्ति देता है। यह बीमारी, रोग, दुर्बलता और हर उस वस्तु को आपके भौतिक शरीर में नष्ट करता है जो परमेश्वर की ओर से नही है। हालेलूयाह।

घोषणा

अनंत जीवन मसीह में मेरा वर्तमान समय का अधिकार है। मेरे पास वह अटल, अविनाशी, कभी ना खत्म होने वाला जीवन मेरी आत्मा में है। मैं मानवता से अनंतता में लाया जा चुका हूँ; इसलिए, मेरे पास मृत्यु, बीमारी, रोग, दुर्बलता, असफलता, कमी और इस विश्व के सारे कारको के ऊपर प्रभुता है।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 3:16; यूहन्ना 10:27-28; 1 यूहन्ना 5:11-13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 5:12-42 & २ इतिहास 23-25

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 4:1-6 & यशायाह 1

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उसके निर्देश महान बनाते है

और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊँगा और तुझे आशिष दूँगा और तेरा नाम महान् करूँगा और तू आशीष का मूल होगा (उत्पत्ति १२:२)।

परमेश्वर हम से आशा करता है कि जब हम उसके वचन को ग्रहण करते है, तो हम उनके अनुसार जीएँ। जब पवित्र शास्त्रो में हम उन वचनो को देखते है जो हमे जीवन के सिद्धांतो को दिखाते है या हमे परमेश्वर से विशेष निर्देशो को देते है, तो हमे ध्यान देने की जरुरत है; हमे ऐसे वचनो को गंभीरता से लेने की जरुरत है और हमें उनके द्वारा जीना है। उसके निर्देश महान बनाते है।

जीवन उनके लिए चुनौतिपूर्ण हो जाता है, एक भ्रम का जाल हो जाता है जो परमेश्वर के वचनो का पालन नही करते है वरन वे मानविय बुद्धि और अक्लमंदी से जीना चाहते है। उदाहरण के लिए हम उत्पत्ति २६ में इसहाक को देखते है। उसने परमेश्वर से एक निर्देश ग्रहण किया कि वह अपने देश को छोड़कर मिस्र में ना जाएँ, क्योंकि उसके देश में अकाल पड़ा था। लोग मिस्र में जा रहे थे उस समय हरी घास को ढूंढने, और यह सही (मानविय बुद्धि के हिसाब से) लग रहा था कि इसहाक भी गरार को छोड़कर मिस्त्र में सहायता ढूंढने जाएं।

किंतु प्रभु ने उसको निर्देश दिया और कहा,"...जो देश मैं तुझे बताऊँ उसी में रह। तू इसी देश में रह, और मैं तेरे संग रहूँगा, और तुझे आशीष दूँगा; और ये सब देश मैं तुझ को और तेरे वंश को दूँगा; और जो शपथ मैं ने तेरे पिता अब्राहम से खाई थी, उसे मैं पूरी करूँगा"(उत्पत्ति २६:२-३)। इसहाक ने परमेश्वर के निर्देशो का पालन किया और उत्पत्ति २६:१२-१३ में परिणाम हमारे लिए लिखे गए है: वह बढ़ा, बहुत बढ़ा और बहुत महान हो गया, यहाँ तक कि पलिश्तियों ने उसी भूमि में उससे ईर्ष्या की जोकि अकाल के द्वारा नष्ट हो गया था।

अपने जीवन में पवित्र आत्मा के निर्देशन का अनुपालन कीजिए। महानता और एक सफल जीवन के लिए कोई दूसरा बेहतर तरिका नही है इसके सिवाय कि आप परमेश्वर की योजना का अनुपालन करे, उसके निर्देशो का, उसकी इच्छा और आपके जीवन के लिए उसके उद्देश्यो का। इससे अंतर नही पड़ता है कि आप किन दबावो में है, उत्तरो के लिए पवित्र आत्मा के लिए समर्पित हो जाईए; जल्दीबाजी में निर्णय नही लीजिए जोकि निश्चित ही स्थिती को बरबाद कर देंगे। निर्देशन के लिए उससे सलाह लीजिए और उस पर भरोसा कीजिए।

पवित्र आत्मा जानता है और उसके पास आपकी महानता और समृद्धि का ब्लू प्रिंट है। आपकी महानता उसकी योजना और उसका विचार है। उसने अब्राहम से कहा, "और

मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊँगा और तुझे आशिष दूँगा और तेरा नाम महान् करूँगा और तू आशीष का मूल होगा" (उत्पत्ति १२:२)। कभी मत मान लीजिए कि आपकी महानता आपके कामो या किसी दूसरे पर निर्भर है। अब्राहम के बीज की तरह, महानता आपमें है, उपयोगी और आगे लाई गई है जैसे ही आप परमेश्वर के निर्देशो और आपके जीवन के लिए उसके उद्देश्यो को पूरा करते है।

घोषणा

मैं अब्राहम का वंश हूँ, महानता के लिए अनुग्रहित और हर भले काम के लिए फलदायी और परिणामी होने के लिए अभिषिक्त। मैं समृद्ध होने के लिए और महिमा में जीने के लिए अभिषिक्त हूँ। इसलिए, मैं महिमामय जीवन को जीता हूँ, मसीह में मेरे उद्देश्य और विधान को पूरा करते हुए। वचन की सामर्थ और पवित्र आत्मा की योग्यता के द्वारा मेरे लिए और मेरे द्वारा महान काम हो रहे है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

उत्पत्ति 26:12-13; गलतियो 3:29; नीतिवचन 4:13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 6:1-15 & २ इतिहास 26-28

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 4:7-18 & यशायाह 2

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

अन्यभाषाएँ और उनका अनुवाद

इस कारण जो अन्य भाषा बोले, वह प्रार्थना करे कि उसका अनुवाद भी कर सके
(१कुरिंथियो १४:१३)।

बहुत साल पहले एक नवयुवक के रुप में मैं अपने दोस्तो के साथ एक क्रूसेड की तैयारी कर रहा था; तो हम अधिकतर मिलते थे, प्रार्थना और उपवास करते थे, भविष्यद्वाणी के वचनो के साथ। एक दिन, मैं प्रार्थना करने दूसरो से पहले पहुँच गया। जब मैं अन्यभाषाओ में प्रार्थना कर रहा था, तो मुझ को यह आभास हुआ कि मैं आत्मा में उन वस्तुओ को कह रहा था जिनका लेना देना क्रूसेड से था, लेकिन शब्द अन्यभाषाओं में आ रहे थे और मुझ को अनुवाद नही पता था। मेरा कोई भी दोस्त नही आया था, उनमें दो लोग थे जिनके पास अन्यभाषाओ के अनुवाद का वरदान था, वे भी नही आए थे।

मैं अन्यभाषाओं में बोलता गया और मैंने महसूस किया कि अभिषेक बहुत मजबूत था। तब मैंने कहा, "प्रभु, मुझे अन्यभाषाओं के अनुवाद का वरदान चाहिए ताकि मैं जान सकूँ कि आत्मा मेरी समझ में क्या ला रहा है"। जैसे ही मैं प्रार्थना करता रहा और अन्यभाषाओ में बोलता रहा अचानक ही मैंने अनुवाद ग्रहण किया और मैं उन्हें अंग्रेजी भाषा में बोलने लगा। ओह, मैं कितना उत्साहीत था!

तब मैंने अपनी पुस्तक को लिया और लिखना शुरु कर दिया। मैं ने शब्दो को बोला उनका अनुवाद निकाला, और सोचीए क्या हुआ? जो बातें क्रूसेड के संबंध में मेरी समझ में लाई गई थी, वे सब पूरी हुई। परमेश्वर की स्तुति हो! अन्यभाषाओं का अनुवाद बहुत जरुरी है। अन्यभाषाएँ और अन्यभाषाओ का अनुवाद भविष्यद्वाणी के तुल्य है। और भविष्यद्वाणी से बढ़ाव आता है।

जैसे ही आप भविष्यद्वाणी में अन्यभाषाओ को बोलते है तो आप पवित्र आत्मा पर भरोसा कर सकते है कि वह संदेश को आपकी समझ में भी लाएगा। अगर आप सोच रहे थे कि आप अन्यभाषाओ में बोलने के द्वारा आशीषित हुए थे, तो सोचीए कि क्या होगा जब आप उसका अनुवाद भी ग्रहण कर लेंगे। वह अनुभव आप तक एक अकथनिय आनंद लाएगा! अगर आपके पास अनुवाद नही था, तो प्रभु कहता है कि उससे माँगिए, और यह

उसकी इच्छा है कि वह आपको पवित्र आत्मा के द्वारा इसे दे। हालेलूयाह।

प्रार्थना

प्यारे स्वर्गीय पिता, मैं धन्यवाद देता हूँ पवित्र आत्मा के लिए जो मुझे अन्यभाषाओ और स्वर्गीय भाषाओ में बातचित करने की योग्यता देता है। मैं इस महान सम्मान का लाभ लेता हूँ, ना केवल दैविय रहस्यो को बोलने के लिए, किंतु भविष्यद्वाणी के द्वारा उन्हें मेरी समझ में लाने के लिए भी, पवित्र आत्मा के द्वारा, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ कुरुंथियो 14:5; १ कुरुंथियो 14:12-19

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 7:1-53 & २ इतिहास 29-30

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 5:1-10 & यशायाह 3

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

अपने हृदय में शांति को शासन करने दो

तब परमेश्वर की शान्ति, जो सारी समझ से परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरक्षित रखेगी (फिलिप्पियो ४:७)।

२कुरिंथियो २:१०-११ में पौलुस ने कहा, "जिसका तुम कुछ क्षमा करते हो उसे मैं भी क्षमा करता हूँ, क्योंकि मैं ने भी जो कुछ क्षमा किया है, यदि किया हो, तो तुम्हारे कारण मसीह की जगह में होकर क्षमा किया है; कि शैतान का हम पर दाँव न चले, क्योंकि हम उसकी युक्तियों से अनजान नही"। यहाँ पर आत्मा पौलुस प्रेरित के द्वारा दूसरो को क्षमा करने की महत्ता पर बल दे रहा है, ताकि शैतान उस स्थिती का फायदा ना उठा सके। यह अपने हृदय में मसीह की शांति को शासन करने देने का रास्ता है।

आपके पास शायद बुरा मानने या गुस्सा होने का कारण हो, किंतु इफिसियो ४:२६ कहता है, "क्रोध तो करो, पर पाप मत करो; सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे"। कुछ लोग चर्च छोड़कर चले गए क्योंकि वे क्रोधित थे, और दूसरो ने गुस्से में अपनी नौकरीयाँ छोड़ दी। कुछ ने दूसरो के विरोध में गुस्से को बहुत लंबे समय तक रखा है, बिना पहचानते हुए कि इससे उनके खुद के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव होते है।

वचन का अभ्यास कीजिए। अपने हृदय में क्रोध को मत बनाए रखिए, इसको शीघ्र ही छोड़ दीजिए। आप शायद कहे, "किंतु जो दूसरे व्यक्ति ने किया उसने मुझे भयानक दर्द दिया", इससे कोई अंतर नही पड़ता। जब आप आत्मा से भरे हुए होते है, तो आपका हृदय शांति के द्वारा शासित होता है और आप प्रेम में आनंदी रुप से जीते है, दूसरे के कार्यो के बावजूद।

पढ़िए कि वचन याकूब ५:१३ में क्या कहता है, "यदि तुम में कोई दु:खी है, तो वह प्रार्थना करे..."; उसने नही कहा, "कि उसे लड़ने दो या बदला लेने दो", और ना ही उसने कहा, "कि वह पूरे विश्व को उसके विषय में बताए"। उस वचन में शब्द "दु:खी" का अर्थ है बुरा माना हुआ या क्रोधित व्यक्ति। वह कहता है कि अगर यह आपके साथ होता है तो इसके विषय में प्रार्थना कीजिए। परेशान मत हो जाईए और कड़वे मत हो जाईए।

बाइबल कहती है, "किसी भी बात की चिन्ता मत करो; परन्तु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना और विनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित किए जाएँ" (फिलिप्पियो ४:६), और उसकी शांति आपके हृदय में शासन करेगी।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मुझ पर अपना प्रेम महान रुप से ऊँडेलने के लिए। मैं उसी प्रेम को अपने विश्व में दूसरो के साथ बाँटता हूँ, उन्हें बिना शर्त के प्रेम करते हुए। धन्यवाद मुझे क्षमा करने की योग्यता देने के लिए और आपकी तरह प्रेम करने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

कुलुस्सियो 3:13 CEV; 1 यूहन्ना 3:14; मरकुस 11:25-26

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 7:54-8:1-8 & २ इतिहास 31-32

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 5:11-21 & यशायाह 4

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

जीवन आ चुका है

परन्तु ये इसलिये लिखे गए हैं कि तुम विश्वास करो कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र मसीह है, और विश्वास करके उसके नाम के द्वारा जीवन पाओ (यूहन्ना २०:३१)।

बिना अनंत जीवन के मनुष्य खो चुका है। उसके पास एक अनंत आत्मा है जो केवल यूँ ही ना तो नष्ट होगी और ना ही भूली जाएगी। वह नरक में जाता है! बाइबल कहती है कि नरक एक तिरस्कार का स्थान है, मृत्यु का स्थान "...जो शैतान और उसके दूतों के लिये तैयार किया गया है" (मत्ती २५:४१)।

जब आदम ने परमेश्वर के विरोध में पाप किया, तो सारे मनुष्य मर गए। रोमियो ५:१२ में बाइबल कहती है, "इसलिये जैसे एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया, और पाप के द्वारा मृत्यु आयी, और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई, क्योंकि सब ने पाप किया"। पाप ने मृत्यु लाई। ऐसे ही मृत्यु हर वस्तु में आई; यह पूरी प्रकृति में है; यही कारण है कि पूरा प्राकृतिक विश्व नष्ट होता जाता है। यही कारण है कि वस्तुएँ पुरानी हो जाती है और विलुप्त हो जाती है।

मनुष्य जीते है और कमजोर हो जाते है, बूढ़े होते है और वे मर जाते है। यह सब मृत्यु के श्राप के लिए प्रकृति की प्रतिक्रिया के कारण है। मृत्यु जीवन का समापन है, जीवन के कार्य की समाप्ती है। परमेश्वर ने इन सारी वस्तुओ को बहुत पहले से देखा और समझा और उसने मनुष्य के लिए अनंत जीवन की योजना बनाई; अविनाशी जीवन की!

हर व्यक्ति, जिसमें प्रकृति भी सम्मलित है, वे अनंत जीवन का रास्ता देख रही है! उन्हें जीवन चाहिए, क्योंकि हर वस्तु में मृत्यु थी। रोमियो ८:२० कहता है, "क्योंकि सृष्टि अपनी इच्छा से नहीं पर अधीन करनेवाले की ओर से, व्यर्थता के अधीन इस आशा से की गई", कौन सी आशा? अनंत जीवन की आशा जिसकी वाचा परमेश्वर ने, जो झूठ नही बोल सकता, विश्व के आरंभ से पहले की (तीतुस १:२)!

तब यूहन्ना अच्छा समाचार लाया, जो हम ने हमारे आरंभिक वचन में पढ़ा। १ यूहन्ना ५:११ कहता है, "और वह गवाही यह है कि परमेश्वर ने हमें अनन्त जीवन दिया है, और यह जीवन उसके पुत्र में है"। अब आपके पास अनंत जीवन है, इसका अर्थ है कि आप एक चिरयुवावस्था के क्षेत्र में है; आप मृत्यु में से गुजर कर जीवन में आ चुके है। जब

विश्व में मृत्यु काम कर रही है, तो आपमें और आपसे जुड़ी हुई हर वस्तु में जीवन काम कर रहा है। हालेलूयाह!

घोषणा

प्रभु ने मुझे पवित्र बुलाहट के साथ बुलाया है, उसके स्वंय के उद्देश्य और अनुग्रह के साथ। उसने मृत्यु का नाश कर दिया है और वह सुसमाचार के द्वारा जीवन और अमरता को प्रकाश में लेकर आया है। मृत्यु यीशु के द्वारा हराई जा चुकी है, और अब मेरे पास परमेश्वर का सर्व-विजयी और अटल जीवन मुझ में है। परमेश्वर की महिमा सदा के लिए हो! यीशु के द्वारा हराई जा चुकी है, और अब मेरे पास परमेश्वर का सर्व-विजयी और अटल जीवन मुझ में है। परमेश्वर की महिमा सदा के लिए हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

1 यूहन्ना 5:11-13; यूहन्ना 3:35-36

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 8:9-40 & २ इतिहास 33-34

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 6:1-10 & यशायाह 5-6

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

अनंत जीवन को प्रत्यक्ष करते हुए

उस अनन्त जीवन की आशा पर जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने, जो झूठ बोल नहीं सकता सनातन से की है; पर ठीक समय पर अपने वचन को उस प्रचार के द्वारा प्रगट किया, जो हमारे उध्दारकर्ता परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार मुझे सौंपा गया (तीतुस १:२-३)।

ध्यान दीजिए जो हमने अभी पढ़ा: परमेश्वर ने "प्रचार" के द्वारा अनंत जीवन की उसकी वाचा को प्रत्यक्ष किया; किसको प्रचार कर के? हर सृष्टि को, ना कि केवल लोगो को। यीशु ने मरकुस १६:१५ में कहा,"...तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि को सुसमाचार प्रचार करो"। परेशानि यह है कि हम उद्धार का सुसमाचार केवल मनुष्यों को ही सुना रहे है; और फलस्वरुप, हम एक ऐसे वातावरण में जी रहे है जो हमारे विरोध में काम करता है।

वातावरण की भ्रष्टता बढ़ती जा रही है, क्योंकि हम सारी सृष्टि को प्रचार नही कर रहे है। यही कारण है कि पौलुस चिल्लाया: "क्योंकि सृष्टि बड़ी आशाभरी दृष्टि से परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने की बाट जोह रही है" (रोमियो ८:१९)। पूरी सृष्टि दर्द में कराह रही है, क्योंकि पूरी सृष्टि बंधन में है, और वह परमेश्वर के पुत्रो की महिमामय स्वतंत्रता मे स्वतंत्र होने का इंतजार कर रही है।

मैंने इस सच्चाई को सबसे पहले एक नवयुवक की तरह खोजा था और मैंने इसको अपने माता पिता को भी सिखाया था। मैं अपने पिताजी से कहता था, "जीवन में हर वस्तु में बुध्दि है, इसलिए, आप अपनी वस्तुओ से बात कर सकते है, अपनी कारो से बात कर सकते है और वे कभी भी खराब या बेकार नही होगी। उनको प्रचार करो। " जब मैंने इन वस्तुओ को कहा तो मैं पागल लग रहा था। लेकिन हम से यही करने को कहा गया है।

आप अपने कपड़ों, फर्निचर, इत्यादि को प्रचार कर सकते है। जीवन में हर वस्तु आपके प्रत्यक्ष होने का इंतजार कर रही है, आपके द्वारा उनको स्वतंत्र कराने का इंतजार कर रही है। और जब आप इसको करते है तो आप खोजेंगे कि आप हमेशा नये है, हमेशा आगे बढ़ रहे है; आप देखेंगे कि आपके चारो ओर की वस्तुओं में जीवन कार्य कर रहा है। अलौकिकता आपका हर दिन का अनुभव बन जाएगी, क्योंकि आप अनंत जीवन को

दिखा रहे होंगे। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं अपने आसपास की हर वस्तु में आशीषे बोलता हूँ। मैं मेरे विश्व की हर सृष्टि तक छुड़ाव लाता हूँ, उन्हें भ्रष्टता और बंधन से छुड़ाते हुए, परमेश्वर के पुत्रो की महामयी स्वतंत्रता में लाते हुए। मैं मेरे जीवन में परमेश्वर की दैविय उपस्थिती को पहचानता हूँ; इसलिए, उसकी भव्यता, श्रेष्ठता और सिद्धता मेरे द्वारा दिखाई देती है। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ तीमुथियुस 1:8-10; मरकुस 16:15 NIV; ऊत्ले 1:2-3 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 9:1-31 & २ इतिहास 35-36

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 6:11-18 & यशायाह 7

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 21

आप एक कहानी पर अभिनय कर रहे है

क्योंकि हम परमेश्वर के (स्वंय) बनाए (उसकी कार्यकुशलता) हुए हैं, और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिये सृजे गए (नए जन्मे) जिन्हें परमेश्वर ने पहले से हमारे (उन रास्तों में चलते हुए जो उसने समय के पहले बनाए) करने के लिये तैयार किया (उस अच्छे जीवन को जीते हुए जो उसने हमारे लिए जीने के लिए पूर्वनियोजित किया) (इफिसियो २:१० ए.एम.पी.सी.)।

यह कितना सुंदर और उत्साही है; यह दिखाता है कि पूर्वनियोजन हमारे अंदर कार्य कर रहा है। परमेश्वर की संतानो के रुप में, हमारे जीवन पूर्वनियोजित किए जा चुके है; हम एक कहानी पर अभिनय कर रहे है जोकि इतिहास के सबसे अच्छे और महान लेखक के द्वारा लिखी गई है पवित्र आत्मा के द्वारा।

यह इब्रानियो १०:७ में मुझे यीशु के वचनो को याद दिलाता है; उसने कहा, "... (देख, मैं आ गया हूँ, पवित्र शास्त्र में मेरे विषय में लिखा हुआ है), ताकि हे परमेश्वर, तेरी इच्छा पूरी करूँ"। उसका प्रतिदिन का पृथ्वी का जीवन उसका परिपूर्णन था जो उसके विषय में बहुत पहले लिखा गया था, विश्व के शुरु होने से पहले। वचनो में बहुत सी जगह पर यीशु के विषय में आप यह पढेंगे, जैसे कि "ताकि वह पूरा हो जो कि भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा परमेश्वर ने कहा था"। यीशु ने एक कहानी पर अभिनय किया जो पहले से ही उसके विषय में लिखी गई थी। आज हमारे साथ भी ऐसा ही है।

हर वस्तु जो आपके साथ होती है, चाहे अच्छी हो या बुरी, यह एक दुर्घटना नही है; जो भी आज आपके साथ हो रहा है परमेश्वर के लिए वह आश्चर्य नही है। उसने सारी वस्तुओ को आपकी भलाई में बदल जाने के लिए बनाया (रोमियो ८:२८)। जैसा कि हमने हमारे आरंभिक वचन में पढ़ा कि हमारा रास्ता पहले ही तैयार किया जा चुका है। उस कहानी में ना तो हार है और ना ही असफलता। और वह कहानी बदलने वाली नही है।

आपका कार्य है केवल उस अभिनय को करना ना कि कहानी को दोबारा लिखना। परमेश्वर से कुछ "करवाने " की कोशिश मत कीजिए; उसने पहले ही सब कुछ कर दिया है और आपको सब कुछ दे दिया है जिसकी आपको श्रेष्ठ जीवन के लिए जरुरत

है। कहानी (उसका वचन) यही दिखाती है। कहानी के अनुसार अपना जीवन जीएँ। जो परमेश्वर ने आपके विषय में कहा है उसको मानिए और उसकी घोषणा कीजिए और आप उद्देश्य का एक महिमामय और सर्वश्रेष्ठ जीवन जीएँगे।

घोषणा

मैं जानता हूँ मैं कौन हूँ। मैं पवित्र आत्मा के द्वारा परमेश्वर से भरा हुआ हूँ, उन कामो को करते हुए जो उसने समय के पहले मेरे करने के लिए तैयार किए। मैं मेरे लिए उसके पूर्वनियोजित रास्ते में चल रहा हूँ और उस रास्ते में स्वास्थ, प्रचुरता, स्थाई विजय और मुझ से जुड़ी हर वस्तु में सिद्धता है। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 1:11; १पतरस 2:9; रोमियो 8:29-30

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 9:32-43 & एज्रा 1-3

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 7:1-8 & यशायाह 8

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

सोमवार 22

पैसा एक धोखा है

इसलिये मनुष्यों पर कोई घमण्ड न करे, क्योंकि सब कुछ तुम्हारा है (१कुरिंथियो ३:२१)।

पैसा एक धोखा है और विश्व में एक छलावा है। बहुत से लोग इसको नही पहचानते है, किंतु यह सच है। जब परमेश्वर ने इस विश्व को बनाया तो वहाँ पर पैसे जैसी कोई वस्तु थी ही नही। पैसा एक क्रमित विकास था; विश्व पैसे से शुरु नही हुआ था। किंतु आज, हम ऐसे काम करते है जैसे कि पैसा स्वर्ग से "गिरा " और प्रभु ने कहा, "तुम्हें पैसा अवश्य ही इस्तेमाल करना चाहिए"। किंतु यह ऐसा नही है।

आप इस भ्रम को इस तरह आसानी से समझ सकते है: जब आप पैसा बँक में जमा करते है, तो आप जानते है कि आपके पैसो को रखने के लिए कोई विशेष स्टोर नही होता है, जहाँ पर हर नोट के ऊपर आपका नाम लिखा हो। तो बँक आपके पैसा को कहाँ पर रख रहा है? उनके पास केवल संख्याओं में आपके नाम के साथ एक रिकॉर्ड है प्रमाण की तरह कि आपके पास वहाँ पैसा है। इसे आपको कुछ बताना चाहिए: पैसा एक भ्रम है, यह केवल गरिब के दिमाग में ही है।

आपकी वास्तविक गुणवत्ता और महत्ता का आपकी जेब या सुरक्षित जमा पेटी में होने वाले नोटो से कोई लेनादेना नही है। अगर आप बना सकते है, ना कि आपका बँक एकाऊंट, किंतु आपका दिमाग और आपका हृदय - आपके व्यक्तित्व की गुणवत्ता - तो यह नियंत्रित करेगा कि कितना पैसा आपका उत्तर देता है।

अपने दिमाग को पैसे के परे ले जाईये और परमेश्वर के उद्देश्य पर फोकस कीजिए। आपके जीवन के लिए उसका उद्देश्य यह है कि चाहे इस विश्व की आर्थिक व्यवस्था और कार्यो के साथ कुछ भी क्यूँ ना हो जाएँ, आप हमेशा जीतेंगे। आप महँगाई और आपके मातृ देश की अर्थव्यवस्था से बढ़कर है। आप इस विश्व से बढ़कर है! आप अब्राहम का वंश है, इसका अर्थ है कि आप विश्व के स्वामी है। इस पर विश्वास कीजिए और आप पैसे की सामर्थ और डर से मुक्त हो जाएँगे।

जीवन में आपका सपना यह नही होना चाहिए कि पैसा कहाँ से या कैसे मिलेगा। सबसे पहली और सबसे जरुरी वस्तु आपका दिमाग है। इसे काम पर लगाईए, और पैसा आपका हमेशा उत्तर देगा।

घोषणा

मैं इस जीवन में राज्य और शासन करता हूँ, इस विश्व की आर्थिक व्यवस्थाओ से स्वतंत्र। मैं मेरे जीवन के लिए परमेश्वर के उद्देश्य और योजना को पूरा कर रहा हूँ, उन रास्तो पर चलता हुआ जो उसने मेरे लिए निर्धारित किए है। उसने जीवन और भक्ति से संबंधित सारी वस्तुओ को मेरे लिए उपलब्ध कराया है, और मैं समृद्धि और प्रचुरता के अनुग्रह का उत्सव मनाता हूँ, जिसका मैं अब्राहम के वंश की तरह आनंद उठाता हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

लूका 12:15; १ तीमुथियुस 6:10-11 AMPC; मत्ता 6:19-20

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 10:1-23 & एज्रा 4-6

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 7:9-16 & यशायाह 9

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

"अयोग्यता की भावना" को मना कर दीजिए

हे बालको, तुम परमेश्वर के हो, और तुम ने उन पर जय पाई है; क्योंकि जो तुम में है वह उस से जो संसार में है, बड़ा है (१यूहन्ना ४:४)।

चर्च में बहुतो में "अयोग्यता की भावना" बहुत ज्यादा है, और यह इतने लंबे समय से रही है कि अब यह बिल्कुल सामान्य सी बात लगती है। उदाहरण के लिए, आप इस तरह के कथनो को सुनते है, "हे प्रभु मुझे भरो; मैं आपके लिए भूखा हूँ": उन्हें लगता है कि जितना वे परमेश्वर के लिए अपनी भूख के विषय में चिल्लाएंगें, उतना ही जल्दी वह उनका उत्तर देगा। किंतु इस तरह की घोषणाएँ वचन के साथ मेल नही खाती है, उस से जो हम मसीह में है और जो हमारे पास है।

एक क्षण के लिए सोचीए, आप उसे और कितना पाना चाहते है जब वह आपमें उसकी परिपूर्णता के साथ रहता है? आप पिता में है और पिता आपमें है। इस सच्चाई के लिए पूरी तरह से अवगत हो जाईये। उस तक पहुँचने की कोशिश करना या एक अजनबी और एक विदेशी की तरह व्यवहार करना बंद कर दीजिए; आप उसके साथ एक है। हालेलूयाह! बहुतो की परेशानि वचन की उनकी अज्ञानता है।

बाइबल कहती है, मसीह आप में, महिमा की आशा है (कुलुस्सियो १:२७)। उसका एक भाग या उसके कुछ कण नही है जो आपमें रहते है; यह उसके व्यक्तित्व की परिपूर्णता है! आप उससे पूरे भरे हुए है। बाइबल कहती है कि आप पवित्र आत्मा के मंदिर है; आप परमेश्वर के घर है, उसके जीवित मंदिर। परमेश्वर स्वर्ग में ज्यादा और आपमें कम नही है; बेहतर होगा कि आप इसमें विश्वास करे, यह आपको निर्भरता और अयोग्यता की भावना से छुड़ाएगा।

यह सोचना गलती है कि जितना अधिक हम अपनी कमजोरी को बताएँगे उतना ही वह हम में बढ़ेगा। नही, वचन के विरोध में बात मत कीजिए। आपकी अयोग्यता की घोषणाएँ मसीह में आपके विश्वास और आपकी प्रभावशीलता को नष्ट करती है, और यह उन सारी बातो के विरोध में है जो यीशु आपके लिए करने आया। उदाहरण के लिए, कैसे कोई व्यक्ति हमारे आरंभिक वचन को पढ़कर अभी भी प्रार्थना कर सकता है, "हे प्रभु, मेरी जीतने में सहायता करो?" कैसे कोई कह सकता है कि, "हम एक दिन जीत जाएँगे"।

वचन कहता है कि आप विजयी हो चुके है, ध्यान दीजिए यह भूतकाल में है; यह एक वादा नही है, यह हो चुकी बात है, एक वर्तमान समय की वास्तविकता है। आपकी घोषणा, आपकी भावनाओं या आपके आसपास की स्थितियों के बाबजूद अवश्य ही वह होनी चाहिए जो वचन आपके विषय में कहता है। अपनी अयोग्यता की भावना की घोषणा मत कीजिए; वचन की घोषणा कीजिए।

घोषणा

मैं पिता में हूँ और पिता मुझ में और मैं इस वास्तविकता के लिए सचेत हूँ। जहाँ कही मैं जाता हूँ, मैं मुझ में रहने वाले पिता के साथ जाता हूँ जो मुझ में स्थायी रुप से रहता है। मैं उसका दैविय हेडक्वार्टर हूँ; उसमें मैं जीता और चलता हूँ, और मेरा अस्तित्व है; विश्व मेरे सामने झुक गया है। परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

कुलुस्सियो 2:9-10; कुलुस्सियो 1:26-27; यूहन्ना 1:16

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 10:24-48 & एज्रा 7-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 8:1-8 & यशायाह 10

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

आत्मा के द्वारा सेवा कीजिए

परमेश्वर जिसकी सेवा मैं अपनी आत्मा से उसके पुत्र के सुसमाचार के विषय में करता हूँ, वही मेरा गवाह है... (रोमियो १:९)।

अधिकतर, जब प्रभु आपको एक जिम्मेदारी देता है, या उसके लिए कुछ करने को कहता है, तो वह सामान्यता इसलिए नही होता है कि आप एक विशेषज्ञ है। वह आपको काम देता है और आपसे आशा करता है कि आप कर्मठ होंगे। वह आशा करता है कि आप अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे, किंतु सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह आपसे आशा करता है कि आप इसे पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा करेंगे।

परमेश्वर के घर में कोई भी काम उन लोगो के द्वारा नही किया जाना चाहिए जो पवित्र आत्मा से भरे हुए नही है। यह ऐसा इसलिए है कि आप परमेश्वर को ग्रहण योग्य ऐसा कुछ भी नही कर सकते जो बिना पवित्र आत्मा के द्वारा है। इब्रानियो ९:१४ हमें बताता है कि यीशु ने अपने आपको पवित्र आत्मा के द्वारा बलि चढ़ाया। परमेश्वर के साथ हमेशा से ऐसा ही रहा है।

यहाँ तक कि पुराने नियम में भी, जब प्रभु हारुन के कपड़े (याजक के कपड़े) बनाना चाहता था, तो क्योंकि डिझाईन परमेश्वर के द्वारा दिया गया था, मूसा को केवल उन्हीं लोगो से काम करवाना था जिनको परमेश्वर ने उस काम को करने के लिए आत्मा से भरा था (निर्गमन २८:३)। इसके विषय में सोचीए: उसने अपने याजको को केवल वही कपड़े पहनने दिए जो कि आत्मा से भरे व्यक्ति के द्वारा बने थे! उसी तरह, वो शिल्पकार जिनको मंदिर में काम करना था उन्हें भी वह काम करने के लिए आत्मा के द्वारा भरा होना आवश्यक था।

एक बार, प्रभु ने मूसा से कहा, "इस्राएल के बच्चो में से सत्तर अगुवो को लो, जो तुम्हारी काम करने में सहायता करे"। फिर प्रभु ने कहा, "मैं जो आत्मा तेरे ऊपर है वह लूँगा और उनके अंदर भरूँगा"(गिनती ११:१६-१७)। दूसरे शब्दो में, बिना आत्मा के, वह उन्हें उसका काम करने नही देने वाला था। आत्मा से भरना परमेश्वर के घर में सेवा करने के लिए इतना ही जरुरी है।

इससे अंतर नही पड़ता है कि आप चर्च में किस क्षमता के साथ काम करते है; शायद आप एक मुख्य आराधक या एक गायक, एक अशर, एक सेल लीडर, एक आऊटरीच

फेलोशीप संयोजक है, एक पास्टर के स्टाफ है या आपका काम कुर्सी को साफ करना या भवन के दरवाजे खोलना है; इसे अवश्य ही आत्मा के द्वारा होना है।

यहीं पर पवित्र आत्मा के साथ सहभागिता बहुत जरुरी है। इससे पहले कि आप कुछ करे, आत्मा से भर जाईए; पवित्र आत्मा के साथ सहभागिता करने में समय बिताईये, और वह आपका निर्देशन करेगा कि परमेश्वर की वस्तुओ को कैसे करना है, परमेश्वर के तरिके से, ताकि आपकी सेवा उसके द्वारा ग्रहण योग्य हो।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ आपके राज्य में सेवा करने के अवसर के लिए। मैं अपने आपको हर समय पवित्र आत्मा के प्रभाव और निर्देशन के लिए समर्पित करता हूँ, ताकि जो सेवा मै आपकी करुँ वह हमेशा पवित्र और पृथक हो, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 5:18; रोमियो 15:16; इब्रानियो 9:14

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 11:1-18 & एज्रा 9-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 8:9-17 & यशायाह 11-12

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 25

किसी भी वस्तु को आपके उत्साह को खत्म मत करने दो

यदि मैं सुसमाचार सुनाऊँ, तो मेरे लिए कुछ घमण्ड की बात नहीं; क्योंकि यह तो मेरे लिये अवश्य है ... (१कुरिंथियो ९:१६)।

बहुत साल पहले, मेरे कुछ दोस्त थे जो सेवकाई में भी थे। यद्यपि वे प्रभु से प्रेम करते थे, पर वे थोड़े से परेशान थे उससे जिनको वे कहते थे मेरी "चरम सीमाएं", क्योंकि मैं हमेशा सुसमाचार के लिए तैयार और उत्साहीत था। मै गाँवों में क्रूसेड करता था, स्कूलो में, तरह तरह के प्रोग्राम का आयोजन करता था और चर्चो में सेमिनार करता था; मैं हमेशा सुसमाचार के लिए कुछ करता रहता था।

उन्हें लगा कि मेरे जो कार्य थे वे थोड़े चरम और गलत दिशा में थे, और मैं एक दिन अपनी शिक्षा को ग्रहण करूँगा और उनके स्तरो तक आ जाऊँगा। किंतु साल आकर चले गए है, और मुझे उस तरिके से परमेश्वर की सेवा करने में कोई पछतावा नही है। अगर मैंने वचनो को नही समझा होता, तो शायद मैंने प्रभु के लिए अपनी सेवा को "थोड़ा धीरे किया होता" इस तरह के लोगो को संतुष्ट करने के लिए; और जो प्रभाव आज हम पैदा कर रहे है वह शायद वैसा नही होता।

बहुत से लोग इसी तरह से रुक गए; इसलिए अलग बनिए। केंद्रित बने रहिए। परमेश्वर की सेवा बिना ध्यानभंगित हुए कीजिए। जब आप दर्शन को पकड लेते है तो अपने सहकर्मियों से अलग खड़े हो जाईये, अपने उत्साह में और यीशु मसीह के सुसमाचार को स्पॉनसर करने में केंद्रित बने रहिए। यही सही तरिका है। पौलुस की तरह, सुसमाचार के लिए ऐसे सर्मपित हो जाईये जैसे कि यह आप ही पर निर्भर था कि आप पूरे विश्व तक पहुँचेंगे! जब आप ऐसा करेंगे, तो प्रभु का अनुग्रह आप पर मुक्त होगा, उसके सपने को पूरा करने के लिए।

याद रखिए, यह उसका काम है; वही है जो इसे आपके द्वारा करना चाहता है। आप केवल उसके "सूट है"; वही है जो अंदर है, आपके द्वारा बात करता हुआ, आपकी आँखो के द्वारा देखता हुआ, आपके हाथो के द्वारा काम करता हुआ। उसने २कुरिंथियो ६:१६ में कहा, "...मैं उनमें बसूँगा और उनमें चला फिरा करूँगा; ..."। हालेलूयाह! वह केवल आपसे चाहता है कि आप कहे, "हाँ प्रभु! मैं तैयार हूँ"। फिर वह नियंत्रण ले लेगा और आपके द्वारा उसके उद्देश्य को पूरा करेगा। सुसमाचार के लिए अपने उत्साह को हमेशा

जलता हुआ रखिए; किसी भी वस्तु या किसी भी व्यक्ति को उसके कामो के लिए आपके उत्साह को कम मत करने दीजिए।

प्रार्थना

आशीषित पिता, आपने मुझे बुलाया है और मेरे विश्व के लिए एक आशीषो का बंडल अभिषिक्त किया है। जैसे ही मैं राज्य के सुसमाचार को विश्व के अंत तक लेकर जाता हूँ। आपकी दैविय सामर्थ मुझ में महान रुप से काम करती है, मुझे स्थिर, अटल बनाते हुए और मसीह में लोगो को लाने के काम में प्रचुर करते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ कुरुंथियो 15:58; रोमियो 12:11 AMPC; यूहन्ना 4:34 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 11:19-30 & नहेम्याह 1-3

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 8:18-24 & यशायाह 13

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 26

हर व्यक्ति के लिए पर्याप्त साम्रगी है

और अब मैं तुम्हें परमेश्वर को, और उसके अनुग्रह के वचन को सौंप देता हूँ; जो तुम्हारी उन्नति कर सकता है और सब पवित्र किए गए लोगों में सहभागी करके विरासत दे सकता है (प्रेरितो के काम २०:३२)।

आज के विश्व में, यह स्पष्ट है कि गरीब अमीरो से कहीं ज्यादा है। किंतु परमेश्वर की योजना, उद्देश्य, सिद्धांतो और बाइबल के अनुसार इस विश्व में अमीर गरिबो से ज्यादा होने चाहिए थे। विश्व का अधिकांश भाग इस सच्चाई को नही जानता है, किंतु परमेश्वर की शुरुवात से यही योजना थी। उसका वचन हमे दिखाता है कि इस विश्व में हर व्यक्ति के लिए पर्याप्त से ज्यादा है!

हमारे आरंभिक वचन को फिर से पढ़िए; यह कहता है कि परमेश्वर का वचन आपके हाथो में आपकी विरासत देने के योग्य है। वचन भेदभाव नही करता है। इस पर कार्य कीजिए, यह आपमें और आपके लिए परिणामो को पैदा करेगा। मसीह यीशु में आपके पास एक विरासत है। इससे अंतर नही पड़ता है कि आप विश्व के सबसे मलिन जगहों में पैदा हुए थे, सबसे गरीब पूर्वजो के साथ; मसीह में, कोई भी गरीब नही है।

अगर आप गरीब थे और आप मसीह में आए, तो बाइबल कहती है, "वह कंगाल को धूलि में से उठाता; और दरिद्र को घूरे में से निकाल खड़ा करता है, ताकि उनको अधिपतियों के संग बिठाए, और महिमायुक्त सिंहासन के अधिकारी बनाए। ..." (१शमुएल २:८)। आज आप अपने जीवन में कहाँ है? परमेश्वर का वचन आप तक एक वास्तविक बदलाव ला सकता है, एक अवस्था का बदलाव, एक गुणवत्ता का बदलाव और एक चरित्र का बदलाव; एक वास्तविक परावर्तन। उसी तरिके से परमेश्वर हम में उसके उद्देश्य को पूरा करता है; यह उसके वचनो के द्वारा है।

आप वास्तव में परमेश्वर के वचन को लेकर उस पर मनन कर सकते है और अपने लिए एक बदलाव की प्रक्रिया को शुरु कर सकते है, और निर्धारित कर सकते है कि आप अपने जीवन में कितनी दूर तक जाएँगे। इससे अंतर नही पड़ता है कि आप कहाँ पले बड़े थे; इससे अंतर नही पड़ता कि जिस देश में आप रहते है वहाँ पर क्या होता है;

परमेश्वर का वचन मसीह में आपकी विरासत को आप तक ला सकता है।

घोषणा

पृथ्वी प्रभु की है और उसकी भरपूरी भी और मैं परमेश्वर का वारिस और मसीह के साथ संगीवारिस हूँ। इसलिए, विश्व मेरा है! परमेश्वर ने मेरे पैरो को स्थिर रखने के लिए चट्टान पर रखा है, और मैं गरिबी, कमी और इस विश्व की अर्थव्यवस्था के ऊपर स्वर्गीय स्थानो में मसीह के साथ बैठा हुआ हूँ। मैं मसीह यीशु में अपनी विरासत के स्थान में हूँ, जहाँ पर मैं निरंतर समृद्ध होता हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 8:16-17; रोमियो 12:2; २ कुरुंथियो 9:8 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 12:1-25 & नहेम्याह 4-6

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 9:1-10 & यशायाह 14

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार 27

आशीष देने का अर्थ धन्यवाद देना है

नहीं तो यदि तू आत्मा ही से धन्यवाद करेगा, तो फिर अज्ञानी तेरे धन्यवाद पर आमीन कैसे कहेगा? क्योंकि वह तो नहीं जानता कि तू क्या कहता है?
(१कुरिंथियो १४:१६)।

सामान्यता, आशीष देने का अर्थ है किसी वस्तु या किसी व्यक्ति के जीवन के ऊपर परमेश्वर की सामर्थ को आव्हानित करना, जिसके द्वारा प्रमोशन, वृद्धि, बढ़ाव, सामर्थ इत्यादि आते है। किंतु आशीषो का एक दूसरा पहलू भी है। उदाहरण के लिए, बाइबल बात करती है कि हम प्रभु को आशीष दे; आप कैसे उसको आशीष देते है? और जब हम कहते है, "हमारे काम को आशीष दो", तो आप इसको कैसे करते है? इसके अतिरिक्त हमारा आरंभिक वचन बात करता है आत्मा में आशीषो के विषय में; जिसका अर्थ है अन्यभाषाओ में आशीषे; आप उसको कैसे करते है?

पर हमारे आरंभिक वचन को पढ़ने पर हमे एक चाबी मिलती है: यह कहता है, "कि कैसे वह व्यक्ति जो समझता नही है कि आप क्या कह रहे है, वह आपके धन्यवाद देने पर "आमीन कहेगा?" वह "आशीष देने को" "धन्यवाद देने के" तुल्य बताता है। मत्ती २६:२६ में बाइबल कहती है, "जब वे खा रहे थे तो यीशु ने रोटी ली, और इसे आशिष देकर तोड़ी ..."। यीशु ने कैसे रोटी को आशीष दी?

पौलुस प्रेरित ने आत्मा के द्वारा इसे १कुरिंथियो ११:२३-२४ में समझाया, जो कहता है, "क्योंकि यह बात मुझे प्रभु से पहुँची, और मैं ने तुम्हें भी पहुँचा दी कि प्रभु यीशु ने जिस रात वह पकड़वाया गया, रोटी ली: और धन्यवाद करके उसे तोड़ी ..."। मत्ती ने कहा कि यीशु ने रोटी ली और इस पर आशीष बोली; किंतु पौलुस को प्रकाशन मिलता है और वह हमे बताता है कि ठीक ठीक कैसे यीशु ने इसको किया: यह धन्यवाद देने के द्वारा था।

यह आपको बताता है कि आप कैसे अपने खाने को आशीष देते है जब आप अगली बार अपनी खाने की मेज पर बैठे। यह यह कहने के द्वारा नही है, "हे प्रभु, यीशु मसीह के कारण इस भोजन को आशीष दो"; यह भोजन के लिए प्रभु को धन्यवाद देने के द्वारा है। यीशु ने रोटी को ऐसे ही आशीष दी। उसी तरह, जब हम कहते है, "चलो प्रभु को आशीष

देते है", तो इसका मतलब है कि हम उसे धन्यवाद देते है; आप जो वह है उसके लिए उसका धन्यवाद दे रहे है, जो उसने आपके जीवन में किया है और उसके सारे महान कामो के लिए। आपको हमेशा यही करना चाहिए।

जब आप परमेश्वर का धन्यवाद देना या किसी काम के लिए उसको आशीष देना सीख लेते है, तो हर उस वस्तु में आप एक परिपूर्णता को महसूस करते है जिसके लिए आप उसे धन्यवाद दे रहे थे, क्योंकि धन्यवादिता परिपूर्णता लाती है। उसके नाम को सर्वदा महिमा मिले!

प्रार्थना

आशीषित पिता, आप बहुत ही अनुग्रही और दयालु है! मैं आपको स्तुति और धन्यवाद देता हूँ मेरे जीवन में आपकी उपस्थिती के लिए और आपके आशीष के महान हाथ के लिए जो मेरे ऊपर बना रहता है। मैं आपके अनुग्रह, दया, बुद्धि, और सामर्थ को पहचानता हूँ जिसके द्वारा मैं आज और हमेशा विजयी रुप से जीता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१थिस्सलुनीकियो 5:18 NIV; कुलुस्सियो 3:17; भजन संहिता 107:1

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 13:1-12 & नहेम्याह 7-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 9:11-15 & यशायाह 15-16

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

हमेशा फलदायी....हमेशा आशीषित

जो झाडियों में गिरा, यह वे हैं जो सुनते हैं, पर आगे चल कर चिन्ता, और धन, और जीवन के सुखविलास में फँस जाते हैं और उनका फल नहीं पकता
(लूका ८:१४)।

हमारे ऊपर के वचन में शब्द "पकता" ग्रीक शब्द "टेलिसफोरिओ"से है, यह एक सम्मलित शब्द है, और यह केवल बाइबल के उसी वचन में दिखाई देता है। इसका अर्थ है फलदायीपन, एक पकी हुई अवस्था तक आना, एक वयस्क अवस्था तक आना जहाँ पर परिणाम आते है।

अकस्मात रुप से, ऊपर का वचन वास्तव में एक ऐसे व्यक्ति की बात कर रहा है जो सिद्धता तक उसके फलो को नही लाया। किंतु यह हमे परमेश्वर की योजना, उसके विचारो को बताता है कि वह चाहता है कि हम हमेशा फलदायी और परिणामी रहे हमारे फलो को सिद्धता तक लाते हुए।

बहुत से ऐसे लोग है जो कुछ शुरु करते है पर कभी खत्म नही करते है। वह हमेशा किसी वस्तु के बीच में रुक जाते है; वे कभी भी पूरा ही नही कर पाते है। उनके पास हमेशा एक कहानी होती है बताने के लिए कि वे खत्म क्यूँ नही कर पाएँ। उनके प्रोजेक्ट बीच में छूट जाते है, और प्रक्रिया काट दी जाती है। किंतु आपकी कहानी अलग है। आप एक फलदायी दाखलता है, फलो को लाते हुए, और आप अपने प्रोजेक्ट को परिपूर्णन तक लेकर जाते है। जो कुछ आप करते है, परमेश्वर का आत्मा आपमें काम करता है इसे फलदायीपन तक लाने के लिए। अपने विषय में हमेशा इसकी घोषणा कीजिए। जैसे ही आप उसके वचनो के प्रकाशन में प्रभु के साथ चलते है, तो आपकी परियोजनाएं बीच में नही रुकेंगी या यहाँ तक कि भौतिक गर्भ भी। यह परमेश्वर की संतान के रुप में आपका भाग है।

दूसरी सुंदर बात यह है कि आप मौसम में और बेमौसम में भी फल लाते है। आप हमेशा फलदायी और हमेशा परिणामी है, "वह उस वृक्ष के समान है, जो बहती नालियों के किनारे लगाया गया है, और अपनी ऋतु में फलता है, और जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं। इसलिये जो कुछ वह पुरुष करे वह सफल होता है"(भजनसंहिता १:३ टी.पी.टी)। कितना अद्भुत जीवन! धन्य है परमेश्वर!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे हमेशा बढ़ती हुई महिमा का जीवन दिया है; एक बढ़ती हुई आशीषो और निरंतर उत्पादकता का जीवन। मेरी योजनाओं, प्रोजेक्ट और सपनो का कोई गर्भपात नही होता है; मैं उन्हें फलदायीपन तक लेकर जाता हूँ, सिद्धता के परिणामो को पैदा करते हुए, पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

फिलिप्पियो 1:6; फिलिप्पियो 3:13-14; यिर्मयाह 29:11

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 13:13-52 & नहेम्याह 9-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 10:1-7 & यशायाह 17

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

सोमवार 29

शरीर और आत्मा

क्योंकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी है (२कुरिंथियो १०:४)।

ऐसे लोग है जोकि मसीही होने का दावा करते है, पर वे सुसमाचार के विरोधी है, क्योंकि उनकी सुसमाचार की समझ मनुष्य की व्याख्याओ के द्वारा भ्रष्ट हो चुकी है। उन में से कुछ लोग शायद चर्च में पले बड़े भी है, परमेश्वर के चुने हुए, जिस तरह पुराने नियम का शाऊल, किंतु वचन के साथ बढ़ने की जगह, उन्होंने परमेश्वर को समझने में अपनी इंद्रियो को इस्तेमाल किया और पूरी तरह से उनके लिए परमेश्वर की योजना से चूक गए।

ऐसे लोगो को बाइबल में बताया गया है कि वे शाऊल के घर के है; शारिरीक भुजा के। वे शरीर के द्वारा नियंत्रित है ना कि आत्मा के द्वारा। किंतु एक "दाऊद का भी घर है"; बाइबल कहती है, "शाऊल के घराने और दाऊद के घराने के मध्य बहुत दिन तक लड़ाई होती रही; परन्तु दाऊद प्रबल होता गया, और शाऊल का घराना निर्बल पड़ता गया"(२शमुएल ३:१)।

"दाऊद का घर" आत्मा को दर्शित करता है; वे जो आत्मा में चलते है; जो वचन को बोलते है, वचन के अनुसार जीते है। आज भी ऐसे है जो लडाई लढ़ रहे है, जहॉ पर शरीर मे चलनेवाले ऐसे दिखाते है जैसे कि वे नियंत्रण में है, किंतु परमेश्वर की बुद्धि जो हमे दी गई है उसका वे सामना नही कर पाते है या उस पर जीत नही पाते है।

जब आप ऐसे लोगो के संपर्क में आते है, तो परमेश्वर की बुद्धि को इस्तेमाल कीजिए और बोलिए, जानते हुए कि उनके पास केवल व्याख्या है और वे शब्द है जो उनके प्राकृतिक दिमाग से बाहर आते है। हमारे भी शब्द है किंतु, दैविय बुद्धि के शब्द; तो यह वचनो के विरोध में वचन है। वे इस विश्व की बुद्धि बोलते है जो बेकार हो जाती है; किंतु हम परमेश्वर की बुद्धि बोलते है जो हमारे जीवनो में और दूसरो के जीवन में भी ना नकारे जा सकने वाले परिणाम, परिस्थितीयाँ और स्थितीयाँ, पैदा करती है। परमेश्वर की महिमा हो!

घोषणा

मेरे मुँह में परमेश्वर के वचन के साथ, मैं मेरे तर्कवितर्क के सारे गढ़ो को, विवादो को और मनुष्य की व्याख्याओ को नीचे गिराता हूँ। ठीक अभी, मैं इस विश्व की आत्मा के विरोध में आता हूँ जो कि बुराई और नकारात्मक रचनाओ को मनुष्य के ह्रदय में शुरु करती है, ताकि वे सुसमाचार के विरोधी हो जाएँ, और मैं उनके ऊपर विजय की घोषणा करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

कुलुस्सियो 2:8 AMPC; १ कुरुंथियो 2:6-7

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 14:1-28 & नहेम्याह 11-13

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 10:8-18 & यशायाह 18:1-7

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

वचन को थामे रहो

हमारे पास जो भविष्य द्वक्ताओं का वचन है, वह इस घटना से दृढ़ ठहरा। तुम यह अच्छा करते हो जो यह समझकर उस पर ध्यान करते हो कि वह एक दीया है, जो अन्धियारे स्थान में उस समय तक प्रकाश देता रहता है तब तक कि पौ न फटे और भोर का तारा तुम्हारे हृदयों में न चमक उठे (२पतरस १:१९)।

परमेश्वर की संतान के रुप में, हम जीवन में जीतने की कोशिश नही कर रहे है; जो भी परेशानि हम तक आती है वह "लाईव "नही है; हम केवल एक कहानी के अनुसार अभिनय कर रहे है। उस कहानी में, यह लिखा हुआ है कि आप जीत चुके है। आपके पास तभी परेशानि होगी जब आप इस कहानी का अनुपालन नही करते है। वह कहानी परमेश्वर का वचन है।

इससे अंतर नही पड़ता है कि आपके पास क्या आता है जब आप कहानी का अनुकरण करते है वचन का तो आप निर्भिकतापूर्वक घोषणा कर सकते है, "नही इन सारी वस्तुओ में मैं जयंवत से बढ़कर हूँ!" आप हमेशा अटल बने रहेंगे। क्यूँ? क्योंकि आपके पास पहले से ही भविष्यद्वाणी का दृढ़ वचन है कि चाहे आपके अनुभव कैसे भी क्यूँ ना हो, वचन हमेशा के लिए भरोसेमंद है!

हमारे आरंभिक वचन को दोबारा से पढ़िए; यह हमेशा ऊँचे रहने और निरंतर जीतने के रहस्य को बताता है, हमेशा बढ़ने के और हमेशा उन्नति करने के। इससे अंतर नही पड़ता है कि आप कौन है, चाहे आपके अनुभव कैसे भी क्यूँ ना रहे हो यह कहता है, "परमेश्वर के वचन पर ध्यान दो उस प्रकाश की तरह जो अंधकार में चमकता है"।

चलिए मान लेते है कि आप अपने जीवन में अंधेरे स्थान में है और आपके अनुभव बहुत भयानक रहे है; हर वस्तु परमेश्वर के वचन के आपके ज्ञान के विरोध में दिखाई देती है। और आप प्रार्थना कर रहे है पर ऐसा लगता है कि कुछ नही बदल रहा है; परमेश्वर कहता है, "उस भविष्यद्वाणी के वचन को ऐसे देखो जोकि एक हल्के प्रकाश की तरह है, और इसको थामे रहो! वहाँ पर लटके रहो, अटल रहो जब तक सुबह ना हो जाएँ और हमारे हृदय में भोर का तारा ना चमके"। हालेलूयाह!

जैसे ही आप वचन को थामे रहते है, आप आत्मा की उस आवाज को आपको बताते हुए सुनेंगे, "शांत हो जाओ सब कुछ सही है"। हालेलूयाह! उस दिखने वाले अंधेरे स्थान में परमेश्वर का वचन वहाँ है; वह चुनौति जाने के लिए आई है। इसलिए, हारना या भयभीत होना मना कर दो।

घोषणा

मेरे पास भविष्यद्वाणी का एक दृढ़ वचन है जिसके द्वारा मैं लड़ाई लढ़ता हूँ और परिस्थितीयो पर विजयी होता हूँ। मैं जीवन की परिस्थितीयो के द्वारा अविचलित हूँ क्योंकि मेरे पास हमेशा तैरने का रहस्य है हमेशा जीतने का रहस्य, हमेशा बढ़ने का, हमेशा उन्नति करने का, और कभी नीचे ना जाने का। चाहे मेरे विरोध में कुछ भी क्यूँ ना आ जाएं, वचन मेरा आश्वासन और लाभ है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ता 24:35; यशायाह 40:8; १पतरस 1:25

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 15:1-21 & Smlesj 1-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 11:1-9 & यशायाह 19

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

उध्दार की प्रार्थना

हम विश्वास करते है कि आप इस अध्ययनिका के द्वारा आशिषित हुए है। इस प्रार्थना को करने के द्वारा हम आपको यीशु मसीह को अपने जीवन का प्रभु बनाने के लिए आमंत्रित करते है:

“ओ प्रभु परमेश्वर, मै अपने पूरे:दय से यीशु मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता हूँ। मै विश्वास करता हूँ कि वह मेरे लिए मरा और परमेश्वर ने उसे मरे हुओ मे से जीवित किया। मै विश्वास करता हूँ कि आज वह जीवित है। मै अपने मुँह से घोषणा करता हूँ कि आज से यीशु मसीह मेरे जीवन का प्रभु है। उसके द्वारा, और उसके नाम में, मेरे पास अनंत जीवन है; मै नया जन्मा हूँ। धन्यवाद परमेश्वर, मेरी आत्मा को बचाने के लिए! अब मै परमेश्वर की एक संतान हूँ। हालेलुयाह!

बधाई! अब आप परमेश्वर की एक संतान है। एक मसीह के रूप में, आप कैसे बढ सकते है, के विषय में अधिक जानकारी ग्रहण करने के लिए, कृपया नीचे लिखे किसी भी नंबर के द्वारा हमसे संपर्क किजिए:

UNITED KINGDOM:
(0)1708 556 604

NIGERIA:
01-8888186

CANADA:
+1-647-341-9091

SOUTH AFRICA:
+27 11 326 0971

USA:
+1-281-759-5111

लेखक के विषय में

पास्टर क्रिस औयाखिलोमे, बिलिवर्स लववर्ल्ड इनकॉर्पोटेड के प्रेसिडेंट है, जो एक प्रभावी, बहुमुखी, विश्व स्तरिय सेवकाई है, वे वास्तविकता संग्रह के लेखक है, विश्व की नंबर एक दैनिक अध्ययनिका, और तीस से अधिक दूसरी पुस्तको के भी। वो परमेश्वर के वचनो के एक वफादार सेवक है, जिनके संदेशो ने बहुतो के हृदय में दैविय जीवन की वास्तविकताओ को लाया है।

करोडो लोग उनके टेलिविजन ब्राडॅकास्ट "चमत्कारो के लिए वार्तावरण," के द्वारा प्रभावित हुए है, जो परमेश्वर की दैविय उपस्थिती को ठीक लोगो के घरो तक लेकर जाता है। इस टेलिविजन सेवकाई का विस्तार पूरे विश्व में लववर्ल्ड सेटेलाइट टेलिविजन नेटर्वकों के द्वारा होता है, जो कि एक विश्व स्तरिय सभा तक गुणवत्ता के मसीही प्रोग्राम लाते है।

विश्वविख्यात, चंगाई विद्यालय में वह यीशु मसीह के कार्य को प्रत्यक्ष करते है और उन्होंने पवित्र आत्मा के काम करते हुए वरदान के द्वारा बहुतो की चंगाई ग्रहण करने में सहायता की है।

पास्टर क्रिस में परमेश्वर की उपस्थिती के साथ पूरे विश्व के लोगो तक पहुँचने का उत्साह है -एक दैविय आज्ञा, जिसको उन्होंने तीस साल से अधिक वर्षो से किया है, विभिन्न आऊटरिचों के द्वारा, क्रूसेडो के द्वारा, और बहुत से अलग तरिको के द्वारा, जिसके द्वारा करोडो लोगो ने परमेश्वर के वचन के द्वारा एक विजयी और उद्देश के जीवन का अनुभव किया है।

LoveWorld Publishing

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

Chris Oyakhilome

LoveWorld Publishing

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from the *King James Version* of the Bible.

A KEY FOR OTHER BIBLE VERSIONS USED:

NKJV	-New King James Version
AMP	-The Amplified Bible
AMPC	-The Amplified Classic Bible
TANT	-The Amplified New Translation
TLB	-The Living Bible
CEV	-Contemporary English Version
NASB	-New American Standard Bible
ISV	-International Standard Version
NIV	-New International Version
MSG	-The Message Translation
WEB	-The World English Bible
TNLT	-The New Living Translation
ASV	-American Standard Version
TEV	-Today's English Version
RSV	-Revised Standard Version
GNB	-Good News Bible
WNT	-Weymouth New Testament
NRSV	-New Revised Standard Version
MOFFAT	-Moffatt New Translation
WESNT	-Wesley New Testament
EBR	-Rotherham's Emphasized Bible
DRB	-Douay-Rheims Bible

वास्तविकता संग्रह...वास्तविकता संग्रह

ISSN 1596-6984

जून 2020 edition

Copyright © 2020 by LoveWorld Publishing

FOR MORE INFORMATION AND TO PLACE ORDERS:

UNITED KINGDOM:
Unit C2, Thames View Business Centre, Barlow Way Rainham-Essex, RM13 8BT.
Tel.: +44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

SOUTH AFRICA:
303 Pretoria Avenue
Cnr. Harley and Braam Fischer,
Randburg, Gauteng 2194
South Africa.
Tel.:+27 11 326 0971

USA:
Christ Embassy Houston,
8623 Hemlock Hill Drive
Houston, Texas. 77083
Tel.: +1(800) 620-8522

CANADA:
LoveWorld Publishing Canada
4101 Steeles Ave W, Suite 204
Toronto, Ontario
Canada M3N 1V7
Tel.:+1 416-667-9191

NIGERIA:
Plot 97, Durumi District, Abuja, Nigeria.

Plot 22/23 Billingsway Road, Oregun,
Ikeja, Lagos.
P.O. Box 13563 Ikeja, Lagos
Tel.: +234 1 8888186

www.rhapsodyofrealities.org
email: rorcustomercare@loveworld360.com

All rights reserved under International Copyright Law. Contents and/or cover may not be reproduced in whole or in part in any form without the express written permission of LoveWorld Publishing.

भूमिका

हुर्रे ! आपकी प्रिय दैनिक अध्ययनिका, वास्तविकता संग्रह अब २०१०-, भाषाओं में उपलब्ध है और लगातार बढ़ रही है। हमें विश्वास है कि अध्ययनिका का २०२० का अंक ने आपकी आत्मिक वृध्दि और विकास को बढ़ाया है और आपको आपके सभी प्रयासो मे असाधारण सफलता के लिए सही स्थान में रख दिया है।

इस अंक के जीवन बदलने वाले विचार आपके विश्वास को ताजा करेंगे, बदल देंगे और स्फूर्ति देंगे, जैसे ही आप परमेश्वर के वचन के साथ एक प्रतिफल देनेवाले अनुभव में जुडते है।

- वास्तविकता संग्रह अध्ययनिका को कैसे इस्तेमाल करे -

- हर लेख को पढो और सावधानीपूर्वक इसपर मनन करो। प्रतिदिन जोर से प्रार्थनाओ और घोषणाओ को कहना, सुनिश्चित करेगा कि जो परमेश्वर का वचन आप बोल रहे है, वह आपके जीवन में पूरा होता है।
- एक-वर्षीय अध्ययन योजना के साथ, या दो वर्षीय अध्ययन योजना के साथ संपूर्ण बायबल को पढो।
- आप दैनिक बायबल अध्ययन खंडो को दो भागो में भी बाँट सकते है - सुबह और शाम अध्ययन
- हर महिने के लिए प्रार्थनापूर्वक अपने लक्ष्यो को लिखने के लिए अध्ययनिका का इस्तेमाल करो, और अपनी सफलता को मापो, जैसे ही आप एक के बाद एक लक्ष्य को प्राप्त करते है।

हम आपको परमेश्वर की महिमामयी उपस्थिति और विजय का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते है, जैसे ही आप उसके वचन की एक दैनिक खुराक को लेते है! हम आपसे प्रेम करते है! परमेश्वर आपको आशिष दे!

-पास्टर क्रिस औयाखिलोमे

व्यक्तिगत जानकारी

नाम:

पता:

टेलीफोन:

Mobile:

E-mail address:

Business address:

Goals for the Month:

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

www.rhapsodyofrealities.org

बुध्दवार **1**

मसीह में बपतिस्मा पाएँ

क्या तुम नहीं जानते कि हम सब जिन्होंने मसीह यीशु का बपतिस्मा लिया, उसकी मृत्यु का बपतिस्मा लिया ? अत: उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें (रोमियो ६:३-४)।

हमारे लिए यह समझना जरुरी है कि ऊपर के वचन में कथन, " ...मसीह यीशु का बपतिस्मा लिया .." का क्या अर्थ है। यह किसी व्यक्ति को बपतिस्मा के लिए पानी में डुबोने से अलग है। पानी का बपतिस्मा सांकेतिक है: जब आप बपतिस्मा में पानी में डुबोये जाते है, तो आप घोषणा करते है कि आप प्रभु की प्रतिस्थापन की मृत्यु और गाड़े जाने में प्रभु के साथ पहचाने जाते है। आप उसके पुनरुत्थान के सांकेतिक रुप में पानी से बाहर निकाले गए थे।

रोमियो ६ में विषय पानी का बपतिस्मा नही है। यह एक विश्वासी का मसीह में डूबना है, उसके पुनरुत्थान में विश्वास और उसके प्रभुत्व की घोषणा के द्वारा। २कुरिंथियो ५:१७ में पौलुस प्रेरित ने शब्द "मसीह में" इस्तेमाल किया जहाँ पर उसने घोषणा कि, "अगर कोई व्यक्ति मसीह में है, तो वह एक नया प्राणी है..."। आप उसके साथ एक बन गए है! परमेश्वर आपको यीशु मसीह में देखता है। जब हम कहते है कि हम मसीह में है, तो यह एक डब्बे के अंदर कुछ की तरह नही है; किंतु इसका अर्थ है कि हम उसके साथ अटूट रुप से एक हो चुके है, उसके साथ एक आत्मा में एक हो चुके है (१कुरिंथियो ६:१७)।

इफिसियो ५:३० कहता है, "क्योंकि हम उसके शरीर के सदस्य है, उसके मांस और उसकी हड्डियों के"। यीशु ने कहा, "मैं दाखलता हूँ तुम डालियाँ हो"(यूहन्ना १५:५), इसका अर्थ है कि हम उसके साथ एक ही भंडार के है। आप मसीह का प्रत्यक्षिकरण बन गए है। आपको इसी तरह से अवश्य ही सोचना चाहिए। १कुरिंथियो १२:१३ कहता है, "क्योंकि हमने एक ही आत्मा के द्वारा एक ही शरीर में बपतिस्मा पाया है"; वह शरीर मसीह है।

अब जब कि आप यीशु मसीह में बपतिस्मा पा चुके है, बाइबल कहती है उसके

अनुसार चलो, "जीवन के नयेपन में चलो" (रोमियो ६:४)। निर्भिकता से चलो। पूर्णरुप से निडर रहो जानते हुए कि आप और मसीह एक है। उसके साथ, आप अदम्य है – हमेशा उन्नति करते हुए। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं मसीह के साथ अटूट रुप से एक हूँ, उसमें मैं जीता हूँ, रहता हूँ, और उसमें मेरा अस्तित्व है! मैं उसकी महिमा और दैवियता का प्रत्यक्षिकरण और सार हूँ। उसके साथ मेरी अटूट एकता मुझे दैविय बनाती है और बीमारी, रोग और दुर्बलता के लिए अभेद बनाती है। इससे अंतर नही पडता है कि मेरे रास्ते में क्या आता है, मैं निडर और निर्भिक हूँ! परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 17:28; १ कुरुंथियो 12:13; गलतियो 3:27

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 15:22-35 & एस्तेर 5-7

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 11:10-33 & यशायाह 20

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 2

मसीह में बढ़ते हुए

और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है (गलातियो ५:२४)।

हमारा आरंभिक वचन कोई संदेह का स्थान नही छोड़ता है: अगर आप मसीह में है, तो आपने शरीर को इसकी अभिलाषाओं और लालसाओं के साथ क्रूस पर चढ़ा दिया है। तो क्यूँ फिर कुछ मसीही आज भी संघर्ष कर रहे है, शरीर को क्रूस पर चढ़ाने का प्रयास करते हुए? यह ऐसा इसलिए है क्योंकि शैतान ने उनसे झूठ बोला है और वे उसमें विश्वास करते है, परमेश्वर के वचन की उनकी अज्ञानता के कारण।

शैतान शायद आपका उपहास उड़ाये, "अगर तुम सच्चे मसीही होते, तो तुमने कल झूठ नही बोला होता!" इससे तुरंत ही आपके आत्मविश्वास का पतन और प्रभु की सेवा के लिए आपका विश्वास और उत्साह उड़ना नही चाहिए। याद रखिए शैतान कौन है – एक झूठा और झूठ का पिता। वह धोखा देनेवाला और परमेश्वर के लोगो पर दोष लगानेवाला है (प्रकाशितवाक्य १२:१०)।

अगर आपके हाथ आराधना में परमेश्वर के लिए उठे हुए थे, तो शैतान अचानक से जो आपने गलत किया था आपको याद दिला सकता है, तुरंत ही हाथो को नीचे मत कर लीजिए और रोना और अपने लिए बुरा मानना शुरु मत कर दीजिए। वरन और अधिक आराधना कीजिए और कहिए, "धन्यवाद प्रभु आपके प्रेम के लिए और यीशु मसीह के लहू के लिए जो मुझे सारी अधार्मिकता से शुद्ध करता है"।

कभी भी शैतान को आपको धोखा मत देने दीजिए यह सोचने के लिए कि आप एक सच्चे मसीही नही है क्योंकि आपने कुछ गलत किया था। अगर आप नये जन्मे है, तो आप एक सच्चे मसीही है। परमेश्वर का वचन कहता है कि आप अपने अंदर के परमेश्वर के स्वभाव के अनुसार जीएं। आत्मा और सत्यनिष्ठा में जीएं। परमेश्वर के वचन के अनुसार जीएं। क्योंकि यही आपका जीवन है।

अधिकतर, अपने आपसे कहिए, "मैं आत्मा से हूँ, और मैं वचन के द्वारा निर्देशित और शासित हूँ"। परमेश्वर के वचन का अध्ययन कीजिए और उसमें बने रहिए और आप शैतान के छलावो, युक्तियो और चलाकियो के ऊपर जीएँगे। जितना अधिक आप परमेश्वर के वचन का अध्ययन करेंगे, सुनेंगे और मनन करेंगे, उतना ही आप वैसे चलेंगे जैसा वचन हमे चेताता है। यह ऐसा इसलिए है क्योंकि वचन में आपके अंदर वह पैदा

करने की ताकत है जो यह कहता है। वचन की सेवकाई के द्वारा, आप मजबूत किए जाते है, सामर्थ दिए जाते है और आपका विश्वास उत्साहीत होता है और आप मसीह में अटल रुप से आगे बढ़ते रहते है। जितना अधिक आप प्रभु में, और उसके वचन के ज्ञान और अनुग्रह में बढ़ते है, उतना ही कम आप अपने जीवन में पाप को पाएँगे; पाप की आपके ऊपर कोई प्रभुता नही होगी (रोमियो ६:१४)।

प्रार्थना

यारे पिता, मैं आपका आपके वचन के लिए धन्यवाद देता हूँ जो कि सीखाने, उलाहना देने, शिक्षा और सत्यनिष्ठा में निर्देश देने में मेरे लिए लाभदायी है, जिसके द्वारा मैं आत्मिक रुप से बढ़ता हूँ और मेरा विश्वास भले कामो के लिए उत्साहीत होता है। मैं वचन में नीव और नेव डालकर स्थापित हूँ, आत्मा के गुणो और सिद्धताओ को दिखाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 8:8-9; गलतियो 5:16; १ कुरुंथियो 6:9-11

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 15:36-16:1-15 & एस्तेर 8-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 12:1-10 & यशायाह 21

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 3

आपके हृदय में उसका प्रकाश

इसलिये कि परमेश्वर ही है, जिसने कहा, अन्धकार में से ज्योति चमके, और वही हमारे हृदयों में चमका कि परमेश्वर की महिमा की पहिचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो (२कुरिंथियो ४:६)।

हबक्कूक २:१४ में बाइबल कहती है, "क्योंकि पृथ्वी यहोवा की महिमा के ज्ञान से ऐसी भर जाएगी जैसे समुद्र जल से भर जाता है"; और हमारा आरंभिक वचन कहता है, "इसलिये कि परमेश्वर ही है, जिसने कहा, अन्धकार में से ज्योति चमके, और वही हमारे हृदयों में चमका है...."। उसका प्रकाश आपके हृदय में है। फिर यह आगे कहता है कि वह प्रकाश आपके हृदय में क्यूँ है: " ताकि परमेश्वर की महिमा की पहिचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो"।

ऊपर लिखी गई बाते स्पष्ट रुप से बताती है कि कैसे परमेश्वर की महिमा का ज्ञान पृथ्वी को भर देगा। यह ज्ञान यीशु मसीह को जानने के द्वारा आता है, और यह हमारे द्वारा दिया जाता है जिन्होंने उसके प्रकाश को ग्रहण कर लिया है। यीशु ने पिता से उसकी प्रार्थना में कहा, "....तेरा वचन सत्य है" (यूहन्ना १७:१७)। यूहन्ना १:९ कहता है, "सच्ची ज्योति जो हर एक मनुष्य को प्रकाशित करती है, जगत में आने वाली थी"। उसका वचन सच्चा प्रकाश है। इसलिए जब यह कहता है, "परमेश्वर ही है, जिसने कहा, अन्धकार में से ज्योति चमके, और वही हमारे हृदयों में चमका है", तो यह हमे बता रहा है कि अब हम हमारे अंदर परमेश्वर के वचन के उस प्रकाश को लिए फिरते है।

जिसका अर्थ है कि जितना अधिक परमेश्वर का ज्ञान आपके पास होता है, उतना ही आपका प्रकाश चमकता है। जितना कम आप उसको जानते है, उतना ही कम आप उसके प्रकाश को दिखायेंगे। यही कारण है कि आप अपने व्यक्तिगत जीवन में वचन की सेवकाई को गंभीरता से ले। वचन के अध्ययन और मनन के द्वारा, आपके जीवन में और महिमा जोड़ी जाती है और आप उसकी सत्यनिष्ठा में और अधिक चमकने लगते है।

परमेश्वर की योजना मनुष्य के लिए उम्र में बढ़ना, बूढ़ा होना और मरने की नही थी; यह श्राप का परिणाम था। किंतु यीशु आशीष लेकर आया। वह अमरता को लेकर आया (२तीमुथियुस १:१०), जो कि मसीह में परमेश्वर के ज्ञान का अनावरण है। इसके

अतिरिक्त, उस ज्ञान के द्वारा, आप स्फुर्ति पाते है, ताजे होते है और नये हो जाते है।

प्रार्थना

सत्यनिष्ठ पिता, मैं आपके वचन के प्रकाश के लिए धन्यवाद देता हूँ जिसके द्वारा मैं जीवन में अपना रास्ता ढूंढता हूँ। जैसे ही मैं आपके वचन के ज्ञान में बढता हूँ और इस पर मनन करता हूँ मेरा विश्वास उत्साहीत होता है और मैं आत्मा के द्वारा आगे और ऊँचे के जीवन में उठाया जाता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 5:15-16; यशायाह 60:2; भजन संहिता 119:105

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 16:16-40 & अय्यूब 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 12:11-21 & यशायाह 22

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **4**

शैतानो के ऊपर विजय

क्योंकि हमारा यह मल्लयुध्द लहू और मांस से नहीं परन्तु प्रधानों से, और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में है (इफिसियो ६:१२)।

ऐसे लोग है जो अपने आपको मनाना चाहेंगे कि शैतान होते ही नही है, वे केवल हमारी कल्पनाओं का चित्र है। किंतु वे गलत है! दुष्ट आत्माएं वास्तव में होती है और अधिकतर शैतान, जो लोगों की अज्ञानता से कामयाब होता है, इस अज्ञानता का फायदा उठाता है कि वह है ही नही। किंतु हमारा आरंभिक वचन हमे बताता है कि हमारा यह मल्लयुध्द, "... लहू और मांस से नहीं परन्तु प्रधानों से, और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में है"। ये दुष्ट आत्माएँ है।

उनके न्याय के नियुक्त समय तक, शैतान और उसकी दुष्ट आत्माएँ आपको पाने के लिए, आपके कामो को नष्ट करने के लिए और आपको कुंठित करने के लिए वह सब करेंगे, जो वे कर सकते है। किंतु डरिएगा मत; वे एक कारक नही है। मसीह में, आपके पास शैतान और अंधकार की ताकतो के ऊपर विजय है। वे मात्र विद्रोही है, तांडव मचा रहे है और उन्हें कुंठित कर रहे है जो करने देते है। यही कारण है कि आपको वचन को अवश्य जानना और उसमें बने रहना चाहिए और मसीह में अपनी विजय को बनाए रखना चाहिए। बाइबल कहती है शैतान को रोको, और वह तुम से भाग जाएगा (याकूब ४:७)। आप कैसे शैतान को रोकते है? वचन के द्वारा!

इससे अंतर नही पड़ता है कि यह एक स्वास्थ संबंधि परेशानि है जो कि चिकित्सिय रुप से समझायी नही जा सकती या आपकी नौकरी, व्यवसाय या परिवार के साथ परेशानि है; वचन की घोषणा कीजिए! इफिसियो ६:१३ कहता है, "इसलिये परमेश्वर के सारे हथियार बाँध लो कि तुम बुरे दिन में सामना कर सको, और सब कुछ पूरा करके स्थिर रह सको"। बुराई का दिन वह है जब शैतान अपने तीरो को आपकी ओर फेकता है। यह परेशानि का दिन है; वह दिन जब आप शैतान का टारगेट बन जाते है। वह बुरा दिन आएगा, और यह केवल एक बार नही आता है। किंतु जब तक आप इस विश्व में है – पूरी तरह से परमेश्वर के हथियार बाँधे रखिए – और आप हमेशा विजयी होंगे!

आप प्रकाश के राज्य में जीते और कार्य करते है जहॉ पर शैतान के पास कोई

मौका नही है। आप यीशु मसीह की विजय और अधिकार में जीते है। आपके पास कुछ है जिसका शैतान सामना नही कर सकता - यीशु का नाम। इसका इस्तेमाल कीजिए और हमेशा महिमामय रुप से विजय पाईये!

घोषणा

मैं प्रकाश के राज्य में जीता और चलता हूँ, जहॉ पर मेरे पास शैतान और अंधकार के दानवो के ऊपर अधिकार है। मेरे खिलाफ बना कोई हथियार समृद्ध नही हो सकता। मैं यीशु मसीह की विजय और अधिकार में जीता हूँ, और मेरा विश्वास दुष्ट के जलते हुए तीरो के विरोध में एक सुरक्षा है, शत्रु और चुनौतियो के ऊपर और विरोध में मेरा उपकरण। मैं हर दिन मसीह में विजयी रुप से जीता हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

लूका 10:17-19; याकूब 4:7 AMPC; मत्ती 10:1

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 17:1-15 & अय्यूब 3-5

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 13:1-6 & यशायाह 23-24

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 5

आज आनंद मनाईये

सदा आनन्दित रहो
(१थिस्सलुनीकियो ५:१६ एन.आय.व्ही)।

कल चला गया है, और आनेवाला कल अभी तक आया नही है, किंतु आज आपके इस्तेमाल के लिए है। इसलिए, आज का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल कीजिए और आनंदी हो जाईये। कल की मायूसीओं में मत जीएं या आनेवाले कल की अनिश्चिताओ के द्वारा भयभीत मत हो जाईये। बीते हुए कल का पछतावा और आनेवाले कल का डर आज की खुशी के शत्रु है। परमेश्वर चाहता है कि आप आनंदी हो जाएँ, आज!

हमारा आरंभिक वचन कहता है, "हमेशा आनंद मनाओ"। यह ना तो कल में लगाया जा सकता है और ना ही आनेवाले कल में ढकेला जा सकता है; यह अभी के लिए है। कोई आपसे ढंग से बर्ताव करता है या नही, हमेशा आनंदी बने रहिए।

इससे अंतर नही पड़ता है कि जिनसे आप सहायता की आशा कर रहे थें उन्होंने अपनी पीठ घुमा ली है; आनंदी बने रहिए। आखिर में, परमेश्वर ने आपसे कभी भी नही कहा कि मनुष्य में अपना भरोसा रखो (भजनसंहिता ११८:८-९)। चाहे आपके बँक एकाऊंट में पैसा है या नही, आनंदी बने रहिए। अगर आप परिस्थितीयो, अपने आसपास की घटनाओ या दूसरो के कार्यो को अपने आनंद को निर्धारित करने देंगे, तो आप वचन पर कार्य नही कर रहे है। याद रखिए, आशीषे उनके लिए है जो वचन को करते है या उस पर कार्य करते है (याकूब १:२२-२५)। वचन कहता है सर्वदा आनंद मनाओ (१थिस्सलुनिकियो ५:१६); इसलिए इसका अभ्यास कीजिए।

अपना मन बनाईये कि कोई भी वस्तु कभी भी आपका आनंद नही ले पाएगी। यह एक निर्णय है जो आपको अवश्य ही लेना है। आपके और पवित्र आत्मा के बीच में एक सहयोग की आवश्यकता है। वह आपको बताता है कि क्या करना है, किंतु आपको करने का निर्णय लेना है। अगर आप कहेंगे, "मैं हमेशा आनंदी होऊँगा जैसा कि परमेश्वर का वचन कहता है, परिस्थितीयो के बावजूद", तो वह ऐसा करने में आपकी सहायता करेगा।

हाँ, मसीहत में, चुनौतियाँ है। किंतु प्रभु ने याकूब १:२ में कहा, "हे मेरे भाइयो, जब तुम नाना प्रकार की परीक्षाओं में पड़ो, तो इसको पूरे आनन्द की बात समझो"; दूसरे

शब्दो में, “आनंद मनाओ!” जिन चुनौतियो का आप सामना करते है वे जरुरी नही है किंतु उनके लिए आपकी प्रतिक्रिया जरुरी है। आप एक विजयी जन्मे थे, एक जयंवती; इस विश्व में कुछ भी आपको हानि पहुँचाने या आपको शिकार बनाने के लिए नही है। बाइबल कहती है, “इन सारी वस्तुओ में, हम जयंवत से बढ़कर है” (रोमियो ८:३७)। हालेलूयाह!

घोषणा

मेरा जीवन आनंद और खुशी का एक बंडल है, क्योंकि प्रभु का आनंद मेरी सामर्थ है! स्थितीयो के बावजूद, मैं आनंद और स्तुति से भरा रहता हूँ, जानते हुए कि मैं अपने अंदर से समृद्धि, शांति, सफलता, स्वास्थ और दूसरी आशीषो को निकालता हूँ। परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

फिलिप्पियो 4:4; यशायाह 12:3; रोमियो 14:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 17:16-34 & अय्यूब 6-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 13:7-14 & यशायाह 25

Leave comments on today’s devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मसीह: सत्यनिष्ठा का मानक

हे मेरे बालको, मैं ये बातें तुम्हें इसलिये लिखता हूँ कि तुम पाप न करो; और यदि कोई पाप करे, तो पिता के पास हमारा एक सहायक है, अर्थात् सत्यनिष्ठ यीशु मसीह (१यूहन्ना २:१)।

१यूहन्ना ३:९ कहता है, "जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह पाप नहीं करता ..."। कुछ ने इसको गलत समझा है और इस गलत विचार के साथ दौड़ गए कि जो कुछ वे करते है वह सही है, क्योंकि मसीहो के रुप में वे पाप नही कर सकते। हाँ, मसीही के लिए, पाप अनिवार्य नही है, किंतु हम सत्यनिष्ठा को एक मसीही के कार्यो के द्वारा नही जाँचते है; हम सत्यनिष्ठा को मसीह और उसके वचनो के प्रकाश के द्वारा जाँचते है।

बाइबल बात करती है कि प्रकाश में चलो जैसा वह प्रकाश में है (१यूहन्ना १:७)। आपके कदम परमेश्वर के सत्यनिष्ठा से कितने मेल खाते है? इसी से आप जानते है कि सही और गलत क्या है। अगर आप घोषणा करते है कि जो कुछ आप करते है वह सही है, तो यह आपको सहीपन और सत्यनिष्ठा का मानक बना देता है। किंतु आप सत्यनिष्ठा के मानक नही है।

उदाहरण के लिए, हमने १कुरिंथियो २:१६ में पढ़ा कि, "...हमारे पास मसीह का दिमाग है"; इसका यह अर्थ नही है कि आपके हृदय का हर विचार सही है। हाँ हमारे पास परमेश्वर का सहीपन है, किंतु वह हमे रोमियो १२:२ में बताता है, "इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारे दिमाग के नये हो जाने से तुम्हारा चाल - चलन भी बदलता जाए"। यद्यपि आप नये जन्मे है, तो भी आपके दिमाग को नये बनने की आवश्यकता है।

चलिए हमारे आरंभिक वचन को दोबारा देखते है; यह कहता है, "हे मेरे बालको, मैं ये बातें तुम्हें इसलिये लिखता हूँ कि तुम पाप न करो; ..."। अगर आपके लिए पाप करना संभव नही होता, तो उसने नही कहा होता, "मैं तुम्हें यह लिख रहा हूँ ताकि तुम पाप ना करो"। किंतु, उसी समय यह आपको बताता है कि पाप अनिवार्य नही है; आपको पाप करने की जरुरत नही है। अगले कथन का यही कारण है: " यदि कोई व्यक्ति पाप करे"; नाकि "जब कोई व्यक्ति पाप करे"। वह एक संतुलन को बनाता है।

इस चरम सीमा से, "कि पाप अनिवार्य है जब तक हम शरीर में है", उस दूसरी चरम

सीमा में मत जाईये जहॉ पर, "जो मैं करता हूँ वह सही है"; नही! आपके कार्य, विचार, रवैया, प्रतिक्रियाएँ और आपके उत्तरों को अवश्य ही परमेश्वर के वचन के साथ मेल में होना चाहिए, मसीह की सत्यनिष्ठा के साथ, क्योंकि वह सत्यनिष्ठा का मानक है। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका आपके अनुग्रह और मुझ में काम कर रही सत्यनिष्ठा की सामर्थ के लिए धन्यवाद देता हूँ! मैं पाप और पाप की चेतना से मुक्त जीता हूँ, सत्यनिष्ठा और भले कामो के फलो को पैदा करते हुए, आज और हमेशा मसीह के प्रेम को प्रत्यक्ष करते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 6:1-2; १ यूहन्ना 2:29 AMPC; २ कुरुंथियो 5:21

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 18:1-23 & अय्यूब 9-11

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 1:1-9 & यशायाह 26

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शैतान को कोई स्थान मत दो

मैं अब तुम्हारे साथ और बहुत बातें न करूँगा, क्योंकि इस संसार का सरदार आता है। मुझ पर उसका कोई अधिकार नहीं (यूहन्ना १४:३०)।

शैतानी आत्माएं, अगर उनको कोई मौका या स्थान दिया जाए, तो वे यहाँ तक कि एक मसीही को भी प्रभावित, सता और प्रताड़ित भी कर सकते है। पौलुस प्रेरित ने हम को आज्ञा दी, "और शैतान को कोई स्थान या अवसर (मौका) मत दो"(इफिसियो ४:२७ ए.एम.पी.सी)।

उदाहरण के लिए कुछ मसीही बुरे सपनों का अनुभव करते है, किंतु वह एक सपने के अनुभव से कही ज्यादा वास्तविक होता है। कुछ दूसरी घटनाओं में, यह किसी पशु की आकृती का अनुभव होता है। इन वस्तुओं के विषय में शायद वह व्यक्ति प्रार्थना भी कर रहा है, फिर भी वह स्थिती बनी रहती है।

अधिकतर, यह ऐसा इसलिए होता है क्योंकि शैतान अपने और उस व्यक्ति के बीच में एक संबंध बनाए रखने की कोशिश करता है, उनके हृदयो में कुछ बोने के द्वारा, जैसे कि एक विचार – एक अशुद्ध विचार। जब तक वे लोग शैतान के उन विचारो को रखते और पोषित करते है, एक संबंध स्थापित रहता है। इसलिए, जब वे उसे यीशु के नाम से डराते भी है, पर उसके विचार उनके हृदयो में रहते है, तो वह उस संबंध को बनाए रखता है और वापिस आता रहता है।

कुछ बार, यह डर हो सकता है। वह डर को बोता है और उस संबंध के साथ वह वापिस आता रहता है। जब आप प्रार्थना करते है और उसे डाँटते है, उस वस्तु के कारण जो उसने आपके अंदर रखी है, जिनको बनाए रखने में आप बिना पहचाने उसकी सहायता कर रहे है, वह बार बार वापिस आता रहता है। यही कारण है कि यीशु की तरह, आपके अंदर शैतान का कुछ भी नही होना चाहिए। उसने (यीशु ने) हमारे आरंभिक वचन में कहा, "...क्योंकि इस संसार का सरदार आता है। मुझ पर उसका कोई अधिकार नहीं है"।

अपने हृदय को हर उस वस्तु से मुक्त रखिए जो शैतान की है। डर, क्रोध, कुड़कुड़ाहट, कड़वाहट, और अक्षमाशीलता को रखना मना कर दीजिए। अपने हृदय में प्रेम

को शासन करने दीजिए। कभी भी अपने अंदर डर को मत आने दीजिए, आपके आसपास हो रही गतिविधियो के बावजूद। यीशु ने कहा,"...मैं शैतान को बिजली के समान स्वर्ग से गिरा हुआ देख रहा था (लूका १०:१८)। कभी भी उससे मत डरिए, क्योंकि वह एक हारा हुआ व्यक्ति है, और उसका आपके ऊपर कोई अधिकार नही है।

घोषणा

मैं मसीह यीशु में परमेश्वर की सत्यनिष्ठा हूँ, और मेरे पास जीवन की ज्योति है। अंधकार का मुझ में कुछ भी नही है। यीशु मसीह के लहू के द्वारा जिसके द्वारा मैं निरंतर साफ और शुद्ध किया जाता हूँ, शैतान का मेरे अंदर कोई स्थान नही है। मेरे जीवन में उसका कुछ भी नही है और मैं उसके ऊपर प्रभु यीशु के नाम में शासन करता हूँ! आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 4:27 AMPC; याकूब 4:7; १ यूहन्ना 4:4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 18:24-19:1-7 & अय्यूब 12-14

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 1:10-17 & यशायाह 27

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

वह जानता है आप कहाँ है

तब उसने मुझे उत्तर देकर कहा, जरुब्बाबेल के लिये यहोवा का यह वचन है: न तो बल से, और न शक्ति से, परंतु मेरे आत्मा के द्वारा होगा, मुझ सेनाओ के यहोवा का यही वचन है (जकर्याह ४:६)।

एक व्यक्ति की एक ग्रामीण क्षेत्र में एक दुकान थी। एक समय वह शहर को जाना चाहता था जैसा कि उसके दोस्तो ने किया था। किंतु एक दिन, जब वह प्रार्थना कर रहा था, तो उसने परमेश्वर से सुना, "यहीं बने रहो"। तो वह वही रुका रहा। दो साल बाद, सरकार ने उस क्षेत्र में सड़को को बड़ा करने का कॉन्ट्रैक्ट साईन किया।

सड़क का निर्माण हुआ और वह चौड़ी की गई और वहॉ के रहिवासीयो के साथ उस क्षेत्र में एक नया समझौता हुआ। उसकी दुकान पड़ोस में हर व्यक्ति के लिए एक बहुत ही अच्छी कोने की दुकान बन गई। अचानक ही, उसका व्यवसाय बढ़ने लगा, उस क्षेत्र में अकेली दुकान होने के कारण। शीघ्र ही, जो जगह ग्रामीण और कच्ची सड़क पर थी, वह अचानक से एक बड़ा डिपार्टमेंटल स्टोर बन गई, जहॉ पर हर व्यक्ति व्यवसाय करता था। उसके बहुत सारे दोस्त जो शहरों में गए थे वे वापिस आने लगे, लेकिन उसका पहले से ही मार्केट में एक बड़ा हिस्सा था। कुछ साल बाद, उसने अपने बड़े स्टोरो की श्रृखंला को बनाया।

इससे अंतर नही पड़ता है कि आप कहॉ है, परमेश्वर जानता है कि आप वहॉ है और वह उसके अनुग्रह को आपकी ओर भेजेगा जब तक आप उसके वचन में बने रहते है। हमारा आरंभिक वचन कहता है,यह " ... न तो बल से, और न शक्ति से, परंतु मेरे आत्मा के द्वारा होगा, मुझ सेनाओ के यहोवा का यही वचन है"। जहॉ पर वह आपसे रहने को कहता है वही पर बने रहिए। उसने इसहाक से गरार में बने रहने को कहा यद्यपि दूसरे लोग अकाल के कारण शहर छोड़कर जा रहे थे। बाइबल कहती है, "इसहाक गरार में बना रहा" (उत्पत्ति २६:६)। वह परमेश्वर के स्थान में था, परमेश्वर के समय में, परमेश्वर के उद्देश्य के लिए, परमेश्वर के तरिके से।

१२ वे वचन में इसहाक की आज्ञाकारिता का परिणाम देखिए, "फिर इसहाक ने उस देश में जोता बोया, और उसी वर्ष में सौ गुणा फल पाया; और यहोवा ने उसको आशीष दी"। मनुष्य ने परमेश्वर से सुना और उसने उसके जीवन के रास्ते को बदल दिया। यह परमेश्वर की आशीष कहलाता है! नौकरीयो या व्यवसायो को इसलिए मत

बदलिए क्योंकि आपको लगता था कि दूसरी तरफ का खेत या क्षेत्र हरा है। परमेश्वर से सुनिए। पवित्र आत्मा के द्वारा निर्देशित हो जाईए। वह सच्ची सफलता और महिमा से महिमा में समृद्धि का रास्ता है।

प्रार्थना

सत्यनिष्ठ पिता, मैं आपके वचन के निर्देशन और मेरे जीवन में आपके आत्मा के नेतृत्व के लिए आपका धन्यवाद देता हूँ। आप मुझे निरंतर निर्देशित करते है, अकाल में मेरी आत्मा को संतुष्ट और मेरी ह•यो को मोटा करते है। मैं आपके निर्देशो और आपके सिद्धांतो में चलता हूँ, मेरे उद्देश्य को पूरा करते हुए और महानता, समृद्धि, सफलता और विजय को दर्शाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

भजन संहिता 32:8; नीतिवचन 3:5-6; यशायाह 30:21

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 19:8-41 & अय्यूब 15-18

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 1:18-2:1-2 & यशायाह 28

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

आत्मा के सरल निर्देश

परन्तु परमेश्वर ने जगत के मूर्खों को चुन लिया है कि ज्ञानवानों को लज्जित करे, और परमेश्वर ने जगत के निर्बलों को चुन लिया है कि बलवानों को लज्जित करे (१कुरिंथियो १:२७ सी.ई.व्ही)।

परमेश्वर का वचन बहुत सरल है। उसके निर्देश बहुत छोटे लगते और दिखाई देते है, किंतु जब उनका अनुपालन किया जाता है, तो वे हमेशा आलौकिक परिणामो को पैदा करते है। सोचीए कि जब आप एक दिन चर्च में थे और पास्टर ने कहा, "तीन लोगो से कहो, मैं आशीषित और विजयी हूँ" आप शायद अपने आपसे कहे, "मुझे यह करने की कोई जरूरत नही है" क्यूँ? आपको यह बहुत सरल लगता है कि इसका कोई अर्थ नही है। किंतु वहीं पर बहुतो से चूक हो गई। हमारा आरंभिक वचन कहता है कि परमेश्वर बुद्धिमानो को सरल, छोटी वस्तुओ से भ्रमित करता है।

इसके विषय में सोचीए: जब परमेश्वर ने इस्राएल के बच्चो को उनके सतावकर्ताओं मिस्रीयो से छुड़ाया, तो वह उनको उस रास्ते से नही ले गया जो सही लग रहा था। बाइबल कहती है, "वरन परमेश्वर उनको चक्कर खिलाकर लाल समुद्र के जंगल के मार्ग से ले चला ..." (निर्गमन १३:१८ जी.एन.बी)। तब, लाल समुद्र और बढ़ती हुई सेना के बीच में फँसे हुए, मूसा ने परमेश्वर से हस्तक्षेप के लिए "प्रार्थना" करनी शुरु कर दी। किंतु परमेश्वर ने उसे रोका और कहा, "और तू अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा, और वह दो भाग हो जाएगा; ..."(निर्गमन १४:१६ ए.एम.पी.सी.)।

सोचीए मूसा को दिए गए उस सरल से निर्देश को, इतनी बड़ी परेशानि को सुलझाने के लिए! इसमें कोई "व्यवहारिक बुध्दि" दिखाई नही दे रही थी। कैसे समुद्र के ऊपर एक लाठी को फैलाने से ऐसे मुश्किल समय पर कोई अंतर पैदा होनेवाला था? किंतु इसने किया! मूसा ने निर्देश का पालन किया, समुद्र दो भागो में बँट गया और इस्राएल की संतान सूखी भूमि पर होकर गुजरी। हालेलूयाह! परमेश्वर आज भी ऐसा ही है। वह सरल निर्देशो को देता है।

इसके अतिरिक्त स्वामी के उदाहरण को देखिए: उसने एक मुरझाए हुए हाथवाले व्यक्ति से कहा, "..अपने हाथ को सीधा करो"(मत्ती १२:१३)। कैसे वह व्यक्ति उस हाथ को सीधा कर सकता था जो टेढ़ामेढ़ा था? उसने शायद शिकायत की होती, "श्रीमान, क्या आप यह देख नही सकते है कि यह मुरझाया हुआ है?" किंतु उसने शिकायत नही की; वरन, उसने उस सरल निर्देश का पालन किया और बाइबल कहती है, "उसका हाथ

सही हो गया, जैसा कि दूसरा था"।

परमेश्वर से एक निर्देश चाहे कितना भी सरल क्यूँ ना हो, यह आपके बदलाव के लिए है। उदाहरण के लिए जब आप चर्च में होते है, पवित्र आत्मा की उपस्थिती की चेतना बहुत जरुरी है। जब निर्देश दिए जाते है उनका अनुपालन कीजिए। परमेश्वर हमेशा अवसरो को खोजता है आपको आशीष देने के लिए और आपके जीवनो को महिमा से महिमा में ले जाने के लिए और इस तरह की बहुत सारी आशीषे आत्मा के द्वारा दिए गए सरल निर्देशो में बँधी होती है।

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद उस सलाह के लिए जो मैं आपके वचन से ग्रहण करता हूँ। मेरा ह्रदय आपके वचन और पवित्र आत्मा से आनेवाले निर्देशो पर केंद्रित है। आपका निर्देशन मुझे परिस्थितीयों और जीवन की चुनौतियो के ऊपर रख देता है और मुझे सफलता, विजय, श्रेष्ठता और महिमा के रास्ते में चलाता है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 4:13; नीतिवचन 8:10; २ तीमुथियुस 3:16-17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 20:1-16 & अय्यूब 19-21

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 2:3-12 & यशायाह 29

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 10

अपने भूतकाल के परे देखो

अब बीती हुई घटनाओ का स्मरण मत करो। न प्राचीनकाल की बातो पर मन लगाओ। देखो, मैं एक नई बात करूँगा... (यशायाह ४३:१८-१९)।

बहुत से लोग उनके भूतकाल के विषय में रोते और कुड़कुड़ाते है, कल की गई गलतीयों के द्वारा थके हुए, वरन इसके कि वे भविष्य को आशा के साथ देखे और उन अवसरो को देखे जो यह महान सफलता के लिए प्रस्तुत करता है। इससे अंतर नही पड़ता है कि आपके विरोध में क्या कहा, किया या लिखा गया था; आगे के अपने चमकदार और महिमामय भविष्य को देखिए। वर्तमान और भविष्य पर केंद्रित हो जाईये।

जो लोग कल में जीते है वे अधिकतर कुंठित हो जाते है और सच्चे आनंद का अनुभव नही कर सकते। अपने संबंधो में, कल की गई गलतीयो और गलत जानकारीयो पर केंद्रित मत हो जाईये। कल में कुछ भी सुंदरता या महिमा नही है; इसलिए, अपने जीवन को कल के अनुभवो के आधार पर जीना मना कर दीजिए।

कोई शायद कहना चाहे, "अब जब मेरे पास नई नौकरी है, तो मैं नही चाहता हूँ कि जो मेरे साथ पहले हुआ वह दोबारा हो जाए। मैं इस बार ध्यान रखने वाला हूँ।" तब, भूतकाल के नकारात्मक अनुभवों से प्रभावित होकर, बहुत ज्यादा ध्यान देने के कारण उनकी उत्पादकता, उनकी वास्तविक क्षमता से कम हो जाती है। उनका सर्वश्रेष्ठ अदृश्य रहता है और सुनाई नही देता है क्योंकि उन्होंने पुराने अनुभवो को उनके जीवनो को चलाने दिया था।

परमेश्वर के वचन को ना कि आपके पुराने अनुभवो को आपको चलाने दीजिए। एक बेहतर और अधिक महिमामय आनेवाले कल के आनंद और उत्साह से उत्साहीत हो जाईए। हमारा आरंभिक वचन कहता है, "अब बीती हुई घटनाओ का स्मरण मत करो। न प्राचीनकाल की बातो पर मन लगाओ..."। वह कौन सा भयानक अनुभव है जो आपके दिमाग को छोड़कर नही जा रहा है? इसे जाने दीजिए!

कल की असफलताओं और सफलताओ को आपको भूतकाल का दास बनाने मत दिजिए। वरन, वचन और अपने हृदय में विश्वास के साथ सुसज्जित हो जाईए, उस महिमामय भविष्य को पाने के लिए जो परमेश्वर ने आपके लिए अभिषिक्त किया है, और

वह आपके द्वारा नए और महान कामो को करेगा।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मेरे दिमाग को अपने वचन के द्वारा बदलने और मेरी आत्मा को प्रकाशित करने के लिए कि मैं अपने महिमामय वंश को देखूँ और उसमें चलूँ। मैं कल के अनुभवो के द्वारा पकड़ा जाना मना करता हूँ, क्योंकि मेरा रास्ता एक चमकते हुए प्रकाश की तरह है जो दोपहर तक और अधिक चमकता जाता है, आपकी महिमा के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यशायाह 43:18-19 NIV; फिलिप्पियो 3:13-14

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 20:17-38 & अय्यूब 22-24

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 2:13-21 & यशायाह 30

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **11**

जीवन की यात्रा का आनंद मनाते हुए

चोर किसी और काम के लिये नहीं परन्तु केवल चोरी करने और घात करने और नष्ट करने को आता है; मैं इसलिये आया कि वे जीवन पाएँ, और बहुतायत से पाएँ (भरपूरी तक, उमड़ने तक) (यूहन्ना १०:१० ए.एम.पी.सी)।

मुझे विमान में हमेशा खिड़की की तरफ बैठना पसंद है। खिड़की की सीट से बहुत अच्छे दृश्य दिखाई देते है; यह एक व्यक्ति को अद्वितीय अवसर देता है कि वह उन वस्तुओ के द्वारा उत्साहीत हो जाएँ जो इतनी ऊँचाई से दिखते है: आकाश का बर्फीला विस्तार, पर्वतो की ऊँची चोटियाँ, बादल इत्यादि। अधिकतर, मैं बाहर देखता हूँ और परमेश्वर की सृष्टि की सुंदरता का स्वाद लेता हूँ और उस पर आश्चर्य करता हूँ, मैं कहता हूँ, "आशीषित पिता, आप अद्भुत है! यहाँ बहुत सुंदरता है!"

इसलिए, मैं अपने गंतव्य तक पहुँचने से पहले ही अपनी यात्रा का आनंद उठा लेता हूँ। जीवन भी उसी तरिके से है; एक यात्रा जिसका आनंद मनाया जाना है। अब से लेकर जब तक स्वामी वापस ना आ जाएँ, आनंद मनाने के लिए बहुत कुछ है; इसलिए, किसी को भी एक कुंठित जीवन नही जीना चाहिए। अगर आप अपने आसपास की उन सारी सुंदर वस्तुओं और लोगो पर ध्यान देंगे, उनका आनंद उठाने के लिए, तो आप हर दिन आनंदी रुप से जीएँगे।

यह एक बुद्धिमानी का चुनाव है जब आप अपना मन बनाते है जीवन का आनंद मनाने के लिए और अपने आपको जीवन की साधारण वस्तुओ के साथ आनंदीत करने के लिए। कुछ लोग अपने खाने तक का आनंद नही मनाते है; वे हमेशा गुस्से में खाते है। कुछ लोग गुस्से के साथ उठते है; जब वे गाड़ी चला रहे होते है अपने काम की जगह, व्यवसाय या विद्यालय जाते हुए, तो वे क्रोधित होते है, नाखुश और कुंठित होते है। वे उनके आसपास के सारे प्रेम और सुंदरता को नकार देते है।

हमारे आरंभिक वचन को फिर से पढ़िए: यीशु आया ताकि हमारे पास जीवन हो और हम उसका आनंद मनाये! अपने जीवन का आनंद मनाने का अर्थ केवल एक गेम शो के लिए जाना नही है, या एक कॉमेडी या किसी प्रतिस्पर्धा में भाग लेना नही है। वरन, इसका मतलब है कि अपने जीवन की यात्रा के हर क्षण का आनंद मनाईये; हर उस काम

का आनंद मनाईये जो आप करते है, अगर यह भक्ति के जीवन के साथ मेल खाता है, क्योंकि आप परमेश्वर की एक संतान है और आप जानते है कि परमेश्वर आपके द्वारा उसके सपने को पूरा कर रहा है।

परमेश्वर ने आपको आनंद मनाने के लिए एक जीवन दिया है, किंतु उसको दर्शाने की जिम्मेदारी आपके पास है। परमेश्वर के आनंद को आपके जीवन में इतने प्रकाश के साथ प्रत्यक्ष होने दीजिए जो आप में परमेश्वर की शांति को पूरी तरह से दिखाएं। अपने जीवन के क्षणो का आनंद मनाने का एक सचेत प्रयास कीजिए।

घोषणा

परमेश्वर ने मुझे सारी वस्तुएँ महान रुप से आनंद मनाने के लिए दी है। वह मुझे एक विश्राम, आनंद और महिमा से भरे हुए जीवन में लेकर आया है। मेरे लिए कुछ भी बहुत अच्छा नही है। मैं आज आनंद से भरा हुआ हूँ, सत्यनिष्ठा, स्वास्थ, धन, समृद्धि, और सफलता का वह जीवन जीते हुए जो मेरे पास मसीह में है। परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ तीमुथियुस 6:17; यशायाह 12:3; नीतिवचन 17:22

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 21:1-16 & अय्यूब 25-28

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 3:1-12 & यशायाह 31

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार **12**

एक मसीही की तरह जीएं

> जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह पाप नहीं करता; क्योंकि उसका बीज उसमें बना रहता है, और वह पाप कर ही नहीं सकता क्योंकि वह परमेश्वर से जन्मा है (१ यूहन्ना ३:९ एन.के.जी.व्ही)।

ऊपर के वचन को पूरी तरह से समझने के लिए, आपको इसको सही संदर्भ में पढ़ना पड़ेगा। उस वचन का उद्देश्य वास्तव में इसके पहले के अध्याय के छठवें वचन में है और यह कहता है, "जो कोई यह कहता है कि मैं उसमें बना रहता हूँ, उसे चाहिए कि आप भी वैसा ही चले जैसा वह चलता था"(१ यूहन्ना २:६ एन.के.जी.व्ही)। ध्यान दीजिए इसने नही कहा, "जो कोई कहता है कि वह उसमें बना रहता है वही है जो वैसे चलता है जैसे वह चला"। वरन, यह कहता है अगर आप एक मसीही है, तो आपको एक मसीही की तरह रहना (जीना) चाहिए; ऐसे जीएं जैसे वह (यीशु) जीया।

अब रोमियो ८:६ हमे बताता है, "शरीर पर मन लगाना तो मृत्यु है, परन्तु आत्मा पर मन लगाना जीवन और शान्ति है"। वह यहाँ हमे आत्मा के द्वारा चलना सीखा रहा है। वह कहता है, "पर मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे" (गलातियो ५:१६)। ये सारे निर्देश और दिशाएँ है जो हमे परमेश्वर के वचन में दिए गए हैं।

रोमियो ६:१-२ कहता है, "तो हम क्या कहें? क्या हम पाप करते रहें कि अनुग्रह बहुत हो? बिल्कुल नहीं! हम जब पाप के लिये मर गए तो फिर आगे को उसमें कैसे जीवन बिताएँ?" किसी भी मसीही के पास गलत करने की स्वतंत्रता नही है। आप सत्यनिष्ठा दिखाने के लिए बुलाए गए थे; सहीपन में चलने के लिए बुलाए गए थे। जो जीवन मसीह में हमारे पास है वह पाप – मुक्त है। किंतु अपने विश्वास की यात्रा में, गलतियाँ करना संभव है, इसलिए बाइबल कहती है, "पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम भी ज्योति में चलें, तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं, और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुध्द करता है" (१ यूहन्ना १:७)। उसने हमारे लिए स्वचालित शुद्धीकरण की योजना की थी।

वह आपसे यह आशा करता है कि आप अपने आपको वचन को समर्पित करेंगे, सीखाए और सत्यनिष्ठा में निर्देशित किए जाने के लिए। वचन के द्वारा, आप खोजेंगे कि

आप सारी अधार्मिकता से शुद्ध किए गए है (यूहन्ना १५:३), और आपके पास पाप – मुक्त जीवन जीने की क्षमता है। परमेश्वर की स्तुति हो!

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ आपके अनुग्रह और आपकी सत्यनिष्ठा की सामर्थ के लिए जो मुझ में काम कर रही है! मैं अपने आपको वचन को समर्पित करता हूँ, सीखाए और सत्यनिष्ठा में निर्देशित किए जाने के लिए। पाप की मेरे ऊपर कोई प्रभुता नही है। मेरे अंदर मेरी आत्मा में परमेश्वर का सहीपन है और यह मेरे विचारो, कार्यो और शब्दो में दिखाई देता है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ यूहन्ना 5:18; १ यूहन्ना 2:1; १ यूहन्ना 2:28-29

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 21:17-36 & अय्यूब 29-31

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 3:13-22 & यशायाह 32

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 13

घबराहट पर जय

किसी भी बात की चिन्ता मत करो; परन्तु हर एक बात और हर एक परिस्थिती में तुम्हारे निवेदन (स्पष्ट निवेदन), प्रार्थना और विनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख उपस्थित किए जाएँ
(फिलिप्पियो ४:६ ए.एम.पी.सी)।

आज के विश्व में बहुत से लोग भयभीत है, ना केवल भविष्य के विषय में, किंतु यहाँ तक कि वर्तमान के विषय में भी। आतंक और डर फैला हुआ है, किंतु शब्द "आतंक" नया नही है। अगर आप बाइबल का अध्ययन करेंगे, तो आप आश्चर्यचकित हो जाएँगे कि कितनी बार यह आतंक के विषय में बात करता है। किंतु, यीशु ने हमे सारी चुनौतियो के ऊपर विजय का आश्वासन दिया है। उसने यूहन्ना १६:३३ में कहा, " ... संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैं ने संसार को जीत लिया है"।

आपको घबराने की या किसी भी वस्तु के ऊपर घबराहट के सत्रों की कोई आवश्यकता नही है; क्योंकि आपने पहले ही शैतान, विश्व और उसकी चुनौतियो पर जय पाई है: "हे बालको, तुम परमेश्वर के हो, और तुम ने उन पर जय पाई है; क्योंकि जो तुम में है वह उस से जो संसार में है, बड़ा है" (१ यूहन्ना ४:४)। इसलिए, डरना मना कर दो। घबराहट को रोक दो। घबराहट का अर्थ चिंता करने से है; यह एक बेचैनी की अवस्था है। किंतु हमारा आरंभिक वचन कहता है कि "किसी भी वस्तु के विषय में चिंता मत करो या घबराओ मत"।

अगर आप कहते है, "किंतु मैं चिंतित होना नही रोक पा रहा हूँ", तब आप परमेश्वर पर दोष लगा रहे है कि वह आपसे झूठ बोल रहा है। आप उस पर दोष लगा रहे है कि वह आपसे वह करने को कह रहा है जो आप नही कर सकते। यह तथ्य कि वह कहता है, "चिंता मत करो", इसका अर्थ कि आप बिना घबराहट के जी सकते है। आपकी प्रतिक्रिया यह होनी चाहिए, "धन्य है परमेश्वर! मैं शांति में और मसीह के प्रावधानो में जीता हूँ; मैं घबराता नही हूँ! उसने मुझ से जुड़ी हुई सब वस्तुओ को सिद्ध कर दिया है। हालेलूयाह!" आप परमेश्वर को ऐसे ही उत्तर देते है।

अपने बेटे, अपनी बेटी, अपने पती, अपनी पत्नी, अपने भाई, अपनी बहन, अपने घर के किराए, अपने स्वास्थ, अपनी नौकरी, व्यवसाय, पढ़ाई - लिखाई या किसी भी वस्तु

के विषय में चिंता करना मना कर दो! जब आप ऐसा करेंगे, तो बाइबल कहती है यीशु मसीह में परमेश्वर की शांति जो मानविय समझ के परे है आपके मन और हृदय को घेर लेगी (फिलिप्पियो ४:७)। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ आपके वचन के लिए जो मेरे हृदय में विश्वास को उत्साहीत करता है और डर और घबराहट को भगाता है। मैं डर के हर विचार को अस्वीकार करता हूँ, क्योंकि मैं इस विश्व के अंधकार और डर से सुरक्षित हूँ। जो मुझ में है वो महान है उससे जो इस विश्व में है। मैं प्रभु के आत्मा के द्वारा सामर्थ से भरा हुआ हूँ, और परमेश्वर की शांति जो सारी समझ के परे है मेरे हृदय और मेरे दिमाग को भरती है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

व्यवस्थाविवरण 31:6; २ तीमुथियुस 1:7; मत्ती 6:25-26 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 21:37-22:1-21 & अय्यूब 32-35

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 3:23-29 & यशायाह 33

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

पवित्र आत्मा के द्वारा बलबंत

मैं इसी कारण उस पिता के सामने घुटने टेकता हूँ, जिस से स्वर्ग और पृथ्वी पर, हर एक घराने का नाम रखा जाता है, कि वह अपनी महिमा के धन के अनुसार तुम्हें यह वरदान दे कि तुम उसके आत्मा से अपने भीतरी मनुष्यत्व में सामर्थ्य पाकर बलवन्त होते जाओ (इफिसियो ३:१४-१६)।

हमारे आरंभिक वचन में पौलुस प्रेरित ने आत्मा के द्वारा इफिसुस के मसीहो के लिए प्रार्थना की कि वे अपने आंतरिक मनुष्य में पवित्र आत्मा के द्वारा बलवंत हो जाए। अगर पौलुस ने उनके लिए इस तरिके से प्रार्थना की, तो इसका यह अर्थ होना चाहिए कि उसे पता था कि बलवंत होने का क्या मतलब है और वह अवश्य ही स्वंय भी बलवंत हुआ होगा। इसलिए, वह परमेश्वर से एक वाचा को पूरी करवाने का प्रयास नही कर रहा था या वह नही कर रहा था जो पहले से ही मसीहो के रुप में हमारे पास नही है।

तो फिर क्यूँ पौलुस ने इफिसुस के संतो के लिए उस तरिके से प्रार्थना की? यह ऐसा इसलिए था क्योंकि लोग पवित्र आत्मा की उनमें रहनेवाली उपस्थिती के कारण उनमें काम करती हुई दैविय सामर्थ के पूरे ज्ञान में नही आएँ थे। यह इसलिए था कि वे उस दैविय ऊर्जा के लिए और अधिक सचेत हो जाएं, आत्मा की उस दैविय सामर्थ के लिए जो उनमें अंतर्निहित है। यह "बलवंत होना" स्वर्ग से आने वाला नही था; यह परमेश्वर के आत्मा के द्वारा है जो पहले से ही उनके अंदर है। वह चाहता था कि वे उनके अंदर पवित्र आत्मा की सेवकाई को समझ जाएँ और उसकी सामर्थ में चले।

आपके अंदर एक आत्मा है जो आपको बलबंत करता है। वह आत्मा आपको दैविय सामर्थ और काम करने की योग्यता देता है। हालेलूयाह! यही कारण है कि आपको कभी भी यह मानना और बोलना नही चाहिए कि आप कमजोर है। आपके जीवन में कोई कमजोरी नही है क्योंकि पवित्र आत्मा जो सारी महिमा, प्रभुता और सामर्थ का प्रत्यक्षिकरण है आपमें उसकी परिपूर्णता में रहता है। आपके शरीर का कोई भी भाग बीमारी, रोग, दुर्बलता या शैतान के लिए उपलब्ध नही है। आपमें पवित्र आत्मा आपकी आत्मा, प्राण और शरीर को बलबंत और सदा के लिए जीवित रखता है।

रोमियो ८:११ घोषणा करता है, "यदि उसी का आत्मा जिसने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया, तुम में बसा हुआ है; तो जिसने मसीह को मरे हुओं में से जिलाया, वह तुम्हारी नश्वर देहों को भी अपने आत्मा के द्वारा जो तुम में बसा हुआ है, जिलाएगा"। यह अब एक वाचा नही है किंतु वर्तमान समय की वास्तविकता है। परमेश्वर की महिमा हो!

घोषणा

मेरे व्यक्तित्व का हर कण चमत्कारिक योग्यता के द्वारा ऊर्जित और भरा हुआ है। मैं पवित्र आत्मा के द्वारा मेरे आंतरिक मनुष्य में सामर्थ पाया हुआ और बलबंत हूँ, और इसलिए किसी भी कार्य के योग्य हूँ। मैं सचेत हूँ और मुझ में काम कर रही है उसकी महान दैविय सामर्थ के द्वारा कार्य करता हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 6:10 AMPC; फिलिप्पियो 4:13; कुलुस्सियो 1:9-11

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 22:22-23:1-11 & अय्यूब 36-39

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 4:1-11 & यशायाह 34

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

बुध्दवार 15

वचन के द्वारा समृद्ध होते हुए

तब यहूदी पुरनिये, हाग्गै नबी और इद्दो के पोते जकर्याह के भविष्यद्वाणी करने से मन्दिर को बनाते रहे, और समृद्ध भी हुए। उन्होंने इस्त्राएल के परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार और फारस के राजा कुस्त्रू, दारा, और अर्तक्षत्र की आज्ञाओं के अनुसार बनाते बनाते उसे पूरा कर दिया (एज्रा ६:१४)।

न्यू इंटरनॅशनल अनुवाद ऊपर के वचन को यों कहता है, "तब यहूदी पुरनिये, हाग्गै नबी और इद्दो के पोते जकर्याह के प्रचार के द्वारा मन्दिर को बनाते रहे, और समृद्ध भी हुए "। हमारे वचन के रेखांकित भाग पर ध्यान दीजिए। वे दो भविष्यद्वक्ता – हाग्गै और जकर्याह – उन तक परमेश्वर के वचन को लाएं। और परिणाम लोगो के लिए उत्साह था, और वे बढ़े और प्रबल हुए।

यह अद्भुत है। यह हमे परमेश्वर के वचन का स्थान बताता है – परमेश्वर के वचन की महत्ता और बदलने की सामर्थ के विषय में। इससे अंतर नही पड़ता है कि अगर आप एक व्यवसाय में या विद्यार्थी है; आपके कार्यो के बावजूद, आपको अपने जीवन के लिए परमेश्वर का वचन चाहिए। इसका कोई विकल्प नही है। आपको निर्देशन, उत्साह और सामर्थ के लिए वचन को सीखना और लगातार इस पर मनन करना पड़ेगा। परमेश्वर के वचन की सेवकाई के द्वारा, जो बुद्धि और कौशल्यता आपको अपने अगले स्तर के लिए चाहिए वह आपमें डाली जाएगी। वचन आपकी आत्मा को मजबूत बनाने में आपकी सहायता करता है, ताकि आप किसी भी वस्तु का सामना कर सके और किसी भी स्थिती में जीत सके।

परमेश्वर के पास निश्चित ही आपकी सफलता के लिए एक योजना है; उसने आपकी समृद्धि के लिए पर्याप्त प्रावधान किए है, किंतु वह अपने वचन के बाहर कुछ भी नही करता है। ३ यूहन्ना १:२ में उसने कहा, "हे प्रिय, मेरी यह प्रार्थना है कि जैसे तू आत्मिक उन्नति कर रहा है, वैसे ही तू सब बातों में उन्नति करे और भला चंगा रहे"। आपकी आत्मा वचन पर निरंतर सचेत मनन के द्वारा समृद्ध होती है।

घोषणा

मैं मेरे जीवन में वचन की सेवकाई के लिए समर्पित हूँ। मैं अब्राहम का वंश हूँ, एक आशीष होने के लिए बुलाया गया, और मैं वचन के द्वारा आशीष पाता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ तीमुथियुस 4:15; प्रेरितो के काम 20:32

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 23:12-35 & अय्यूब 40-42

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 4:12-20 & यशायाह 35

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 16

अपने आपको उसके साथ जीवित मानो

क्योंकि वह जो मर गया तो पाप के लिये एक ही बार मर गया; परन्तु जो जीवित है तो परमेश्वर के लिये जीवित है। ऐसे ही तुम भी अपने आप को पाप के लिये तो मरा, परन्तु परमेश्वर के लिये मसीह यीशु में जीवित समझो (रोमियो ६:१०-११)।

ऊपर के वचन में "समझो" शब्द ग्रीक में "लॉगिजोमाय" है। यह एक हिसाब किताब का शब्द है। इसका अर्थ है किसी वस्तु को गिनो या दर्ज करो; दर्ज करो या जोड़ में गिनती करो। उदाहरण के लिए, मरकुस १५:२८ कहता है कि यीशु "गिना गया" (समझा गया) अपराधियों में। यीशु एक अपराधी नही था, फिर भी वह दो अपराधियों के बीच में मरा। वह अपराधियों के बीच में गिना गया।

अब बाइबल कहती है, "अत: उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चले"(रोमियो ६:४)। जब यीशु मरा, हम उसमें और उसके साथ मरे। क्योंकि वह हमारे स्थान में मरा। वह हर उस व्यक्ति के लिए क्रूस पर था जो कभी भी इस विश्व में आया था या आने वाला था।

हमारा आरंभिक वचन इसी की बात करता है जब वह कहता है, " ... ऐसे ही तुम भी अपने आप को पाप के लिये तो मरा, परन्तु परमेश्वर के लिये मसीह यीशु में जीवित समझो"। इसलिए, अब आप घोषणा कर सकते है, "मैं पाप के लिए मरा हुआ हूँ, और मैं परमेश्वर के लिए जीवित हूँ!" यह आपकी वचन की निरंतर घोषणा होनी चाहिए। आप शायद महसूस ना करे कि आप परमेश्वर के नजदीक है, किंतु प्रश्न यह है, कि क्या आप नए जन्मे है? अगर हाँ, तो इस पर ध्यान मत दीजिए, समझिए वह सब जो यीशु ने आपके लिए किया था।

यह कहने कि बजाय, "मैं बहुत कमजोर हूँ; मैं प्रलोभनो को नही रोक पा रहा हूँ जैसे कि दूसरे मसीही कहते है", पहचानिए या अपने आपको पाप के लिए मरा हुआ जानिए! उस व्यक्ति की तरह मत सोचीए, बोलिए या कार्य कीजिए जो पाप के साथ संघर्ष कर रहा है। अपने बोलने के तरिके को बदल दीजिए और जो यीशु ने आपके बदले में किया था उसको ग्रहण कीजिए। यह चेतना आपको सही जीने के लिए सशक्त बनाएगी!

अपने दिमाग को इस्तेमाल कीजिए! अपने आपको पाप के लिए मरा हुआ मानिए।

इसे आपकी वर्तमान समय की मानसिकता होने दीजिए। यह व्यवहारिक तरिका है उसके साथ मेल में आने का, जिस तरह से परमेश्वर आपको देखता और आपके विषय में सोचता है। आप मसीह में थे जब वह मरा, आप उसमें थे जब वह गाड़ा गया, और आप उसमें थे जब वह मरे हुओ में से जिंदा हुआ। वह आपको अब उसमें जीवित देखता है। परमेश्वर की स्तुति हो!

घोषणा

मैं परमेश्वर के लिए जीवित हूँ, और अब मैं उसके प्रिय पुत्र के राज्य में हूँ जहाँ पर मैं आत्मा की सामर्थ के साथ राज्य और शासन करता हूँ! मैं मसीह के पूरे हो चुके कामो में चलता हूँ, जहाँ मैं उसके प्रतिस्थापन के बलिदान का सीधा लाभकारी हूँ। मैं मजबूत हूँ, क्योंकि वह मजबूत है! और मैं जीता हूँ क्योंकि वह जीता है! धन्य है परमेश्वर!

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 2:1; रोमियो 6:4; रोमियो 6:10-11 NIV

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 24:1-27 & भजन संहिताs 1-6

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 4:21-31 & यशायाह 36

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार **17**

वचन वास्तव में भोजन है

क्योंकि मेरा मांस वास्तव में खाने की वस्तु है, और मेरा लहू वास्तव में पीने की वस्तु है (यूहन्ना ६:५५ एन.के.जी.व्ही)।

अभी भी ऐसे लोग है जो परमेश्वर से चिल्लाते है कि वह उन्हें ताजा भरे, और उनकी आत्मिक भूख या प्यास को संतुष्ट करे। यह एक निराधार चिल्लाहट है और शायद इससे कोई परिणाम ना आएँ। उसे पता था कि हम भूखे थे और उसने हमारे लिए स्वर्ग से रोटी भेजी। आज, कोई भी मसीही जो परमेश्वर से भीख माँग रहा है और चिल्ला रहा है कि वह भरा जाएँ, वह अपना समय बरबाद कर रहा है।

जब यीशु ने कहा, "धन्य हैं वे, जो सत्यनिष्ठा के भूखे और प्यासे हैं, क्योंकि वे तृप्त किए जाएँगे" (मत्ती ५:६), तो वह केवल उस संदेश को बता रहा था जो वह यहूदियो के लिए लाया था; नया नियम अभी तक शुरु नही हुआ था। वह मसीहो से बात नही कर रहा था, नई सृष्टियो से।

यूहन्ना ६:३५ में उसने कहा, "...जीवन की रोटी मैं हूँ: जो मेरे पास आता है वह कभी भूखा न होगा, और जो मुझ पर विश्वास करता है वह कभी प्यासा न होगा"। वह रोटी हर उस व्यक्ति के लिए उपलब्ध है जो उसके पास आता है। तब प्रश्न यह है कि: क्या आप उसके पास आ चुके है? अगर आप नए जन्मे है, तो हाँ! आप नए जन्म के कारण उसमें है; तो आप अभी भी भूखे क्यूँ है? रोटी आ चुकी है; यीशु मसीह स्वर्ग से वह रोटी है (यूहन्ना ६:४१)।

इसके अतिरिक्त हमारे आरंभिक वचन से, हमने पढ़ा कि उसका वचन रोटी है, क्योंकि यीशु और उसका वचन एक है। यूहन्ना १:१४ कहता है, "और वचन देहधारी हुआ; और ... हमारे बीच में डेरा किया..."। इसलिए, अगर आप आत्मिक भूख का अनुभव कर रहे है, तो आपको क्या करना चाहिए? आप कैसे भरेंगें? वचनो को "खाईए"; परमेश्वर के वचन की सेवकाई को समर्पित हो जाईए। ठीक अभी, जैसे ही इस अध्ययनिका के द्वारा वचन आपके पास आ रहा है, आप पोषित किए जा रहे है; आप आत्मिक भोजन पा रहे है।

बाइबल कहती है, "...मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं जीवित रहेगा, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुँह से निकलता है" (मत्ती ४:४)। यह रोने और गाने की

जगह कि "प्रभु मैं आपके लिए भूखा हूँ" वचनो का अध्ययन कीजिए, क्योंकि केवल परमेश्वर का वचन ही आपकी भूख को संतुष्ट कर सकता है। अब आप समझ सकते है क्यूँ भविष्यद्वक्ता ने कहा, "जब तेरे वचन मेरे पास पहुँचे, तब मैं ने उन्हें मानो खा लिया, और तेरे वचन मेरे मन के हर्ष और आनंद का कारण हुए; क्योंकि, हे सेनाओ के परमेश्वर यहोवा, मैं तेरा कहलाता हूँ" (यिर्मयाह १५:१६)।

घोषणा

मेरी भूख मसीह के वचन के द्वारा पूरी की जा चुकी है, जो मुझ में उसकी सारी बुद्धि और आत्मिक समझ के साथ महान रुप से रहता है। मेरा जीवन केवल आगे और ऊँचाई के लिए है; मैं सारे भले कामो में फलदायी हूँ जैसे ही मैं परमेश्वर के ज्ञान में बढ़ता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 6:35; प्रेरितो के काम 20:32; १पतरस 2:2

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 25:1-12 & भजन संहिताs 7-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 5:1-12 & यशायाह 37

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **18**

अपने आपको जीत लो

यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और अपनी आत्मा की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा? मनुष्य अपनी आत्मा के बदले क्या देगा? (मरकुस ८:३६-३७)।

पूरे इतिहास में, ऐसे बहुत से विख्यात नेता रहे है जिन्होंने दूसरे मनुष्यों को आधीन किया। पूरा विश्व उनके आधीन था; उनके साम्राज्य के अंतर्गत सबकुछ था। कुछ लोगो को दूसरो के द्वारा इतना सम्मान दिया गया कि वे ईश्वर की श्रेणी में रखे गए। किंतु यीशु ने कहा, "यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और अपनी आत्मा की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा? मनुष्य अपनी आत्मा के बदले क्या देगा?" (मरकुस ८:३६-३७)।

कभी भी इस बात में घमंड मत कीजिएगा कि आपके पास दूसरो को आधीन करने या दूसरो पर प्रबलता पाने की योग्यता है; वरन, उस अधिकार को अपने ऊपर लगाना सीखे। अपने आपको जीत लीजिए! तभी आप वास्तव में जीतते है: जब आप अपने आपसे कहते है, "मैं सही वस्तुएँ करुँगा और केवल सही वस्तुएँ ही बोलूँगा" और इस पर बने रहते है।

जब आपके शब्द और आपके कार्य आपके नियंत्रण में होते है, सचेतरुप से परमेश्वर के वचन के आधीन होते है, तब आप एक सच्ची सफलता के लिए तैयार है। जब आप अपने आपसे कहते है, "कुछ भी बुरा मेरे मुँह से नही निकलेगा"; और आप सचेतरुप से वचन के द्वारा इस तरह का जीवन सुनिश्चित करते है, यह विजय का रास्ता है।

कभी भी शैतान के प्रत्यक्षिकरण जैसे कि क्रोध, घृणा, कड़वाहट, ईर्ष्या और डाह को अपने द्वारा मत दिखने दीजिए या रास्ता मत दीजिए। सुनिश्चित कीजिए कि केवल आशीषे, अनुग्रह और यीशु का प्रेम ही आपके आसपास के हर व्यक्ति के द्वारा देखा और अनुभव किया जाता है। यह चुनाव कीजिए कि आपके विश्व के लिए केवल उसके प्रेम और सत्यनिष्ठा के काम ही आपसे बाहर निकलेंगे ।

प्रार्थना

आशीषित पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ आपके वचन को ग्रहण करने की सुविधा और आशीष के लिए। मेरा दिमाग आपके वचन पर केंद्रित है; श्रेष्ठता की आत्मा मुझ में काम कर रही है, मेरे जीवन में अनुशासन और स्थिरता लाते हुए, सत्यनिष्ठा के फलो को पैदा करते हुए और आपके प्रेम को दिखाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ कुरुंथियो 9:25-27 NLT; नीतिवचन 25:28 AMPC;
नीतिवचन 16:32 CEV

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 25:13-26:1 & भजन संहिताs 11-16

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 5:13-19 & यशायाह 38

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

दूसरो के दर्द के लिए चिंतित हो जाईए

झुको और उन तक पहुँचो जो सताए हुए है। एक दूसरे का भार उठाओ और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूरी करो (गलातियो ६:२ एम.एस.जी)।

सालो पहले एक किशोर की तरह, मैं प्रार्थना में बहुत रोता था, उन लोगो के लिए जो मेरे विश्व में प्रभु को नही जानते थे; पापियों की कष्ट उठाती हुई मानवता, बीमारो और जरुरतमंदो के लिए। मैंने उस बोझ को महसूस किया और मैंने यह सोचा कि यह मेरी जिम्मेदारी थी कि मैं पूरे विश्व में टूटे हुए लोगो के लिए कुछ करुँ। मैं रात में जागता था, आँसूओं के साथ प्रार्थना करता था, जरुरतमंदो, गरिबो और सताए हुओ के लिए।

इसने मुझे उत्साहीत किया एक घर से दूसरे घर में जाने के लिए, अस्पताल, विद्यालयो, गाँव में जाने के लिए कि मैं सुसमाचार का प्रचार करुँ और मैं आज भी वही कर रहा हूँ। अपने ह्रदय को कष्ट उठाती हुई मानवता के दर्द के लिए बंद मत कर दीजिए। बहुत से लोग बहुत कुछ झेल रहे है। कष्ट केवल यह नही है कि उस व्यक्ति ने नौकरी खो दी है; उसके बच्चो के विषय में क्या जो उसके परिणामस्वरुप अब उनकी शिक्षा को पूरा नही कर सकते? उन छोटे बच्चो के विषय में सोचीए जिन्होंने शायद दोनो माँ – बाप खो दिए; उनके लिए जीवन कितना भयानक होगा। उनका भविष्य अंधकारमय हो गया है।

बहुत से परिवार कठिन समयो से गुजर रहे है क्योंकि एक प्रियजन बीमार है या मर गया है; इन सबको आपका ध्यान पाना चाहिए प्रार्थना करने के लिए और सुसमाचार को तेजी से फैलाने के लिए आपके उत्साह को बढ़ाना चाहिए। अगर हम कुछ और को बचा पाएँ, तो शायद कम दर्द होगा। कभी भी अपनी स्थिती के विषय में जरुरत से ज्यादा चिंता मत कीजिए कि आप भूल जाएँ कि दूसरे किस स्थिती से गुजर रहे है।

आपकी आशीष दूसरो को आशीष देने में है। आप उठाए जाते है जब आप दूसरे को उठाते है। इसलिए, हर उपलब्ध माध्यम और रोचक तरिके को इस्तेमाल कीजिए उन तक पहुँचने के लिए जो कि दर्द और कष्ट में है। उनकी चिल्लाहट को नकार मत दीजिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ उद्धार के अद्भुत कार्यो के लिए; धन्यवाद यीशु मसीह के महिमामय सुसमाचार के लिए जिसके द्वारा जीवन और अमरता प्रदर्शित हुई है। मैं पूरे विश्व में इसके फैलाव के लिए कटिबद्ध हूँ, और बहुत से लोग पाप, गरिबी और दर्द से निकाले जाते है मसीह के महिमामय जीवन में लाए जाते हैं। आपका वचन विश्व के देशो में बढ़ रहा है और प्रबल हो रहा है, महिलाओं और पुरुषो को मसीह में उनके उत्तराधिकार में लाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

गलतियो 6:10 AMPC; १ यूहन्ना 3:17 GNB; रोमियो 15:1

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 26:2-18 & भजन संहिताs 17-18

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 5:20-26 & यशायाह 39

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 20

वचन से बुद्धि और दिशा

मैं जानता हूँ कि जो कुछ परमेश्वर करता है वह सदा स्थिर रहेगा... (सभोपदेशक ३:१४)।

परमेश्वर का वचन जीवन में हर वस्तु में लगाया जा सकता है। इसके अंदर की बुद्धि सर्वव्यापी है। २तीमुथियुस ३:१५ कहता है कि वचन आपको बुद्धिमान बनाने के योग्य हैं; उद्धार के लिए बुद्धिमान, परमेश्वर की महिमा को आपमें प्रदर्शित करते हुए। जितना अधिक आप वचनो को पढ़ते है, आपके विचार उतने ही ज्यादा सटीक और शुद्ध होंगे: रोचकता के विचार, नई खोजो के विचार, सिद्धता, योजनाएँ, स्वास्थ और समृद्धि के विचार।

यह वह वस्तु है जो इस्राएल में बहुत यहूदी समझते है और इसका लाभ लेते है; वे कला, विज्ञान, टेक्नोलोजी और यहाँ तक कि अपनी सेना के लिए भी उनके विचारो को पवित्र वचनो से लेते है। वे समझते है कि परमेश्वर द्वारा उत्साहीत विचार गिरते नही है; और यह उनकी अद्भुत विजयों और समृद्धि का राज है।

आपके परमेश्वर-उत्साहीत विचार बने रहेंगे और हर विरोध और विश्व की व्यवस्थाओं को भी हरा देंगे। उदाहरण के लिए जब अर्थव्यवस्था गिर जाएगी, तो भी आप उन्नति करते रहेंगे, क्योंकि आप एक ऊँचे स्तर से खेलते है; आपके विचार और आपकी योजनाएँ परमेश्वर के आत्मा की बुद्धि से आती है, वचन के द्वारा। धन्य है परमेश्वर!

इसके विषय में सोचीए: किसने सोचा होगा कि दाऊद एक गुलेल और पत्थर से गोलियत को मार देगा, गत के दानव को, पलिश्तीयो के चैम्पीयन को? (१शमूएल १७:५०)। कैसे कोई समझा सकता है कि कैसे इसहाक ने खोदा और उसी शुष्क स्थान पर पानी पाया जहाँ पर बहुत से पहले लोग खोद चुके थे और छोड़ चुके थे? उसने दैविय अंर्तदृष्टि पर काम किया जो उसके पास प्रभु से आई थी।

वह अकाल के कारण अपना स्थान बदलने वाला था किंतु परमेश्वर ने कहा, "उस भूमि में बने रहो और मैं तुझे समृद्ध करूँगा"; वही भूमि जहाँ पर अकाल था, उसने केवल वही किया जो परमेश्वर ने उसको करने को कहा था और बाइबल कहती है कि वह, "..बढ़ा और उसकी उन्नति होती चली गई, यहाँ तक कि वह अति महान् पुरुष हो गया" (उत्पत्ति २६:१३)। सफलता के लिए विश्व के विचारो और सिद्धांतो का पालन

मत कीजिए। बुद्धि और उन सही विचारो के लिए, अपना हृदय पवित्र आत्मा और उसके वचनो के लिए खोलिए, जो आपको एक हमेशा बढ़ती हुई महिमा, सफलता और समृद्धि के जीवन के लिए चाहिए।

घोषणा

मेरी सफलता के अगले स्तर के लिए हर वह जानकारी जो मुझे चाहिए वह मुझ तक उपलब्ध है। मेरे पास समझ का एक असाधारण आयाम है; वचन के द्वारा मैं आत्मा की बुद्धि से भरा हुआ हूँ और मैं अपने जीवन में और दूसरो के जीवन में महान वस्तुओ को करवाता हूँ। मैं अदृश्य को देखता हूँ और असंभव को करता हूँ, क्योंकि मेरा दिमाग सफलता के लिए अद्भुत विचारो से अभिषिक्त है। परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 2:6 AMPC; इफिसियो 1:17-18; भजन संहिता 119:105

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 26:19-32 & भजन संहिताs 19-20

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 6:1-9 & यशायाह 40

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

"मसीह आपमें" एक जरुरी बात

जिन पर परमेश्वर ने प्रगट करना चाहा कि उन्हें ज्ञात हो कि अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का मूल्य क्या है, और वह यह है कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है (कुलुस्सियो १:२७)।

कुछ लोग रोते है कि उन्होंने वह सब किया जो वे जानते थे, फिर भी उनके जीवन परमेश्वर के वचन की वास्तविकताओ से बहुत दूर है। वे इस तरह के सवाल पूछते है कि "मैं समृद्ध होने के लिए और क्या करूँ?" "मैं चंगा होने के लिए और क्या करूँ?" वे उनके जीवनो में ऐसे और दूसरे सवालो से जुझते रहते है जिनके वे उत्तर ढूंढते रहते है।

अब, मैं आपको इसके विषय में कुछ बताना चाहता हूँ और यह बहुत जरुरी है: एक दिन, मैं परमेश्वर के साथ एक सुंदर सहभागिता में था उन अद्भुत वस्तुओ के विषय में जो भविष्यद्वक्ताओ ने पुराने नियम में की और वह अद्भुत योग्यता जो परमेश्वर ने उसके बच्चो को दी है। जब मैंने इन वस्तुओ पर मनन किया, वचनो के द्वारा देखते हुए मैंने विचारविमर्श किया, "परमेश्वर क्या चाहता है? उसकी योजना क्या है? अगर हमे उससे कुछ माँगना है, तो हमे उससे क्या माँगना चाहिए?"

तब प्रभु ने मुझ से कहा, "हर वह अच्छी वस्तु जिसकी तुम इच्छा कर सकते थे उसकी तुलना "एक जरुरी बात" से नही की जा सकती जो पहले से तुम्हारे पास है: मसीह आपमें!" आपमें मसीह सब वस्तुओ का समावेश करता है; यह आपको परमेश्वर से सबसे बड़ी वस्तु मिली है। इस सच्चाई की आपकी पहचान और इसकी मान्यता, दूसरी वस्तुओं के लिए आपकी भूख या इच्छा को रोक देगी; आप वास्तव में परमेश्वर से किसी भी वस्तु को माँगने में मूर्खता का अनुभव करेंगे।

अगर केवल आप यह मान ले कि मसीह ने आपके हृदय की कोठरियों में उसका स्थान बना लिया है, तो यह आपके जीवन को बदल देगा। हर वस्तु जो वह देता है वह उसमें है। हर वस्तु जो वह है वह उसमें है। याद रखिए, परमेश्वर की परिपूर्णता – दैवियता का संपूर्णत्व – सदेह यीशु में वास करता है; और हम उसमें संपूर्ण है। अगर यह सच है, तो आप फिर और क्या चाहते है?

यही कारण है कि पौलुस ने कहा, "सारी वस्तुएँ तुम्हारी है"; विश्व तुम्हारा है (१कुरिंथियो ३:२१-२२)। एक बार जब आपके पास यह चेतना होती है, तो विश्व

आपके लिए बहुत छोटा बन जाता है। आपकी निर्भिकता बहुत मजबूत हो जाती है; आपके पास भविष्य का, अंधकार का कोई डर नही होता है, असफलता या कमी का; क्योंकि उसमें आपके पास सारी वस्तुएँ है, आपने सारी वस्तुओ पर जय पाई है; आप एक जयवंत से बढ़कर है। उसका नाम सर्वदा के लिए धन्य रहे!

घोषणा

सारी वस्तुएँ मेरी है। मेरे पास एक स्वस्थ, समृद्ध, जुझारु और सफल जीवन है, क्योंकि मसीह ने मेरे ह्रदय की कोठरियों में अपना स्थान बना लिया है। मेरे पास डरने के लिए कुछ भी नही है; भविष्य का कोई डर नही है; अंधकार का कोई डर नही है; असफलता का कोई डर नही, क्योंकि मसीह मुझमें एक निरंतर विजय और अनंत महिमा के जीवन का आश्वासन है। धन्य है परमेश्वर!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ कुरुंथियो 3:16; १ कुरुंथियो 6:17; कुलुस्सियो 2:9-10

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 27:1-26 & भजन संहिताs 21-22

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 6:10-18 & यशायाह 41

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

प्रार्थना आपको मजबूत बनाती है प्रभु की इच्छा करने के लिए

तब स्वर्ग से एक दूत उसको दिखाई दिया जो उसे सामर्थ्य देता था (लूका २२:४३)।

प्रार्थना के बहुत से लाभो में से एक लाभ यह है कि वह आपको अविश्वास के विरोध में मजबूत करती है, परमेश्वर की इच्छा करने के लिए। अविश्वास केवल जो आप परमेश्वर से चाहते है उसमें विश्वास नही दिखाना नही है । अविश्वास उसको मना करना भी है जो परमेश्वर ने हम से करने को कहा है। सोचीए कि आप नाखुश है किसी वस्तु के विषय में और आप एक कदम उठाना चाहते है और आत्मा कहता है, "कोई जरुरत नही है; इस बात को जाने दो"। फिर भी आप अपने निर्णय के अनुसार करते है; यह भी अविश्वास है।

सोचीए मूसा के विषय में गिनती २० में; परमेश्वर ने उससे कहा कि वह चट्टान से बोले और इस्राएल के बच्चो के पीने के लिए पानी चट्टान से बाहर आएगा। किंतु लोगो पर कुठिंत होने के कारण, मूसा ने चट्टान पर दो बार "प्रहार" किया, चट्टान से "बोलने " के बजाय। प्रभु नाखुश था और उसने मूसा और हारुन से कहा,"...तुम ने जो मुझ पर विश्वास नहीं किया, और मुझे इस्राएलियों की दृष्टि में पवित्र नहीं ठहराया, इसलिये तुम इस मण्डली को उस देश में पहुँचाने न पाओगे जिसे मैंने उन्हें दिया है" (गिनती २०:१२)। मूसा की अवज्ञा अविश्वास का परिणाम थी; परमेश्वर ने तो ऐसा ही कहा था।

शायद, अगर उसने वैसा किया होता जैसा परमेश्वर ने कहा था, तो वह शायद अपने गुस्से से और लोगो के लिए कुंठा से चंगा हो गया होता। प्रार्थना के कारणो में यह भी एक है। प्रार्थना के स्थान में, आपको हर वस्तु और व्यक्ति की चेतना को छोड़ना होता है। जब आप प्रार्थना में होते है, तो आप बुरी बातो को छोड़ देते है, और परमेश्वर की उपस्थिती में दीनतापूर्वक सहभागिता करते है। आपकी आत्मा हर व्यवधान और हर परेशानि से शांत होती है। उस क्षण पर, आप उसके प्रेम और उसकी दिशा के लिए समर्पित हो सकते है।

यद्यपि आपके पास उसको बताने के लिए बहुत सारी वस्तुएँ भी थी, कुछ बार वह आपको टोकता है; आपके बोलने से पहले वह बोलना शुरु कर देता है। अचानक ही, सारा संदेह, गुस्सा और कुंठा गायब हो जाएगा, और आप मजबूत हो जाएँगे। यही हुआ यीशु के साथ, जब उसने पीड़ा के क्षण में प्रार्थना की; बाइबल कहती है, "तब स्वर्ग से एक दूत उसको दिखाई दिया जो उसे सामर्थ्य देता था" (लूका २२:४३)। प्रार्थना के उस स्थान में, उसने परमेश्वर की इच्छा करने की सामर्थ ग्रहण की। इसलिए और अधिक

प्रार्थना कीजिए, विशेषता इन आखरी के दिनो में। जितना अधिक आप प्रार्थना करते है, उतना ही आप आत्मा के दिमाग के द्वारा खेचें जाएँगे, उसके तरिकों में, उसकी योजना और उसकी दिशा में। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ उस शांति के लिए जो मेरे हृदय और दिमाग को घेरे रखती है। धन्यवाद प्रार्थना में आपके साथ सहभागिता के अवसर के लिए और आपकी इच्छा करने की मजबूती पाने और महिमा के लिए जीने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

फिलिप्पियो 2:13; रोमियो 8:26-27; यशायाह 40:31

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 27:27-44 & भजन संहिताs 23-25

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 1:1-14 & यशायाह 42

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 23

अपनी योजनाएँ और अपनी इच्छाएँ परमेश्वर को समर्पित करो

इसलिये हे भाइयो, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर विनती करता हूँ कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ। यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है (रोमियो १२:१)।

बहुत सी बार लोगो के पास इच्छाएँ होती है जो परमेश्वर की योजना के साथ मेल नही खाती है। वे परमेश्वर की इच्छा के विषय में चिंता नही करते है, और परिणामस्वरुप, जो कुछ वे चाहते है वे करते है आशा करते हुए कि किसी तरिके से परमेश्वर उनके कार्यो को ग्रहण करेगा। वे अपनी इच्छा को उस पर थोपने की कोशिश करते है, किंतु वह इस तरिके से काम नही करता है। पूछिए, "आप उन कदमो को क्यूँ उठा रहे है?" और वे लोग आपको बताएँगे, "मैंने इसके विषय में प्रार्थना की है"। जहाँ तक उनका सवाल है, परमेश्वर को उनके कार्यो और चुनावो को ग्रहण करना चाहिए क्योंकि उन्होंने उसके विषय में "प्रार्थना" की है। यह बकवास है!

इस बात में एक अंतर है कि आप कुछ कर रहे है क्योंकि आपने इसके विषय में "प्रार्थना" की है या आप कर रहे है क्योंकि परमेश्वर ने आपसे ऐसा करने को कहा है और वह आपके लिए उसकी इच्छा है। बाद वाली बात सर्वश्रेष्ठ है और सबसे सुरक्षित स्थान है; आपके जीवन के लिए परमेश्वर की इच्छा को पूरा करना। अपने आपको कभी भी उन वस्तुओ को करता हुआ मत पाईये जिनके विषय में आप सोचते है कि आपको परमेश्वर की सहमती की आवश्यकता नही है। क्योकि एक योजना, विचार या इच्छा आपके हृदय में पूरी जिंदगी रही है इसका यह मतलब नही है कि यह परमेश्वर से आई है।

ऐसे लोग है जोकि उनके जन्म से ही शैतानो से जन्मे होते है। कुछ दूसरे ने शैतानो को ग्रहण किया एक ऐसे वातावरण में बढ़ते हुए जो कि बुराई, दुष्टता और शैतानी प्रत्यक्षिकरणो से भरा हुआ था। यही कारण है कि कुछ लोग घटिया इच्छाओ के साथ बड़े होते है जो उनके साथ सालो बनी रहती है और अंत में वे उन पर कार्य करते है।

किंतु अब जब कि आप नए जन्मे है, परमेश्वर आपसे आशा करता है कि आप

अपने शरीर को उसको समर्पित करे एक जीवित बलिदान के रुप में। इसके अतिरिक्त, आपके दिमाग को अवश्य ही उसके वचन के लिए समर्पित होना चाहिए; आपके हृदय को निश्चय ही उसके वचन के द्वारा नियंत्रित होना चाहिए। मनन का यही कारण है। वचन पर मनन करना आपके विचारो को परमेश्वर की वस्तुओ में बचाकर रखता है, आपके जीवन के लिए उसकी इच्छाओं और उद्देश्यो की दिशा में ले जाने के लिए। दिमाग की सांसारिक इच्छाओ पर कार्य मत कीजिए जो कि विश्व और उसकी व्यवस्थाओ के द्वारा उत्साहीत है। वचन पर केंद्रित बने रहिए।

घोषणा

मेरी आत्मा, प्राण, और शरीर परमेश्वर से भरे हुए है; मैं केवल उसके विचारो, इच्छाओं, और योजनाओ को रास्ता देता हूँ। वह मुझ में काम कर रहा है अपनी इच्छा देते हुए और अपनी अच्छी इच्छा करवाते हुए। मेरा जीवन उसकी इच्छा और महिमा का प्रत्यक्षिकरण है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 12:1-2; नीतिवचन 3:5 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 28:1-16 & भजन संहिताs 26-29

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 1:15-23 & यशायाह 43

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 24

उसकी तरह प्रेम कीजिए

उसने कहा, वही जिस ने उस पर दया की। यीशु ने उससे कहा, जा, तू भी ऐसा ही कर
(लूका १०:३७)।

हमारा आरंभिक वचन हमारे प्रभु की एक वकील के साथ बातचित का भाग है जिसने उससे लूका १०:२५ में पूछा था, "...स्वामी, मैं अनंत जीवन को पाने के लिए क्या करूँ?"

अपने उत्तर में, यीशु ने भले सामरी की कहानी सुनाई: एक सैलानी के कपड़े फाड़ दिए गए थे, वह पीटा गया था और सड़क के किनारे अधमरा छोड़ दिया गया था। सबसे पहले एक याजक, फिर एक फरीसी आया और दोनो ने उस व्यक्ति को नकार दिया। आखिर में, एक सामरी आया जिसने उस घायल व्यक्ति की सहायता की।

फिर जैसा हम ने हमारे आरंभिक वचन में पढ़ा यीशु ने उस खोजी वकील से कहा, "...जाओ और तुम भी ऐसा ही करो" (लूका १०:३७); दूसरे शब्दो में, वैसा करो जैसे सामरी मनुष्य ने किया। आज यह आप पर कैसे लागू होता है? इफिसियो ५:१ हमे बताता है कि हम प्रेम में परमेश्वर के अनुकरणी बने।

परमेश्वर और उसके अनंत राज्य की सारी वस्तुएँ प्रेम पर केंद्रित है। वह चाहता है कि हर व्यक्ति इस विश्व में जान ले कि वह उनसे कितना प्रेम करता है। बाइबल कहती है, "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि, उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए" (यूहन्ना ३:१६)। उसका प्रेम हर वस्तु का आधार है और उसने हमे उस प्रेम को दिखाने का और हर जगह इसका प्रचार करने का सम्मान दिया है, क्योंकि यह हमारे हृदय में पवित्र आत्मा के द्वारा ऊँडेला गया है (रोमियो ५:५)।

अपने आपको कटिबद्ध कीजिए कि आप मसीह को जानने में और उसके प्रेम का अनुभव करने में दूसरो की सहायता करेंगे। आपके जीवन को हमेशा प्रभु को दिखाने दीजिए। सामरी ने यही किया; उसने परमेश्वर के प्रेम को प्रदर्शित किया, और हमे भी ऐसा ही करना है।

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ उद्धार के संदेश के लिए जिसके द्वारा मैं मसीह यीशु में आपकी सत्यनिष्ठा बनाया गया हूँ। और अभी, मैं सम्मानित हूँ कि मुझे मेरे विश्व में आपके प्रेम के उस सुसमाचार को फैलाने की जिम्मेदारी दी गई है। मैं अपने अंदर से निरंतर विवश हूँ आपके प्रेम को बताने के लिए और आपकी महिमा, स्तुति और आपके अनुग्रह को दिखाने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 5:1-2; यूहन्ना 13:34-35

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

प्रेरितो के काम 28:17-31 & भजन संहिताs 30-31

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 2:1-10 & यशायाह 44

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार 25

अपने आपको स्वस्थ रखते हुए

हे मेरे पुत्र, मेरे वचन ध्यान धरके सुन, और अपना कान मेरी बातों पर लगा। इनको अपनी आँखों की ओट न होने दे; वरन् अपने मन में धारण कर। क्योंकि जिनको वे प्राप्त होते हैं, वे उनके जीवित रहने का, और उनके सारे शरीर के चंगे रहने का कारण होते है (नीतिवचन ४:२०-२२)।

परमेश्वर का वचन औषधी है; इसके अंदर चंगा करने की सामर्थ है। अगर आप वचन पर मनन करेंगे, तो यह हर और किसी भी प्रकार के रोग और दुर्बलता को आपके शरीर से नष्ट कर देगा। बाइबल कहती है, "उसने अपना वचन भेजा और उन्हें उस व्यवधानों से चंगा किया"(भजनसंहिता १०७:२०)।

परमेश्वर का वचन हर चुनौति के लिए समाधान है। इसकी क्षमता और प्रभावशीलता नकारी नही जा सकती। जैसे ही आप वचन पर मनन करेंगे, आपके जीवन में एक रुपांतरण होगा। अगर आप अपने स्वास्थ में किसी चुनौति का अनुभव कर रहे थे तो निराश मत हो जाईए। परमेश्वर के वचन को धर लीजिए और वहाँ पर एक बदलाव आएगा।

परमेश्वर का वचन आपकी आत्मा में उससे कहीं ज्यादा करता है जो भौतिक भोजन आपके शरीर में करता है। वचन में बने रहिए, और आप हमेशा स्वस्थ और मजबूत होंगे। वचन पर मनन करना आपको रक्त की परेशानि से शुद्ध कर देगा, आपको एच.आय.व्ही. और किसी भी संक्रामित वायरस से छुड़ा देगा; यह आपकी हड्डियो, हृदय और आपकी त्वचा को चंगा करेगा और आत्मिक जीवन को पैदा करेगा! यह उस खतरनाक घाव को भर देगा जो असाध्य हो गया है। उस दुर्बलता से वचन को बोलिए; उस कैंसर से बात कीजिए; उस डायबिटीज से बात कीजीए। उन्हें आदेश दीजिए कि वे चंगे हो जाएँ, और यह ऐसा ही होगा। अपने आपको वचन के द्वारा स्वस्थ बनाये रखिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ कि आपका वचन मेरे शरीर के लिए औषधी और जीवन है। मैं आपके वचन के अविनाशी बीज से जन्मा हूँ; इसलिए, मेरा जीवन आपके वचन के द्वारा चलता है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

भजन संहिता 107:17-20; मत्ती 8:16; भजन संहिता 34:12-13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 1:1-17 & भजन संहिताs 32-34

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 2:11-22 & यशायाह 45

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 26

पाप के लिए मृत, परमेश्वर के लिए जीवित

ऐसे ही तुम भी अपने आपको पाप के लिये तो मरा, परन्तु परमेश्वर के लिये मसीह यीशु में जीवित समझो (रोमियो ६:११)।

ऊपर का वचन नई सृष्टि के विषय में एक गहरी वर्तमान समय की सच्चाई को बताता है: वह पाप के लिए मरा हुआ और परमेश्वर के लिए जीवित है! मसीह जीवन के लिए आपका यही दृष्टिकोण होना चाहिए; आपको अपने आपको पाप के लिए मरा और परमेश्वर के लिए जीवित समझना (गिनना) है । "परमेश्वर के लिए जीवित" का अर्थ है कि आप उसकी वास्तविकता और जीवन के स्तर के लिए जागरुक है, आप उसके साथ निरंतर सहभागिता में है।

इफिसियो २:१ ए.एम.पी.सी कहता है, "उसने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे"। जब यीशु मरा, तो आप उसमें मर गए; जब वह जीवन में वापिस लाया गया, तो आप उसके साथ जीवित हो गए। कुलुस्सियो २:१३-१४ (ई.एस.व्ही) कहता है, "उसने तुम्हें भी, जो अपने अपराधों और अपने शरीर की खतनारहित दशा में मुर्दा थे, उसके साथ जिलाया, और हमारे सब अपराधों को क्षमा किया; और विधियों का वह लेख जो हमारे नाम पर और हमारे विरोध में था मिटा डाला, और उसे क्रूस पर कीलों से जड़कर सामने से हटा दिया है"।

यह वास्तव में अद्भुत है! इससे पहले कि आप मसीह के साथ जीवित बनाये गए, आपके पाप और वह वाचाएँ जो आपके विरोध में थी, वे क्रूस पर थोप दी गई। दूसरे शब्दो में, वे दोनो ही वस्तुएँ -आपके पाप और जो वस्तुएँ आपसे पाप करवाती थी, वे दोनो ही क्रूस पर चढ़ा दी गई।

१कुरिंथियो १५:५६ हमे बताता है कि पाप की सामर्थ नियम है; किंतु, वही वस्तु जिसने पाप को जीवन दिया, जो कि नियम है, वह यीशु में नष्ट किया जा चुका है (इफिसियो २:१५)। उसने आपको पाप, मृत्यु और कब्र के ऊपर विजय दी। अपने आपको उस प्रकाश में देखिए।

परमेश्वर का वचन प्रकाश है, और इसके अलावा यह एक दर्पण है जो आपको दिखाता है कि आप वास्तव में कौन है। २कुरिंथियो ३:१८ कहता है, "परन्तु जब हम सब के उघाडे चेहरे से प्रभु का प्रताप इस प्रकार प्रगट होता है, जिस प्रकार दर्पण में, तो प्रभु के

द्वारा जो आत्मा है, हम उसी तेजस्वी रूप में अंश अंश करके बदलते जाते है"। अब वचन कहता है कि आप पाप के लिए मरे हुए और परमेश्वर के लिए जीवित है, और जैसे ही आप वचन में इस सच्चाई पर मनन करेंगे, आप इस सच्चाई में रुपांतरित हो जाएँगे – उसी स्वरुप में जैसा कि दर्पण में दिखाया गया है।

दर्पण में जिस व्यक्ति का चित्र है वह पाप के लिए मरा हुआ है किंतु परमेश्वर और उसकी सत्यनिष्ठा के लिए जीवित है। तो आपका उत्तर होना चाहिए, "धन्यवाद प्रभु! मैं पाप के लिए मरा हुआ, और परमेश्वर के लिए जीवित हूँ। मैं जीवन के उसके स्तर के लिए जीवित हूँ"। इस वास्तविकता में चलिए। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं परमेश्वर के लिए जीवित हूँ, और राज्य की सच्चाईयो के लिए जागरुक हूँ! वह मेरे लिए वास्तविक है मुझ में और मेरे द्वारा! मैं उसकी आवाज को सुनता और जानता हूँ; मैं उसके विचारो को जानता हूँ, उसकी इच्छा को जानता हूँ और मेरे लिए उसके दैविय विधान में चलता हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 6:7-11; इफिसियो 2:1-6

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 1:18-32 & भजन संहिताs 35-37

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 3:1-12 & यशायाह 46

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मृत्यु के ऊपर प्रबलता

क्योंकि यह जानते हैं कि मसीह मरे हुओं में से जी उठकर फिर मरने का नहीं; उस पर फिर मृत्यु की प्रभुता नहीं होने की (रोमियो ६:९)।

ऊपर का वचन रोमियो के पूरे छठें अध्याय में सबसे अद्भुत वचनो में से एक है, इसकी महत्ता के कारण। यह नही कहता है, " जानते हैं कि यीशु मरे हुओं में से जी उठकर फिर मरने का नहीं "; वरन, यह कहता है "...मसीह मरे हुओं में से जी उठकर फिर मरने का नहीं..." प्रश्न तब यह है कि मसीह कौन है?

मसीह, यीशु और उसका शरीर है –कलीसिया! यीशु सिर है और चर्च उसका शरीर है। शरीर और सिर मिलकर मसीह बनाते है। जब आप इसको व्यक्तिगत बना लेते है; तो यह "यीशु" है। कुछ स्थानो में, उसमें एक उपाधि जोड़ी जाती है और उसे "यीशु मसीह" या "मसीह यीशु" कह जाता है। किंतु जब आप नए नियम को पढ़ते है तो आप "मसीह " को देखते है, अगर संदर्भ दूसरी बात ना बताए, तो इसका अर्थ है यीशु और कलीसिया, उसका शरीर।

अगर मृत्यु की सिर के ऊपर कोई प्रबलता नही है, तो इसकी हाथो, टाँगो, और शरीर के किसी भी भाग के ऊपर प्रबलता नही है। दसवॉ वचन कहता है, "क्योंकि वह जो मर गया तो पाप के लिये एक ही बार मर गया; परन्तु जो जीवित है तो परमेश्वर के लिये जीवित है"। कितना अद्भुत वचन! आपको इसे पढ़कर घोषणा करनी चाहिए, "मैं मृत्यु से जी उठा हूँ!" इस चेतना को बनाए रखिए!

मृत्यु की आपके ऊपर कोई प्रबलता नही है क्योंकि यीशु मसीह के द्वारा, आपके पास अनंत जीवन है; आप जीवन और अमरता में लाए जा चुके है (२तीमुथियुस १:१०)। इसलिए निर्भिक बनिए, क्योंकि मृत्यु को पंगु किया जा चुका है; यीशु के द्वारा हराया जा चुका है। इब्रानियो २:१४-१५ कहता है, "इसलिये जब कि लड़के मांस और लहू के भागी हैं, तो वह आप भी उनके समान उनका सहभागी हो गया, ताकि मृत्यु के द्वारा उसे जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली थी, अर्थात् शैतान को निकम्मा कर दे; और जितने मृत्यु के भय के मारे जीवन भर दासत्व में फँसे थे, उन्हें छुड़ा ले"।

जब यीशु ने मृत्यु को हराया, तो हम उसमें थे। उसके साथ, हमने मृत्यु और कब्र

के ऊपर जय पा ली है। कोई आश्चर्य नही है कि १कुरिंथियो १५:५४-५५ कहता है, “और जब यह नाशवान अविनाशी को पहिन लेगा, और यह मरनहार अमरता को पहिन लेगा, तब वह वचन जो लिखा है पूरा हो जाएगा: जय ने मृत्यु को निगल लिया। हे मृत्यु, तेरी जय कहाँ रही? हे मृत्यु, तेरा डंक कहाँ रहा?”।

घोषणा

मैं मसीह के साथ क्रूसित किया गया हूँ, किंतु मैं जीवित हूँ; किंतु मैं नही, किंतु मसीह मुझ में जीवित है; और जो जीवन शरीर में मैं अब जीता हूँ वह मैं परमेश्वर के पुत्र के विश्वास के द्वारा जीता हूँ! मैं पाप और मृत्यु से मुक्त हूँ। मैं दैविय स्वभाव का एक सहभागि हूँ! परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ कुरुंथियो 15:55-57; रोमियो 8:1-2; यूहन्ना 5:24

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 2 & भजन संहिताs 38-41

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 3:13-21 & यशायाह 47

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

पाप मुक्त जन्मे

और पाप से छुड़ाए जाकर सत्यनिष्ठा के दास हो गए (रोमियो ६:१८)।

पौलुस को ऊपर के वचन में सच्चाई को बताने में भाषा की सीमा के कारण बहुत परेशानि हुई। उसने अगले वचन में कहा, "मैं तुम्हारी शारीरिक दुर्बलता के कारण मनुष्यों की रीति पर कहता हूँ ..."(रोमियो ६:१९)। मैसेज अनुवाद कहता है, "मैं इस स्वतंत्र भाषा को इस्तेमाल कर रहा हूँ क्योंकि इसका चित्र बनाना आसान है..." (रोमियो ६:१९ एम.एस.जी)। उसको इस विचारविमर्श को संसारिक स्तर तक लाना पड़ा, जहाँ पर लोग समझ पाते।

सच्चाई यह है कि नई सृष्टि पाप से "छुड़ाई नही गई थी"; वरन, वह पाप – मुक्त जन्मी था; इन दोनो में एक अंतर है। पाप – मुक्त जन्मे होने का अर्थ है कि आप बिना पाप के जन्मे थे। इसको समझना आसान है जब आप यह जानते है कि नई सृष्टि यीशु मसीह के पुनरुत्थान (ना कि मृत्यु) का परिणाम है। आपका नया जीवन यीशु मसीह के पुनरुत्थान के साथ शुरु हुआ: "अत: उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चले" (रोमियो ६:४)।

२कुरिंथियो ५:१७ कहता है, "इसलिये यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है:..."; एक नई प्रजाति या एक नए प्रकार का मनुष्य, सत्यनिष्ठा में जन्मा जिसका कोई पाप का भूतकाल नही है जिससे वह छुड़ाया जाएं। मसीहत में, हम छुड़ाए नही जाते है; हम मुक्त – जन्मे है! यह हर उस व्यक्ति की सच्चाई है जो कि नया जन्मा है। आप पाप – मुक्त जन्मे है। कोई आश्चर्य नही है रोमियो ६:१४ कहता है, "पाप की तुम्हारे ऊपर कोई प्रभुता नही होगी..."।

पाप के सिद्धांत को तब तक सही से नही समझा जा सकता है जब तक आपके पास सत्यनिष्ठा की शिक्षा की सही समझ ना हो। इसलिए जब बाइबल कहती है, "जब तुम पाप के दास थे, तो सत्यनिष्ठा की ओर से स्वतंत्र थे" (रोमियो ६:२०), कथन "सत्यनिष्ठा से स्वतंत्र" का अर्थ है सत्यनिष्ठा-मुक्त या आप "सत्यनिष्ठा- रहित" थे। दूसरे शब्दो में, आप पाप के एक दास थे, और सत्यनिष्ठा का पालन नही कर सकते थे।

किंतु अब जब कि आप नये जन्मे है, यह उल्टा है; आप सत्यनिष्ठा का अभ्यास

कर सकते है और सत्यनिष्ठा के फलो और कामो को पैदा कर सकते है क्योंकि मसीह यीशु में आपका यही स्वभाव है। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं एक नई सृष्टि हूँ, एक नये प्रकार का मनुष्य; पुरानी बाते बीत गई है और सारी वस्तुएँ नई हो गई है। मैं सत्यनिष्ठा में चलता हूँ और सत्यनिष्ठा के कामो और फलो को पैदा करता हूँ। परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

२ कुरुंथियो 5:17; रोमियो 6:4-7

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 3 & भजन संहिताs 42-44

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 4:1-10 & यशायाह 48

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

वह आपको गिरने से रोकने के योग्य है

अब जो तुम्हें गिरने से बचा सकता है, और अपनी महिमा की भरपूरी के सामने मगन और निर्दोष करके खड़ा कर सकता है, उस एकमात्र परमेश्वर हमारे उध्दारकर्ता की महिमा और गौरव और पराक्रम और अधिकार, हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा जैसा सनातन काल से है, अब भी हो और युगानुयुग रहे। आमीन
(यहूदा १:२४-२५)।

ऊपर का वचन बहुत ही शांतिप्रद है; परमेश्वर आपको गिरने से रोकने के योग्य है और आपको अपनी महिमा की भरपूरी के सामने मगन और निर्दोष प्रस्तुत करने के भी। आपके जीवन में उसकी सेवकाई का यह एक भाग है। उसके नाम को सर्वदा महिमा मिले! अगर हमने पढ़ा होता, "कि वह आपको हमेशा उठाता है जब आप गिरते है", तो भी यह अद्भुत हुआ होता। किंतु उसका काम आपको उठाना नही है हर बार जब आप गिरते है, किंतु आपको गिरने से रोकना है।

कुछ विश्वास करते है कि मसीहो के रुप में, हम गिरते है और फिर हम उठ जाते है, किंतु वचन यह नही कहता है। गिरने में विश्वास मत कीजिए। मानिए जो परमेश्वर का वचन कहता है इसके बजाय कि आप अपने अनुभवो या दूसरो की माने। परमेश्वर के वचन को मानने और जीने में ही सामर्थ और महिमा है। हर बार जब आप वचन की घोषणा करते है, तो यह आपमें जो कहा गया है उसको पैदा करता है। इसलिए, एक गिरने और उठने की मानसिकता होने के बजाय, अधिकतर घोषणा किया कीजिए, "परमेश्वर मुझे गिरने से रोकने के योग्य है; इसलिए, मेरा कोई कदम लड़खड़ाएगा नही। मैं हमेशा खड़ा रहता हूँ, अटल, अचल और हमेशा प्रभु के काम में बढ़ता हुआ। परमेश्वर की महिमा हो!"

आपके आसपास हो रही घटनाओ के बावजूद, यह घोषणा करने में निर्भिक बनिए, "मेरा जीवन केवल आगे और ऊँचाई के लिए है; मैं विश्वास में मजबूत खड़ा हूँ, कुछ भी मुझें हिलाता नही है; मैं मसीह में गहराई से जड़ पकड़ा हुआ हूँ, मेरी मजबूत चट्टान और वह मुझे कभी गिरने नही देता है!" मसीह में इसे अपना मनन और अपनी समझ बनाईये, और आपके जीवन में उसकी सेवकाई पूरी हो जाएगी। धन्य है परमेश्वर!

घोषणा

मेरे पास एक जीवन है जो केवल ऊपर और आगे का है; कोई गिरना या उठना नही, क्योंकि मसीह में, मैं हमेशा ऊँचाई पर हूँ! वह मुझे सत्यनिष्ठा के दाहिने हाथ से उठाता है ताकि मैं कभी लड़खड़ाऊ नही। मेरा रास्ता चमकते हुए प्रकाश का है, जो दोपहर तक और अधिक अधिक बढ़ता जाता है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 4:18; २ पतरस 1:8-10; Jude 1:24-25 TPT

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 4 & भजन संहिताs 45-48

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 4:11-16 & यशायाह 49

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 30

सुसमाचार के साथ अपने विश्व को प्रभावित करते रहो

और उसने उनसे कहा, तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि को सुसमाचार प्रचार करो। जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास नही करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा (मरकुस १६:१५-१६)।

सुसमाचार का प्रचार करना एक ऐसा काम नही है जो आप करना या ना करना चुनते है; यह आपकी बुलाहट है; पृथ्वी पर आत्माओ को जीतना आपका प्राथमिक उत्तरदायित्व है।

२कुरिंथियो ५:१८ कहता है परमेश्वर ने हमारा यीशु मसीह के द्वारा मेलमिलाप कर लिया, और हमे मेलमिलाप की सेवकाई दे दी है। परमेश्वर के लिए आपकी कटिबद्धता को आत्माएँ जीतने के आपके समर्पण में अवश्य ही दिखना चाहिए। इसके विषय में दृढसंकल्पित हो जाईये। पौलुस ने कहा, "मैं सुसमाचार का प्रचार करने के लिए विवश हूँ, और हाय है मुझ पर अगर मैं ना करूँ" (१कुरिंथियो ९:१६)। यह सहजता के विषय में नही है; यह आपसे माँगा जा रहा है; यह एक जिम्मेदारी है जिसका आपको लेखाजोखा देना है और प्रभु से इनाम पाना है जब वह उसके संतो का न्याय करेगा।

१कुरिंथियो ४:१-२ कहता है, "मनुष्य हमें मसीह के सेवक और परमेश्वर के भेदों के भण्डारी समझे। फिर यहाँ भण्डारी में यह बात देखी जाती है कि वह विश्वासयोग्य हो"। सुसमाचार के साथ दूसरो तक पहुँचने में वफादार बनिए। प्रेरित इस कारण के लिए जीएँ। बहुतों ने बहुत से सतावो का सामना किया है और बहुत से सुसमाचार को सुनाने के लिए मारे गए।

इसलिए, अगर आप पर थूका जाएं या मसीह का प्रचार करने के लिए आपसे घृणा की जाएं, फिर भी इसे करते रहिए। अपने विश्व को परमेश्वर के सुसमाचार की सामर्थ के द्वारा सकारात्मक रुप से प्रभावित और बदलते रहिए। इसके लिए बहुत अधिक उत्साही बनिए क्योंकि समय कम है।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मुझे मेरे विश्व के लोगो को सुसमाचार के साथ प्रभावित करने की योग्यता देने के लिए। आज पूरे विश्व से उद्धार की गवाहीयाँ महान रुप से आती है, जैसे ही सुसमाचार प्रचार किया जाता है और प्रसन्नतापूर्वक ग्रहण किया जाता है। धन्यवाद मेरे जीवन में आपकी आशीषो और भरपूरी के प्रावधानो के लिए, और उस निर्भिकता और साहस के लिए जो आपने मुझे सुसमाचार का प्रचार सामर्थ के साथ करने के लिए दिया है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 28:19-20; १ कुरुंथियो 9:16-17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 5:1-11 & भजन संहिता 49-51

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 4:17-24 & यशायाह 50

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उसकी सामर्थ, महिमा, और सत्यनिष्ठा

हे परमेश्वर, तू मेरा परमेश्वर है, मैं तुझे यत्न से ढूँढूँगा; सूखी और निर्जल ऊसर भूमि पर, मेरा मन तेरा प्यासा है, मेरा शरीर तेरा अति अभिलाषी है। इस प्रकार से मैंने पवित्रस्थान में तुझ पर दृष्टि की, कि तेरी सामर्थ्य और महिमा को देखूँ
(भजनसंहिता ६३:१-२)।

यद्यपि परमेश्वर की महिमा और परमेश्वर की सामर्थ जैसे शब्दो को वचनो में कहीं कहीं पर एक दूसरे के स्थान में इस्तेमाल किया गया है, पर वे वास्तव में एक जैसे नही है। उदाहरण के लिए, जब परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह चट्टान से बात करे, तो परमेश्वर चाहता था कि उसकी महिमा दिखाई दे। किंतु इसके बदले में मूसा ने चट्टान पर प्रहार किया, और परमेश्वर की सामर्थ दिखाई दी।

किंतु, मूसा के लिए परमेश्वर के उत्तर से हम जान गए कि वह इसके विषय में खुश नही था क्योंकि उसने मूसा को यह कहकर डाँटा, "तुम ने मुझे लोगो के सामने महिमा नही दी" (गिनती २०:११-१२)। इसलिए, बिंदू यह है: महिमा सामर्थ से बड़ी है क्योंकि महिमा में ना केवल परमेश्वर की सामर्थ है किंतु परमेश्वर का अनुग्रह और सत्यनिष्ठा भी है। वास्तव में परमेश्वर की महिमा ही वह शब्द है जो उसकी सारी भव्यता और उसकी सारी सत्यनिष्ठा को समाहित करता है। वह उसकी सत्यनिष्ठा को उसकी महिमा में प्रदर्शित करता है।

उसकी सामर्थ हमारे द्वारा दिखाई जाती है उसके उद्देश्य को पूरा करने में। किंतु, उस सामर्थ का गलत इस्तेमाल किया जा सकता है जैसा कि पौलुस ने १कुरिंथियो ९:१८ में कहा, "तो मेरी कौन सी मजदूरी है? यह कि सुसमाचार सुनाने में मैं मसीह का सुसमाचार सेंत मेंत कर दूँ, यहाँ तक कि सुसमाचार में जो मेरा अधिकार है उसको भी मैं पूरी रीति से काम में न लाऊँ"। इसलिए, किसी के लिए उस परमेश्वर की सामर्थ को गलत तरिके से इस्तेमाल करना संभव है। किंतु आप कभी भी परमेश्वर की महिमा को गलत तरिके से इस्तेमाल नही कर सकते।

हमेशा, परमेश्वर चाहता है कि हम उसकी महिमा को दिखाएं, और उसको करने के लिए, आपको उसके अनुग्रह और साथ साथ सत्यनिष्ठा में भी चलना पड़ेगा; क्योंकि वे एक साथ चलते है।

प्रार्थना

धन्यवाद प्रभु, क्योंकि आपने मुझे एक अंधकार से भरे विश्व में प्रकाश बना दिया है, और मेरा प्रकाश हर जगह चमकता है। मैं अपने विश्व को प्रभावित करता हूँ ना केवल आपकी सामर्थ के द्वारा किंतु आपकी महिमा और सत्यनिष्ठा के द्वारा, आज और हमेशा बुद्धि और प्रेम के द्वारा, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 2:11; मत्ती 6:13b; १पतरस 2:9 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 5:12-21 & भजन संहिता 52-55

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 4:25-32 & यशायाह 51

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उध्दार की प्रार्थना

हम विश्वास करते है कि आप इस अध्ययनिका के द्वारा आशिषित हुए है। इस प्रार्थना को करने के द्वारा हम आपको यीशु मसीह को अपने जीवन का प्रभु बनाने के लिए आमंत्रित करते है:

“ओ प्रभु परमेश्वर, मै अपने पूरे:दय से यीशु मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता हूँ। मै विश्वास करता हूँ कि वह मेरे लिए मरा और परमेश्वर ने उसे मरे हुओ मे से जीवित किया। मै विश्वास करता हूँ कि आज वह जीवित है। मै अपने मुँह से घोषणा करता हूँ कि आज से यीशु मसीह मेरे जीवन का प्रभु है। उसके द्वारा, और उसके नाम में, मेरे पास अनंत जीवन है; मै नया जन्मा हूँ। धन्यवाद परमेश्वर, मेरी आत्मा को बचाने के लिए! अब मै परमेश्वर की एक संतान हूँ। हालेलुयाह!

बधाई! अब आप परमेश्वर की एक संतान है। एक मसीह के रूप में, आप कैसे बढ सकते है, के विषय में अधिक जानकारी ग्रहण करने के लिए, कृपया नीचे लिखे किसी भी नंबर के द्वारा हमसे संपर्क किजिए:

UNITED KINGDOM:
+44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

NIGERIA:
+234 1 8888186

CANADA:
+1 416-667-9191

SOUTH AFRICA:
+27 11 326 0971

USA:
+1(800) 620-8522

लेखक के विषय में

पास्टर क्रिस औयाखिलोमे, बिलिवर्स लववर्ल्ड इनकॉर्पोटेड के प्रेसिडेंट है, जो एक प्रभावी, बहुमुखी, विश्व स्तरिय सेवकाई है, वे वास्तविकता संग्रह के लेखक है, विश्व की नंबर एक दैनिक अध्ययनिका, और तीस से अधिक दूसरी पुस्तको के भी। वो परमेश्वर के वचनो के एक वफादार सेवक है, जिनके संदेशो ने बहुतो के हृदय में दैविय जीवन की वास्तविकताओ को लाया है।

करोडो लोग उनके टेलिविजन ब्राडॅकास्ट "चमत्कारो के लिए वार्तावरण," के द्वारा प्रभावित हुए है, जो परमेश्वर की दैविय उपस्थिती को ठीक लोगो के घरो तक लेकर जाता है। इस टेलिविजन सेवकाई का विस्तार पूरे विश्व में लववर्ल्ड सेटेलाइट टेलिविजन नेटर्वकों के द्वारा होता है, जो कि एक विश्व स्तरिय सभा तक गुणवत्ता के मसीही प्रोग्राम लाते है।

विश्वविख्यात, चंगाई विद्यालय में वह यीशु मसीह के कार्य को प्रत्यक्ष करते है और उन्होंने पवित्र आत्मा के काम करते हुए वरदान के द्वारा बहुतो की चंगाई ग्रहण करने में सहायता की है।

पास्टर क्रिस में परमेश्वर की उपस्थिती के साथ पूरे विश्व के लोगो तक पहुँचने का उत्साह है –एक दैविय आज्ञा, जिसको उन्होंने तीस साल से अधिक वर्षो से किया है, विभिन्न आऊटरिचों के द्वारा, क्रूसेडो के द्वारा, और बहुत से अलग तरिको के द्वारा, जिसके द्वारा करोडो लोगो ने परमेश्वर के वचन के द्वारा एक विजयी और उद्देश के जीवन का अनुभव किया है।

LoveWorld Publishing

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

Chris Oyakhilome

LoveWorld Publishing

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from the *King James Version* of the Bible.

A KEY FOR OTHER BIBLE VERSIONS USED:

NKJV	-New King James Version
AMP	-The Amplified Bible
AMPC	-The Amplified Classic Bible
TANT	-The Amplified New Translation
TLB	-The Living Bible
CEV	-Contemporary English Version
NASB	-New American Standard Bible
ISV	-International Standard Version
NIV	-New International Version
MSG	-The Message Translation
WEB	-The World English Bible
TNLT	-The New Living Translation
ASV	-American Standard Version
TEV	-Today's English Version
RSV	-Revised Standard Version
GNB	-Good News Bible
WNT	-Weymouth New Testament
NRSV	-New Revised Standard Version
MOFFAT	-Moffatt New Translation
WESNT	-Wesley New Testament
EBR	-Rotherham's Emphasized Bible
DRB	-Douay-Rheims Bible

वास्तविकता संग्रह...वास्तविकता संग्रह

ISSN 1596-6984

अप्रैल 2020 edition

Copyright © 2020 by LoveWorld Publishing

FOR MORE INFORMATION AND TO PLACE ORDERS:

UNITED KINGDOM:
Unit C2, Thames View Business Centre, Barlow Way Rainham-Essex, RM13 8BT.
Tel.: +44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

SOUTH AFRICA:
303 Pretoria Avenue
Cnr. Harley and Braam Fischer,
Randburg, Gauteng 2194
South Africa.
Tel.:+27 11 326 0971

USA:
Christ Embassy Houston,
8623 Hemlock Hill Drive
Houston, Texas. 77083
Tel.: +1(800) 620-8522

CANADA:
LoveWorld Publishing Canada
4101 Steeles Ave W, Suite 204
Toronto, Ontario
Canada M3N 1V7
Tel.:+1 416-667-9191

NIGERIA:
Plot 97, Durumi District, Abuja, Nigeria.

Plot 22/23 Billingsway Road, Oregun,
Ikeja, Lagos.
P.O. Box 13563 Ikeja, Lagos
Tel.: +234 1 8888186

www.rhapsodyofrealities.org
email: rorcustomercare@loveworld360.com

All rights reserved under International Copyright Law. Contents and/or cover may not be reproduced in whole or in part in any form without the express written permission of LoveWorld Publishing.

भूमिका

हुर्रे ! आपकी प्रिय दैनिक अध्ययनिका, वास्तविकता संग्रह अब २०१०, भाषाओं में उपलब्ध है और लगातार बढ़ रही है। हमें विश्वास है कि अध्ययनिका का २०२० का अंक ने आपकी आत्मिक वृध्दि और विकास को बढ़ाया है और आपको आपके सभी प्रयासो मे असाधारण सफलता के लिए सही स्थान में रख दिया है।

इस अंक के जीवन बदलने वाले विचार आपके विश्वास को ताजा करेंगे, बदल देंगे और स्फूर्ति देंगे, जैसे ही आप परमेश्वर के वचन के साथ एक प्रतिफल देनेवाले अनुभव में जुडते है।

- वास्तविकता संग्रह अध्ययनिका को कैसे इस्तेमाल करे -

- हर लेख को पढो और सावधानीपूर्वक इसपर मनन करो। प्रतिदिन जोर से प्रार्थनाओ और घोषणाओ को कहना, सुनिश्चित करेगा कि जो परमेश्वर का वचन आप बोल रहे है, वह आपके जीवन में पूरा होता है।
- एक-वर्षीय अध्ययन योजना के साथ, या दो वर्षीय अध्ययन योजना के साथ संपूर्ण बायबल को पढो।
- आप दैनिक बायबल अध्ययन खंडो को दो भागो में भी बाँट सकते है - सुबह और शाम अध्ययन
- हर महिने के लिए प्रार्थनापूर्वक अपने लक्ष्यो को लिखने के लिए अध्ययनिका का इस्तेमाल करो, और अपनी सफलता को मापो, जैसे ही आप एक के बाद एक लक्ष्य को प्राप्त करते है।

हम आपको परमेश्वर की महिमामयी उपस्थिति और विजय का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते है, जैसे ही आप उसके वचन की एक दैनिक खुराक को लेते है! हम आपसे प्रेम करते है! परमेश्वर आपको आशिष दे!

-पास्टर क्रिस औयाखिलोमे

व्यक्तिगत जानकारी

नाम:

पता:

टेलीफोन:

Mobile:

E-mail address:

Business address:

Goals for the Month:

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **1**

प्रभु की सेवा अपने जीवन के साथ करो

क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहेगा वह उसे खोएगा, परन्तु जो कोई मेरे लिये अपना प्राण खोएगा वही उसे बचाएगा (लूका ९:२४).

एक व्यक्ति ने अपने मसीही बेटे को सलाह दी कि वह यीशु मसीह के लिए बहुत ज्यादा सक्रिय ना हो जाएं। उस व्यक्ति को चिंता थी कि उसका बेटा यीशु मसीह की सेवा और सुसमाचार का प्रचार करने के कारण अपने जीवन को खो सकता है। किंतु पुत्र ने उत्तर दिया, "पिताजी, मैं केवल वही कर रहा हूँ जो यीशु ने कहा कि मैं करूँ; मैं उसकी सेवा अपने जीवन के साथ कर रहा हूँ।"

वह मनुष्य बुरा मान गया और उसने कड़ावट से भरकर कहा, "तुम वह कर रहे हो जो यीशु मसीह ने तुम से करने को कहा है? यही कारण था कि वह जवान ही मर गया; तैंतीस साल में ही! उन्होंने उसे मार डाला!" उस मनुष्य की तरह, ऐसे बहुत से लोग है जो ना तो मसीह के उद्देश्य को समझते है और ना ही उसके जीवन के अर्थ को। इससे अंतर नही पड़ता है कि आप कितना लंबा जीते है; यह उस जीवन के विषय में है जो आप जीते है।

सच्चाई यह है कि ऐसे लोगो की परेशानि वास्तव में यह नही है कि वे लंबा जीना चाहते है या वे चाहते है कि उनके प्रिय लोग लंबे समय तक जीवित रहे। अगर यही बात होती, तो परमेश्वर ने उनसे अनंतता की वाचा की है; उनकी सच्ची परेशानि मौत का डर है।

जब तक एक मनुष्य को मृत्यु का डर प्रभावित करता है, तब तक वह अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमताओ तक नही जी सकता; वह जीवन में अपनी बुलाहट को पूरा नही कर सकता। वह उन बातो को कहेगा और करेगा जिनमें वह वास्तव में विश्वास नही करता है, केवल अपने जीवन को बचाने के लिए। किंतु हमने हमारे आरंभिक वचन में पढ़ा, "....हर व्यक्ति जो अपने जीवन को बचाना चाहेगा वह उसको खो देगा...।" अनारक्षित रुप से अपने जीवन को यीशु के लिए जीएं! आपको यह कहने के योग्य होना चाहिए, "चाहे कुछ भी क्यूँ ना हो जाएँ, मैं यीशु मसीह और उसके राज्य के लिए खड़ा होने वाला हूँ! चाहे कुछ भी क्यूँ ना हो जाएँ मैं सुसमाचार का प्रचार करूँगा!"

याद रखिए उसने लूका १०:१९ में क्या कहा, "देखो, मैं ने तुम्हें साँपों और बिच्छुओं को रौंदने का, और शत्रु की सारी सामर्थ्य पर अधिकार दिया है; और किसी वस्तु से तुम्हें

कुछ हानि न होगी"। जैसे ही आप सुसमाचार का प्रचार करते है, विशेषता इन आखिरी दिनो में, अभय रहिए, क्योंकि प्रभु स्वंय ही आपकी सुरक्षा है। ठीक अभी, वह आपसे उन्हीं शब्दो को कह रहा है जो उसने पौलुस प्रेरित से प्रेरितो के काम १८:१० में कहे थे, "क्योंकि मैं तेरे साथ हूँ, और कोई तुझ पर चढ़ाई करके तेरी हानि न करेगा; क्योंकि इस नगर में मेरे बहुत से लोग है"।

घोषणा

मैं जीवन के स्तर में जीता हूँ, जहाँ पर मृत्यु की कोई सामर्थ नही है। मैं मसीह के साथ क्रूसित किया गया हूँ; पर मैं जीवित हूँ; किंतु मैं नही जीता, वरन मसीह है जो मुझ में जीता है, और जो जीवन अब मैं शरीर में जीता हूँ, मैं उसे परमेश्वर के पुत्र के विश्वास के द्वारा जीता हूँ जिसने मुझ से प्रेम किया और अपने आपको मेरे बदले में मरने के लिए दे दिया। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

कुलुस्सियो 3:23-24; १ कुरुंथियो 15:58; प्रेरितो के काम 20:24

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 6:1-14 & भजन संहिता 56-59

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 5:1-8 & यशायाह 52

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 2

अपने स्वंय के विश्वास को जाँचो

अपने आप को परखो कि विश्वास में हो कि नहीं। अपने आप को जाँचो ...
(२कुरिंथियो १३:५)।

ऐसे लोग है जो सोचते है कि प्रभु ही है जो आपदाओ को आने देता है या उन दुर्भाग्यो के लिए जिम्मेदार है जिससे लोग कष्ट उठाते है। यह उस व्यक्ति की तरह है जो दु:खड़ा रो रहा था, "मैं परमेश्वर की सेवा कर रहा हूँ, हर दिन उसके लिए काम कर रहा हूँ; फिर भी उसने शैतान को मेरे बच्चे को मारने दिया।" किंतु यह सच नही हो सकता! प्रभु बुराई या उन दुर्घटनाओ के लिए जिम्मेदार नही है जो लोग अनुभव करते है; यह उसके स्वभाव से मेल नही खाता है। वह प्रत्यक्ष प्रेम है; उसमें थोड़ा भी अंधकार नही है।

जिन वस्तुओं से आपने कष्ट उठाया अगर वे यीशु मसीह के सुसमाचार के प्रावधानो से मेल नही खाती है, तो वे परमेश्वर से नही आई। जीवन आत्मिक है और आप अपने जीवन के लिए जिम्मेदार है – उन वस्तुओं के लिए जो आपके साथ हुई। यह आपके विश्वास और आप इसे कैसे इस्तेमाल करते है, के विषय में है। यीशु ने मत्ती १७:२० में कहा, " ... यदि तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर भी हो, तो इस पहाड़ से कह सकोगे, यहाँ से सरककर वहाँ चला जा, तो वह चला जाएगा; और कोई बात तुम्हारे लिये असम्भव न होगी।" यह एक सार्वभौमिक घोषणा है; तो सवाल यह है कि आप अपने विश्वास के साथ क्या कर रहे है? आप अपने विश्वास को कैसे काम पर रख रहे है?

बाइबल कहती है, "सत्यनिष्ठ विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा..." (इब्रानियो १०:३८)। हर दिन की जीवन की चुनौतियो को अपने विश्वास के साथ निपटाना आपकी जिम्मेदारी है। याकूब १:२२ कहता है, "परन्तु वचन पर चलनेवाले बनो, और केवल सुननेवाले ही नहीं जो अपने आप को धोखा देते है।" यही चाबी है; वचन को करना। आप अपने विश्वास पर कार्य करते है वचन को "करके "; हम वचन अभ्यासी है।

अगर वस्तुएँ उस तरिके से नही हो रही है जिस तरिके से आप चाहते थे, तो गलती परमेश्वर की नही है, क्योंकि वह सिद्ध है। और क्योंकि वह सिद्ध है, तो आपको कहीं और ढूंढना पड़ेगा कि क्या गलत हो गया। ऐसा हो सकता है कि आपने उसको या उसके वचनो को ठीक से नही समझा। हो सकता है कि आपने सटिक रुप से वह नही किया जो

उसने कहा था; या आपका उसको करने का समय गलत था। इसलिए, सही काम यह होगा कि आप अपने स्वंय के विश्वास को जाँचे जैसा कि हमने हमारे आरंभिक वचन में पढ़ा।

जो विश्वास का जीवन हमे दिया गया है वह एक धोखा नही है। प्रभु विश्वास के पीछे छुप नही रहा है ताकि उसे वह ना करना पड़े जो उसने कहा था वह करेगा। विश्वास हमेशा कार्य करता है। अगर इसने कार्य नही किया, तो यह विश्वास था ही नही। अपने विश्वास को परमेश्वर के ज्ञान के द्वारा प्रतिदिन बढ़ाकर बढ़ाते रहिए ।

प्रार्थना

प्यारे पिता, आप सिद्ध है, और आपमें कोई भी छाया नही है, और ना ही आप बदलते है। मैं अपने जीवन का नियंत्रण लेता हूँ, अपने विश्वास को आपके वचन के द्वारा बढ़ाते हुए और इस्तेमाल करके मजबूत बनाते हुए। इसलिए मैं हर स्थिती और परिस्थिती में इसके द्वारा विजयो और जयो को पैदा करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

भजन संहिता 18:30; २ कुरुंथियो 1:20; इब्रानियो 13:8

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 6:15-7:1-6 & भजन संहिता 60-63

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 5:9-16 & यशायाह 53

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 3

हमेशा धन्यवाद देते हुए

और सदा सब बातों के लिये हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम में परमेश्वर पिता का धन्यवाद करते रहो (इफिसियो ५:२०)।

मानविय मस्तिष्क दो प्रमुख भागो में बँटा हुआ है, दायां भाग और बायां भाग। बायां भाग वह है जहाँ पर आप तर्कर्वितर्क, गणना और योजना बनाते है। यह बहाने भी बनाता है। उदाहरण के लिए अगर आपके करने के लिए काम है किंतु आप कहते है, "मुझे नही पता कि मैं इस काम को कर पाऊँगा या नही, इस या उस कारण की वजह से; यह आपके दिमाग का बायां हिस्सा काम कर रहा है। यह सफलता या असफलता के लिए कारणो को पैदा करता है।

दूसरी ओर आपके मस्तिष्क का दायां भाग वह है जो तुरंत ही चित्रो को पकड़ता है, रचनाओ का निर्माण करता है, और उत्तरो को देता है। यह रचनात्मकता, सुंदरता, रंगो को पैदा करता है। किंतु दु:खद रुप से क्योंकि हमारे आसपास का विश्व इंद्रिय-शासित है, हमे तर्कर्वितर्क करना ज्यादा सीखाया जाता है। इसलिए, बहुत से लोग अपने मस्तिष्क (बाई तरफ) की तर्कर्वितर्क की क्षमता पर निर्भर रहते है, और इसके परिणामस्वरुप, वे रचनात्मक नही होते है; वे स्पष्ट उत्तरो को पैदा नही करते है।

किंतु, यह ध्यान देना जरुरी है कि आपके मस्तिष्क के दाएँ भाग को शुरु किया जा सकता है, और उसको शुरु करने का सबसे अच्छा तरिका वह है जो परमेश्वर ने हमे हमारे आरंभिक वचन में दिखाया: "और सदा सब बातों के लिये हमारे ... परमेश्वर पिता का धन्यवाद करते रहो"। परमेश्वर जानता है कि यह कार्य करता है, क्योंकि उसने आपकी सृष्टि की है। उसे पता है कि अगर आप हमेशा धन्यवादित होंगे, तो आपके पास आपकी स्थितीयो के बावजूद एक आनंद का रवैया होगा और आप समाधानो और उत्तरो की सृष्टि करने के योग्य होंगे। यही पर आप रंगो को, सुंदरता को और जीवन के चमकदार भाग को देख पाएँगे।

इसलिए, सारी वस्तुओं के लिए हमेशा धन्यवाद देना सीखे। इससे अंतर नही पड़ता है कि आप कर्जे में है या जिनको आपने पैसा दिया है उनमें से बहुत सारे लोग पैसा चुकाने में असमर्थ है; धन्यवाद दीजिए! शायद आपके मकान मालिक ने आपको छोड़ने का नोटिस दिया हो; फिर भी धन्यवाद दीजिए! शायद आपने सुना कि वह कंपनी या संस्था जहाँ पर आप काम कर रहे थे वह लोगो को निकाल रही है और आपका नाम भी उस सूची

में है, धन्यवाद दीजिए! इन चुनौतियो के बावजूद धन्यवाद दीजिए!

बाइबल हमे बताती है कि सब वस्तुओ में धन्यवाद देना मसीह यीशु में आपके विषय में परमेश्वर की इच्छा है (१थिस्सलुनीकियो ५:१८)। इब्रानियो १३:१५ वचन कहता है, "इसलिये हम उसके द्वारा स्तुतिरूपी बलिदान, अर्थात् उन होठों का फल जो उसके नाम का धन्यवाद करते हैं, परमेश्वर को सर्वदा चढ़ाया करे"। जब आपके पास यह रवैया होता है – धन्यवादिता का रवैया – तो आपका जीवन विजय, महिमा, आनंद और अनंत गवाहीयो का होगा। हालेलूयाह!

प्रार्थना

आशीषित पिता, आप दयालु और कृपालु है! मैं अपने हृदय की गहराई से आपके अनुग्रह, दया, बुद्धि और उस सामर्थ के लिए आभारी हूँ जिसके द्वारा मैं आज विजयी रुप से जीता हूँ और अपने सारे कार्यो में समृद्ध होता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१थिस्सलुनीकियो 5:18 AMPC; १ इतिहास 16:8-10

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 7:7-25 & भजन संहिता 64-67

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 5:17-24 & यशायाह 54

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मंगलवार 4

परमेश्वर के वचन पर जीते हुए

तब उसने उनसे कहा, तुम्हारा विश्वास कहाँ है? पर वे डर गए और अचम्भित होकर आपस में कहने लगे, यह कौन है जो आँधी और पानी को भी आज्ञा देता है, और वे उसकी मानते है (लूका ८:२५)।

एक जवान मनुष्य घातक रुप से बीमार था, और उसने सोचा कि वह मर जाएगा। एक शुक्रवार की शाम वह मेरे पास लाया गया। मुझ यह समझाने के बाद की परेशानि क्या थी, मैंने उससे कहा, "मुझ से रविवार को मिलो।"

बाद में उसने अपनी गवाही दी और कहा, "जब पास्टर क्रिस ने मुझ से कहा, मुझ से रविवार को मिलो, तो मुझे पता था कि मैं रविवार के पहले मरने वाला नही हूँ, क्योंकि मुझे उनसे मिलना है।" वह रविवार को मुझ से मिलने के लिए उन वचनो को पकड़े रहा। हम ने आखिर में उसके लिए प्रार्थना की और वह चमत्कारिक रुप से सुधर गया।

परमेश्वर के वचन पर अपना जीवन जीना ऐसा ही होता है; आप अपने लिए उस वचन को लेते है जो आप तक परमेश्वर से आता है और अपना जीवन उस पर डाल देते है; आप इसके द्वारा जीते है। यह मुझे यीशु और उसके चेलो की एक घटना का अनुभव याद दिलाता है। उसने उनसे कहा था, "...चलो झील की दूसरी ओर चलते है" (लूका ८:२२)। उस यात्रा के द्वौरान, तूफान इतना बड़ा हो गया कि चेले बहुत घबरा गए और उन्होंने चिल्लाते हुए स्वामी से कहा, "...स्वामी, स्वामी, हम नष्ट हुए जाते है..." (लूका ८:२४)।

हमने आरंभिक वचन में स्वामी का उनके लिए उत्तर पढ़ा। उसने उनसे पूछा, "तुम्हारा विश्वास कहाँ है?" उसका सवाल हवा और तूफान के विषय में नही था। वरन, वह उनसे कह रहा था, "मैंने तुम से कहा था कि हम दूसरी ओर जाने वाले है, अगर मैंने वह कहा है, तो अवश्य है कि हम दूसरी तरफ पहुँचेंगे, उग्र और तूफानी हवाओ के बावजूद; हम रास्ते में नष्ट नही हो सकते!" वह कह रहा था, "तुम्हें मेरे वचनो पर भरोसा करना चाहिए था।"

इससे अंतर नही पड़ता है कि आपके आसपास क्या हो रहा है, विचलित होना मना कर दीजिए। अपने आसपास की आर्थिक या राजनीतिक हवाओ के द्वारा घबरा मत जाईये; अपना जीवन परमेश्वर के वचन के आधार पर जीएं। अपना जीवन उसके वचन

पर बनाये रखिए और जान लिजिए कि जब तक यह पूरा नही हो जाएगा, तब तक आपको कोई रोक नही सकता; आपको कोई नष्ट नही कर सकता। परमेश्वर के व्यवसाय में लगे रहिए, सुसमाचार का प्रचार बिना डरे और बिना भयभीत हुए करते रहिए। महान आपके अंदर रहता है। हालेलूयाह!

प्रार्थना

मैं वचन की सेवकाई के लिए पूर्णरुप से समर्पित हूँ, और अध्ययन और मनन के द्वारा, वचन मेरी आत्मा के साथ मिल जाता है, और मुझ में इसके संदेश को पैदा करता है। मैं स्थिती और परिस्थितीयो का उत्तर वचन के दृष्टिकोण से देता हूँ। इसलिए, मैं हर दिन विजय में जीता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यहोशू 1:9; लूका 10:19; १ यूहन्ना 4:4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 8:1-17 & भजन संहिता 68-69

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 5:25-33 & यशायाह 55

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुधवार 5

उसने आपके पाप-स्वभाव के बदले में अपनी सत्यनिष्ठा को ला दिया

जो पाप से अज्ञात था, उसी को उसने हमारे लिये पाप ठहराया कि हम उसमें होकर परमेश्वर की सत्यनिष्ठा बन जाएँ (२कुरिंथियो ५:२१)।

यह विचार कि नई सृष्टि के पास पाप-स्वभाव है, अधिकतर उन मसीहो के बीच में प्रचलित है जो इसको "मैं एक बार पापी था, किंतु मैं बच गया हूँ" दृष्टिकोण से देखते है। किंतु नई सृष्टि वह मनुष्य नही है जो पाप और अंधकार में थी; वह व्यक्ति वास्तव में मसीह के साथ मर गया।

पाप का पुराना स्वभाव मसीह के साथ क्रूसित किया गया और परमेश्वर की सत्यनिष्ठा के स्वभाव के द्वारा बदल दिया गया: "हम जानतें हैं कि हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया ताकि पाप का शरीर व्यर्थ हो जाए, और हम आगे को पाप के दासत्व में न रहें" (रोमियो ६:६)। जब यीशु मृत्यु में से उठा, तो आप उसके साथ एक नये जीवन और एक नये स्वभाव में उठे। जो जीवन आपमें है वह पुराने जीवन या नये और पुराने जीवन के मिश्रण का सिलसिला नही है; यह पूर्णरुप से एक नया जीवन है – सत्यनिष्ठा का एक नया जीवन। धन्य है परमेश्वर!

रोमियो ६:४ कहता है, "अत: उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चले।" कोई आश्चर्य नही कि बाइबल कुलुस्सियो ३:१० में कहती है, "... नए मनुष्यत्व को पहिन लिया है, जो अपने सृजनहार के स्वरूप के अनुसार ज्ञान प्राप्त करने के लिये नया बनता जाता है।"

आप मसीह यीशु में सत्यनिष्ठ जन्मे थे। उसने आपके पाप के स्वभाव के बदले में अपनी सत्यनिष्ठा दे दी। उसके प्रतिस्थापन के कार्य ने आपकी पाप की परेशानि का समाधान किया और एक नई सृष्टि को पैदा किया – एक नई प्रजाति को – जोकि सच्ची पवित्रता और सत्यनिष्ठा में पुन:सृष्टित की गई है। परमेश्वर की महिमा हो!

घोषणा

मैं परमेश्वर से जन्मा हूँ, और मेरी आत्मा में उसका सत्यनिष्ठा का स्वभाव है। जैसा यीशु है, उसकी महिमा और सत्यनिष्ठा में, वैसा ही मैं हूँ। मेरे अंदर अब पुराना स्वभाव नही है, क्योंकि मैं जीवन के नयेपन में जन्मा हूँ; मैं मसीह यीशु में परमेश्वर की सत्यनिष्ठा हूँ, परमेश्वर सरिखे की सहभागिता में बुलाया गया। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 8:1-4; रोमियो 5:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 8:18-39 & भजन संहिता 70-73

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 6:1-9 & यशायाह 56

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 6

अनंत विजयो की आपकी चाबी

तब उसने मुझे उत्तर देकर कहा, जरुब्बाबेल के लिये यहोवा का यह वचन है: न तो बल से, और न शक्ति से, परंतु मेरे आत्मा के द्वारा होगा, मुझ सेनाओ के यहोवा का यही वचन है (जकर्याह ४:६)।

इफिसियो ५:१८-१९ में पौलुस प्रेरित हमे बताता है, "दाखरस से मतवाले न बनो, क्योंकि इससे लुचपन होता है, पर आत्मा से परिपूर्ण होते जाओ, और अपने आपसे भजन और स्तुतिगान और आत्मिक गीत गाया करो, और अपने – अपने मन में प्रभु के सामने गाते और कीर्तन करते रहो।" फिर जैसे ही आप प्रेरितो के काम की पुस्तक का अध्ययन करेंगे, तो आप ध्यान देंगे कि प्रेरितो ने यीशु के नाम में सेवकाई की, परमेश्वर के वचन के साथ, और पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा। यही कारण है कि उनके परिणाम इतने असाधारण थे। आज भी ऐसा ही है। ऐसे बहुत से लोग है जो अपनी सामर्थ या स्वाभाविक बुद्धि के द्वारा सफल होने के लिए बहुत परिश्रम करते है, फिर भी सच्ची सफलता उनसे दूर ही रहती है। यह ऐसा इसलिए है क्योंकि वे दिमाग – इंद्रिय स्तर – से कार्य करते है जो कि बहुत सीमित है।

सच्ची सफलता आत्मा के द्वारा है। अगर आप अपनी सामर्थ या योग्यता के द्वारा सफल होने की कोशिश कर रहे थे, तो यह सही समय है कि आप संघर्ष को छोड़ दे और पवित्र आत्मा की योजनाओ और आपको चलाने के लिए उसकी बुद्धि पर भरोसा करे। २कुरिंथियो ३:५ कहता है, "यह नहीं कि हम अपने आप से इस योग्य हैं कि अपनी ओर से किसी बात का विचार कर सकें, पर हमारी योग्यता परमेश्वर की ओर से है।"

हमारी क्षमता; हमारी योग्यता, बुद्धि और अनुग्रह जिसके द्वारा हम कार्य करते है वे आत्मा के है। उसमें भरोसा कीजिए। आप कैसे अपने चर्च, सेल ग्रुप या सहभागिता को बढ़ाने की इच्छा करते है? आप कैसे अपने धन या अपने व्यवसाय को बढ़ाने की योजना कर रहे है? इसे आत्मा के द्वारा ही होना चाहिए! वह आपको एक आश्चर्य बना देगा जैसे ही आप उसके साथ चलेंगे और उसे कामो में आपको निर्देशित करने देंगे। वह राज्य की वास्तविकताओ और परमेश्वर की महिमा की वास्तविकता को आपको दिखाएगा। वह

अनंत विजयो के एक जीवन और असाधारण सफलता की चाबी है ।

प्रार्थना

प्यारे स्वर्गीय पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मेरे जीवन में पवित्र आत्मा की रहने वाली उपस्थिती के लिए, जिसके द्वारा मैं आपकी सिद्ध इच्छा में चलता और उसे करता हूँ। मैं निरंतर आत्मा के द्वारा भरा हुआ हूँ सुसमाचार की सेवकाई में प्रभावि होने के लिए, मेरे विश्व में आपकी दैविय उपस्थिती को दिखाते हुए और परमेश्वर के राज्य में आत्माओ की एक महान फसल को लाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 3:5-6; फिलिप्पियो 2:13; २ कुरुंथियो 3:5 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 9:1-29 & भजन संहिता 74-77

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 6:10-20 & यशायाह 57

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 7

बुद्धि को बोलते हुए

परन्तु हम परमेश्वर की वह गुप्त बुद्धि, भेद की रीति पर बताते हैं, जिसे परमेश्वर ने सनातन से हमारी महिमा के लिये ठहराया (१कुरिंथियो २:७)।

हमारा आरंभिक वचन कहता है कि हम परमेश्वर की बुद्धि को भेद में बोलते है; बुद्धि को बोलने का मतलब क्या है? १कुरिंथियो २:१२-१३ हमे एक विचार देता है। यह कहता है, "परन्तु हम ने संसार की आत्मा नहीं, परन्तु वह आत्मा पाया है जो परमेश्वर की ओर से है कि हम उन बातों को जानें जो परमेश्वर ने हमें मुफ्त में दी हैं। जिनको हम मुनष्यों की बुद्धि की सिखाई हुई बातों में नहीं, परन्तु आत्मा की सिखाई हुई बातों में, आत्मिक बातें आत्मिक बातों से मिला मिलाकर बोलते है"।

रेखाकिंत भाग पर ध्यान दीजिए, यह नही कहता है, "जिन बातों के विषय में हम बोलते है"; वरन यह कहता है हम उनको बोलते है। हमने छठें वचन में इसी बात को पढ़ा; यह कहता है, "फिर भी हम सिद्ध लोगों में बुद्धि बोलते हैं, ... "। हम बुद्धि के विषय में बात नही करते; हम बुद्धि को बोलते है, और बुद्धि परमेश्वर का वचन है। बुद्धि को बोलना परमेश्वर के वचन को बोलना है।

उदाहरण के लिए कुलुस्सियो १:२७ कहता है, "मसीह आपमें महिमा की आशा है।" जब आप इस वचन के आधार पर घोषणा करते है, "मैं हमेशा एक विजयी हूँगा, मेरा जीवन मसीह की महिमा और प्रभुत्व का प्रत्यक्षिकरण है", तो आप बुद्धि को बोल रहे है। जब आप घोषणा करते है, "मेरे पास कोई कमी या घटी नही है क्योंकि मैं परमेश्वर का वारिस और मसीह के साथ संगी-वारिस हूँ; पूरा विश्व मेरा है"; तो आप परमेश्वर की बुद्धि को बोल रहे है। आप बुद्धि को बोल रहे है उन लक्षणो के बावजूद जो आप महसूस करते है, जब आप कहते है, "परमेश्वर का जीवन मेरे अस्तित्व के हर कण में शुरु हो गया है; मैं जीवन से भरा हुआ हूँ।"

ऐसे लोग हो सकते है जो आपको परमेश्वर की बुद्धि बोलने के लिए पागल समझे; क्योंकि परमेश्वर की बुद्धि सांसारिक मनुष्य के लिए मूर्खता है। १कुरिंथियो २:१४ घोषणा करता है, "परन्तु शारीरिक मनुष्य परमेश्वर के आत्मा की बातें ग्रहण नहीं करता, क्योंकि

वे उसकी दृष्टी में मूर्खता की बातें हैं, और न वह उन्हें जान सकता है क्योंकि उनकी जाँच आत्मिक रीति से होती है।"

हमेशा परमेश्वर की बुद्धि बोलिए, और आपका जीवन परमेश्वर को महिमा देगा। प्रभु के साथ अपनी एकता की घोषणा कीजिए। अपनी सत्यनिष्ठा, स्वास्थ, प्रभुता और मसीह यीशु में महिमा की घोषणा कीजिए। परमेश्वर की महिमा हो!

घोषणा

परमेश्वर की बुद्धि मेरे हृदय और मेरे मुँह में हमेशा है। मेरे पास एक महान जीवन है। मैं घोषणा करता हूँ और मानता हूँ कि मैं सर्वश्रेष्ठ हूँ और महिमा से भरा हुआ हूँ, सत्यनिष्ठा, प्रभुता और मसीह यीशु में महिमा के जीवन को जीता हुआ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ कुरुंथियो 2:12-13 AMPC; नीतिवचन 18:21; मरकुस 11:23

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 9:30-10:1-21 & भजन संहिता 78

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 6:21-24 & यशायाह 58

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

अपने देश में से शैतानो को खदेड़ दो

परन्तु यदि हमारे सुसमाचार पर परदा पड़ा है, तो यह नष्ट होनेवालों ही के लिये पड़ा है: और उन अविश्वासियों के लिये, जिन की बुध्दि इस संसार के ईश्वर ने अंधी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके (२कुरिंथियो ४:३-४)।

हमारे दिनो में, बहुत से शहरो में शैतानो की गतिविधियाँ आक्रामक हो गई है, लोगो को सुसमाचार ग्रहण करने से रोकने के प्रयास में। हमारे आरंभिक वचन का एक भाग कहता है, " उन अविश्वासियों के लिये, जिनकी बुध्दि इस विश्व के ईश्वर ने अँधी कर दी है...।" यह शैतान का काम है; वह इस विश्व का ईश्वर है और उसके एजेंट विभिन्न देशो में है, जिनका एक मिशन है कि वे लोगो को सुसमाचार ग्रहण करने से रोके।

जब आप कुछ जगहो पर लोगो में उद्धार की बुलाहट को सुनने में एक धीमापन देखते है जब कि वहाँ सुसमाचार का बहुत प्रचार हो रहा है, तो वह करिये जो यीशु ने करने को कहा: शैतानों को खदेड़ दीजिए (मरकुस १६:१७)। उन्हें शहरो, नगरो, गाँवो, समुदायो, देशो से खदेड़ दीजिए, जब आप जुझारु रुप से आत्मा में प्रार्थना करते है। जब तक आप प्रतिक्रिया न करें और इन शैतानो के कामो को रोक ना दे, वे लोग तांडव मचाते रहेंगे, इस तरह के प्रदेश के लोगों को सुसमाचार के लिए कम ग्रहणी बनाते हुए। किंतु परमेश्वर का धन्यवाद हो! हमारे पास इन प्रदेशो के ऊपर से यीशु के नाम में उनको हटाने और उनसे अधिकार छीनने की सामर्थ है और इन उजड़े हुए प्रदेशो को किसी दूसरे को देने की भी सार्मथ है। हमारे पास अधिकार है इन प्रदेशो को दूसरों को देने का, जोकि पहले परमेश्वर के आत्मा से बिछड़े हुए थे, स्वर्गदूतो को।

इससे अंतर नही पड़ता है कि उस शहर में और उस देश में क्या होता है जहाँ पर आप रहते है या उस क्षेत्र के ऊपर के शैतानो से जो लोगो के जीवनो को बहाकर ले जाते है; उन्हें खदेड़ दीजिए। एक बार जब आप यह करेंगे, तो बहुत से लोगो का हृदय उस क्षेत्र में प्रसन्नतापूर्वक सुसमाचार को ग्रहण करने के लिए खुल जाएगा और वे उद्धार की बुलाहट का उत्तर देंगे।

इसे अपना जीवन भर का काम बना लीजिए कि यीशु मसीह का सुसमाचार जहाँ पर आप रहते है महान रुप से बढ़ेगा और प्रबल होगा। अपने शहर, समुदाय, और देश में उसकी सत्यनिष्ठा को स्थापित करने की इच्छा को आपके अंदर उत्साहीत होने दीजिए जिसके द्वारा आप मध्यस्था करे और मनुष्य के जीवनो के ऊपर बंधन की जंजीरो को तोड़ दे; इसे आपका सब कुछ होने दीजिए।

प्रार्थना

धन्यवाद आर्शीषित पिता, क्योंकि सारे देश आपके है। मैं हर शहर, हर देश, हर सरकार के ऊपर यीशु के नाम की घोषणा करता हूँ। शहरो और विश्व के देशो के ऊपर से बुराई की सामर्थ तोड़ी गई है और सुसमाचार तेजी से बढ़ रहा है, महान रुप से प्रबल होते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 19:11-20; मरकुस 16:15-17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 11:1-24 & भजन संहिता 79-81

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 1:1-8 & यशायाह 59

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 9

वह आपका टिकिट है

और पिता का धन्यवाद करते रहो, जिसने हमे इस योग्य बनाया कि ज्योति में पवित्र लोगों के साथ उत्तराधिकार में सहभागी हो (कुलुस्सियो १:१२ एन.आय.व्ही)।

सोचिये कि आप एक टिकट वाले प्रोग्राम को देखने गए किंतु आपके पास टिकट नही था। पूरी आशंका है कि आपको द्वार पर ही रोक दिया जाएगा और आप निराश होगें। किंतु अपने टिकट के साथ, आप आश्वस्त होंगे और केवल इसको दिखाएँगे और अंदर चले जाएँगे। यह यीशु के नाम की तरह है और जो यह आपके लिए करता है: यह हर आशीष के लिए आपका टिकट है; यह उससे अधिक हर उस वस्तु का प्रतिनिधित्व करता है जिसकी आप इच्छा कर सकते थे या सोच सकते थे। हालेलूयाह! उसने यूहन्ना १६:२३ में कहा, "उस दिन तुम मुझ से कुछ न पूछोगे। मैं तुम से सच सच कहता हूँ, यदि पिता से कुछ माँगोगे, तो वह मेरे नाम में तुम्हें देगा।"

हर वस्तु जो आप कभी माँग या चाह सकते थे वह मसीह में पूरी की जा चुकी है; आपको केवल घोषणा करने की जरुरत है कि उसके नाम में वे आपकी है। अधिकतर घोषणा कीजिए, "मैं परमेश्वर का उत्तराधिकारी और मसीह के साथ सह-उत्तराधिकारी हूँ, संतो के साथ उसकी विरासत का सह भागी; सारी वस्तुएं मेरी है, यीशु के नाम में!" जब आप इस तरह की घोषणाओ को करते है, तो प्रकृति आपका उत्तर देती है। परमेश्वर की महिमा हो!

मसीह के पूरे हो चुके कामो की अज्ञानता के कारण, अभी भी बहुत लोग परमेश्वर से भीख माँगते है कि वह उन्हें आशीष दे, चंगा करे, छुड़ाये इत्यादि। यह उन्हें एक प्रकार की सांत्वना देता है जब वे परमेश्वर के पास एक भिखारी की मानसिकता के साथ जाते है। किंतु वह यह नही चाहता है; उसके बाद तो बिल्कुल भी नही जो यीशु मसीह ने अपने प्रतिस्थापन के बलिदान के द्वारा हमारे बदले में प्राप्त किया! वह आपको दैवियता के साथ एकता में लेकर आया है। उसके द्वारा, आपके पास आत्मा के द्वारा निर्भिकता और पिता और स्वर्ग की आशीषो के लिए पहुँच है। धन्य है परमेश्वर!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ यीशु मसीह के नाम की सामर्थ और अधिकार के लिए जिसके द्वारा मैं उमड़ती हुई भलाई, विजयो और स्वर्ग की आशीषो में जीता हूँ। उसके नाम में, मैं परमेश्वर के पुत्रो की महामयी स्वतंत्रता और विरासत में जीता हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 3:12; प्रेरितो के काम 13:38-39; १ कुरुंथियो 3:21

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 11:25-36 & भजन संहिता 82-84

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 1:9-14 & यशायाह 60

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार **10**

सत्यनिष्ठा का एक नया जीवन

जो पाप से अज्ञात था, उसी को उसने हमारे लिये पाप ठहराया कि हम उसमें होकर परमेश्वर की सत्यनिष्ठा बन जाएँ (२कुरिंथियो ५:२१)।

जब एक मनुष्य मसीह को ग्रहण करता है, तो वह एक नये जीवन को ग्रहण करता है; एक ऐसा व्यक्ति जो पहले कभी था ही नही: मसीह में एक नई सृष्टि। यह नया जीवन सत्यनिष्ठा का जीवन है; शैतान, पाप, मृत्यु और नरक से बेहतर। यह नया जीवन ही वह कारण है जिसके द्वारा आप एक सत्यनिष्ठा का जीवन जी सकते है। बहुतो के पाप करने का कारण यह है कि उनके अंदर पाप का स्वभाव है। वह स्वभाव परमेश्वर के सत्यनिष्ठा के स्वभाव के साथ बदल दिया जाता है, जब एक मनुष्य का नया जन्म होता है।

आपमें केवल एक छोटा सा बदलाव नही हुआ था जब आप नये जन्में हुए थे; यह वास्तव में उस जीवन और पाप के स्वभाव का पूर्ण रुप से सत्यनिष्ठा के जीवन के साथ हटाया जाना था। सच्ची मसीहत दूसरे स्वभाव का जोड़ा जाना या दिया जाना नही है, किंतु इसमें परमेश्वर के द्वारा मानविय आत्मा की वास्तविक पुन:सृष्टि होती है। आप अपने नये जन्मे के कारण परमेश्वर के लिए जीवित हो गए हैं। इसलिए, सही जीना और पिता की इच्छा को पूरा करना आपके लिए स्वाभाविक है।

धर्म सीखाता है कि अगर एक मनुष्य सही जीएगा, तो परमेश्वर उसको एक सत्यनिष्ठ मनुष्य होने के योग्य समझेगा, किंतु यह एक विरोधाभास है। कोई भी व्यक्ति सत्यनिष्ठ नही जी सकता जब तक कि वह स्वंय ही परमेश्वर के द्वारा सत्यनिष्ठ ना बनाया जाएं। आपकी आत्मा में परमेश्वर की सत्यनिष्ठा ही आपको सही करने की योग्यता देती है।

इसलिए मसीहत में, परमेश्वर पहले आपको सत्यनिष्ठ बनाता है, इससे पहले कि वह न्यायी ठहरे आपसे सही जीने की आशा करने में। बाइबल कहती है यीशु मसीह हमारे अपराधो के कारण मर गया, और हमारी निर्दोषिता के लिए जीवन में वापिस उठाया गया (रोमियो ४:२५)। निर्दोष का मतलब है कि सत्यनिष्ठ घोषित किए गए। धन्य है परमेश्वर!

घोषणा

मैं परमेश्वर से जन्मा हूँ और मेरे अंदर मेरी आत्मा में उसकी सत्यनिष्ठा का स्वभाव है। जैसा यीशु है, उसकी महिमा और सत्यनिष्ठा में, वैसा ही इस विश्व में मैं भी हूँ। मैं जीवन के एक नयेपन में जन्मा हूँ; मैं मसीह यीशु में परमेश्वर की सत्यनिष्ठा हूँ, परमेश्वर सरिखे के साथ सहभागिता में बुलाया गया। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 5:17; रोमियो 8:1-4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 12:1-16 & भजन संहिता 85-88

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 1:15-22 & यशायाह 61

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उसकी सेवा में वफादारी

जो कुछ तुम करते हो, तन मन से करो, यह समझकर कि मनुष्यों के लिये नहीं परन्तु प्रभु के लिये करते हो (कुलुस्सियो ३:२३)।

हम में से हर व्यक्ति मसीह में एक विशेष किरदार को पूरा करने के लिए बुलाया गया है; हम सबको परमेश्वर के द्वारा अलग अलग काम सौंपे गए है। बाइबल के दिनो में भी ऐसा ही था। कुछ काम बड़े या दूसरो से ज्यादा पहुँचवाले हो सकते है, किंतु आप अपने कार्य को कैसे करते है यह आपकी वफादारी के द्वारा जाँचा जाता है। परमेश्वर सेवा में आपकी वफादारी के आधार पर आपका न्याय करेगा और आपको पुरस्कार देगा, वह काम जो उसने आपको दिया था, ना कि वह काम जो किसी दूसरे को दिया था।

याद रखिए वही है जो आपको वह सब काम करने की योग्यता देता है जो उसने आपको दिया है। अगर उसने आपको दूसरो से ज्यादा करने का काम दिया है, तो यह आपको व्यक्ति के रुप में महान नही बनाता है; यह उसका चुनाव और उसकी योजना है। इसलिए, इससे अंतर पड़ता है कि आप उस काम को करने में परिश्रमी बने जो उसने आपको दिया है।

नीतिवचन २२:२९ कहता है, "यदि तू ऐसा पुरुष देखे जो कामकाज में निपुण हो, तो वह राजाओं के सम्मुख खड़ा होगा; छोटे लोगों के सम्मुख नहीं।" आरंभिक वचन में परमेश्वर की चेतावनी को अपने हृदय में ले लीजिए; जो कुछ आप करे, इसे पूरे हृदय से करे, प्रभु के लिए कीजिए ना कि मनुष्यो के लिए।

अगर आप प्रभु की सेवा ऐसे करते है जैसे कि आप इंसान की सेवा कर रहे है, तो जो पुरस्कार आप पाएँगे वह इस विश्व के परे नही जाएगा। इसलिए, जो कोई काम परमेश्वर आपको उसके राज्य में देता है, इसे आनंद, उत्साह और विश्वास के द्वारा कीजिए जैसे कि आप प्रभु के लिए कर रहे है। इसका अभ्यास कीजिए, और आप अपने जीवन में उसके अनुग्रह के प्रत्यक्षिकरण पर अचंभित हो जाएँगे। आमीन।

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ उस सम्मान और विशेष सुविधा के लिए कि मैं आपके अनुग्रह के सुसमाचार में एक वफादार भंडारी और सेवक की तरह अपने विधान को पूरा करूँ। मैं सारे काम आपके लिए करता हूँ, आपकी महिमा के लिए असाधारण परिणामो को लाता हुआ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ इतिहास 31:20-21; इफिसियो 6:5-9; कुलुस्सियो 3:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 12:17-13:1-14 & भजन संहिता 89

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 1:23-30 & यशायाह 62

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुधवार 12

उसके प्रेम को गले लगाईये

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि, उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए (यूहन्ना ३:१६)।

हमारा प्रभु अनुग्रही और दयालु है। मनुष्य के लिए उसका प्रेम मानविय समझ के परे है; यह बिना सीमाओ का प्रेम है। यूहन्ना १५:१३ कहता है, "इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं कि कोई अपने मित्रों के लिये अपना प्राण दे।"

प्रभु यीशु ने हमारे लिए अपना जीवन दे दिया, जैसे पहले कभी किसी ने नही किया। वह दैविय था और बिना पाप के था; फिर भी, वह पाप – बलिदान बन गया। विश्व के पापो के लिए चढ़ाया गया। वह दूसरो के स्थान में अपनी स्वंय की इच्छा से क्रूसित हुआ। इसके विषय में सोचिये: उसने क्रूस पर हमारे पाप का स्थान लिया, ताकि हम उसका सत्यनिष्ठा का स्थान ले सके: "जो पाप से अज्ञात था, उसी को उसने हमारे लिये पाप ठहराया कि हम उसमें होकर परमेश्वर की सत्यनिष्ठा बन जाएँ" (२कुरिंथियो ५:२१)।

आप कैसे इस तरह के प्रेम को परिभाषित करेंगे जिसके द्वारा वह पापियों के लिए मर गया – अपराधियों, हत्यारो, डकैतो इत्यादि के लिए? वह आया, जीया, चमत्कार किए, मरा और जीवित हुआ, यह सब मनुष्य के लिए उसके प्रेम के कारण। हर काम जो उसने किया वह मनुष्य के लिए उसके प्रेम से उत्साहीत था। उसने यूहन्ना १०:१० में उसके आने के उद्देश्य की घोषणा की; ताकि मनुष्य के पास जीवन हो, और परिपूर्णता का जीवन हो। जो जीवन उसने हमे दिया है वह आशीषो, आनंद और सर्वदा के सुख का है।

अब, उसके परिणामस्वरुप जो यीशु ने किया, हम पिता के सामने प्रेम में पवित्र और निष्कलंक है। हम बिना तिरस्कार, अस्वीकारिता या हीन भावना के परमेश्वर की उपस्थिती में निर्भिकता पूर्वक खड़े हो सकते है। आपको परमेश्वर के साथ अपने संबंध के विषय में असुरक्षित या अनिश्चित महसूस करने की जरुरत नही है। निर्भिक, आत्मविश्वासी, आश्वस्त और प्रसन्न रहिए कि आप उसके है; इस बात के लिए कि वह आपको अपने साथ एकता में लाया है। हालेलूयाह!

इससे अंतर नही पड़ता है कि आप कहाँ रहे है, आपने क्या किया है, आपका पाप आपके हिसाब से कितना गहरा था, आपको परमेश्वर से भागने की जरुरत नही है। उसने यशायाह १:१८ में कहा, "... तुम्हारे पाप चाहे लाल रंग के हों, तौभी वे हिम के समान उजले हो जाएँगे; और चाहे अर्गवानी रंग के हों, तौभी वे ऊन के समान श्वेत हो जाएँगे।"

उसके प्रेम को गले लगाईये। उस पर अपने जीवन के साथ भरोसा कीजिए। हो सकता है आप नए जन्मे ना हो, यह आपका क्षण है। ७६ पेज पर उद्धार की प्रार्थना पर जाईये, उस प्रार्थना को अपने पूरे ह्रदय से मानकर कीजिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ उस महान प्रेम के लिए जिसके द्वारा आपने मुझ से प्रेम किया है; धन्यवाद मुझे विश्व के आरंभ से ही आपकी उपस्थिती में पवित्र, निष्कंलक और ग्रहण योग्य चुनने के लिए, आपकी अच्छी इच्छा के अनुसार। मैं इस चेतना में चलता हूँ कि आपके लिए मेरा प्रेम अनंत और बिना शर्त का है; मैं आपके साथ शांति और निर्दोषता में हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ यूहन्ना 3:1-2; १ यूहन्ना 3:16; १ यूहन्ना 4:19

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 14-15:1-4 & भजन संहिता 90-93

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 2:1-11 & यशायाह 63

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शैतान के प्रभाव को काट दो

सब जातियों ने मुझ को घेर लिया है; परन्तु यहोवा के नाम में मैं निश्चय उन्हें नष्ट कर दूँगा (भजनसंहिता ११८:१०)।

ऊपर के वचन में रेखाकिंत शब्द "दूँगा" वास्तविक इब्रानी अनुवाद में नही है; वरन यह स्वीकारोक्ति में है। एन.आय.व्ही और बहुत से दूसरे अनुवाद इसे सही से कहते है; यह कहता है "सब जातियों ने मुझ को घेर लिया है; परन्तु यहोवा के नाम में मैं निश्चय उन्हें काटता हूँ।" उसने नही कहा, "...मैं उन्हें काट डालूँगा।"

दाऊद आत्मा में घोषणा कर रहा था इससे पहले कि वह उसके शत्रुओ को तलवार से काट डाले। उसे उनको पहले शब्दो से काटना था। यह बहुत जरुरी है क्योंकि यह हमे दिखाता है कि हमे शत्रु के साथ कैसे निपटना है। आपको देशो, नेताओ और विश्व की सरकारो के ऊपर शैतान के प्रभावो को काटना है। आप देशो और नेताओ के लिए प्रार्थना करते समय यही करते है।

दाऊद इस कथन पर बहुत बल दे रहा था, "काटता हूँ" क्योंकि कुछ बार, आपको इसको बहुत बार कहना पड़ता है। जब हम लड़ाईयो, महामारीयों, असुरक्षा, आर्थिकमंदी इत्यादि के बारे में सुनते है, और हम ध्यान देते है कि शैतान इनका फायदा उठा रहा है, लोगो को डर में रखने के लिए और देशो को भ्रमित करने के लिए, तब हम कदम उठाते है। दाऊद की तरह, हम शैतान के प्रभाव को काट देते है।

जब आप शत्रु को तांडव करता हुआ देखते है, और देशो को किसी भी तरिके से बंधक बनाता हुआ देखते है, तो शांत मत रहिए; अपनी प्रार्थना और विश्वास से भरे शब्दो के द्वारा उसके प्रभाव को काट दीजिए। बाइबल कहती है, "जहॉ पर राजा का वचन होता है वहाँ पर सामर्थ है..." (सभोपदेशक ८:४), और हम परमेश्वर के लिए राजसी याजक है (प्रकाशितवाक्य १:६)।

ठीक अभी जो अधिकार हमे यीशु के नाम में दिया गया है, उसमें अपना स्थान लीजिए और प्रधानो, अधिकारियों, इस विश्व के अंधकार के हाकिमों और उस दुष्टता की आत्मिक सेना को काट दीजिए जो आकाश में है। उन्हें अपने घर, विद्यालयो, सरकारो, और सार्वजनिक स्थानो से बाहर खदेड़ दीजिए। परमेश्वर की स्तुति हो!

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ यीशु के नाम के अधिकार के लिए जिसके द्वारा मैं शैतान और उसके दानवो पर प्रबल होता हूँ। उस अधिकार के द्वारा, मैं हर क्षेत्र से, संस्थान से, और मेरे देश की हर प्रकार की सरकार से प्रधानो, अधिकारियों, इस विश्व के अंधकार के हाकिमों और उस दुष्टता की आत्मिक सेना के प्रभावो को काटता हूँ जो आकाश में है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

भजन संहिता 118:10-12 NIV; इफिसियो 6:12; मरकुस 16:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 15:5-13 & भजन संहिता 94-98

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 2:12-18 & यशायाह 64

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

आशा मत कीजिए; अपने विश्वास पर कार्य कीजिए

अब विश्वास आशा की हुई वस्तुओं का निश्चय, और अनदेखी वस्तुओं का प्रमाण है (इब्रानियो ११:१)।

आशा एक अच्छा गुण है, किंतु यह आपकी स्थिती को नही बदलता है। विश्वास और आशा में अंतर है। आशा भविष्य में है; किंतु विश्वास अभी में है। इसको इस दृष्टिकोण से समझिए: यीशु के विषय में भविष्यद्वाणी की गई थी कि वह देशो की आशा है; वह इस्राइल की आशा था; उसे उद्धार की आशा कहा गया था।

दूसरे शब्दो में, अगर मनुष्य बचने वाला था, तो परमेश्वर के पुत्र को आना ही था, विश्व के पापो के लिए बलिदान होने वाला था, और यीशु वह बलिदान था। जब यूहन्ना बपतिस्मा करने वाले ने उसे देखा तो उसने घोषणा की, "...देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना हैं जो जगत का पाप उठा ले जाता है" (यूहन्ना १:२९)।

अब यीशु आया और उसने परमेश्वर की योजना को पूरा किया। वह हमारे स्थान में क्रूसित हुआ। उसने मनुष्य के पाप का पूरा दाम चुकाया और फिर परमेश्वर ने उसे जिंदा किया, हमे विरासत देने के लिए। कुलुस्सियो १:१२ कहता है, "और पिता का धन्यवाद करते रहो, जिसने हमे इस योग्य बनाया कि ज्योति में पवित्र लोगों के साथ उत्तराधिकार में सहभागी हों।" अब जब परमेश्वर ने हमे यीशु मसीह के द्वारा विरासत दे दी है तो इसके लिए आशा करने का कोई कारण नही है।

"आशा" (यीशु) आई और उसने वह सब पूरी तरह से पूरा कर दिया जो परमेश्वर ने उसे हमको देने के लिए और हमारे लिए करने को भेजा था। हालेलूयाह! हर वह वस्तु जो आप परमेश्वर से कभी भी चाहते थे वह पूरी और स्थापित हो चुकी है और आपको यीशु मसीह में दी जा चुकी है। अब आपको अवश्य ही अपने विश्वास पर कार्य करना है।

मत कहिएगा, "मैं आशा करता हूँ कि एक दिन बीमारी मेरे शरीर को छोड़ देगी"; आशा करना बंद कर दीजिए; अपने विश्वास पर कार्य कीजिए। अगर स्थिती बदलेगी, तो इसको विश्वास के द्वारा होना है। विश्वास अभी नियंत्रण लेता है! हालेलूयाह!

घोषणा

मेरा विश्वास सक्रिय और अभी प्रबल होता है! यीशु के नाम में, मैं मसीह में मेरे उत्तराधिकार के प्रकाश में चलता हूँ, सामर्थ और अनुग्रह में, दैविय स्वास्थ और दैविय समृद्धि में जीते हुए। मैं हमेशा के लिए विजयी हूँ, क्योंकि मैं वचन में और वचन के द्वारा जीता हूँ। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 6:16; १ यूहन्ना 5:4; इब्रानियो 11:1

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 15:14-33 & भजन संहिता 99-101

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 2:19-30 & यशायाह 65

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

शनिवार **15**

उसके पूरे हो चुके कामो में भरोसा रखो

> क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उध्दार हुआ है; और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर का दान है: और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे
> (इफिसियो २:८-९)।

ऐसे लोग है जो सोचते है कि परमेश्वर उनको उनके अच्छे कामो के कारण ग्रहण करेगा या आशीष देगा; वह उनकी आत्म-सत्यनिष्ठा में भरोसा करते है। किंतु परमेश्वर मसीह के पूरे हों चुके कामो में आपके विश्वास का पुरस्कार देता है; आपके बदले में उसके प्रतिस्थापन के कामो के अंतर्गत।

पौलुस प्रेरित ने अपने अच्छे कामो में भरोसा करने या परमेश्वर के सामने उत्तर पाने के लिए नियम को दोहराए जाने की अपरिणामिता को दर्शाया। वह लिखता है, "... मैं अपने प्रभु मसीह यीशु की पहिचान की उत्तमता के कारण सब बातों को हानि समझता हूँ। जिसके कारण मैं ने सब वस्तुओं की हानि उठाई, और उन्हें कूड़ा समझता हूँ, जिससे मैं मसीह को प्राप्त करूँ, और उसमें पाया जाऊँ; न की अपनी उस सत्यनिष्ठा के साथ, जो व्यवस्था से है, वरन् उस सत्यनिष्ठा के साथ जो मसीह पर विश्वास करने के कारण है और परमेश्वर की ओर से विश्वास करने पर मिलती है" (फिलिप्पियो ३:८-९)।

रेखाकिंत भाग पर ध्यान दीजिए; यह हमे सुसमाचार का सार बताता है, जो कि मसीह में पाया जाना है, आत्म-सत्यनिष्ठा के साथ नही, किंतु यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा परमेश्वर की सत्यनिष्ठा को ग्रहण करना है।

कभी भी परमेश्वर को अपनी "धार्मिकता" के द्वारा प्रभावित करने की कोशिश मत कीजिए; उसने आपको पहले ही आत्मिक स्थानो में सारी आत्मिक आशीषो के साथ आशीषित कर दिया है (इफिसियो १:३)। ऐसा कुछ भी नही है जो आप चाहते हो और जो पहले से ही मसीह में आपका ना हो। हर वस्तु जिसका वह मालिक है वह आपकी है।

याद रखिए, उसने आपको उसका जीवन दिया। इसलिए, आपका विश्वास उस पर अटल होना चाहिए जो मसीह करने के लिए आया; जो उसने आपमें और आपके लिए पूरा किया। आपके दैविय स्वास्थ, दैविय समृद्धि और अनंत विजयो और आशीषो के जीवन

का कारण यह है कि मसीह ने उनको पहले से ही आपका बना दिया है। आपका केंद्र और भरोसा उस पर होना चाहिए, जो उसने किया है और जो वह है ना कि अपने कामो में।

प्रार्थना

आशीषित पिता, आप महान है और स्तुति के योग्य है। धन्यवाद मुझे मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानो में सारी आत्मिक आशीषो के साथ आशीष देने के लिए और मुझे प्रकाश के राज्य में संतो के साथ महिमामय विरासत का सहभागी बनाने के लिए। मेरा जीवन आपके अनुग्रह की गवाही है और आपकी महिमा, श्रेष्ठता और सत्यनिष्ठा का प्रत्यक्षिकरण है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ पतरस 1:3; १ कुरुंथियो 3:21; रोमियो 4:14

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

रोमियो 16:1-27 & भजन संहिता 102-103

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 3:1-12 & यशायाह 66

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 16

ना ही सहायताहीन, ना ही त्यागे गए

तुम्हारा स्वभाव लोभरहित हो, और जो तुम्हारे पास है उसी पर सन्तोष करो; क्योंकि उसने आप ही कहा है, मैं तुझे कभी न छोडूँगा, और न कभी तुझे त्यागूँगा
(इब्रानियो १३:५)।

यह पूर्णरुप से अद्भुत है! प्रभु कहता है कि वह कभी भी, किसी भी तरिके से आपको सहायताहीन नही छोडेगा और त्यागेगा नही। एम्पलीफाइड क्लासिक अनुवाद हमे बताता है कि उसने यह कथन "मैं नही छोडूँगा" तीन बार दोहराया (बल देने के लिए): "...मैं किसी भी तरिके से तुम्हें असफल नही करुँगा और ना ही तुम पर हार मानूँगा और ना ही तुम्हें सहायता के बिना छोडूँगा। (मैं छोडूँगा) नहीं, (मैं छोडूँगा) नहीं, (मैं छोडूँगा) नहीं मैं तुझे कभी सहायताहीन नही छोडूँगा, और न कभी तुझे त्यागूँगा।"

यह वचन यूहन्ना १४:१८ में यीशु के वचनो की याद दिलाता है, "मैं तुम्हें अनाथ नहीं छोडूँगा; मैं तुम्हारे पास आऊँगा।" हाँ, यीशु स्वर्ग में है, किंतु उसने हमे बिना सहायता के नही छोड़ा है। उसने हमे अनाथ, उजड़ा हुआ, वंचित या फँसा हुआ नही छोड़ा है। उसने हमारे लिए पवित्र आत्मा भेजा, ना केवल हमारे साथ होने के लिए, किंतु हमारे अंदर रहने के लिए। वही आत्मा अब आपका साहस, आपकी सहायता, आपकी क्षमता और आपका सबकुछ बन गया है।

अपने जीवन के साथ उस पर भरोसा कीजिए। उसके साथ सहभागिता कीजिए, और वह आपको सारी वस्तुओ में सफल बनाएगा। वह कहता है कि वह आपके ऊपर उसके नियंत्रण को ढीला नही छोड़ेगा; इसका अर्थ है कि वह जीवन की पूरी यात्रा में आपके साथ है। यह देखते हुए कि आप हमेशा जीतते है। उसे पता है कि आपका ध्यान कैसे रखना है।

उसकी सहायता एक ऐसी वस्तु है जिसके विषय में आपको बिल्कुल भी संदेह नही करना चाहिए; इसकी गारंटी है। बाइबल कहती है, वह आपका "संकट के समय में सर्वदा उपस्थित सहायक है" (भजनसंहिता ४६:१)। अगर आप कभी भी अपने आपको परेशानि में या मुश्किल स्थिती में पाते है, तो सुनिश्चित हो जाईये कि आप अकेले नही है; वह आपको बाहर निकालेगा या आपको दिखाएगा कि विजयी रुप से बाहर निकलने

के लिए क्या करना है।

पवित्र आत्मा आपका सबसे बड़ा लाभ, सामर्थ और ढाल है। अपने जीवन में उसके कार्यो को सराहईये और मानिए और उसे अपने पूरे हृदय के साथ प्रेम कीजिए।

घोषणा

प्यारे पवित्र आत्मा, मैं आपको उस व्यक्ति के रुप में पहचानता हूँ जो मुझे सफलता और विजय के रास्ते में ले जाता है। धन्यवाद क्योंकि आप मेरा बड़ा लाभ, शरणस्थान और सामर्थ है; परेशानि के समय में सर्वदा उपस्थित सहायक। मैंने आपसे महान सहायता पाई है, और इसलिए मैं हर समय अपनी उन्नति, समृद्धि और विकास के लिए आश्वस्त हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 14:16 AMPC; यूहन्ना 14:26

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 1 & भजन संहिता 104-106

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 3:13-21 & यिर्मयाह 1

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 17

आपके शब्द आपको प्रकट करते है

क्योंकि तू अपनी बातों के कारण निर्दोष, और अपनी बातों ही के कारण दोषी ठहराया जाएगा
(मत्ती १२:३७)।

कौन से शब्द आपसे बाहर आते है और आप उन्हें कहाँ से पाते है? आप उन वस्तुओ को क्यूँ कहते है जो आप कहते है? यह आपके हृदय के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न हैं। एक मसीही के रुप में, आपको हमेशा अपने जीवन को जाँचना है, विशेष रुप से अपने शब्दो को, क्योंकि आपके शब्द आपको ढूंढ लेते है; वे आपके चरित्र को प्रकट करते है। अगर एक मनुष्य के शब्द दर्ददायी और काटनेवाले होते है, तो वह अंदर से ऐसा ही है। किंतु अगर आपके वचन अनुग्रहकारी, दयालु, उठानेवाले और हृदयस्पर्शी है, तो यही आपके व्यक्तित्व का चरित्र है। आप अपने शब्दो का चरित्र है।

यीशु ने मत्ती १२:३५ में कहा, "एक भला मनुष्य मन के भले भण्डार से भली बातें निकालता है, और बुरा मनुष्य बुरे भण्डार से बुरी बातें निकालता है।" एक मसीही के रुप में, आपके अंदर अच्छे खजाने है, मसीह में आपके दैविय स्वभाव के फलस्वरुप। आपकी आत्मा में श्रेष्ठता है। इसलिए जब आप बोलते है, तो इसे उस प्रचुरता से होना है।

यीशु ने यह भी कहा, "जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्रशास्त्र में आया है, उसके पेट से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी" (यूहन्ना ७:३८)। वह पवित्र आत्मा की बात कर रहा था, जो उस पर भरोसा करने वाले ग्रहण करने वाले थे (यूहन्ना ७:३९)। इसलिए, आपके जीवन में पवित्र आत्मा की उपस्थिती का मतलब है कि आप जीवन के जल की नदियो को बहाने के योग्य है जो कि आपके वचनो से आती है; दैविय शब्दो से!

इसका अर्थ है कि अगर एक मसीही गलत बोलता है, कठोर बोलता है, या कड़वे शब्दो को बोलता है, तो वह एक ऐसा चरित्र दिखा रहा है जो उसके सच्चे स्वभाव से मेल नही खाता है। याकूब ३:११ हमे बताता है कि एक ही झरने से कड़वा और मीठा पानी दोनो नही आ सकते। आपमें मीठा पानी है आपके अंदर के परमेश्वर के झरने से। आपके अंदर मिश्रण नही है। आपके अंदर केवल भलाई और आशीषे है, जो कि दिखाई देती है हर बार जब आप बोलते है।

आपकी बातचित एक मसीही के रुप में आपकी वयस्कता का सच्चा मापदंड है:

“ … जो कोई वचन में नहीं चूकता (कभी भी गलत वस्तुएं नही कहता है), वह एक पूर्ण विकसित चरित्र और एक सिध्द मनुष्य है …” (याकूब ३:२ ए.एम.पी.सी)। आपके वचनो के द्वारा, दूसरो तक चंगाई और जीवन लाईये; उन तक आशा, सामर्थ और साहस लाईये। अपना रास्ता विजय में चलाईये, महिमा से महिमा में, अपने विश्वास भरे और पूर्ण शब्दो के द्वारा।

घोषणा

मेरे पूर्ण, विश्वास भरे शब्दो के द्वारा मैं अपने जीवन का रास्ता विजय में और महिमा से महिमा में बनाता हूँ। पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा मैं हर समय जीवन और बुद्धि को बोलता हूँ। मैं दैविय स्वास्थ, दैविय प्रचुरता और निरंतर सफलता और समृद्धि में जीता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 12:35-37 AMPC; मरकुस 11:23; याकूब 3:2-5 NIV

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 2 & भजन संहिता 107-108

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 4:1-7 & यिर्मयाह 2

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

जीवन को एक संघर्ष नही होना चाहिए

और परमेश्वर ने अपना काम जिसे वह करता था सातवें दिन समाप्त किया, और उसने अपने किए हुए सारे काम से सातवें दिन विश्राम किया (उत्पत्ति २:२)।

उत्पत्ति की पुस्तक में सृष्टि की कहानी को पढ़िए: जब परमेश्वर ने उसकी बनाई सारी सृष्टि को देखा कि वह अच्छी, मनभावनी और हर तरिके से सर्वश्रेष्ठ है, तो उसने अपने कामो को रोक दिया और सातवे दिन विश्राम किया। वह सातवॉ दिन मनुष्य का पहला दिन होने वाला था। जब वह जागा, तो उसने देखा कि सारी वस्तुएं तैयार थी। मनुष्य के करने के लिए कुछ भी बाकी नही था सिवाय इसके कि वह उसका आनंद मनाए जो सृष्टित किया जा चुका था, उसका ध्यान रखें, और उसके सृष्टिकर्ता की सराहना करे। यह परमेश्वर के लोगो के लिए सब्त और विश्राम की एक छाया थी। आप उसके विश्राम में जन्मे थे (इब्रानियो ४:९-१०)।

ऐसे लोग है जो एक स्थायी संघर्ष का जीवन जीते है। वे शायद ही शैतान से बिना लड़े किसी काम को पूरा कर पाते है। उन्हें जीवन में हमेशा लड़कर अपना रास्ता बनाना पड़ता है, प्रार्थना करनी पड़ती है और समाप्ती के लिए दिनो उपवास करना पड़ता है, और हर प्रकार के शैतानो को निकालना पड़ता है। बचपन से लेकर जवानी तक उनका यही अनुभव रहा है। उनको गहरी "आत्मिक लड़ाईयाँ" लड़नी पड़ती है इससे पहले कि उन्हें विश्वविद्यालय में दाखिला मिले। जब स्नातक होने का समय आया, तौभी स्थितीयाँ उतनी ही मुश्किल थी और उन्हें उसी प्रकार की लड़ाईयो को लड़ना पड़ा। विद्यालय के बाद नौकरी पाने में भी वही कहानी थी। एक पती/पत्नी पाने में और बच्चे को पैदा करना भी अलग नही था। उनके जीवन अनंत कठिनाईयो और मुश्किलो का प्रवाह रहे है। कहीं ना कहीं कुछ गलत है।

अगर आप नये जन्मे है और पवित्र आत्मा से भरे हुए है, तो आपको एक अनंत आनंद और विश्राम का जीवन जीना चाहिए, जहां पर आप पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा सफलता के ऊपर सफलता की ढेरीयाँ लगाते है। किंतु अगर आप नही समझते है कि कैसे मसीह में आपकी दैविय विरासत को लेना और आनंद मनाना है, तो आप एक "अनंत लड़ाईयो का जीवन" जीएँगे, उसकी तरह जो हमने अभी बताया। उस प्रकार के जीवन को अस्वीकार कर दीजिए।

मसीह में तनाव – मुक्त जीवन को गले लगाईये। उसने मत्ती ११:२८ में कहा, " हे सब परिश्रम करनेवालो और बोझ से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम

दूँगा। ” आप पहले ही उद्धार में उस तक आ चुके है और उसने आपको पहले ही विश्राम दे दिया है: “क्योंकि जिसने उसके विश्राम में प्रवेश किया है, उसने भी परमेश्वर के समान अपने कामों को पूरा करके विश्राम किया है” (इब्रानियो ४:१०)। यह आपके जीवन की वास्तविकता है।

प्रभु यीशु ने शैतान को इसलिए नही हराया कि हम अभी भी “लड़ते रहे” और जीवन में संघर्ष करके अपना रास्ता बनाये। हमारे बदले में उसकी प्रतिस्थापन की मृत्यु ने, और उसके कामो ने हमे जो विजय दी है वह पूरी थी। इसलिए, जहां पर जरुरी है अपने सोचने के तरिके को बदल दीजिए और आज उसके वचन को ग्रहण कीजिए। एक आनंद, शांति और महिमा के जीवन को ग्रहण कीजिए जो उसने आपको दिया है।

घोषणा

प्रभु ने मेरे जीवन को आसान, महिमामय और उत्साही बनाया है; मैं मसीह में एक तनावमुक्त जीवन जीता हूँ। मैं परमेश्वर के विश्राम में हूँ; इसलिये, मैं आनंद और शांति के साथ समृद्धि के जीवन का आनंद मनाता हूँ! परमेश्वर की स्तुति हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 11:28-30 CEV; इब्रानियो 4:9-10

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 3 & भजन संहिता 109-112

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 4:8-13 & यिर्मयाह 3

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुधवार 19

दूसरो का ख्याल रखिये और उन पर ध्यान दीजिए

तब राजा उन्हें उत्तर देगा, मैं तुम से सच कहता हूँ कि तुमने जो मेरे इन छोटे से छोटे भाइयों में से किसी एक के साथ किया, वह मेरे ही साथ किया (मत्ती २५:४०)।

परमेश्वर की इच्छा आपके लिए यह है कि आप बहुत सफल और खुश हो, ताकि आप उनकी सहायता कर सके जो उदास है क्योंकि उसने कहा, " ... और तुझे आशिष दूँगा, और तेरा नाम महान् करूँगा, और तू आशीष का मूल होगा"(उत्पत्ति १२:२)। ध्यान पाने के बजाय और यह आशा करने के बजाय कि कोई आपको खुश रखे, वह चाहता कि आप वह व्यक्ति बने जो दूसरो का ख्याल रखता हो।

ऐसे लोग है जो कुंठित हो जाते है क्योंकि उन्हें लगता है कि दूसरे उनका ख्याल नही रखते है। जितना अधिक वे ध्यान पाना चाहते है, उतना ही लगता है कि उनको नकारा जा रहा है, और इससे वह कुंठित हो जाते है। फिलिप्पियो २:४ टी.एल.बी कहता है, "हर एक अपने ही हित की नहीं, वरन् दूसरों के हित की भी चिन्ता करे..." यहां तक कि प्रार्थना में भी आत्म – केंद्रित मत हो जाईये, केवल अपनी ही जरुरतो के लिए सचेत; दूसरो की जरुरतो के लिए भी सचेत हो जाईए।

मुझे याद है एक प्यारा भाई जो हमारी एक सभा में लाया गया, जो बीमार और बहुत कमजोर था। जब वह कुर्सी पर अपने टूटे हुए शरीर को थाम कर रखने का प्रयास कर रहा था, एक दूसरा बीमार व्यक्ति जो उससे भी भयानक स्थिती में था लाया गया और उसे उसके बाजू में लेटाया गया। उसकी भयानक स्थिती ने इस भाई को रुला दिया, और उसने बाद में कहा कि जब उसने उस बीमार व्यक्ति को देखा और यह कि उसकी दशा कितनी दयनीय थी, वह अपने बारे में भूल गया और उसने उसके लिए चंगाई की प्रार्थना शुरु कर दी। उस व्यक्ति ने भी अपनी चंगाई को ग्रहण किया और चंगा हो गया!

जब आप दूसरो के विषय में चिंतित हो जाते है, तो परमेश्वर आपकी इच्छाओ का ध्यान रखेगा। हो सकता है कि आप परमेश्वर से कुछ लंबे समय से एक नई नौकरी के लिए प्रार्थना कर रहे थे और माँग रहे थे, क्यूँ ना आप उनके लिए भी प्रार्थना करे जिनके पास नौकरीयाँ नही है? अपने परिवार की परेशानियो के द्वारा अभिभूत होने के बजाय, अपने आसपास के परिवारो के लिए भी प्रार्थना कीजिए। जब आप इस चेतना के साथ जीएँगे, तो आपके जीवन में बिना माँगे चमत्कार होंगे। हालेलूयाह!

हमेशा इतने अनुग्रह से भरे रहिए कि आप दूसरो की सहायता कर पाएं, और इतना

प्रेम कीजिए कि आप उनका ख्याल रख पाएं, आप परमेश्वर की आशीषो की फैली हुई भुजा है, आपके विश्व में प्रेम और ध्यान की भुजा। अपने विषय में आज से यही सोचिये, क्योंकि परमेश्वर आपके विषय में यही सोचता है।

घोषणा

परमेश्वर सारा अनुग्रह – हर कृपा और पृथ्वी की आशीष को मुझ तक प्रचुरता तक लाने में सक्षम है, ताकि मैं हमेशा, हर परिस्थिती में, हर जरुरत के लिए आत्म सक्षम हूँ, और मेरे पास पर्याप्त से ज्यादा हो कि मुझे किसी भी सहायता या सहारे की आवश्यकता ना हो, और मैं सारे भले कामो और दान के कामो में प्रचुरता से भरा रहूँ। परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 7:12; मत्ती 7:12 GNB

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 4 & भजन संहिता 113-116

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 4:14-23 & यिर्मयाह 4

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 20

यह चुनाव का विषय है

क्योंकि परमेश्वर का राज्य खाना-पीना नहीं, परन्तु सत्यनिष्ठा और मेल-मिलाप और वह आनन्द है जो पवित्र आत्मा में होता है (रोमियो १४:१७)।

जीवन में परिस्थितीयाँ होंगी और यहाँ तक कि लोग भी होंगे जो आपके खुश और आनंदी जीवन की अभिलाषो को कुंठित करने की कोशिश करेंगे। किंतु, आखिर में बात आपके चुनाव की आती है। हाँ, बात केवल चुनाव की ही है!

अगर एक मनुष्य चुनता है कि दूसरो की निराशाएं या जीवन के विरोधी गिराने वाले प्रभावो और परिस्थितीयॉ उसको रोक दे, तो बहुत संभावना है कि वह कुंठित जीवन जीएगा, उसके लिए परमेश्वर के उद्देश्य को पूरा करने में असक्षम। इस तरह का व्यक्ति अपने क्रोध और कुंठा को दूसरो पर निकालेगा। वह यहॉ तक कि हर व्यक्ति को नाखुश देखना चाहेगा क्योंकि उसको कोई कारण नही मिलेगा कि वे खुश क्यूँ होने चाहिए। आज बहुत से लोगो के साथ ऐसा ही है।

किंतु, आपके विषय में परमेश्वर के वचनो के ज्ञान पर आधारित होकर, आपका चुनाव अलग हो सकता है और उसे अलग होना भी चाहिए। अपने जीवन को उसकी सच्चाई के प्रकाश में जीना चुनिए और अपना मन बनाईये कि जीवन में आपका आनंद और परिपूर्णन स्थितीयो से स्वतंत्र होगा। हर दिन और अपने जीवन के क्षणो का आनंद मनाना सीखिए। यह आपके लिए उसकी इच्छा है!

व्यवस्थाविवरण ३०:१९ टी. एल. बी. अनुवाद में परमेश्वर ने इस्त्राइल के बच्चो से कहा, "... मैं ने जीवन और मरण, आशीष और शाप को तुम्हारे आगे रखा है; इसलिये तू जीवन ही को अपना ले, कि तू और तेरा वंश दोनों जीवित रहें!" यह बहुत ही स्पर्श करनेवाला और निर्देशात्मक भी है। उसने आपको आशीषो के जीवन को चुनने का चुनाव दिया क्योंकि आपके लिए उसकी यही इच्छा है – कि आप सर्वदा की आशीषो में जीएं।

परिपूर्णता, दैविय स्वास्थ, दैविय अंर्तज्ञान का जीवन और विस्तारित दिमाग, समृद्धि और धन का जीवन, एक महिमा और हमेशा बढ़ते हुए आनंद का जीवन; यह और इससे अधिक मसीह में आपके दैविय प्रावधान है। किंतु आपको अवश्य ही चुनाव करना है कि

आप इन वास्तविकताओ अपने व्यक्तिगत जीवन में मानें और इस्तेमाल करें। परमेश्वर के वचन में चलना चुनिए और आज अपने जीवन के द्वारा परमेश्वर को महिमा दीजिए।

प्रार्थना

प्यारे स्वर्गीय पिता, धन्यवाद मुझे आशीषो का जीवन देने के लिए, आनंद और महिमा से भरा हुआ। मैं दैविय स्वास्थ, दैविय अंर्तज्ञान और एक महान विस्तारित दिमाग, समृद्धि और धन में जीता हूँ। धन्यवाद आपके महान अनुग्रह और मेरे विश्व को चलाने की आपकी बुद्धि के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१पतरस 1:8; यूहन्ना 15:11; फिलिप्पियो 4:4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 5 & भजन संहिता 117-118

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 1:1-8 & यिर्मयाह 5

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

छोटे बादल" का कुछ मतलब है

सातवीं बार उसने कहा, देख समुद्र में से मनुष्य का हाथ सा एक छोटा बादल उठ रहा है। एलिय्याह ने कहा, अहाब के पास जाकर कह, रथ जुतवा कर नीचे जा, कहीं ऐसा न हो कि तू वर्षा के कारण रुक जाए

(१राजा १८:४४)।

अधिकतर, बहुत से लोग उनकी परेशानियो और परिस्थितीयो के द्वारा बहुत अधिक चिंतित और अभिभूत हो जाते है कि वे अपने आसपास परमेश्वर की आशीषो पर ध्यान नही दे पाते है। जो उत्तर और चमत्कार उन्हें चाहिए वे शायद पहले से ही उन छोटे चिन्हो या उनके आसपास के विवरणो में हो किंतु उनके पास इतना भेद नही होता है कि वे उन पर ध्यान दे पाएं।

किंतु हमारे आरंभिक वचन में भविष्यद्वक्ता एलिय्याह के विषय में कुछ अलग बात पर ध्यान दीजिए: साड़े तीन साल के अकाल के बाद, उसने परमेश्वर से प्रार्थना शुरु की कि आकाश खुल जाएं और बारिश हो जाएं। जब उसने प्रार्थना की, तो उसने अपने नौकर को बहुत बार भेजा यह जाँचने के लिए कि बारिश आ रही थी या नही। हर बार, जवान व्यक्ति नकारात्मक रिपोर्ट के साथ लौटा कहते हुए, "नही स्वामी, बाहर बारिश का नामो निशान भी नही है।"

सातवी बार किंतु वह यह कहते हुए आया कि, "मुझे पूरा तो नही पता कि इसका कोई मतलब है या नही, किंतु मैंने आकाश में एक छोटा सा बादल देखा, मनुष्य के हाथ के बराबर।" उस समय, एलिय्याह अपने पैरो पर कूदा और कहा, "हाँ यही तो है!" और तुरंत ही उसने अहाब राजा को एक संदेश भेजा: "जल्दी से अपने रथ में बैठकर अपने शहर को वापिस जाओ इससे पहले की बारिश तुम्हें रोके।"

एलिय्याह के नौकर ने केवल एक छोटे से बादल की सूचना दी थी, किंतु एलिय्याह को केवल इसी की जरुरत थी; उसे पता था कि उसने प्रगति कर ली है। वह वर्तमान स्थिती में एक बदलाव को देख सकता था। क्या आज आप अपने जीवन में कुछ अलग वस्तुओ को देख सकते है? एलिय्याह की तरह, उस बदलाव के "चिन्ह" को देखिए एक प्रतिक के रुप में कि आपको पहले ही विजय मिल चुकी है।

इंतजार मत कीजिए; तुरंत ही घोषणा कीजिए, और घोषणा करते रहिए कि आप मसीह में विजयी है। अपनी विजय की घोषणा करते रहिए, आश्वस्त होकर कि आपमें परमेश्वर के वचन और जीवन ने आपको परिपूर्ण बना दिया है और आपके भौतिक शरीर,

जीवन और परिस्थितीयो में सिद्धता को लाया है।

अपने आपमें और अपने आसपास परमेश्वर के कामो को पहचानिए और उसे महिमा दीजिए। अपने दिमाग को चिंताओ के द्वारा बांधना मना कर दीजिए ताकि आप परमेश्वर की आवाज को सुन सके और उसकी उपस्थिती, सुंदरता और चिन्हो को देख सके। एलिय्याह की तरह देखिए कि आपने प्रगति कर ली है और कर रहे है और आप प्रभाव बना चुके है, हर दिन के जीवन में उन छोटे से चिन्हो को देखकर।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मेरी आत्मिक आँखे खुली हुई है आपके अद्भुत कामो को पहचानने के लिए, आपकी महिमा को देखने के लिए, आपकी सुंदरता में गोते लगाने के लिए, आपकी उपस्थिती का भेद जानने के लिए और उन दृश्य और अदृश्य चिन्हो को देखने के लिए जो आप छोटे छोटे विवरणो में दिखाते है मेरे ध्यान देने के लिए। इस चेतना के साथ, मैं विजय में चलता हूँ हर स्थिती और परिस्थिती में विजय पाता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

जकर्याह 4:10; यूहन्ना 6:9-11 MSG

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 6 & भजन संहिता 119:1-112

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 1:9-18 & यिर्मयाह 6

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

शनिवार 22

महिमा से महिमा में प्रगति करते हुए

हे भाइयो, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूँ; परन्तु केवल यह एक काम करता हूँ कि जो बातें पीछे रह गई हैं उनको भूल कर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ (फिलिप्पियो ३:१३)।

बहुत से लोगो को लगता है कि प्रगति या सफलता का अर्थ है कमाई में वृद्धि होना, नौकरी में प्रमोशन पाना, एक नया घर खरीदना इत्यादि। किंतु सच्ची सफलता इन से बढ़कर है; यह वचन और पवित्र आत्मा की सेवकाई के द्वारा आपकी आत्मा का विकास है। यह वह श्रेष्ठता है जो कि दिखाई देती है पहले आपके आंतरिक मनुष्य में और परिणामस्वरुप बाहर प्रकाशित होती है। यह आपके "आप" में से आती है।

जब आपके पास यह जागरुकता होती है, तो आप जीवन की चुनौतियो और संकटों के द्वारा भयभीत नही होंगे। क्योंकि दूसरे लोग उन्नति कर रहे है इसका यह मतलब नही है कि आप गिर रहे है। इसलिए अपनी वृद्धि या इसकी कमी को दूसरो की सफलता के द्वारा मत नापिये।

सच्ची सफलता का अर्थ है परमेश्वर के वचन के द्वारा विजयी जीवन को जीना और आपके जीवन के लिए उसके इच्छित परिणामो को पाना। इसलिए यह बेवकूफी होगी कि आप अपनी सफलता को किसी दूसरे की सफलता से नापे, क्योंकि आप शायद उस व्यक्ति के जीवन के लिए परमेश्वर की योजना को ना जानते हो।

आपके और परमेश्वर के बीच में, आप जान सकते है कि आप सफल है या नही। आप आज अपने जीवन को देख सकते है और बता सकते है कि आप अपने जीवन के वर्तमान पड़ाव में सफलता है या नही, क्योंकि सफलता सापेक्षिक है और आपके दैविय उद्देश्य की रेखा में अलग अलग स्तरो पर नापी जाती है।

जो जीवन परमेश्वर ने आपको दिया है वह हमेशा बढ़ती हुई महिमा का है जहां पर हम सफलता के ऊपर सफलता को इकट्ठा करते है। अगर आप अभी सफलता है तो वह आप पर और ज्यादा के लिए भरोसा कर सकता है। इसलिए, हर बिंदु पर अपनी सफलता को नापिये और उसका उत्सव मनाईये, अपने कार्य या उपलब्धियों की निर्धारित लक्ष्यो के साथ तुलना करके।

आप एक स्तर पर सफलता हो सकते है और फिर उद्देश्य बढ़ जाता है, चुनौतिया

बढ़ जाती है, किंतु आपको हर स्तर पर अवश्य ही जीतना है। जब आप चुनौतियो पर प्रबलता पाते है और नये उद्देश्यो को पा लेते है, तो आप फिर से एक ऊँचे और नये स्तर पर सफलता बन जाते है। यह महिमा से महिमा में ऐसे ही चलता रहता है। यह परमेश्वर की योजना और आपकी सफलता के लिए उसका विचार है।

घोषणा

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मुझे सीखाने के लिए कि जीवन के अलग अलग स्तरो पर कैसे प्रगति करनी है। मेरा केंद्र केवल आप पर है, और मेरा उत्साह और उद्देश्य मेरे जीवन के लिए आपकी योजना और उद्देश्यो को पूरा करना है। मैं अपनी तुलना दूसरो से करना मना करता हूँ किंतु जीवन में अपनी सफलता को मेरे जीवन के लिए आपके उद्देश्य और वचन से नापता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 4:18; फिलिप्पियो 3:13-14; इब्रानियो 12:1-2

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 7 & भजन संहिता 119:113-176

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 1:19-29 & यिर्मयाह 7

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 23

अपने जीवन के लिए परमेश्वर की योजना का अनुकरण कीजिए

क्योंकि हम परमेश्वर के (स्वंय के) बनाए (उसकी कार्यकुशलता) हुए हैं, और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिये सृजे गए जिन्हें परमेश्वर ने पहले से हमारे करने के लिये तैयार किया

(इफिसियो २:१० ए.एम.पी.सी)।

ाह जरुरी है कि आप अपने जीवन को देखे और सुनिश्चित हो जाएं कि आप अपने जीवन के लिए परमेश्वर की योजना और पवित्र आत्मा के साथ मेल में चल रहे है। अगर आप उसे अपना ध्यान देंगे, तो वह आपको हमेशा सही रास्ते में चलाएगा। यीशु ने पवित्र आत्मा के विषय में कहा, "...तो वह तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा ..." (यूहन्ना १६:१३)। अपने जीवन के साथ उस पर भरोसा कीजिए, और वह परमेश्वर की सिद्ध इच्छा में आपको ले जाएगा और चलाएगा।

जब आप परमेश्वर की योजना में चल रहे होते है, तो हर वस्तु जो आपको चाहिए होती है —आपके लिए उसकी इच्छा के दायरे में — आप तक सही समय पर ला दी जाएगी। आपकी यात्रा के हर पड़ाव पर, जो कुछ आपको चाहिए वह सही जगह पर होगा, क्योंकि आप उस रास्ते में है जो परमेश्वर ने आपके लिए योजना की है। संघर्ष अनावश्यक हो जाएगा, क्योंकि आप रास्ते पर है और आत्मा के द्वारा चलाए जा रहे है।

कुछ लोग ऐसी अभिलाषाओ के पीछे जाते है जिनका परमेश्वर के उनके जीवनो के उद्देश्य के साथ कोई संबंध नही है। वे पवित्र आत्मा के नेतृत्व के लिए समर्पित नही है। परमेश्वर नही चाहता है कि आप किसी वस्तु को केवल इसलिए करे क्योंकि दूसरे कर रहे है; उसके निर्देश को ढूंढिए और अनुकरण कीजिए। वचन के लिए अपने आपको समर्पित कीजिए। उसका वचन सच्चा प्रकाश है।

भजनसंहिता के लेखक ने भजनसंहिता १६:११ में कहा, "तू मुझे जीवन का रास्ता दिखाएगा; ..." कैसे? वचन के द्वारा! उसका वचन आपके पैरो के लिए दीपक और आपके रास्ते के लिए प्रकाश है (भजनसंहिता ११९:१०५)। उसके वचन के द्वारा वह आपको सफलता, विजय और अनंत आनंद के रास्तो में चलाता है — वे रास्ते जो उसने आपके चलने के लिए पहले से तैयार किए है। आपके जीवन को संयोगवश घटनाओं का भवंरजाल नही होना चाहिए; आप एक संयोग की संतान नही है। परमेश्वर ने आपके आने से पहले आपके लिए योजना बनाई, जिसका अर्थ है कि पूर्वनियोजन आपमें काम कर रहा है।

आत्म-केंद्रित अभिलाषाओ से मिलनेवाले क्षणिक आनंद को आपको बहाने मत

दीजिए। हर उस विपरित परिस्थिती के द्वारा विचलित मत हो जाईये जिसमें आप अपने आपको देखते है। इसके बजाय अपने जीवन के लिए परमेश्वर की योजना में बने रहिए और उसका अनुकरण कीजिए, पूरे हृदय के साथ उसकी सेवा कीजिए और उसके वचन में जीते रहिए, और वह आपको निर्देशित करेगा कि आप उसमें अपने विधान को पूरा करे।

प्रार्थना

प्यारे पिता, आपके वचन और आत्मा के साथ सहभागिता के द्वारा, आप मुझे मेरे लिए अपने विधान को पूरा करने में गाईड करते है और आपके नाम को महिमा लाते है। मैं आत्मा के द्वारा दैविय रुप से सहायता प्राप्त हूँ, उन निर्णयों को लेते हुए और उन कदमो को उठाते हुए जो कि आपके दैविय उद्देश्य के साथ मेल खाते है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 1:11-12 AMPC; रोमियो 8:29-30

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 8 & भजन संहिता 120-127

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 2:1-7 & यिर्मयाह 8

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 24

मसीह-उत्साहीत प्रतिक्रिया

वरन् अपने शत्रुओं से प्रेम रखो, और भलाई करो, और फिर पाने की आशा न रखकर उधार दो; और तुम्हारे लिये बड़ा प्रतिफल होगा, और तुम परमप्रधान के सन्तान ठहरोगे, क्योंकि वह उन पर जो धन्यवाद नहीं करते और बुरों पर भी कृपालु है (लूका ६:३५)।

क्या कभी आपसे गलत व्यवहार किया गया? मुझे विश्वास है कि हम में से बहुतो के साथ कभी ना कभी किसी प्रकार का गलत व्यवहार या अन्याय हुआ ही होगा। किंतु किस तरिके से परमेश्वर चाहता है हम उसका उत्तर दे, वह उसके वचनो में स्पष्ट है। उसने याकूब ५:१३ में ए.एम.पी.सी. में कहा, "क्या तुम में कोई दु:खी (अपमानित, बुराई से त्रस्त) है ?तो वह प्रार्थना करे..." यह कितना अद्भुत है!

यह उसके समांतर है जो यीशु ने लूका ६:२८ में कहा, "...जो तुम्हारा अपमान करें, उनके लिये प्रार्थना करो।" परमेश्वर हमारी जिंदगीयो में ऐसी स्थितीयों के लिए जागरुक है जहां पर हम सतावो का सामना करते है या दूसरे लोगो से अपमान पाते है। किंतु, वह नही चाहता है कि हम अपने आप पर दया करे, शिकायत करे या कड़वाहट में भर जाएं उनके कारण जो हमे परेशान करते है; वरन, वह हम से कहता है कि हम प्रार्थना करे!

जब बुरा व्यवहार किया जाता है तो उसके ठीक विपरित कार्य करना बहुत मुश्किल हो सकता है। कुछ लोग शायद प्रतिरोध करे या उनसे लड़े जो उनके साथ गलत व्यवहार कर रहे थे और उस प्रक्रिया में, उस तरिके से व्यवहार करे जो वे वास्तव में है ही नही। कभी भी किसी के बुरे बर्ताव को आपके अच्छे व्यवहार या चरित्र को मत बदलने दीजिए।

शायद आप अच्छे थे और किसी से प्रेम कर रहे थे और बदले में उसने आपसे गलत व्यवहार किया। उस धोखे के कारण निर्णय मत लीजिए कि आप कभी भी किसी को प्रेम नही दिखाएंगे; यह मसीह जैसा नही होगा। अगर आप इसके सामने झुक जाएँगे, तो आप किसी के गलत रवैये या गलत न्याय को आपके चरित्र को नियंत्रित करने दें रहें है।

एक सवाल जो आपको अपने आपसे पूछना चाहिए: "क्या मेरे लिए सहायता करना या प्रेम दिखाना सही था?" अगर यह सही था, तो उसको करते रहिए जो सही था। उस तरिके से, आप अपनी आत्मा को अस्वस्थ घुसपैठ से बचाएँगे और शैतान को आपके जीवन में आने से रोक देंगे।

इससे अंतर नही पड़ता है कि आपके साथ कैसा व्यवहार किया गया था, मसीह-

व्यवहार को बनाये रखिए। उसने कहा, "जो तुम्हें स्त्राप दें, उनको आशीष दो; जो तुम्हारा अपमान करें, उनके लिये प्रार्थना करो। जो तेरे एक गाल पर थप्पड़ मारे उसकी ओर दूसरा भी फेर दे; और जो तेरी दोहर छीन ले, उसको कुरता लेने से भी न रोक। जो कोई तुझ से माँगे, उसे दे; ... अपने शत्रुओं से प्रेम रखो, और भलाई करो, ... और तुम परमप्रधान के सन्तान ठहरोगे, क्योंकि वह उन पर जो धन्यवाद नहीं करते और बुरों पर भी कृपालु है" (लूका ६:२८-३५)।

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद मुझे सही करने की योग्यता देने के लिए और आपकी भलाई और प्रेम सबको दिखाने के लिए। मैं सत्यनिष्ठा में चलता हूँ और मेरे विश्व में आपकी आशीषो को फैलाता हूँ। मेरे द्वारा बहुत से लोग सच्चाई को जानते है और आपकी सत्यनिष्ठा को गले लगाते है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

लूका 6:28-35 AMPC; मत्ती 5:38-45 TPT

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 9 & भजन संहिता 128-134

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 2:8-15 & यिर्मयाह 9

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मंगलवार 25

अपने जीवन का आनंद मनाईये

इस संसार के धनवानों को आज्ञा दे कि वे अभिमानी न हों और चंचल धन पर आशा न रखें, परन्तु परमेश्वर पर जो हमारे सुख के लिये सब कुछ बहुतायत से देता है
(१तीमुथियुस ६:१७)।

आप ठीक अभी अपने सर्वश्रेष्ठ जीवन को पा सकते है और उसका आनंद मना सकते है। आपको अपने देश की सरकार का इंतजार नही करना है कि वे वस्तुओ को सही करे और समाज को बेहतर बनाएं इससे पहले कि आप जीवन का आनंद उठाए। अपने जीवन का आनंद मनाना एक चुनाव है जो आपको अपने लिए करना है अगर आप वास्तव में आज और हमेशा परमेश्वर के सर्वश्रेष्ठ को चाहते है।

जीवन एक उपहार है, और परमेश्वर से एक बुलाहट है। जीवन में हर वस्तु, आपके आसपास का विश्व भी, आपके लाभ के लिए बनाया गया था। परिपूर्णता तक उस जीवन का आनंद मनाने के लिए आपको केवल परमेश्वर के वचनो में बने रहना है। यीशु ने कहा, "...मैं इसलिये आया कि वे जीवन पाएँ, और बहुतायत (भरपूरी तक, उमड़ने तक) से पाएँ" (यूहन्ना १०:१०ए.एम.पी.सी)। इसके विषय में सोचिये!

परमेश्वर ने आनंद मनाने के लिए सारी वस्तुएँ बहुतायत से दी है। २पतरस १:३ कहता है, "क्योंकि उसकी ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, जिसने हमें अपनी ही महिमा और सद्गुण के अनुसार बुलाया है।" अपने जीवन का पूरा आनंद मनाईये; इसके लिए हर वह वस्तु जो आपको चाहिए वह पहले ही दी जा चुकी है।

पौलुस ने १कुरिंथियो ३:२१ में कहा, "सारी वस्तुएँ तुम्हारी है।" हम ने यह भी पढ़ा कि परमेश्वर ने आपको बहुतायत से (ना कि कंजूसी से) सारी वस्तुएँ आनंद मनाने के लिए दी है। आपको आज केवल परमेश्वर के वचनो में समय बिताने की जरूरत है, यह जानने के लिए कि मसीह यीशु में वास्तव में आपका क्या है, ताकि आप उसके वचन के द्वारा जी सके और उसकी महिमा के लिए अपने जीवन का परिपूर्णता तक आनंद मना सके।

घोषणा

मैं परमेश्वर के विश्राम में बुलाया गया हूँ, मैं अपने जीवन का नियंत्रण लेता हूँ और उसका भरपूरी तक आनंद उठाता हूँ, क्योकिं मसीह ने मुझे दैविय स्वभाव का सहभागी, पार्टनर और प्रतिभागी बना दिया है। इसलिए, मैं मसीह जीवन के महान खजानो और आशीषो का आनंद लेता हूँ। परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ तीमुथियुस 6:17 NIV; मत्ती 11:28-30 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 10:1-13 & भजन संहिता 135-138

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 2:16-23 & यिर्मयाह 10-11

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुधवार 26

एक खुश हृदय और आनंदी दिमाग

एक खुश हृदय अच्छी औषधि है और आनंदी दिमाग चंगाई लाता है, परन्तु मन के टूटने से हयिाँ सूख जाती है (नीतिवचन १७:२२ ए.एम.पी.सी)।

एक कैंसर जैसी बीमारी अपना जीवन कुंठा, कड़वाहट, क्रोध, अवसाद, ईर्ष्या और दु:ख से लेती है। किंतु हँसी जो कि सबसे सरल, तीव्र और आनंद और प्रसन्नता को देखकर तुरंत पहचानी जा सकती है, उसमें चंगा करने की सामर्थ है। जो लोग बीमार है और उनके जीवनो में परेशानियो से गुजर रहे है अगर केवल वे परमेश्वर के वचन पर अधिकतर हँसने के द्वारा कार्य करे, तो वे अचानक आए बदलावो के द्वारा आश्चर्यचकित हो जाएँगे।

ऐसे लोग है जो बहुत लंबे समय से हँसे नही है। वे लगभग भूल ही चुके है कि हँसना क्या होता है। वे अपने जीवनो को देखते है और निष्कर्ष निकालते है कि खुश होने के लिए कुछ भी नही है। वास्तव में वे ग्लानी महसूस करते है अगर वे अपने आपको हँसता हुआ पकड़ लेते है। उनको विश्वास है कि हँसी उन लोगों के लिए है जो जीवन के विषय में गंभीर नही है। फिर भी, उनकी कठोरता से उनका जीवन उनके लिए आसान नही हुआ है।

परमेश्वर उसके वचनो से आपको बताना चाहता है कि हँसी औषधि है। आनंद का आपका प्रर्दशन एक अच्छी शुरुवात है चंगाई और पुर्ननिवास के लिए। कुछ बार, जब जीवन बहुत कठिन दिखाई देता है, तो पीछे जाईये और हँसना सीखिए। एक खुश हृदय और आनंदी दिमाग बनाकर रखिए।

रोचक तथ्य यह है कि आपको परमेश्वर से प्रार्थना करने की जरुरत नही है कि वह आपको आनंद और खुशी दे; यह आपकी पुन:सृष्टित मानविय आत्मा का कार्य है। आप अपने आपको परमेश्वर के वचन के द्वारा आनंदी बनाते है। याद रखिए, आपकी पुन:सृष्टित मानविय आत्मा का एक फल आनंद है (गलातियो ५:२२); आपको अपनी आत्मा में आनंद रखना है; हँसी और प्रसन्नता आनंद के प्रत्यक्षिकरण है।

घोषणा

परिस्थितीयो के बावजूद, मैं दिन के चौबीस घंटे आनंद से भरा रहता हूँ, क्योंकि परमेश्वर का आनंद मेरी सामर्थ है! मैं एक विश्राम के जीवन में लाया जा चुका हूँ जहाँ पर महिमा से भरा हुआ अकथनिय आनंद है। प्रभु निरंतर मेरे मुँह को प्रसन्नता से और पवित्र आत्मा में आनंद के साथ भरता है! उसके नाम को सर्वदा महिमा मिले!

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 14:17; भजन संहिता 126:2; गलतियो 5:22

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 10:14-11:1 & भजन संहिता 139-141

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 3:1-11 & यिर्मयाह 12

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

भक्ति सन्तोष के साथ

(और यह वास्तव में महान लाभ का स्रोत है, क्योंकि) सन्तोष (वह सन्तोष जो आंतरिक सक्षमता के भाव का है) सहित भक्ति बड़ी और महान कमाई है
(१तीमुथियुस ६:६ ए.एम.पी.सी)।

बाइबल हमारे आरंभिक वचन में संतोष को हमे "आंतरिक सक्षमता का भाव" के रुप में समझाती है; फिर यह कहती है, " सन्तोष सहित भक्ति बड़ी और महान कमाई है। " पौलुस ने आत्मा के द्वारा आगे लिखा, "क्योंकि न हम जगत में कुछ लाए हैं और न कुछ ले जा सकते हैं। यदि हमारे पास खाने और पहिनने को हो, तो इन्हीं पर सन्तोष (संतुष्ट) करना चाहिए। पर जो धनी होना चाहते हैं, वे ऐसी परिक्षा और फंदे और बहुत सी व्यर्थ (बेकार, अधर्मी) और हानिकारक लालसाओं में फँसते हैं, जो मनुष्यों को बिगाड़ देती हैं और विनाश के समुद्र में डूबा देती है" (१तीमुथियुस ६:७-९ ए.एम.पी.सी)।

यह उन लोगो की दशा है जो अमीर होने के लिए संघर्ष करते है। किंतु परमेश्वर की एक संतान के रुप में आपको उस जाल में नही फँसना है, नए जन्मे होकर आप एक संतोष के जीवन में प्रवेश कर चुके है। आप अपने संघर्षो से शांत हो चुके है और अब परमेश्वर की महिमा आपमें कार्य करती है।

बाइबल २कुरिंथियो ८:९ में कहती है, "तुम हमारे प्रभु मसीह का अनुग्रह जानते हो कि वह धनी होकर भी तुम्हारे लिये कंगाल बन गया, ताकि उसके कंगाल हो जाने से तुम धनी हो जाओ।" फिर नीतिवचन १०:२२ कहता है, "धन यहोवा की आशीष ही से मिलता है, और वह उसके साथ दु:ख नहीं मिलाता।" यह परमेश्वर की संतान के रुप में आपका जीवन है! आपके जीवन में परमेश्वर की अंतर्निहित आशीष आपके धन का आधार है।

आपकी समृद्धि आत्मा के द्वारा आती है, क्योंकि आप अब्राहम का वंश है। मसीह में, आप परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश कर चुके है। अब आप किराये और दूसरे बिलो के विषय में चिंता नही करते है। अब्राहम के बीज के रुप में, आप हमेशा प्रज्वलित है, स्तुति से भरे हुए और प्रभु को महिमा देते हुए।

एक आंतरिक सक्षमता के स्थान से कार्य कीजिए, और परिस्थितीयो के बावजूद विश्राम और संतोष के लाभ के स्थान से कार्य कीजिए। चाहे स्थिती कोई भी क्यूँ ना हो,

आनंद से भरे रहिए; स्तुति जारी रखिए, प्रभु की सेवा कीजिए और उसमें अपना आनंद मनाईये। वह आपके लिए अवसरो का निर्माण करेगा कि आप लगातार महिमा से महिमा में वृद्धि करते रहे।

घोषणा

प्यारे प्रभु यीशु, मैं मानता हूँ आपको अपने जीवन के प्रभु के रूप में; आप मेरे चुनावो, इच्छाओ, योजनाओ और उद्देश्यो के ऊपर प्रभु है। हमेशा और हर समय, मैं आंतरिक सक्षमता से कार्य करता हूँ, और परिस्थितीयो के बावजूद विश्राम और संतोष के लाभ के स्थान से कार्य करता हूँ । हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

इब्रानियो 4:10; २ कुरुंथियो 9:8 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 11:2-34 & भजन संहिता 142-145

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 3:12-25 & यिर्मयाह 13

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 28

वह आपको उठाता है

इसी रीति से आत्मा भी हमारी दुर्बलता में सहायता करता है: क्योंकि हम नहीं जानते कि प्रार्थना किस रीति से करना चाहिए, परन्तु आत्मा आप ही ऐसी आहें भर भरकर, जो बयान से बाहर हैं, हमारे लिये विनती करता है (रोमियो ८:२६)।

ऐसे समय होते है जब आप इतनी परेशानियो से घिरे होते है कि आप आश्चर्य करते है, "मैं इन सारी परेशानियो के विषय में कैसे प्रार्थना करूँ? सच्चाई यह है कि अगर आप एक के बाद एक आपके आसपास की हर परेशानि और हर स्थिती के विषय में प्रार्थना करने का निर्णय भी लेंगे, तो आप शायद अनंतता अपने घुटनों पर बिता देंगे। इसके अतिरिक्त, शायद आप उन सबको याद भी ना कर पाएं।

किंतु अच्छा समाचार यह है, परमेश्वर आपसे आशा नही करता है कि आप अपने बोझो को खुद उठाये। बाइबल कहती है, "अपनी सारी चिन्ता उसी पर डाल दो, क्योंकि उसको तुम्हारा ध्यान है" (१पतरस ५:७)। वास्तव में, वह आपसे आशा नही करता है कि आप अपनी परेशानियो के विषय में प्रार्थना करे, क्योंकि आप उन सबको जानते भी नही है। तो आप उनसे कैसे निपटते है? यह उन कारणो में से एक है कि उसने आपको पवित्र आत्मा दिया। पवित्र आत्मा हमे उठाता है हमारी कमजोरी या सीमाओ के समयो में।

जब आपको पता भी नही होता है कि क्या करना है, किस विषय में क्या प्रार्थना करनी है या एक विशेष परिस्थिती में क्या करना है, वह आ जाता है। परमेश्वर ने पवित्र आत्मा हमें दिया हमे जीवन की सारी परिस्थितीयों में चलाने के लिए। जब हर दिन की परेशानियो से निपटने की बात आती है तो वही पवित्र आत्मा हमारे लिए खाली जगह में (मध्यस्था करता है) खड़ा होता है जैसा हमने आरंभिक वचन में पढ़ा। वह हमारे स्थान में नियंत्रण लेता है।

हमेशा इस बात के लिए सचेत हो जाईये और अपने व्यक्तिगत जीवन में पवित्र आत्मा की सेवकाई के लिए समर्पित हो जाईये। वह आपके द्वारा कराहो और आहो में प्रार्थना करता है जिनको समझ की भाषा में बोला भी नही जा सकता, आपके लिए परमेश्वर की इच्छा के अनुसार मध्यस्था करते हुए।

यही कारण है कि आप अधिकतर अन्यभाषाओ में प्रार्थना करे; यह आपकी आत्मा को क्रियाविंत करने में आपकी सहायता करता है और पवित्र आत्मा के दैविय शब्दो को रास्ता देता है। जब आप आत्मा के द्वारा प्रार्थना करते है, तो आप अपने जीवन में हर परेशानि को आवश्यक रुप से संबोधित करते है जिनको ध्यान की जरुरत है।

भजनंसहिता के लेखक ने कहा, "प्रभु मुझ से संबंधित हर चीज को सिद्ध करता है"

(भजनंसहिता १३८:८)। जैसे ही आप आत्मा में प्रार्थना करते है, प्रभु वास्तव में आपसे संबंधित हर चीज को आकार देगा, उन वस्तुओ को भी जिनसे आप अज्ञात है। आपको केवल अपने जीवन के साथ उस पर भरोसा करने की आवश्यकता है, यह जानते हुए कि वह पर्याप्त बड़ा है और आपका ध्यान रखने के लिए इच्छुक है। उसका नाम हमेशा के लिए धन्य हो!

प्रार्थना

प्यारे प्रेमी पिता, मैं धन्यवाद देता हूँ आपके आत्मा की असाधारण सेवकाई के लिए जो मुझ में महत्वपूर्ण विषयो के विषय में आपकी इच्छा का ज्ञान डालता है, और मेरी सही से प्रार्थना करने में मदद करता है, जिसके द्वारा परिस्थितीयाँ मेरे और मेरे प्रियजनो के लिए आपकी सिद्ध इच्छा से मेल खाती है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ कुरुंथियो 14:2; रोमियो 8:26-27; यहूदा 1:20

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 12 & भजन संहिता 146-150

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 4:1-9 & यिर्मयाह 14

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

शनिवार **29**

वचन पर केंद्रित बने रहिए

और विश्वास के कर्ता और सिध्द करनेवाले यीशु की ओर ताकते रहें... (इब्रानियो १२:२)।

हमारे आरंभिक वचन का एम्पलीफाइड क्लासिक अनुवाद कहता है, "...यीशु की ओर ताकते (सारी ध्यान भंग करने वाली वस्तुओं से दूर) रहें ..."। जो प्रभु आपको यहां बता रहा है वह बहुत सरल है: वचन पर केंद्रित बने रहिए! यीशु देहधारी हुआ वचन है; उस पर अपना केंद्र बनाए रखिए, ध्यानभंगित मत हो जाईए।

उस घटना को याद कीजिए जब पतरस और स्वामी समुद्र पर चले; पतरस डूबने लगा जब उसने यीशु से अपना ध्यान हटा लिया। अगर उसने अपना ध्यान स्वामी पर रखा होता, तो वह तीव्र हवाओ और तूफान से विचलित नही हुआ होता (पढ़िए मत्ती १४:२५-३१)। आज भी बहुतो के साथ यही होता है; जब वे अपने आपको परिस्थिती और परेशानियो के द्वारा विचलित होने देते है बजाय इसके कि वे परमेश्वर के वचन पर केंद्रित हो, वे और गहरे डूब जाते है।

ऐसी कोई भी परिस्थिती नही है जिसको आप परमेश्वर के वचन के साथ सफलतापूर्वक नही संभाल सकते। परमेश्वर के वचन को अपने रहने का स्थान बना लीजिए; वचन में जीएं! यीशु से सीखिए; उसने वचन को जीया, यद्यपी वही वचन है! वह केंद्रित था, और कभी भी वचन से ध्यानभंगित नही था। उसने उसके विश्वास के परिणामो को देखा; उस आनंद को देखा जो उसके सामने रखा गया था जब उसने क्रूस की पीड़ा और लज्जा को सहा। उसने चिंता नही कि लोगो ने उसके विषय में क्या सोचा; उसका केंद्र था कि पिता की इच्छा को पूरा करे।

आपके साथ भी ऐसा ही होना चाहिए। वे शायद आपकी भक्ति और प्रभु के लिए आपके समर्पण के कारण आपके नाम रखे, किंतु इससे आपको प्रभावित मत होने दीजिए। अगर किसी वस्तु से होना भी है तो उसे और प्रेम करने के लिए उत्साहीत हो जाईए; और अधिक उत्साह के साथ उसकी सेवा करने की चुनौति लीजिए। कठिन समयो और उग्र परिस्थितीयो के द्वारा विचलित मत होईए; मजबूती से पकड़े रहिए और अपना केंद्र यीशु पर रखिए।

१तीमुथियुस ६:१२ कहता है, "विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़; और उस अनन्त जीवन को धर ले..."। वचन से फिर मत जाईए। यशायाह २६:३ उस परिणाम को बताता

है जो आपके पास परमेश्वर के वचन पर केंद्र बनाये रखने से आता है; परमेश्वर आपको समृद्धि की शांति में रखता है: "जिसका मन तुझ में धीरज धरे हुए है, उसकी तू पूर्ण शान्ति के साथ रक्षा करता है, क्योंकि वह तुझ पर भरोसा रखता है"।

घोषणा

परमेश्वर का वचन मुझ में पवित्र आत्मा के द्वारा परिणामो को पैदा कर रहा है जैसे ही मैं मसीह में अपने विधान में चलता हूँ! मैं समृद्धि की शांति का आनंद उठाता हूँ क्योंकि मैं परमेश्वर के वचन में जीता हूँ! मैं परिक्षाओ, चुनौतियो और सतावो के द्वारा अविचलित हूँ, क्योंकि वचन मुझे हमेशा विजयी बनाता है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

इब्रानियो 4:12; यशायाह 55:10-11

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 13 & नीतिवचन 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 4:10-18 & यिर्मयाह 15

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 30

अपने विश्वास को बनाए रखिए

फिर उसने कहा, अब मैं देखता हूँ कि चार पुरुष आग के बीच खुले हुए टहल रहे है, और उनको कुछ भी हानि नही पहुँची; और चौथे पुरुष का स्वरुप ईश्वर के पुत्र के सदृश है
(दानिय्येल ३:२५)।

दानिय्येल के तीसरें अध्याय में, हमे नबूकदनेस्सर राजा की कहानी मिलती है; उसकी सोने की मूर्ती और वह आज्ञा की हर व्यक्ति उसकी आराधना करे। जब शद्रक, मेशक और अबेदनगो उस सोने की मूर्ती सामने नही झुके, तो उसने उन्हें धमकी दी कि वे जलती हुई भट्टी में डाल दिए जाएँगे। किंतु वे तीन इब्रानी लड़के अविचलित थे, उन्होंने केवल इस्राएल के प्रभु में विश्वास किया और उन्हें अपने विश्वास को छोड़ा नही।

उन्होंने राजा से कहा, "हम तुम्हारे ईश्वर के सामने झुकेंगे नही।" "तुम शायद आग लगाओ जो तुम्हारे मन में आए करो!" उनके साहस और उनकी हठ ने राजा को क्रोधित कर दिया; उसने आदेश दिया कि आग सात गुना और ज्यादा तेज की जाएँ। उन्होंने कहा, "हमारा परमेश्वर हमे आग से बचाने में सक्षम है। किंतु अगर वह नही भी करता है तौभी हम झुकेंगे नही।"

क्रोधित राजा ने कहा, "सही है हम देखते है!" जब आखिर में इब्रानी लड़को आग में डाला गया, तो आग इतनी तेज थी कि वे व्यक्ति जिन्होंने उनको फेंका वे ही मर गए। आग के अंदर, उनके हाथ और पाँव के बंधन जल गए किंतु उन्हें आग से कोई नुकसान नही हुआ।

वे उठे और उन्होंने आग के बीच में चलना शुरु कर दिया, संभवत प्रभु की आराधना करी होगी। राजा के आश्चर्य के लिए, वहाँ पर आग में चौथा व्यक्ति भी था, जो उन तीन लड़को के साथ टहल रहा था। प्रभु उनसे आग में जुड़ गया था और उन्हें बचा चुका था। इस तरह ना तो राजा नबूकदनेस्सर की धमकी और ना ही उसके क्रूर कार्य उन लड़को के विश्वास को तोड़ सके। परमेश्वर ने सुनिश्चित किया कि वे विजयी रुप से बाहर आए।

उसी तरिके से, आपको भी डरना नही है या क्रूर नियमो और उन आज्ञाओ से भयभीत नही होना है जो यीशु मसीह के सुसमाचार और विश्वास के विरोध में बनाई जाती है। मसीह के लिए खड़े हो जाईए; उसके वचन से चिपके रहिए और देखिए कि वह आपमें और आपके जीवन के द्वारा महान कामो को करेगा। उसको प्रसन्न करने पर केंद्रित हो जाईए, जो

वह चाहता है वह कीजिए। इससे चिंतित मत होईये जो लोग आपके विषय में सोचते है या जो वे आपके साथ करते है। अंतर इससे पड़ता है कि परमेश्वर क्या सोचता है। इसलिए, अपने पूरे हृदय के साथ उससे प्रेम कीजिए और उसकी सेवा कीजिए।

घोषणा

प्यारे पिता, मैं मेरे जीवन में आपके वचन के लिए आपका धन्यवाद देता हूँ। स्थिती और परिस्थितीयो के बावजूद मैं आपके वचन से चिपका रहता हूँ और मेरे जीवन में आपके निर्देश और इच्छा को पूरा करता हूँ। उन आशीषो के लिए धन्यवाद जो आज मैं ग्रहण करता हूँ और आनंद उठाता हूँ, मुझे एक विजयी विश्वास की यात्रा का रास्ता दिखाने के लिए धन्यवाद, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 18:9-10; दानिय्येल 3:25-30

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 14 & नीतिवचन 3-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१थिस्सलुनीकियो 1:1-10 & यिर्मयाह 16

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार **31**

यह सब परमेश्वर की योजना का भाग है

इस संसार के स्तरो के अनुसार अपने आपको मत ढालो; परन्तु परमेश्वर को तुम्हें अंदर से बदलकर एक पूर्ण नया दिमाग देने दो। तब तुम परमेश्वर की इच्छा जानने के योग्य हो पाओगे- क्या है जो उसके लिए अच्छा, और प्रसन्नयोग्य, और सिद्ध है (रोमियो १२:२ जी.एन.बी)।

एक मसीही के रुप में, हर व्यक्ति जो आपके विश्व में आता है, उसके पास निभाने के लिए किरदार है, चाहे अच्छा हो या बुरा। आप अपने जीवन की यात्रा में निश्चित ही तरह तरह के लोगो से मिलेंगे। चाहे वे आपसे कैसा भी संबंध क्यूँ ना रखे, पहचानिए कि परमेश्वर ने उनको आपके रास्ते में आपके लाभ के लिए रखा है ।

इससे अंतर नही पड़ता है कि वे सहयोगी थे या आपके विरोध में थे; उनके साथ आपका संबंध आपको प्रमोट करने के लिए परमेश्वर की योजना का एक भाग है। एक बार जब आप इसको समझ लेते है, तो आप प्रसन्न होंगे और परमेश्वर के आभारी होंगे, हर उस व्यक्ति के लिए जो आपके विश्व में आता है। एक कथानक के लेखक ने एक बार कहा, "पूरा विश्व एक मंच है, और सब पुरुष और महिलाएँ केवल कठपुतलियाँ है; उनका अपना आगमन और अपना निकास होता है, और एक व्यक्ति अपने समयकाल में बहुत सारें किरदारो को निभाता है।"

आपकी एकमात्र सोच अपने स्वर्गीय पिता को प्रसन्न करना होनी चाहिए। जो गलत आपके साथ किया गया है उसके विषय में मत सोचिये; नकारात्मक कार्यो, टिप्पणीयो, और दूसरो के द्वारा किए गए बुरे व्यवहारो को नकार दीजिए। उनका प्रेम में ही उत्तर दीजिए जिन्होंने आपको दु:ख पहुँचाया है या आपको गलत तरिके से इस्तेमाल किया है।

परमेश्वर के चरित्र की सबसे ऊँची योग्यता और सर्वश्रेष्ठ योग्यता आपमें उसके प्रेम को जीना है, क्योंकि बाइबल कहती है, "...क्योंकि पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है" (रोमियो ५:५)। आप पिता के प्रेम की एक गवाही है, और आपका जीवन उस महान प्रेम का बाहरी प्रकाशन है – बिना शर्त का और खुद को देने वाला प्रेम। हालेलूयाह!

घोषणा

इससे अंतर नही पड़ता है कि लोग मेरे साथ कैसा व्यवहार करते है, मैं केवल प्रेम और दयालुता में उत्तर देता हूँ, क्योंकि परमेश्वर का प्रेम मेरे हृदय में पवित्र आत्मा के द्वारा प्रचुरता से भरा गया है। हर दिन और सारी परिस्थितीयो में, मैं अपने अंदर उस प्रेम को जी रहा हूँ ताकि यीशु मसीह का नाम महिमा पाएँ। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 5:43-48

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 15:1-34 & नीतिवचन 5-7

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

1 Thessalonians 2:1-9 & यिर्मयाह 17

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उध्दार की प्रार्थना

हम विश्वास करते है कि आप इस अध्ययनिका के द्वारा आशिषित हुए है। इस प्रार्थना को करने के द्वारा हम आपको यीशु मसीह को अपने जीवन का प्रभु बनाने के लिए आमंत्रित करते है:

“ओ प्रभु परमेश्वर, मै अपने पूरे:दय से यीशु मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता हूँ। मै विश्वास करता हूँ कि वह मेरे लिए मरा और परमेश्वर ने उसे मरे हुओ मे से जीवित किया। मै विश्वास करता हूँ कि आज वह जीवित है। मै अपने मुँह से घोषणा करता हूँ कि आज से यीशु मसीह मेरे जीवन का प्रभु है। उसके द्वारा, और उसके नाम में, मेरे पास अनंत जीवन है; मै नया जन्मा हूँ। धन्यवाद परमेश्वर, मेरी आत्मा को बचाने के लिए! अब मै परमेश्वर की एक संतान हूँ। हालेलुयाह!

बधाई! अब आप परमेश्वर की एक संतान है। एक मसीह के रूप में, आप कैसे बढ सकते है, के विषय में अधिक जानकारी ग्रहण करने के लिए, कृपया नीचे लिखे किसी भी नंबर के द्वारा हमसे संपर्क किजिए:

UNITED KINGDOM:
+44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

NIGERIA:
+234 1 8888186

CANADA:
+1 416-667-9191

SOUTH AFRICA:
+27 11 326 0971

USA:
+1(800) 620-8522

लेखक के विषय में

पास्टर क्रिस औयाखिलोमे, बिलिवर्स लववर्ल्ड इनकॉर्पोटेड के प्रेसिडेंट है, जो एक प्रभावी, बहुमुखी, विश्व स्तरिय सेवकाई है, वे वास्तविकता संग्रह के लेखक है, विश्व की नंबर एक दैनिक अध्ययनिका, और तीस से अधिक दूसरी पुस्तको के भी। वो परमेश्वर के वचनो के एक वफादार सेवक है, जिनके संदेशो ने बहुतो के हृदय में दैविय जीवन की वास्तविकताओ को लाया है।

करोडो लोग उनके टेलिविजन ब्राडॅकास्ट "चमत्कारो के लिए वार्तावरण," के द्वारा प्रभावित हुए है, जो परमेश्वर की दैविय उपस्थिती को ठीक लोगो के घरो तक लेकर जाता है। इस टेलिविजन सेवकाई का विस्तार पूरे विश्व में लववर्ल्ड सेटेलाइट टेलिविजन नेटर्वकों के द्वारा होता है, जो कि एक विश्व स्तरिय सभा तक गुणवत्ता के मसीही प्रोग्राम लाते है।

विश्वविख्यात, चंगाई विद्यालय में वह यीशु मसीह के कार्य को प्रत्यक्ष करते है और उन्होंने पवित्र आत्मा के काम करते हुए वरदान के द्वारा बहुतो की चंगाई ग्रहण करने में सहायता की है।

पास्टर क्रिस में परमेश्वर की उपस्थिती के साथ पूरे विश्व के लोगो तक पहुँचने का उत्साह है –एक दैविय आज्ञा, जिसको उन्होंने तीस साल से अधिक वर्षो से किया है, विभिन्न आऊटरिचों के द्वारा, क्रूसेडो के द्वारा, और बहुत से अलग तरिको के द्वारा, जिसके द्वारा करोडो लोगो ने परमेश्वर के वचन के द्वारा एक विजयी और उद्देश के जीवन का अनुभव किया है।

LoveWorld Publishing

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

Chris Oyakhilome

LoveWorld Publishing

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from the *King James Version* of the Bible.

A KEY FOR OTHER BIBLE VERSIONS USED:

NKJV	-New King James Version
AMP	-The Amplified Bible
AMPC	-The Amplified Classic Bible
TANT	-The Amplified New Translation
TLB	-The Living Bible
CEV	-Contemporary English Version
NASB	-New American Standard Bible
ISV	-International Standard Version
NIV	-New International Version
MSG	-The Message Translation
WEB	-The World English Bible
TNLT	-The New Living Translation
ASV	-American Standard Version
TEV	-Today's English Version
RSV	-Revised Standard Version
GNB	-Good News Bible
WNT	-Weymouth New Testament
NRSV	-New Revised Standard Version
MOFFAT	-Moffatt New Translation
WESNT	-Wesley New Testament
EBR	-Rotherham's Emphasized Bible
DRB	-Douay-Rheims Bible

वास्तविकता संग्रह...वास्तविकता संग्रह

ISSN 1596-6984

सितम्बर 2020 edition

Copyright © 2020 by LoveWorld Publishing

FOR MORE INFORMATION AND TO PLACE ORDERS:

UNITED KINGDOM:
Unit C2, Thames View Business Centre, Barlow Way Rainham-Essex, RM13 8BT.
Tel.: +44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

SOUTH AFRICA:
303 Pretoria Avenue
Cnr. Harley and Braam Fischer,
Randburg, Gauteng 2194
South Africa.
Tel.:+27 11 326 0971

USA:
Christ Embassy Houston,
8623 Hemlock Hill Drive
Houston, Texas. 77083
Tel.: +1(800) 620-8522

CANADA:
LoveWorld Publishing Canada
4101 Steeles Ave W, Suite 204
Toronto, Ontario
Canada M3N 1V7
Tel.:+1 416-667-9191

NIGERIA:
Plot 97, Durumi District, Abuja, Nigeria.

Plot 22/23 Billingsway Road, Oregun,
Ikeja, Lagos.
P.O. Box 13563 Ikeja, Lagos
Tel.: +234 1 8888186

www.rhapsodyofrealities.org
email: rorcustomercare@loveworld360.com

All rights reserved under International Copyright Law. Contents and/or cover may not be reproduced in whole or in part in any form without the express written permission of LoveWorld Publishing.

भूमिका

हुर्रे! आपकी प्रिय दैनिक अध्ययनिका, वास्तविकता संग्रह अब २११९, भाषाओं में उपलब्ध है और लगातार बढ़ रही है। हमें विश्वास है कि अध्ययनिका का २०२० का अंक ने आपकी आत्मिक वृध्दि और विकास को बढ़ाया है और आपको आपके सभी प्रयासो मे असाधारण सफलता के लिए सही स्थान में रख दिया है।

इस अंक के जीवन बदलने वाले विचार आपके विश्वास को ताजा करेंगे, बदल देंगे और स्फूर्ति देंगे, जैसे ही आप परमेश्वर के वचन के साथ एक प्रतिफल देनेवाले अनुभव में जुडते है।

-वास्तविकता संग्रह अध्ययनिका को कैसे इस्तेमाल करे-

- हर लेख को पढो और सावधानीपूर्वक इसपर मनन करो। प्रतिदिन जोर से प्रार्थनाओ और घोषणाओ को कहना, सुनिश्चित करेगा कि जो परमेश्वर का वचन आप बोल रहे है, वह आपके जीवन में पूरा होता है।
- एक-वर्षीय अध्ययन योजना के साथ, या दो वर्षीय अध्ययन योजना के साथ संपूर्ण बायबल को पढो।
- आप दैनिक बायबल अध्ययन खंडो को दो भागो में भी बाँट सकते है - सुबह और शाम अध्ययन
- हर महिने के लिए प्रार्थनापूर्वक अपने लक्ष्यो को लिखने के लिए अध्ययनिका का इस्तेमाल करो, और अपनी सफलता को मापो, जैसे ही आप एक के बाद एक लक्ष्य को प्राप्त करते है।

हम आपको परमेश्वर की महिमामयी उपस्थिति और विजय का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते है, जैसे ही आप उसके वचन की एक दैनिक खुराक को लेते है! हम आपसे प्रेम करते है! परमेश्वर आपको आशिष दे!

-पास्टर क्रिस औयाखिलोमे

व्यक्तिगत जानकारी

नाम:

पता:

टेलीफोन:

Mobile:

E-mail address:

Business address:

Goals for the Month:

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

www.rhapsodyofrealities.org

मंगलवार **1**

मसीह के लिए जीओ

मैं आज आकाश और पृथ्वी दोनों को तुम्हारे सामने इस बात की साक्षी बनाता हूँ, कि मैं ने जीवन और मरण, आशीष और शाप को तुम्हारे आगे रखा है; इसलिये तू जीवन ही को अपना ले, कि तू और तेरा वंश दोनों जीवित रहे

(व्यवस्थाविवरण ३०:१९)।

ऐसे मसीही है जो रैपचर के विषय में चिड़चिड़ाते है, वे उनकी अनंत सुरक्षा के विषय में अनिश्चित है। परमेश्वर नही चाहता है कि हम इस तरह के डर या व्याकुलता में जीएं। सच्चाई यह है कि अनंत सुरक्षा उस व्यक्ति के लिए वास्तविक है जो नया जन्मा है, किंतु यह आपके मसीह– जीवन जीने पर निर्भर है, आखिर तक उसकी सत्यनिष्ठा में जीने पर।

उदाहरण के लिए अगर एक नया जन्मा व्यक्ति थोड़े समय बाद यीशु के पीछे चलने के विषय में अपने मन को बदल लेता है, तो इस तरह का व्यक्ति परेशानि में होगा, क्योंकि उसकी अनंत सुरक्षा परमेश्वर के साथ खतरे में होगी। जब आप नए जन्मे है, तो आप परमेश्वर की उपस्थिती में जन्मे है; आप परमेश्वर की उपस्थिती में जीते है। वह आपका रक्षक है। वह आपको बचाकर रखता है, और वचनो के अनुसार कोई भी आपको उसके हाथ से छुड़ा नही सकता।

किंतु, जीवन चुनावो से भरा हुआ है। आप ही को यह चुनाव करना है कि आप निरंतर उसके लिए जीएँगे। जब परमेश्वर हमे निर्देशित करता है, तो वह हमे विकल्पो को देता है, और फिर वह हमे बताता भी है कि क्या चुनना है। किंतु वह हम पर दबाव नही बनाता है कि हम किन चुनावो को करे, यद्यपि वह हमे समझाता है कि गलत चुनावो के परिणाम क्या होंगे।

इसलिए आपको क्या करना है कि आप उसके वचन के अनुसार जीएं। यह सबसे सरल काम है। जब आप नए जन्मे है, तो मसीह के लिए जीना आपके लिए सबसे स्वाभाविक काम है क्योंकि आपके अंदर मसीह का नया स्वभाव है। सही जीना आपके लिए इतना स्वाभाविक है कि आपको गलत करने के लिए लुभाया जाना पड़ता है। यहीं पर पवित्र आत्मा की सेवकाई भी काम में आती है। पवित्र आत्मा मसीह जीवन को जीने में आपकी

सहायता करता है, और उसके साथ अपने जीवन में आपको कभी भी इस बात की चिंता नही करनी होगी कि आप रास्ते से चूक जाएँगे।

किंतु बाइबल कहती है, "अब जो तुम्हें गिरने से बचा सकता है, और अपनी महिमा की भरपूरी के सामने मगन और निर्दोष करके खड़ा कर सकता है" (यहूदा १:२४)। जैसे ही आप प्रभु के लिए जीते है, पूर्ण आश्वासन के साथ जुझारु रुप से उसकी सेवा करते हुए, वह आपके जीवन में उसके उद्देश्य और उसकी सेवकाई को पूरा करेगा।

घोषणा

मैं उद्देश्यपूर्ण जीवन जीता हूँ, मसीह यीशु में मेरी सेवकाई और बुलाहट को पूरा करते हुए। मैं किसी भी वस्तु को प्रभु और उसके अनंत राज्य से मेरा ध्यान दूर नही करने देता हूँ । मैं काम में धीमा नही हूँ, मैं आत्मा में जुझारु हूँ, प्रभु की सेवा करते हुए ताकि मैं अपने काम और उस सेवकाई को आनंद के साथ पूरा कर सकूँ जो मैंने प्रभु यीशु से ग्रहण की है, और परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार की गवाही दे सकूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

२ पतरस 1:5-11; २ कुरुंथियो 5:15

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 15:35-58 & नीतिवचन 8-9

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१थिस्सलुनीकियो 2:10-20 & यिर्मयाह 18

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुधवार 2

आपका विश्वास एक औजार है

तब उसने उनसे कहा, तुम्हारा विश्वास कहाँ है? पर वे डर गए और अचम्भित होकर आपस में कहने लगे, यह कौन है जो आँधी और पानी को भी आज्ञा देता है, और वे उसकी मानते है (लूका ८:२५)।

यीशु एक दिन अपने चेलो के साथ नाव में था, और एक तूफान आया। चेले घबरा गए और बाइबल कहती है, "तब उन्होंने पास आकर उसे जगाया, और कहा, स्वामी! स्वामी! हम नाश हुए जाते हैं। तब उसने उठकर आँधी को और पानी की लहरों को डाँटा और वे थम गए और चैन हो गया" (लूका ८:२४)।

स्वामी चेलो की ओर घूमा और उनसे एक बहुत ही उचित सवाल पूछा: "तुम्हारा विश्वास कहॉ है?" यह जीवन में बड़ा सवाल है। अपने विश्वास के साथ, आप कुछ भी कर सकते है; आप पर्वतो को हिला सकते है; आप महान परिणामो को पा सकते है। विश्वास एक औजार है। इसको इस्तेमाल कीजिए। अगर आप अपने विश्वास को इस्तेमाल करना सीख लेंगे, तो आप हर दिन विजयी रुप से जीएँगे।

सहायता के लिए चिल्लाना बंद कर दीजिए! अपने जीवन को महिमामय बनाने के लिए अपने विश्वास को इस्तेमाल कीजिए। अपने विश्वास के साथ, आप कैंसर, डायबिटीज और ह्रदय की परेशानि को नष्ट कर सकते है। आप अपने जीवन की परिस्थितीयो को बदल सकते है! इसलिए अपने विश्वास को बनाईये। एक चुनाव कीजिए अपने विश्वास को पोषित करने का, परमेश्वर के वचनो को सीखकर और उनके द्वारा जी कर।

बाइबल परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओ और प्रेरितो के द्वारा दिए गए दैविय दर्शनो का एक संग्रह है; और यह संदेश बार बार प्रमाणित किया जा चुका है। आपके स्वास्थ, परिवार, धन, नौकरी, पढ़ाई लिखाई या सेवकाई में चुनौतियो के बावजूद, आप परमेश्वर में अपने विश्वास को बढ़ाकर और इसको हर दिन काम पर रखकर महिमामय रुप से प्रबलता पा सकते है। याद रखिए, हमारा विश्वास ही वह विजय है जो विश्व पर जय पाता है (१यूहन्ना ५:४)।

घोषणा

मेरे विश्वास के साथ, मैं निरंतर अपने जीवन को महिमा और श्रेष्ठता के रास्ते में बनाता हूँ, विजय, सफलता, आनंद, स्वास्थ और समृद्धि के जीवन को जीता हुआ जो परमेश्वर ने मेरे लिए अभिषिक्त किया है। मैं इस जीवन में घाटे में होना या सहायताहीन होना अस्वीकार करता हूँ; वचन में मेरा विश्वास प्रभावी है और प्रबल हो रहा है। परमेश्वर की स्तुति हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ यूहन्ना 5:4; इब्रानियो 10:38-39; मत्ती 17:20

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ कुरुंथियो 16:1-24 & नीतिवचन 10-11

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१थिस्सलुनीकियो 3:1-13 & यिर्मयाह 19-20

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 3

एक व्यक्तिगत प्रार्थना की संस्कृति बनाईये

तब उस समय तुम मुझ को पुकारोगे और आकर मुझ से प्रार्थना करोगे और मैं तुम्हारी सुनूँगा (यिमर्याह २९:१२)।

प्रभु ने हमे प्रार्थना के लिए बुलाया है क्योंकि उसने उत्तर देने की योजना बनाई है। इसलिए महत्वपूर्ण है कि आपके पास प्रार्थना के लिए एक योजना हो। अगर आपके पास प्रार्थना के लिए एक योजना नही है, तो आप शायद ही प्रार्थना करेंगे। ऐसी बहुत सारी गतिविधियाँ है जो आपके समय को खा सकती है और आपको प्रार्थना करने से रोक सकती है। आपको सोच समझ कर प्रयास करने पड़ेंगे एक प्रार्थना की संस्कृति और अनुशासन को बनाने के लिए। आप याद दिलाने के लिए अलार्म को भी इस्तेमाल कर सकते है। प्रार्थना करने के लिए कभी भी बहुत व्यस्त मत हो जाईये।

प्रार्थना तभी नही होती है जब आपको परमेश्वर से कुछ चाहिए। प्रार्थना परमेश्वर के साथ वह सहभागिता है जहाँ पर आप उसके साथ और उससे बात करते है, और अपनी आत्मा में उस पर ध्यान देते है, वह सुनने के लिए जो वह आपसे कहना चाहता है। हर मसीही के पास इस तरह के समय अवश्य ही होने चाहिए।

अगर आप इसको लगातार करने में चुनौति पाते है, तो आप परमेश्वर से पूछ सकते है कि वह आपकी सहायता करे अपनी व्यक्तिगत प्रार्थना की सारणी को बनाने में। इसको नकारिये मत। संयुक्त प्रार्थना के समय होते है जहां पर आप प्रार्थना प्रोग्रामो और सभाओ में सहभागिता करते है, शायद अपने चर्च में या सेल ग्रुप में, किंतु यह आपके व्यक्तिगत प्रार्थना समय से बिल्कुल अलग है।

कोई शायद कहे, "मैं हफ्ते में एक बार प्रार्थना करता हूँ, ना कि हर दिन।" नही, यह पर्याप्त अच्छा नही है। हर दिन के लिए एक प्रार्थना की सारणी बनाईये, क्योंकि यह आपकी हर दिन सहायता करता है एक आत्मिक चेतना बनाने में। फिर आप आश्चर्य कर सकते है कि, "मैं कितने लंबे समय तक प्रार्थना करूँ?"

यह किसी का काम नही है कि वह आपके लिए निर्धारित करे कि आप कितने लंबे समय तक प्रार्थना करे, किंतु प्रार्थना में आप जान जाएँगे कि जो आप कर रहे है वह काफी है या नही, क्योंकि यह आपके और प्रभु के बीच में एक संबंध है। अगर आपको लगता है कि आप पर्याप्त प्रार्थना नही कर रहे है, तो और समय जोड़ दीजिए। सच्चाई यह है,

जितना अधिक समय आप प्रार्थना में बिताते है, उतना ही यह आपके लिए सहायक होता है, क्योंकि इस सच्चाई के अतिरिक्त कि आप प्रभु से बात कर रहे है, आपकी आत्मा में बढ़ाव भी होता है जो आप अपनी प्रार्थना से ग्रहण करते है। ना केवल यह, आपकी आत्मा की शिक्षा भी होती है। कोई भी आपको पवित्र आत्मा की तरह नही सीखा सकता। उस प्रार्थना के वातावरण में, वह आपको सीखाता है; वह आप तक जानकारी लाता है जो आपको प्रकाशित और निर्देशित करती है। परमेश्वर की महिमा हो!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं प्रार्थना के द्वारा आपके साथ निरंतर सहभागिता के अवसर के लिए आभारी हूँ। मेरे पास प्रार्थना करने का अनुशासन है और ठीक अभी मैं पूरे विश्व में खोई हुई आत्माओ के लिए प्रार्थना करता हूँ कि उनका हृदय खुला होगा मसीह के सुसमाचार को ग्रहण करने के लिए और उद्धार पाने के लिए। इसके अतिरिक्त, मैं प्रार्थना करता हूँ उन मसीहो के लिए जो उनके शरीरो में बीमार है, कि उनकी चंगाई, पुर्ननिवास और स्वास्थ की भावना के लिए महान अनुग्रह उनकी ओर निर्देशित होगा, प्रभु यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

लूका 18:1; यहूदा 1:20; इफिसियो 6:18

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 1-2:1-4 & नीतिवचन 12-13

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१थिस्सलुनीकियो 4:1-8 & यिर्मयाह 21

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 4

अपने आपको वचन के द्वारा देखिए

अत: अब जो मसीह यीशु में हैं, उन पर दण्ड की आज्ञा नहीं। (क्योंकि वे शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते है (रोमियो ८:१)।

हमारे आरंभिक वचन में आत्मा पौलुस प्रेरित के द्वारा हमे यह नही बता रहा है कि दो तरह के समुदाय है: मसीह यीशु में वे लोग जो शरीर के अनुसार चलते है, और मसीह यीशु में वे लोग जो शरीर के अनुसार नही चल रहे है। उसकी बातचित का सार यह नही है; वरन, वह आपको एक चित्र दिखा रहा है कि आप वास्तव में है कौन।

जब आप नये नियम को पढ़ेंगे और समझेंगे, तो आप ध्यान देंगे जिसको हम कहते है, "दर्पण का सिद्धांत"; परमेश्वर का वचन एक दर्पण है। आप वह है जो आप वचन में देखते है (२कुरिंथियो ३:१८)। इसलिए, हमारे आरंभिक वचन को पढ़कर यह धारणा मत बना लीजिए कि आप दंड से बचे हुए नही है या कि आप अभी भी "शरीर में चल रहे है" क्योंकि आप कुछ बार गलती करते है; नही!

उसी अध्याय का नौवॉ वचन पढ़िए; यह इसको स्पष्ट करता है, "परन्तु जब कि परमेश्वर का आत्मा तुम में बसता है, तो तुम शारीरिक दशा में नहीं परन्तु आत्मिक दशा में हो..." (रोमियो ८:९)। यह परमेश्वर बात कर रहा है! जब वह उन लोगो को परिभाषित करता है जो मसीह यीशु में शरीर के अनुसार नही चलते है वरन आत्मा के अनुसार, तो वह आपकी बात कर रहा है।

इसलिए, अपने आपको वचन के द्वारा देखिए। अब जब कि आप नये जन्मे है, आपके लिए कोई दंड की आज्ञा नही है। जब आप इसको समझते है और इसके अनुसार जीते है, तो आप कभी भी अपनी पाप की आदतो, बुरे विचारो के साथ, या शरीर के कामो के साथ संघर्ष नही करेंगे । बाइबल कहती है, "तब तुम पर पाप की प्रभुता न होगी" (रोमियो ६:१४); इसलिए अपने आपको ऐसे देखिए जैसे परमेश्वर आपको देखता है।

परमेश्वर जानता है कि अगर आपने अपने आपको उस तरिके से देखा होता जिस तरिके से वह आपको देखता है, तो आपने उसके अनुसार कार्य किया होता। उसको मान लीजिए जो उसने आपको बनाया है– मसीह यीशु में उसकी सत्यनिष्ठा– और उस प्रकाश में चलिए। परमेश्वर की महिमा हो!

घोषणा

मैं परमेश्वर की एक संतान हूँ, और मेरी आत्मा में परमेश्वर का स्वभाव है। मैं परमेश्वर के सामने निर्दोष हूँ, बिना हीन भावना के, डर के, तिरस्कार के या दंड के। पाप की मेरे ऊपर कोई प्रभुता नही है और मैं किसी भी बंधन के जुएं में नही फँस सकता। मैं मेरी सत्यनिष्ठा के स्वभाव के लिए सचेत हूँ और उसके अनुसार चलता हूँ। परमेश्वर की महिमा हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 6:11-15; रोमियो 8:2-4; गलतियो 2:20-21

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 2:5-3:1-6 & नीतिवचन 14-15

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१थिस्सलुनीकियो 4:9-18 & यिर्मयाह 22

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **5**

सुसमाचार के साथ लगे रहिए

हम चारों ओर से क्लेश तो भोगते हैं, पर संकट में नहीं पड़ते; निरुपाय तो हैं, पर निराश नहीं होते (२कुरिंथियो ४:८)।

जो मसीहत आज हमारे पास है वह सोने की थाली में नही आई थी। अगर आप मसीही शहीदो के बारे में पढ़ेंगे, तो आप खोजेंगे कि बहुत से लोग मारे गए, उनके सिर काटे गए थे, मसीह में उनकी गवाही के कारण। एक बार, करीब छः हजार लोग यीशु मसीह में उनके विश्वास के कारण मार डाले गए थे, और वे सैनिक थे। उन्होंने सुसमाचार में पूरे हृदय से भरोसा किया था, और कुछ भी उन्हें नही रोक सकता था, उसी विश्वास को अगले वंश तक ले जाने के लिए जो उन्होंने ग्रहण किया था।

इन सारे वर्षो में शायद आपके पास प्रभु की आराधना करने की स्वंतत्रता थी, चर्च में उसकी स्तुति करने की, क्रूसेडो में जाने की और जीवन बदलने वाली सभाओ में सहभागिता करने की, वह आजादी बहुत संघर्ष, प्रार्थनाओ, पसीने, आँसू, लहू, विश्वास, दृढसंकल्प और दूसरे पुरुषो और महिलाओ के उत्साह के द्वारा आई जिन्होंने सुसमाचार के लिए अपना जीवन दॉव पर लगा दिया। ना केवल वे सताए गए, बहुतो को जिंदा गाड़ दिया गया। कुछ लोगो को दो भागो में काट दिया गया; बहुत उग्र रुप से वे मार दिए गए, यीशु मसीह में उनके विश्वास के कारण।

बहुत से देशो में आज भी मसीहो का सताव हो रहा है। कुछ देशो में जमाव शिविर है जहाँ पर मसीहो को कठिन और भयंकर कष्ट दिया जाता है, यीशु में उनके विश्वास के कारण। हाल ही की एक सरकारी रिपोर्ट दिखाती है कि विश्व में मसीही सबसे ज्यादा सताए गए लोग है।

मैं यह बात आप लोगो को इसलिए बता रहा हूँ ताकि आप समझ जाएं कि जो विश्वास यीशु मसीह में हमारे पास है, मसीह का वो संदेश जिसमें हमने विश्वास किया है, यह हर वस्तु के योग्य है। सतावो के बावजूद, हम से पहले के लोगो ने उनके विश्वास को बनाये रखा और सुसमाचार के साथ लगे रहे। और हमारे दिनो में भी ऐसा अवश्य ही होना चाहिए।

इसलिए अंतर नही पड़ता है कि आपके देश या शहर में क्या हो रहा है, मसीह के साथ बने रहिए। हिलीए डुलिए मत। जैसा कि हम ने आरंभिक वचन में पढ़ा, हम हार नही मानते है, हम भागते नही है। मौसम में और बेमौसम में वचन का प्रचार कीजिए। कुछ भी

इतना भयानक या भयभीत करने वाला नही होना चाहिए कि आप शांत हो जाए, क्योंकि जो आपमें है वह उन सारे शत्रुओ से और विश्व की परेशानियो से बड़ा है। हालेलूयाह!

घोषणा

चुनौतियो, संकटो, सतावो, और विश्व के कष्टो के बावजूद, मैं उसमें जयवंत से बढ़कर हूँ जिसने मुझ से प्रेम किया– मसीह यीशु में– मेरा प्रभु! मैं आश्वस्त हूँ ना तो मृत्यु, ना जीवन, ना स्वर्गदूत, ना प्रधानताएँ, ना ताकते और ना ही कोई वस्तु मुझे प्रभु के प्रेम से अलग कर सकती है, जो मसीह यीशु में मेरे पास है। मैं अटल, अविचलित और विश्व के अंत तक सुसमाचार को फैलाने के काम में हमेशा तेजी से लगा रहता हूँ। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 8:35-39; १थिस्सलुनीकियो 3:7-8 NLT

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 3:7-4:1-18 & नीतिवचन 16-17

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१थिस्सलुनीकियो 5:1-11 & यिर्मयाह 23

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 6

चर्च परमेश्वर का खजाना है

और मैं भी तुझ से कहता हूँ कि तू पतरस है, और मैं इस पत्थर पर अपना चर्च बनाऊँगा; और नरक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे (मत्ती १६:१८)।

मत्ती १३:४४ में यीशु ने कहा, "स्वर्ग का राज्य खेत में छिपे हुए खजाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने पाया और छिपा दिया, और मारे आनन्द के जाकर अपना सब कुछ बेच दिया और उस खेत को खरीद लिया"। यीशु ने पूरा खेत खरीद लिया उस खेत के खजाने के कारण। वह खजाना चर्च है, और वह खेत विश्व है।

यीशु ने पूरा विश्व खरीद लिया उसके स्वंय के लहू का दाम चुकाकर, चर्च के कारण; उसने सब कुछ दे दिया। यह हमे बताता है कि शैतान क्या चाहता है। जब वह विश्व में परेशानि को बनाता या उत्साहीत करता है, तो उसकी आँखे परमेश्वर के बच्चो पर लगी रहती है, चर्च पर। उसका आखिरी का खेल हमेशा यीशु मसीह के चर्च के पीछे जाना ही होता है। वह पूरी तरह से इसके खिलाफ है कि परमेश्वर के लोग परमेश्वर की सेवा और आराधना मुक्त रुप से करे। किंतु वह एक असफलता है।

क्यूँ शैतान चर्च के इतने विरोध में है? यह इसलिए है क्योंकि चर्च - आप और मैं– के पास वह है जिसके पीछे शैतान शुरु से ही लोभ करता था। उसने कहा था, "मैं परमप्रधान प्रभु की तरह हो जाऊँगा" (यशायाह १४:१४), किंतु वह नही हो सका। वरन, वह स्वर्ग से लात मारकर भगा दिया गया। फिर उसने खोजा कि चर्च, जो यीशु मसीह ने बनाया, परमेश्वर के नाम में चलेगा, परमेश्वर के सिंहासन पर बैठेगा– उसकी गद्दी पर- परमेश्वर के साथ!

आज हम परमेश्वर के साथ एक है मसीह के प्रेम के कारण। यीशु ने कहा, मैं अपनी कलिसीया बनाऊँगा, और नरक के फाटक इसके विरोध में प्रबल नही होंगे। यह एक सच्चाई है जो तोड़ी नही जा सकती। हालेलूयाह! ब्रम्हांड में ऐसा कोई बल नही है जो चर्च के विरोध में खड़ा हो सकता है। चर्च को केवल एक संस्था की तरह मत देखिए; यह यीशु मसीह का पवित्र शरीर है– उसके महान मूल्य का मोती।

घोषणा

यीशु मसीह का चर्च महान महिमा, महान योग्यता और बेरोक प्रभाव के साथ महान प्रभाव पैदा कर रहा है। हम शैतानो को कोई स्थान नही दें रहें हैं, क्योंकि जो हमारे अंदर है वह उससे बड़ा है जो इस विश्व में है। और पूरे विश्व में मसीही सचेत है निरंतर शैतान की सारी चालाकीयो और षडयंत्रो को बेकार करने के लिए जो वह चर्च के विरोध में बनाता है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

निर्गमन 19:5; थीतुस 2:14; १पतरस 2:9 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 5:1-6:1-2 & नीतिवचन 18-19

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१थिस्सलुनीकियो 5:12-28 & यिर्मयाह 24

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 7

रैपचर पहले से कहीं ज्यादा निकट है

तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे उनके साथ बादलों पर उठा लिये जाएँगे कि हवा में प्रभु से मिलें; और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे (१थिस्सलुनीकियो ४:१७)।

आत्मा के द्वारा, पौलुस प्रेरित को चर्च के रैपचर का दर्शन मिला और उसने कहा, "देखो मैं तुम्हें एक भेद दिखाता हूँ... " (१कुरिंथियो १५:५१)। यही कारण है कि बहुत से लोग रैपचर को नही समझते है; यह एक भेद है; दैविय दर्शन। उसने कहा, "...हम सब नहीं सोएँगे, परन्तु सब बदल जाएँगे, और यह क्षण भर में, पलक मारते ही अन्तिम तुरही फूँकते ही होगा। क्योंकि तुरही फूँकी जाएगी और मुर्दे अविनाशी दशा में उठाए जाएँगे, और हम बदल जाएँगे" (१कुरिंथियो १५:५१-५२)।

रेखांकित भाग दिखाता है कि रैपचर कितनी शीघ्रता से होगा; यह इतना तेज होगा कि जो लोग तैयार नही थे उनके पास कोई समय नही होगा, क्योंकि यह एक ऐसी वस्तु है जिसके लिए आप पूरी जिंदगी तैयार रहते है।

हमारे आरंभिक वचन में, हम एक शब्द देखते है जो कि शब्द "रैपचर" के साथ समानार्थी है; यह एक कथन है, "उठा लिये जाएँगें " जो कि ग्रीक शब्द "हारपाजो" से है। इसका मतलब है पकड़ लेना, नियंत्रण ले लेना, उठा लेना, तोड़ लेना, खींच लेना, और बलपूर्वक ले जाना।

रैपचर के समय, इससे अंतर नही पड़ेगा कि आप कहाँ है, परमेश्वर की सामर्थ आपको इस विश्व से खेंचकर ले जाएगी। जो मसीही मर चुके है वे पुर्नजीवित हो जाएँगे, और उनके साथ, हम बादलो पर उठा लिए जाएँगे प्रभु से मिलने के लिए। वह कितना सुहाना दिन होगा!

यह कब होने वाला है? यह पहले से कहीं ज्यादा निकट है; यह कभी भी शीघ्र हो सकता है। आपकी जिम्मेदारी है कि आप इसके लिए तैयार हो जाएं अपना जीवन हर दिन प्रभु के लिए जी कर। प्रेम में चलते रहिए, और आपका विश्वास शुरु हो जाएगा कि आप प्रभु के दिखने पर उसके साथ उठा लिये जाएँ।

बाइबल कहती है कि वह एक ऐसे चर्च के लिए आ रहा है जिसमें ना कलंक, ना

झुर्री, न कोई और ऐसी वस्तु हो (इफिसियो ५:२७)। हर दिन, अपने जीवन का हर क्षण उसकी सत्यनिष्ठा में जीएँ, सत्यनिष्ठा के कामो और फलो को पैदा करते हुए।

घोषणा

प्रभु यीशु बिना कलंक, बिना झुर्री, न कोई और ऐसी वस्तु के चर्च के लिए आ रहा है, और मैं तैयार हूँ। मेरा विश्वास क्रियावंत है प्रभु के साथ हमेशा के लिए उठाए जाने के लिए! और जब मैं इस महिमामय "उठाए जाने" की आशा कर रहा हूँ, मेरा जीवन और मेरा उत्साह उसके राज्य और इसके विस्तार के लिए है, मेरे द्वारा बहुत से लोग रैपचर के लिए तैयार हो रहे है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१थिस्सलुनीकियो 4:16-17; १ यूहन्ना 2:28; मत्ती 24:27

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 6:3-7:1 & नीतिवचन 20-21

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२थिस्सलुनीकियो 1:1-12 & यिर्मयाह 25

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

मंगलवार **8**

हम पृथ्वी पर यात्री है

यदि तुम संसार के होते, तो संसार अपनों से प्रेम रखता; परन्तु इस कारण कि तुम संसार के नहीं, वरन् मैं ने तुम्हें संसार में से चुन लिया है, इसी लिये संसार तुम से बैर रखता है (यूहन्ना १५:१९)।

एस्तेर के दिनो में, यहूदी एक अंजाने देश में बहुत सहज हो गए थे; उनके बंधन का एक देश। उन्होंने उस देश में आजादी का आनंद उठाया और आराम से थे, जब तक कि हमान, राज्य का एक प्रभावशाली किंतु दुष्ट मनुष्य (और राजा का मित्र भी), ने उनको समाप्त करने की नही सोची।

रानी एस्तेर, जो कि हमान की नफरत और यहूदियो को नष्ट करने की उसकी तीव्र इच्छा से पूरी तरह से अज्ञान थी, को उसके चाचा से एक बहुत ही हृदयस्पर्शी संदेश मिला, मोर्दकै से, हमान की दुष्ट योजना के विषय में। उसने शीघ्रता से हस्तक्षेप किया और पूरे देश में प्रार्थना और उपवास का बुलावा दिया (एस्तेर ४:१६)। निश्चित ही, परमेश्वर ने उनकी प्रार्थना को सुना और उन्हें उस दुष्ट हमान के हाथो से छुड़ाया।

कुछ बार, आप पृथ्वी पर आजादी का इतना आनंद उठा सकते है कि आप भूल जाते है कि आप एक "अंजाने देश में है", पृथ्वी पर एक यात्री है। यह बहुतो के साथ हो चुका है; उन्होंने गंतव्य की जगह यात्रा पर ज्यादा केंद्र लगाया है। बहुत से मसीही ढीले हो गए है, बह गए है, और इस विश्व के द्वारा ध्यानभंगित हुए है। फिर भी यीशु ने कहा, "यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और अपनी आत्मा की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा?" (मरकुस ८:३६)।

अपने हृदय को प्रभु पर होने दीजिए; परमेश्वर के राज्य की ऊँची वस्तुओ को आपको कार्य करने के लिए उत्साहीत करने दीजिए। आत्माएँ जीतिएँ। प्रार्थना कीजिए और सर्तक रहिए जैसा यीशु ने करने को कहा। अपने देश के लिए प्रार्थना कीजिए कि सुसमाचार वहां पर मुक्त रुप से फैलेगा और स्वीकारा जाएगा।

ऐसे देश है जहाँ पर सालो पहले सुसमाचार तेजी से आगे बढ़ रहा था, किंतु आज उन्हीं देशो ने सुसमाचार के प्रचार को मना कर दिया है, और वहां पर मसीहो का बहुत सताव हो रहा है। क्या हो गया? उत्तर सरल है: उन देशो के मसीही ने वह नही किया जो यीशु ने करने को कहा था, "सर्तक रहो और प्रार्थना करो..." (मत्ती २६:४१)।

हमे हमारे उद्देश्य को हमेशा याद रखना चाहिए; यहां पर हमारे होने के कारण को, और यह एक समय के लिए ही है। हम मसीह के राजदूत है, इस पृथ्वी पर स्वर्ग से आत्माओ के उद्धार के लिए भेजे गए। इसलिए जैसा कि बाइबल कहती है, "...स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो, जहाँ मसीह विद्यमान है और परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठा है। पृथ्वी पर की नहीं परन्तु स्वर्गीय वस्तुओं पर ध्यान लगाओ" (कुलुस्सियो ३:१-२)।

घोषणा

मैं स्वर्ग से हूँ, और मैं इसके लिए सचेत हूँ। सेवकाई के लिए अवसरो के दरवाजे पूरे विश्व में खुले हुए है, और परमेश्वर के बच्चो को शब्द दिए जा रहे है कि वे बिना रुके मसीह के सुसमाचार की घोषणा कर रहे है, सामर्थ में और प्रभावशीलता के साथ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 26:16; कुलुस्सियो 4:2-4; इब्रानियो 11:13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 7:2-16 & नीतिवचन 22-23

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२थिस्सलुनीकियो 2:1-10 & यिर्मयाह 26

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुधवार 9

झूठे शिक्षको से सावधान रहिए

जिस प्रकार उन लोगों में झूठे भविष्यद्वक्ता थे, उसी प्रकार तुम में (उन दिनों में) भी झूठे शिक्षक भी होंगे, जो नाश करने वाले पाखण्ड (खतरनाक विरूध्द मत) का उद्घाटन छिप छिपकर करेंगे, और उस स्वामी का जिसने उन्हें मोल लिया है इन्कार करेंगे, और अपने आप को शीघ्र विनाश में डाल देंगे (२पतरस २:१ ए.एम.पी.सी)।

जिस तरिके से झूठे भाई और झूठे भविष्यद्वक्ता होते है जो परमेश्वर के घर में परेशानियो को पैदा करते है, वैसे ही झूठे शिक्षक भी होते है। ऐसे लोग है जो अपने साथ शिक्षक की सेवकाई को जोड़ते है, यद्यपि वे शिक्षक होने के लिए नही बुलाए गए थे, और इस कारण वे अपने आपको शैतानो के लिए खोल देते है और गलत शिक्षाओ को प्रोत्साहित करते है। वे गलतीयो के साथ सीखाते है, सामान्यता भ्रम की आत्मा के द्वारा उत्साहीत।

उदाहरण के लिए, कुछ झूठे शिक्षक सीखाते है कि मसीह का आगमन पहले ही हो चुका है, और इसलिए बहुत से लोगो को भ्रमित करते है। कुछ दूसरे कहते है कि पवित्र आत्मा की सेवकाई प्रेरितो के साथ खत्म हो गई। कुछ लोग सपनो के अर्थ के साथ आते है, लोगों को बताते हुए कि कैसे उनका सोने का तरिका उनके सपनो को प्रभावित करता है, और सपनो में खाने के प्रभावो को सीखाते है।

कुछ लोग यहॉ तक भी बताते है कि आपका एक रिश्तेदार है जो आपके जीवन की परेशानियो के लिए जिम्मेदार है, और रिश्तेदारों के बीच में परेशानियो को पैदा करते है। फिर भी बाइबल कहती है कि हम मांस और लहू के विरोध में नही लड़ते है (इफिसियो ६:१२)। किंतु दु:खद रुप से, कुछ लोग इस तरह की झूठी शिक्षाओ के द्वारा भ्रमित हो चुके है।

यह शीघ्र ही यीशु के वचनो को याद दिलाता है जहॉ पर उसने कहा, "... तुम पवित्रशास्त्र ... नहीं जानते; इस कारण गलती करते हो" (मत्ती २२:२९)। स्वंय के लिए वचन जानिए, और कोई भी आपको धोखा नही दे पाएगा। अपने जीवन में वचनो को पढ़ना एक प्राथमिकता बना लीजिए। पवित्र आत्मा आपके हृदय को उसकी सच्चाई और उसकी इच्छा के लिए खोलेगा, और आप सारी वस्तुओ को प्रमाणित कर पाएँगे (१थिस्सलुनीकियो

५:२१), हर आत्मा को जाँचिए (१यूहन्ना ४:१) और सच्चाई के वचन को भली भाँती बाँटिए (२तीमुथियुस २:१५)।

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं आपके वचन के लिए आपका धन्यवाद देता हूँ जिसके द्वारा मैं जीवन में अपना रास्ता ढूंढता हूँ। मैं आपके आत्मा के लिए समर्पित हूँ, जो कि जीवन में असीमित संभावनाओ और क्षमताओ की मेरी गारंटी है। मैं धोखा नही खा सकता। मैं मेरे जीवन के लिए आपके विधान को पूरा कर रहा हूँ, क्योंकि मैं आपके वचन के द्वारा परिचित हूँ, जो कि मेरा प्रकाश और मेरा उद्धार है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ पतरस 2:3 MSG; १ तीमुथियुस 4:1-2

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 8-9 & नीतिवचन 24-26

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२थिस्सलुनीकियो 2:11-17 & यिर्मयाह 27

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 10

उन्हें नाम से पुकारो

जब यीशु ने देखा कि लोग दौड़कर भीड़ लगा रहे हैं, तो उसने अशुध्द आत्मा को यह कहकर डाँटा, हे गूँगी और बहिरी आत्मा, मैं तुझे आज्ञा देता हूँ, उसमें से निकल आ, और उसमें फिर कभी प्रवेश न करना (मरकुस ९:२५)।

अगर आप जानना चाहते थे कि शैतानो को कैसे खदेड़ना है, तो यीशु ने ऊपर के वचन में स्पष्ट रुप से दर्शाया। उसने उस स्थिती के लिए जिम्मेदार आत्मा को पुकारा। उसने कहा, "...हे गूँगी और बहिरी आत्मा, मैं तुझे आज्ञा देता हूँ, उसमें से निकल आ, और उसमें फिर कभी प्रवेश न करना"। उसने केवल यह नही कहा, "मैं तुम्हें डाँटता हूँ"; उसने कुछ कहा जो कि डाँट थी। उसने उस विशेष शैतान को नाम से पुकारा; गूँगी और बहिरी आत्मा। और निश्चिय ही शैतान बाहर निकल गया।

यह कहना काफी नही है, "शैतान मैं तुझे बाँधता हूँ।" शैतान सारी बुरी आत्माओं के लिए एक सामान्य शब्द है। आप उस समय पर कौन सी विशेष बुरी आत्मा या शैतान को झेल रहे है? आप दर्द, परेशानि, या किसी और बात से जान सकते है, पवित्र आत्मा आपको उन्हें दिखा सकता है। उनके कामो को करने में, शैतान उनके चरित्र को दिखाते है, और यह आपकी सहायता कर सकता है उनको पहचानने में और उन्हें उचित रुप से पुकारने में। एक शैतान के दिखाई देने वाले चरित्र के द्वारा, आप जान सकते है कि उसका नाम क्या है, क्योंकि एक नाम चरित्र का वर्णन होता है। शैतानो का उनके चरित्र के हिसाब से नाम रखा जाता है, जैसा कि वचनो में दिखता है।

उदाहरण के लिए, अगर आप एक अशुद्ध आत्मा को पहचान लेते है, तो आपको यह जानने की जरुरत नही है कि उस शैतानी आत्मा का नाम क्या है। आप उसे उस नाम के द्वारा बुला सकते है और कह सकते है, "तू अशुद्ध आत्मा, मैं तुझे आदेश देता हूँ यीशु के नाम में निकलने का!" कोई भी शैतान विरोध नही कर सकता जब आप उन्हें यीशु के नाम में बाहर आने का आदेश देते है।

बाइबल कहती है, "...स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हैं, वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें " (फिलिप्पियो २:१०)। मरकुस ६:७ कहता है कि उसने हमे अशुद्ध आत्माओ के ऊपर सामर्थ दी है कि हम उन्हें बाहर खदेड़े। मत्ती १०:८ में वह बहुत

बल दे रहा था जब उसने कहा, “बीमारों को चंगा करो, कोढियों को शुध्द करो, मरे हुओं को जिलाओ, दुष्टात्माओं को निकालो...” हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आभारी हूँ उस अधिकार के लिए जो आपने मुझे यीशु मसीह के सर्वशक्तिशाली नाम को इस्तेमाल करने का और शैतानो को निकालने के लिए दिया है। शैतान का मेरे जीवन में या मेरे घर में या मेरे प्रियजनो के जीवनो में कोई स्थान नही है। मैं हमेशा निरंतर विजय में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मरकुस 1:25-26; मरकुस 16:17; लूका 10:18-19

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 10:1-18 & नीतिवचन 27-28

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२थिस्सलुनीकियो 3:1-10 & यिर्मयाह 28

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार **11**

उसके गुणो और सिद्धताओ को दिखाते हए

पर तुम चुना हुआ वंश, और राज पदधारी याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुणो और सिद्धताओ को दिखाओ (१पतरस २:९ ए.एम.पी.सी)।

परमेश्वर की संतान के रुप में हम मसीह के गुणों और सिद्धताओ को दिखाने के लिए बुलाए गए है; यह हमारी सेवकाई है, यह हमारा जीवन है। यीशु ने कहा, "मैं दाखलता हूँ और तुम डालियॉ हो..." (यूहन्ना १५:५)। डालियॉ दाखलता की फल लाने वाली भाग होती है। हम उसके फलो को लाते है, उसके गुणो को।

नफरत, कड़वाहट, क्रोध, झूठ, और इस तरह की वस्तुएँ परमेश्वर के गुण नही है। इसलिए, वे आपकी पुन:सृष्टित आत्मा की बनावट या विशेषताओं के भाग नही है। वरन, आपको परमेश्वर की दयालुता, प्रेम, दया, धैर्य, दीनता, नम्रता, बुद्धि और श्रेष्ठता को दिखाना है। अपने घर, विद्यालय, काम की जगह पर और हर जगह श्रेष्ठता को दिखाईये। इसे आपके हर काम में दिखने दीजिए।

इसके अतिरिक्त, उसके गुणो और सिद्धताओ को दिखाईये, अपने अनुग्रही, आत्मा उठाने वाले और विश्वास से उत्साहीत वचनो के द्वारा, जीवन और सामर्थ से भरे हुए, आत्मा को बदलने वाले।

उसने हमे इस विश्व में आश्चर्य बना दिया है; उसकी महिमा और उसकी सत्यनिष्ठा को दिखाने वाले उसके बर्तन। आपके द्वारा वह उसके प्रेम को दूसरों को दिखाता है, मनुष्यो के हृदय में उसके राज्य को स्थापित करते हुए। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं एक महिमा, सामर्थ, सफलता और प्रभाव का जीवन जीता हूँ। मैं उसकी कार्यकुशलता हूँ, मसीह यीशु में उसके अद्भुत कार्यो, गुणो, सिद्धताओ, श्रेष्ठता और बुद्धि को दर्शाने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 2:10; मत्ती 5:14-16

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 11:1-15 & नीतिवचन 29-31

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२थिस्सलुनीकियो 3:11-18 & यिर्मयाह 29

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **12**

उसके सपने को पूरा करने पर केंद्र लगाईये

तुम न तो संसार से और न संसार में की वस्तुओं से प्रेम रखो। यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उसमें पिता का प्रेम नहीं है। क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा और आँखों की अभिलाषा और जीविका का घमण्ड, वह पिता की ओर से नहीं परन्तु संसार ही की ओर से है (१ यूहन्ना २:१५-१६)।

इसमें कोई संदेह नही है कि प्रभु का आना पहले से कही ज्यादा नजदीक है। किंतु बाइबल कहती है, "... क्योंकि वह दिन न आएगा जब तक धर्म का त्याग न हो ले, और वह पाप का पुरुष अर्थात् विनाश का पुत्र प्रगट न हो" (२थिस्सलुनीकियो २:३)। एम्पलीफाइड क्लासिक इसको इसको इस तरिके से कहता है, "...क्योंकि वह दिन न आएगा जब तक धर्म का त्याग न हो ले (जब तक कि वे लोग गिर ना जांए जिन्होनें अपने आपको मसीही कहा था, जैसी भविष्यद्वाणी हो चुकी है), और वह पाप का पुरुष अर्थात् विनाश (कयामत) का पुत्र प्रगट न हो "।

इसका अर्थ है ऐसे लोग होंगे जिन्होंने अपने आपको मसीही कहा है, किंतु वे विश्वास से दूर चले जाएँगे; वहाँ पर निंदा होगी– लोग स्वयं ही यीशु में अपने विश्वास को छोड़ देंगे। यह अभी भी हो रहा है, और इसका बहुत बड़ा कारण इस विश्व की चिंता; धन का धोखा, और दूसरी वस्तुओ का लोभ है। इसलिए, परमेश्वर क्या देख रहा है, और आपको इन आखिरी दिनो में कैसे जीवन जीना चाहिए? आपको कौन से चुनाव करने चाहिए?

उसकी सलाह ही हमने हमारे आरंभिक वचन में पढ़ी। मसीह में बने रहो! राज्य की वस्तुओ पर मन लगाओ, ना कि इस विश्व के क्षणिक आनंदो पर। कुलुस्सियों ३:१ इसे सुंदर रुप से कहता है। यह कहता है, "अत: जब तुम मसीह के साथ जिलाए गए, तो स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो, जहाँ मसीह विद्यमान है और परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठा है"।

अपनी ऊर्जा को परमेश्वर के सपने को पूरा करने में लगाईये, राज्य के विस्तार और विश्व बेदारी के उसके दर्शन में। उन लोगो के बीच में होना मना कर दीजिए जो इस विश्व की वस्तुओ पर चिपक जाते है और केवल उनके व्यक्तिगत लाभ और सहजता के विषय में ही चिंतित होते है। वे इस विश्व की आत्मा के द्वारा जय पाएं गए है। यीशु ने कहा, "यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और अपनी आत्मा की हानि उठाए, तो उसे

क्या लाभ होगा ?" (मरकुस ८:३६)। यह बहुत जरुरी है कि आप अपने जीवन को मसीह में स्थापित करके जीएँ, उसमें महान रुप से जड़ और नेंव पकड़कर। आप अविचलित, अटल बने रहिए और आनंद के साथ प्रभु का काम करते रहिए। हालेलूयाह!

घोषणा

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मुझे एक पवित्र बुलाहट के साथ बुलाने के लिए और मुझे आपके लिए जीने की आंतरिक सामर्थ देने के लिए। मैं मसीह में जड़ और नेव पकड़ा हुआ हूँ; मैं ने शरीर को इसकी अभिलाषाओ और इच्छाओं के साथ कूस पर चढ़ा दिया है। मेरा एकमात्र उत्साह आपके राज्य का विस्तार और पृथ्वी के अंत तक मसीह के प्रेम और उसके उद्धार के संदेश को फैलाना है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रकाशित वाक्य 3:11-13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 11:16-33 & सभोपदेशक 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 1:1-7 & यिर्मयाह 30

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार **13**

उसमें सिद्ध और पूर्ण

इपफ्रास, जो तुम में से है और मसीह यीशु का दास है, तुम्हें नमस्कार कहता है और सदा तुम्हारे लिये प्रार्थनाओं में प्रयत्न करता है, ताकि तुम सिध्द होकर पूर्ण विश्वास के साथ परमेश्वर की इच्छा पर स्थिर रहो (कुलुस्सियो ४:१२)।

ऊपर के वचन में शब्द "सिद्ध" और "पूर्ण" को एक दूसरे के बदले में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। दूसरे शब्दो में, ऊपर "सिद्ध" की जगह पर, आप "पूर्ण" भी रख सकते है और उल्टा पुल्टा भी।

यहॉ पर "सिद्ध" का अर्थ है मजबूती से खड़े रहना; अटल। इसका अर्थ "वयस्क होना" भी है; एक सिद्धता या वयस्कता के स्तर तक आ जाना, "पूरे डील डौल तक बढ़ जाना।" यह परिपूर्णता का स्थान है; समझ की परिपूर्णता, बुद्धि और ज्ञान की; आत्मा की परिपूर्णता। हालेलूयाह!

इसलिए इपफ्रास आत्मा के द्वारा, कुलुस्सी के मसीहो के लिए प्रार्थना कर रहा था कि वे वयस्कता के स्थान में आ जाएँ, मजबूत खड़े रहे, मसीह में पूर्ण और सिद्ध। परमेश्वर आपके जीवन में यह चाहता है। वह चाहता है कि आप एक पूरे वयस्क मसीही हो जाएँ, परमेश्वर के कामो को करने के लिए वयस्क।

जितना अधिक आप आत्मिक रुप से वयस्क होते है, उतना ही वास्तव में आप अपने जीवन के लिए परमेश्वर के सपने को पूरा कर सकते है। इसलिए, अपनी आत्मिक वृद्धि के लिए स्वंय ही एक लक्ष्य निर्धारित कीजिए। अपने आपसे कहिए, "मैं बढ़ने जा रहा हूँ; मैं वयस्कता के स्थान तक आनेवाला हूँ, जहाँ पर मैं केवल आत्मिक वस्तुएँ सोचता हूँ, मैं मसीह में वयस्कता सोचता हूँ, मैं परमेश्वर की सामर्थ से भरा हुआ हूँ"; और आगे बढ़कर उसको पूरा कीजिए।

इफिसियो ४:१२-१३ कहता है कि परमेश्वर ने इसी उद्देश्य के लिए चर्च को सेवकाई के वरदान दिए: "...जिस से पवित्र लोग सिध्द हो जाएँ और सेवा का काम किया जाए और मसीह की देह उन्नति पाए: जब तक कि हम सब के सब विश्वास और परमेश्वर के पुत्र की पहिचान में एक न हो जाएँ, और एक सिध्द मनुष्य न बन जाएँ और मसीह के

पूरे डील– डौल तक न बढ़ जाएँ"।

अगर हमारे लिए मसीह के पूरे डील डौल तक बढ़ना संभव नही होता, तो परमेश्वर ने हम से नही कहा होता कि यह करो। यह उसका सपना है। इसलिए, इसके लिए आगे बढ़िए, वचन को महान रुप से पढ़कर और उस पर अध्ययन कर के, और अपने आपको पवित्र आत्मा की सेवकाई के लिए समर्पित करकें।

घोषणा

मसीह में परमेश्वर के शरीर की सारी सिद्धता निवास करती है, और मैं उस में पूर्ण हूँ, जो कि सारी प्रधानता और सामर्थ का शिरोमणि है। मैं मसीह में एक उत्कृष्ट जीवन जीता हूँ: स्थिर, अटल, और विश्वास में स्थापित जैसे ही मैं निरंतर वचनो की ज्योति में चलता हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 4:14-15; इब्रानियो 5:14

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 12:1-21 & सभोपदेशक 3-5

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 1:8-14 & यिर्मयाह 31

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार **14**

उसे आपका हृदय चाहिए

हे मेरे पुत्र, मुझे अपना हृदय दे, और तेरी दृष्टि मेरे चालचलन पर लगी रहे (नीतिवचन २३:२६)।

लोग उनकी स्थितीयो के बावजूद एक जैसे ही होते है। उदाहरण के लिए इसका अर्थ यह है कि अमीर और गरिब एक जैसे ही है, अगर उनके हृदयों में एक बदलाव नही हुआ है तो। अगर एक मनुष्य गरिब और दुष्ट है, तो जब वह अमीर हो जाएगा तो अलग नही हो जाएगा। जब वह गरिब है तो उसके हृदय की दुष्टता को करने के लिए उसके पास पैसे नही है। तो जब वह अमीर हो जाता है, तो वह उसके हृदय की दुष्टता को उसके पैसे के द्वारा पूरा करने के योग्य हो जाता है।

पैसा आपके चरित्र को विस्तारित करता है। लोग केवल उनके हृदयो की अच्छाई और भलाई को ही करते है, उनके स्त्रोतो पर आधारित। यीशु ने कहा, "यदि पेड़ को अच्छा कहो, तो उसके फल को भी अच्छा कहो, या पेड़ को निकम्मा कहो, तो उसके फल को भी निकम्मा कहो..." (मत्ती १२:३३)। इसका अर्थ है कि लोग अंदर जैसे ही बाहर भी होते है। तो परमेश्वर क्या चाहता है? वह आपके हृदय में एक बदलाव चाहता है; एक अंदर से बदलाव।

यही कारण है सबसे पहले वह आपके हृदय में उसके राज्य को स्थापित करता है। वह सबसे पहले आपके हृदय में उसके प्रेम को रखता है। आपका हृदय ही वह स्थान है जहाँ पर वह काम करना चाहता है; वहीं पर उसकी सारी आशीषे है। फिर आपके हृदय से, वे आशीषे दूसरो तक बह सकती है। नये जन्मे होकर, आपके पास अपने हृदय में परमेश्वर का जीवन और स्वभाव है; और अब मसीह में, आप एक जीवन– दाता है।

जो महिमा और बदलाव आपके प्राण और शरीर में दिखाई देते है वे आपकी आत्मा में परमेश्वर के जीवन और स्वभाव का प्रभाव और विस्तार है। हमारे आरंभिक वचन में उसने कहा, "हे मेरे पुत्र मुझे अपना हृदय दे।" अगर आप कभी भी नये जन्मे नही हुए थे, तो यह आपका क्षण है; उसे अपना हृदय दे दीजिए। इस अध्ययनिका के पीछे के पन्नो पर उद्धार की प्रार्थना पर जाईये और उस प्रार्थना को हृदय की गहराई से कीजिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद देता हूँ मेरे हृदय में आपके राज्य को स्थापित करने के लिए। अपने हृदय के साथ, मैं सुसमाचार और हमारे परमेश्वर के राज्य के जीवन की वास्तविकताओ को देखता और समझता हूँ। मैं आज पूरे विश्व में अविश्वासीयो के लिए प्रार्थना करता हूँ कि उनका हृदय खुला होगा सुसमाचार को ग्रहण करने और उद्धार पाने के लिए; ताकि ठीक अभी आपके उद्धार की सामर्थ उनके हृदयो को भर दें, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

लूका 6:45; इब्रानियो 10:22

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ कुरुंथियो 13:1-14 & सभोपदेशक 6-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 1:15-20 & यिर्मयाह 32

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

वह आपमें और आपके साथ है

मैं पिता से विनती करूँगा, और वह तुम्हें एक और सहायक देगा कि वह सर्वदा तुम्हारे साथ रहे; अर्थात् सत्य का आत्मा, जिसे संसार ग्रहण नहीं कर सकता, क्योंकि वह न उसे देखता है और न उसे जानता है; तुम उसे जानते हो, क्योंकि वह तुम्हारे साथ रहता है, और वह तुम में होगा (यूहन्ना १४:१६-१७)।

ऊपर के संतोषप्रद और आत्मा उठानेवाले वचन यीशु के द्वारा कहे गए थे, उसके स्वर्गारोहण के पहले। उसे पता था कि चेले उसके जाने से दु:खी हो जाएँगे; तो उसने कहा, "शांत हो जाओ! मैं पिता के पास जा रहा हूँ, और मैं उससे कहूँगा कि वह तुम्हारे लिए पवित्र आत्मा (दूसरा सहायक) भेजे। जब वह आएगा, तो वह तुम्हारे हृदय में रहेगा, और तुम को मुझे ढूंढना नही पड़ेगा या तुम मेरी अनुपस्थिती महसूस नही करोगे। सड़को पर तुम्हारे साथ चलने के बजाय मैं सड़को पर तुम्हारे अंदर चलूँगा।" परमेश्वर की महिमा हो!

यीशु ने उसके वादे को पूरा किया और पिता ने पिन्तेकुस के दिन पवित्र आत्मा को भेजा (पढ़िए प्रेरितो के काम २:१-४)। अब जब कि आप नये जन्मे है, तो आपको कभी भी यीशु को ढूंढने की जरुरत नही है; आपको कभी चिल्लाने की जरुरत नही है, "प्रभु, आप कहाँ है?" वह अब आपमें है! इसका अर्थ है कि परमेश्वर की उपस्थिती आपके हृदय में है! मुझे नही पता कि आज से पहले परमेश्वर और मसीहत के बारे में आप क्या सोचते थे; इसको जान लीजिए, अगर आपने पवित्र आत्मा ग्रहण किया है, तो आपके अंदर परमेश्वर है। कोई आश्चर्य नही है कि यूहन्ना ने कहा, "हे छोटे बच्चो तुम परमेश्वर के हो और तुम ने "अपने शत्रुओ" पर जय पाई है क्योंकि जो तुम में है वह महान है उससे जो इस विश्व में है" (१ यूहन्ना ४:४)। हालेलूयाह!

आप अपने जीवन में जो झेल रहे है उसके बावजूद, एक नया दर्शन है; यह है आपमें दैवियता का दर्शन! पौलुस ने इसको भेद कहा जोकि पीढ़ियो से छिपा हुआ था, किंतु अब परमेश्वर के संतो पर उजागर हुआ है जो कि है, "मसीह जो महिमा की आशा है, तुम में रहता है" (कुलुस्सियो १:२६-२७)।

आदम इसको नही जानता था। अब्राहम इसको नही जानता था। इसहाक इसको नही जानता था। पुराने नियम के सारे पूर्वज इस भेद को नही जानते थे। यह "इम्मानुएल" (परमेश्वर हमारे साथ) से कही बढ़कर है; यह है स्वर्ग आपमें! परमेश्वर की पूरी परिपूर्णता

आपमें सदेह वास करती है और आपके द्वारा दर्शित होती है! परमेश्वर सदा के लिए धन्य हो!

प्रार्थना

यारे पिता, धन्यवाद उस महान सम्मान और आशीष के लिए कि मसीह मुझ में पवित्र आत्मा के द्वारा रहता है; उसकी रहने और बनी रहनेवाली उपस्थिती के कारण, मैं दैविय ऊर्जा और अलौकिक बुद्धि के साथ भरा हुआ हूँ परमेश्वर की इच्छा को करने के लिए, और दुष्ट की चालो के ऊपर और इस विश्व के भ्रष्ट करने वाले प्रभावो के ऊपर जीने के लिए। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 2:1-4; १ कुरुंथियो 3:16; प्रेरितो के काम 17:28

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 1:1-24 & सभोपदेशक 9-12

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 2:1-15 & यिर्मयाह 33

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुधवार **16**

झूठे भाई भी होते है

> यह उन झूठे भाइयों के कारण हुआ जो चोरी से घुस आए थे, कि उस स्वंतत्रता का जो मसीह यीशु में हमें मिली है, भेद लेकर हमें दास बनाएँ (गलातियो २:४)।

बाइबल हमे इन तीन समुदायो के विषय में बताती है: झूठे शिक्षक, झूठे भविष्यद्वक्ता और झूठे भाई। यह हमे स्पष्ट रुप से उन अलग अलग कामों को भी दिखाती है जो वे इन अंत के दिनो में करेंगे। क्या चर्चो में वास्तव में झूठे भाई हो सकते है? बिल्कुल हाँ! झूठे भाई लोग वे होते है जो परमेश्वर के लोगो के बीच में आते है, यीशु मसीह के प्रेम के कारण नहीं, किंतु एक दूसरे उद्देश्य के लिए।

हमारा आरंभिक वचन कहता है कि वे हमारे जाने बिना आते है, मसीह यीशु में हमारी स्वंतत्रता की जासूसी करने के लिए, ताकि वे हमे बंधन में ला सके। वे एक झूठे चित्र को दिखाते है, ताकि वे कुछ लाभ को पा सके। बाइबल कहती है, "वे लोभ (लालसा, लालच) के लिये बातें गढ़कर तुम्हें अपने लाभ (झूठे तरीकों से) का कारण बनाएँगे..." (२पतरस २:३ ए.एम.पी.सी)।

झूठे भाई हमेशा दूसरे भाईयो से पैसा बनाने के तरिके ढूंढते है। जब कि वही वे लोग होते है जो कभी भी चर्च में ना तो दशमांश देते है ना भेंट। उनका उद्देश्य है कि वे भाईयो से पैसा कमा सके। वे पैसे के लिए कुछ भी कर सकते है, वे अपने पास्टर को भी धोखा दे सकते है, लीडर को, यहाँ तक कि चर्च को भी। यही वे लोग है जो चर्च के विषयो को जनता के बीच में ले जाते है और धन-संबंधी कारणो के लिए अधिकारीयो या न्यूज मिडिया को रिपोर्ट करते है। बाइबल कहती है वे हमारे बीच में जासूसी करने के लिए आए है, ताकि वे हमारे ऊपर दोष लगाने का कोई कारण ढूंढ सके।

झूठे भाईयो को ढूंढना आसान नही होगा उनके ढोंगी तरिको के कारण। किंतु यीशु ने कहा, "उनके फलो से तुम उन्हें जान लोगे" (मत्ती ७:२०)। झूठे भाईयो को पहचानने का एक तरिका है कि वे अधिकार को तुच्छ समझते है। वे दूसरो को मनाने की कोशिश करते है कि क्यूँ उन्हें हर उस बात में विश्वास करना नही चाहिए जो पास्टर या चर्च की लीडरशीप कहती है। उदाहरण के लिए अगर वे सुनते है कि आपको किसी व्यक्तिगत काम के लिए पास्टर की सलाह की जरुरत है, तो वे उस विचार का मजाक उडायेंगे और ऐसा महसूस करायेंगे कि आप बच्चो की तरह काम कर रहे है।

झूठे भाईयो के विषय में परमेश्वर की सलाह हमको यह है कि हम उन्हें चिन्हित कर ले और उनके साथ संबंध ना रखे, उनके भ्रष्ट प्रभाव के कारण। बहुत सारे सच्चे मसीही विश्वास से दूर हो गए इस तरह के गलत संबंधो के कारण। इसलिए, वह कीजिए जो वचन कहता है, "अपने आपको हर उस भाई और बहन से दूर कर लीजिए जो गलत तरिके से चलता है" (२थिस्सलुनीकियो ३:६)।

प्रार्थना

धन्यवाद प्रभु, आत्मा के द्वारा, मैं गलती की आत्मा को देख सकता हूँ और बुद्धिपूर्वक काम कर सकता हूँ। वचन मुझे सही रास्तो में और मेरे संबंधो में भी चलाता है। मैं मेरे जीवन के लिए आपकी सिद्ध इच्छा और उद्देश्य की दिशा में निर्देशित हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ यूहन्ना 1:9-10; २थिस्सलुनीकियो 3:6 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 2:1-21 & श्रेष्ठगीत 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 3:1-7 & यिर्मयाह 34

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 17

परमेश्वर के साथ गंभीर हो जाओ

परमेश्वर से धीरे से हॉ कहो और वह वहॉ जल्दी से होगा। पाप मे तैरना बंद करो। अपने अंदर के जीवन को शुध्द करो। खेलना बंद करो। घुटनों पर जाओं और ऑखे निकालकर रो। आनंद और खेल बंद करो। गंभीर हो जाओ, वाकई में गंभीर
(याकूब ४:८-९ एम.एस.जी)।

इफिसियो ५:१५-१६ हमारे लिए एक बहुत ही सटीक चेतावनी है विशेष रुप से इन अंतिम दिनो में। यह कहता है, "इसलिये ध्यान से देखो, कि कैसी चाल चलते हो: निर्बुध्दियों के समान नहीं पर बुध्दिमानों के समान चलो, अवसर को बहुमूल्य समझो, क्योंकि दिन बुरे है।" दॉव पर बहुत कुछ लगा हुआ है। आप परमेश्वर की संतान के रुप में अपने जीवन को असावधानीपूर्वक नही जी सकते। आप यीशु मसीह के है; इसलिए, अपने जीवन के साथ उसकी सेवा कीजिए। उसके लिए जीओं।

बाइबल कहती है, "क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारी देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है, जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है; और तुम अपने नहीं हो? क्योंकि तुम एक दाम देकर खरीद लिए गए हो: इसलिए अपने शरीर में और अपनी आत्मा में परमेश्वर की महिमा करो, जोकि परमेश्वर के है" (१कुरिंथियो ६:१९-२०)। परमेश्वर का आपके जीवन के लिए एक उद्देश्य है जो आपको अवश्य ही पूरा करना चाहिए। आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण वस्तु है: उसमें अपने उद्देश्य को खोजना और उसे पूरा करना।

जीवन अपने व्यक्तिगत सपनो, योजनाओ, अभिलाषाओ या इच्छाओ के लिए नही है। बाइबल कहती है, "जब कि ये सब वस्तुएँ इस रीति से पिघलनेवाली हैं, तो तुम्हें पवित्र चाल–चलन और भक्ति में कैसे मनुष्य होना चाहिए" (२पतरस ३:११)। इससे अंतर नही पडता है कि आप इस विश्व में कितनी सुंदर सरंचनाओ को देखते है या मनुष्य के शारिरिक परिपूर्णन को; हर वस्तु नष्ट हो जाएगी।

यह मुझे सुलैमान राजा की याद दिलाता है जिसने परमेश्वर के लिए सबसे सुंदर मंदिर का निर्माण किया था। इसका महानरुप से उत्सव मनाया गया था और निश्चित ही परमेश्वर उससे खुश था और उसने उसको आशीष दी। किंतु हमारा परमेश्वर हाथ से बनाए हुए मंदिरो में नही रहता है। जब वे मूर्तिपूजा करने लगे और बाल की सेवा करने लगे, तो वह सुंदर मंदिर नष्ट कर दिया गया। एक परिणामी दंड परमेश्वर के वचन की

रेखा में ना चलने के कारण।

परमेश्वर पृथ्वी की वस्तुओ की चिंता नही करता है। हर वस्तु जो इस विश्व में है वह उससे बनी जो पहले से ही थी, और अगर यह सच है, तो आप क्यूँ अपना जीवन उसके लिए नही जीते जिसने वास्तव में सारी वस्तुओ को बनाया है? अपने जीवन के साथ उसकी सेवा कीजिए। गंभीर हो जाईये, और प्रभु के लिए अपनी सेवा में बहुत ज्यादा गंभीर हो जाईये।

प्रार्थना

मैं परमेश्वर की महिमा के लिए जन्मा था, उसके साथ चलने के लिए और उस तक सम्मान लाने के लिए। उसने आरंभ से ही योजना बनाई कि मैं अपने जीवन के साथ उसकी सेवा करूँ और उसके योग्य चाल चलूँ, उसे सब वस्तुओ में प्रसन्न करते हुए, और हर भले काम में परिणामी होते हुए। यह मेरा उत्साह, परिपूर्णन और हर दिन का उद्देश्य है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१पतरस 1:18-19; इफिसियो 2:10 AMPC; १ कुरुंथियो 7:23

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 3:1-14 & श्रेष्ठगीत 3-5

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 3:8-16 & यिर्मयाह 35

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 18

प्रार्थना करने के उत्साह को नकारिये मत

इसलिये परमेश्वर के अधीन हो जाओ; और शैतान का सामना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा (याकूब ४:७)।

एक मसीही के रुप, यह जरुरी है कि आप जाने कि जो जीवन परमेश्वर ने आपको दिया है उसको गंभीरता से कैसे जीएँ, और कैसे आत्मिक रुप से उत्तर दे जब कुछ वस्तुएँ आपके आसपास होती है। यही कारण है कि प्रार्थना बहुत जरुरी है। जब हम प्रार्थना करते है तो कुछ होता है। उसने हम से बेकार में प्रार्थना करने को नही कहा। जब आपके पास प्रार्थना करने का उत्साह होता है तो इसे नकारिये मत।

हर व्यक्ति जिसके पास पवित्र आत्मा है उसके पास समय समय पर प्रार्थना करने का उत्साह आएगा, क्योंकि वह स्वंय ही प्रार्थना का आत्मा है। वह हमे प्रार्थना करना सीखाता है, और वह हमारे द्वारा प्रार्थना करता है। वह हमारे हृदय को प्रार्थना करने के लिए उत्साहीत करता है और यहाँ तक कि हमारे मुँह में शब्दो को भी रखता है जिनके द्वारा हम प्रार्थना कर सकते है। जब तक आप एक आत्मा निर्देशित जीवन जीते है, आपके पास हमेशा प्रार्थना करने का उत्साह होगा। अन्यथा आप शैतान को कैसे रोकेंगे?

शैतान एक आत्मिक प्राणी है; हम उसे मांसपेशीयो या शारीरिक सामर्थ से नही रोकते है। हम उसे पृथ्वी की वस्तुओ के द्वारा नही रोकते है; हम उसे अपने विश्वास के द्वारा रोकते है। बाइबल कहती है शैतान को रोको और वह तुम से भाग जाएगा (याकूब ४:७); उसके पास कोई विकल्प ही नही है। वह हम से डरा हुआ है यीशु के नाम के कारण।

जब आप उस महान सामर्थ को समझ जाते है जो आपको शैतान की गतिविधियो को नष्ट करने के लिए दी गई है, चाहे वह आपका जीवन हो, या आपके प्रियजनो का जीवन, आपका शहर या आपका देश– तो आप प्रार्थना करना पसंद करेंगे! बेकार में मत बैठे रहिए और शैतान को अपने आसपास तांडव करते हुए मत देखिए। प्रार्थना कीजिए। उसके विरोध में यीशु के नाम को इस्तेमाल कीजिए।

जैसे ही आप प्रार्थना में परमेश्वर के साथ सहभागिता करते है, पवित्र आत्मा आपको वह वस्तुएं दिखाएगा जिनके विषय में आपको प्रार्थना करना है और कैसे प्रार्थना करना है। वह आपको बताएगा कि आत्मा के स्तरो में वस्तुओ को कैसे संभालना है और कैसे

प्रबल होना है। हालेलूयाह!

प्रार्थना

धन्यवाद आशीषित पिता, प्रार्थना और अन्यभाषाओ में बोलने की आशीष के लिए। मैं पवित्र आत्मा के निर्देशनों और उत्साहो के लिए सचेत हूँ यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रार्थना के द्वारा आपकी इच्छा पृथ्वी पर पूरी होती है जैसे कि स्वर्ग में पूरी हो चुकी है, और आपका चरित्र और व्यक्तित्व मेरे द्वारा दिखाई देते है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१थिस्सलुनीकियो 5:17; १ कुरुंथियो 14:2; रोमियो 8:26-27

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 3:15-25 & श्रेष्ठगीत 6-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 4:1-8 & यिर्मयाह 36

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **19**

मसीह में अपने जीवन के लिए सचेत हो जाईये

इसी से प्रेम हम में सिध्द हुआ कि हमें न्याय के दिन साहस हो; क्योंकि जैसा वह है वैसे ही संसार में हम भी है (१ यूहन्ना ४:१७)।

जब आप ऊपर के वचन को पढ़ेंगे, "...कि जैसा वह है वैसे ही इस विश्व में हम है", तो वह यह नही कह रहा है कि हम यीशु की तरह है उसके मरने के पहले जैसे, किंतु पुर्नरुत्थानी यीशु के जैसे जिसमें अनंत जीवन है। अब हमारे पास उसके जैसा ही जीवन है। बाइबल कहती है, "जिसके पास परमेश्वर का पुत्र है उसके पास जीवन है" (१ यूहन्ना ५:१२)। अगर आपके पास यीशु है, तो आपके पास अनंत जीवन है– परमेश्वर का जीवन; यह वह जैविय जीवन नही है जिसके द्वारा आप अपने माता पिता से जन्मे थे।

यही कारण है कि यीशु ने कहा, "...यदि कोई नया जन्म न ले तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता" (यूहन्ना ३:३)। और जब उसने कहा कि आपका जैविय जीवन परमेश्वर के राज्य को नही देख सकता, तो वह केवल स्वर्ग जाने की बात नही कर रहा था; वह परमेश्वर की राज्य की वास्तविकताओ के विषय में बात कर रहा था; विश्व में परमेश्वर की प्रबलता के बारे में; इस विश्व में परमेश्वर के जीवन और स्वभाव को अनुभव करने के बारे में।

जब आप नये जन्मे होते है, तो आप इस जीवन में परमेश्वर के राज्य का अनुभव करते है; यह आपका हर दिन का अनुभव बन जाता है; आपकी हर दिन की यात्रा। मसीहत यही है। मसीह आपमें वास्तव में जीवित है आप उसमें अटूट एकता में है। १ कुरिंथियो ६:१७ कहता है, "और जो प्रभु की संगति में रहता है, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है।"

परमेश्वर के साथ आत्मा में इतना एक होकर, आप कैसे वायरस, बैक्टीरिया, कीटाणु या किसी भी वस्तु के लिए चिंतित हो सकते है जो इस विश्व को प्रकोपित करते है? यही कारण है कि यूहन्ना चाहता है कि आप जान ले कि आपके पास क्या है। उसने कहा, "मैं ने तुम्हें, जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसलिये लिखा है कि तुम जानो कि अनन्त जीवन तुम्हारा है" (१ यूहन्ना ५:१३)।

जब आप जान जाते है कि आप मसीह में कौन है, तो आप यह भी जान जाएँगे कि आपके लिए बीमार होना असंभव है। जब आप पहचान लेते है और उसमें आपके जीवन

के लिए सचेत हो जाते है, तो आप इस विश्व की किसी भी वस्तु से नही डरेंगे, क्योंकि आप अविनाशी है। उसने हमे कितना अद्भुत जीवन दिया है! हालेलूयाह!

घोषणा

मेरे पास परमेश्वर का अद्भुत, अविनाशी, ना भ्रष्ट हो सकने वाला चमत्कारी जीवन है। मैं परमेश्वर सरिखे का सहभागि हूँ! दैवियता का सार मुझ में काम कर रहा है, और वह दैविय जीवन मेरे अस्तित्व में बहता है: बीमारी, रोग, दुर्बलता, मृत्यु, गरिबी और हर उस वस्तु को भगाते हुए जो कि मसीह के सुसमाचार के प्रावधानो से मेल नही खाती है। मैं अजेय, अविनाशी और अभेद हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ यूहन्ना 5:11-13; १ कुरुंथियो 15:47-49 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 3:26-4:1-20 & यशायाह 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 4:9-16 & यिर्मयाह 37

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 20

उसके लहू के द्वारा खरिदे गए

क्योंकि तुम एक दाम देकर खरीद लिए गए हो: इसलिए अपने शरीर में और अपनी आत्मा में परमेश्वर की महिमा करो, जोकि परमेश्वर के है (१कुरिंथियो ६:२०)।

१कुरिंथियो ११:२५ में, बाइबल हमे बताती है कि यीशु ने लिया, "...बियारी के पीछे कटोरा ...और कहा, यह कटोरा मेरे लहू में नई वाचा है: जब कभी पीओ, तो मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।" उसका लहू उसके जीवन को दर्शाता है; उसने हमारे लिए अपना जीवन दिया ताकि हम जी सके। यह आपको बताता है कि आप परमेश्वर के लिए कितने महत्वपूर्ण है। बाइबल कहती है कि हम सोने, या चाँदी या बहुमूल्य पत्थरो से नही किंतु लहू से खरिदे गए थे; यीशु मसीह के बहुमूल्य लहू के द्वारा, जीवित परमेश्वर के पुत्र के (१पतरस १:१८-१९)।

"तुम हमारे प्रभु मसीह का अनुग्रह जानते हो कि वह धनी होकर भी तुम्हारे लिये कंगाल बन गया, ताकि उसके कंगाल हो जाने से तुम धनी हो जाओ" (२कुरिंथियो ८:९)। आपके जीवन में, सबसे महत्वपूर्ण वस्तु यह है कि आप अपना दिमाग उसके लहू पर लगाये रखे, जो उसके जीवन को दर्शाता है, और वही आपका सच्चा मूल्य है। और उस लहू के कारण, आप सुरक्षित है। आप परमेश्वर की संपत्ति है, इसलिए, आप शत्रु की तुनक या पाप की प्रबलता के अंतर्गत नही है।

उसका लहू आपकी सत्यनिष्ठा को बोलता है। आप उसके लहू के द्वारा शुद्ध और सुरक्षित है। बाइबल कहती है, "और बकरों और बछड़ों के लहू के द्वारा नहीं पर अपने ही लहू के द्वारा, एक ही बार पवित्र स्थान में प्रवेश किया और अनन्त छुटकारा प्राप्त किया" (इब्रानियो ९:१२)। यीशु मसीह के बहुमूल्य लहू के लिए परमेश्वर का धन्यवाद! हालेलूयाह!

घोषणा

यीशु मसीह का लहू मुझे मनफिराव, निर्दोषता, उद्धार, पहुँच, सहभागिता, शुद्धिकरण, और नये नियम की आशीषो को देता है। मैं उसके वचन से जन्मा हूँ, एक नई सृष्टि, शैतान से बढकर, और इस विश्व की गिरनेवाली व्यवस्थाओ और कारको के ऊपर। धन्य है परमेश्वर!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ पतरस 1:18-19; इब्रानियो 10:14-20

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 4:21-5:1-15 & यशायाह 3-5

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 5:1-10 & यिर्मयाह 38

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 21

जीवन की पुस्तक में आपका नाम

> यदि कोई इस भविष्यद्वाणी की पुस्तक की बातों में से कुछ निकाल डाले, तो परमेश्वर उस जीवन के वृक्ष और पवित्र नगर में से, जिसका वर्णन इस पुस्तक में है, उसका भाग निकाल देगा (प्रकाशितवाक्य २२:१९)।

बहुत से लोगो ने यह धारणा की है कि जब कोई व्यक्ति मसीह को अपना जीवन देता है, तब उसका नाम जीवन की पुस्तक में लिखा जाता है। किंतु बाइबल यह नही सीखाती है। यह कभी भी जीवन की पुस्तक में आपके नाम के लिखे जाने के विषय में नही है; परेशानि आपका नाम जीवन की पुस्तक से हटाए जाने की है।

निर्गमन ३२:३२ में मूसा ने परमेश्वर से कहा, "...नहीं तो अपनी लिखी हुई पुस्तक में से मेरे नाम को काट दे।" मूसा जीवन की पुस्तक के विषय में जानता था; यह वह पुस्तक नही है जहाँ पर नए जन्म पर आपका नाम लिखा जाता है, क्योंकि मूसा "नया जन्मा" नही था। इसलिए, जीवन की पुस्तक क्या है? यह वह पुस्तक है जहाँ पर परमेश्वर हर उस व्यक्ति का नाम लिखता है जो इस विश्व में पैदा होता है।

हमारे आरंभिक वचन को फिर से पढ़िए, यह हर एक के लिए चेतावनी थी। परमेश्वर की वास्तविक योजना थी कि हम में से हर व्यक्ति उसके साथ रहे। बाइबल कहती है कि वह, "...नहीं चाहता कि कोई नष्ट हो, वरन् यह कि सब को मन फिराव का अवसर मिले" (२पतरस ३:९)। अनंत आग कभी भी मनुष्यो के लिए तैयार नही की गई थी (मत्ती २५:४१), किंतु शैतान और उसके दूतों के लिए। किंतु परमेश्वर ने मनुष्य को चुनाव की सामर्थ दी है।

जिस किसी व्यक्ति का नाम उसे आखिर में जीवन की पुस्तक में नही मिलेगा, वही स्वयं दोषी है। निर्गमन ३२:३३ में मूसा को परमेश्वर ने उत्तर दिया, "...जिसने मेरे विरुध्द पाप किया है उसी का नाम मैं अपनी पुस्तक में से काट दूँगा" (निर्गमन ३२:३३)। इसका यह अर्थ है कि आप अपना जीवन परमेश्वर के लिए जीते है।

हर दिन प्रेम में और सत्यनिष्ठा में चलिए, और आपका नाम जीवन की पुस्तक में बना रहेगा। उस जीवन को जीएँ जो यीशु मसीह को महिमा देता है। २कुरिंथियो ५:१५ कहता है, "और वह इस निमित्त सब के लिये मरा कि जो जीवित हैं, वे आगे को अपने

लिये न जीएँ परन्तु उसके लिये जो उनके लिये मरा और फिर जी उठा।”

प्रार्थना

वफादार और सत्यनिष्ठ पिता, धन्यवाद आपकी बचाने वाली सामर्थ का एक गवाह होने की विशेष सुविधा के लिए; मैं आज पूरे विश्व में आत्माओ के लिए प्रार्थना करता हूँ कि वे आपके वचन को ग्रहण करे और बदल जाएँ। इसके अतिरिक्त मैं घोषणा करता हूँ कि आपके राज्य में मेरे काम और आपके साथ मेरी यात्रा आपके आत्मा के द्वारा पवित्र है, आपकी महिमा के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यशायाह 50:7 TLB; मरकुस 10:29-30; प्रकाशित वाक्य 3:5

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 5:16-26 & यशायाह 6-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 5:11-18 & यिर्मयाह 39

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

आत्मा में हमेशा सचेत और संवेदनशील

सचेत हो, और जागते रहो; क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह के समान इस खोज में रहता है कि किस को फाड़ खाए (१पतरस ५:८)।

एक दिन, जब यीशु आराधनालयो में सीखा रहा था, उसने एक औरत को देखा जो बहुत झुकी हुई थी; वह अपने आपको सीधा नही कर पा रही थी। और वह उस दशा में अठारह सालो से थी। तो यीशु ने उससे कहा, "...हे नारी, तू अपनी दुर्बलता से छूट गई। तब उसने उस पर हाथ रखे, और वह तुरन्त सीधी हो गई और परमेश्वर की बड़ाई करने लगी" (लूका १३:१२-१३)।

यद्यपि वहाँ पर जो धार्मिक नेता उपस्थित थे वे बुरा मान गए कि यीशु मसीह ने एक महिला को सब्त के दिन चंगा किया, किंतु स्वामी के उत्तर ने कुछ अद्भुत दर्शाया। उसने कहा, "तो क्या उचित न था कि वह स्त्री जो अब्राहम की बेटी है जिसे शैतान ने अठारह वर्ष से बाँध रखा था, सब्त के दिन इस बन्धन से छुड़ाई जाती?" (लूका १३:१६)।

स्वामी ने स्पष्ट रुप से कहा कि यह शैतान था जिसने उस महिला को उस स्थिती में, "एक दुर्बलता की आत्मा "के द्वारा रखा था। और जैसे ही उसने आत्मा को निपटाया, वह महिला सीधी हो गई; वह परमेश्वर की सामर्थ के द्वारा पूर्ण चंगी हो गई।

यीशु ने आत्मा के विश्व को समझा था। उसे पता था कि जीवन आत्मिक था, और शैतानी आत्माएँ वास्तविक है और उन बहुत सारी दुर्बलताओ के लिए जिम्मेदार है जिससे लोग कष्ट उठाते है। और वचनो और उस अंर्तज्ञान के द्वारा जो पवित्र आत्मा हमे देता है, हम भी समझ जाते है कि कैसे शैतान को और उसके कार्यो को पहचानना है।

अगर आप वचनो को नही जानते है, तो आप शैतान की चालो के एक शिकार हो सकते है। अधिकतर वचन का अध्ययन कीजिए और मनन कीजिए; हर दिन अन्यभाषाओ में बोलिए; आत्मा के साथ भर जाईये, और आपकी आत्मिक सजगता और सर्तकता हमेशा अपनी ऊँचाई पर होगी। जीवन में आत्मिक आयाम है। आपको जानने की जरुरत है कि परमेश्वर क्या शुरु करता है और क्या शैतान भड़काता है। बाइबल कहती है, "... क्योंकि हम उसकी(शैतान की) युक्तियों से अनजान नहीं " (२कुरिंथियो २:११)।

घोषणा

मसीह में मुझे दिए गए अधिकार के द्वारा मैं शैतान और उसके दूतों को अपने पैरो के नीचे रखता हूँ! मैं परमेश्वर की महिमा में जीता हूँ, दैविय स्वास्थ, शांति, सुरक्षा, प्रचुरता और आनंद में चलता हूँ। मैं आज सुसमाचार की आशीषो की परिपूर्णता में चलता हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

याकूब 4:7; १पतरस 5:8-9; १ यूहन्ना 4:4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

गलतियो 6:1-18 & यशायाह 9-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 5:19-25 & यिर्मयाह 40

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुधवार 23

मसीह में जीते हुए

अत: जैसे तू ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में अपने जीवन को जीते रहो (कुलुस्सियो २:६ एन.आय.व्ही)।

इससे पहले कि हम ऊपर के वचन में पौलुस के अद्भुत समर्पण को देखे, चलिए पढ़ते है कि उसने बीसवें वचन में क्या कहा, "जब कि तुम मसीह के साथ संसार की आदि शिक्षा की ओर से मर गए हो, तो फिर क्यों उनके समान जो संसार के हैं जीवन बिताते हो? तुम ऐसी विधियों के वश में क्यों रहते हो" (कुलुस्सियो २:२०)। उसके अद्भुत वार्तालाप को देखिए; वह कहता है कि मसीही इस विश्व में नही जीता, इस जीवन के प्राकृतिक स्तर में। तब मसीही कहाँ जीता है? वह मसीह में जीता है!

जो व्यक्ति नया जन्मा है उसके लिए मसीह नया घर और नया वातावरण है। २कुरिंथियो ५:१७ पर ध्यान दीजिए यह कहता है, "...अगर कोई व्यक्ति मसीह में है"; मसीह एक स्थान है। आपको इस विश्व के कारको के द्वारा प्रभावित, शासित या नियंत्रित नही होना चाहिए, क्योंकि आप एक अलग वातावरण में रहते है। उस वातावरण में, हर वस्तु सिद्ध है; वहाँ पर असफलता, कमजोरी, हार, बीमारी, रोग, गरिबी या अंधकार की कोई वस्तु नही है। वहाँ पर केवल परमेश्वर की महिमा और सत्यनिष्ठा है।

अब आप बेहतर समझ सकते है जो हमने हमारे आरंभिक वचन में पढ़ा, "अत: जैसे तू ने मसीह यीशु को प्रभु करके ग्रहण कर लिया है, वैसे ही उसी में अपने जीवन को जीते रहो " मसीह में जीने का अर्थ है कि आप पृथ्वी पर स्वर्ग के राज्य में जी रहे है, परिस्थितीयो के ऊपर पूरे स्वामीत्व के साथ, बचे हुए, पोषित और उसकी दैविय सामर्थ के द्वारा सुरक्षित। हालेलूयाह!

प्रार्थना

मसीह मेरा घर है; मसीह मेरा जीवन है और मसीह मेरा सबकुछ है! उसमें मैं जीता, चलता हूँ और मेरा अस्तित्व है। मैं केवल उसकी महिमा को देखता हूँ, जो मेरे पास है और मैं उसका अनुभव करता हूँ। मैं परिस्थितीयो के आधीन नही हूँ; वरन, मैं शासन करता हूँ और मसीह की महिमा और सत्यनिष्ठा को दिखाता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

फिलिप्पियो 3:20-21 AMPC; रोमियो 8:1; २ कुरुंथियो 5:17

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 1:1-14 & यशायाह 11-12

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 6:1-16 & यिर्मयाह 41

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 24

आपका चमकने का क्षण

तुम विश्व का प्रकाश हो। जो नगर पहाड़ पर बसा हुआ है वह छिप नहीं सकता (मत्ती ५:१४)।

वर्तमान विश्व एक आत्मिक अंधकार में है। यह यीशु के दिनो में भी ऐसा ही था। उसकी गिरफ्तारी पर उसने कहा, "...पर यह तुम्हारी घड़ी है जब अन्धकार का अधिकार है" (लूका २२:५३ एन.एल.टी)। यीशु के स्वर्ग में जाने के बाद, विश्व अंधकार में ही बना रहा। किंतु आप उस अंधकार का समाधान है। हमने हमारे आरंभिक वचन में पढ़ा कि आप विश्व की ज्योति है। आपको इन अंत के दिनो में पहले से कहीं अधिक चमकना है, पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा।

हमारा विश्व शैतान के लिए नही है; यह प्रभु के लिए है। उसने हमे यहाँ रखा है कि हम विश्व को उसके प्रकाश और आत्मा के स्तर से सत्यनिष्ठा के द्वारा चलाएं। जैसे ही आप विश्वास में चलते है, वचन को काम पर रखते हुए और अपने दैविय अधिकारो और मसीह में उत्तराधिकारो पर बल देते हुए, आप अपने प्रकाश को चमका रहे है।

विश्व के अंधकार से कोई अंतर नही पड़ता– बीमारी, रोग, गरिबी, और उस असुरक्षा के द्वारा जिससे विश्व प्रताड़ित है– आप सशक्त किए गए है कि आप मसीह के द्वारा राज्य और शासन करे, वचन के द्वारा। दूसरे लोग आपको देखेंगे और समझ जाएँगे कि एक सच्चा मसीह कौन है; वे आपमें मसीह की श्रेष्ठता और महिमा को देखेंगे।

यशायाह ६०:१-२ कहता है, "उठ, प्रकाशमान हो; क्योंकि तेरा प्रकाश आ गया है, और यहोवा का तेज तेरे ऊपर उदय हुआ है। देख, पृथ्वी पर तो अंधियारा और राज्य के लोगो पर घोर अंधकार छाया हुआ है; परंतु तेरे ऊपर यहोवा उदय होगा, और उसका तेज तुझ पर प्रगट होगा।" यह इस अंधकार के विश्व में ज्योति की तरह चमकने का आपका क्षण है सत्यनिष्ठा, समृद्धि, स्वास्थ, दिमाग और शरीर की बुद्धिमानी के द्वारा चलने का, जैसा कि परमेश्वर के वचन में गारंटी दी गई है।

प्रार्थना

मैं विश्व की ज्योति हूँ, एक पहाड़ी पर बसा हुआ नगर जो मेरे विश्व में प्रकाश लाता है। मसीह की महिमा और सत्यनिष्ठा मुझ में और मेरे द्वारा दिखाई देती है; मैं समृद्धि और आशीषो में चलता हूँ, दिमाग और शरीर की संपूर्णता में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यशायाह 60:1-3; यूहन्ना 9:5; फिलिप्पियो 2:15; १थिस्सलुनीकियो 5:5

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 1:15-2:1-10 & यशायाह 13-14

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 6:17-21 & यिर्मयाह 42

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 25

परमेश्वर के समय को समझना

फिर उसने मुझ से कहा, हे दानिय्येल, मत डर, क्योंकि पहले ही दिन को जब तू ने समझने– बूझने के लिये मन लगाया और अपने परमेश्वर के सामने अपने को दीन किया, उसी दिन तेरे वचन सुने गए... (दानिय्येल १०:१२)।

हम परमेश्वर के राज्य में एक बहुत ही विशेष युग में है। वचन के ज्ञान के द्वारा, हम आत्मा के द्वारा निर्देशित किए जाते है कि हम उसकी योजना और समय के अनुसार जीएँ।

उदाहरण के लिए दानिय्येल ९ में बाइबल हमे बताती है कि जब दानिय्येल इस्राएल के बच्चो के साथ निर्वासन में था, तो उसने समझा परमेश्वर के समय को जैसे ही उसने यिमर्याह नबी के लेखो को पढ़ा। उसने देखा कि उन लोगो को सत्तर साल दासता में रहना था और वे अपने दासता के सालों को लगभग पूरा कर चुके थे। किंतु, कुछ भी बदलता हुआ दिखाई नही दे रहा था, तो दानिय्येल ने निर्णय लिया कि वह प्रभु को खोजेगा उपवास और प्रार्थनाओ के द्वारा और परमेश्वर के प्रोग्राम को वास्तविकता में लाएगा।

इस्राएल में यीशु मसीह की सेवकाई के अंतिम दिनो में, वह यरुशलेम के ऊपर रोया क्योंकि वे उनके प्रभु के आगमन का "समय" नही जानते थे। वह प्रभु जिसके लिए वे सालो से इंतजार कर रहे थे वह उनके लिए आ चुका था, किंतु वे उसको नही जानते थे। आज भी बहुत से ऐसे ही है।

अपनी यह प्राथमिकता बना लीजिए कि आप अपने जीवन के लिए परमेश्वर की इच्छा और समय के साथ मेल में होंगे। अत्यधिक रुप से वचनो का अध्ययन कीजिए, और प्रार्थना में समय दीजिए। हम परमेश्वर के द्वारा भेजे गए है पृथ्वी पर उसकी इच्छा को लगाने के लिए, यीशु के नाम और पवित्र आत्मा की सामर्थ को इस्तेमाल करने के द्वारा।

किंतु अगर आप परमेश्वर की इच्छा और समय को नही जानते है, तो पृथ्वी पर वस्तुएँ ऐसे होंगी जो ना तो आपके फायदे में होंगी और ना ही परमेश्वर के फायदे में। यही कारण है कि आपको देशो के लिए आत्मा में प्रार्थना अवश्य ही करनी चाहिए, प्रभु के चर्च के लिए, और पूरे विश्व में सुसमाचार के सेवको के लिए। इस तरह प्रार्थना कीजिए जैसे कि राज्य आप ही पर निर्भर है, क्योंकि यह है। हालेलूयाह!

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, आपका धन्यवाद चमत्कारो के एक मौसम के लिए और आपके काम और आशीषो के प्रत्यक्षिकरण के लिए जैसे पहले कभी नही हुआ था, जिसके द्वारा चर्च का रैपचर होगा। मैं पूरे विश्व में संतो के लिए प्रार्थना करता हूँ जो कि महान सताव और अन्याय को झेल रहे है, कि वे मजबूत हो जाएँगे परमेश्वर की पूरी इच्छा में खड़े रहने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

दानिय्येल 9:2-4; १पतरस 5:8-9; १ इतिहास 12:32

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 2:11-22 & यशायाह 15-18

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 1:1-18 & यिर्मयाह 43

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **26**

अपने दैविय सार की चेतना

हे बालको, तुम परमेश्वर के हो, और तुम ने उन पर जय पाई है; क्योंकि जो तुम में है वह उस से जो संसार में है, बड़ा है (१ यूहन्ना ४:४)।

बहुत से लोग ऊपर के वचन में आत्मा की भाषा को नही समझते है जब यह कहता है, "कि तुम परमेश्वर के हो..."; इसका अर्थ है कि तुम परमेश्वर से आए हो; तुम परमेश्वर से जन्मे हो। यही है जो एक मसीही को दैविय प्राणी बनाता है, ना कि मात्र मनुष्य। हालेलूयाह!

यही पर बहुतो से चूक हो गई; उनकी इस चेतना की कमी कि वे मसीह में वास्तव में है कौन। यूहन्ना प्रेरित ने इसको संबोधित करते हुए १ यूहन्ना ५:१३ में कहा, "मैं ने तुम्हें, जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसलिये लिखा है कि तुम जानो कि अनन्त जीवन तुम्हारा है।" परमेश्वर चाहता है कि आपके पास यह चेतना हो, यह सक्रिय ज्ञान कि उसका जीवन आपमें है। आप एक दैविय जीवन– वाहक है, परमेश्वर के एक वितरक।

प्रभु यीशु के विषय में बात करते हुए बाइबल कहती है, "...उसमें ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है। और तुम उसी में पूर्ण हो गए हो..." (कुलुस्सियो २:९-१०)। ध्यान दीजिए इस कथन पर, "कि हम उसमें पूर्ण है...।" इसका अर्थ है कि सारी दैवियता आपमें रहती है जैसे कि यीशु में है। कोई आश्चर्य नही कि पतरस हमे "परमेश्वर सरिखे के सहभागि" कहता है; दैविय स्वभाव के सहभागि (२ पतरस १:४)।

आप परमेश्वर से भरे हुए या पूर्ण है। "उसमें पूर्ण" का यही अर्थ है; कुछ भी और करने की जरुरत नही है कि आप दैविय हो जाएं। यही कारण है कि बीमारी, रोग, या दुर्बलता आपके जीवन का भाग नही हो सकती। अगर आप अपने अंदर परमेश्वर के जीवन पर मनन करेंगे, तो आप कभी भी अपने जीवन में बीमार नही होंगे।

आप जन्मे थे ना तो लहू से, ना ही शरीर की इच्छा से, ना ही मनुष्य की इच्छा से किंतु परमेश्वर की इच्छा से (यूहन्ना १:१३)। वही जीवन जो परमेश्वर के लिए बीमार होना, हारना या कि उसके साथ "कुछ हो जाएं"असंभव बनाता है, वही है जो आपके अंदर है। इस वास्तविकता की आपकी चेतना आपको अनंत विजयी बनाएगी और आपके जीवन के हर दिन आपको प्रबलता में चलाएगी। परमेश्वर की महिमा हो!

घोषणा

धन्य हो परमेश्वर! मेरे पास अपने दैविय सार की चेतना है और मैं इस चेतना में चलता भी हूँ; मैं बीमारी, रोग, मृत्यु और इस विश्व के कारको के ऊपर प्रबलता में जीता हूँ। मुझ में मसीह सबसे बढ़कर है; और मैं आज और हमेशा प्रभु के साथ मेरी एकता का उत्सव मनाता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ पतरस 1:4; यूहन्ना 5:26; १ यूहन्ना 5:11-13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 3:1-21 & यशायाह 19-22

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 2:1-10 & यिर्मयाह 44

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 27

एक बच्चे की तरह भरोसा कीजिए

तू अपनी समझ का सहारा न लेना, वरन् सम्पूर्ण मन से यहोवा पर भरोसा रखना (नीतिवचन ३:५)।

भरोसा करने का मतलब भोला होना नही है, और इस अंतर को पहचानना बहुत जरुरी है क्योंकि ऐसे भोले लोग होते है जो सोचते है कि वे भरोसा कर रहे है। भोले होने का अर्थ है आसानी से धोखा खा जानेवाले। किंतु बच्चे आसानी से धोखा नही खाते है; वे वास्तव में भरोसा करते है। वे आपके चरित्र पर भरोसा करते है। किंतु वयस्क लोग भोले हो सकते है। एक वयस्क तर्कवितर्क करेगा उससे जो उसे बताया जाता है इससे पहले कि वह उस पर भरोसा करे, जिस पर वह भरोसा कर रहा है वह शायद उस व्यक्ति के चरित्र पर इतना ध्यान नही देगा।

उदाहरण के लिए, अगर आप एक बच्चे को बाल्कनी के बाहर पकड़कर खड़े रहेंगे, और किसी दूसरे से पूछे जिस पर बच्चा भरोसा करता है कि वह ग्राऊंड फ्लोर पर जाए और उसे पकड़ ले, तो वह बच्चा जाने के लिए तैयार होगा क्योंकि जो जमीन पर है वह उस पर भरोसा करता है। बच्चा यह शायद ना जान पाएं कि जो आदमी नीचे खड़ा है उसके पास उसे पकड़ने की योग्यता या सामर्थ है भी या नही, किंतु वह भरोसा करता है कि वह उसे गिरने नही देगा। यही बच्चो सरिखा विश्वास है जो आपको परमेश्वर की ओर रखना चाहिए।

प्रभु यीशु ने हमे मत्ती १८:३ ए.एम.पी.सी में चेताया कि हम छोटे बच्चे की तरह हो जाएं, "...(भरोसा करते हुए, दीन, प्रेमी, और क्षमाशील)...।" वह चाहता है कि आप परमेश्वर के चरित्र पर भरोसा करे। उसका चरित्र उसके वचनो में स्पष्ट किया गया है; वह कभी असफल नही होता है। निर्भिकतापूर्वक अपना भरोसा उसमें रखिए, अपने जीवन के लिए उसके उद्देश्य को पूरा करने के लिए।

कुछ बार, बहुत से लोग शायद परमेश्वर की "सहायता" करने की कोशिश करे, वह करने में जो वह करना चाहता है। शायद, उसने आपके उद्देश्य से जुड़ा एक दर्शन या कुछ विचार दिए है, और आप बहुत उत्साहीत है और आप यह देखना चाहते है कि सारी बातें सही तरिके से हो जो कि अच्छा है! किंतु अगर आप भरोसा नही कर रहे है और पवित्र आत्मा के लिए समर्पित नही है, तो आप शायद "परमेश्वर" का किरदार पूरा करने की कोशिश करेंगे। आप शायद उसके किरदार को निभा रहे होंगे, अपनी बुद्धि के द्वारा

उसकी सहायता करने की कोशिश करते हुए। किंतु आखिरी परिणाम अच्छा नही होगा।

सबसे अच्छा यह होगा कि आप उस पर भरोसा करे क्योंकि केवल वही जानता है और उसी के पास आपके जीवन का ब्लू प्रिंट है। अब्राहम से थोड़ा सा सीखिए जिसने परमेश्वर पर भरोसा किया और उसके पीछे चला यद्यपि वह नही जानता था कि परमेश्वर उसको कहाँ ले जा रहा है। बाइबल कहती है, "विश्वास ही से अब्राहम जब बुलाया गया तो आज्ञा मानकर ऐसी जगह निकल गया जिसे उत्तराधिकार में लेनेवाला था; और यह न जानता था कि मैं किधर जाता हूँ, तौभी निकल गया" (इब्रानियो ११:८)।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं अपना जीवन आपमें सारी वस्तुओ में पूरे हृदय के साथ भरोसा कर के जीता हूँ, आपके वचनो का सहारा लेते हुए और आपके निर्देशो पर काम करते हुए। मैं अपनी योजनाएँ, अभिलाषाएँ और इच्छाएँ आपको समर्पित करता हूँ, पूरी तरह से आश्वस्त होते हुए कि आप मेरी सफलता के लिए मुझ से अधिक रुची रखते है और उत्साही है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 3:5-6; भजन संहिता 18:30

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 4:1-16 & यशायाह 23-24

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 2:11-26 & यिर्मयाह 45

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 28

"मिट्टी" को मना कर दीजिए जोकि आपके "कुओं " को बंद कर सकती है

जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्रशास्त्र में आया है, उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी (यूहन्ना ७:३८)।

यशायाह १२:३ कहता है, "तुम आनन्दपूर्वक उध्दार के कुओं से जल भरोगे।" उद्धार के कुओं का यहाँ पर मतलब मसीह की आशीषे है जो कि आपकी आत्मा की गहरी कोठरियों में अंतर्निहित है। बाइबल कहती है कि आपकी आत्मा से जीवन की वस्तुएँ निकलती है। आप अपने अंदर आशीषो का एक झरना लेकर चलते है।

अब, शैतान हमेशा "कुओ" को बंद करने की कोशिश करता है। जो बाइबल के दिनो में हुआ उसकी रेखा में सोचिए: जब कभी शहर में घुसपैठीये आए, तो उन्होंने मिट्टी के साथ शहर के कुओ को बंद कर दिया, वहाँ के रहिवासीयो को कुंठित करने के लिए। कुएँ वहाँ के लोगो के लिए पानी के स्त्रोत थे– जीवन का झरना।

इसहाक ने भी पलिश्तियो के हाथो इसी क्रम को सहा। इसहाक के केस में, बाइबल दर्ज करती है, "इसलिये जितने कुओं को उसके पिता अब्राहम के दासों ने अब्राहम के जीते जी खोदा था, उनको पलिश्तियों ने मिट्टी से भर दिया... और तब जो कुएँ उसके पिता अब्राहम के दिनों में खोदे गए थे, और अब्राहम के मरने के बाद पलिश्तियों ने भर दिए थे,..." (उत्पत्ति २६:१५,१८)।

उसी तरिके से पलिश्तियो ने इसहाक के पानी के कुओ को भी बंद कर दिया था (उसको कुंठित करने के लिए), शैतान भी आपकी आत्मा में जीवित जल के कुओ को बंद करने की कोशिश करता है यह सुनिश्चित करते हुए कि मसीह का आनंद आपके जीवन में दिखाई ना दे। वह आपको उसी आनंद को दूसरो को देने से भी रोकना चाहता है।

आपके "कुओ को" बंद करने के उसके औजारो में कड़वाहट, ईर्ष्या, नफरत, उदासी, अक्षमाशीलता, डर और न्याय का रवैया है। शैतान को अपने जीवन में इस तरह की "मिट्टी " मत डालने दीजिए। उसे पता है जब आप क्रोधित, उदास और ईर्ष्या से भरे होते है तब आप खुश नही जी पाएँगे, जीवन का आनंद नही ले पाएँगे या प्रभावि रुप से अपने विश्व को आशीष नही दे पाएँगे।

इसके अतिरिक्त चुनिए कि आप परमेश्वर के प्रेम और आनंद को अपने अंदर से दूसरो तक हर दिन बहने देंगे और शैतान का आपके जीवन में कोई स्थान नही होगा।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं उस प्रेम के लिए आपका धन्यवाद देता हूँ जो मेरे ह्रदय में पवित्र आत्मा के द्वारा ऊँडेला गया है, और मेरे ह्रदय में मसीह की परिपूर्णता के लिए। मैं जीवन में महिमामय रुप से जी रहा हूँ, बड़े कदमो के साथ उन्नति करते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 4:31-32; याकूब 3:15-17; इब्रानियो 12:15

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 4:17-5:1-2 & यशायाह 25-26

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 3:1-17 & यिर्मयाह 46

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

अपनी आत्मा के व्यायाम का एक सुनिश्चित तरिका

पर अशुध्द और बूढ़ियों की सी कहानियों से अलग रह; और भक्ति की साधना कर। क्योंकि देह की साधना से कम लाभ होता है, पर भक्ति सब बातों के लिये लाभदायक है, क्योंकि इस समय के और आनेवाले जीवन की भी प्रतिज्ञा इसी के लिये है (१तीमुथियुस ४:७-८)।

भक्ति की साधना का अर्थ है अपनी मानविय आत्मा का व्यायाम, जोकि वास्तविक आप है। और अपनी आत्मा का व्यायाम करने का सुनिश्चित तरिका अन्यभाषाओ में बोलना है; यह आपकी आत्मा को प्रज्वलित रखता है और परमेश्वर के लिए जलाये रखता है। यहूदा १:२० कहता है, "पर हे प्रियो, तुम अपने अति पवित्र विश्वास में उन्नति करते हुए और पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते हुए।" १कुरिंथियो १४:४ कहता है, "जो अन्य भाषा में बातें करता है, वह अपनी ही उन्नति करता है..."।

जो मसीही निरंतर रुप से अन्यभाषाओ में प्रार्थना करते है वे आत्मा की वस्तुओ के लिए अधिक संवेदनशील होते है। वे पवित्र आत्मा के निर्देशन और नेतृत्व के लिए संवेदनशील होते है और उत्तर देते है, उनमें कोई धीमापन नही होता है। जब आप अधिकतर अन्यभाषाओ में बोलते है, तो आपकी आत्मा शिक्षित हो जाती है और प्रभावी रुप से आत्माएँ जीतने के लिए तैयार हो जाती है।

अपने दिन को पवित्र आत्मा में बोलकर शुरुवात करने की आदत विकसित कीजिए। और फिर नियमित समयो पर दिन में भी अन्यभाषाओ में बोलिए। सुंदर बात यह है कि आप अपनी साँस के नीचे भी अन्यभाषाओ में बोल सकते है जब आप काम पर है या अपना व्यवसाय भी कर रहे है। यह अपनी आत्मा को शुरु करने का और ऊर्जा देने का सबसे तेज तरिका है।

ऐसे लोग है जो अपने शरीरो को दुरुस्त रखने के लिए बहुत ज्यादा चिंतित है, बजाए कि वे अपनी आत्माओ के व्यायाम पर ज्यादा ध्यान दे। जैसे ही आप अपने आपको अभ्यासित करते है अन्यभाषाओ में अधिकतर बोलने के लिए, तो उन लाभो के अतिरिक्त जो यह आपके जीवन में पैदा करता है, यह आपकी आत्मा को खोलेगा भी परमेश्वर के वचन को ग्रहण करने और समझने के लिए और दैविय जीवन में आपकी यात्रा को

विकसित करने के लिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपके वचन से कितना प्रेम करता हूँ! धन्यवाद मुझे दिखाने के लिए कैसे अन्यभाषाओ में बोलने के द्वारा अपनी आत्मा का व्यायाम करना है और उत्साहीत करना है। मेरी आत्मा आज आपके निर्देशन को ग्रहण करने के लिए सचेत है; और मैं अपने जीवन और अपनी सेवकाई में महान उन्नति कर रहा हूँ, महिमा से महिमा में, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ तीमुथियुस 4:7-8 AMPC; १ कुरुंथियो 14:4 AMPC;
इब्रानियो 5:14

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 5:3-21 & यशायाह 27-28

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 4:1-10 & यिर्मयाह 47

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुधवार 30

परमेश्वर के वचनो में विश्वास

...जा, जैसा तेरा विश्वास है, वैसा ही तेरे लिये हो। और उसका सेवक उसी समय चंगा हो गया (मत्ती ८:१३)।

एक बार उसके पुनरुत्थान के बाद प्रभु यीशु उसके चेलों को दिखाई दिया जब वे मच्छली पकड़ने के अपने असफल अभ्यास से लौटे थे। चेलो ने पूरी रात परिश्रम किया था और कुछ नही मिला था। तब यीशु ने उनसे कहा,"...नाव की दाहिनी ओर जाल डालो तो पाओगे..." (यूहन्ना २१:६)। बाइबल कहती है, "...उन्होने जाल फेंका और उसे वापिस नही खेंच सकें, क्योंकि उन्होने बहुत सारी मच्छलियॉ पकड़ी थी" (यूहन्ना २१:६ टी.ई.व्ही)।

सोचिए अगर उन्होंने यीशु के साथ बहस की होती! उनके पास उसके वचनो पर भरोसा था और मच्छलियाँ वही से आई - परमेश्वर के वचन से। बाइबल कहती है, "विश्वास ही से हम जान जाते हैं कि सारी सृष्टि की रचना परमेश्वर के वचन के द्वारा हुई है..." (इब्रानियो ११:३)। मच्छलियाँ स्वामी के वचन के द्वारा बनाई गई थी। यीशु ने हमें एक उदाहरण दिया कि हम कैसे हर दिन विजयी रुप से जीएँ, कैसे वचनो में विश्वास के द्वारा हम चमत्कारिकता का अनुभव करे।

इसको सोचिए: एक सूबेदार का नौकर बीमार था और मर रहा था। तब उस सूबेदार ने यहूदियो के प्राचीनो से विनती की कि वे यीशु से कहे कि वह आकर उसके नौकर को चंगा करे। स्वामी सहमत हो गया, किंतु तुरंत ही उस सूबेदार ने यीशु के पास यह वचन भेजे कि, "आपको मेरी छत के नीचे आने की जरुरत नही है, केवल वचन बोलो, और मेरा नौकर चंगा हो जाएगा" (लूका ७:२-७)।

जब यीशु ने सूबेदार के वचनो को सुना, तो बाइबल कहती है कि उसने उसके विश्वास पर आश्चर्य किया और कहा, "मैं ने इतना महान विश्वास नही देखा, नही इस्राएल में तो नही।" जब संदेशवाहक सूबेदार के घर वापिस पहुँचे, तो उन्होंने बीमार नौकर को यीशु के वचन के द्वारा संपूर्ण रुप से चंगा पाया (लूका ७:९-१०)।

आपकी इच्छा क्या है? आप किस क्षेत्र में एक बदलाव या चमत्कार चाहते है? परमेश्वर के वचनो में अपने विश्वास को लगाईये। परमेश्वर का वचन हर परेशानि का समाधान है। आपको आत्महत्या नही करनी है क्योंकि आपने अपनी नौकरी या व्यवसाय खो दिया है। आप कुछ और बेहतर के लिए प्रभु पर भरोसा कर सकते है। यह वह परमेश्वर है जो मरे हुओ को जीवित करता है (जीवन देता है)। वह आपको जो आपने खोया था वापिस दे सकता है, और उससे बढ़कर भी।

ठीक अभी उसके वचन पर कार्य कीजिए। उसने यूहन्ना १४:१४ में कहा, "यदि तुम

मुझ से मेरे नाम में कुछ माँगोगे, तो मैं उसे करूँगा"; जो कुछ आप चाहते है उससे माँगिए, जानते हुए कि वह अपने वचन के द्वारा बंधा हुआ है और वह कभी असफल नही होता।

प्रार्थना

प्यारे पिता, धन्यवाद आपके बहुमूल्य वचन के लिए जो मेरी आत्मा में आपके विश्वास को मजबूत करता है और मुझे जीवन की सारी चुनौतियो के ऊपर और आगे रख देता है। आपका वचन मेरे हृदय में विश्वास के साथ मिला हुआ है; इसलिए, मेरा विश्वास जीवित और सक्रिय है, परिस्थितीयो के ऊपर प्रबलता पाते हुए, और उन्हें मेरे लिए आपकी सिद्ध इच्छा के साथ मेल कराते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 10:17; २ कुरुंथियो 4:13; इब्रानियो 11:6

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 5:22-6:1-9 & यशायाह 29-30

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 4:11-22 & यिर्मयाह 48

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

उध्दार की प्रार्थना

हम विश्वास करते है कि आप इस अध्ययनिका के द्वारा आशिषित हुए है। इस प्रार्थना को करने के द्वारा हम आपको यीशु मसीह को अपने जीवन का प्रभु बनाने के लिए आमंत्रित करते है:

“ओ प्रभु परमेश्वर, मै अपने पूरे:दय से यीशु मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता हूँ। मै विश्वास करता हूँ कि वह मेरे लिए मरा और परमेश्वर ने उसे मरे हुओ मे से जीवित किया। मै विश्वास करता हूँ कि आज वह जीवित है। मै अपने मुँह से घोषणा करता हूँ कि आज से यीशु मसीह मेरे जीवन का प्रभु है। उसके द्वारा, और उसके नाम में, मेरे पास अनंत जीवन है; मै नया जन्मा हूँ। धन्यवाद परमेश्वर, मेरी आत्मा को बचाने के लिए! अब मै परमेश्वर की एक संतान हूँ। हालेलुयाह!

बधाई! अब आप परमेश्वर की एक संतान है। एक मसीह के रूप में, आप कैसे बढ सकते है, के विषय में अधिक जानकारी ग्रहण करने के लिए, कृपया नीचे लिखे किसी भी नंबर के द्वारा हमसे संपर्क किजिए:

UNITED KINGDOM:
+44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

NIGERIA:
+234 1 8888186

CANADA:
+1 416-667-9191

SOUTH AFRICA:
+27 11 326 0971

USA:
+1(800) 620-8522

लेखक के विषय में

पास्टर क्रिस औयाखिलोमे, बिलिवर्स लववर्ल्ड इनकॉर्पोटेड के प्रेसिडेंट है, जो एक प्रभावी, बहुमुखी, विश्व स्तरिय सेवकाई है, वे वास्तविकता संग्रह के लेखक है, विश्व की नंबर एक दैनिक अध्ययनिका, और तीस से अधिक दूसरी पुस्तको के भी। वो परमेश्वर के वचनो के एक वफादार सेवक है, जिनके संदेशो ने बहुतो के हृदय में दैविय जीवन की वास्तविकताओ को लाया है।

करोडो लोग उनके टेलिविजन ब्राडॅकास्ट "चमत्कारो के लिए वार्तावरण," के द्वारा प्रभावित हुए है, जो परमेश्वर की दैविय उपस्थिती को ठीक लोगो के घरो तक लेकर जाता है। इस टेलिविजन सेवकाई का विस्तार पूरे विश्व में लववर्ल्ड सेटेलाइट टेलिविजन नेटर्वकों के द्वारा होता है, जो कि एक विश्व स्तरिय सभा तक गुणवत्ता के मसीही प्रोग्राम लाते है।

विश्वविख्यात, चंगाई विद्यालय में वह यीशु मसीह के कार्य को प्रत्यक्ष करते है और उन्होंने पवित्र आत्मा के काम करते हुए वरदान के द्वारा बहुतो की चंगाई ग्रहण करने में सहायता की है।

पास्टर क्रिस में परमेश्वर की उपस्थिती के साथ पूरे विश्व के लोगो तक पहुँचने का उत्साह है– एक दैविय आज्ञा, जिसको उन्होंने तीस साल से अधिक वर्षो से किया है, विभिन्न आऊटरिचों के द्वारा, क्रूसेडो के द्वारा, और बहुत से अलग तरिको के द्वारा, जिसके द्वारा करोडो लोगो ने परमेश्वर के वचन के द्वारा एक विजयी और उद्देश के जीवन का अनुभव किया है।

LoveWorld Publishing

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

Chris Oyakhilome

LoveWorld Publishing

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from the *King James Version* of the Bible.

A KEY FOR OTHER BIBLE VERSIONS USED:

NKJV	-New King James Version
AMP	-The Amplified Bible
AMPC	-The Amplified Classic Bible
TANT	-The Amplified New Translation
TLB	-The Living Bible
CEV	-Contemporary English Version
NASB	-New American Standard Bible
ISV	-International Standard Version
NIV	-New International Version
MSG	-The Message Translation
WEB	-The World English Bible
TNLT	-The New Living Translation
ASV	-American Standard Version
TEV	-Today's English Version
RSV	-Revised Standard Version
GNB	-Good News Bible
WNT	-Weymouth New Testament
NRSV	-New Revised Standard Version
MOFFAT	-Moffatt New Translation
WESNT	-Wesley New Testament
EBR	-Rotherham's Emphasized Bible
DRB	-Douay-Rheims Bible

वास्तविकता संग्रह...वास्तविकता संग्रह

ISSN 1596-6984

अक्टूबर 2020 edition

Copyright © 2020 by LoveWorld Publishing

FOR MORE INFORMATION AND TO PLACE ORDERS:

UNITED KINGDOM:
Unit C2, Thames View Business Centre, Barlow Way Rainham-Essex, RM13 8BT.
Tel.: +44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

SOUTH AFRICA:
303 Pretoria Avenue
Cnr. Harley and Braam Fischer,
Randburg, Gauteng 2194
South Africa.
Tel.:+27 11 326 0971

USA:
Christ Embassy Houston,
8623 Hemlock Hill Drive
Houston, Texas. 77083
Tel.: +1(800) 620-8522

CANADA:
LoveWorld Publishing Canada
4101 Steeles Ave W, Suite 204
Toronto, Ontario
Canada M3N 1V7
Tel.:+1 416-667-9191

NIGERIA:
Plot 97, Durumi District, Abuja, Nigeria.

Plot 22/23 Billingsway Road, Oregun,
Ikeja, Lagos.
P.O. Box 13563 Ikeja, Lagos
Tel.: +234 1 8888186

www.rhapsodyofrealities.org
email: rorcustomercare@loveworld360.com

All rights reserved under International Copyright Law. Contents and/or cover may not be reproduced in whole or in part in any form without the express written permission of LoveWorld Publishing.

भूमिका

हुर्रे! आपकी प्रिय दैनिक अध्ययनिका, वास्तविकता संग्रह अब २११९, भाषाओं में उपलब्ध है और लगातार बढ़ रही है। हमें विश्वास है कि अध्ययनिका का २०२० का अंक ने आपकी आत्मिक वृध्दि और विकास को बढ़ाया है और आपको आपके सभी प्रयासो मे असाधारण सफलता के लिए सही स्थान में रख दिया है।

इस अंक के जीवन बदलने वाले विचार आपके विश्वास को ताजा करेंगे, बदल देंगे और स्फूर्ति देंगे, जैसे ही आप परमेश्वर के वचन के साथ एक प्रतिफल देनेवाले अनुभव में जुडते है।

-वास्तविकता संग्रह अध्ययनिका को कैसे इस्तेमाल करे-

- हर लेख को पढो और सावधानीपूर्वक इसपर मनन करो। प्रतिदिन जोर से प्रार्थनाओ और घोषणाओ को कहना, सुनिश्चित करेगा कि जो परमेश्वर का वचन आप बोल रहे है, वह आपके जीवन में पूरा होता है।
- एक-वर्षीय अध्ययन योजना के साथ, या दो वर्षीय अध्ययन योजना के साथ संपूर्ण बायबल को पढो।
- आप दैनिक बायबल अध्ययन खंडो को दो भागो में भी बाँट सकते है - सुबह और शाम अध्ययन
- हर महिने के लिए प्रार्थनापूर्वक अपने लक्ष्यो को लिखने के लिए अध्ययनिका का इस्तेमाल करो, और अपनी सफलता को मापो, जैसे ही आप एक के बाद एक लक्ष्य को प्राप्त करते है।

हम आपको परमेश्वर की महिमामयी उपस्थिति और विजय का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करते है, जैसे ही आप उसके वचन की एक दैनिक खुराक को लेते है! हम आपसे प्रेम करते है! परमेश्वर आपको आशिष दे!

-पास्टर क्रिस औयाखिलोमे

व्यक्तिगत जानकारी

नाम:

पता:

टेलीफोन:

Mobile:

E-mail address:

Business address:

Goals for the Month:

वास्तविकता संग्रह

...अध्ययनिका

www.rhapsodyofrealities.org

गुरुवार 1

सुसमाचार का निर्भिकता से प्रचार करो

परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य पाओगे: और ... तुम मेरे गवाह होगे (प्रेरितो के काम १:८)।

यीशु मसीह ही मार्ग, सत्य और जीवन है, और कोई भी उसके सिवा पिता के पास नही आ सकता। इस सच्चाई के द्वारा विवश और आश्वस्त हो जाईये और इसका निर्भिकता के साथ प्रचार करिए। कभी भी उसके नाम की घोषणा करने में सताव से मत डरिए।

२तीमुथियुस ३:१२ कहता है, "पर जितने मसीह यीशु में भक्ति के साथ जीवन बिताना चाहते हैं वे सब सताए जाएँगे"(एन.आय.व्ही)। शुरुवाती प्रेरित पीटे गए और उन्हें धमकाया गया कि वे कभी भी यीशु के नाम की घोषणा ना करे। किंतु विश्वासरहित धार्मिक और शासकीय अधिकारीयों की सुनने के बजाय उन्होंने और अधिक निर्भिकता से मसीह का प्रचार किया और पूरे यरुशलेम को उनकी शिक्षाओं से भर दिया (प्रेरितो के काम ५:२८)।

आज के विश्व में मसीह विरोधी आत्माएं है, जोकि सुसमाचार के प्रचार के विरोध में काम कर रही हैं, किंतु वे एक कारक नही है, क्योंकि हमने पहले ही उन पर जय पाई है। १यूहन्ना ४: ४ कहता है, "हे बालको, तुम परमेश्वर के हो, और तुम ने उन पर जय पाई है; क्योंकि जो तुम में है वह उस से जो संसार में है, बड़ा है।"

पौलुस के संकल्प का अनुकरण कीजिए; कुछ भी मसीह और सुसमाचार के लिए उसके उत्साह और प्रेम को रोक नही पाया। प्रेरितो के काम २०:२२-२४ में उसने कहा, "अब देखो, मैं (पवित्र) आत्मा में बन्धा हुआ और आत्मा (मेरे स्वयं के संकल्प) के द्वारा बाध्य और विवश होकर यरूशलेम को जाता हूँ, और नहीं जानता कि वहाँ मुझ पर क्या – क्या बीतेगा: केवल यह कि पवित्र आत्मा हर नगर में गवाही देकर मुझ से कहता है कि बन्धन और क्लेश तेरे लिये तैयार हैं। पर यह वस्तुएं मुझे विचिलित नही करती हैं, और मैं अपने प्राण को कुछ नहीं समझता कि उसे प्रिय जानूँ, वरन् यह कि मैं अपनी दौड़ को और उस सेवा (जो मुझे सौंपी गई)को पूरी करूँ, जो मैं ने परमेश्वर के अनुग्रह (बेमतलब की कृपा, आत्मिक आशिष और दया) के सुसमाचार पर गवाही देने के लिये प्रभु यीशु

से पायी है"(ए.एम.पी.सी)।

इसी प्रकार के दृढ़ विश्वास को बनाए रखिए! यह महिमामय सुसमाचार जो आपके भरोसे पर सौंपा जा चुका है वह हर वस्तु के योग्य है। हर जगह इसका निर्भिकता से प्रचार कीजिए।

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं मेरे ह्रदय में आपके वचन के लिए आपका धन्यवाद देता हूँ जो कि एक जलती हुई आग की तरह मेरी हयिों में बंद है। मैं मेरे विश्व में इन दैविय सच्चाईयों के वाहक के रुप में मेरी बुलाहट को पूरा करता हूँ, विश्वास में मजबूत खड़े होकर और पूरे विश्व में आपकी सत्यनिष्ठा के फैलाव में अटल बनकर, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 31:8-9 NET; मत्ती 10:32-35

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इफिसियो 6:10-24 & यशायाह 31-32

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

थीतुस 1:1-16 & यिर्मयाह 49

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

आपका उत्तर सामर्थ को शुरु करता है

....क्योंकि उसने कहा है ....ताकि हम भी निर्भिकतापूर्वक कह सके.... (इब्रानियो १३:५-६)।

मसीहत में, आप विश्वास करते है और बोलते है, "इसलिये कि हम में वही विश्वास की आत्मा है, जिसके विषय में लिखा है, मैं ने विश्वास किया, इसलिये मैं बोला। अत: हम भी विश्वास करते हैं, इसीलिये बोलते है" (२कुरिंथियो ४:१३)। आप शांत रहने के लिए वचन को ग्रहण नही करते है। अगर आप उत्तर नही देंगे, तो वचन आपकी कोई भलाई नही कर पाएगा।

वचन का उत्तर देने का अर्थ जो परमेश्वर ने कहा है, उसको "दोहराने " से कहीं ज्यादा है; आपको वह कहना है जोकि उसके साथ मेल खाता जो उसने कहा है। उदाहरण के लिए, अगर उसने कहा है कि उसकी दैविय सामर्थ ने आपको सारी वस्तुएं उपलब्ध करा दी है जो भक्ति और जीवन से संबंध रखती है, तो आपका उत्तर होना चाहिए, "मेरे जीवन में कोई घटी या कमी नही है क्योंकि सारी वस्तुएँ मेरी है! मैं हर जगह और सारी वस्तुओं में समृद्ध होता हूँ परमेश्वर की महिमा के लिए!"

वचन की आपकी घोषणा वचन के लिए आपका उत्तर है; यही है जो आपके जीवन और परिस्थितीयो को बदलेगा। हर बार जब परमेश्वर बोलता है, तो हर वह वस्तु जो वह कहता है वह सामर्थ से भरी होती है। उसके वचन कभी भी खाली नही होते है। इसलिए, परमेश्वर ने आपसे क्या कहा है? आपने वचन में अपने विषय में क्या खोजा है? वचन का उत्तर दीजिए।

ठीक अभी, उन वचनो को बोलिए जो परमेश्वर के दैविय प्रावधानो, योजनाओ, और मसीह में उसके उद्देश्यो से मेल खाते है। घोषणा कीजिए कि आप उन्नति कर रहे है और हर जगह मसीह की महिमा को प्रत्यक्ष कर रहे है। घोषणा कीजिए कि अच्छी वस्तुएं आपके लिए, आपके द्वारा और आपके आसपास हो रही है, क्योंकि आप अब्राहम का वंश है। अपने जीवन में वचन की सामर्थ को शुरु कीजिए।

घोषणा

मेरे वचन दैविय ऊर्जा से भरे हुए है, नई और महिमामय वास्तविकताओ का निर्माण करते हुए, परिस्थितीयों को बदलते हुए, और स्थितीयो को परमेश्वर में मसीह के प्रावधानो, उद्देश्यो और योजनाओ से मेल कराते हुए। धन्यवाद प्रभु मेरे जीवन में आपके सदा भरोसेयोग्य वचन की वास्तविकता के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 10:9-10; फिलोमोन 1:6

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 1:1-30 & यशायाह 33-34

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

थीतुस 2:1-15 & यिर्मयाह 50

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार 3

आप स्वर्ग के श्रेष्ठ के योग्य है

... तुम्हारा छुटकारा चाँदी सोने अर्थात् नाशवान वस्तुओं के द्वारा नहीं हुआ; पर निर्दोष और निष्कलंक मेम्ने, अर्थात् मसीह के बहुमूल्य लहू के द्वारा हुआ (१पतरस १:१८-१९)।

परमेश्वर के लिए आपका मूल्य उस दाम के अनुसार देखा जाता है जो उसने आपके उद्धार के लिए चुकाया, जो कि यीशु मसीह का बहुमूल्य लहू है। यह दिखाता है कि आप परमेश्वर के लिए वास्तव में कितने बहुमूल्य है।

कभी भी उन आवाजो से धोखा मत खाईये जो आपको बताती है कि आप विशेष नही है या उन लोगो के द्वारा जो आपको बेकार देखते है। यह सच्चाई कि आप यीशु मसीह के लहू के तुल्य है बहुत कुछ कहती है; यह आपके सच्चे मूल्य को दिखाती है। इस ज्ञान को आपको आपकी आत्मा में उत्साहीत करना चाहिए, बढ़ी हुई निर्भिकता और विश्वास के साथ। आपके लिए कुछ भी बहुत अच्छा नही है। आप स्वर्ग के श्रेष्ठ के योग्य है।

इस सच्चाई पर मनन कीजिए! परमेश्वर के अमूल्य दाम के खजाने की तरह सोचीए, बोलिए और जीवन को जीएँ। बाइबल कहती है वह आपके ऊपर गाते हुए आनंद मनाता है (सपन्याह ३:१७)। यह ऐसा इसलिए है क्योंकि आप उसकी महिमा और सत्यनिष्ठा है। अपने आपको उस तरिके से देखिए जिस तरिके से वह देखता है, और आपका विश्वास अधिक प्रभावि होगा। हालेलूयाह!

घोषणा

मेरा जीवन परमेश्वर की महिमा के लिए है, क्योंकि मैं उसके आनंद के लिए बनाया गया था। उसका अनुग्रह, सुंदरता, और श्रेष्ठता मुझ में और मेरे द्वारा दिखाई देती है। मैं आज मसीह की महिमा और बुद्धि को दिखाता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

याकूब 1:18; यशायाह 43:7 NKJV; १पतरस 2:9

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 2:1-18 & यशायाह 35-37

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

थीतुस 3:1-15 & यिर्मयाह 51

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 4

एक ऊँची बुलाहट

ये सब बातें परमेश्वर की ओर से हैं, जिसने ... मेलमिलाप की सेवा हमें सौंप दी है (२कुरिंथियो ५:१८)।

२पतरस ३:९ हमे बताता है कि परमेश्वर नही चाहता कि किसी भी मनुष्य का नाश हो किंतु सब उध्दार को ग्रहण कर ले। उसने अपनी इस कटिबद्धता को प्रमाणित किया सारे मनुष्यों के उद्धार के लिए यीशु मसीह को मरने भेजकर (यूहन्ना ३:१६)। किंतु, खोए हुए को बचाने की परमेश्वर की कटिबद्धता के बावजूद, वह इसको हमारे - उसके संतो द्वारा करना चाहता है और उसने हमें "मेलमिलाप की सेवकाई" सौंप दी है।

यीशु मसीह ने मरकुस १६:१५में कहा, जाओ, तुम सारे विश्व में जाकर हर प्राणी को सुसमाचार सुनाओ"। हमारे पास पृथ्वी पर सबसे बड़ा सम्मान है: सुसमाचार को प्रचार करने का अवसर। परमेश्वर ने विश्व को बदलने में उसका पार्टनर बनने की बहुत ही दुर्लभ सुविधा हमे दी है: जीवनो को बदलने में उसके पार्टनर।

इसके विषय में सोचीए कि परमेश्वर ने आत्माएँ जीतने का काम स्वर्गदूतो को नही दिया, किंतु आपको और मुझे। आशीषित परमेश्वर का महिमामय सुसमाचार मेरे और आपके भरोसे पर सौंपा जा चुका है (१तीमुथियुस १:११); इसमें वफादार बने। सुसमाचार को हमेशा बताते रहिए; तब तक मत रुकिए जब तक परमेश्वर की महिमा का ज्ञान पृथ्वी को ना भर दे जैसा कि पानी समुद्र को भरता है।

कितनी अद्भुत आशीष, सुविधा और सम्मान कि प्रभु ने वह सब जो उसने किया, और उसने हमे पूरे विश्व में इसका समाचार सुनाने के लिए भेजा! और फिर यह सुनिश्चित करने के लिए कि हम इसमें सफल हो जाएं, उसने आपके साथ और आपमें रहने के लिए पवित्र आत्मा दिया। पवित्र आत्मा आपको सुसमाचार का एक योग्य, सक्षम, और प्रभावी सेवक बनाता है (२कुरिंथियो ३:६)। वह आपको पुनरुत्थानी मसीह का एक निर्भिक गवाह होने की योग्यता देता है और ताकि आप अपनी बुलाहट को पूरा कर सके।

घोषणा

विश्व के अंत तक सुसमाचार को ले जाना मेरा उत्साह और मसीह यीशु में मेरी ऊँची बुलाहट है। मैं सम्मानित, विशेष सुविधा पाया हुआ और आशीषित हूँ कि मसीह के उद्धार का महिमामय सुसमाचार मेरे भरोसे पर सौंपा गया है और आज पहले से कही अधिक मैं इसका प्रचार सामर्थ के साथ करता हूँ और बहुतो को उद्धार में लाता हूँ जैसे वे सुनते और विश्वास करते है। धन्य हो परमेश्वर!

अतिरिक्त अध्ययन:

२ कुरुंथियो 6:1;१ कुरुंथियो 1:9 AMPC;
२ कुरुंथियो 3:5-6

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 2:19-3:1-11 & यशायाह 38-39

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलोमोन 1:1-9 & यिर्मयाह 52

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 5

उसकी आवाज को जानना एक रहस्य नही है

मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं; मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे पीछे चलती है
(यूहन्ना १०:२७)।

प्रभु यीशु ने कहा, "मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं; मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे पीछे पीछे चलती है" (यूहन्ना १०:२७)। बहुत से लोग आश्चर्य करते है कि क्या परमेश्वर की आवाज को ऐसे विश्व में सुनना संभव है जहाँ पर बहुत सारी आवाजे है। यूहन्ना १०:२-५ में स्वामी के वचन इसको स्पष्ट करते है। उसने कहा, "परन्तु जो द्वार से भीतर प्रवेश करता है वह भेड़ों का चरवाहा है। उसके लिये द्वारपाल द्वार खोल देता है, और भेड़ें उसका शब्द सुनती हैं, और वह अपनी भेड़ों को नाम ले लेकर बुलाता है और बाहर ले जाता है। जब वह अपनी सब भेड़ों को बाहर निकाल चुकता है, तो उनके आगे आगे चलता है, और भेड़ें उसके पीछे हो लेती हैं, क्योंकि वे उसका शब्द पहचानती हैं। परन्तु वे पराये के पीछे नहीं जाएँगी, परन्तु उससे भागेंगी, क्योंकि वे परायों का शब्द नहीं पहचानती।"

महत्वपूर्ण बात परमेश्वर के वचन को समझना है। जितना अधिक आप वचन का अध्ययन करेंगे, उतना ही अधिक आप परमेश्वर की आवाज को पहचानेंगे और जानेंगे, क्योंकि परमेश्वर और उसका वचन एक है। वह उसके वचनो के द्वारा बोलता है। हर वस्तु जो वह आपको बताता है: हर दिशा या निर्देशन जो आप उससे ग्रहण करते है, वह हमेशा उसके वचनो से मेल खाते है। उसके वचनो पर मनन के द्वारा, उसकी आवाज आपके लिए अधिक स्पष्ट हो जाती है, यहाँ तक कि सारे शोर और ध्यान भंग करने वाली वस्तुओं के बीच में भी।

अगर आपने परमेश्वर की आवाज को पहचानने में मुश्किल पाई थी, तो समाधान सरल है: परमेश्वर के वचन को पढ़ने में और अधिक समय बिताईये! कुलुस्सियो ३:१६ कहता है, "मसीह के वचन को अपने हृदय में अधिकाई से बसने दो..."। नीतिवचन ४:२०-२१ कहता है, "हे मेरे पुत्र, मेरे वचन ध्यान धरके सुन, और अपना कान मेरी बातों पर लगा। इनको अपनी आँखों की ओट न होने दे; वरन् अपने मन में धारण कर।" अगर आप वचन को अपने हृदय में रखेंगे, तो आप वचन को अपने हृदय में सुनेंगे।

इसके अतिरिक्त, समय समय पर आत्मा में प्रार्थना कीजिए, अन्यभाषाओ में प्रार्थना कीजिए। यह आपकी सहायता करता है कि आप अपनी आत्मा को तैयार कर पाएं परमेश्वर की आवाज, दर्शनों और उत्साहो को पहचानने के लिए।

प्रार्थना

प्यारे पिता, आपका वचन मेरे पैरो के लिए दीपक और मेरे रास्ते के लिए प्रकाश है। मेरी आत्मा अनुकूल है आपके दैविय विचारो, दर्शनों, और उत्साहो को ग्रहण करने के लिए। मैं संवेदनशील और अनुकूल हूँ मेरे जीवन के लिए आपकी सिद्ध इच्छा को जानने और उसमें चलने के लिए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ शमूएल 3:9-10; यशायाह 30:21

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 3:12-4:1-3 & यशायाह 40-41

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलोमोन 1:10-25 & विलापगीत 1

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मंगलवार **6**

जो कुछ आपको चाहिए वह आपके पास है

इन बातों के पश्चात् यहोवा का यह वचन दर्शन में अब्राम के पास पहुँचा: हे अब्राम, मत डर; तेरी ढाल और तेरा अत्यन्त बड़ा प्रतिफल मैं हूँ (उत्पत्ति १५:१)।

हमारे आरंभिक वचन में रेखांकित शब्द जो परमेश्वर ने अब्राहम से कहे थे वे हमे याद दिलाते है जो उसने बाद में गिनती १८:२० में हारुन से कहे, "इस्राएलियों के देश में ... तेरा भाग और तेरा अंश मैं ही हूँ।" हम पवित्र शास्त्रो से समझते है कि परमेश्वर ने इस्राएल की अलग अलग जातियों के लिए हिस्सा निकाल कर रखा था सिवाय लेवियो के, जिनसे उसने कहा, "मैं तुम्हारा अंश हूँ।"

आप कितने अमीर हो जाते है जब प्रभु आपका हिस्सा होता है? आपका जीवन कितना महिमामय होगा? भजनसंहिता २४:१ कहता है, "पृथ्वी और जो कुछ उस में है यहोवा ही का है, जगत और उस में निवास करनेवाले भी।" और क्योंकि यह सत्य है, तो पृथ्वी और उसकी हर वस्तु आपकी है क्योंकि आप प्रभु के वारिस है। पौलुस ने इसको समझा और कहा, "...सारी वस्तुएं तुम्हारी है" (१कुरिंथियो ३:२१)।

अब आप समझ सकते है क्यूँ आपके प्रार्थना के समयो को परमेश्वर से अपने लिए कुछ वस्तुओ को माँगने में खर्च नही होना चाहिए। आप उस व्यक्ति से क्या माँगना चाहेंगे जिसने आपको सब कुछ पहले ही दे दिया, खुद को भी? आपके पास मसीह है और मसीह सब कुछ है। इस सच्चाई को आपकी मानसिकता और जीवन को हमेशा के लिए बदल देना चाहिए।

क्या यह सामर्थ है जो आपको चाहिए? बाइबल कहती है वह आपकी सामर्थ है! इसलिए भजनसंहिता के लेखक की तरह गवाही दीजिए, "... यहोवा मेरे जीवन की सामर्थ है, ...?" (भजनसंहिता २७:१)। क्या आपको लगता है कि आपको बुद्धि की आवश्यकता है? बाइबल कहती है कि मसीह आपकी बुद्धि है (१कुरिंथियो १:३०)।

आपको वह सब दिया जा चुका है जो आपको जीवन और भक्ति के लिए चाहिए; आप एक महिमा, श्रेष्ठता और महान प्रचुरता के जीवन में लाए जा चुके है। कोई आश्चर्य नही भजनसंहिता के लेखक ने घोषणा की, "मेरे लिये माप की डोरी मनभावने स्थान में

पड़ी, और मेरा भाग मनभावना है" (भजनसंहिता १६:६)। सारी वस्तुएं आपकी है!

घोषणा

हमारे प्रभु यीशु मसीह के पिता और प्रभु का धन्यवाद हो, जिसने मुझे मसीह में स्वर्गीय स्थानो में सारी आत्मिक आशीषो से आशीष दे दी है। मुझे वह सब दिया जा चुका है जो मुझे जीवन और भक्ति के लिए चाहिए, और मैं अपने विश्व को मेरे पास के मसीह के अकथनिय धन और सुसमाचार के द्वारा आशीष देता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

भजन संहिता 23:1 GNB; इफिसियो 1:2-3; २ पतरस 1:3-4

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलिप्पियो 4:4-23 & यशायाह 42-43

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 1:1-14 & विलापगीत 2

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुधवार 7

सुसमाचार के लिए अपना उत्साह बनाये रखिए

पर हाँ, जो तुम्हारे पास है उस को मेरे आने तक थामे रहो (प्रकाशितवाक्य २:२५)।

एक मसीही के रुप में, हर दिन आपको अवसरो को देता है कि जो यीशु है और जो वह आपके लिए है, आप उस विश्वास और उन घोषणाओ को बनाए रखे। किसी भी वस्तु को स्वामी से अपना ध्यान मत हटाने दीजिए। वही है जो वास्तव में महत्वपूर्ण है। उसके लिए अपने प्रेम और सुसमाचार के लिए अपने उत्साह की घोषणा कीजिए।

कुछ लोग क्रोध और कड़वाहट को दूसरो को सुसमाचार बताने में उनके उत्साह और प्रभावशीलता को कम करने देते है। इब्रानियो १२:१५ वचन कहता है, "ध्यान से देखते रहो, ऐसा न हो कि कोई परमेश्वर के अनुग्रह से वंचित रह जाए, या कोई कड़वी जड़ फूटकर कष्ट दे, और उसके द्वारा बहुत से लोग अशुध्द हो जाएँ।" आत्माओ को जीतने में मत रुकिए या परमेश्वर की वस्तुओ के विषय में ठंडे मत हो जाईये क्योंकि किसी ने आपका अपमान किया था।

परमेश्वर के घर में जो हमे सेवा की सुविधाएँ दी गई है वे पुण्य है; उनको हल्के में मत लीजिए। आप अनुग्रह और योग्यता से भरे गए है लोगो को मसीह में लाने के लिए, उन्हें राज्य के रहस्यों को दिखाने के लिए, इस पर बने रहिए। अंत में आपके लिए एक महिमा का मुकुट इंतजार कर रहा है।

बाइबल कहती है जो बहुतो को सत्यनिष्ठ बनाते है वे सर्वदा तारो के समान चमकेंगे (दानिय्येल १२:३)। अधिक चमकते रहिए बहुतो को मसीह में लाकर। इसे आपके जीवन का काम और प्राथमिकता होने दीजिए।

घोषणा

प्रभु मेरी सामर्थ और मेरी ढाल है; मेरा ह्रदय उसमें भरोसा करता है, और मैं सहायताप्राप्त और उत्साहीत हूँ। मैं वचन को बताने और दूसरो को उद्धार तक मसीह में लाने के लिए उत्साहीत हूँ । आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ तीमुथियुस 6:12; रोमियो 1:16-17; रोमियो 12:11

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 1:1-23 & यशायाह 44-45

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 2:1-9 & विलापगीत 3

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

गुरुवार 8

हम उसके "यह कौन है"

...यह कौन है कि आँधी और समुद्र भी उसकी आज्ञा मानते हैं? (मरकुस ४:४१)।

प्रभु यीशु जब पृथ्वी पर जीया, तो एक आश्चर्य था; परिस्थितीयो के ऊपर एक स्वामी। एक दिन चेलो ने उससे विस्मित होकर वह सवाल पूछा, जो हम ने हमारे आरंभिक वचन में पढ़ा। यह उसके बाद था जब उसने एक भयंकर उग्र तूफान को शांत कर दिया था।

एक दूसरी बार, चेले समुद्र में दूर तक चले गए थे जब उन्होंने अचानक से एक आकृती को उनकी ओर पानी पर चलकर आते हुए देखा; यह यीशु था। फिर से, उन्होंने आश्चर्य किया, "यह किस प्रकार का मनुष्य है जो प्रकृति को हरा देता है?" स्वर्ग में उसके स्वर्गारोहण के बारे में सोचीए! वह केवल उठता गया और बादलो से गुजर कर स्वर्ग में चला गया।

यीशु को वास्तव में जानने का बहुत फायदा है। जब तक आप उसको नही जानते है, तब तक आप उसमें सच्चा विश्वास नही रख सकते, और आप अपने आपको भी नही जान पाएँगे। और यहां पर सबसे असाधारण बात है: हर व्यक्ति जो यीशु में विश्वास करता है वह उसी जीवन को ग्रहण करता है जो उसके पास है। यूहन्ना १:१२-१३ कहता है, "परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, ... वे न तो लहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से उत्पन्न हुए है।"

ध्यान दीजिए आखिरी के भाग पर जो कहता है कि आप परमेश्वर से जन्मे है, इसका अर्थ है कि आप उसी वचन से जन्मे है जो यीशु बना। १पतरस १:२३ कहता है, "क्योंकि तुम ने नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज से, परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है।" याकूब १:१८ कहता है, "उसने अपनी ही इच्छा से हमें सत्य के वचन के द्वारा उत्पन्न किया..."।

हम उसी प्रकार के मनुष्य है जैसा यीशु है, क्योंकि हम वचन से जन्मे है। कोई आश्चर्य नही कि यूहन्ना ने कहा, "जैसा वह है वैसे ही इस विश्व में हम भी है" (१यूहन्ना ४:१७)। सारी की सारी दैवियता यीशु मसीह में वास करती थी; वह जीवित परमेश्वर

था – एक मनुष्य के शरीर में चलता और बात करता हुआ। आज दैवियता की वही परिपूर्णता आपमें वास करती है। ठीक उसकी तरह, आप भी जीवित परमेश्वर के जीवित और चलते हुए घर है। हालेलूयाह।

घोषणा

मैं जीवित परमेश्वर का मंदिर हूँ, आज के विश्व में उसका चलता फिरता मुख्यालय। उसमें मैं जीता, रहता हूँ और मेरा अस्तित्व है। महान मुझ में रहता है, मैं उसकी परिपूर्णता से भरा हुआ हूँ, और मैं हर जगह में उसके राज्य की विशेषताओ को फैलाता हूँ। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 17:28; २ कुरुंथियो 6:16

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 1:24-2:1-5 & यशायाह 46-47

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 2:10-18 & विलापगीतs 4-5

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 9

यह आपके दैविय उद्गम के विषय में है

और यदि तुम मसीह के हो तो अब्राहम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो (गलातियो ३:२९)।

पृथ्वी पर यीशु का जीवन एक असाधारण आशीषो, विजयो का अनंत प्रवाह और दैविय जीवन का प्रत्यक्षिकरण था। वह उसकी दैवियता और पिता के साथ उसकी एकता के विषय में सचेत था और उसने बेझिझक रुप से इसके विषय में बोला। यूहन्ना ८:४२ में उसने कहा, "...क्योंकि मैं परमेश्वर की ओर से आया हूँ। मैं आप से नहीं आया, परन्तु उसी ने मुझे भेजा।" इस संबंध के परिणामस्वरुप उसने कहा, "वे सारी वस्तुएं जो पिता की है मेरी है..." (यूहन्ना १६:१५)।

मसीह का पृथ्वी पर उद्देश्य था कि आपको पिता के साथ सहभागिता में लाएं। बाइबल कहती है कि हमारी सहभागिता (एकता) पिता के साथ और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है (१यूहन्ना १:३)। आप परमेश्वर के एक उत्तराधिकारी और पुनरुत्थानी मसीह के साथ सह –उत्तराधिकारी है (रोमियो ८:१७)। इसलिए, हर वस्तु जो उसकी है वह आपकी है। आप निर्भिकतापूर्वक घोषणा कर सकते है, "वे सारी वस्तुएं जो पिता की है मेरी है...।" परमेश्वर का राज्य आपका है।

बाइबल कहती है मसीह आपमें महिमा की आशा है (कुलुस्सियो १:२७)। अब क्योंकि आपके पास वह है, आपके पास वह सबकुछ है जिसका वह स्वामी है। धन्य है परमेश्वर! कोई आश्चर्य नही कि पौलुस ने कहा, "कोई भी मनुष्यों में घमंड ना करे" (१कुरिंथियो ३:२१)। अपने मानविय संबंधो में घमंड मत कीजिएगा। वरन, पहचानिए और उस दैविय वंश और उस सबका उत्सव मनाईये जो मसीह के साथ आपकी एकता ने आपके ऊपर ऊँडेला है।

घोषणा

मैं परमेश्वर का उत्तराधिकारी और मसीह के साथ सह – उत्तराधिकारी हूँ, और मैं अपने दैविय वंश और प्रभु के साथ मेरी एकता की असाधारण आशीषो का लाभ उठाता हूँ । मेरे रास्ते में स्वर्गदूत, पुरुष, महिलाएँ और सारी वस्तुएं सहायता करने के लिए है ताकि मैं अपने उद्देश्य को पूरा करूँ और एक अद्भुत विजयी जीवन जीऊँ। मैं आज मसीह में मेरे उत्तराधिकार की वास्तविकता में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 8:17; कुलुस्सियो 1:12

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 2:6-23 & यशायाह 48-49

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 3:1-11 & यहेजकेल 1-2

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **10**

जो आप चाहते है उसको बोलिए और निर्माण कीजिए

विश्वास ही से हम जान जाते हैं कि सारी सृष्टि की रचना परमेश्वर के वचन के द्वारा हुई है। पर यह नहीं कि जो कुछ देखने में आता है, वह देखी हुई वस्तुओं से बना हो
(इब्रानियो ११:३)।

जो अभी हमने हमारे आरंभिक वचन में पढ़ा वह मसीह यीशु में हमारी असीमित सामर्थ और महिमा को दर्शित करता है: कि आप अपने मुँह में परमेश्वर के वचन (रेहमा) के साथ क्या कर सकते है। ध्यान दीजिए उत्पत्ति की पुस्तक में, बाइबल कहती है कि पृथ्वी उथली पुथली थी। किंतु पवित्र आत्मा इसके ऊपर मंडराया, परमेश्वर ने वचन बोला, और हर वह वस्तु जो उसने बोली वह बन गई। उसने हमे वही योग्यता दी है; हम भी बोलकर जो चाहते है अस्तित्व में ले आए।

इसके लिए एक महत्वपूर्ण वस्तु मनन है। जिस तरिके से पवित्र आत्मा मंडराया (उड़ा, फड़फड़ाया) पृथ्वी के उथले पुथले भाग पर, तो जब आप एक स्थिती को बदलना चाहते है, तो परमेश्वर के वचन पर मनन करने का समय निकालिये। उस मनन के दौरान, आपके अंदर से उत्साहीत वचन पैदा होंगे जो कि आपके द्वारा इच्छित बदलावो को लाएँगे।

होशे २:१४ कहता है, "अपने साथ वचनो को ले जाओ...।" आप अपने जीवन में क्या चाहते है? बाइबल कहती है कि वचन के बिना कुछ भी नही बनाया गया था! इसलिए, आप क्या "बनाना " चाहते है? परिस्थिती के विषय में चिल्लाईये मत; दर्द के ऊपर रोईए मत! सवाल यह है कि आप क्या देखना चाहते है? आप उस दुविधा की स्थिती में क्या बनाना चाहते है? बाइबल कहती है कि परमेश्वर ने प्रकाश को अंधकार में से चमकने का आदेश दिया। परेशानि पर केंद्रित मत हो जाईये, उस पर मन लगाईये जो आप चाहते है और इसको बोलिए।

मत कहिए, "मेरे को कॅन्सर है" या "मेरे को डायबिटीज है"; यह इसके विषय में नही है कि आपके "पास क्या है"; यह इस विषय में है कि आप उस कॅन्सर या डायबिटीज के स्थान में क्या चाहते है। परमेश्वर के पास शुरुवात में अंधकार था, किंतु उसने बोलकर प्रकाश बनाया। आप भी उसके स्वरुप और प्रतिरुप में बनाये गए है, अपनी आत्मा में उसकी योग्यता के साथ, और आपके मुँह में उसके वचन के साथ। जो आप चाहते है

उसको बोलिए और निर्माण कीजिए। हालेलूयाह।

घोषणा

मैं मेरे शब्दो में परमेश्वर की निर्माण करने वाली योग्यता का लाभ लेता हूँ। मेरे महिमामय जीवन को बनाते हुए और मेरे वातावरण को मेरे लिए परमेश्वर की सिद्ध इच्छा के साथ मेल कराते हुए। जैसे ही मैं मेरे जीवन, स्वास्थ, धन, प्रियजनो और सेवकाई के विषय में आशीष के वचनो को बोलता हूँ, पवित्र आत्मा उन पर मंडराता है और वे वास्तविक हो जाते है। मैं आज और हमेशा आशीषो और बढ़ती हुई महिमा में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

२ कुरुंथियो 4:13; मरकुस 11:23

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 3:1-4:1 & यशायाह 50-51

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 3:12-19 & यहेजकेल 3

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

पिता के साथ हमारी एकता

और जो प्रभु की संगति में रहता है, वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है (१कुरिंथियो ६:१७)।

नये जन्मे होकर, और पवित्र आत्मा को ग्रहण करने के बाद, आप प्रभु के साथ एक है। वह आप में रहने के लिए आ गया है और आपकी आत्मा के साथ एक बन चुका है। विश्व के आरंभ से ही उसका उद्देश्य था कि वह आपके साथ अटूट रुप से जुड़ जाएं।

वह यीशु के साथ एक है; वह यीशु के साथ इतना एक था कि जब फिलिप्पुस ने यूहन्ना १४ में यीशु से पूछा, "हमे पिता को दिखा और हम संतुष्ट हो जाएँगे", फिलिप्पुस के लिए उसका उत्तर था, "फिलिप्पुस मैं तुम्हारे साथ इतने लंबे समय से रहा हूँ और क्या तुम अभी तक मुझे नही जानते?" फिर उसने यह भी कहा, "जिस किसी ने मुझे देखा है उसने पिता को देखा है। मैं पिता में हूँ और पिता मुझ में है।"

वह चाहता था कि हम पिता के साथ उसकी एकता को समझे, और पिता के साथ उसी एकता में वह हमे भी ले आया है। १यूहन्ना १:३ हमे बताता है, " ... हमारी यह सहभागिता (एकता, संगति) पिता के साथ और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है।"

क्रूस पर जाने से पहले यीशु ने इसके विषय में प्रार्थना की; उन सबके विषय में बात करते हुए जो उसमें भरोसा करने वाले थे, उसने कहा, "कि वे सब एक हों; जैसा तू हे पिता मुझ में है, और मै तुझ में हूँ, वैसे ही वे भी हम में हो, ..." (यूहन्ना १७:२१)। वह अपने और पिता के साथ हम को एक ऐसी अटूट एकता में लाना चाहता था जिससे विश्व हमे कभी भी अलग ना कर सके। और वही हो गया है। यहाँ तक कि स्वर्गदूत भी इस पर विस्मित है, क्योंकि अब वे हमे देखकर यीशु को देखते है! यह मसीहत है – मसीह आपमें; पिता का राज्य आपमें कार्य कर रहा है। हालेलूयाह!

१कुरिंथियो १:९ कहता है, "परमेश्वर सच्चा है, जिसने तुम को अपने पुत्र हमारे प्रभु यीशु मसीह की संगति में बुलाया है।" परमेश्वर केवल यही चाहता था, किंतु यह विश्व के आरंभ से एक रहस्य रहा है (कुलुस्सियो १:२६-२७)। किंतु परमेश्वर का धन्यवाद हो! प्रभु यीशु ने इसको संभव बनाने के लिए अपना जीवन दे दिया। अब, हर वह वस्तु जो पिता की है हमारी है, क्योंकि हम उसके साथ एक है; आप उसके वारिस है, और

मसीह के साथ संगी वारिस है। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, आपके साथ अटूट रुप से एक होने का कितना महान सम्मान और सुविधा मेरे पास है। मैं हमेशा एक विजयी रहूँगा, और मेरे लिए आपकी सिद्ध इच्छा के साथ मेल में चलूँगा क्योंकि आप मुझे सब वस्तुओं में निर्देशित करते है। धन्यवाद निर्देशनों, उत्साहो और उन आशीषो के लिए जो मैं आत्मा के द्वारा ग्रहण करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 5:30; कुलुस्सियो 1:18; यूहन्ना 15:5 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

कुलुस्सियो 4:2-18 & यशायाह 52-53

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 4:1-16 & यहेजकेल 4

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार **12**

एक याजसी राजक के रुप में अपने स्थान को लो

तेरे देश में फिर कभी उपद्रव और तेरी सीमाओ के भीतर उत्पात या अंधेर की चर्चा न सुनाई पडेगी; परंतु तू अपनी शहरपनाह का नाम उद्धार और अपने फाटको का नाम यश रखेगी (यशायाह ६०:१८ ए.एम.पी.सी)।

आज के विश्व में शैतान और उसके दानवो ने जो बुराई, दुष्टता और छलावे की बाढ़ लाकर रखी है यह एक ऐसी वस्तु है जिसको केवल यीशु मसीह का चर्च ही बांध सकता है। हम पृथ्वी में आज बुराई के विरोध में रोकने वाले बल है। हमारे पास यीशु के नाम में अधिकार है शैतान की गतिविधियों को रोकने का।

प्रार्थनाओ के द्वारा, हम उन स्थानो में परमेश्वर की इच्छा को स्थापित कर सकते है जो कि अंधकार के एजेंटों और बुराई की प्रधानताओं के द्वारा शासित हैं। हाथ पर हाथ धरकर मत बैठ जाईये; एक राजसी - याजक के रुप में अपना स्थान लीजिए, परमेश्वर के साथ एक हो जाईए पृथ्वी पर उसकी इच्छा को पूरा करवाने के लिए।

हमारी बुलाहट के विषय में भजनसंहिता के लेखक के उत्साही वचनो को सुनिए: वह सम्मान और सुविधा जो हमारी यानि कि परमेश्वर के संतो की है: "भक्त लोग महिमा के कारण प्रफुल्लित हों; ... उनके कण्ठ से परमेश्वर की प्रशंसा हो, और उनके हाथों में दोधारी तलवारें रहें, कि वे जाति जाति से पलटा ले सकें, और राज्य राज्य के लोगों को ताड़ना दें, और उनके राजाओं को साँकलों से, और उनके प्रतिष्ठित पुरुषों को लोह की बेड़ियों से जकड़ रखें, और उनको ठहराया हुआ दण्ड दें! उसके सब भक्तों की ऐसी ही प्रतिष्ठा होगी। याह की स्तुति करो" (भजनसंहिता १४९:५-९)।

ठीक अभी, निर्भिकतापूर्वक घोषणा कीजिए कि वे दुष्ट आत्माएँ जो विश्व के देशों में बुराई और परेशानि के लिए जिम्मेदार है वे हटा दी गई है; वे काट दी गई है, और परमेश्वर की महिमा विश्व में शासन करती है। अन्यभाषाओ में प्रार्थना करने के लिए एक क्षण लीजिए, घोषणा करते हुए कि वे सारे लोग जो हमारे दिनों में मसीह-विरोधी का एजेंडा भड़का रहे है या स्पॉनसर कर रहे है, उनकी बेवकूफी प्रत्यक्ष हो जाएगी, उनके दुष्ट काम खुल जाएँगे और पलट दिए जाएँगे।

इन आखिरी के दिनो में, परमेश्वर के लोगो को निरंतर ही उसकी सत्यनिष्ठा की घोषणा करनी है और निर्भिकतापूर्वक स्तुति करनी है, और मसीह यीशु में और ज्यादा से

ज्यादा आत्माओं का उद्धार कराना है। आमीन।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं एक राजसी - याजक के रुप में अपने स्थान को लेता हूँ, पूरे विश्व में बदलावो को लाने के लिए। मैं शैतान की दुष्ट युक्तियों और चलाकीयों को रोकता हूँ और घोषणा करता हूँ कि सुसमाचार का प्रकाश पूरे विश्व में महान रुप से चमकता है, जो लोग विनाश के रास्ते में थे वे अंधकार से प्रकाश में लाए जा रहे है, और परमेश्वर के अनुग्रह, प्रेम और सत्यनिष्ठा के सहभागि हो रहे है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रकाशित वाक्य 1:6; १ तीमुथियुस 2:1-3; भजन संहिता 37:1-2 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१थिस्सलुनीकियो 1-2:1-16 & यशायाह 54-56

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 5:1-14 & यहेजकेल 5-6

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

यीशु देहधारी वचन

आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। यही आदि में परमेश्वर के साथ था। सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ, और जो कुछ उत्पन्न हुआ है उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न नहीं हुई (यूहन्ना १:१-३)।

ठीक जिस तरह किसी भी प्रेरित ने पौलुस की तरह चर्च का दर्शन नही दिया, उसी तरह से किसी ने भी यूहन्ना की तरह चर्च को यीशु मसीह के व्यक्तित्व, देहधारी वचन का दर्शन नही दिया। वह हमे वचन की कहानी बताता है और आरंभ से शुरु करता है। यूहन्ना १:१०-१४ में वह कहता है, "वह जगत में था, और जगत उसके द्वारा उत्पन्न हुआ, और जगत ने उसे नहीं पहचाना। ... और वचन देहधारी हुआ (बना); और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हम ने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा।" हालेलूयाह! कौन विश्व में था और विश्व किसको नही जानता था?

आप शायद उत्तर दे, "यीशु!" किंतु यूहन्ना जिसने हमे यह बात बताई उसने नही कहा यीशु; वह वचन की बात कर रहा था। १४ वे वचन को दोबारा पढ़िए; यह कहता है, "और वचन देहधारी हुआ (बना); और ... हमारे बीच में डेरा किया, ..."। यूहन्ना हमे यीशु का उद्गम बता रहा है। जब कि दूसरे सुसमाचारों के लेखक (मत्ती और लूका) उनकी बात को यीशु की पृथ्वी की वंशावली को दिखाकर शुरु करते है, यूहन्ना का सुसमाचार उसकी दैवियता की घोषणा करता है, हमे मनुष्य यीशु मसीह का वास्तविक उद्गम बताते हुए – कि वह वास्तव में कौन है।

यीशु मसीह वह वचन है जो सृष्टि के पहले था और जिसके द्वारा सारी वस्तुएँ बनाई गई थी (यूहन्ना १:१-३)। उसका जन्म एक अजूबा था, क्योंकि परमेश्वर का क्रियावंत वचन कपड़ो में बंधा हुआ था; "वचन" आ चुका था, हमारे साथ होने के लिए और मनुष्यों के बीच में चलने के लिए! इसलिए उन्होनें उसको "इम्मानुएल" (परमेश्वर हमारे साथ) पुकारा (मत्ती १:२३)। हर कदम जो यीशु ने लिया वह चलता हुआ परमेश्वर का वचन था: शरीर बन चुका वचन।

घोषणा

आशीषित प्रभु यीशु, आप युगो की मजबूत चट्टान है: एक मात्र सच्चे प्रभु है! वह जिसके द्वारा सारी वस्तुएँ बनाई गई। आप कितने महान और महिमामय है! आप अनुग्रह और सच्चाई का सार है; आप जीवन का वचन है, विश्व की आशा है, और स्वर्ग से आई जीवन की रोटी जो इस विश्व के हर व्यक्ति को जीवन देती है। आपका नाम सदा के लिए धन्य हो!

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 1:1-4 NIV; यूहन्ना 1:10-14 NIV

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१थिस्सलुनीकियो 2:17-3:1-13 & यशायाह 57-58

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 6:1-10 & यहेजकेल 7

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुधवार 14

उसके नाम में सारी सामर्थ है

और विश्वास करनेवालों में ये चिह्न होंगे कि वे मेरे नाम में दुष्टात्माओं को निकालेंगे, नई नई भाषा बोलेंगे (मरकुस १६:१७)।

जब आप पढ़ेंगे और समझेंगे कि बाइबल यीशु के नाम के विषय में क्या कहती है, तो यह आपके विश्वास को मजबूत करेगा और जीवन के लिए आपके रवैये और सोच को बदल देगा। फिलिप्पियो २:९-१० कहता है, "इस कारण परमेश्वर ने उसको अति महान भी किया, और उसको वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है: कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हैं, वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेके।"

उसके नाम में, हर घुटना झुकता है, हर शैतान कांपता है और नरक हिलता है। हालेलूयाह। उसने कहा, "कि वे मेरे नाम में (वे जो उसमें विश्वास करेंगे) शैतान को खदेड़ देंगे।" आपको कभी भी शैतानो को बाहर खदेड़ने में पसीना बहाने की जरुरत नही है। इसमें केवल यही चाहिए कि आप यीशु का नाम इस्तेमाल करे।

शैतान शायद आपके दिमाग से खेले और आपको बताये कि आप उसे बाहर निकालने के लिए "योग्य" या पर्याप्त "शक्तिशाली" नही है। कभी भी उसके झूठो को स्वीकार मत कीजिए। यीशु ने आपको अधिकार दिया है। उसने लूका १०:१९ में कहा, "देखो, मैं ने तुम्हें साँपों और बिच्छुओं को रौंदने का, और शत्रु की सारी सामर्थ्य पर अधिकार दिया है; और किसी वस्तु से तुम्हें कुछ हानि न होगी।"

आपके पास वह सब है जो शैतानों को खदेड़ने के लिए चाहिए - यीशु का नाम। हर वस्तु जो इस विश्व में और इसके परे है वह उसके नाम के आधीन है। उसके नाम में विजयी रुप से जीएँ और परिस्थितीयों पर प्रबलता रखे।

घोषणा

हर वस्तु जो इस विश्व में है और इसके परे है वह यीशु के नाम के आधीन है। मैं उसमें अपने अधिकार का इस्तेमाल करता हूँ और शैतान और उसके दानवो को दूर और हारा हुआ रखता हूँ, जैसे ही मैं जीवन की स्थिती और परिस्थिती में विजयी रुप से जीता और प्रबलता करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 16:23-24; प्रेरितो के काम 3:1-10 & 16

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१थिस्सलुनीकियो 4:1-18 & यशायाह 59-60

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 6:11-20 & यहेजकेल 8-9

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

गुरुवार 15

प्रेम की संतान

प्रेम धीरजवन्त है, और कृपालु है; प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं (१कुरिंथियो १३:४ ए.एम.पी.सी)।

बाइबल हमे बताती है कि परमेश्वर प्रेम है (१यूहन्ना ४:८); प्रेम उसका स्वभाव है वह यही है। जब हम प्रेम के गुणो की बात करते है, तो हम परमेश्वर के गुणो की बात कर रहे है। इसे हमारे आरंभिक वचन में लगाईये और यह ऐसा होगा, " परमेश्वर धीरजवन्त है, और कृपालु है; परमेश्वर डाह नहीं करता; परमेश्वर अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नही।" हालेलूयाह।

याद कीजिए कि यीशु कैसे जीया जब वह पृथ्वी पर था; वह प्रेम का प्रत्यक्षिकरण था। उसके काम प्रेम के काम थे। उसके शब्द प्रेम के शब्द थे। वह चलता फिरता प्रेम था। यीशु गलीली की गलियो में चलता हुआ प्रेम था। प्रेम ने वातावरण में घुसपैठ कर दी थी। अब आपके विषय में क्या? बाइबल कहती है कि आप परमेश्वर की संतान है (१पतरस १:२३), जिसका अर्थ है कि आप प्रेम के पुन:उत्पाद है।

एक ऊकाब की संतान ऊकाब होगी। एक मनुष्य की संतान मनुष्य होगी। तो प्रेम (परमेश्वर) की संतान प्रेम होगी! उदाहरण के लिए अगर आपका नाम फिलिप्पुस है तो आप कह सकते है, "फिलिप्पुस धीरजवन्त है, और कृपालु है; फिलिप्पुस डाह नहीं करता; फिलिप्पुस अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं "। परमेश्वर की स्तुति हो!

परमेश्वर का वचन हमे दिखाता है कि हम कौन है; यह दर्पण है। जब आप उस दर्पण में देखते है, तो भूल मत जाईये कि आप कैसे दिखाई देते है: धैर्यवान, दयालु, संयमी, प्रेमी, और दीन। अगर घमंड या नफरत आपके द्वारा दिखना चाहती है तो मना कीजिए और घोषणा कीजिए कि, "मैं घमंडी नही हूँ, मैं दीन हूँ। मैं यीशु की तरह प्रेम से भरा हुआ हूँ; मैं उसके नाम में जीता हूँ; इसलिए, मैं उसी की तरह चलता और कार्य करता हूँ।"

होने दीजिए कि मसीह का प्रेम, जो कि सिद्धता की छाप है, आपके हृदय में हमेशा शासन करे। अपनी आत्मा में प्रेम के परमेश्वर के स्वभाव को मुक्त रुप से दिखाईये और अपने विश्व में स्वर्ग की सुंदरता और महिमा को प्रसारित कीजिए।

घोषणा

मैं परमेश्वर के प्रेम को प्रसारित करता और दिखाता हूँ, और सारी दीनता, दयालुता और धीरज के साथ मैं दूसरो के साथ अनुग्रही रुप से संबंध रखता हूँ, मेरे विश्व में स्वर्ग की सुंदरता और महिमा को मुक्तरुप से दिखाते हुए। मैं ईर्ष्यालु, झगड़ालू, घमंडी, नकचढ़ा नही हूँ, किंतु समझदार और दयालु हूँ क्योंकि मेरे हृदय में परमेश्वर का प्रेम पवित्र आत्मा के द्वारा डाला गया है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

इफिसियो 4:2 NIV; १पतरस 4:8 NIV;१ कुरुंथियो 13:4-8 NIV

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१थिस्सलुनीकियो 5:1-28 & यशायाह 61-63

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 7:1-10 & यहेजकेल 10-11

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 16

जानिए कि आप कौन है और उसके अनुसार जीएँ

और उसे एक ऐसी तेजस्वी कलीसिया बनाकर अपने पास खड़ी करे, जिसमें न कलंक, न झुर्री, न कोई और ऐसी वस्तु हो वरन् पवित्र और निर्दोष हो (इफिसियो ५:२७)।

मसीहो के रुप में, हम पुराने नियम के लोगो से अलग है। पुराने नियम में, उन्हें वचन की आज्ञा मानने के लिए बुलाया गया था, किंतु नये नियम में हमे वचन अभ्यासी कहा गया है; हम वचन के प्रत्यक्षिकरण है; इसको दर्पण का सिद्धांत कहते है। परमेश्वर सोचता है कि अगर वह आपको दिखाएगा कि आप कौन है, तो आप उसके अनुसार जीएँगे।

इसलिए, जब आप एक इफिसियो ४:२५ जैसे वचन के सामने आते है: "इस कारण झूठ बोलना छोड़कर हर एक अपने पड़ोसी से सच बोले, ...", तो ठीक उस तरिके से काम कीजिए जो उसने कहा, झूठ को दूर कर के। दपर्ण आपको उस व्यक्ति की तरह दिखाता है जिसने झूठ को बोलना बंद कर दिया है, तो ऐसा ही कीजिए। यह एक आज्ञा नही है। पुराने नियम में यह एक आज्ञा थी कि झूठ ना बोलो; किंतु नये नियम में हम वचन को करते है और सच्चाई में चलते है। बाइबल कहती है, "यह जानकर कि व्यवस्था सत्यनिष्ठ जन के लिये नहीं..." (१तीमुथियुस १:९), और हम परमेश्वर के सत्यनिष्ठ लोग है (रोमियो १:१७)।

पुराने नियम में उसने हमे नियम दिए थे, किंतु नये नियम में उसने हमे उसका स्वभाव दिया है, उसका सत्यनिष्ठा का जीवन, ताकि हम सही तरिके से जी सके। यह समझाता है कि अगर आपने ऐसा कोई काम किया जो आपके सत्यनिष्ठा के स्वभाव से मेल नही खाता है तो आप क्यूँ अंदर से परेशान हो जाएँगे। आपकी स्वंय की आत्मा के द्वारा आप बता पाएँगे और न्याय कर पाएँगे, आपमें उसके प्रकाश के कारण। यही कारण है कि हम सत्यनिष्ठा को सीखाते है, ताकि परमेश्वर के लोग सचेत हो जाएँ कि वे मसीह में कौन है और उसके अनुसार जीएँ।

घोषणा

मैं मसीह यीशु में परमेश्वर की सत्यनिष्ठा हूँ, उसकी दृष्टि में निष्कलंक और निर्दोष। मैं मेरी आत्मा में उसके सत्यनिष्ठा के स्वभाव के लिए सचेत हूँ; इसलिए हर दिन, मैं सत्यनिष्ठा के कामो को पैदा करता हूँ, पिता की सिद्धता और प्रेम में चलते हुए। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

कुलुस्सियो 1:20-22; याकूब 1:22-25

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२थिस्सलुनीकियो 1:1-12 & यशायाह 64-66

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 7:11-28 & यहेजकेल 12-13

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **17**

वचन का पालन करो नाकि अपने भावनाओ का

और जो शारीरिक दशा में हैं, वे परमेश्वर को प्रसन्न नहीं कर सकते (रोमियो ८:८)।

मसीहत में, हम अपनी भावनाओं के द्वारा न्याय नही करते है; हम वचन का पालन करते है। इससे कोई अंतर नही पड़ता कि आप परमेश्वर के नजदीक या उससे दूर "महसूस" करते है । आप उसमें जीते है और वह आपमें जीता है। आप उस व्यक्ति के कितना नजदीक जा सकते है जो पहले से ही आपमें रहता है?

परमेश्वर चाहता है कि आप उसके वचनो को जाने और ज्ञान में बढ़े, और उसके साथ अपनी एकता के प्रकाश में चले। वह चाहता है कि जो वचन आपके बारे में कहता है आप उससे जीएँ, ना कि भावनाओं या दूसरो की आपके लिए सोच के आधार पर। शैतान शायद आपसे झूठ बोले और आपको अभी भी एक पापी महसूस कराये, किंतु धोखा मत खाईए। जिस दिन आपने मसीह को अपना हृदय दिया था, आप पुन:सृष्टित हो गए थे और उसमें परमेश्वर की सत्यनिष्ठा बन गए थे।

२कुरिंथियो ५:१७ कहता है, "इसलिये यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, सब बातें नई हो गई है।" परमेश्वर को आपको यह बताना पड़ा क्योंकि आपका दिमाग यह नही जानता है और इसको समझ भी नही सकता। यह मानविय आत्मा के लिए दार्शनिक ज्ञान है पवित्र आत्मा के द्वारा।

तो आप चाहे कैसा भी, "महसूस" क्यूँ ना करे, वह चाहता है कि आप "देखे ", पहचाने कि अब आप मसीह में है। पुरानी आदते बीत गई है; पुरानी कुंठाए और संघर्ष दूर हो गए है। अब आपके पास महिमा और सत्यनिष्ठा का एक नया जीवन है। हालेलूयाह!

घोषणा

मैं विश्वास के द्वारा चलता हूँ ना कि इंद्रिय ज्ञान के द्वारा। मैं वचन की सच्चाई को मानता, ग्रहण करता और उसके द्वारा जीता हूँ। मैं मसीह में हूँ और मसीह मुझ में है, धन्यवाद पिता इस आशीषित संबंध के लिए। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 8:7-10; २ कुरुंथियो 5:7; फिलिप्पियो 3:3

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२थिस्सलुनीकियो 2:1-17 & यिर्मयाह 1-2

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 8:1-13 & यहेजकेल 14-15

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार **18**

आप इस विश्व के स्वामी है

जो कुछ पिता का है, वह सब मेरा है; इसलिये मैं ने कहा कि वह मेरी बातों में से लेकर तुम्हें बताएगा (यूहन्ना १६:१५)।

किसी ने भी यीशु की तरह कभी भी बात नही की। ऊपर के वचन में उसके निर्भिक वचनो की कल्पना कीजिए! उसने कहा, "हर वस्तु जो पिता की है वह मेरी है।" सुंदर बात यह है कि उसने आपके लिए भी यही कर दिया है। रोमियो ८:१७ कहता है, "आप परमेश्वर के एक वारिस है और मसीह के साथ संगी वारिस है।" हालेलूयाह!

१कुरिंथियो ३:२१ में पौलुस प्रेरित ने कहा, "इसलिये मनुष्यों पर कोई घमण्ड न करे, क्योंकि सब कुछ तुम्हारा है।" उसके बाद वह २२ वे वचन में उसने कहा कि विश्व तुम्हारा है। कैसे कोई व्यक्ति इसको जानकर कमी या घटी में हो सकता है? पतरस ने इसको समझा और घोषणा की, "क्योंकि उसकी ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बन्ध रखता है, हमें उसी की पहचान के द्वारा दिया है, ..." (२पतरस १:३)।

अगर आप इस सच्चाई को मानेंगे, मनन करेंगे और उसके द्वारा जीएँगे, तो आप किसी भी वस्तु से भयभीत नही होंगे, चाहे वे परिस्थितीयाँ हो, चाहे सामर्थ हो या सरकारे। आप बड़ा सोचेंगे, क्योंकि आप इस बात के लिए सचेत होंगे कि मसीह यीशु में विश्व आपका है।

रोचक रुप से, उसने नही कहा कि विश्व उनका है जो कि विश्व के "सर्वश्रेष्ठ" देशों में रहेंगे। इसके विषय में सोचीए: यीशु कहाँ जन्मा था? एक बहुत छोटे देश के एक छोटे से गाँव में। किंतु उस छोटे से देश से उसने विश्व पर प्रबलता पाई। उसने उसके चेलो से कहा, "...परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैं ने संसार को जीत लिया है" (यूहन्ना १६:३३)। वह उसकी पृथ्वी की वंशावली या भौतिक स्थिती के द्वारा सीमित नही हो सकता था।

आपकी सफलता या महानता का इससे कोई लेना देना नही है कि आप कहाँ रहते है, आप कहाँ जन्मे थे, आपके माता पिता कौन है, या आपकी नौकरी। यह इसके विषय में है कि आप मसीह में कौन है। सार्वभौमिक परमेश्वर के वारिसो के रुप में, वचन घोषणा करता है कि सारी वस्तुएं आपकी है; इस चेतना को बनाये रखिए और हर दिन प्रभुता और आत्म-सक्षमता में जीएँ।

घोषणा

परमेश्वर की दैविय सामर्थ ने मुझे वे सारी वस्तुएँ दी है जो जीवन और भक्ति से संबंध रखती है। मेरे पास कोई कमी या घटी नही है। मैं अब्राहम का वंश हूँ; इसलिए, विश्व मेरा है, सारी वस्तुएं मेरी है, क्योंकि मैं परमेश्वर का एक वारिस और मसीह के साथ संगी वारिस हूँ। धन्य है परमेश्वर!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ कुरुंथियो 3:21-23; २ पतरस 1:3

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२थिस्सलुनीकियो 3:1-18 & यिर्मयाह 3-4

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 9:1-10 & यहेजकेल 16

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार **19**

उसमें अपने आपको खोजिए

फिर यशायाह बड़ी निर्भिकता के साथ कहता है, जो मुझे नहीं ढूँढ़ते थे, उन्होंने मुझे पा लिया; और जो मुझे पूछते भी न थे, उन पर मैं प्रगट हो गया (रोमियो १०:२०)।

अभी भी ऐसे बहुत से लोग है जिन्होंने सच्ची मसीहत को नही समझा है; इसलिए, वे परमेश्वर को ढूंढते रहते है। आप शायद कहे, "किंतु यिमर्याह २९:१३-१४ कहता है, "तुम मुझे ढूंढोगे और पाओगे भी; क्योंकि तुम अपने संपूर्ण मन से मेरे पास आओगे। मैं तुम्हें मिलूँगा, यहोवा की यह वाणी है, और बँधुआई से लौटा ले आऊँगा; ..."। यह वचन मसीहो के लिए नही है। नये जन्मे होकर, आप दासता में नही है। यिमर्याह इस्राएल की बात कर रहा था। नये नियम में पुराने नियम का जीवन मत जीओ। परमेश्वर को ढूंढना बंद कर दो! वह आपमें रहता है।

कुलुस्सियो २:६ कहता है, मसीह यीशु को प्रभु के रुप में ग्रहण करने के बाद, हमे उसमें निरंतर जीना भी चाहिए। इसलिए, हम उसको ढूंढ नही रहे है, हमारे पास वह है। हम आ गए है, क्योंकि हम उससे जन्मे है, उसकी उपस्थिती में।

मसीहत परमेश्वर की उपस्थिती में जाने के विषय में नही है; मसीहत परमेश्वर की उपस्थिती को ले जाने के विषय में है। आप गवाही के उसके जीवित मंदिर है। जब आप कहीं पर जाते है, तो परमेश्वर की उपस्थिती आती है! आप ही "उपस्थिती" है। हालेलूयाह! पौलुस ने कहा कि हम हर जगह उसके ज्ञान की सुगंध को फैलाते है (२कुरिंथियो २:१४)। जब आप दिखाई देते है, तो परमेश्वर दिखाई देता है, क्योंकि आप उसके साथ एक है।

जिस क्षण आप यह पहचान जाते है तो आपकी खोज खत्म हो जाती है। उस क्षण से, आपकी आराधना बदल जाती है, आपका प्रार्थना का जीवन बदल जाता है; विश्वास का जीवन बदल जाता है; हर वस्तु बदल जाती है! आप देखेंगे कि आप दिन के चौबीसों घंटे और अपने जीवन का हर दिन परिपूर्णन में जी रहे है, प्रभु को सब वस्तुओं में प्रसन्न करते हुए। उसका नाम सदा के लिए धन्य हो!

प्रार्थना

बहुमूल्य पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ हर उस वस्तु के लिए जो मैं जीवन में चाहता था और वह मसीह में है, और मसीह मुझ में है, और मसीह होना सबकुछ है। मैं आपका धन्यवाद देता हूँ इस सम्मान के लिए कि मैं उसके शरीर का, उसके मांस का और उसकी हड्डियों का एक सदस्य हूँ! मसीह मुझ में एक निरंतर विजय और अनंत सफलता के जीवन का आश्वासन है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

१ कुरुंथियो 6:17; कुलुस्सियो 1:27

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 1:1-20 & यिर्मयाह 5-6

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 9:11-28 & यहेजकेल 17

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

यीशु परमेश्वर का सटीक चित्र है

फिलिप्पुस ने उससे कहा, हे प्रभु, पिता को हमें दिखा दे, यही हमारे लिये बहुत है। यीशु ने उससे कहा, हे फिलिप्पुस, मैं इतने दिन से तुम्हारे साथ हूँ, और क्या तू मुझे नहीं जानता? जिसने मुझे देखा है उसने पिता को देखा है। तू क्यों कहता है कि पिता को हमें दिखा? (यूहन्ना १४:८-९)।

बाइबल कहती है कि यीशु में परमेश्वर के त्रियक की परिपूर्णता सदेह निवास करती है (कुलुस्सियो २:९), इसका अर्थ है कि हर व्यक्ति जो जानना चाहता है कि परमेश्वर कैसा दिखाई देता है उसे यीशु को देखना चाहिए। कोई आश्चर्य नही है कि यीशु ने फिलिप्पुस से कहा, "जिसने मुझे देखा है उसने पिता को देखा है।" यीशु पिता के व्यक्तित्व का सटीक चित्र है।

कुछ विश्वास करते है कि स्वर्ग में तीन सिंहासन होंगे; एक पिता के लिए, एक पुत्र यीशु के लिए और फिर पवित्र आत्मा के लिए; किंतु यह सच नही है। पिता ने आनंदी रुप से यीशु को सारी वस्तुओं का वारिस ठहरा दिया है, उसके सिंहासन का भी।

इसलिए स्वर्ग में, केवल एक सिंहासन है, और यीशु ही है जो सिंहासन पर बैठा है। तब पिता कहाँ है? वह यीशु में है! बाइबल कहती है पिता को यह भाया कि उसमें (यीशु में) सारी परिपूर्णता निवास करे (कुलुस्सियो १:१९)। फिर कुलुस्सियो २:९ हमे बताता है कि उसमें (यीशु में) परमेश्वर के त्रियक की सारी परिपूर्णता सदेह निवास करती है। अगर आपने यीशु को देखा है, तो आपने पिता को देखा है।

कोई आश्चर्य नही है कि जब उसने यूहन्ना १०:३० में कहा, "मैं और पिता एक है", तो यहूदियों ने पत्थर उठा लिये और उसको मार डालना चाहते थे; क्यूँ? उन्होंने कहा कि उसने अपने आपको परमेश्वर के तुल्य बता दिया: " ...परन्तु परमेश्वर की निन्दा करने के कारण; और इसलिये कि तू मनुष्य होकर अपने आप को परमेश्वर बनाता है" (यूहन्ना १०:३३)।

यहूदियों को समझ में आ गया था कि यीशु का क्या अर्थ था जब उसने कहा, "मैं और मेरा पिता एक है।" किंतु उन्होंने उसके शब्दों को निंदा समझा क्योंकि वे नही जानते थे कि वह कौन था। यीशु परमेश्वर के व्यक्तित्व का सटीक चित्र और आयकॉन है। वह परमेश्वर की महिमा का प्रत्यक्षिकरण है और विरासत के द्वारा उसने स्वर्ग और पृथ्वी में सबसे श्रेष्ठ नाम भी पा लिया है। फिलिप्पियो २:९-११ घोषणा करता है कि, "इस कारण परमेश्वर ने उसको अति महान् भी किया, और उसको वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ

है: कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हैं, वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें; और परमेश्वर पिता की महिमा के लिये हर एक जीभ अंगीकार कर ले कि यीशु मसीह ही प्रभु है।" वह राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु है। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे प्रभु यीशु, मैं सारी महिमा, सम्मान और भव्यता आप ही को देता हूँ। आप स्वर्ग का आनंद है, और चमकता हुआ भोर का सितारा है! आप दैवियता की सुंदरता है, और पिता के व्यक्तित्व का सटीक चित्रण है। प्यारे उद्धारकर्ता मैं आपकी आराधना और सम्मान करता हूँ, क्योंकि आपके जैसा कोई नही है! होने दीजिए कि आपका राज्य पृथ्वी पर शासन करे, और मनुष्यों के हृदय में सदा के लिए स्थापित हो जाएँ। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

इब्रानियो 1:1-3; कुलुस्सियो 2:9

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 2:1-15 & यिर्मयाह 7-8

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 10:1-18 & यहेजकेल 18-19

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

बुधवार 21

उसे प्रभु के रुप में जानिए

इस कारण परमेश्वर ने उसको अति महान भी किया, और उसको वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है: कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हैं, वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें; और परमेश्वर पिता की महिमा के लिये हर एक जीभ अंगीकार कर ले कि यीशु मसीह ही प्रभु है (फिलिप्पियो २:९-११)।

जब हम कहते है, "यीशु प्रभु है," तो यह एक धार्मिक कथन से कहीं बढ़कर है; इसका अर्थ है वही है जिसके पास सबसे ऊँचा अधिकार है। वह स्वामी और शासक है; वही है जो सम्मान और प्रशंसा के योग्य है! "प्रभु" का यही अर्थ है।

कुछ लोग उसको केवल एक उद्धारकर्ता के रुप में ही जानते है, किंतु वह एक उद्धारकर्ता से बढ़कर है। वही है जो सारी वस्तुओं में प्राथमिकता रखता है, और जिसकी सेवा और आज्ञाकारिता अवश्य है। आपको यीशु को अवश्य ही इस प्रकाश में जानना और हर दिन इसकी चेतना में चलना है। अपने परिवार, व्यवसाय, पढ़ाई लिखाई, नौकरी, धन और हर वस्तु में जो आपके जीवन से जुड़ी हुई है, उससे प्रभु के रुप में जुड़िए! दूसरे शब्दों में, उसके पास सबसे बड़ा और सबसे ऊँचा अधिकार होने दीजिए। आपसे जुड़ी हुई हर वस्तु में उसका वचन आखिरी होना चाहिए।

याद रखिए, वही एकमात्र बुद्धिमान परमेश्वर है; इसलिए, उसकी इच्छा, सलाह और बुद्धि की श्रेष्ठता के लिए समर्पित हो जाईये। और अगर आप अभी तक नये जन्मे नही है, अगर आपने अभी तक यीशु को अपने जीवन का प्रभु नही बनाया है, तो इस प्रार्थना को कीजिए और इसे अपने पूरे हृदय से मानिए: "हे प्रभु परमेश्वर, मैं अपने पूरे हृदय के साथ यीशु मसीह में विश्वास करता हूँ, जीवित परमेश्वर के पुत्र में। मैं विश्वास करता हूँ कि वह मेरे लिए मरा और परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया। मैं घोषणा करता हूँ कि यीशु मसीह मेरे जीवन का प्रभु है। उसके द्वारा और उसके नाम में, मेरे पास अनंत जीवन है; मैं नया जन्मा हूँ। धन्यवाद प्रभु मेरी आत्मा को बचाने के लिए! अब मैं परमेश्वर की एक संतान हूँ। हालेलूयाह!"

घोषणा

प्रभु यीशु, मैं आपको मेरे प्रभु, स्वामी और शासक के रुप में पहचानता हूँ, जिसका मैं हूँ और जिसके पास मेरे जीवन में आखिरी वचन है। मैं अपने पूरे हृदय से विश्वास करता हूँ और अपने मुँह से घोषणा करता हूँ कि आप स्वर्ग, पृथ्वी और पृथ्वी के नीचे की सारी वस्तुओ के प्रभु है। मैं इस चेतना में चलता हूँ और आज आपकी महानता, प्रभुता और प्रबलता के दर्शन में भी चलता हूँ। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ तीमुथियुस 6:15-16; प्रेरितो के काम 10:36

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 3:1-16 & यिर्मयाह 9-10

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 10:19-39 & यहेजकेल 20

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

यीशु स्वंय प्रभु है

क्योंकि उसमें ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है (कुलुस्सियो २:९)।

जब यीशु मृत्यु में से जी उठा, तो वह अपने चेलो को दिखाई दिया। किंतु उनमें से एक थोमा वहां पर नही था; तो उसने यीशु के पुनरुत्थान पर संदेह किया। फिर, यीशु उसके चेलो को एक बार और दिखाई दिया; इस बार, थोमा उपस्थित था और यीशु ने उससे बातचित शुरु की। उसने थोमा से कहा, "अपनी उँगली यहाँ लाकर मेरे हाथों को देख और अपना हाथ लाकर मेरे पंजर में डाल, और अविश्वासी नहीं परन्तु विश्वासी हो" (यूहन्ना २०:२७)।

थोमा ने अपना हाथ बढ़ाया और स्वामी के हाथो में और उसके पंजर के छेद को देखा। इससे विस्मित होकर थोमा ने घोषणा की, "...मेरे प्रभु मेरे परमेश्वर" (यूहन्ना २०:२८)! जब थोमा ने यीशु मसीह को परमेश्वर कहा तो यीशु ने नही कहा, "नही थोमा मुझे परमेश्वर मत कहो; तुम बहुत दूर चले गए।" उसने उसको ग्रहण किया क्योंकि थोमा ने वास्तविकता को बोला था। यीशु स्वंय परमेश्वर है।

वही वह परमेश्वर है जिसने मूसा से जलती झाडियों में बातचित की। वही है जिसने अब्राहम को हरन से बुलाया और कहा, " ...मै सर्वशक्तिमान् ईश्वर हूँ; मेरी उपस्थिति में चल और सिध्द होता जा" (उत्पत्ति १७:१)। वही है जो मूसा के सामने खड़ा हुआ और कहा, "अपने पाँवों से जूतियों को उतार दे, क्योंकि जिस स्थान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है"(निर्गमन ३:५)।

यीशु मानविय शरीर में परमेश्वर है, किंतु लोग उसे नही जानते थे। वह एडोनाई है, प्रभु, परमेश्वर! वही है जिसने मूसा से कहा, "मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर के नाम से अब्राहम, इसहाक, और याकूब को दर्शन देता था, परन्तु यहोवा के नाम से मैं उन पर प्रगट न हुआ" (निर्गमन ६:३)। यहोवा याहावे है। यही कारण है कि यहूदियों को साधारण रुप से यीशु मसीह को ग्रहण करने में परेशानि होती है, क्योंकि उन्हें यह मानना पड़ेगा कि वह एडोनाई है, जोकि वह है और वे इसका अर्थ जानते है।

इसके विषय में सोचीए: वह गलीली का साधारण सा दिखनेवाला मनुष्य वास्तव में महामई परमेश्वर था, इस्राएल की गलियों में चलता हुआ! वे इसको मान नही सके।

उन्होंने उसको मृत्यु तक पहुँचा दिया, किंतु उसने उसके जीवन को उनके उद्धार के लिए एक मेम्ने के रूप में चढ़ाया। बाइबल कहती है, "वह जगत में था, और जगत उसके द्वारा उत्पन्न हुआ, और जगत ने उसे नहीं पहचाना। वह अपने घर आया और उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया" (यूहन्ना १:१०-११)।

पौलुस प्रेरित हमे बताता है कि उसी में परमेश्वर की सारी परिपूर्णता सदेह निवास करती है। जब आप यीशु को देखते है, तो आपको पवित्र आत्मा या पिता को ढूंढने की आवश्यकता नही होगी; क्योंकि वह दैवियता का पूरा प्रत्यक्षिकरण है।

प्रार्थना

बहुमूल्य प्रभु यीशु, आप मेरे प्रभु और मेरे परमेश्वर है! आप मेरा जीवन है। वह व्यक्ति जिसके लिए और जिसके कारण मैं जीता हूँ; आप मेरा सबकुछ है, और मेरे अस्तित्व का कारण है। मैं आपकी आराधना करता हूँ और आपका धन्यवाद देता हूँ उसके लिए जो आप है कि आज आपने स्वयं को मुझे दिखाया है। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 1:1-3

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 4:1-16 & यिर्मयाह 11-12

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 11:1-16 & यहेजकेल 21

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शुक्रवार 23

आत्माएँ जीतने के तीन महत्वपूर्ण कारण

और उसने उनसे कहा, तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो (मरकुस १६:१५)।

कुछ लोगो ने सवाल पूछा है कि वे मसीही जिन्होंने कभी भी मसीह के लिए आत्माएँ नही जीती क्या वे स्वर्ग जाएँगे। उनका सवाल जो प्रभु ने यहेजकेल ३३:२-६ (इस पूरे वचन को पढ़े) में कहा उस पर आधारित है। तीन महत्वपूर्ण कारण है जिसकी वजह से आपको सुसमाचार का प्रचार अवश्य करना चाहिए और एक मसीही के रुप में आत्माएँ जीतनी चाहिए। सबसे पहला है कि प्रभु यीशु और उसके महिमामय सुसमाचार में आपका विश्वास। दूसरा है उसके लिए आपका प्रेम और उसके शीघ्र आगमन की आपकी आशा। और तीसरा कारण है आत्माएँ जीतने का हमको दिया गया उसका निर्देश। इन तीन कारणो को आपको आत्माएँ जीतने के लिए विवश करना चाहिए ।

अगर आप आत्माएँ नही जीतेंगे, तो प्रभु के लिए आपके प्रेम पर प्रश्न चिन्ह है। इसके अतिरिक्त, स्वर्ग में आपकी आशा पर भी प्रश्न है, और यहां तक कि स्वामी के निर्देश के आपकी आज्ञापालन पर भी। तो अगर आप एक आत्माएँ जीतने वाले व्यक्ति नही है, तो इसका अर्थ है कि आप वास्तव में विश्वास नही करते है। और स्वर्ग "अविश्वासीयों के लिए" एक स्थान नही है, और ना ही यह हत्यारों और मूर्तिपूजको इत्यादि के लिए है। प्रकाशितवाक्य २१:८ कहता है, "परन्तु डरपोकों, और अविश्वासियों, और घिनौनों, और हत्यारों और व्यभिचारीयों, और टोन्हों, और मूर्तिपूजकों, और सब झूठों का भाग उस झील में मिलेगा जो आग और गन्धक से जलती रहती है: यह दूसरी मृत्यु है।"

परमेश्वर ने निर्धारित किया है कि आत्माओं को उसके राज्य में अवश्य ही जीता जाना चाहिए, और उसने हमारे विश्व में खोए हुओ को ढूंढने का और उनको सुसमाचार बताने का उत्तरदायित्व हमे दिया है। इसलिए, आपको अवश्य ही खोए हुओ तक पहुँचना है और उन्हें मसीह में लाना है; यह परमेश्वर की संतान के रुप में आपका प्राथमिक और पवित्र उत्तरदायित्व है।

पौलुस प्रेरित ने इसको पहचाना और लिखा, "अर्थात् परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेल – मिलाप कर लिया, और उनके अपराधों का दोष उन पर नहीं

लगाया, और उस ने मेल – मिलाप का वचन हमें सौंप दिया है। इसलिये, हम मसीह के राजदूत हैं...” (२कुरिंथियो ५:१९-२०)। तो पूरी तरह से सुसमाचार और पूरे विश्व में इसके विस्तार के लिए कटिबद्ध हो जाईये।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे नये नियम का एक योग्य सेवक बनाया है, कि मैं सुसमाचार को विश्व के अंत तक ले जाऊँ। मैं अपनी बुलाहट को निर्भिकता, विश्वास, साहस, और दृढसंकल्पता के साथ पूरी करता हूँ। आपके महिमामय सुसमाचार का प्रकाश मेरे द्वारा आज महान रुप से चमकता है, मनुष्यो को अंधकार से निकाल कर परमेश्वर के पुत्रों की महामई स्वतंत्रता में लाते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

रोमियो 1:16; मत्ती 28:19-20; २ कुरुंथियो 3:6

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 5:1-25 & यिर्मयाह 13-14

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 11:17-40 & यहेजकेल 22

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार 24

रैपचर पर अपना केंद्र बनाए रखिए

अत: हे बालको, उसमें बने रहो कि जब वह प्रगट हो तो हमें साहस हो, और हम उसके आने पर उसके सामने लज्जित न हों (१यूहन्ना २:२८)।

चर्च का रैपचर पहले से कही ज्यादा निकट है। हम आखिरी क्षणो में है या "समयो के चिन्हो के "आखिरी समय में है, इससे पहले कि प्रभु दिखाई दे। यह महत्वपूर्ण है कि आप उसके लिए तैयार हो। १थिस्सलुनीकियों ४:१६-१७ कहता है "मसीह में" मरे हुए पहले जी उठेंगे, और हम जो जीवित और बचे हुए है वे भी उनके साथ उठा लिए जाएँगे प्रभु से हवा में मिलने के लिए।

प्रश्न है: क्या आप मसीह में है? अगर आप है, तो आप उन बहुतो में से एक है जिनको प्रभु स्वंय के लिए ग्रहण करने के लिए आ रहा है। किंतु, अगर आप नही है, तो आपको ठीक अभी मसीह को अपना जीवन देना है, अपने जीवन के ऊपर उसके प्रभुत्व की घोषणा करके। बाइबल कहती है, "...मसीह भी बहुतों के पापों को उठा लेने के लिये एक बार बलिदान हुआ; और जो लोग उसकी बाट जोहते हैं उनके उध्दार के लिये दूसरी बार बिना पाप उठाए हुए दिखाई देगा"(इब्रानियो ९:२८)।

प्रेरितो के काम १:९-११ हमे उसके स्वर्गारोहण के विषय में बताता है। जब चेले खड़े थे और विस्मित रुप से उसको हवा में उठते हुए देख रहे थे, तो दो स्वर्गदूत उनको दिखाई दिए और कहा, "यही यीशु जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, जिस रीति से तुम ने उसे स्वर्ग को जाते देखा है उसी रीति से वह फिर आएगा।" (प्रेरितो के काम १:११)। यही कारण है कि हम पूरे विश्व में सुसमाचार का प्रचार कर रहे है। पूरे विश्व को जानने की जरुरत है कि चर्च का रैपचर नजदीक है; स्वामी जल्दी आ रहा है।

उसने यूहन्ना १४:३ में कहा, "...तो फिर आकर तुम्हें अपने यहाँ ले जाऊँगा कि जहाँ मैं रहूँ वहाँ तुम भी रहो।" पतरस प्रेरित ने प्रभु के दिन और उन घटनाओ के विषय में बात करते हुए जो उसके आने को बतायेंगी कहा, "परन्तु प्रभु का दिन चोर के समान आ जाएगा, उस दिन आकाश बड़ी हड़हड़ाहट के शब्द से जाता रहेगा और तत्व बहुत ही तप्त होकर पिघल जाएँगे और पृथ्वी और उस पर के काम जल जाएँगे। जबकि ये सब वस्तुएँ इस रीति से पिघलनेवाली हैं, तो तुम्हें पवित्र चाल –चलन और भक्ति में कैसे मनुष्य होना चाहिए"(२पतरस ३:१०-११)।

रैपचर पर केंद्र बनाकर रखिए। हर दिन स्वामी की आशा करते हुए जीएँ; इस चेतना को अपने हृदय में चौबीस घंटे बनाये रखिए। प्रेम में चलिए। सत्यनिष्ठा में चलिए। और जब आप स्वंय तैयार हो रहे है, अपने आसपास के लोगो को भी तैयार होने दीजिए,

उन्हें परमेश्वर के वचन का प्रचार करके और शिक्षा देकर।

प्रार्थना

मैं अपनी आत्मा में जागृत और सचेत हूँ, भले कामो में जुझारु हूँ, परमेश्वर के प्रेम से उत्साहीत हूँ, उसके वचन, और उसके शीघ्र आगमन की मेरी आशा के द्वारा। मैं पूरी तरह से दृढसंकल्पीत हूँ कि प्रभु का सुसमाचार हर उस व्यक्ति के लिए बचानेवाली सामर्थ है जो विश्वास करता है; मैं मनुष्यों की आत्मा को बचाने के मेरे दृढसंकल्प में लगा हुआ हूँ। आज, जैसे ही महामई सुसमाचार पूरे विश्व में प्रचार किया जाता है, बहुत से लोग अंधकार के राज्य में से खेंचकर परमेश्वर के पुत्रो की महामई स्वतंत्रता में लाए जाते है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मत्ती 24:14; रोमियो 13:11-14

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

१ तीमुथियुस 6:1-21 & यिर्मयाह 15-16

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 12:1-13 & यहेजकेल 23

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

रविवार 25

आपमें मसीह जीवन का अनावरण करते हुए

जिन पर परमेश्वर ने प्रगट करना चाहा कि उन्हें ज्ञात हो कि अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का मूल्य क्या है, और वह यह है कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है (कुलुस्सियो १:२७)।

मसीहत एक मानविय व्यक्ति में परमेश्वर के वचन का बाहरी कार्य है। एक मसीही के रुप में, आप सच में मसीह का चित्र है; हर कदम जो आप उठाते है उसे अवश्य ही आपके अंदर के दैविय जीवन का होना चाहिए। यीशु इसी तरिके से जीआ जब वह पृथ्वी पर था। वह परमेश्वर का प्रत्यक्षिकरण था: उसके दैविय जीवन का चित्रण।

आप अपने विश्व, परिवार, कार्य के स्थान, पड़ोस, शहर, देश में जीवित मसीह है; वह स्थान जहां पर आप है, आप ही वह मसीह है जिसको वे देखते है। इसलिए, आपके काम, आपके शब्द, जो जीवन आप जीते है, जिस तरिके से आप वस्तुओ को करते है उसे अवश्य ही आपके अंदर के मसीह के स्वभाव को दिखाना चाहिए।

जब लोग आपको देखते है, तो उन्हें नई सृष्टि की महिमा देखनी चाहिए। आप एक परमेश्वर को लेकर जाने वाले बर्तन है; आज इस चेतना के साथ जाईए; यह आपके जीवन के लिए परमेश्वर का सपना है। सच्ची सफलता यह है कि परमेश्वर आपमें और आपके द्वारा दिखाई दे; यह इस बात पर है कि उसका व्यक्तित्व और उसका चरित्र आपके द्वारा कितना दर्शित होता है। इसलिए आपके लक्ष्य को हमेशा ही उसको दर्शित करना होना चाहिए।

हर काम जो आप करते है उसे हमेशा एक ही वस्तु के विषय में होना चाहिए: आपमें मसीह – जीवन का प्रत्यक्षिकरण; उसकी सिद्धता और उसकी सत्यनिष्ठा आपके द्वारा दिखती हुई। हालेलूयाह!

घोषणा

मसीह मुझ में जीवित है और उसने मेरे हृदय की कोठरीयो में विश्वास के द्वारा उसका घर बना और स्थापित कर लिया है। उसका स्वभाव, चरित्र और व्यक्तित्व मेरे द्वारा दिखाई देते है; मेरे विचार, शब्द और कार्य उसकी सिद्धता और सत्यनिष्ठा का प्रत्यक्षिकरण है। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

२ कुरुंथियो 6:16; रोमियो 8:19

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 1:1-18 & यिर्मयाह 17-18

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 12:14-29 & यहेजकेल 24

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

सोमवार 26

वह आत्माएँ जीतनेवाले को स्पॉनसर करता है

पर मैं ने इपफ्रुदीतुस को जो मेरा भाई और सहकर्मी और संगी योध्दा और तुम्हारा दूत, और आवश्यक बातों में मेरी सेवा टहल करनेवाला है, तुम्हारे पास भेजना आवश्यक समझा। ... क्योंकि वह मसीह के काम के लिये अपने प्राणों पर जोखिम उठाकर मृत्यु के निकट आ गया था ताकि जो घटी तुम्हारी ओर से मेरी सेवा में हुई उसे पूरा करे (फिलिप्पियो २:२५-३०)।

हमको एक दैविय आज्ञा दी गई है कि हम पृथ्वी के अंत तक सुसमाचार को लेकर जाएँ। यीशु ने कहा, "...तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो" (मरकुस १६:१५)। फिर उसने लूका २२:३५ में अपने चेलो से कुछ बहुत ही अद्भुत बात पूछी: "...जब मैं ने तुम्हें बटुए, और झोली, और जूते बिना भेजा था, तो क्या तुम को किसी वस्तु की घटी हुई थी? उन्होंने कहा, किसी वस्तु की नही।" यह दिखाता है कि जब परमेश्वर आपको एक काम पर भेजता है तो वह सुनिश्चित करता है कि उसको पूरा करने के लिए हर वस्तु जो आपको चाहिए वह उपलब्ध है। परमेश्वर को केवल उस कार्य के लिए आपकी कटिबद्धता की आवश्यकता है। एक आत्मा जीतनेवाला व्यक्ति परमेश्वर के द्वारा स्पॉनसर होता है। इसलिए, दृढसंकल्पित हो जाईए कि इसकी कोई सीमा नही होगी कि आप पूरे विश्व में सुसमाचार को फैलाने के लिए कितनी दूर तक जाने के लिए इच्छुक होंगे।

जब तक परमेश्वर आपके साथ है और उसने आपके शरीर को उसका जीवित मंदिर बना रखा है, तो सुसमाचार सीमित नही होगा। हम पौलुस प्रेरित में इसी प्रकार की कटिबद्धता देखते है, और यह अनुकरण के योग्य है। उसने कहा, "यदि मैं सुसमाचार न सुनाऊँ, तो मुझ पर हाय!" (१कुरिंथियो ९:१६)।

कुछ लोगो ने अपना समय और स्त्रोत कटिबद्ध किए है यह सुनिश्चित करने के लिए कि सुसमाचार विश्व के हर देश तक पहुँचे। वे परमेश्वर के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए महान कामों को करते है, दूसरो की कमी या गलती को पूरा करने के लिए। वे सुसमाचार के विस्तार के लिए बहुत अधिक पैसा देते है; और जितना अधिक वे देते है, उतना ही परमेश्वर उनके रास्तो में पैसे को लाता है ताकि वे उसके लिए और बढ़े कामो

को कर सके। वह आपकी सारी सप्लाई को पूरी करेगा जो आपको कभी भी चाहिए, आत्माएँ जीतने के उसके उद्देश्य को पूरा करने के लिए।

निर्णय लीजिए कि आपके द्वारा, सुसमाचार निरंतर समृद्ध होगा, और आप इस पर बने रहेंगे जब तक कि चर्च का रैपचर ना हो जाएँ।

प्रार्थना

प्यारे पिता, मैं आपका धन्यवाद देता हूँ मुझको सुसमाचार को सौंपने के लिए और मुझे स्त्रोत, समय, ऊर्जा, और विचार देने के लिए कि मैं कैसे पूरे विश्व में इसको शीघ्र और बिना रुके तरिके से फैलाऊँ। मेरे द्वारा, मसीह का ज्ञान हर जगह फैलता है; मसीह के महिमामय सुसमाचार का प्रकाश ना बदले हुओ के हृदय से अंधकार को भगाता है, उन्हें अनंत जीवन के संदेश के साथ प्रभावित करते हुए, और उनमें सत्यनिष्ठा को स्थापित करते हुए, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

यूहन्ना 4:34; नीतिवचन 11:30; मरकुस 6:7-13

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 2:1-26 & यिर्मयाह 19-22

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

इब्रानियो 13:1-25 & यहेजकेल 25-26

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

मंगलवार 27

उस संदेश के रखवाले जो कार्य करता है

फिर जिस पर उन्होंने विश्वास नहीं किया वे उसका नाम कैसे लें? ... और प्रचारक बिना कैसे सुनें? (रोमियो १०:१४)।

सोचीए कि आप एक ऐसे संदेश की रखवाली कर रहे है – एकमात्र संदेश जो मनुष्यों के उद्धार की गारंटी देता है और विश्व को बदल सकता है! आशीषित प्रभु यीशु मसीह का महिमामय सुसमाचार आपके भरोसे पर सौंपा जा चुका है (१तीमुथियुस १:११)। आप मसीह के रहस्यों के रखवाले है; और आपसे यह मांग की जाती है कि आप इसमें वफादार बने (१कुरिंथियो ४:२)।

सुसमाचार में अपनी सेवकाई को पूरी करने में विश्वासघाती मत बनिए; इसे हल्के में मत लीजिए। आप आज एक आत्मा जीत सकते है। यह अंत के दिन है, मत आशा कीजिए कि किसी तरिके से लोग यूँही सुसमाचार को सुन लेंगे और यीशु में विश्वास कर लेंगे, इसके विषय में कुछ कीजिए। खुद वचन को बताईए। सुसमाचार के लिए और अधिक उत्साही हो जाईए!

मसीह का सुसमाचार पापियों को सत्यनिष्ठ बनाता है। यह गरिब को निर्धनता से निकालता है, दरिद्रता से एक समृद्धि, महिमा और श्रेष्ठता के जीवन में ले जाता है। यह हर उस व्यक्ति के लिए परमेश्वर की सामर्थ है जो विश्वास करता है (रोमियो १:१६)। किंतु वे एक प्रचारक के बिना ना तो सुन सकते है ना विश्वास कर सकते है।

बीमार को जानने की जरुरत है कि एक उद्धारकर्ता है और एक चंगाई करनेवाला है जो उन्हें एक नया जीवन देता है, एक जीवन जो कि दैविय है और बीमारी से बेहतर है। कितना अद्भुत समाचार! किंतु आप ही वह व्यक्ति है जिस पर वह भरोसा करता है कि आप इसका प्रचार करेंगे और हर जगह इसको बतायेंगे।

मसीह के बिना जीना परमेश्वर के बिना जीना है; नाश में। यही कारण है कि आपको आत्मा में जुझारु होना है, सुसमाचार का प्रचार करना है (रोमियो १२:११)। आप अंधकार में रह रहे लोगों तक सुसमाचार का प्रकाश ले जाने के लिए भेजे गए है (प्रेरितो के काम १३:४७)। इसलिए हाथ मत खेंचिए; शर्माइए मत। निर्भिक बनिए और पहचानिए कि आप ही उस संदेश के रखवाले है जो कार्य करता है।

प्रार्थना

आशीषित पिता, मैं प्रार्थना करता हूँ उन सबके लिए जो आज सुसमाचार को सुनेंगे कि संदेश से उनको फायदा होगा, उनका उद्धार होगा। मैं आपकी सत्यनिष्ठा और उस महिमामय सामर्थ का उत्सव मनाता हूँ जो आज विश्व में सुसमाचार के प्रचार के द्वारा अनावरित होती है, जैसे ही बहुत से लोग अंधकार में से महिमामय प्रकाश में लाए जाते है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

प्रेरितो के काम 4:12; रोमियो 1:16 AMPC; २ कुरुंथियो 5:19-20

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 3:1-17 & यिर्मयाह 23-25

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

याकूब 1:1-27 & यहेजकेल 27

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उसके अधिकार में जीते हुए

क्योंकि हम उसी में जीवित रहते, और चलते फिरते, और स्थिर रहते हैं, जैसा तुम्हारे कितने कवियों ने भी कहा है, हम तो उसके वंशज है (प्रेरितो के काम १७:२८)।

सच्ची मसीहत यीशु के नाम में जीना है। केवल इसका विचार ही विस्मित रुप से उत्साहीत करता है। कुलुस्सियो ३:१७ कहता है, "वचन में या काम में जो कुछ भी करो सब प्रभु यीशु के नाम में करो...।"

सब वस्तुएँ उसके नाम में करने का अर्थ है उसके नाम में जीना। यह दैविय जीवन की चाबी है। इसका अर्थ है कि आप उसके लिए जी रहे है, उसके अधिकार से। इसलिए, हार, असफलता, और अंधकार आपके जीवन का भाग नही हो सकते। अपना जीवन केवल महिमा के लिए जीएँ; आगे और ऊपर, क्योंकि यीशु का नाम आपके ऊपर लिखा जा चुका है। उसका नाम उसके अधिकार और उसके चरित्र को प्रदर्शित करता है।

पिता ने यीशु को एक नाम दिया जो हर नाम के ऊपर है और उसे सारी वस्तुओ के ऊपर चर्च के लाभ के लिए ठहरा दिया। इफिसियो १:२२-२३ कहता है परमेश्वर ने, " ... सब कुछ उसके पाँवों तले कर दिया; और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया, यह उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।"

चर्च उसका शरीर है, और क्योंकि सारी वस्तुएं उसके पैरो के नीचे रखी जा चुकी है, शैतान भी आपके पैरो के नीचे है! असफलता, बीमारी, गरीबी, और मृत्यु सब आपके पैरो के नीचे है। जीवन में हर वस्तु आपके आधीन है क्योंकि आप स्वर्गीय स्थानों में मसीह के साथ बैठे है।

अगर आप अपने आपको एक परेशानि की स्थिती में पाते है तो घोषणा कीजिए कि "प्रभु यीशु मसीह के नाम में मैं एक बदलाव की घोषणा करता हूँ!" शासन कीजिए और उसके नाम में परिस्थितीयों को दबा दीजिए। आपके पास उसके नाम में अधिकार है हर उस वस्तु को नकारने का जो परमेश्वर से नही है और केवल उसी पर ठप्पा लगाने का जो कि आपके लिए उसकी सिद्ध इच्छा से मेल खाती है।

प्रार्थना

यारे पिता, मैं मसीह यीशु में आनंद मनाता हूँ, जानते हुए कि वह सब वस्तुओ का प्रभु है। मैं विजयी हूँ और परिस्थिती पर प्रबलता पाता हूँ क्योंकि मैं उसके नाम में और उसके अधिकार से जीता हूँ। हालेलूयाह!

अतिरिक्त अध्ययन:

फिलिप्पियो 2:9-11; मरकुस 16:17-18

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

२ तीमुथियुस 4:1-22 & यिर्मयाह 26-28

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

याकूब 2:1-26 & यहेजकेल 28

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

गुरुवार 29

सही बोलिए और एक महान जीवन को पाईये

... क्योंकि उसने आप ही कहा है, मैं तुझे कभी न छोडूँगा, और न कभी तुझे त्यागूँगा। इसलिये हम निडर होकर कहते हैं, प्रभु मेरा सहायक है, मैं न डरूँगा; मनुष्य मेरा क्या कर सकता है (इब्रानियो १३:५-६)।

नीतिवचन ६:२ कहता है, "तो तू अपने ही मुँह के वचनों से फँसा, और अपने ही मुँह की बातों से पकड़ा गया।" यह पवित्र शास्त्र उस विषम स्थिती के विषय में बताता है जिसमें बहुतो ने आज अपने आपको पाया है। वे उनके शब्दो के द्वारा बंधे हुए है। परमेश्वर की संतान के रुप में यह बहुत जरुरी है कि आप सही बोले।

जब आप सही बोलते है, तो आप सही जीएँगे; आपका जीवन सही होगा। नीतिवचन १८:२० कहता है, "मनुष्य का पेट मुँह की बातों के फल से भरता है; और बोलने से जो कुछ प्राप्त होता है उससे वह तृप्त होता है।" यह बात कर रहा है बुद्धि के उन वचनो की जो आपके मुँह से निकलते है। उदाहरण के लिए अगर आप कंगाल होना नही चाहते है तो गरीबी की बाते मत कीजिए। अपने जीवन, धन, व्यवसाय, स्वास्थ इत्यादि के विषय में चेतनरुप से हमेशा परमेश्वर के वचनो के साथ सहमती में ही बोलिए।

नीतिवचन १८:२१ कहता है, "जीभ के वश में मृत्यु और जीवन दोनों होते हैं, और जो उसे काम में लाना जानता है वह उसका फल भोगेगा।" आप अपने वचनो के द्वारा अच्छी वस्तुओं की फसल पाएँगे। वचन वस्तुएँ है; वे एक क्रियाविंत बल है। आज आपका जीवन आपके शब्दो का परिणाम है। नीतिवचन १५:४ कहता है, "हितकारी जीभ जीवन का पेड़ है, ..."। अगर आपके शब्द हितकारी है, तो आपका जीवन सिद्ध, श्रेष्ठ और उत्साही होगा।

नीतिवचन १२:१८ कहता है, "...बुध्दिमान के बोलने से लोग चंगे होते है।" अपने आपको अपने वचनो के द्वारा स्वास्थ में रखिए। विश्वास, सफलता और वृद्धि को बोलिए। १पतरस ३:१० कहता है, "क्योंकि जो कोई जीवन की इच्छा रखता है, और अच्छे दिन देखना चाहता है, वह अपनी जीभ को बुराई से, और अपने होंठों को छल की बातें करने से रोके रहे।" यह आत्मा का एक नियम है और यह काम करता है, चाहे आप इस पर विश्वास करे या ना करे। इसलिए, सही बोलिए और एक महान जीवन पाईये।

प्रार्थना

मेरे शब्द सामर्थी है जो कि मेरे लिए विजयो, वृद्धि, प्रमोशन और प्रचुरता को लाते है। मेरे हितकारी शब्दों के साथ, मैं एक सुंदर, असाधारण, उत्साही, परिपूर्णीत, अविस्मित और मसीह में श्रेष्ठ जीवन का निर्माण करता हूँ, एक महिमामय जीवन का जो कि समृद्धि, स्वास्थ, आनंद और शांति से भरा हुआ है। मैं मसीह की महिमा, अनुग्रह, और सत्यनिष्ठा में चलता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

मरकुस 11:23; मत्ती 12:37 AMPC

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

थीतुस 1-2 & यिर्मयाह 29-30

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

याकूब 3:1-18 & यहेजकेल 29

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

दैविय जीवन के सहभागी और वितरक

ऐसा ही लिखा भी है, कि "प्रथम मनुष्य, अर्थात् आदम जीवित प्राणी बना" और अन्तिम आदम, जीवनदायक आत्मा बना (१कुरिंथियो १५:४५ जी.एन.बी)।

२पतरस १:४ कहता है, "जिनके द्वारा उसने हमें बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाएँ दी हैं: ताकि इनके द्वारा तुम उस सड़ाहट से छूटकर, जो संसार में बुरी अभिलाषाओं से होती है, ईश्वरीय स्वभाव के सहभागी हो जाओ।" दैविय स्वभाव के सहभागि होने का अर्थ है कि हम परमेश्वर – सरिखे के सहभागि है; हम दैवियता के साथ संबंध में है। किंतु यही सब कुछ नही है!

ना केवल उसने अनुग्रही रुप से हमे उसके जीवन का सहभागी बनाया है, उसने हमे उस जीवन का वितरक या बॉटने वाला भी बनाया है। यूहन्ना १०:१० में प्रभु यीशु ने घोषणा की, " ...मैं इसलिये आया कि वे जीवन पाएँ, और बहुतायत से पाएँ।" वह उनको अनंत जीवन देने के लिए आया जो उसमें विश्वास करेंगे। कोई आश्चर्य नही कि उसने हमारे आरंभिक वचन में उसे जीवनदायक आत्मा कहा।

अब नये जन्मे होकर, आप उसके साथ एक है; उसने आपको भी एक जीवनदायक आत्मा बना दिया है। ठीक उसकी तरह, आपके जीवन का उद्देश्य भी खोए हुओ को सुसमाचार के द्वारा सत्यनिष्ठा के जीवन में लाना है। यीशु ने यूहन्ना २०:२१ में कहा, " ... जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं भी तुम्हें भेजता हूँ।" आप इस पृथ्वी पर उसके प्रतिनिधि है, अपने विश्व में परमेश्वर के जीवन को प्रत्यक्ष करते हुए।

आप अनंत सच्चाईयों के वाहक है। जब आप दिखाई देते है तो जीवन दिखाई देता है। जब आप बीमारो को और सताए हुओ को छूते है, तो आपके अंदर का जीवन उनमें और उन तक जाता है, उन तक परिपूर्णता और सिद्धता लाते हुए। कोई आश्चर्य नही कि यीशु ने मत्ती १०:८ में हमे चेताया, "बीमारों को चंगा करो, कोढियों को शुध्द करो, मरे हुओं को जिलाओ...।"

जैसे ही आप इस चेतना के साथ दिखाई देते है कि आप उसके दैविय सार के वाहक है और लोग आपके द्वारा बताए गए वचनो को सुनते है, तो अनंत जीवन उन तक अनावरित होता है। और अंधकार की हर वस्तु झुक जाती है। बाइबल कहती है वह सुसमाचार के

द्वारा जीवन और अमरता को प्रकाश में लाया है (२तीमुथियुस १:१०)। हालेलूयाह!

प्रार्थना

प्यारे पिता, यह कितनी असाधारण आशीष है कि मैं दैविय जीवन का एक वाहक और वितरक बनूँ और खोए हुओ और सताए हुओ को सुसमाचार के द्वारा सत्यनिष्ठा और आनंद के जीवन में लाऊँ। आपका प्रेम, सामर्थ, महिमा, दया और अनुग्रह आज मेरे द्वारा दर्शित होते है, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

१ कुरुंथियो 15:45 AMPC; १पतरस 2:9 AMPC;
लूका 8:41-45 GNB

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

थीतुस 3:1-15 & यिर्मयाह 31-32

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

याकूब 4:1-17 & यहेजकेल 30

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

शनिवार **31**

एक महान जीवन के लिए बुद्धि

बुध्दि की प्राप्ति चोखे सोने से बेहतर है! और समझ की प्राप्ति चाँदी से बढ़कर योग्य है (नीतिवचन १६:१६)।

१कुरिंथियो १:३० कहता है, "परन्तु उसी की ओर से तुम मसीह यीशु में हो, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिये बुद्धि, ... बना दिया गया।" मसीह यीशु आपकी बुद्धि है; और यीशु कौन है? वचन; और परमेश्वर का वचन परमेश्वर की बुद्धि है। परमेश्वर के वचन की अवहेलना करना बुद्धि की अवहेलना करना होगा।

बाइबल कहती है, "जो वचन को तुच्छ जानता, वह नष्ट हो जाता है, ..."(नीतिवचन १३:१३)। परमेश्वर की बुद्धि एक महान जीवन के लिए चाबी है। इफिसियो १ में पवित्र आत्मा ने पौलुस प्रेरित के द्वारा इफिसुस के चर्च के लिए प्रार्थना की कि परमेश्वर उनको देगा, "...बुद्धि और दर्शन की आत्मा उसके ज्ञान में" (इफिसियो १:१७)।

इससे अंतर नही पड़ता कि आपने कौन सी किताबे पढ़ी है और कौन आपके सलाहकार रहे है; अगर आप जीवन में एक सच्ची सफलता होना चाहते है, तो आपको अवश्य ही दैविय बुद्धि में चलना पड़ेगा। सबसे अच्छी बात यह है कि मसीह, जिसमें सारी बुद्धि और ज्ञान के खजाने छिपे है, आपमें रहता है। इसलिए, आपके पास जीवन और परमेश्वर के राज्य के भेदो और रहस्यो में अंतरदृष्टि है। आज अपने विषय में इसको मान लीजिए।

ठीक अभी, घोषणा कीजिए कि आप बुद्धिमानी के निर्णयों को लेते है और चुनावो को करते है, क्योंकि बुद्धि की आत्मा आपमें काम कर रही है। घोषणा कीजिए कि आज दैविय बुद्धि आपमें देखी और सुनी जाती है। घोषणा कीजिए कि आपके कार्य, आपके शब्द आपके लिए परमेश्वर की योजना, उद्देश्य और इच्छा से मेल खाते है क्योंकि आप दैविय अंतर्ज्ञान के द्वारा कार्य करते है। परमेश्वर की महिमा हो!

घोषणा

मसीह में सारी बुद्धि और ज्ञान के खजाने छिपे हुए है, और वही मसीह आज मुझमें जीवित है। इसलिए, मेरे पास बुद्धि और ज्ञान के सारे खजानो तक पहुँच है! मैं तेज, तीक्ष्ण बुद्धि का, और सूक्ष्मदर्शी हूँ। मैं आज बुद्धिमानी से बोलता और कार्य करता हूँ, यीशु के नाम में। आमीन।

अतिरिक्त अध्ययन:

नीतिवचन 4:5-9; कुलुस्सियो 3:16

एक वर्षीय बायबल अध्ययन योजना

फिलोमोन 1:1-25 & यिर्मयाह 33

द्विवर्षीय बायबल अध्ययन योजना

याकूब 5:1-20 & यहेजकेल 31

Leave comments on today's devotional at
www.rhapsodyofrealities.org

उध्दार की प्रार्थना

हम विश्वास करते है कि आप इस अध्ययनिका के द्वारा आशिषित हुए है। इस प्रार्थना को करने के द्वारा हम आपको यीशु मसीह को अपने जीवन का प्रभु बनाने के लिए आमंत्रित करते है:

“ओ प्रभु परमेश्वर, मै अपने पूरे:दय से यीशु मसीह, जीवित परमेश्वर के पुत्र में विश्वास करता हूँ। मै विश्वास करता हूँ कि वह मेरे लिए मरा और परमेश्वर ने उसे मरे हुओ मे से जीवित किया। मै विश्वास करता हूँ कि आज वह जीवित है। मै अपने मुँह से घोषणा करता हूँ कि आज से यीशु मसीह मेरे जीवन का प्रभु है। उसके द्वारा, और उसके नाम में, मेरे पास अनंत जीवन है; मै नया जन्मा हूँ। धन्यवाद परमेश्वर, मेरी आत्मा को बचाने के लिए! अब मै परमेश्वर की एक संतान हूँ। हालेलुयाह!

बधाई! अब आप परमेश्वर की एक संतान है। एक मसीह के रूप में, आप कैसे बढ सकते है, के विषय में अधिक जानकारी ग्रहण करने के लिए, कृपया नीचे लिखे किसी भी नंबर के द्वारा हमसे संपर्क किजिए:

UNITED KINGDOM:
+44 (0)1708 556 604
+44 (0)08001310604

NIGERIA:
+234 1 8888186

CANADA:
+1 416-667-9191

SOUTH AFRICA:
+27 11 326 0971

USA:
+1(800) 620-8522

लेखक के विषय में

पास्टर क्रिस औयाखिलोमे, बिलिवर्स लववर्ल्ड इनकॉर्पोटेड के प्रेसिडेंट है, जो एक प्रभावी, बहुमुखी, विश्व स्तरिय सेवकाई है, वे वास्तविकता संग्रह के लेखक है, विश्व की नंबर एक दैनिक अध्ययनिका, और तीस से अधिक दूसरी पुस्तको के भी। वो परमेश्वर के वचनो के एक वफादार सेवक है, जिनके संदेशो ने बहुतो के हृदय में दैविय जीवन की वास्तविकताओ को लाया है।

करोडो लोग उनके टेलिविजन ब्राडॅकास्ट "चमत्कारो के लिए वार्तावरण," के द्वारा प्रभावित हुए है, जो परमेश्वर की दैविय उपस्थिती को ठीक लोगो के घरो तक लेकर जाता है। इस टेलिविजन सेवकाई का विस्तार पूरे विश्व में लववर्ल्ड सेटेलाइट टेलिविजन नेटर्वकों के द्वारा होता है, जो कि एक विश्व स्तरिय सभा तक गुणवत्ता के मसीही प्रोग्राम लाते है।

विश्वविख्यात, चंगाई विद्यालय में वह यीशु मसीह के कार्य को प्रत्यक्ष करते है और उन्होंने पवित्र आत्मा के काम करते हुए वरदान के द्वारा बहुतो की चंगाई ग्रहण करने में सहायता की है।

पास्टर क्रिस में परमेश्वर की उपस्थिती के साथ पूरे विश्व के लोगो तक पहुँचने का उत्साह है– एक दैविय आज्ञा, जिसको उन्होंने तीस साल से अधिक वर्षो से किया है, विभिन्न आऊटरिचों के द्वारा, क्रूसेडो के द्वारा, और बहुत से अलग तरिको के द्वारा, जिसके द्वारा करोडो लोगो ने परमेश्वर के वचन के द्वारा एक विजयी और उद्देश के जीवन का अनुभव किया है।

LoveWorld Publishing

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी